रमेशचन्द्र जी. पण्ड्या
निदेशक
ज्योतिष शोध संकाय, उदयपुर

कुण्डली कल्पतरु

गणित भाग

जन्मकुंडली निर्माण की आधुनिक पद्धति पर आधारित

रचयिता

रमेशचन्द्र जी. पण्ड्या

कुण्डली कल्पतरु

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त वित्तीय
सहायता से प्रकाशित

रमेशाचन्द्र जी॰ पण्ड्या
निदेशक
ज्योतिष शोध संकाय
एल–124, सेक्टर–9,
-313002

रचयिता	रमेशाचन्द्र जी॰ पण्ड्या श्रीमती मृदुला पण्ड्या एल–124 सेक्टर–9 उदयपुर–313002
मूल्य	85/– रु॰
सर्वाधिकार	लेखकाधीन
प्रथमावृत्ति	1000 प्रतियाँ
सस्करण	2001
मुद्रक	कालिका प्रिन्टर्स

विषयानुक्रमणिका

(प्रथम भाग)

(द्वितीय भाग)

जन्मकुण्डली निर्माण संबंघी आवश्यक उपकरणों की सारिणियाँ

पृष्ठ

(अ) भारतीय प्रान्त

पृष्ठ

अ) भारतीय प्रान्त

	पृष्ठ

पृष्ठ

प्राक्कथन

किसी जातक के जन्म समय के खगोल स्थित ज्यातिपिंडो, नक्षत्रों एवं ग्रहों की गति और स्थिति के आधार पर उसके जीवन पर पड़ने वाले उनके शुभाशुभ प्रभाव को बताने वाले शास्त्र को ही ज्योतिष शास्त्र कहा जाता है। अतः नक्षत्रों एवं ग्रहों की गति और स्थिति का जितना सूक्ष्म निरूपण होगा उतना ही उनके प्रभाव के सम्बन्ध में निरूपित कथन भी सही होगा लेकिन इस वास्तविकता को ध्यानान्तरित करते हुए, आज भी कई ज्योतिषीबंधु प्राचीन ग्रहलाघवीय स्थूल पद्धति से कुंडली निर्माण करते हैं। फलतः अनेकों जन्मकुंडलियाँ खोटी (अशुद्ध) बनी हुई मिली हैं और मिलती हैं।

ग्रहलाघवीय स्थूल पद्धति के सम्बन्ध में मैं यहाँ पर गुजरात के प्रसिद्ध गणितज्ञ स्वर्गीय प्राध्यापक श्री हरिहर प्रा. भट्ट द्वारा संवत् 2039 के संदेश प्रत्यक्ष पंचांग के पृष्ठ 100 पर दिये अपने लेख 'कुंडली ना सूक्ष्म गणित नी सरल पद्धति' में जो विचार प्रकट किये गये है उन्हें उद्‌धृत करना समीचीन समझता हूँ -

1. ग्रहलाघवीय पंचांगों में ग्रहों की गति बहुत ही खोटी (अशुद्ध) लेने में आती है। उस कारण ग्रहलाघवीय ग्रहों में नव-नव अंश तक की भूल आती है।................ ग्रहलाघवीय सूर्य लेने से लग्न और दशम आदि में आधे अंश (30 कला) तक की गलती आती है।
2. ग्रहलाघव में जन्मलग्न निकालने की जो रीति बताई है उस प्रकार से गणित करने पर हिन्दुस्तान में (35 अक्षांश तक में) 30 कला और उससे अधिक अक्षांशों में अधिक की गलती आती है।
3. सूर्योदय और सूर्यास्त के ठीक मध्य भाग में जब सूर्य आकाश में पूरे दिन में सबसे अधिक ऊँचाई पर होता है, उस समय को स्पष्ट मध्याह्न कहते है। हजार ज्योतिषियों में से नव सौ निन्नानवें ज्योतिषी ऐसा समझते है कि यह स्पष्ट मध्याह्न स्थानीय घड़ी के ठीक 12 बजे होता है लेकिन यह बात गलत है। स्पष्ट मध्याह्न स्थानीय घड़ी के 11.30 से 12.15 बजे तक में होता है। इस कारण भी लग्न और दशम आदि में चार अंश तक की भूल आती है।
4. ग्रहलाघव में लग्न सारिणी के लिए चरखंड एक एक राशि के अन्तर पर लिये हुए है और पूरी राशि के दरम्यान लग्न एक ही गति से चलता है, ऐसा मानने में आया है। लेकिन वास्तविक रूप में वैसा

नहीं है। इस कारण लग्न दशम में अतिरिक्त स्थूलता आती है।

5. क्रांति, चर, दिनमान, सूर्योदयास्त, लग्न, दशम आदि विषयों का आध ार सायन सूर्य पर है, निरयन सूर्य पर नहीं। लेकिन लग्न आदि निरयन लग्न सारिणी से निकाले जाते है। उससे भी उसमें स्थूलता आती है।

6. इष्ट घड़ी पर से लग्न दशम निकालने की रीति बहुत लम्बी और स्थूल है। अतः सांपातिक काल पर से लग्न एवं दशमभाव निकालने की रीति दी है। वह इष्ट घड़ी की रीति से अधिक संक्षिप्त होने के साथ सूक्ष्म परिणाम देती है।

इसी संदर्भ में मेरा अनुभव भी कुछ वैसा ही रहा है। मैं ज्योतिष के क्षेत्र में गत चार दशकों से संबद्ध रहा हूँ। इस दीर्घ अवधि में मैंने कई बिना सिर-पैर की उल्टी सीधी जन्मकुंडलियों को देखा और परखा है जिनमें दिये हुए समय और स्थान के अनुसार सांपातिक काल की सूक्ष्म पद्धति से गणित करने पर जन्म लग्न कुंडली में दिये गये जन्म लग्न से भिन्न आते थे और आते है। आज भी वैसी कुंडलियों की भरमार है। इसका एकमात्र कारण इस नवीन पद्धति के सम्बन्ध में हमारे हिन्दी भाषी ज्योतिषी बंधुओं की अनभिज्ञता है। चूंकि ग्रहलाघवीय पद्धति पर रचा गया साहित्य तो विपुल मात्रा में सर्वत्र पाया, पढाया या सिखाया जाता है लेकिन नवीन पद्धति पर रचे गये साहित्य का अभाव है और यदि है भी तो नगण्य रूप में। फिर उसके पढ़ाने या सिखाने का तो प्रश्न ही नहीं उठता।

उपर्युक्त सभी तथ्यों को ध्यान में रखकर मैं 'कुण्डली कल्पतरू' की रचना द्वारा जन्मकुंडली या जन्म पत्रिका बनाने की आधुनिक सूक्ष्म पद्धति को हिन्दी भाषा में हिन्दी भाषी ज्योतिषी बंधुओं के समक्ष ज्योतिष शास्त्र की विनम्र सेवा के एक विनम्र प्रयास के रूप में प्रस्तुत कर रहा हूँ।

किसी भी जातक की जन्मकुंडली निर्माण में यदि कोई सर्वाधिक महत्वपूर्ण अंग है तो वह है लग्न साधन। सौर मंडल में जितना महत्व सूर्य का है और माला के मनकों में सुमेरू का है उतना ही महत्व जन्मकुंडली के द्वादश भावों की राशियों में जन्म लग्न की राशि का है। यही वह कुंजी है जो किसी व्यक्ति के जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव, उसकी उन्नति, अवनति उसके सुख-दुख, उसके चारित्रिक गुण दोष, उसका कार्य क्षेत्र आदि सभी कुछ ग्रह स्थिति के अनुसार जानने तथा उसके भूत, भविष्य और वर्तमान के अज्ञात रहस्य-कपाटों को खोलने में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। अतः यदि हमनें इस महत्वपूर्ण अंग के प्रति अपनी अनभिज्ञता और प्रमाद के कारण उपेक्षा भाव रखा तो यह न केवल ज्योतिष

शास्त्र जो वेदचक्षु की महिमा से मंडित है, की कुसेवा होगी अपितु जिन लोगों की इस शास्त्र और शास्त्रज्ञों के प्रति चिरकाल से जो आस्था और विश्वास है उसे खंडित करने के लिए भी हम उत्तरदायी होंगे, अस्तु।

यदि ज्योतिष के व्यवसाय से जुड़े ज्योतिषी बंधुओं ने इस नवीन पद्धति को अपनाया तो ज्योतिष शास्त्र की तो बहुत बड़ी सेवा होगी ही साथ ही उनकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी और मुझे अपने परिश्रम की सार्थकता पर आत्मसंतोष एवं प्रसन्नता होगी।

अब मैं इस पुस्तक की विषय वस्तु के सम्बन्ध में यहां कुछ प्रकाश डालना उपयुक्त समझता हूँ-

1. जैसा कि 'कुण्डली कल्पतरू' नाम से स्पष्ट है, इस पुस्तक की रचना का मूल उद्देश्य सूक्ष्म और सही लग्न राशि के साधन द्वारा जन्मकुंडली का निर्माण करना है। अत: तत्संबंधी सभी सामग्री को विशद रूप से सोदाहरण प्रस्तुत किया गया है। इसके अलावा अन्य आवश्यक सामग्री का परिचयात्मक विवरण इस प्रकार प्रस्तुत किया है कि पुस्तक का कलेवर भी न बढ़े और कुंडली निर्माण में असुविधा का सामना भी न करना पड़े।

   यद्यपि भूत, भविष्य और वर्तमान के सम्पूर्ण घटनाचक्र और उसके काल का ज्ञान हमें जन्मकुंडली और जन्मकालीन स्पष्ट ग्रहों की स्थिति मात्र से हो जाता है। लेकिन प्रचलित परम्परा को ध्यान में रखते हुए षडवर्ग, विंशोत्तरी, अष्टोत्तरी महादशा आदि का भी समावेश इस पुस्तक में किया गया है।
2. अक्षांश, रेखांश और रेखांतर - भारत के सभी प्रान्तों के शहरों, जिला मुख्यालयों, कस्बों एवं कतिपय गांवों के अक्षांश रेखांश अंग्रेजी एटलस, गुजराती एवं अंग्रेजी की तत्सम्बन्धी पुस्तकों व आवश्यकतानुसार मानचित्रों से प्राप्त कर हिन्दी वर्णानुक्रम से प्रस्तुत किये हैं ताकि कुंडली निर्माण के समय स्थल के प्रान्त को ही देखना पड़े पूरे भारत के शहरों, कस्बों या गाँवों के नामों की खान न छाननी पड़े। भारतीय स्टे. टा. से उनके स्थानीय समय का जो अन्तर है, उसे + या - मिनिट सेकण्ड में दर्शाया है।

राजस्थान के जिलों में से- डूंगरपुर, बांसवाड़ा और उदयपुर जिलों के कुछ मुख्य कस्बों एवं गाँवों के अक्षांश रेखांश और रेखांतर उन जिलों के ज्योतिषी-बन्धुओं की सुविधा हेतु विशेष रूप से दिये है जो आधिकारिक रूप से प्रमाणित तो नहीं है लेकिन करीब करीब सत्य के निकटतम है।

इसी प्रकार भारत के पड़ौसी देशों के मुख्य नगरों और कस्बों के अक्षांश रेखांश एवं रेखान्तर को भी वर्णानुक्रम से सम्बन्धित देश में बताया

गया है।

विश्व के मुख्य नगरों के अक्षांश रेखांश और रेखांतर, उनका टाइम जोन, भारतीय स्टे. टा. से उनका अन्तर आदि सभी कुछ श्री लाहिरी की पुस्तक 'टेबल्स ऑव एसेन्डेन्ट्स' के अनुरूप दिये गये हैं। भविष्य में देश के अनुसार उन्हें प्रस्तुत किये जायेंगे।

3. सांपातिक काल –

सन् 1900 से सन् 2051 तक का 82° 30' रेखांश (पूर्व) के मध्यरात्रि शून्य बजे का सांपातिक काल आवश्यक सारिणियों में दिया गया है।

जिससे विश्व के किसी भी भाग के सांपातिक काल को (अभीष्ट स्थल, दिनांक और समय के अनुसार) आसानी से ज्ञात किया जा सके।

4. अयनांश –

सन् 1900 से 2051 तक का चित्रापक्षीय मध्यम अयनांश प्रत्येक वर्ष में उसकी दैनिक गति एवं स्पष्ट अयनांश के लिए स्पष्ट राहु संस्कार आदि को सारिणियों के रूप में दिया गया है।

5. लग्न सारिणियां –

लग्न साधन के लिए अपेक्षित सभी लग्न सारिणियां शून्य अक्षांश से साठ अक्षांश तक के स्थानों के लिए 23° 15' अयनांश की दी गई है। लग्न साधन की विधि सोदाहरण बताई गई है और अयनांश जनित स्थूलता निवारण हेतु अयनांश संस्कार के सम्बन्ध में भी यथेष्ट प्रकाश डाला गया है।

लग्न और दशम भाव साधन के देश-विदेश के उत्तार-दक्षिण अक्षांश तथा पूर्व-पश्चिम रेखांश के करीब 16 उदाहरण दिये हैं। जिनमें 7 उदाहरण भारत के और 9 उदाहरण विदेशों में उत्पन्न बालकों के है। इन सब के जन्म का दिनांक और समय एक ही लिया है। इसका आशय एक तो भा. स्टे. टा. से उन स्थानों के स्टे. टा. का अन्तर स्पष्ट करना और दूसरा इष्ट सांपातिक काल का सही निर्धारण करके लग्न साधन, दशम साधन एवं ग्रह स्पष्टीकरण की विधि बताना है।

6. ग्रह स्पष्टीकरण सारिणी –

लाधवांक का उपयोग नहीं करके ग्रह-स्पष्टीकरण हेतु ग्रह गति एवं जन्मकालीन स्टे. टा. में से प्रातःकालीन स्पष्ट ग्रह के स्टे. टा. के घटाने पर जो घंटे मिनट शेष रहे उनके मिनट और ग्रह गति (दैनिक) के अंश कला विकला के अनुसार सारिणी में से अंश कला विकला लेने से अमुक ग्रह

कितना आगे बढ़ा या पीछे हटा यह मालूम करने की विधि सोदाहरण समझाई गई है।

7. विंशोत्तरी, अष्टोत्तरी आदि को जन्मकालीन स्पष्ट चंद्र पर से ज्ञात करने उनके भुक्त भोग्य निकालने आदि के सम्बन्ध में भी आवश्यक सारिणियां सोदाहरण दी गई है।

उक्त दशाओं के अलावा इसमें एक चमत्कारिक दशा पद्धति को भी सम्मिलित किया है जिसे प्रत्यक्ष ग्रह दशा पद्धति के रूप में गुजरात के अन्यतम प्रसिद्ध ज्योतिषी श्री मनुभाई एस. शाह ने विकसित किया है जिसका मैं पिछले तीस वर्ष से भी अधिक समय से अपने भविष्य फल-कथन के काल-निर्धारण में उपयोग करता आ रहा हूँ। और मुझे उसके परिणाम सदैव सन्तोषजनक प्राप्त हुए है।

8. उपर्युक्त मुख्य सारिणियों के अलावा अन्य आवश्यक सारिणियां जन्मपत्रिका तैयार करने में सहायक सामग्री की है जिनकी सहायता से कम से कम समय और श्रम से अधिक कार्य किया जा सकता है।

यद्यपि मैंने सम्पूर्ण सावधानी से आवश्यक सभी सामग्री को विविध स्रोतों से प्राप्त कर यथासंभव अपने ढंग से व्यवस्थित और त्रुटि रहित बनाने एवं प्रस्तुत करने का प्रयत्न किया है परन्तु फिर भी कहीं भूल या चूक हो जाना असंभव नहीं है। यदि इस शास्त्र के मर्मज्ञ विद्वान् मेरा ध्यान उस ओर आकृष्ट करेंगे या इस पुस्तक को अधिक उपयोगी बनाने हेतु अपने सुझाव देंगे तो मैं उनका आभारी रहूँगा एवं इस पुस्तक की द्वितीयावृत्ति में तदनुसार परिवर्तन या परिवर्द्धन किया जायेगा।

मैं उन सभी प्रकाशकों एवं लेखकों का हृदय से आभारी हूँ और उनके प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ जिनकी कृतियों के प्रकाश में मैं अपने गंतव्य तक पहुँचने में सफल हुआ -

(1) द ऑक्सफोर्ड स्कूल एटलस
(2) नवीन राष्ट्रीय एटलस
(3) राजस्थान- डूंगरपुर, बांसवाड़ा के मानचित्र
(4) ज्योतिष शास्त्र प्रवेश अने पंचांग मार्गदर्शिका- जन्मभूमि प्रकाशन-मुम्बई
(5) टेबल्स ऑव एसेन्डेन्ट्स-श्री एन. सी. लाहिरी
(6) एडवांस एफेमरीज फोर हंड्रेड इयर्स - श्री एन. सी. लाहिरी
(7) मराठी ग्रह गणित-श्री वी. बी. केतकर-पूना
(8) ज्योतिष कल्पतरू (गणित भाग) जोशी सोमेश्वर द्वारकादास अपने जोशी चन्द्रदेव सोमेश्वर कपडवंज

(9) अ बुक ऑव एस्ट्रोलोजिकल करक्ट प्रेडीक्शन्स श्री मनुभाई एस. शाह नारगोल

इस अवसर पर मैं अपने उन स्वर्गीय कर्मयोगी प्रातः स्मरणीय पिता श्री जगन्नाथ जी पंड्या जो अपनी आखिरी सांस तक संस्कृत-विद्या के प्रसार और प्रचार में संलग्न रहे, को इस पुस्तक के माध्यम से अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित कर पितृ-ऋण से किंचित उऋण होने का विनम्र प्रयास करता हूँ।

दूसरे, स्वर्गीय श्री कन्हैयालाल जी 'मुकुल' ठाकरडा को भी अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ जिनसे मैंने ज्योतिष का प्रारंभिक ज्ञान प्राप्त किया।

तीसरे, स्वर्गीय श्री पन्नालाल जी जोशी बांसवाड़ा को भी अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ जिनके सम्पर्क के कारण आधुनिक गणित एवं श्री मनुभाई एस. शाह के क्रांतिकारी साहित्य से परिचित हुआ। फलतः ज्योतिष में मुझे नई दृष्टि और दिशा प्राप्त हुई।

जिन्होंने समय-समय पर मुझे प्रेरणा दी, प्रोत्साहन दिया, उपयोगी सुझाव दिये और समयोचित मार्गदर्शन दिया उनमें परम पूज्य मेवाड़ महामंडलेश्वर महंत श्री मुरली मनोहर शरण जी शास्त्री, आदरणीय श्री वासुदेव जी शास्त्री, श्री कृष्णचन्द्र जी शास्त्री, भू.पू. निदेशक महाराणा मेवाड़ ऐतिहासिक प्रकाशन प्रन्यास, उदयपुर डॉ. श्री मिथिलेशकुमार जी शर्मा, प्राचार्य राजकीय आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, बीकानेर, डॉ. श्री राजेन्द्र प्रसाद जी मिश्र, प्राचार्य राजकीय आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जोधपुर आदि का मैं आभारी हूँ और उनके प्रति अपनी विनम्र कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ।

अंत में, मैं राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के भूतपूर्व निदेशक श्री के. के. मिश्रा महोदय एवं डॉ. श्री प्रकाश जी पांडेय, सहायक निदेशक (शोध एवं प्रकाशन) का भी आभारी हूँ, जिनकी कृपापूर्ण सहायता एवं सहानुभूति पूर्ण सहयोग के बिना इस पुस्तक का प्रकाशन संभव नहीं होता।

ज्योतिष शोध संकाय :
124, सेक्टर 9, उदयपुर - 313002

रमेशचन्द्र जी. पंड्या

मेरी प्रार्थना

जो ज्ञानियो में अग्रगण्य है, बल और बुद्धि के महासागर है, जिनकी काति स्वर्णशैल–सी दीप्तिमान है और जिनकी कृपा से दुर्गम व अंसभव कार्य भी सुगम और सभव बन जाते हैं; उन परम कृपालु मेरे इष्टदेव भगवान मारूति का मै अल्पज्ञ और मतिमद इस समय उनके अनुग्रह की कामना से स्मरण एवं उनकी वदना करता हूँ। चूंकि मुझ मतिहीन के पास उनकी कृपा, प्रेरणा और आशीष के अलावा कुछ भी नहीं है। वे ही मेरे प्रेरक, मेरे गुरू, मेरे स्वामी और पिता है जिनकी वात्सल्यमयी प्रेरणा ने मुझे 'कुडली कल्पतरू' की रचना के लिए प्रेरित किया है तो वे ही मेरे मार्गदर्शक मुझे अपने गतव्य तक पहुँचने से मेरी सहायता करे।

इनके अलावा साधना के इन 35 वर्षो मे जिन देव शक्तियों के आशीर्वाद की प्रसादी मुझे समय–समय पर प्राप्त होती रही उन सभी–मा गायत्री, भगवती दुर्गा, आशुतोष शिव एव विघ्नहर्ता विनायक–का भी मैं इस समय स्मरण करने के साथ उनकी वंदना करता हूँ। वे भी मुझ ज्ञानहीन की इस कार्य मे सहायता कर उसे पूर्णता प्रदान करने में सहायक बने।

"कृष्णे वन्दे जगद्गुरुम्"

निम्बार्क गंगा सोसायटी, स्थल उदयपुर (राज.)

श्री मुरलीमनोहरशरण शास्त्री
मेवाड महामण्डलेश्वर, अध्यक्ष

शुभानुशंसनम्

गणितज्ञ विद्वान् श्री रमेश चन्द्र जी पंड्या महानुभाव "कुडली कल्पतरू" रचना निर्माण्य ज्योतिष शास्त्र कार्यरताना विदुषा कृते महनीयोपकारं कृतवान् इति मन्ये।

फलकथन कर्मणि गणितस्य महत्व सर्वे स्वीकूर्वन्ति तत्क्रमे एषा रचनां वास्तविक लग्न साधन सविदधाति–देशविदेश क्षेत्रादि् मानमवलम्ब्य लग्न स्पष्ट काल शुद्धिकरण अनेन् विदुषा निष्पादितम्। दुरूहं कार्य–जात सारल्य उदेयाति. ग्रहादि स्पष्टीकरणम् अपि अयनादि क्रमेण् अपि विहितम्। अन्यमपि सारिणि चक्रम्, दशाचक्र, सरलीकृतम्, अतएव अनया रचनयौ विदुषा हार्द अभिप्राय सफलीभूतम् इति विश्वसितम् श्रम साफल्य स्थात् एषा अनुशसास्यात् लोकहिताय ज्ञान विज्ञानाभिवृर्द्धर्थ प्रत्यक्ष शास्त्रे विश्वासानुकूल्य स्यात् तदर्थ भगवता श्री द्वारकाधीश अनुनयेन प्रार्थयामि।

एषा कृति सत्वरमेव प्रकाश्यमाना भविष्यतीति लोकदायित्वम् सर्वे राह कारिण समर्था: योग क्षेमेण् अल कूर्वन्त श्रममिदम् इत्याशासे। कृतस्य श्रमस्य अभिनन्दनम् अस्मदीयं पावन कृतय स्वीकरोमि, इतिशम्

श्री मुरली मनोहर शरण:
मेवाड महा मण्डलेश्वर:
स्थलाश्रम. उदयपुरम्

अखिल भारतीय संस्कृत परिषद दिल्ली (पजीकृत)

श्री वासुदेव शास्त्री
महासचिव

All India Council Sanskrit
New Delhı (Inıda)

संदेश

प्रिय पड्या जी,

आप द्वारा लिखित "कुण्डली कल्पतरू" नामक ज्योतिषग्रन्थ का मैने आद्योपान्त पक्तिश अवलोकन किया। आपके श्रमसाध्य प्रयत्न से अब यह प्रमाणित हो जायेगा कि ज्योतिष अपने आप मे एक विज्ञान है। शास्त्रो मे उल्लेख है कि "ज्योतिषं तृतीय नेत्रम्" अर्थात् ज्योतिष ईश्वर का तीसरा नेत्र है। आज के भौतिकवादी युग मे अपने भविष्य निर्माण की चिन्ता मे भटक रहे युवको, युवतियो तथा अन्य व्यक्तियो को अपनी भावी का सकेत मिलेगा और वे जीवन निर्माण की दिशा मे अग्रसर हो सकेगे।

मैने पाया की "कुण्डली कल्पतरू" मे आपने निम्नाकित अति उपयोगी सामग्री का सोदाहरण समावेश किया है। इसकी सहायता से सामान्य पढा–लिखा व्यक्ति भी अति सुगमता से शुद्ध कुण्डली का निर्माण कर सकता है :–

1 भारत के सभी प्रमुख शहरो, करबो एव गॉवो के तथा विश्व के मुख्य शहरो के अक्षाश, देशाश एव रेखांतर।
2 सन् 1901 से 2051 तक के सापतिक काल एव मध्यम अयनाश
3 शून्य अक्षाश से 60 अक्षांश तक की लग्न सारीणियॉ
4 पञ्चाङ्ग ज्ञान
5 राजस्थान के जिला मुख्यालयो एव भारत के सभी प्रदेशो की राजधानियो तथा विश्व के किसी भी अक्षाश स्थल के लिए चरान्तर एव वेलान्तर सारिणी
6 प्राचीन एवं अर्वाचीन ग्रहदशा।
7. ग्रह एव राशि सम्बन्धी अति उपयोगी सामग्री व सारिणियॉ।

संक्षेप में, यह ग्रन्थ अपने नाम के अनुरूप 'यथा नाम तथा गुण' की सूक्ति को चरितार्थ करने के साथ–साथ कुण्डली निर्माण करने के इच्छुक बन्धुओ के लिये भी यह "कल्पतरू" सिद्ध होगा। विशेषतः उदयपुर, डूंगरपुर एवं बासवाडा के ज्योतिषियो व ज्योतिष शास्त्र में जिज्ञासा रखने वालो के लिए भी यह ग्रन्थ उपादेय है। ज्योतिष के जो पारम्परिक विद्वान् प्राचीन पद्धति से सूर्योदय पर आधारित घडीपल से कुण्डली निर्माण करते हैं, उनका मार्ग भी यह ग्रन्थ प्रशस्त करेगा। मेरे विचार से इस मेवाड–वागड क्षेत्र में इस प्रकार का यह प्रथम प्रयास स्तुत्य है।

मेरा विश्वासहै कि कालान्तर मे राजस्थान ही नहीं अपितु देश के विश्वविद्यालयो में चल रहे ज्योतिष विषय के पाठ्यक्रम मे "कुण्डली कल्पतरू" ग्रन्थ को सम्मिलित किया जाएगा।

भारते ज्योतिष शिक्षण तत्पराणा नित्यं नवोन्मेशगुणा बुधानाम्।
नूतनं नवाचार विधानयुक्तं इद "कल्पतरूं" भाविकाय भूयात्।।

– वासुदेव शास्त्री
महासचिव

डॉ मिथिलेश कुमार शर्मा
भव्य व्याकरणाचार्य, शिक्षाशास्त्री
एम ए., पी एच डी
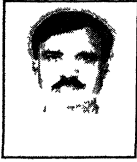
सम्मति :

'ज्योतिषा सूर्यादिग्रहाणा बोधक शास्त्रम्' हि ज्योतिष शास्त्रम् इति परिभाषया यत्र नवग्रहादि नक्षत्राणां विवेचन जायते, तत्तु ज्योतिषम्।

वेद भगवत. चक्षु ज्योतिषम्। यथोक्तम् पाणिनीय शिक्षायाम् –

छन्द पादौ तु वेदस्य हस्तौ कल्पोऽथ पठ्यते।
ज्योतिषामयन
शिक्षा घ्राण तु वेदस्य मुख व्याकरण स्मृतम्।
तस्मात्साङ्गमधीत्यैव ब्रह्मलोके महीयते।

नेत्रस्य महत्वं प्राणीना कृते कीदृग् इति तु जानन्त्येव तत्रभवन्त.। यथा जीवनपथदर्शक नेत्रम्, तथैव त्रिकालदर्शक ज्योतिषम्। स्व भविष्यदर्शने सर्वेषा रूचि.। एतदर्श ज्योतिषशास्त्र मानवजीवन स्वलक्ष्योन्मुखीकृत्वा त्रिकाले दीव्यति। ज्योतिषशास्त्रं कर्मणि सयोजयति, न तु सर्व भाग्याधीनं सयोजयतीति।

ज्योतिष शास्त्र मात्र शास्त्र न वर्तते, अपितु विज्ञानं वर्तते। विज्ञानं तु तर्केण प्रतिपाद्यते, न तु विश्वासेन। अत. सर्वेऽपि ज्योतिषं विज्ञानं मन्वते। ज्योतिष विज्ञानं सर्वसुलभज्ञानं कया रीत्या भवेद् इति तु विचारणीय. प्रश्नः। इदमेव कारण यद् वयं विशिष्टज्ञानविहीना स्म.।

अनया दृष्टया उदयपुरस्थ ज्योतिष शोधसकायस्य निदेशकेन पण्डितवरेण श्री रमेशचन्द्र जी, पण्ड्या महाभागेन कृतप्रयत्नोऽपि श्लाघनीय.। तेन 'कुण्डलीकल्पतरूः' नामको ग्रन्थ सर्वसामान्यजनानां कृते समुपस्थापित'। अल्पपठिताऽपि अनेन अध्यापनेन ज्योतिषज्ञाने समक्षा' भविष्यन्तीति, नाऽत्र सन्देह। सरल पद्धत्या गूढ ज्योतिषशास्त्रस्य समुपस्थापनं ग्रन्थस्य विशेषता वर्तते। अस्मिन् ग्रन्थे सरलतया विश्वकालज्ञान चक्रादीना विवेचन वर्तते।

अनेन ग्रन्थेन ज्योतिषशास्त्राध्ययने प्रवृत्तानां, जिज्ञासूनां, छात्राणां, विदुषां ज्योतिषानुरागिणां च महॉल्लाभो भविष्यतीति सामोदं सम्मन्वे।

निवेदक
—डॉ. मिथिलेश कुमार शर्मा

OPINION OF SHRI K.C. SHASTRI

(Editor of the Archaeological Research, Journal "**ANVESHANA**" & Director, Maharana Mewar Historical Publication Trust, Udaipur (Raj)

Among the ancient Indian sciences, the science of heavenly bodies i c. Astronomy has an important place As a matter of fact, Rajasthan too. without ever legging behind has kept on contributing from time to time to the field of astronomy as well as astrology for its expansion and its patronage also Present work "Kundali Kalpataru" is a contribution, of late, to the field in thesame great and glorious tradition

Mr. Ramesh Chandra G Pandya by dint of his intensive and extensive astronomical as well astrological studies has not only made a good and successful endeavour to open a new window for the inquisitive readers and learners of astrology by means ofthis book to peep into a new sphere of knowledge but he has also met the long felt dearth of such a complete book on the subject in Hindi in accordance with the modern method of erecting a correct birth chart and casting a horoscope with the help of sidereal time longitude and latitude of the place of birth in lieu of old and traditional method based on the sun-rise and Ghadi-pals.

As s subject, Astrology or Astronomy hardly needs any introduction as regards its usefulness in our lives. Althouth this science has also been polluted to some extent by externalists yet neither its scientific basis has been damaged nor the spontaneous faith of society in it has ever been lessened nor it will be lessened a little in future At this juncture, this type of effort made by Shri Pandya is indeed, praiseworthy

I hope, students, savants nd dilettantes of the subject will equally derive benefit from this book

Further, I congratulate the auther and the Publisher of the book

- K C Shastri

भारत की कुण्डली

अडमान–निकोबार, मणिपुर, मिजोरम,
नागालैंड, अरूणाचलप्रदेश
11
असम, त्रिपुरा
मेघालय
12
9
8
10
पश्चिम बगाल
सिक्किम
1
7
गुजरात,
जम्मू–कश्मीर,
महाराष्ट्र, गोवा
4
पजाब,
हरियाणा,
हिमाचलप्रदेश,
केरल, दिल्ली,
मध्यप्रदेश,
राजस्थान
बिहार,
उडीसा
2
6
उत्तरप्रदेश
तमिलनाडू
5
3
आध्र प्रदेश,
कर्नाटक
पाडिचेरी
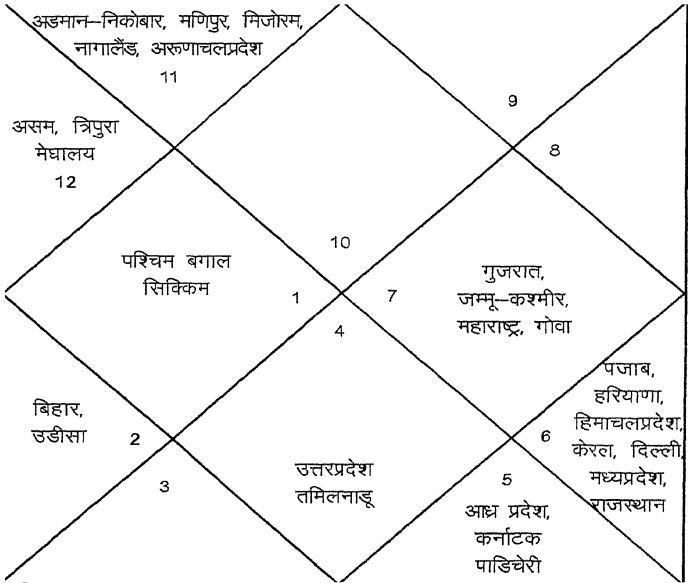
कुण्डली – कल्पतरू
(गणित भाग)
अध्याय 1

3 ज्योतिष शास्त्र –

किसी जातक के जन्म समय के खगोल स्थित ज्योतिपिडों – नक्षत्रो एवं ग्रहों – की गति और स्थिति के आधार पर उसके जीवन पर पडने वाले उनके शुभाशुभ प्रभाव को बताने वाले शास्त्र को ही ज्योतिः शास्त्र या ज्योतिषशास्त्र कहा जाता है।

पूर्व के आचार्यों ने व्याकरण को वेद–पुरूष का मुँह, ज्योतिषशास्त्र को ऑखे, निरूक्तशास्त्र को कान, कल्पशास्त्र को हाथ, शिक्षाशास्त्र को नाक और छंदशास्त्र को पैर बताया है।

जिस प्रकार मानव जीवन मे ऑखों की उपादेयता स्वयं सिद्ध है उसी प्रकार समस्तशास्त्रों में ज्योतिषशास्त्र की उपादेयता भी स्वयं सिद्ध है। यही वह शास्त्र है जो भूत, भविष्य और वर्तमान के घटनाचक्र को, मानव–जीवन पर पडने वाले ग्रहो के शुभाशुभ प्रभाव को एव कुदरत के रहस्यों को समझने एव उन्हे उद्घाटित करने की क्षमता प्रदान करता है।

ज्योतिषशास्त्र को चार लाख श्लोकों का बताया गया है। इसके तीन स्कंध है। (1) गणित (सिद्धान्त) (2) जातक (होरा) और (3) संहिता। किसी–किसी के मत से उक्त तीन स्कंधों के अलावा (4) स्वर और (5) सामुद्रिक नामक दो स्कंध और भी है।

यहॉ हम तत्सम्बन्धी विस्तार मे नहीं जाकर हमारे लिए जो आवश्यक और उपयोगी है उसी पर विचार करेगे।

अध्याय 2

2 पचाग ज्ञान –

ज्योतिषशास्त्र का प्रारम्भिक ज्ञान हम पचाग से प्रारभ करते है। काल के पॉच अगो (1) तिथि (2) वार (3) नक्षत्र (4) योग और (5) करण के समूह का नाम ही पचाग है। इन पाच अगो का आधार सूर्य और चन्द्र की गति एव स्थिति है।

(i) तिथि –

चन्द्र और सूर्य के बीच 12–12 अश का अन्तर बताने वाली सज्ञा को तिथि कहते है। ये 30 है जो दो– (पन्द्रह–पन्द्रह के) पक्षो–शुक्ल एव कृष्ण में विभाजित हैं।

चूकि राशि, अंश, कला और विकला का उल्लेख बारम्बार होगा इसलिए उनके बारे में भी जानकारी प्राप्त करना आवश्यक है। 60 विकला = 1 कला, 60 कला = 1 अंश और 30 अश = 1 राशि और 12 राशि बराबर 360 अंश या एक सम्पूर्ण भचक्र। जब हमे राशि से विकला प्राप्त करनी हो तब राशि में 30 का गुणा करने पर अश, अंश मे 60 का गुणा करने पर कला, कला में 60 का गुणा करने पर विकला और विकला मे 60 का गुणा करने पर प्रति विकला प्राप्त होती है। इसी प्रकार जब विकलाओं से राशि प्राप्त करनी होती है तब विकलाओ मे 60 का भाग देने पर लब्धि कला और शेष विकला, (लब्धि = भाग फल), कला मे 60 का भाग देने पर लब्धि अंश शेष कला, अश मे 30 का भाग देने पर लब्धि राशि शेष अश प्राप्त होते है।

राशि, अश, कला, विकला में राशि, अंश, कला, विकला को जोडने पर यदि राशि संख्या 12 से अधिक हो तो उसमे 12 का भाग देने पर शेष को राशि मानना चाहिये। इसी प्रकार राशि, अश कला विकला में से राशि अंश कला विकला घटाने पर यदि राशि की घटायी जाने वाली सख्या अधिक हो तो उस राशि में (जिसमें से राशि घटायी जाना है) 12 जोड़कर उस संख्या को घटाना चाहिये।

शुक्ल पक्ष की तिथियाँ –

(1)	प्रतिपदा–पडवा, एकम	(9)	नवमी–नोम
(2)	द्वितीया–दूज	(10)	दशमी–दशम
(3)	तृतीया–तीज	(11)	एकादशी–ग्यारस
(4)	चतुर्थी–चौथ	(12)	द्वादशी–बारस
(5)	पचमी–पांचम	(13)	तृयोदशी–तेरस
(6)	षष्ठी–छठ	(14)	चतुर्दशी–चौदस और
(7)	सप्तमी–सातम	(15)	पूर्णिमा–पूनम
(8)	अष्टमी–आठम		

कृष्ण पक्ष की तिथियाँ –

शुक्ल पक्ष की तरह इसमे भी 16वी से 29वी तिथि को (16) प्रतिपदा, (17) द्वितीया (18) तृतीया आदि क्रमश (29) चतुर्दशी तक गिना जाता है और 30वी तिथि को अमावस्या कहा जाता है।

पचाग मे इन्हे अको (1) (2) (3) आदि मे दर्शाया जाता है, शब्दो मे नही।

शुक्ल पक्ष मे प्रतिपदा से चन्द्रमा का आकार दिन–प्रतिदिन बढकर पूर्णिमा को पूरा गोलाकार हो जाता है। लेकिन उसके बाद चन्द्रमा का आकार प्रतिदिन घटकर अमावस्या तक पूरी तरह लुप्त हो जाता है। शुक्ल पक्ष को उजाला और कृष्ण पक्ष को अधेरा पखवाडिया (पक्ष) भी कहा जाता है। इसके अलावा उसे शुद और वद भी कहते है। शुक्ल पक्ष में सूर्यास्त के समय से ही चन्द्र आकाश मे दिखाई देता है जबकि कृष्ण पक्ष मे सूर्यास्त के समय चन्द्र दिखाई नहीं देकर रात को क्रमश देर–देर से दिखाई देता है।

(ii) वार –

हिन्दू लोग एक सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक के समय को वार या दिन कहते है। यह 24 घंटे = 60 घडी का होता है। समय की यह इकाई निम्न प्रकार से विभाजित है :–

A	60 सेकण्ड = 1 मिनिट,	B	60 विपल = 1 पल
	60 मिनिट = 1 घंटा,		60 पल = 1 घडी
	24 घंटा = 1 दिन व रात		60 घडी = एक अहोरात्र

D 2 घडी 30 पल 1 घटा C 1 घडी = 24 मिनिट
1 पल = 24 सेकण्ड,
1 विपल = 24 प्रति सेकण्ड

मुसलमान एक सूर्यास्त से दूसरे सूर्यास्त तक के समय को वार या दिनाक कहते है या मानते है।

ईसाई मध्यरात्रि (रात्रि के 12 बजे या 0 बजे) से दूसरे दिन की मध्यरात्रि तक के समय को वार और दिनाक मानते है।

वार सात है जिनके नाम निम्न प्रकार है :–

	हिन्दू नाम	मुसलमान नाम	इसाइ नाम
1	रविवार	इतवार	सन्डे
2	सोमवार	पीर	मन्डे
3	मगलवार	मगल	ट्यूजडे
4.	बुधवार	बुध	वेंज्डे
5	गुरूवार	जुम्मा	थर्सडे
6.	शुक्रवार	जुमेरात	फ्राइडे
7.	शनिवार	सनिचर	सटरडे

(iii) नक्षत्र –

क्रांतिवृत के 360° अश 27 भागों में विभाजित किये गये है। इन भागो को नक्षत्र कहा गया है। आकाश में परिभ्रमण करते हुए चन्द्र को क्रातिवृत के आरम्भ स्थान से प्रत्येक नक्षत्र विभाग मे घूमने मे जितना समय लगता है वह नक्षत्र भोग का समय होता है। चन्द्र नक्षत्र विभाग के जिस भाग मे हो उस नक्षत्र–विभाग का नाम उस समय को दिया हुआ होता है। चन्द्र की कम या ज्यादा गति के अनुसार नक्षत्र का समय भी कम ज्यादा होता है। नक्षत्रो के नाम निम्न प्रकार है –

1. अश्विनी,
2. भरणी,
3 कृतिका,
4. रोहिणी,
5 मृगशीर्ष,
6. आर्द्रा,
7 पुनर्वसु,
8 पुष्य,
9 आश्लेषा,
10 मघा,
11. पूर्वाफाल्गुनी
12. उत्तराफाल्गुनी
13 हस्त,
14. चित्रा,
15 स्वाती
16. विशाखा,
17 अनुराधा,
18 ज्येष्ठा
19. मूल,
20. पूर्वाषाढा,
21. उत्तराषाढा,
22 श्रवण,
23. धनिष्ठा,
24 शतभिषा,
25 पूर्वाभाद्रपदा,
26 उत्तराभाद्रपदा
27. रेवती

इनके अलावा उत्तराषाढा के चतुर्थचरण राश्यादि = 9रा 6अं 40क 0 वि से श्रवण नक्षत्र के प्रथम 1/15 वे भाग राश्यादि = 9रा 10अ 53क 20वि तक के चन्द्र मे अभिजित नक्षत्र माना जाता है।

प्रत्येक नक्षत्र के चार चरण होते है। एक नक्षत्र 13 अश 20 कला का और एक चरण 3 अश 20 कला का होता है।

(iv) योग –

सूर्य और चन्द्र की राशि अश कला विकला के योग के प्रत्येक 13 अश 20 कला के भाग को योग कहा जाता है। ये भी नक्षत्रो की तरह 27 है। इनके नाम इस प्रकार है :–

1 विष्कुभ	10 गड	19. परिध
2 प्रीति	11 वृद्धि	20. शिव
3 आयुष्मान	12 ध्रुव	21 सिद्ध
4 सौभाग्य	13 व्याघात	22 साध्य
5 शोभन	14 हर्षण	23 शुभ
6 अतिगंड	15 वज्र	24 शुक्ल
7 सुकर्मा	16 सिद्धि	25 ब्रह्मा
8 धृति	17 व्यतिपात	26 ऐन्द्र,
9 शूल	18 वरियान	27 वैधृति

(v) करण –

[illegible]

विकला) मे से सूर्य राश्यादि को घटाने पर प्राप्त राश्यादि में के प्रत्येक 6 अश के अन्तर को करण कहा जाता है। ये कुल ग्यारह है जिनमे –

चर करण		स्थिर करण
1. बव	5. गर	1. शकुनि
2 बालव	6. वणिज	2 चतुष्पाद
3. कौलव	7 विष्टि	3 नाग
4 तैतिल		4 किस्तुघ्न

स्थिरकरण कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के द्वितीय भाग (अर्थात् 11 रा 12 अंश से 11 रा 18 अंश) से क्रमश शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा के प्रथम भाग (अर्थात् 0 राशि 6 अश) तक सदा बने रहते है।

अध्याय 3

2. वर्ष ज्ञान –

पंचाग के उक्त पॉच अगो की जानकारी के साथ भारत मे प्रचलित विविध वर्ष परम्परा के संबध मे भी ज्ञान प्राप्त करना आवश्यक है। ये निम्न प्रकार प्रचलित है–

1. सवत्, 2 शालिवाहन शक, 3. संवत्सर 4. कृष्ण सवत्, 5. जैन सवत्, 6. कलिकाल संवत्, 7 हिजरी सन्, 8. ईस्वी सन्, 9 पारसी सन् और 10. भारतीय वर्ष।

(i) सवत् –

इसे विक्रम सवत् कहा जाता है। भारत के उत्तरी भाग के प्रदेशों में इसका प्रारंभ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (जब ईस्वी सन् का मार्च–अप्रैल महीना होता है) से, कच्छ हालार मे आषाढ शुक्ल प्रतिपदा (जब ईस्वी उन् का जून–जुलाई महीना होता है) से, गुजरात काठियावाड में कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा (जब ईस्वी सन् का अक्टूबर–नवम्बर महीना होता है।) से माना जाता है।

सन् में 56 जोडने पर 1 जनवरी का संवत् आता है। इस वर्ष के चैत्रादि महीने निम्न प्रकार है –

1. चैत्र
2. वैशाख
3. ज्येष्ठ
4. आषाढ
5. श्रावण
6. भाद्रपद
7. आश्विन
8. कार्तिक
9. मार्गशीर्ष
10. पौष
11. माघ
12. फाल्गुन

यह प्रत्येक महीना 30 तिथि का होता है

(ii) शालिवाहन शक संवत्–

काल गणना में इसका प्रारम्भ मेष सक्रांति से माना जाता है। लेकिन महाराष्ट्र तथा दक्षिण भारत में इसका प्रारम्भ चैत्र शुक्ल (गुड़ी पडवा) से माना जाता है।

ईस्वी सन् में से 79 वर्ष घटाने पर 1 जनवरी का शक संवत् प्राप्त होता है।

उत्तर भारत में सवत् या शक का प्रारम्भ जहाँ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से माना जाता है वहाँ वे पूर्णिमान्त महीने होते है अर्थात् महीने का प्रारम्भ कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से माना जाता है और अंत शुक्ल पक्ष की पूनम को होता है। गुजरात और दक्षिणी राजस्थान के डूंगरपुर, बासवाडा जिलों मे मास का प्रारम्भ शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से और अन्त कृष्ण पक्ष की अमावस्या को माना जाता है।

(iii) सवत्सर –

इन्हे चाद्र वर्ष अर्थात् चैत्र से फाल्गुन तक के 12 चन्द्र आधारित महीनो के समूह को चान्द्र वर्ष या सवत्सर कहा जाता है। ये साठ है–

1 प्रभव	21 सर्वजित्
2 विभव	22 सर्वधारी
3. शुक्ल	23 विरोधी
4 प्रमोद	24. विकृति
5. प्रजापति	25. खर
6 अगिरा	26 नदन
7 श्रीमुख	27 विजय
8. भाव	28. जय
9. युवा	29. मन्मथ
10 धाता	30. दुर्मुख
11. ईश्वर	31. हेमलम्बी
12. बहुधान्य	32. विलम्बी
13. प्रमाथी	33. विकारी
14 विक्रम	34. शार्वरी
15. वृष	35. प्लव
16. चित्रभानु	36. शुभकृत
17 सुभानु	37. शोभन
18. तारण	38. क्रोधी
19 पार्थिव	39. विश्वावसु
20. व्यय	40. पराभव

(i) संवत् संवत्सर –

सवत् की सख्या मे 9 जोडकर 60 का भाग देने पर शेषांक के अनुसार सवत् का संवत्सर (शेषाक = प्रभव, 2 = विभव आदि) आता है।

(i) शक सवत्सर –

शक की संख्या मे 12 जोड़कर 60 का भाग देने पर शेषाक के अनुसर शक–संवत्सर का नाम होता है।

(iv) कृष्ण सवत्–

शालिवाहन शक की सख्या मे 3304 वर्ष जोडने पर कृष्ण सवत् प्राप्त होता है।

(v) महावीर या जैन सवत् –

विक्रमी सवत् मे 470 वर्ष जोडने पर यह सवत् प्राप्त होता है। इसकी गणना भगवान महावीर के निर्वाण दिवस (कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा) से होती है।

(vi) कलिकाल सवत् –

शालिवाहन शक में 3179 जोडने पर कलिकाल संवत् आता है। इसका प्रारम्भ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा और निरयन मेष के सूर्य से होता है।

(vii) हिजरी सन् –

पैगम्बर मोहम्मद साहब के मक्का से मदीना हिजरत करने (जाने) से इस सन् का प्रारम्भ हुआ है। उस समय शक 544 कार्तिकी विक्रम 678 (श्रावण) शुक्ल प्रतिपदा) तथा पुराने अग्रेजी कलेण्डर के अनुसार 15 जुलाई 622 गुरूवार था। अत शक में से 544 घटाने पर शेष हिजरी सन् प्राप्त होता है।

मुस्लिम महीने –

महीना	दिन	महीना	दिन
1 मोहर्रम	29	7 रज्जब	29
2. सफर	30	8. शाबान	30
3. रबी–उल–अव्वल	29	9. रमजान	29
4. रबी–उल–आखर	30	10. सव्वाल	30
5 जमादी–उल–अव्वल	29	11. जिल्काद	29
6. जमादी–उल–आखर	30	12 जिल्हेज	30

किसी भी मास का प्रारम्भ चन्द्र दर्शन से माना जाता है। चन्द्र पर आधारित यह वर्ष 354 दिन का होता है।

हिजरी सन् मे 30 का भाग देने पर यदि शेष 2 5 10 13 18 21.24.26 29 रहे उस सन् मे 354 दिन के बजाय 355 दिन होते है। यह 1 (एक) दिन अतिम जिल्हेज मे जोड दिया जाता है।

(viii) ईस्वी सन् –

इसे ईसाई वर्ष भी कहते है। इसकी गणना महात्मा ईसा मसीह के जन्मकाल से प्रारम्भ होना मानी जाती है।

विक्रम संवत् मे 56 घटाने पर 1 जनवरी (पौष माह) का सन् आता है।

शक मे 79 जोडने पर 1 जनवरी का सन् आता है। इस वर्ष की (सायन मान से) लम्बाई 365 दिन 5 घटे 48 मिनिट 45 5097 सेकण्ड है। लेकिन 4 अक्टूबर 1582 तक इसे 365 दिन 6 घटे का माना गया। अत. प्रत्येक 4 वर्ष मे 1 दिन बढा दिया जाता रहा। लेकिन पोप ग्रेगरी व उमर–खय्याम की काल गणना के अनुसार 5 अक्टूबर 1582 को 15 अक्टूबर 1582 मानकर बढी हुई दिन सख्या की भूल को सुधार दी गई। तत्पश्चात् शताब्दी के प्रत्येक चौथे वर्ष को तो फरवरी महीने मे एक दिन बढाकर प्लुत वर्ष माना गया लेकिन शताब्दी वर्ष जिसमे 400 से भाग देने पर यदि शेष बचता है तो उस शताब्दी वर्ष को सामान्य वर्ष और यदि शेष नही बचता है तो प्लुत वर्ष (लीप इयर) माने जाने की व्यवस्था की गई। तदनुसार सन् 1600, 2000, 2400 आदि प्लुत वर्ष होगे जबकि 1700, 1800, 1900, 2100, 2200, 2300 आदि वर्ष सामान्य होगे। सामान्य वर्ष 365 दिन का होता है जबकि प्लुत वर्ष 366 दिन का होता है।

इस सन् के 12 महीनो के नाम ये है –

महीना	दिन	महीना	दिन
1 जनवरी	31	7 जुलाई	31
2 फरवरी	28*	8 अगस्त	31
3. मार्च	31	9 सितम्बर	30
4. अप्रैल	30	10. अक्टूबर	31
5. मई	31	11. नवम्बर	30
6 जून	30	12. दिसम्बर	31

"सामान्य वर्ष मे फरवरी के 28 दिन और प्लुत वर्ष मे 29 दिन होते है।

(ix) पारसी वर्ष –

कई जरथोस्ती सूर्य के निरयन मेष सक्रमण दिनांक 14 अप्रैल से वर्षारम्भ मानते है। प्रत्येक महीना 30 दिन का होता है। अंत मे 5 दिनो को गाथा के रूप में जोड दिये जाते है। इस प्रकार पूरा वर्ष 365 दिन का होता है।

पारसी महीने –

महीना	दिन	महीना	दिन
1. फरवर दीन	30	7 महेर	30
2. अरदी बेहस्त	30	8 आबान	30
3. खोरदाद	30	9 आजर	30
4 तीर	30	10. देहे	30
5 अमरदाद	30	11 बहमन	30
6 शहे रेवर	30	12. स्पन्दारमद	30

वर्ष को 'सन्ने यजदे जरही' कहा जाता है। यह वर्ष करीब–करीब अगस्त महीने मे बदलता है।

(x) भारतीय वर्ष –

डॉ. मेघनाद सहा की अध्यक्षता में नवम्बर, 1952 में गठित पंचाग सुधार समिति की रिपोर्ट के अनुसार 22 मार्च, 1957 से तारीख 1 चैत्र 1979 (शक) गिनने का निश्चय किया गया।

भारतीय सन् के महीने संवत् और शक के महीनों के अनुसार ही रखे गये है। लेकिन दिनों की संख्या 31/30 की रखी गई है और मासारम्भ 21/22 मार्च से माना गया है जो निम्न प्रकार है –

महीना	दिन	मासारम्भ तारीख
1. चैत्र	30/31	21/22 मार्च
2 वैशाख	31	21 अप्रैल
3. ज्येष्ठ	31	22 मई
4. आषाढ	31	22 जून
5 श्रावण	31	23 जुलाई

महीना	दिन	मासारम्भ तारीख
6 भाद्रपद	31	23 अगस्त
7 आश्विन	30	23 सितम्बर
8 कार्तिक	30	23 अक्टूबर
9 मार्गशीर्ष	30	22 नवम्बर
10 पौष	30	22 दिसम्बर
11. माघ	30	21 जनवरी
12. फाल्गुन	30	20 फरवरी

प्लुत वर्ष में चैत्र के 31 दिन और मासारम्भ की तारीख 21 मार्च होती है।

अध्याय 4

अयन, गोल एव ऋतु –

(i) अयन –

अयन दो है – 1. उत्तरायन तथा 2. दक्षिणायन

उत्तरायन – जब सूर्य सायन मकर से सायन मिथुन तक का रहताहै तब उसकी गति उत्तर की ओर होती है। अत उक्त अवधि को उत्तरायन कहा गया है। दूसरे शब्दों में 22 दिसम्बर से 22 जून तक के समय को उत्तरायन कहा जाता है।

दक्षिणायन– जब सूर्य सायन कर्क से सायन धनु राशि तक का रहता है तब उसकी गति दक्षिण की ओर होती है। अत· उक्त अवधि को दक्षिणायन कहा गया है। दूसरे शब्दो में 22 जून से 22 दिसम्बर तक के समय को दक्षिणायन कहा जाता है।

(ii) गोल –

अयन की तरह गोल भी दो हैं – 1. उत्तर गोल और, 2. दक्षिण गोल। भू मध्य रेखा (0° अक्षांश) द्वारा भू मण्डल के दो बराबर भाग कर दिये गये है। भू मध्य रेखा को विषुववृत्त या शून्य अक्षांश भी कहते है। विषुवतवृत्त के ऊपर वाले भाग को उत्तर गोल और नीचे वाले भाग को दक्षिण गोल कहते है। गोल गोलार्द्ध का ही नाम है। ये दोनों गोलार्द्ध मिलकर ही सम्पूर्ण भूमण्डल का दर्शाते है। उत्तर गोल जब सायन सूर्य मेष से सायन कन्या राशि तक का रहता है तब उसे उत्तर गोल कहा जाता है। 21 मार्च से 22 सितम्बर तक का समय सूर्य के उत्तरी गोलार्द्ध में परिभ्रमण का होता है दक्षिण गोल जब सूर्य सायन तुला राशि से सायन मीन राशि में अर्थात् 22 सितम्बर से 21 मार्च तक के समय में दक्षिण गोलार्द्ध मे परिभ्रमण करता है तब उसे दक्षिण गोल कहा जाता है।

(iii) ऋतु –

सायन सूर्य की राशि के अनुसार उत्तरी व दक्षिणी अक्षांश के देशों के निम्न प्रकार की ऋतु रहती है –

सायन सूर्य की राशि	उत्तरी अक्षांश ऋतु	दक्षिणी अक्षाश ऋतु
मीन–मेष	बसन्त	शरद्
वृषभ–मिथुन	ग्रीष्म	हेमन्त
कर्क–सिह	वर्षा	शिशिर
कन्या–तुला	शरद्	बसन्त
वृश्चिक–धनु	हेमन्त	ग्रीष्म
मकर–कुभ	शिशिर	वर्षा

अध्याय 5

सायन एवं निरयन वर्ष तथा अयनांश

(i) सायन वर्ष –

उत्तरायन एवं दक्षिणायन इन दो अयनो का परिभ्रमण करने मे सूर्य को जितना समय लगता है उसे सायन वर्ष कहते है। यह वर्ष 365 दिन 5 घटे 48 मिनिट 45.5097 सेकण्ड का होता है।

(ii) निरयन वर्ष –

सूर्य को अपने मार्ग का परिभ्रमण करने मे जितना समय लगता है उसे निरयन वर्ष कहते हैं। यह वर्ष 365 दिन 6 घंटे 9 मिनिट 9 7632 सेकण्ड का होता है। चूकि इसका सम्बन्ध अयन से नहीं है इसलिए उसे निरयन वर्ष कहते है।

(iii) अयनाश –

सायन एव निरयन वर्ष में 20 मिनट 24 सेकण्उ जितना अन्तर है। इस समयावधि मे सूर्य अपने परिभ्रमण काल मे विषुववृत्त के करीब 50 25 विकला पीछे रह जाता है। इस प्रकार प्रतिवर्ष 50.25 विकला का जो अन्तर पडता जाता है उसे अयनाश कहते है। करीब 72 वर्ष मे 1 अंश का अन्तर पड जाता है। अयनांश की इस गति को (50.25 विकला को) अयन गति कहते है। जब निरयन राशि में अयनांश जोडे जाते है तब सायन राशि प्राप्त होती है और सायन राशि मे से अयनांश घटाने पर निरयन राशि प्राप्त होती है।

अध्याय 6

अधिक और क्षय मास –

हिन्दुओं के वर्ष का आधार सूर्य एव चन्द्र के वर्ष मान का आपसी सुमेल है।

सूर्य – निरयन मान – = 365 दिन 6 घंटे 9 मि. 9.7632 से

चन्द्र का वर्ष मान – = 354 दिन 8 घंटे 48 मि 34.3797 से.

दोनो का अन्तर – = 10 दिन 21 घंटे 20 मि. 35.3838 सेकण्ड

अधिक मास –

सूर्य और चन्द्र के वर्ष मान का यह अन्तर बढते--बढते सामान्यतः 32 महीने 17 दिन मे 30 दिन का हो जाता है। इस अन्तर को समाप्त करने के लिए 33 महीनो मे एक अधिक मास की व्यवस्था की गई है ताकि दोनो वर्षमानो का सुमेल बना रहे। स्पष्ट मान से 28 से 35 महीने मे 1 अधिक मास आता है और मध्यमान से 33½ महीने मे। अधिक मास का निर्धारण स्पष्ट मान से किया जाता है। अधिक मास सामान्यतः फाल्गुन से आश्विन तक के आठ महीनो मे से ही कोई महीना होता है।

शुक्त पक्ष की प्रतिपदा के आरम्भ होने के समय सूर्य की निम्नाकित राशि के अनुसार चान्द्र मास का नाम निर्धारित किया जाता है।

	सूर्य राशि	चान्द्र मास		सूर्य राशि	चान्द्र मास
1.	मेष	वैशाख	7.	तुला	कार्तिक
2.	वृषभ	ज्येष्ठ	8.	वृश्चिक	मार्गशीर्ष
3.	मिथुन	आषाढ़	9.	धनु	पौष
4.	कर्क	श्रावण	10.	मकर	माघ
5.	सिह	भाद्रपद	11	कुंभ	फाल्गुन
6.	कन्या	आश्विन	12.	मीन	चैत्र

नोट – आगामी वर्षों के अधिक एवं क्षय मास आगे पृष्ठ पर दिये जा रहे है।

जब सूर्य उपर्युक्त राशि मे से किसी राशि मे हो उस समयावधि में चन्द्र मास की दो शुक्ल प्रतिपदाओ का प्रारम्भ होता है तब पहली प्रतिपदा का महीना अधिक मास और दूसरी प्रतिपदा का महीना 'निज' महीना अर्थात् सूर्य राशि के अनुसार जो महीना होता है वही कहा जाता है। लेकिन उक्त दोनो ही महीनो का (अधिक व निज का) नाम एक ही होता है।

क्षयमास –

जब एक चान्द्रमास की अवधि मे सूर्य की दो सक्रांति (राशि) आती है तब क्षय मास कहा जाता है। क्षय मास से 5 6 महीने पूर्व और पश्चात् भी अधिक मास आता है। सामान्यत. क्षयमास कार्तिक मार्गशीर्ष या पौष मास मे से किसी महीने मे 19 या 141 वर्ष में आता है।

अधिक मास सारणी

शक	सन्	महीना	शक	सन्	महीना
1921	1999	ज्येष्ठ	1967	2045	ज्येष्ठ
1923	2001	आश्विन	1970	2048	चैत्र
1926	2004	श्रावण	1972	2050	भाद्रपद
1929	2007	ज्येष्ठ	1975	2053	आषाढ
1932	2010	वैशाख	1978	2056	वैशाख
1934	2012	भाद्रपद	1980	2058	आश्विन
1937	2015	आषाढ	1983	2061	श्रावण
1940	2018	ज्येष्ठ	1986	2064	ज्येष्ठ
1942	2020	आश्विन	1989	2067	चैत्र
1945	2023	श्रावण	1991	2069	श्रावण
1948	2026	ज्येष्ठ	1994	2072	आषाढ़
1951	2029	चैत्र	1997	2075	वैशाख
1953	2031	भाद्रपद	1999	2077	आश्विन
1956	2034	आषाढ़	2002	2080	श्रावण
1959	2037	ज्येष्ठ	2005	2083	ज्येष्ठ
1961	2039	आश्विन	2008	2086	चैत्र
1964	2042	श्रावण	2010	2088	श्रावण

शक	सन्	महीना	शक	सन्	महीना
2013	2091	आषाढ	2046	2124	चैत्र
2016	2094	वैशाख	2048	2126	श्रावण
2018	2096	भाद्रपद	2051	2129	आषाढ
2021	2099	श्रावण	2054	2132	वैशाख
2024	2102	ज्येष्ठ	2056	2134	भाद्रपद
2027	2105	चैत्र	2059	2137	श्रावण
2029	2107	श्रावण	2062	2140	ज्येष्ठ
2032	2110	आषाढ	2065	2143	चैत्र
2035	2113	वैशाख	2067	2145	श्रावण
2037	2115	भाद्रपद	2070	2148	ज्येष्ठ
2040	2118	श्रावण	2073	2151	वैशाख
2043	2121	ज्येष्ठ	2075	2153	भाद्रपद

क्षय मास

शक	सन्	क्षय महीना	क्षय महीने के कारण अधिक मास
2045	2123	मार्गशीर्ष	आश्विन
2064	2142	पौष	आश्विन

अध्याय 7

राशि ज्ञान –

सम्पूर्ण भचक्र 360° (अश) का होता है जिसे 12 भागो में विभाजित किया गया है। प्रत्येक भाग 30° (अश) का होता है, इसे राशि कहा जाता है। इस भचक्र में 27 नक्षत्रो की स्थिति है। यदि 360° को 27 से विभाजित किया जाय तो प्रत्येक 13 अश 20 कला का एक नक्षत्र होता है। प्रत्येक नक्षत्र के चार चरण या भाग होते है और प्रत्येक चरण 3 अश 20 कला का होता है। इस प्रकार 30 अश की एक राशि मे सवा दो नक्षत्रो का समावेश होता है।

	नक्षत्र	राशि
1.	अश्विनी, भरणी, 1/4 कृतिका	मेष
2.	3/4 कृतिका, रोहिणी	वृषभ
	1/2 मृगशीर्ष	वृषभ
3.	1/2 मृगशीर्ष, आर्द्रा	मिथुन
	3/4 पुनर्वसु	मिथुन
4.	1/4 पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा	कर्क
5.	मघा, पूर्वाफाल्गुनी	सिंह
	1/4 उत्तराफाल्गुनी	सिंह
6	3/4 उत्तराफाल्गुनी, हस्त	कन्या
	1/2 चित्रा	कन्या
7	1/2 चित्रा, स्वाति	तुला
	3/4 विशाखा	तुला
8.	1/4 विशाखा, अनुराधा ज्येष्ठा	वृश्चिक
9.	मूल, पूर्वाषाढा, 1/4 उत्तराषाढा	धनु
10	3/4 उत्तराषाढा श्रवण	मकर
	1/2 धनिष्ठा	मकर
11	1/2 धनिष्ठा, शतभिषा	कुभ
	3/4 पूर्वाभाद्रपदा	कुंभ
12.	1/4 पूर्वाभाद्रपदा, उत्तरा–भाद्रपदा	मीन
	रेवती	मीन

(i) राशियो के नाम और अक –

राशि	अ क	राशि	अंक	राशि	अ क
मेष	1	सिह	5	धनु	9
वृषभ	2	कन्या	6	मकर	10
मिथुन	3	तुला	7	कुभ	11
कर्क	4	वृश्चिक	8	मीन	12

राशियो के अको का उपयोग कुडली में होता है। ग्रहो की पूर्णादि राशियॉ निम्न प्रकार है –

राशि	पूर्णादि अक	राशि	पूर्णादि अक	राशि	पूर्णादि अक
मेष	0	सिह	4	धनु	8
वृषभ	1	कन्या	5	मकर	9
मिथुन	2	तुला	6	कुभ	10
कर्क	3	वृश्चिक	7	मीन	11

इन पूर्णादि अको का उपयोग जब हमे ग्रह या लग्न या भाव की स्थिति स्पष्ट करने के लिए राशि, अंश, कला, विकला दर्शाना हो तब (पूर्णादि अंको का उपयोग) किया जाता है। जैसे 2 राशि 5 अश 6 कला 13 विकला को पूर्णादि मिथुन राशि कहा जाता है।

(ii) राशि स्वामी –

राशि	स्वामी	राशि	स्वामी
मेष, वृश्चिक	मंगल	सिह	सूर्य
वृषभ, तुला	शुक्र	धनु, मीन	गुरू
मिथुन, कन्या	बुध	मकर, कुभ	शनि
कर्क	चन्द्र		

(iii) राशियों के तत्व –

राशि				तत्व
मेष,	सिंह,	धनु	–	अग्नि
वृषभ,	कन्या,	मकर	–	पृथ्वी
मिथुन,	तुला,	कुंभ	–	वायु
कर्क,	वृश्चिक,	मीन	–	जल।

(iv) राशियो की दिशा –

राशि	दिशा
मेष, सिह, धनु	– पूर्व
वृषभ, कन्या, मकर	– दक्षिण
मिथुन, तुला, कुभ	– पश्चिम
कर्क, वृश्चिक, मीन	– उत्तर

(v) राशि चरादि सज्ञा –

राशि	चरादि
मेष, कर्क, तुला, मकर	– चर
वृषभ, सिह, वृश्चिक, कुभ	– स्थिर
मिथुन, कन्या, धनु, मीन	– द्विस्वभाव।

(vi) राशि– धात्विादि सज्ञा –

राशि	धात्वादि
मेष, कर्क, तुला मकर	– धातु (खनिज)
वृषभ, सिह, वृश्चिक, कुंभ	– वनस्पति (उद्‌भिज)
मिथुन, कन्या, धनु, मीन	– प्राणीज (जीव)

(vii) राशि– प्रकृति –

राशि	प्रकृति
मेष, सिह, धनु	– पित्त
वृषभ, कन्या, मकर	– वायु
मिथुन, तुला, कुभ	– सम
कर्क, वृश्चिक, मीन	– कफ

(viii) राशिओं के रंग–

राशि	रंग	राशि	रंग
मेष	रक्त, पाटल	तुला	काला
वृषभ	श्वेत	वृश्चिक	सुनहरा
मिथुन	हरा	धनु	पीला
कर्क	बादामी	मकर	कृष्ण–श्वेत
सिंह	धूम्र	कुंभ	नकुलवर्णी
कन्या	विचित्र	मीन	मैला

(ix) राशियो के अग्रेजी नाम

राशि	अग्रेजी	नाम	राशि	अग्रेजी	नाम
मेष	एरीज	(Aries)	तुला	लाइब्रा	(Libra)
वृषभ	टॉरस	(Taurus)	वृश्चिक	स्कॉ·पिओ	(Scorpio)
मिथुन	जेमिनाइ	(Gemini)	धनु	सेजिटरिअस	(Sagittarius)
कर्क	केन्सर	(Cancer)	मकर	केप्रिकॉन	(Capricorn)
सिंह	लिअ	(Leo)	कुम्भ	अक्वेरिअस	(Aquarius)
कन्या	वॅ गो	(Virgo)	मीन	पीसीज	(Pisces)

(x) राशि और उनके अंश –

राशि	अंश	से	अश तक	राशि	अंश	से	अश तक
मेष	0	से	30	तुला	181	से	210
वृषभ	31	से	60	वृश्चिक	211	से	240
मिथुन	61	से	90	धनु	241	से	270
कर्क	91	से	120	मकर	271	से	300
सिह	121	से	150	कुम्भ	301	से	330
कन्या	151	से	180	मीन	331	से	360

अध्याय 8

ग्रहज्ञान –

(i) ग्रह –

ग्रह उन गोलाकार पिण्डों को कहते है जो सूर्य के चारो ओर निरन्तर घूमते रहते है। वे सभी ग्रह सूर्य से अपना प्रकाश और ताप प्राप्त करते है। उनमे से नौ ग्रह प्रमुख है। हमारी पृथ्वी भी एक ग्रह है। सूर्य से दूरी के क्रम में उन ग्रहो के नाम ये है– बुध, शुक्र, पृथ्वी, मगल, गुरू, शनि, अरूण, वरूण और कुबेर (प्लूटो)। बुध सूर्य से कम दूरी पर है तो कुबेर सबसे अधिक दूर है।

(ii) उपग्रह –

जिस प्रकार पृथ्वी और अन्य ग्रह सूर्य की परिक्रमा करते है, ठीक वैसे ही उपग्रह अपने–अपने ग्रहों की परिक्रमा करते हैं। हमारी पृथ्वी का एक ही उपग्रह है जिसे हम चन्द्रमा कहते हैं। चन्द्रमा भी सूर्य से ही प्रकाश प्राप्त करता है।

बुध और शुक्र अन्तः ग्रह है जबकि अन्य ग्रह बाह्य ग्रह है। राहु और केतु छाया ग्रह माने गये हैं।

(iii) ग्रह और उनकी राशि –

ग्रह	राशि	ग्रह	राशि
सूर्य	सिंह	गुरू	धनु, मीन
चन्द्र	कर्क	शुक्र	वृषभ, तुला
मंगल	मेष, वृश्चिक	शनि	मकर, कुंभ
बुध	मिथुन, कन्या		

राहु की राशि कन्या–कुंभ एवं केतु की राशि मीन व वृश्चिक मानी गई हैं।

(iv) ग्रह और उनकी उच्च व नीच राशि अंश –

ग्रह	उच्च राशि	अंश	नीच राशि	अंश
सूर्य	मेष	10	तुला	10
चन्द्र	वृषभ	3	वृश्चिक	3

ग्रह	उच्च राशि	अंश	नीच राशि	अंश
मंगल	मकर	28	कर्क	28
बुध	कन्या	15	मीन	15
गुरू	कर्क	5	मकर	5
शुक्र	मीन	27	कन्या	27
शनि	तुला	20	मेष	15
राहु	मिथुन	15	धनु	15
केतु	धनु	15	मिथुन	15

(v) ग्रह और उनकी मूल त्रिकोण राशि –

ग्रह	मूल त्रिकोण राशि	ग्रह	मूल त्रिकोण राशि
सूर्य	सिह	शुक्र	तुला
चन्द्र	वृषभ	शनि	कुभ
मगल	मेष	राहु	मिथुन, कर्क, कुभ
बुध	कन्या	केतु	धनु, सिह, मकर
गुरू	धनु		

(vi) ग्रह और उनका रंग–

ग्रह	वर्ण	ग्रह	वर्ण	ग्रह	वर्ण
सूर्य	रक्तश्याम	बुध	दुर्वाश्याम	शुक्र	श्याम
चन्द्र	गौर	गुरू	गौर	शनि	कृष्ण
मगल	रक्त गौर				

(vii) ग्रह और उनके तत्व–

ग्रह	तत्व	ग्रह	तत्व	ग्रह	तत्व
सूर्य, मगल	अग्नि	बुध	भूमि	शनि	वायु
चन्द्र–शुक्र	जल	गुरू	आकाश		

(viii) ग्रह और उनकी पुरुषादि जाति –

ग्रह	पुरुषादि जाति	ग्रह	पुरुषादि जाति
सूर्य, मगल, गुरू	पुरुष	बुध–शनि	नपुंसक
चन्द्र, शुक्र	स्त्री		

(ix) ग्रह और उनके चिन्ह–

सूर्य ☉	मंगल ♂	गुरू ♃	शनि ♄	
चन्द्र ☽	बुध ☿	शुक्र ♀	राहु ☊	केतु ☋

(x) ग्रह और उनकी राजादि स्थिति –

ग्रह	राजादि	ग्रह	राजादि
सूर्य	राजा	गुरू	देवगुरू
चन्द्र	रानी	शुक्र	दानवगुरू
मंगल	सेनापति	शनि	सेवक
	कोषाधिकारी		

(xi) ग्रह और महाभारत के पात्र

ग्रह	महाभारत के पात्र	ग्रह	महाभारत के पात्र
सूर्य	कृष्ण	गुरु	युधिष्ठिर
चन्द्र	द्रौपदी	शुक्र	द्रोणाचार्य
मगल	अर्जुन	शनि	दुर्योधन
बुध	कर्ण		

(xii) ग्रह और उनकी आर्थिक स्थिति –

ग्रह	आर्थिक स्थिति	ग्रह	आर्थिक स्थिति
सूर्य चन्द्र	कोटिपति	गुरु	50 सहस्त्रपति
मंगल	40 वे वर्ष लखपति	शुक्र	25 सहस्त्रपति
बुध	45 वें वर्ष लखपति	शनि	सैकडों पति

(xiii) ग्रह और उनका कारकत्व (पितादि)–

ग्रह	कारकत्व	ग्रह	कारकत्व
सूर्य	पिता	गुरु	पुत्र
चन्द्र	माता	शुक्र	पति या पत्नी
मगल	भ्राता	शनि	दास
बुध	मित्र, भागीदार		

(xiv) ग्रह और उनका शरीर की धातुओ पर अधिकार–

ग्रह	शरीर धातु	ग्रह	शरीर धातु
सूर्य	हड्डी	गुरु	चर्बी
चन्द्र	जल	शुक्र	वीर्य
मंगल	रक्त	शनि	स्नायु, मज्जा
बुध	त्वचा		

(xv) ग्रहो की नैसर्गिक मैत्री–

ग्रह	मित्र	सम	शत्रु
सूर्य	चन्द्र, मंगल, गुरू	बुध	शुक्र, शनि, राहु
चन्द्र	सूर्य, बुध	मंगल, गुरु, शुक्र, शनि	राहु
मंगल	सूर्य, चन्द्र, गुरु	शुक्र, शनि	बुध, राहु
बुध	शुक्र, सूर्य, राहु	मगल, गुरू, शनि	चन्द्र
गुरू	सूर्य, चन्द्र, मंगल	शनि, राहु	बुध, शुक्र
शुक्र	बुध, शनि, राहु	मंगल, गुरु	सूर्य, चन्द्र
शनि	बुध, शुक्र, राहु	गुरु	सूर्य, चन्द्र, मंगल
राहु	बुध, शुक्र, शनि	गुरु	सूर्य, चन्द्र, मंगल

(xvi) ग्रहो के अस्त कालांश –

चन्द्रादि ग्रह सूर्य के आगे पीछे उनके सामने लिखे अंशों के अन्तर पर अस्त के होते है।

चन्द्र – 12 अंश, मंगल 14 अंश, बुधजब मार्गी हो तब 10 अंश पर और वक्री हो तब 11 अश पर, गुरु 8 अश 30 कला, शुक्र 6 अंश के अन्तर पर और शनि 12 अंश के अन्तर पर अस्त का होता है। अस्त के ग्रह रात को दिखाई नहीं देते।

(xvii) ग्रह उदय–अस्त –

जो ग्रह सूर्य के उक्त कालांश या उससे कम अन्तर पर होते है उन्हें अस्त के ग्रह कहा जाता है और जब वे उक्त कालांश से अधिक अंश की दूरी पर होते है तब वे उदय के कहलाते है। उदय के ग्रह रात को आकाश में दिखाई देते है। सूर्य सदैव उदय रहता है।

(xviii) मार्गी ग्रह –

जो ग्रह अपनी गति से आगे बढते रहते है वे मार्गी कहलाते है। सूर्य, चन्द्र सदैव मार्गी रहते है।

(xix) वक्री ग्रह –

जो ग्रह अपनी गति से क्रमश पीछे हटते जाते है वे वक्री कहलाते है।

मगल, बुध, ग्रह, शुक्र और शनि मार्गी भी है और वक्री भी। राहु, केतु सदैव वक्री है।

(xx) ग्रह और उनकी दृष्टि –

प्रत्येक ग्रह जिस राशि मे हो उस राशि से सातवी राशि को पूर्ण दृष्टि से देखता है। लेकिन इसके अलावा मगल जिस राशि मे हो उससे चौथी और आठवी राशि को, गुरू पांचवी और नवमी राशि को तथा शनि तीसरी और दसवीं राशि को विशेष दृष्टि से देखते है।

(xxi) ग्रहों के रस (स्वाद) –

ग्रह	स्वाद	ग्रह	स्वाद
सूर्य	तीक्ष्ण	गुरु	मीठा
चन्द्र	शीतल, मधुर	शुक्र	तेलीय पदार्थ
मगल	नमकीन, तीक्ष्ण, गर्म	शनि	खट्टा
बुध	खट्टा–मीठा		

(xxii) ग्रहों का शरीर के अगो पर अधिकार –

सूर्य – सिर, मस्तक, बायी जाघ, बायीं छाती (हृदय)।

चन्द्र – दाहिनी छाती।

मंगल – दाहिना कान व दाहिना हाथ, दाहिना पैर।

बुध – दाहिनी छाती, बायी छाती।

गुरु – दाहिनी आख, दाहिनी जाघ, बायी जांघ, बायी छाती, बायां हाथ, और बायां कान।

शुक्र – गुप्तांग, पेट, गर्भाशय।

शनि – दोनों पैर, हृदय और बायीं ऑख।

(xxiii) ग्रहों की धातु (खनिज) –

ग्रह	धातु (खनिज)	ग्रह	धातु (खनिज)
सूर्य	स्वर्ण (सोना)	गुरु	कलई (रांगा)
चन्द्र	चांदी (रजत)	शुक्र	सीसा या जस्ता
मंगल	ताम्र (तांबा)	शनि	लोहा
बुध	कांस्य (कांसा)		

(xxiv) ग्रहो के रत्न –

ग्रह	रत्न	ग्रह	रत्न
सूर्य	माणिक (माणिक्य)	शुक्र	हीरा
चन्द्र	मोती (मुक्ता)	शनि	नीलम
मंगल	मूगा (प्रवाल)	राहु	गोमेद
बुध	पन्ना	केतु	वैडूर्य
गुरु	पुखराज		

(xxv) ग्रहों की दैनिक मध्यम गति (अंशो में)

सूर्य	$0^0.985646944$	चन्द्र	13^0 17639611
मंगल	$0^0.524033333$	बुध	$4^0$92338889
गुरु	$0^0.083091666$	शुक्र	$1^0.602130556$
शनि	$0^0.033461111$	राहु	0.0529539
हर्षल	$0^0.0117277$	नेपच्यून	$0^0.00597201$
प्लूटो	$0^0.00399419$		

(xxvi) ग्रहों का सूर्य के चारों ओर परिक्रमण का सामान्य समय (दिवसों में = (नक्षत्र भ्रमण काल) --

बुध	87.97	शुक्र	224.700
पृथ्वी	365.26	मंगल	686.98
गुरु	4332 556	शनि	10759.23
हर्षल (यूरेनस)	30696 556	नेपच्यून	60281.2120
प्लूटो	90130 915		

(xxvi) ग्रहों के अंग्रेजी नाम –

ग्रह	अंग्रेजी	नाम	ग्रह	अंग्रेजी	नाम
सूर्य	(The) Sun,	(द) सन	शनि	Saturn	सटर्न
चन्द्र	(The) Moon,	(द) मून	राहु	Dragon's head	ड्रेगन्स हेड
मंगल	Mars	मार्स	केतु	Dragons' tail	ड्रेगन्स टेल
बुध	Marcury	म क्यूरी	अरूण	Uranus	यूरेनस
गुरु	Jupiter	ज्यूपिटर	वरूण	Neptune	नेपच्यून
शुक्र	Venus	वीनस	कुबेर	Pluto	प्लूटो

(xxvi) जन्म कुण्डली के स्थान और उनके कारक ग्रह –

सूर्य	प्रथम (लग्न), नवम तथा दशम स्थान
चन्द्र	चतुर्थ स्थान
मगल	तृतीय एव पष्ठ स्थान
बुध	चतुर्थ तथा दशम स्थान
गुरु	द्वितीय, पचम, नवम, दशम तथा एकादश स्थान
शुक्र	सप्तम स्थान
शनि	षष्ठ, अष्टम, दशम एवं द्वादश स्थान (अशुभ) कारक माना गया है।

अत ग्रह अपनी स्थिति के अनुसार अपने–अपने दशाकाल मे उन–उन स्थानों का शुभ या अशुभ फल देते है।

अध्याय 9

जन्म कुण्डली

किसी व्यक्ति के जन्म समय पर आकाश मे की ग्रह स्थिति बताने वाले नक्शे को जन्म कुंडली कहते है।

जन्म समय पर पूर्व क्षितिज पर जिस राशि का उदय हुआ होता है, वह राशि जन्म कुडली का आधार बिन्दु होती है। इसे जन्म–कुडली के प्रथम स्थान या भाव मे रखी जाती है। इसे जन्म लग्न कहा जाता है। इस जन्म–लग्न के बायी अर्थात् कुडली हमारे सामने रखें तो हमारे बाये हाथ की तरफ से क्रमशः बढते हुए 12 स्थानो में जन्म लग्न की राशि के बाद – मेष = 1, वृषभ = 2, मिथुन = 3 आदि को ध्यान मे रखकर अक रखे जाते है।

1 इस प्रकार से बनने वाली बारह प्रकार की कुडलियॉ होती है।
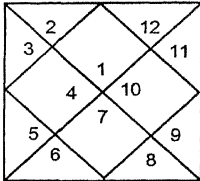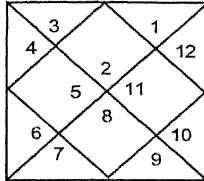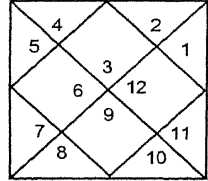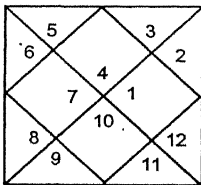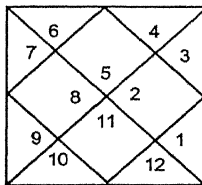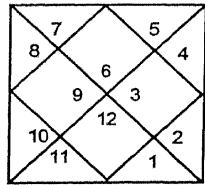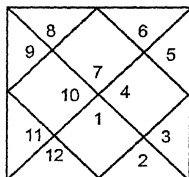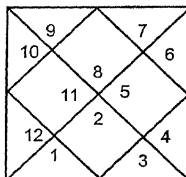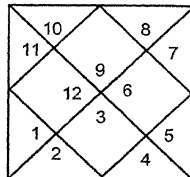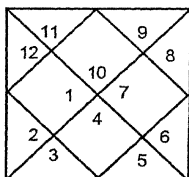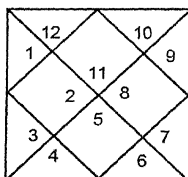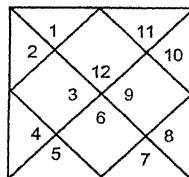
सामान्यतः सूर्योदय के समय यदि किसी व्यक्ति का जन्म हो तो सूर्य जिस राशि का हो वह राशि जन्म लग्न के (प्रथम भाव) में आती है। यदि मध्याह्न का जन्म हो तो सूर्य की राशि दशम भाव में आती है। यदि सूर्यास्त का जन्म हो तो राशि सप्तम भाव में आती है और यदि मध्य रात्रि का जन्म हो तो सूर्य की राशि चतुर्थ भाव में आती है।

एक सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक के 24 घटे मे 12 राशियां के लग्न सूर्य की राशि से प्रारभ होकर क्रमश. चलते रहते है।

(ii) जन्मकुंडली और दिशाएँ
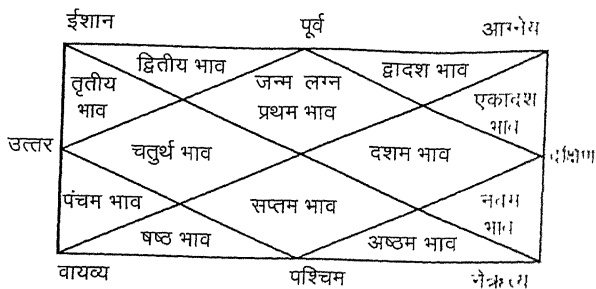
प्रथम भाव पूर्व, दशम भाव दक्षिण, सप्तम भाव पश्चिम, चतुर्थ भाव उत्तर दिशा बताते है।

भाव या स्थान स्थिर रहते हैं, लेकिन विभिन्न जन्मलग्न मे उन भावों की राशियाँ बदलती रहती हैं।

(iii) केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान (शुभ भाव)

केन्द्र – प्रथम, चतुर्थ, सप्तम एव दशम भाव केन्द्र स्थान कहलाता है।

त्रिकोण – प्रथम, पंचम एवं नवम भाव त्रिकोण स्थान कहलाता है।

चूंकि जन्म लग्न (प्रथम भाव), केन्द्र और त्रिकोण दोनों मे आता है अतः इसका महत्व विशेष है।

(iv) जन्मकुंडली के दुःस्थान– (अशुभ भाव) –

जन्मकुंडली के छठें, आठवें और बारहवें भाव दुःस्थान कहे जाते है।

(v) जन्मकुंडली में ग्रहों का उल्लेख –

जन्मकुंडली में राशि का उल्लेख अंक द्वारा किया जाता है लेकिन ग्रहों का उल्लेख उनके नाम से किया जाता है जिन–जिन राशियो के वे होते हैं। स्पष्ट ग्रहों की पूर्णादि राशि – 0 = मेष = 1 = वृषभ, 2 = मिथुन, 3 = कर्क आदि के अनुसार वे जन्म कुंडली की मेष =

1, वृषभ = 2 आदि राशियो मे रखे जाते है, जैसे सूर्य (स्पष्ट) 2 राशि 18 अंश 12 कला 56 विकला का है तो वह पूर्णादि राशि मिथुन = 3 राशि में (जन्म कुडली मे की) रखा जाएगा।

(vi) जन्मकुडली के बारह भावो का विवरण –

प्रथम भाव – शरीर, मन, और आत्मा, सिर, मस्तिष्क, चेहरा स्वभाव, धधा, जीवनस्तर आदि का ज्ञान प्राप्त होता है।

द्वितीय भाव – कुटुम्ब सुख, धन सग्रह वृत्ति, लोभ एव धन चिन्ता आदि।

तृतीय भाव – विदेश यात्रा, पराक्रम, बधु–सुख, साहस आदि

चतुर्थ भाव – घर, जमीन, जागीर, मातृ–सुख, मित्र–सुख, मन की शांति, वाहन–सुख आदि।

पंचम भाव – पुत्र–पुत्री–सुख, विद्या, ज्ञान–प्राप्ति, वक्तृत्व–शक्ति आदि।

षष्ठ भाव – शत्रु, कोर्ट–कचहरी के मामले, रोग, विश्वासघात आदि

सप्तम भाव – प्रेम, काम–सुख, विवाह, पति–पत्नी–सुख, वीर्य, वैधव्य, गुप्ताग, गर्भपात, विरह–वियोग आदि।

अष्टम भाव – आयु–सुख, मृत्यु, दड, जेल, अपमृत्यु, निर्वासन आदि।

नवम भाव – भाग्य लक्ष्मी, आर्थिक–सुख सुविधा आदि।

दशम भाव – पद प्रतिष्ठा, मान–सम्मान, पितृ–सुख आदि।

एकादश भाव – आय–चिन्ता, लाभ–चिन्ता, लेन–देन का व्यवहार आदि।

द्वादश भाव – ऋण, नुकसान, अनावश्यक खर्च, छोटी यात्राएँ उडाऊपन आदि।

अध्याय 10

जन्मलग्न साधन –

जन्म कुंडली मे के लग्न अर्थात् जन्म समय पर पूर्व क्षितिज पर उदय होने वाली राशि के ज्ञान हेतु जिन उपकरणो की आवश्यकता होती है वे है– (1) जन्म दिनाक (2) जन्म–समय (3) जन्म स्थान– अक्षांश रेखाश और स्टेण्डर्ड टाईम से लोकल टाइम का अन्तर (4) जन्म समय का सापातिक काल, (5) जन्म दिनाक का अयनांश और (6) जन्म–स्थल के अक्षांश की लग्न–सारिणी

(i) जन्म दिनांक व समय –

आजकल सर्वत्र अंग्रेजी कलेण्डर के सन्, महीना और दिनाक को ही अपने दैनिक कार्यो और व्यवहारो के लिए काम मे लिया जाता है। अत· तत्सबधी जानकारी यहाँ दी जाती है।

दिनांक मध्य रात्रि 12 बजे अर्थात् 24 बजे या शून्य बजे से दूसरी मध्य रात्रि के शून्य बजे तक होता है।

लग्न साधन मे मध्य रात्रि शून्य बजे से पूर्वाह्न 12 बजे तक घटो की गिनती क्रमशः 1. 2 3. 4 5 6 7 8. 9 10 11 12 होती है।

लेकिन तत्पश्चात् अपराहन् 1 बजे को 13, 2 बजे को 14, 3 बजे को 15, चार को 16, 5 बजे को 17, 6 बजे को 18, 7 बजे को 19, 8 बजे को 20, 9 बजे को 21, 10 बजे को 22, 11 बजे को 23, और 12 बजे को 24 या शून्य कहा जाता है।

(ii) आइये, अब अक्षांश, रेखांश, रेखान्तर, स्टेण्डर्ड टाइम, एवं लोकन टाइम तथा सापातिक काल के सम्बन्ध मे जानकारी प्राप्त कर लें।

(क) पृथ्वी –

हम जिस पृथ्वी पर रहते हैं वह पृथ्वी सौर–मंडल अर्थात् सूर्य के चारों ओर घूमने वाले नौ मुख्य ग्रहों में से एक हैं। इस पृथ्वी के गोले का छोटा–सा मॉडल जिस पर पृथ्वी का चित्र बना होता है, ग्लोब कहलाता है। यदि हम ग्लोब की आकृति देखें तो उसपर उत्तर से दक्षिण एव पूर्व से पश्चिम दिशाओं में खीची हुई रेखाओं का जाल देखने को मिलता है। इन रेखाओं को पृथ्वी पर के विभिन्न स्थानो की स्थिति का पता लगाने के लिए खींचा जाता है।

गोले का कोई सिरा या किनारा नही होता जिससे किसी स्थान की दूसरे स्थान के सदर्भ मे स्थिति और दूरी निर्धारित की जा सके। लेकिन हमारी पृथ्वी के अक्ष के दोनो सिरे जिन्हें हम उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव कहते है, पृथ्वीतल पर के दो निश्चित एवं स्थिर बिदु है। इन्ही दो बिन्दुओ को स्थिति निर्धारण हेतु आधारभूत बिन्दु माना जाता है।

(ख) विषुव वृत्त –

उक्त दो बिन्दुओं (ध्रुवों) के ठीक बीचों–बीच पृथ्वी के धरातल पर जो वृत्त खींचा जाता है, उस काल्पनिक वृत्त को विषुवत वृत्त या विषुवत रेखा या शून्य अक्षांश या भूमध्य रेखा कहते है। एक उत्तरी गोलार्द्ध और दूसरा दक्षिणी गोलार्द्ध।

(ग) अक्षांश वृत्त–

विषुव वृत्त के समान्तर खीचे गये वृत्तो को अक्षाश वृत्त कहते है। भूमध्य रेखा के समान्तर होते है। विषुवत वृत्त से किसी एक ध्रुव तक वृत्त का चौथाई (360 ÷ 4 = 90 अश) होते है। विषुवत वृत्त के शून्य और उत्तरी ध्रुव को 90 अंश उत्तर अक्षाश और दक्षिणी ध्रुव को 90 अश दक्षिण अक्षांश माना जाता है। ये रेखाएं ग्लोब पर सूर्य से पश्चिम की ओर खीची हुई होती है। यदि ग्लोब को प्लस (+) के चिन्ह् के रूप मे देखे तो आड़ी या लेटी हुई रेखा का ऊपरी भाग जिसे उत्तरी गोलार्द्ध कहते हैं, उत्तर दिशा, आडी या लेटी रेखा के नीचे का भाग जिसे दक्षिणी गोलार्द्ध कहते हैं, दक्षिण दिशा दाहिने हाथ की और खड़ी रेखा विभाजित आड़ी रेखा के भाग को पूर्व दिशा और बायें हाथ की ओर की खड़ी रेखा से विभाजित आड़ी रेखा के भाग को पश्चिम दिशा कहते है। अक्षांश रेखाएं किसी स्थान की उत्तर या दक्षिण–स्थिति को स्पष्ट करती है।
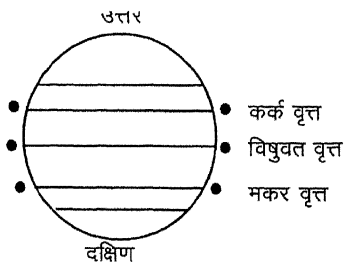
(घ) रेखाश या देशान्तर या मध्याह्न रेखाए –

रेखाश उन कल्पित अर्द्धवृत्तो को कहते है, जो पृथ्वी के गोले पर उत्तरी ध्रुव को दक्षिणी ध्रुव से मिलाते हुए खीचे गये हैं। ये विषुव वृत्त को लम्बवत् काटते है। ये किसी स्थान की पूर्व या पश्चिम–स्थिति को स्पष्ट करते है। ये किसी स्थान की पूर्व या पश्चिम–स्थिति को स्पष्ट करते हैं। इन रेखाओ या वृत्तो को देशान्तर या मध्याह्न रेखाएँ भी कहते है, क्योंकि इन रेखाओ पर स्थित सभी स्थानो मे एक ही समय पर मध्याह्न (दोपहर) होता है।

(ड) प्रमुख मध्याह्न रेखा –

ब्रिटेन की राजधानी लदन के निकट ग्रीनबीच उपनगर मे से गुजरने वाली (जहॉ बहुत बडी वेधशाला है), रेखा को प्रमुख मध्याह्न या शून्य रेखाश या देशान्तर रेखा कहते है। इस शून्य रेखाश के दाहिनी ओर के भाग को पूर्वी देशान्तर या रेखाश तथा बायी ओर के भाग को पश्चिमी रेखाश-कहते है।

जैसा कि हम जानते है कि एक वृत्त मे 360 अंश होते है अत रेखांश के 360 अश होते है। शून्य रेखांश से पूर्व की ओर 180 अश और शून्य रेखाश से पश्चिम की ओर 180 अंश होते हैं।

(च) रेखांश और समय –

चूंकि पृथ्वी गोलाकार है अत. इस पर के सभी स्थानो पर एक ही समय पर सूर्य उदय नहीं होता। किसी एक स्थान पर सूर्योदय होता है तो दूसरे स्थान पर दोपहर तीसरे स्थान पर सूर्यास्त और किसी अन्य स्थान पर मध्य रात्रि होती है। पृथ्वी का एक परिभ्रमण 24 घंटे में पूरा होता है अर्थात् 24 घंटे मे रेखाश के 360 अश एक–एक करके सूर्य के ठीक सामने से होकर निकल जाते है। इस प्रकार 1 घटे में रेखाश के 360 ÷ 24 = 15 अंश और 4 मिनिट में 1 अश सूर्य के सामने से गुजरता है। इस प्रकार प्रत्येक अश पर 4 मिनिट का अन्तर स्थानीय समय मे होता है। पृथ्वी पश्चिम से पूर्व की ओर घूमती है इसलिए पूर्व दिशा की तरफ के स्थानों पर सूर्य पहले उदय होता है और पश्चिम की तरफ के स्थानो पर बाद में। अतः किन्हीं दो स्थानो में से पूर्व की तरफ (हमारें दाहिने हाथ की तरफ वाले स्थान) का स्थानीय समय प्रत्येक अंश पर 4 मिनिट के

हिसाब से पश्चिम की तरफ के स्थान (बाये हाथ की तरफ वाले स्थान) से अधिक होगा और पश्चिमी स्थान का उतना ही कम।
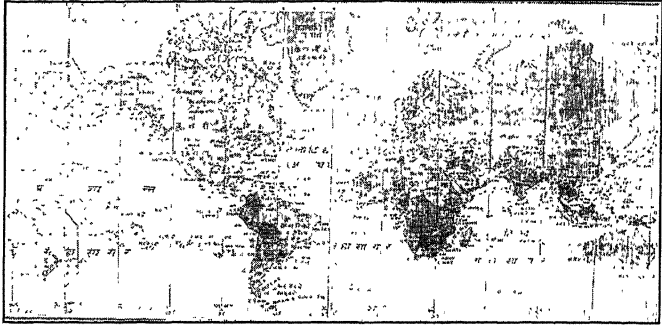
(छ) स्टेण्डर्ड टाइम (मानक समय) –

यह बताया गया है कि प्रत्येक देशान्तर रेखा का मध्याह्न उस समय होता है जब देशान्तर रेखा सूर्य के ठीक सामने होती है। यही कारण है कि एक ही देश मे भी प्रत्येक देशान्तर के साथ समय मे 15 अश (रेखाश) के प्रदेश को एक मंडल या भाग मानकर उस प्रदेश के मध्य के रेखांश का जो स्थानीय समय हो उसे ही समग्र देश के लिए मानक समय मानने की योजना बनाई गई है। इस मानक समय का प्रारम्भ ग्रीनवीय को मध्यबिन्दु मानकर किया गया है। अर्थात् ग्रीनवीच मे जो स्थानीय समय हो वही समय ग्रीनवीय के 7.30 पूर्व और 7.30 पश्चिम के विभाग की ओर 7.5 से 22.5 अश जिसका मध्य बिन्दू 15 अंश मानने मे आया है। इसी प्रकार तीसरा प्रदेश 22 5 से 37 5 तक और मध्य बिन्दु 30 अंश होता है। इस प्रकार ग्रीनवीच के पूर्व और पश्चिम मे 12–12 अलग–अलग समय–क्षेत्र बनते है।

टाईम जोन घटा	अश	से	अंश तक	मध्य बिन्दु (रेखांश)
1	7.5	–	22.5	15
2.	22 5	–	37.5	30
3	37 5	–	52.5	45
4	52 5	–	67.5	60
5	67 5	–	82 5	75
6	82 5	–	97.5	90

टाईम जोन घटा	अश	से	अश तक	मध्य बिन्दु (रेखाश)
7	97 5	—	112 5	105
8	112 5	—	127 5	120
9	127 5	—	142.5	135
10	142 5	—	157 5	150
11	157.5	—	172 5	165
12	172.5	—	———	180

ग्रीनवीच से पूर्व की ओर प्रति रेखाश 4 मिनिट के हिसाब से समय जुडता (+) जाता है जबकि ग्रीनवीच से पश्चिम की ओर प्रति रेखांश घटता (–)जाता है।

[illegible]
क्षेत्र मे समावेश नही हो पाता या तो किसी एक समय क्षेत्र के मध्य मे उस देश की सीमा का प्रारम्भ होता है और दूसरे क्षेत्र मे भी उस देश की सीमा होती है। ऐसी स्थिति मे उस देश का स्टेण्डर्ड टाइम निश्चित करने के लिए उस देश की मध्य रेखाश रेखा को इस प्रकार निर्धारित की जाती है कि ग्रीनवीय रेखाश से गिनने पर घटे या आधे घटे के अन्तर मे समय मिल जाये। जैसे, भारत 67 30 अश से 97 30 अश के बीच के दो समय क्षेत्रों (1) 67 30 अंश से 82 30 अश (2) 82 30 अश से 97 30 अंश में है अत व्यावहारिक कठिनाई को दूर करने की दृष्टि से 67 30अश से 97.30 का मध्य बिन्दु 82 30 देशान्तर के स्थानीय समय को ही स्टेण्डर्ड टाईम निर्धारित किया गया है।

भारत में स्टेण्डर्ड टाइम का प्रारम्भ सन् 1906 से हुआ है। उससे पूर्व, तार, डाक व रेल्वे विभागो के व्यवहार मे मद्रास के रेखाश के अनुसार स्थानीय समय काम मे आता था।

स्थानीय समय या लोकल टाईम –

किसी देश का स्टेण्डर्ड टाइम एक होता है। लेकिन उस देश के अलग–अलग शहरों, कस्बो और गांवो का स्थानीय समय उनके रेखाश के अनुसार अलग–अलग होता है। ज्योतिषीय–गणित मे स्थानीय समय ही काम मे आता है। अत· स्थानीय समय ज्ञात करने के लिए निम्नांकित बिन्दुओं को ध्यान मे रखना चाहिए –

(अ) भारत के किसी गांव, कस्बे या शहर का स्थानीय समय ज्ञात करना–

हम जिस शहर या गाव के स्थानीय समय को ज्ञात करना चाहते है उस शहर या गांव के रेखांश 82 30 अंश से कम है तो जितने अश, कला कम हों उतने अश कला मे प्रति अश 4 मिनिट और प्रति कला 4 सेकण्ड के हिसाब से गिनने पर जो घटे मिनट सेकण्ड प्राप्त हो उन्हे भारतीय स्टेण्डर्ड टाईम अर्थात् घडी के समय मे से घटाने पर उस स्थान विशेष का स्थानीय समय प्राप्त होगा।

यदि अभिष्ट स्थान (शहर या गांव) के रेखाश 82 30 अश से अधिक हो तो जितने अश कला अधिक हों उनमे प्रति अश 4 मिनिट और प्रति कला 4 सेकण्ड की दर से गिनने पर प्राप्त समय को भारतीय स्टेण्डर्ड टाइम मे अर्थात् घडी के समय मे जोडने पर उस शहर या कस्बे या गॉव का स्थानीय समय प्राप्त होगा।

भारत के सभी प्रान्तो के शहरो, मुख्य कस्बो एव गांवो के अक्षांश, रेखाश और स्टेण्डर्ड टाइम से स्थानीय समय प्राप्त करने के लिए उनके देशान्तर मिनिट और सेकण्ड प्लस या माइनस मे दिये है। जहॉ (+) दिया है वहॉ स्टेण्डर्ड टाईम मे उतने मिनिट सेकण्ड जोड दे और जहॉ (–) दिया है वहॉ स्टेण्डर्ड टाईम मे से उतने मिनिट सेकण्ड घटा दे। इस प्रकार जो समय प्राप्त होगा वह उस स्थान विशेष का स्थानीय समय होगा।

यदि किसी स्थान के अक्षांश–रेखांश दी गई सारिणी में नही मिले तो उस स्थान के आसपास के (निकटतम शहर, गाव या कस्बे के) अक्षांश रेखांश का उपयोग किया जा सकता है या फिर जिला मुख्यालय के अक्षांश या रेखांश का उपयोग किया जा सकता है। लेकिन जन्माक्षर या जन्मपत्रिका में उस स्थान का उल्लेख अवश्य करे जिनके अक्षाश–रेखांश और रेखान्तर का उपयोग किया गया है।

इस प्रकार ग्रीनवीच शून्य रेखांश से पूर्व मे स्थित किसी भी देश के दिये गये स्टेण्डर्ड टाईम पर वे उस देश के किसी भी शहर या गाव का स्थानीय समय ज्ञात किया जा सकता है।

(ब) ग्रीनवीच शून्य रेखाश से पश्चिम में स्थित किसी भी देश के किसी भी शहर या कस्बे का स्थानीय समय ज्ञात करना।

ग्रीनवीच शून्य रेखांश के पश्चिम में प्रति रेखाश 4 मिनिट और प्रति कला 4 सेकण्ड के हिसाब से समय घटता जाता है जबकि पूर्व के देशों मे प्रति रेखाश उसी हिसाब से समय बढता जाता है। जैसे ग्रीन वीच मे मध्य रात्रि शून्य बजते हैं तब भारत में 82 30 पूर्वी रेखाश पर क्या समय हुआ होगा ? यह मालूम करने के लिए प्रति अंश 4 मिनट और प्रति कला के हिसाब से = 82 x 4 = 328, 30 x 4 = 120 – 60 = 2 मिनट

328 + 2 = 330 मिनट 5 घंटे 30 मिनट

यह समय + है। अत: ग्रीनवीच 0 घंटे 0 मिनिट 0 सैकण्ड मे जोडने पर प्रात. 5.30 बजे होगे। लेकिन इसके विपरीत सयुक्त राज्य अमेरिका जिसका स्टेण्डर्ड टाईम रेखांश 75 अश पश्चिम (ग्रीनवीच) है, मे 75 x 4 300 मिनट = 5 घटे – (ग्रीनवीच समय से) होगा अर्थात् ग्रीनवीय समय 0 घंटे 0 मिनट 0 सै = 24 घटे 0 मिनट 0 सैकण्ड मे से 5 घटे घटाने पर 24 00 5. 00 = 19 0 0 बजे अर्थात् मध्य रात्रि से पूर्व साय सात बजे होगे।

इस प्रकार पश्चिमी रेखाश के देशों मे समय घटता जाता है।

पश्चिमी देशो के स्टेण्डर्ड टाईम के लिए निर्धारित रेखाश उस देश के किसी नगर के रेखांश से अधिक है तो कम रेखाश वाले नगर का स्थानीय समय प्रति रेखाश 4 मिनिट और प्रति कला 4 सेकण्ड की दर से स्टेण्डर्ड टाइम मे जोडने पर और यदि स्टेण्डर्ड टाईम के लिये निर्धारित रेखाश से किसी नगर के रेखांश अधिक है तो प्रति रेखांश 4 मिनिट और प्रति कला 4 सेकण्ड घटाने पर उस स्थान का स्थानीय समय प्राप्त होगा। जैसे न्यूयॉर्क पश्चिमी रेखांश 74 अंश पर स्थित है, जिसका स्टेण्डर्ड टाईम रेखांश 75^0 है।

75 अश स्टेण्डर्ड टाईम रेखांश – 74 अश न्यूयॉर्क का रेखांश = 1 अश

1 x 4 मिनट = न्यूयॉर्क का स्थानीय समय उसके स्टेण्डर्ड टाईम से 4 मिनिट टाईम अधिक होगा।

इसी प्रकार ओटावा जो 75.43 पश्चिमी रेखांश पर स्थित है और जिसका स्टेण्डर्ड टाईम रेखांश 75 अंश पश्चिम में है, का स्थानीय समय उसके स्टेण्डर्ड टाईम से कम होगा।

ओटावा $75^0.43$

केनेडा 75.00

(स्टे टा. टे) 0.43 कला x 4 = 172 सेकण्ड = 2 मि 52 से

ओटावा का स्थानीय समय उसके स्टेण्डर्ड टाईम से 2 मिनट 52 से कम होगा।

(स) ग्रीनवीच से पूर्व रेखाश के किसी देश के स्टेण्डर्ड टाईम पर से भारतीय स्टेण्डर्ड टाईम ज्ञात करना –

अदन (यमन) जिसका स्टेण्डर्ड टाईम रेखाश 45 अश पूर्व है, में प्रात 8 बजकर 30 मिनट हुए है तो भारत मे क्या समय हुआ होगा?

चूकि अदन का स्टेण्डर्ड टाईम रेखाश 45 अश भारतीय स्टेण्डर्ड टाईम रेखाश 82.30 से कम है। अत. जितने रेखाश कम है उतने रेखांश प्रति अश 4 मिनिट के हिसाब से जितने मिनिट सेकण्ड प्राप्त हो उन्हें अदन के स्टेण्डर्ड टाईम मे जोडने पर भारतीय स्टेण्डर्ड टाईम प्राप्त होगा।

भारतीय स्टेण्डर्ड टाईम रेखाश 82.30 मे से
अदन स्टेण्डर्ड टाईम रेखांश 45 घटाया = 37 30 रेखाश
37 x 4 = 148 मिनट
30 x 4 ÷ 60 + 2 = 150 मिनट
= 2 घटे 30 मिनट

अदन के स्टेण्डर्ड टाईम 8.30 से 2 घटे 30 मिनट जोडने पर 8.30 + 2 30 = प्रात. 11 00 भारतीय स्टेण्डर्ड टाईम हुआ।

इसी प्रकार भारतीय स्टेण्डर्ड टाईम पर से यदि पूर्वी रेखांश पर स्थित भारतीय स्टेण्डर्ड टाईम रेखाश से कम रेखांश के देश का स्टेण्डर्ड टाईम ज्ञात करना हो तो अक्त प्रकार से प्राप्त मिनट को भारतिय स्टे.टा में.से घटाना पडता है

भारतीय स्टेण्डर्ड टाईम रेखांश (82.30)से यदि कोई देश अधिक रेखांश पर हो और उसका स्टेण्डर्ड टाईम दिया हुआ हो और हमें भा स्टे. टा. ज्ञात करना हो तो पूर्वोक्त विधि से उस देश के स्टेण्डर्ड टाईम रेखाश में से भा. स्टेण्डर्ड टाईम रेखांश घटाने पर प्राप्त रेखांश के प्रति रेखांश 4 मिनट के हिसाब से प्राप्त मिनट को उस देश के स्टे टा. में से घटाने पर भारतीय स्टेण्डर्ड टाईम प्राप्त होता हैं और भा स्टेण्डर्ड

टाईम मे उतने मिनट जोडने पर उस देश का स्टेण्डर्ड टाईम प्राप्त होगा। जैसे बेगकाक (थाईलैंड) जिसका स्टेण्डर्ड टाईम रेखाश 105 अश पूर्व है प्रात में 11.30 हुई हैं तो भा स्टे टाईम क्या होगा ?

105 00 बेंगकाक का स्टेण्डर्ड टाईम रेखाश मे से – 82 30 भारतीय स्टेण्डर्ड टाईम रेखांश घटाया = 22 30 x 4 = 90 00, 90 मिनट = 1 घटा 30 मिनट इसे बैंगकाक के स्टेण्डर्ड टाईम मे से घटाया 11.30 – 1 30 = 10 00 भा. स्टेण्डर्ड टाईम प्राप्त हुआ।

यदि भा. स्टेण्डर्ड टाईम प्रात 10 बजे हो तो बैगकाक जो 105 अश पूर्व रेखाश टेण्डर्ड टाईम का शहर है क्या बजा होगा?

तो उपर्युक्त विधि से प्राप्त 1 घंटा 30 मिनट को भारतीय स्टेण्डर्ड टाईम मे जोडने पर बेंगकांक का स्टेण्डर्ड टाईम प्राप्त होगा = भा स्टेण्डर्ड टाईम 10. 00 में बेगकाक स्टेण्डर्ड टाईम रेखाश अन्तर मिनट + 1.30 = 11.30 प्रात. बेगकाक का स्टेण्डर्ड टाईम प्राप्त होगा।

इस प्रकार पूर्वी रेखाश पर के भारत के पूर्व या पश्चिम मे स्थित किसी भी देश का और किसी भी देश के स्टेण्डर्ड टाईम से भारतीय स्टेण्डर्ड टाईम ज्ञात किया जा सकता है।

(द) ग्रीनवीच से पश्चिम में स्थित किसी देश के स्टेण्डर्ड टाईम पर से भारतीय स्टेण्डर्ड टाईम और भारतीय स्टेण्डर्ड टाईम पर से ग्रीनवीच से पश्चिम मे स्थित किसी भी देश का स्टेण्डर्ड टाईम ज्ञात करना –

जिस देश का स्टेण्डर्ड टाईम रेखांश ग्रीनवीच शून्य रेखाश से जितने रेखाश पर हो उसके अन्तर को प्रति रेखांश 4 मिनिट और प्रति कला 4 सेकण्ड के हिसाब से प्राप्त मिनिट सेकण्ड को ग्रीनवीच से पश्चिम के देश के स्टे. टा में जोडने पर ग्रीनवीच का स्टे. टाईम प्राप्त होगा और इस ग्रीनवीच स्टे. टाईम में 5 घंटे 30 मिनट जोडने पर भारतीय स्टे. टाईम प्राप्त होगा। जैसे न्यूयार्क का स्टे. टाईम रेखाश पर 75 अंश पश्चिम है जहॉ स्टे टाईम सायं 16.45 हो तो भारतीय स्टे. टाईम क्या होगा?

न्यूयार्क स्टे टाईम 75 रेखांश पश्चिम है। ग्रीनवीच शून्य रेखाश से अन्तर 75 अंश प्रति रेखाश 4 मिनिट = 75 x 4 = 300 मि = 5 घटे इनसे न्यूयॉर्क के स्टे टाईम में जोडने पर ग्रीनवीच का समय आता है 16 45 न्यूयॉर्क स्टे टाईम + 5.00 = 21.45 ग्रीनवीच स्टे. टाईम।

इस स्टे टाईम मे 5 घटे 30 मिनट जोडने पर + 5 30 = भारतीय स्टे. टाईम 27 15 – 24.00 = 3 15 प्रात स्टे. टाईम प्राप्त होगा।

यदि न्यूयार्क मे उक्त समय 16 45 दिनाक 10 1 93 का है तो भारतीय स्टे टाईम के अनुसार दिनाक 11 1 93 का प्रात· 3 बजकर 15 मिनिट होगा।

इसी प्रकार भारतीय स्टे टाईम पर से ग्रीनवीच से पश्चिम मे स्थित किसी देश के स्टे टाईम को भी ज्ञात किया जा सकता है। इसके लिए स्टे टाईम मे से 5 घटे 30 मिनट घटाने पर शून्य रेखाश आता है। अब ग्रीनवीच शून्य रेखाश स्टे टाईम से जितने रेखाश का स्टे टाईम ज्ञात करना है उन रेखाश मे प्रति रेखाश 4 मिनिट और प्रति कला 4 सेकण्ड घटाने पर उस स्थान का स्टे टाईम प्राप्त होता है।

भारतीय स्टे. टाईम प्रात 11 30 बजे है तो ग्रीनवीच रेखांश का स्टे. टाईम = –5.30

6 00 प्रात :

न्यूयार्क का स्टे. टाईम रेखाश 75^0

75 x 4 = 300 मि

= 5 घटे = 6 – 5.00

= 1.00 प्रात· न्यूयार्क का स्टे टाईम होगा।

इस प्रकार विश्व के किसी भी स्थान का स्टे. टाईम, स्थानीय समय, भारतीय स्टे. टाईम पर से अन्य स्थलों का स्टे टाईम और अन्य स्थलों के स्टे टाईम के भारतीय स्टे टाईम ज्ञात किया जा सकता है। (साथ मे दी गई सारिणी देखिए)

(झ) सांपातिक काल –

सापातिक काल के नक्षत्र काल या विषुवकाल भी कहा जाता है। इष्टकाल (अर्थात् जन्म, प्रश्न या मुहुर्त के समय) का सांपातिककाल अर्थात् मेष सपात (सायनमेषारंभ बिन्दु) जब मध्याह्म वृत्त (सायन तुलारम्भ बिन्दु) पर आये वहॉ से इष्ट समय तक के विषुवकाल को इष्टकाल या इष्ट सापातिक काल कहा जाता है।

एक सायन वर्ष मे सांपातिक काल के 24 घंटे पूरे होते है। प्रतिदिन

की उसकी गति 3 मिनिट 56 सेकण्ड 33.3216 प्रति सेकण्ड और प्रति रेखाश 39 4260166 प्रति सेकण्ड होती है।

सन् 1900 से 2051 तक की सापातिक काल एवं अयनाश सारिणी दी गई है जिसकी सहायता से बीते हुए वर्षों के एवं आगामी वर्षों के किसी भी दिन का सांपातिक काल और अयनांश ज्ञात किये जा सकते है।

(ञ) लग्न सारिणी –

ग्रहलाघवाकार ने लकोदय अर्थात् शून्य अक्षांश पर सायन मेषादि राशियो के उदयमान निम्न प्रकार दिये है :–

मीन–मेष 278 पल, वृषभ कुभ = 299 पल, मिथुन मकर 323 पल, कर्क धनु 323 पल, सिह वृश्चिक 299 पल और कन्या तुला 278 पल।

इन पलो मे आधुनिक गणितज्ञ श्री गोविन्द सदाशिव आप्टे ने कुछ परिवर्तन किया – मीन मेष व कन्या तुला के उदयमान मे एक पल और बढाया और मिथुन मकर एव कर्क धनु के उदयमान मे एक पल घटाया। इस पलात्मक मान का 2.5 से विभाजित किया जाए तो क्रमश निम्न प्रकार से मिनट सेकण्ड है।

	मि.	से.		मि.	से.
मीन मेष	111	38	कर्क धनु	128	44
वृषभ कुभ	119	38	सिह वृश्चिक	119	37
मिथुन मकर	128	44	कन्या तुला	111	39

शून्य अक्षांश के इन मिनिट सेकण्ड में प्रत्येक अक्षांश की पलभा के अनुसार चर खंड संस्कार करने पर अभीष्ट अक्षांश पर राशियों के उदयमान प्राप्त होते है जिनकी सहायता से लग्न साधन किया जाता है। चूंकि यह प्रक्रिया लम्बी होने से हमने शून्य अक्षाश से 60 अक्षांश (उत्तर) की 23 अश 15 कला अयनाश की लग्न–सारिणियॉ दी है। जिनकी सहायता से आसानी पूर्वक किसी भी स्थान का लग्न ज्ञात किया जा सकता है।

अयनांश संस्कार –

उपर्युक्त प्रकार से तैयार की गई लग्न सारिणियां 23 अश 15 कला अयनाश की है। अत. यदि जन्म समय का अयनाश 23 अश 15 कला से कम हो तो जितने अंश कला कम हो उतने अश कला अभीष्ट स्थान के अक्षाश की लग्न सारिणी से प्राप्त लग्न की राशि अंश कला विकला

मे जोडने पर और यदि जन्म समय का अयनाश 23 अश 15 कला से अधिक हो तो जितने अश, कला अधिक हो उतने अश कला प्राप्त लग्न राशि अक कला विकला मे से घटाने पर स्पष्ट लग्न राश्यादि होती है।

(1) जन्म लग्न साधन विधि (भारत मे उत्पन्न जातक) –

1 जन्म का दिनाक 2 जन्म का समय स्टे टाईम मे

3 जन्म स्थल के (i) अक्षाश, (ii) रेखाश, (iii) रेखान्तर

4 स्थानीय समय (जन्म स्थल का)

जन्म के स्टे टाईम मे रेखांतर के मिनिट सेकण्ड जोडने या घटाने से स्थानीय समय प्राप्त होता है। (भारत के गावो, शहरो, कस्बो के अक्षाश रेखाश सारिणी मे + या – रेखान्तर के अनुसार स्टे. टा मे सस्कार करने पर प्राप्त समय)

5 सापातिक काल, दैनिक गति सस्कार –

स्थानीय समय के घंटे मिनिट सेकण्ड के अनुसार सांपातिक काल सारिणी से प्राप्त सापातिक काल की दैनिक गति के मिनट सेकण्ड को उक्त स्थानीय समय के घटे मिनिट सेकण्ड मे जोडना पडता है।

6. जन्म दिनाक का सापातिक काल –

सापातिक काल सारिणी के जन्म के मास और दिनांक के अनुसार सापातिक काल सबसे पहले प्राप्त किया जाता है।

उक्त सापातिक काल मे जन्म के सन् के सामने दिये गये मिनिट सेकण्ड की सारिणी मे बताये अनुसार + है तो जोडना और – है तो घटाना पडता है। इस प्रकार जो सापातिक काल प्राप्त होता है वह जन्म तारीख के शून्य बजे का 82 30 रेखांश का होता है।

उपर्युक्त सापातिक काल मे जन्मस्थल के रेखाश के अनुसार स्थल रेखांश संस्कार सारिणी से प्राप्त सेकण्ड को + या – के अनुसार घटाने या जोडने पर जन्म स्थल का सापातिक काल प्राप्त होता है। इस सांपातिक काल को पूर्व मे दिये 4 व 5 मे जोड़ने पर इष्ट सापातिक काल प्राप्त होता है।

7. लग्न सारिणी से लग्न साधन –

यहाँ दी जा रही शून्य अक्षाश से 60 अक्षाश तक की अधिकांश लग्न सारिणीयाँ पूरे अक्षांश की बनी हुई है और कुछ स्थल विशेष के अक्षांश के अंश व कला की बनी हुई है।

लेकिन विश्व का प्रत्येक स्थल अक्षाश के पूरे अश पर स्थित नहीं होकर उसके आगे के दूसरे अंश के कुछ भाग पर स्थित होता है। प्रत्येक अंश 60 कला का होता है। अत दूसरे अश का वह कुछ भाग जिस पर जन्म स्थल स्थित होता है, पूरे अश और कला के साथ लिखा जाता है। इस प्रकार जिस स्थल के अक्षाश की कला 30 या 30 से कम हो उसके लिए पूरे अश की लग्न सारिणी लेनी चाहिए। जैसे अक्षांश $24^0.28'$ का कोई स्थान है तो उसके लिए 24^0 की लग्न सारिणी का ही उपयोग करेगे चूकि 28 कला, 30 कला से कम है। इसके विपरीत यदि किसी स्थल के अक्षांश $24^0 47'$ है तो हम उस स्थल के लिए 25 अक्षाश की लग्न सारिणी का उपयोग करेंगे। चूकि 24 अश से आगे 47 कला 30 कला से अधिक है।

यदि जन्म लग्न साधन मे अधिक सूक्ष्मता की आवश्यकता हो तो हम 24 व 25 अक्षांश की लग्न सारिणीयो से इष्ट सापातिक काल की सहायता से लग्न राशि अंश कला विकला मे प्राप्त कर उन दो के अन्तर की विकलताओं मे 24 से आगे जितनी कला है उसका गुणा कर 60 का भाग देगे। इस प्रकार जो विकलायें प्राप्त होगी उनको 24 अक्षाश की लग्न सारिणी से प्राप्त लग्न की राशि अश कला विकला मे निम्न प्रकार से जोडेग या घटायेगे।

24 अक्षाश और 25 अक्षाश की सारिणीयो से प्राप्त लग्न राश्यादि में यदि 24 की लग्न राश्यादि 25 की लग्न राश्यादि से अधिक है तो उक्त विकलाओ को 24 की लग्न सारिणी से प्राप्त लग्न राश्यादि मे से घटायेगे और यदि 24^0 अक्षांश की लग्न राश्यादि 25^0 की लग्न राश्यादि से कम है तो 24^0 अक्षाश लग्न सारिणी से प्राप्त लग्न राश्यादि मे उक्त विकलाओं को जोडेगे। इस प्रकार जो लग्न राश्यादि प्राप्त होगी वह अधिक सूक्ष्म होगी।

8 अयनाश –

पूर्वोक्त प्रकार से प्रकार लग्न–राश्यादि में अयनाश सस्कार करने पर स्पष्ट लग्न राश्यादि प्राप्त होते है।

अयनांश साधन की विधि निम्न प्रकार है –

साथ मे दी गई अयनाश सारिणी मे से जन्म से सन् की 1 जनवरी के अयनाश लीजिए। इसमे जन्म के महीने और दिनाक के अनुसार विकला जोडिये। इस प्रकार जो अयनाश प्राप्त होता है वह मध्यम अयनाश कहलाता है। अब जन्म समय के स्पष्ट राहु की राशि अंश के अनुसार राहु–सस्कार

सारिणी मे से + या – मे दी हुई विकलाओ को मध्यम अयनाश में जोडिए या घटाइये। इस प्रकार जो अयनाश अंश कला विकला मे प्राप्त होगा वह स्पष्ट अयनाश कहलायेगा।

उक्त स्पष्ट अयनाश यदि लग्न सारिणी के अयनांश से कम है तो जितने अंश कला विकला कम हो उतने अश कला विकला पूर्वोक्त (7) में प्राप्त लग्न राशि, अश, कला, विकला मे जोडने और यदि स्पष्ट अयनाश लग्न सारिणी के अयनांश से अधिक है तो जितने अश कला विकला अधिक हो उतने अश, कला, विकला को पूर्वोक्त (7 मे) प्राप्त लग्न राशि अश, कला, विकला मे से घटाने पर स्पष्ट लग्न प्राप्त होता है।

इस विधि से भारत के किसी भी नगर या कस्बे मे उत्पन्न बालक का स्पष्ट लग्न प्राप्त किया जा सकता है। इस प्रकार से प्राप्त लग्न राशि (पूर्णादि राशि के अनुसार) के अक को जन्म कुडली के प्रथम भाव मे रखकर कुडली का निर्माण किया जाता है।

2 2.विदेश मे उत्पन्न बालक के जन्म लग्न–साधन की विधि –

चूकि विदेश का न तो हमारे पास पंचाग होता है और न सापातिक काल। प्रत्येक स्थान का स्टे. टाईम भी अलग–अलग होता है। हमारे पास विदेश में उत्पन्न बालक की जन्म तारीख, जन्म समय और जन्म स्थल की सूचना मात्र होती है और इनको आधार मानकर भारतीय पचाग पर से लग्न–साधन एव ग्रह स्पष्ट करने पडते है। अत विदेश की कुंडली बनाने या लग्न–साधन करने के लिए निम्नांकित बातें ध्यान मे रखनी आवश्यक हैं –

1 जन्म स्थान के अक्षाश–रेखाश तथा स्टे टा. रेखांश,

2 स्टे. टा. और स्थानीय समय के बीच का अन्तर,

3 82.30 पूर्वी रेखाश का जन्म तारीख का सापातिक काल (पूर्ववत् निकाले)

4 उक्त जन्म तारीख के सापातिक काल मे स्थल सस्कार करना।

यदि जन्म का स्थल 82. 30 रेखांश से पूर्व मे अर्थात् अधिक रेखाश पर है तो स्थल सस्कार सारिणी के अनुसार मिनट सेकण्ड को घटाने और यदि जन्म का स्थल 82.30 रेखांश से पश्चिम मे अर्थात् कम रेखाश पर है तो स्थल संस्कार सारिणी के अनुसार मिनट सैकण्ड को जोडने पर जन्म–स्थल की जन्म तारीख के शून्य बजे का सांपातिक काल प्राप्त होगा।

5. उक्त सांपातिक काल को स्थानीय समय मे जोडना।

6 स्थानीय समय के घंटे के अनुसर सापातिक काल दैनिक गति संस्कार सारिणी से मिनट सेकण्ड लेकर उक्त न. 5 मे मिलाना। इस प्रकार जो योगफल प्राप्त होता है वही इष्ट सांपातिक काल होता है।

7. इष्टस्थल के अक्षांश के अनुसार पूर्वोक्त प्रकार से लग्न–सारिणी से लग्न निकालना।

8 इस प्रकार प्राप्त लग्न राश्यादि में अयनाश सस्कार करने पर स्पष्ट लग्न, राश्यादि मे प्राप्त होता है।

(3) दक्षिण अक्षांश के किसी स्थल पर उत्पन्न बालक का जन्मलग्न निकालने की विधि –

पूर्वोक्त जिस प्रकार से देश या विदेश में उत्पन्न बालक के जन्म लग्न–साधन की विधि अपनायी जाती है उसी प्रकार से दक्षिण अक्षाश के स्थल विशेष में उत्पन्न बालक का इष्ट सांपातिक काल प्राप्त किया जाता है। इस इष्ट सापातिक काल के घटो मे 12 घटे और जोड या घटा दिये जाते है। इस प्रकार जो घटे मिनट सेकण्ड प्राप्त होते है वही दक्षिण अक्षांश के स्थल का इष्ट सापातिक काल होता है।

अब स्थल अक्षांश के अंश कला के अनुसार उत्तर अक्षांश की लग्न–सारिणी से पूर्वोक्त प्रकार से स्पष्ट लग्न प्राप्त करने के बाद उस लग्न राशि अश कला विकला में 6 राशि जोड या घटा दो। इस प्रकार जो राशि अश कला विकला प्राप्त होते है उसमें अयनांश सस्कार करने पर जो राश्यादि प्राप्त होते है वही दक्षिण अक्षांश के अभीष्ट स्थल मे उत्पन्न बालक का जन्मलग्न होगा। भारत एवं विदेशो के विविध अक्षांश एवं रेखाश मे एक ही दिनांक और समय पर उत्पन्न बालकों के लग्न–साधन के उदाहरण आगे दिये जा रहे हं।

(4) दशम भाव स्पष्टीकरण –

लग्न साधन के लिए विविध अक्षांश के स्थलों की विविध लग्न सारिणियॉ काम में ली जाती है। लेकिन विश्व के सभी स्थलों के लिए केवल एक ही दशम भाव सारिणी का उपयोग क़िया जाता है।

लग्न–साधन के लिए जिस प्रकार इष्ट सांपातिक काल प्राप्त किया जाता है उस प्रकार से प्राप्त कर दशम भाव सारिणी से लग्न–सारिणी की तरह ही दशम भाव के राशि अंश कला विकला प्राप्त कर अयनांश संस्कार करने पर स्पष्ट दशम भाव के राशि अंश कला विकला प्राप्त होते हैं।

इसके उदाहरण भी लग्न–साधन के साथ आगे सम्मिलित कर दिये गये है।

जन्म लग्न एवं दशमभाव साधन के उदाहरण –

(जन्म दिनाक 10 1 1993 समय 12 30 अपराह्न– भा स्टे टा.)

दिशा : N = उत्तर E = पूर्व अयनाश 23 45 50

S = दक्षिण W = पश्चिम

	जन्मस्थान	अक्षाश	रेखाश	स्टे टा. रेखाश	जन्म दिनाक	जन्म समय स्टे टा	रेखातर
	भारत	1 अ क	2 अ क	3 अ क	4	5 घ मि से	6 मि से
1	अहमदाबाद	23 3N	72 40E	82.30 E	10.1.1993	12.30 0 P M	-39.20
2	उदयपुर	24 35N	73.44E	82.30 E	10 1.1993	12.30 0 P.M	-35.04
3	कलकत्ता	22 34N	88 24E	82.30 E	10.1.1993	12.30.0 P.M	+23.36
4	डूँगरपुर	23 50N	73 50E	82.30 E	10 1.1993	12.30 0 P M	-34.40
5	नई दिल्ली	28 39N	77.10E	82.30 E	10 1.1993	12.30.0 P.M	-21 20
6	बांसवाडा	23 33N	74 24E	82.30 E	10 1.1993	12.30.0 P.M	-32 24
7	मुबई	18 55N	72 54E	82.30 E	10.1.1993	12.30.0 P.M	-38.24
	विदेश						
1	कराची	24 51N	67 04E	75 00 E	10 1.1993	12.30(Noon)	-31.44
2	ढाका	23 42N	90.25E	90.00 E	10.1.1993	13.0.0 P.M.	+1.40
3	न्यूयॉर्क	40 43N	74 00W	75.00 W	10.1.1993	02.0.0 A.M.	+4 00
4	पेरिस	48 50N	2.20E	15.00 E	10.1.1993	08.0 0 A.M.	-50 40
5	मोस्को	55 45N	37.34E	45.00 E	10.1.1993	10.0.0 A.M.	-29.44
6	लदन	51 32N	0.05W	0.00 E	10 1.1993	07.0.0 A.M.	-0.20
7	केपटाउन	33 56S	18 29E	30.00 E	10.1.1993	09.0.0A.M.	-46.04
8	केनबरा	35 19S	149.00E	150.00 E	10.1.1993	17.0.0 P.M	-4 00
9	नैरोबी	01 18S	36.52E	45.00 E	10 1.1993	10.0.0A.M.	-32.32

जन्म लग्न एव दशमभाव साधन के उदाहरण॰ –

(जन्म दिनांक 10.1 1993 समय 12 30 अपराह्न– भा स्टे टा.)

दिशा · N = उत्तर E = पूर्व अयनाश 23 45.50

S = दक्षिण W = पश्चिम

लग्न	जन्मस्थान	स्थानीय समय सा	स्थानीय समय पर से 0 बजे दैनिक गति	82 30E रेखाश का सस्कार का सा काल	जन्म स्थल रेखाश सस्कार सेकण्ड (+या–)	इष्ट सा काल 7 से 10 तक का योग	लग्न सारिणी से प्राप्त राश्यादि
	भारत	7 घ मि. से	8 मि से	9 घ मि से	10 से	11 घ मि से.	12 रा.अ क वि.
1	अहमदाबाद	11 50 40A M	1 56	7 17 12	+7	19 09 55	11 29 47 29
2.	उदयपुर	11 54 56A M	1 57	7 17 12	+6	19 14 11	00 01 34 07
3	कलकत्ता	12 53 36PM	2 07	7 17 12	-4	20 12 51	00 19 02 18
4	डूंगरपुर	11 55 20A M	1 57	7 17 12	+6	19 14 35	00 01 29 57
5	नई दिल्ली	12 08 40PM	1 59	7 17 12	+3	19 27 54	00 07 19 33
6	बासवाडा	11 57 36A M	1 57	7 17 12	+5	19 16 50	00 02 08 49
7	मुबई	11 51 36A M	1 56	7 17 12	+7	19 10 51	11 29 09 47
	विदेश						
1.	कराची	11 28 16A M.	1 53	7 17 12	+10	18 47 31	11 22 50 39
2	ढाका	13 01 40PM	2 08	7 17 12	-6	20.20 54	00.21.50 48
3.	न्यूयॉर्क	02 04 00A M.	0 20	7 17 12	+103	09 23 15	06 16.52.10
4	पेरिस	07 09 20A.M	1 10	7 17 12	+53	14 28 35	08.13.45 50
5	मोस्को	09 30 16A.M	1 34	7 17 12	+30	16 49 32	09.20 55 25
6	लंदन	06 59 40A M	1.09	7 17 12	+54	14 18 55	08 08 30 42
7.	केपटाउन	08 13 56A M	1 21	7 17.12	+42	*3 33 11	10 05 56 24
8	केनबरा	16 56 00PM	2 47	7 17 12	-44	*12 15 15	01 24.46 27
9	नैरोबी	09 27 28A M	1 33	7 17 12	+30	* 4 46 43	10 17 03 11

* दक्षिणी अक्षाश के स्थलो के लिए कॉलम 7 से 10 तक के योग मे 12 घंटे जोड दीजिये। यह इष्ट सां. काल होगा पर पर से लग्न सारिणी पर से लग्न राश्यादि प्राप्त करके उसमे से 6 राशि घटा दीजिये। यहाँ यही विधि काम मे ली गई है।

जन्म लग्न एवं दशमभाव साधन के उदाहरण –

(जन्म दिनाक 10.1.1993 समय 12.30 अपराह्न– भा' स्टे टा)

दिशा : N = उत्तर E = पूर्व अयनाश 23 45 50

S = दक्षिण W = पश्चिम

	जन्म स्थान	अयनाश सस्कार	स्पष्ट जन्म लग्न राश्यादि (12–13–14)	स्पष्ट दशम भाव सारिणी से प्राप्त राश्यादि अयनाश	भारतीय स्टे टा से अन्तर (+या– मे)
	भारत	13 क वि	14 रा अ क वि	15 रा अ क वि	16 घ मि
1	अहमदाबाद	–30 50	11 29 16 39	08 22 21 01	00 00
2	उदयपुर	–30 50	00 01 03 17	08 23 20 33	00 00
3	कलकत्ता	–30 50	00 18 31 28	09 07 08 38	00 00
4	डूँगरपुर	–30 50	00 00 59 07	08 23 26 08	00 00
5	नई दिल्ली	–30 50	00 06 48 43	08 26 33 09	00 00
6	बासवाडा	–30 50	00 01 37 59	08 23 57 38	00 00
7	मुंबई	–30.50	11 28 38 57	08 22.34 03	00 00
	विदेश				
1.	करांची	–30 50	11 22 19 49	08 17 09 33	–00 30
2	ढाका	–30.50	00 21 19 58	09 09 10 17	+00 30
3.	न्यूयॉर्क	–30 50	06 16 21 20	03 24.36 47	–10 30
4	पेरिस	–30 50	08 13 15 00	06 16 46 57	–04 30
5.	मोस्को	–30 50	09 20 24 35	07 19 59 37	–02 30
6.	लंदन	–30 50	08 07 59 52	06 13 18 33	–05 30
7.	केपटाउन	–30 50	10 05 25 34	07 01 51 54	–03 30
8.	केनबरा	–30 50	01 24 15 37	11.10 23 26	+04 30
9.	नैरोबी	–30 50	10 16.32 21	07 19 20.17	–02 30

अध्याय 11

द्वादश भाव स्पष्ट करना –

पूर्वोक्त प्रकार से लग्न एवं दशम भाव स्पष्ट करने के पश्चात् इनकी सहायता से जन्म कुंडली के बारह भाव निम्न प्रकार से स्पष्ट किये जाते है –

स्पष्ट लग्न राशि अंश कला विकला में से स्पष्ट दशम भाव के राशि अंश कला विकला घटाने पर जो राश्यादि शेष रहे उनमें 6 का भाग देने पर प्राप्त लब्धि (भागफल) के अंश, कला विकला एवं प्रति विकला को दशम भाव में जोडने पर दशम भाव की विराम संधि अर्थात् 11वां भाव की प्रारम्भ संधि प्राप्त होती है। इसमें उक्त छठा भाग जोडने पर 11 वॉ भाव प्राप्त होता है । इसमें उक्त छठा भाग जोडने पर 11वें भाव की विराम संधि अर्थात् 12वें भाव की आरंभ संधि प्राप्त होती है। इसमें उक्त छठा भाग जोडने पर 12 वां भाव प्राप्त होता है। 12वें भाव में उक्त छठा भाग जोड़ने पर 12वें भाव की विराम संधि या प्रथम भाव (जन्म लग्न) की आरम्भ संधि प्राप्त होती है। इसमे पुनः छठा भाग जोडने पर जन्मलग्न के राश्यादि प्राप्त होते है।

अब उल्टे क्रम से द्वादश भाव (12वें भाव) की विराम संधि में 1 राशि, 12 वें भाव में 2 राशि, 11वें भाव की विराम संधि में 3 राशि 11वें भाव मे 4 राशि, दशम भाव की विराम संधि में 5 राशि और दशम भाव में 6 राशि जोडने पर क्रमशः प्रथम भाव की विराम संधि द्वितीय भाव, द्वितीय भाव की विराम सधि, तृतीय भाव, तृतीय भाव की विराम संधि, और चतुर्थ भाव प्राप्त होते है।

इस प्रकार दशम भाव से चतुर्थ भाव संधि सहित स्पष्ट होने पर उनमे से प्रत्येक मे 6 राशि जोडने पर उसके सम्मुख की सधि और भाव स्पष्ट होते है।

लग्न में 6 राशि जोडने पर 7 वां भाव, प्रथम भाव की विराम संधि में 6 राशि जोड़ने पर 7वे भाव की विराम संधि, द्वितीय भाव में 6 राशि जोड़ने पर आठवां भाव, द्वितीय भाव की विराम सधि मे 6 राशि जोडने पर आठवें भाव की विराम संधि, तृतीय भाव में 6 राशि जोड़ने पर नववां भाव, तृतीय भाव की विराम संधि में 6 राशि जोड़ने पर नववें भाव की विराम संधि आती है। दशम भाव में 6 राशि जोडने पर चतुर्थ भाव, दशम भाव की विराम संधि में 6 राशि जोडने पर चतुर्थ भाव की विराम संधि, एकादश भाव मे 6 राशि जोड़ने पर पांचवे भाव की विराम संधि, 12वे भाव में 6 राशि जोड़ने पर छठा भाव, और 12वें भाव की विराम संधि में 6 राशि जोड़ने पर छठे भाव की विराम संधि और (लग्न) प्रथम भाव मे 6 राशि जोड़ने पर सातवां भाव प्राप्त होता है।

उदाहरण

उदयपुर दिनाक 10 1 1993 समय 12 30 भा स्टे टा

स्पष्ट जन्म लग्न (प्रथम भाव) 0 रा 1 अश, 3 कला 17 विकला स्पष्ट दशम भाव 8 रा 23 अश 20 कला 33 विकला

प्रथम भाव राश्यादि मे से दशम भाव राश्यादि घटाने पर

प्रथम भाव	0 रा	1 अश	3 कला	17 विकला	60 वि = 1 कला
दशम भाव	8 रा	23 अश	20 कला	33 विकला	60 कला =1 अश 30 अश = 1 राशि
			42	44	

नोट – 0 राशि में से जब कोई राशि घटानी हो तब 0 =12 राशि मानकर उसमे से घटाइये। इसी प्रकार योग करने पर दो राशियो का योग 12 से अधिक हो तो उसमे से 12 घटा दीजिये शेष = राशि होगी। यदि कोई राशि उसमें से घटाई जाने वाली राशि के अक से कम है तो उसमे 12 जोडकर ही राशि घटाई जाती है।

उक्त 3 राशि के अश = 30 x 3 = 90 अश + 7 अश = 97 अंश 42 कला 44 विकला मे 6 का भाग दिया –

यहा शेष कला नही है । यदि होती तो 60 का गुणा कर 44 विकला जोड देते लेकिन यहा शेष नही होने से 44 विकला मे 6 का भाग दिया

इस प्रकार छठा भाग 16 अश 17 कला 7 विकला 20 प्रति विकला हुआ। अब इस छठे भाग को दशम भाव के राश्यादि मे तब तक जोडते जायेंगे जब तक स्पष्ट प्रथम भाव (लग्न) राश्यादि न आ जाये।

	रा	अ	क	वि		
6 +	8	23	20	33		दशमभाव
	+	16	17	7	20	
5 +	9	9	37	40	20	दशम भाव विराम सधि
	+	16	17	7	20	
4 +	9	25	54	47	40	एकादश भाव
	+	16	17	7	20	
3 +	10	12	11	55	0	एकादश भाव विराम सधि
	+	16	17	7	20	
2 +	10	28	29	2	20	द्वादश भाव
	+	16	17	7	20	
1 +	11	14	46	9	40	द्वादश भाव विराम सधि
	+	16	17	7	20	
	0	1	3	17	0	प्रथम भाव

अब उल्टे क्रम से द्वादश भाव विराम सधि मे 1 राशि जोडी तो 0 रा 14 अ. 45 क्र. 9 विकला प्रथम भाव की विराम सधि हुई। इसी प्रकार द्वादश भाव में 2 राशि, एकादश भाव की विराम सधि मे 3 राशि, एकादश भाव मे 4 राशि, दशम भाव की विराम सधि मे 5 राशि तथा दशम भाव मे 6 राशि जोडने पर क्रमश 2 रा भाव, दूसरे भाव की विराम सधि, तृतीय भाव और तृतीय भाव की विराम सधि और चतुर्थ भाव के राशि अश कला विकला स्पष्ट हुए। इनमे से प्रत्येक संधि और भाव मे 6 राशि जोडने पर उसके सम्मुख के संधि और भाव स्पष्ट हुए। जैसे प्रथम भाव की राशि अ. क वि मे

6 राशि जोडने पर 7 वा भाव 6 राशि 1 अश 3 कला 17 विकला, प्रथम भाव की विराम सधि मे 6 राशि जोडने पर 6 रा 14 अश 46 कला 9 विकला सातवे भाव की विराम सधि, दूसरे भाव मे 6 राशि जोडने पर आठवा भाव, दूसरे भाव की विराम सधि मे 6 राशि जोडने पर आठवे भाव की विराम सधि, तृतीय भाव मे 6 राशि जोडने पर नवम भाव, तृतीय भाव की विराम सधि मे 6 राशि जोडने पर नवम् भाव की विराम संधि,दशम भाव मे 6 राशि जोडने पर चतुर्थ भवा और दशम भाव की विराम सधि मे 6 राशि जोडने पर चतुर्थ भाव की विराम
सधि, एकादश भाव में 6 राशि जोडने पर पाचवा भाव, एकादश भाव की विराम सधि मे 6 राशि जोडने पर पाचवे भाव की विराम सधि, 12वे भाव मे 6 राशि जोडने पर छठा भाव और 12वे भाव की विराम सधि मे 6 राशि जोडने पर छठे भाव की विराम संधि प्राप्त हुई। इस प्रकार द्वादश भाव निम्न प्रकार से स्पष्ट हुए।

स्पष्ट द्वादश भाव

भाव	1	0	2	0	3	0	4	0	5	0	6	0
रा	0	0	0	1	1	2	2	3	3	4	4	5
अ	1	14	28	12	25	9	23	9	25	12	28	14
क	3	46	29	11	54	37	20	37	54	11	29	46
वि	17	9	2	55	47	40	33	40	47	55	2	9
भाव	7	0	8	0	9	0	10	0	11	0	12	0
रा.	6	6	6	7	7	8	8	9	9	10	10	11
अ	1	14	28	12	25	9	23	9	25	12	28	14
क	3	46	29	11	54	37	20	37	54	11	29	46
वि	17	9	2	55	47	40	33	40	47	55	2	9

अध्याय 12

ग्रह स्पष्ट करना –

जन्म भूमि, सदेश, विश्व विजय जैस पचांगो मे 5 बजकर 30 मिनिट के प्रात कालीन स्पष्ट ग्रह दिये हुए होते है। अत एक 5 बजकर 30 मिनिट से दूसरे (दिन के) 5 बजकर 30 मिनिट तक मे 24 घंटे होते है। इन 24 घटो की ग्रह गति भी दी हुई होती है और जहां नही दी हुई है। वहां दूसरे दिन के ग्रहो के राशि अश कला विकला में से पहले दिन के राशि अंश कला विकला को घटाने पर ग्रह गति प्राप्त होती है। लेकिन जब कोई वक्री होते है तो उसके पहले दिन के राशि अश कला विकला मे से दूसरे दिन के उसके राशि अंश कला विकला घटाने पर वक्री ग्रह की गति प्राप्त होती है। यह गति 24 घंटे की होती है।

प्रात 5 बजकर 30 मिनिट से मध्याह्न 12 बजे तक 6 घटे 30 मिनिट होते है। मध्याह्न 1 बजे 13 = बजे मानकर रात्रि 12 बजे को 24, 1 बजे को 25, 2 बजे को 26, 3 बजे का 27, 4 बजे को 28 और 5 बजे को 29 घटे गिनना चाहिये।

बालक के जन्म समय मे से 5 घटा 30 मिनिट घटाने पर जो घटे मिनट प्राप्त होते है उसके मिनट के घटे बनाकर और ग्रह गति के प्राप्त कला विकला में विकला की कला बनाकर आपस मे गुणा करके 24 का भाग देने पर प्राप्त कला विकला को प्रात कालीन ग्रह राश्यादि मे यदि ग्रह मार्गी है तो जोड़ने और वक्री है तो घटाने पर जन्मकालीन स्पष्ट ग्रह प्राप्त होते हैं।

ग्रह स्पष्टीकरण सारिणी से **ग्रह स्पष्ट** करने मे आसानी रहती है। अत. सारणी आगे दी जा रही है।

भारत में उत्पन्न बालक के जन्म कालीन ग्रह पूर्वोक्त प्रकार से स्पष्ट होगे।

(i) विदेश में उत्पन्न बालक के जन्म कालीन ग्रह स्पष्ट करना–

विदेश के जिस शहर या नगर मे बालक का जन्म हो उसके जन्म के स्टे टा को पहले बताये अनुसार रेखांश की सहायता से भारतीय स्टे टा में परिवर्तित कर दीजिये। इस स्टे टा के घटों में से 5 घटा 30 मिनिट घटाने पर जो घटे मिनिट प्राप्त हो उनके घटे बनाइये। इस प्रकार उक्त घटो को कला से गुणाकर गुणनफल में 24 का भाग दीजिये। लब्धि कला आयेगी। शेष में 60 का गुणा कर 24 का भाग देने पर लब्धि विकला प्राप्त होगी। इन कला विकला को पूवोक्त प्रकार से प्रातः कालीन ग्रह राश्यादि मे जोडने या घटाने पर जन्मकालीन स्पष्ट ग्रह प्राप्त होंगे।

(ii) ग्रह– स्पष्टीकरण उदाहरण –

पूर्व मे दिये गये दिनाक 10 1 93 जन्म समय 12 30 (पी एम) भारतीय स्टे टा. पर विभिन्न देशो मे उत्पन्न बालको के जन्मकालीन स्पष्ट ग्रहो का उदाहरण यहॉ दिया जा रहा है।

जन्म भूमि पचाग मे दिनांक 10 1 93 की प्रात 5 बजकर 30 मिनिट के स्पष्ट ग्रहो की स्थिति निम्न प्रकार है –

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	मगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु
रा.	8	3	2	8	5	10	9	7
अ	25	16	23	17	20	12	23	26
क	59	12	5	40	22	46	34	11
वि	30	28	0	0	0	0	0	0
ग कला	61	445	23	94	3	65	6	3
ति विकला	7	*48	0	0	0	0	0	0
मार्गी	✓	✓	–	✓	✓	✓	✓	–
वक्री	–	–	x	–	–	–	–	–
चन्द्र की गति 12 घटे की दी गई है ।								

बालक का जन्म समय घ. 12 घं 30 मि है। अत. 12 30 में से प्रात कालीन स्पष्ट ग्रहो का समय 5.30 मि घटाये तो 7 घटे शेष रहे।

चन्द्र की गति को छोडकर शेष ग्रहो की दी गई गति 24 घटे की है।

अब हम प्रात· कालीन ग्रह अपनी 24 घटे या 12 घटे की गति से जन्म समय तक कितने आगे बढे या कितने पीछे हटे यह ज्ञात निम्न प्रकार करेगे–

मार्गी (✓) ग्रहो मे गति–फल जोडना और वक्री ग्रहो (x) मे गति–फल घटाना पडता है।

$$\frac{\text{ग्रह गति x (जन्म समय – 5 घ 30 मि = अभीष्ट घटे)}}{24}$$

सूर्य स्पष्ट करना –

∵ 24 घटे मे 60 कला ∴ 7 घटे मे $\frac{61}{24} \times \frac{7}{1} = \frac{427}{24}$

= 17 क. 47 वि 30 प्र वि

∵ 24 घटे मे 7 विकला ∴ 7 घंटे मे $\frac{7}{24} \times \frac{7}{1} = \frac{49}{24}$ विकला

= 2 वि 2 5 प्र वि

क	वि	प्र	
17	47	30	
+0	2	2	
17	49	32	इसे प्रात कालीन स्पष्ट सूर्य मे जोडा

रा	अ	क	वि.	
8	25	59	30	
+		17	49	
8	26	17	19	जन्म कालीन स्पष्ट सूर्य

गुरु स्पष्ट करना –

∵ 24 घटे मे 3 कला ∴ 7 घटे मे $\frac{3}{24} \times \frac{7}{1} = \frac{21}{24}$

= 0 कला 52 विकला

	रा	अ	क.	वि
प्रात कालीन स्पष्ट गुरू =	5	20	22	0
	+	0	0	52
जन्मकालीन स्पष्ट गुरू =	5	20	22	52

शुक्र स्पष्ट करना –

∵ 24 घटे मे 65 कला ∴ 7 घटे मे $\frac{65}{24} \times \frac{7}{1} = \frac{455}{24}$ कला

= 18 कला 57 विकला

	रा.	अ	क.	वि
प्रात कालीन स्पष्ट शुक्र	10	12	46	0
	+		18	57
जन्मकालीन स्पष्ट शुक्र	10	13	04	57

शनि स्पष्ट करना –

∵ 24 घटे मे 6 कला ∴ 7 घटे म $\frac{6}{24} \times \frac{7}{1} = \frac{42}{24} = $ 1 क 45 वि.

	रा	अ	क	वि
प्रात कालीन स्पष्ट शनि	9	23	34	0
		+	1	45
जन्मकालीन स्पष्ट शनि	9	23	35	45

राहु स्पष्ट करना –

∵ 24 घटे मे 3 कला (वक्री) ∴ 7 घटे मे $\frac{3 \times 7}{24} = \frac{21}{24} = $ 0 क 52 व

	रा.	अ	क	वि.
प्रातः कालीन स्पष्ट राहु	7	26	11	0
		–	0	52
	7	26	10	08
	+6			
प्रात कालीन स्पष्ट केतु	1	26	10	08

नोट – स्पष्ट राहु के 6 राशि जोडने पर स्पष्ट केतु प्राप्त हुआ।

रा	अ	क.	वि.
1	26	10	8

इस प्रकार जन्मकालीन सूर्यादि ग्रह स्पष्ट किये जाते है।

चन्द्र स्पष्ट करना –

∵ 12 घंटे मे 445 कला ∴ 7 घटे मे $\frac{445}{12} \times \frac{7}{1} = \frac{3115}{12}$

= 259 कला 35 विकला

= 4 अं. 19 क. 35 वि – A

12 घटे मे 48 विकला 7 घंटे मे $\frac{48}{12} \times \frac{7}{1} = $ 28 वि. + 28 वि. – B

अं.	क.	वि.	
4	19	35	A
	+	28	B
4	20	03	

	रा	अ.	क.	वि.
प्रात· कालीन स्पष्ट चंद्र =	3	16	12	28
	+	4	20	03
जन्मकालीन स्पष्ट चंद्र =	3	20	32	31

मंगल स्पष्ट करना –

∵ 24 घटे में 23 कला पीछे हटता है ∴ 7 घटे मे $\frac{23}{24} \times \frac{7}{1} = \frac{161}{24}$

= 6 कला 42 विकला

	रा	अ	क.	वि
प्रात कालीन स्पष्ट मगल –	2	23	05	0
	–	0	6	42
जन्मकालीन स्पष्ट मगल	2	22	58	18

बुध स्पष्ट करना –

∵ 24 घटे मे 94 कला ∴ 7 मे $\frac{94}{24} \times \frac{7}{1} = \frac{658}{24}$

= 27 कला 25 विकला

	रा	अं	क	वि.
प्रात कालीन स्पष्ट बुध =	8	17	40	0
		+	27	25
जन्म कालीन स्पष्ट बुध =	8	18	07	25

जन्मकालीन स्पष्ट ग्रह –

सू	च	मं	बु	गु.	शु	श	रा	के
8	3	2	8	5	10	8	7	1
26	20	22	18	20	13	23	26	26
17	32	58	7	22	4	35	10	10
19	31	18	25	52	57	45	8	8
✓	✓	x	✓	✓	✓	✓	x	x

उपर्युक्त स्पष्ट ग्रह भारतीय स्टे टा 12 30 के है। कराची के 12 बजे के, ढाका के 1.00 (पी . एम) के, न्यूयोर्क के प्रात 2 बजे के, पेरिस के प्रात . 8 बजे के, मोस्को के प्रात 10 बजे के, लदन के प्रात 7 बजे के केपटाऊन के प्रात 9 बजे के, केनबरा के साय 5 बजे के और नैरोबी के प्रात 10 बजे के है।

पूर्वोक्त उदाहरणों के स्थानों की कुछ जन्म कुंडलिया

अध्याय 13
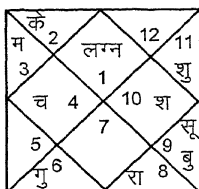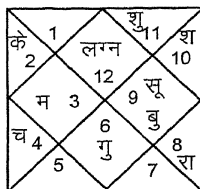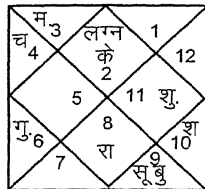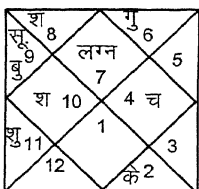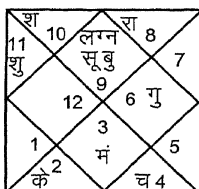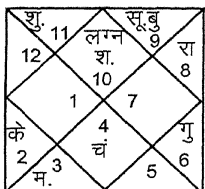
चलित कुंडली –

जन्मकालीन स्पष्ट ग्रह और स्पष्ट बारह भावो की सहायता से चलित कुंडली मे भाव और ग्रह निम्न प्रकार से दर्शाये जाते है।

जन्म कुंडली की तरह कुडली का खाका (नक्शा) सबसे पहले बनाइये। उसमें स्पष्ट भावो की पूर्णादि राशियो मे 1 जोडने पर बनने वाली राशि के अक लग्न से बारह भावो मे रखिये। कभी–कभी किन्ही दो भावो मे एक ही प्रकार के अक आते है तो कभी किसी भाव मे उसके पूर्व वाले अक के बाद वाला अंक नही आकर उससे अगला अंक आता है। लेकिन ऐसा किसी भूल के कारण नही होता। अत जैसे भी राशि– अक कुंडली के भावो मे आये उन्हे रखने चाहिये।

अब जन्म कुडली के जिन भावो मे जो– जो ग्रह है उनके राशि अश कलादि और सबधित भावो के राशि अश कलादि को देखिये। यदि ग्रह के राशि अशादि भाव के राशि अशादि से अधिक हो तो भाव की विराम सधि के राशि अंशादि बढ जाते है तो ग्रह जन्म कुडली के जिस भाव मे होता है, उस भाव से आगे के भाव मे लिखा जाता है।

इसी प्रकार यदि किसी ग्रह के राशि अंशादि ग्रह जन्म कुंडली के जिस भाव मे स्थित हो उस भाव की राशि अशादि से कम राशि अशादि का हो तो उस भाव से पूर्व की विराम सधि के राशि अंशादि से मिलाइये। इससे भी यदि कम राशि अशादि का हो तो ग्रह जन्म कुंडली के जिस भाव में होता है उस भाव से पीछे अर्थात् यदि ग्रह आठवें हो तो सातवे भाव में लिखा जाता है।

यदि ग्रह अपनी सधियों से न आगे बढे या न पीछे के राशि अश मे आये तो ग्रह कुडली के जिस भाव मे होता है, उसी भाव में रहता है।

उदयपुर मे उत्पन्न बालक के स्पष्ट द्वादश भाव और जन्मकालीन स्पष्ट ग्रहों की सहायता से चलित कुडली निम्न प्रकार तैयार होगी।

जन्मकुडली

चलित कूडली

जन्मकुडली मे लग्न की राशि मेष = 1 मानकर क्रमशः बढते क्रम से प्रत्येक भाव में राशि के अंक रखे गये है। जबकि चलित कुंडली मे स्पष्ट भाव (द्वादश स्पष्ट भाव) मे जो राशि जिस भाव मे है उस पूर्णादि राशि में एक जोडकर (0+1 = 1) प्रत्येक भाव में राशि के अक रखे गये है। इसमे पहले और दूसरे भाव में मेष राशि का अंक 1 और सातवे व आठवें भाव मे तुला राशि का 7 अक दर्शाया गया है। जिस तरह कन्या राशि का 6 अक और उसी तरह मीन राशि का 12 अक भी कुंडली मे नहीं है। भाव वृद्धि मे एक राशि दो भावो मे आती है जबकि क्रमागत राशि मे से कोई राशि किसी भाव मे नही है तब उस भाव का क्षय होता है । जैसे प्रथम भाव की राशि मेष प्रथम भाव एव द्वितीय भाव मे है तो प्रथम भाव की वृद्धि हुई कहा जायेगा। लेकिन 6 और 12 के अक नहीं है। अतः छठे तथा 12 वे भाव का क्षय हुआ कहा जायगा।

अब जन्मकुडली मे सूर्यादि ग्रह जिन–जिन भावो मे स्थित हैं उन–उन भावो की स्पष्ट राश्यादि और ग्रहो की स्पष्ट राश्यादि की सहायता से चलित कुडली मे ग्रह निम्न प्रकार से रखे जायेंगे।

मगल जन्म कुंडली मे तीसरे भाव में है। स्पष्ट मगल राश्यादि 2 रा. 22 अं 38 क. 8 वि है और स्पष्ट तीसरा भाव राश्यादि 1 रा. 25 अं. 54 क 48 वि. है। भाव से ग्रह के राश्यादि अधिक है। अत तीसरे भाव की विराम सधि के राश्यादि 2 रा 9 अं. 37 क 40 वि.को देखा तो भी ग्रह के राश्यादि अधिक पाये गये। अत चलित कुंडली में मंगल को अगले भाव (चौथे भाव) में रखा।

चन्द्र जन्मकुडली के चौथे भाव में है। स्पष्ट चन्द्र राश्यादि 3 रा. 20 अ 32 क 37 वि है और स्पष्ट चौथा भाव राश्यादि 2 रा. 23 अं 20 क 33 वि. है। भाव से ग्रह के राश्यादि अधिक है। अत चौथे भाव की विराम संधि राश्यादि 3 रा. 9 अं 37 क 40 वि से मिलाया तो भी ग्रह के राश्यादि अधिक मिले। इसलिए चन्द्र आगे के भाव (पांचवे भाव) में रखा।

गुरु जन्मकुंडली मे छठे भाव मे है। स्पष्ट गुरु राश्यादि 5 रा 20 अ 22 क 52 वि है और स्पष्ट छठा भाव 4 रा 28 अ 29 क 2 वि है। भाव से ग्रह राश्यादि अधिक है। अत छठे भाव की विराम सधि 5 रा 14 अ 46 क 10 वि. से ग्रह को मिलाया पर फिर भी ग्रह के अशादि अधिक पाये गये। अत गुरू चलित कुंडली मे 7वें मे रखा। राहु जन्म कुडली मे आठवे भाव में स्थित है। स्पष्ट राहु राश्यादि 7 रा. 26 अ 10 क 8 वि है और स्पष्ट आठवा भाव 6 रा 28 अ 29 क 2 वि है। भाव से ग्रह अधिक है। अत आगे की सधि 7 रा 12 अ. 11 क 55 वि से मिलाया तो भी ग्रह राश्यादि अधिक मिले। इसलिये राहु को चलित कुडली मे नवमें भाव में रखा।

सूर्य, बुध जन्मकुडली के नवमे स्थान मे है। स्पष्ट सूर्य राश्यादि 8 रा. 26 अ 17 क. 19वि है, स्पष्ट बुध राश्यादि 8 रा 18 अ 7 क 25 वि है। स्पष्ट नवम् भाव 7 रा. 25 अं 54 क. 48 वि है। भाव से ग्रह राश्यादि अधिक है। अत आगे की सधि 8 रा 9 अ. 31 क 40 वि से मिलाये तो भी ग्रह राश्यादि अधिक मिले। अत सूर्य बुध चलित कुडली मे दशम भाव मे रखे गये।

शनि जन्म कुडली के दशम भाव मे स्थित है। स्पष्ट शनि राश्यादि 9 रा 23 अ. 35 क 45 वि है और स्पष्ट दशम भाव राश्यादि 8 रा 23 अं. 20 क 33 वि है। भाव से ग्रह अधिक है। अत दशम भाव की विराम संधि राश्यादि 9 रा 9 अ 37 क 17 वि. से मिलाया। तो भी शनि राश्यादि अधिक पाये गये। अत. ग्रह 11 वे भाव में (चलित कुडली) रखा गया।

शुक्र जन्मकुडली मे 11वे भाव मे है। स्पष्ट 11वा भाव 9 रा 25अ 54 क. 48 वि. है जबकि स्पष्ट शुक्र राश्यादि 10 रा 13 अ. 4 क 57 वि. है। भाव से ग्रह राश्यादि अधिक है। अत. 11वे भाव की विराम संधि 10 रा 12अं., 11क 55 वि से ग्रह को मिलाया तो भी ग्रह राश्यादि अधिक पाये गये। इसलिये शुक्र को 12वे भाव मे रखा गया। केतु सदैव राहु के ठीक सामने के भाव में आता है। इस प्रकार चलित कुंडली तैयार की जाती है।

अध्याय 14

षड्वर्ग साधन –

वैसे जन्म कुडली के लग्न और उसके भावो से सम्बन्धित शुभाशुभ ग्रहो की सहायता से किसी भी जातक के जीवन के प्रत्येक क्षेत्र की उन्नति या अवनति, सुख–दुख, हानि–लाभ आदि का सम्पूर्ण ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। लेकिन प्राचीन पद्धति से जन्म पत्रिका तैयार करने वालो के लिए भी यह पुस्तक उपयोगी सिद्ध हो उस दृष्टि से और दूसरे, प्राचीन पद्धति से तैयार जन्म पत्रिका सामने आने पर इस नवीन पद्धति के ज्योतिषी को कोई असमजस की स्थिति का सामना न करना पडे इसलिए यहा होरादि षड्वर्ग कैसे तैयार किये जाते है, उस पर प्रकाश डाला गया है।

प्राचीन मतानुसार ग्रहों का बलाबल ज्ञात करने के लिए वर्ग (कुडली) साधन की आवश्यकता होती है। प्रत्येक राशि के अलग–अलग तरीके से भाग करके उसमे कोई ग्रह किस–किस भाग मे है यह इस वर्ग साधन द्वारा ज्ञात किया जा सकता है। ये वर्ग छः प्रकार के होने से उन्हे षड्वर्ग कहा जाता है। इनके नाम ये है (1) होरा (2) द्रेष्काण (3) सप्तमांश (4) नवमाश (5) द्वादशाश (6) त्रिशांश। लग्न कुडली या जन्मकुंडली को क्षेत्र कुडली भी कहा जाता है इस प्रकार ये सात वर्ग मिलकर सप्तवर्ग बनते है।

(i) होरा –

इसमें एक राशि के दो समान भाग किये जाते है। उसमें 1 से 15 अंश तक का प्रथम और 16 और 30 अश तक का द्वितीय भाग बनता है। इस प्रत्येक भाग को होरा कहा जाता है। होरा कुडली में सूर्य तथा चन्द्र की राशि– सिह और कर्क का लग्न आता है। उसी प्रकार ग्रह भी उन दो राशियों – सूर्य की सिंह राशि और चन्द्र की कर्क राशि– में ही आते है।

विषम राशि अर्थात् मेष, मिथुन, सिंह, तुला, धनु और कुभ के 15 अंश तक की प्रथम होरा, सूर्य की राशि और 16 से 30 अंश तक की द्वितीय होरा, चन्द्र की राशि होती है।

सम राशि अर्थात् वृषभ, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर और मीन राशि के 1 से 15 अंश तक की प्रथम होरा चन्द्र की राशि और 16 से 30 तक की द्वितीय होरा सूर्य की राशि होती है इस प्रकार ग्रह और लग्न जिस जिस राशि और अंश के हो उन्हें उक्त प्रकार से सिंह या कर्क राशि मे रखने चाहिये।

(i) द्रेष्काण –

प्रत्येक राशि के तीन समान भाग करके उस प्रत्येक भाग को द्रेष्काण कहा जाता है। प्रत्येक द्रेष्काण 10 अंश का होता है। 1 से 10 अंश तक का प्रथम, 11 से 20 अंश तक द्वितीय और 21 से 30 अंश तक का तृतीय द्रेष्काण होता है।

जो ग्रह जन्मकुडली मे जिस राशि का हो वह पहले द्रेष्काण अर्थात् 1 से 10 अंश तक हो तो द्रेष्काण कुंडली में उसी राशि में यदि दूसरे द्रेष्काण अर्थात् 11 से 20 अंश हो तो उसे राशि से गिनने पर पाचवीं राशि में और यदि तृतीय द्रेष्काण अर्थात् 21 से 30 अश तक हो तो उस राशि से गिनने पर नवमी राशि मे द्रेष्काण कुंडली में आयेगा।

इसी प्रकार द्रेष्काण कुडली मे जन्म लग्न के अशो से द्रेष्काण कुंडली का लग्न आयेगा।

(iii) सप्तमांश –

प्रत्येक राशि के सात समान भाग करने पर उस प्रत्येक भाग को सप्तमाश कहा जाता है। प्रत्येक भाग 4 अश, 17 कला, 8 वि., 34 28 प्रति विकला का होता है।

मेष, मिथुन, सिह, तुला, धनु एवं कुभ राशि के सात भाग उस राशि से प्रारम्भ कर सातवीं राशि पर पूर्ण होते है। जैसे मेष का प्रथम विभाग मेष से प्रारभ कर तुला पर मिथुन का धनु पर, सिह का कुभ पर, तुला का मेष पर, धनु का मिथुन पर और कुंभ का सिह पर पूर्ण होता है।

इसी प्रकार वृषभ, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर और मीन के सात भाग उस राशि से सातवीं राशि से प्रारम्भ होकर उसकी सातवीं राशि पर समाप्त होते है अर्थात् वृषभ का प्रथम विभाग वृश्चिक से, कर्क का मकर से, कन्या का मीन से वृश्चिक का वृषभ से, मकर का कर्क से और मीन का कन्या से प्रारम्भ होकर क्रमश वृषभ, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर तथा मीन पर समाप्त होता है।

उक्त राशियों मे जन्मकुंडली के लग्न की राशि के अश और जन्म के स्पष्ट ग्रहों की राशि के अंश सप्तमांश के जिस विभाग में समा जाते हो उस विभाग में जो राशि आती हो वही राशि सप्तमांश कुंडली के लग्न में आयेगी और तदनुसार ग्रह भी उस कुंडली में सबंधित राशियों मे आयेंगे।

(iv) नवमांश –

प्रत्येक राशि के नव समान भाग करने पर प्रत्येक भाग को नवमाश कहा जाता है। प्रत्येक भाग 3 अश 20 कला का होता है।

मेष सिंह एव धनु राशि के किये गये नव भाग क्रमश. मेष से प्रारम्भ होकर धनु पर समाप्त होते है। अत राशियों के नवमाश मेषादि कहे जाते है।

वृषभ, कन्या एव मकर राशि के नव भाग क्रमश· मकर से कन्या तक आने से मकरादि कहे जाते है।

मिथुन तुला एव कुभ राशि के नव भाग क्रमश. तुला से मिथुन तक आने से तुलादि कहे जाते है।

कर्क वृश्चिक एवं मीन राशि के नव भाग क्रमश कर्क से मीन तक आते है। अत उन्हे कर्कादि नवमाश कहा जाता है।

जन्म लग्न और स्पष्ट ग्रहो के राशि अशादि नवमाश के जिस भाग मे समा जाते हों उस भाग की राशि के अनुसार नवमाश कुंडली का लग्न और ग्रह रखे जाते है।

(v) द्वादशांश –

प्रत्येक राशि के बारह समान भाग करने पर उस प्रत्येक भाग को द्वादशाश कहा जाता है। द्वादशांश का प्रत्येक भाग 2 अश 30 कला का होता है। प्रत्येक द्वादशाश का प्रारम्भ अपनी राशि से होकर 12वीं राशि पर समाप्त होता है। मेष का प्रारभ मेष से मीन तक, वृषभ का प्रारम्भ वृषभ से मेष तक होता है इसी प्रकार अन्य राशियों का भी समझना चाहिये।

जन्म लग्न और स्पष्ट ग्रहों की राशि के अंशादि द्वादशांश के जिस विभाग मे समाते हो उस भाग की राशि के अनुसार द्वादशाश कुडली का लग्न और ग्रह रखे जाते है।

vi) त्रिशांश –

त्रिशाश मे प्रत्येक राशि के पांच भाग करने में आते है। मेष, मिथुन, सिंह, तुला, धनु कुभ के पहले पांच अंशो में मेष राशि, 6 से 10 अश तक में कुंभ राशि, 11 से 18 अंश तक धनु राशि, 19 से 25 तक मिथुन राशि और 26 से 30 अंश तक तुला राशि आती है। वृषभ, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर और मीन के पहले 5 अंश

तक मे वृषभ, 6 से 12 तक मे कन्या, 13 से 20 अश में मीन, 21 से 25 अंश मे मकर और 26 से 30 अंश तक में वृश्चिक राशि आती है

जन्म लग्न और ग्रह राशि के अशो के अनुसार उपर्युक्त प्रकार से जो राशि प्राप्त हो, त्रिशांश कुंडली में उस राशि का लग्न और ग्रह आते है।

षड् वर्ग साधन की सुविधा के लिए आगे षडवर्ग–सारिणी दी जा रही है।

अध्याय 15

(प्रचीन मतानुसार) – ग्रहों की महादशायें –

प्रचलित विशोत्तरी, अष्टोत्तरी या योगिनी जैसी दशाओ का कोई वैज्ञानिक आधार नही है, पर फिर भी ये प्रचलन में है। इसलिए उनका ज्ञान होना आवश्यक है। अत- इनके विषय में प्रकाश डाला जा रहा है।

यहीं हम केवल दो महादशाओं – विंशोत्तरी एव अष्टोत्तरी के सम्बन्ध मे ही चर्चा करेगे।

(i) विंशोत्तरी महादशा साधन –

जातक के जन्म समय पर चन्द्र जिस नक्षत्र मे होता है उस नक्षत्र पर से ग्रह की महादशा का निम्न प्रकार से निर्धारण होता है –

	जन्म नक्षत्र हो		दशा वर्ष	दशा स्वामी
1	कृतिका, उत्तर फाल्गुनी या उत्तराषाढा		6	सूर्य
2	रोहिणी, हस्त या श्रवण		10	चन्द्र
3.	मृगशीर्ष चित्रा या धनिष्ठा		7	मंगल
4	आर्द्रा, स्वाति या शतभिषा		18	राहु
5	पुनर्वसु, विशाखा या पूर्वा भाद्रपदा		16	गुरु
6	पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपदा		19	शनि
7.	आश्लेषा, ज्येष्ठा या रेवती		17	बुध
8	मघा, मूल या अश्विनी		7	केतु
9.	पूर्वा फाल्गुनी, पूर्वाषाढा, या भरणी		20	शुक्र
	(1 से 9 तक)	कुल	120 वर्ष	

जन्म के स्पष्ट चन्द्र पर से विंशोचरी महादशा एवं उसका भुक्त–भोग्य दशाकला निकालने के लिए आगे 'अवकहडा सारिणी' के साथ उसकी विधि बताई गई है।

(ii) अष्टोत्तरी महादशा साधन –

यह महादशा कुल 108 वर्ष की है। इसका निर्धारण भी जन्म नक्षत्र पर से होता है जो निम्न प्रकार है –

जन्म नक्षत्र	प्रत्येक नक्षत्र के वर्ष	मास	दशा स्वामी	कुल वर्ष
1 आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा	1	6	सूर्य	6
2. मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी	5	0	चन्द्र	15
3. हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा	2	0	मगल	8
4. अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल	5	8	बुध	17
5 पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढा, श्रवण अभिजित	2	6	शनि	10
6 धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वा भाद्रपदा	6	4	गुरु	19
7 उत्तराभाद्रपदा, रेवती, अश्विनी, भरणी	3	0	राहु	12
8 कृतिका, रोहिणी, मृगशीर्ष	7	0	शुक्र	21
				108

जन्म के चन्द्र पर से अष्टोत्तरी एवं उसका भुक्त भोग्य दशाकाल निकालने के लिए आगे 'अवकहडा सारिणी' के साथ उसकी विधि बतायी गई है।

अध्याय 16

प्रत्यक्ष ग्रह दशा —

गुजरात के प्रसिद्ध ज्योतिष–शास्त्री एवं आधुनिक युग के पराशर श्री मनुभाई एस. शाह ने इस दशा पद्धति को वैज्ञानिक आधार प्रदान करते हुए विकसित किया है जिसका मैं पिछले 30 वर्ष से अधिक समय से अपने फल कथन मे प्रयोग करता रहा हूँ और मैंने इसे हर समय सही और सचोट पाया है। इसलिये उसे मै यहॅा दे रहा हूँ।

गोचर के ग्रह जब जन्म के ग्रहो को देखते है या युति में आते है या जब जन्म के ग्रह के साथ क्राति और शर के साथ सबधित होते है तब अपनी स्थिति के अनुसार जातक को शुभ या अशुभ फल देते है।

तदनुसार सूर्य 18 वर्ष मे, चन्द्र 16 वर्ष मे, मगल 28 वर्ष में, बुध 10 वर्ष, गुरू 12 वर्ष मे, शुक्र 8 वर्ष में और शनि 30 वर्ष मे जन्म के ग्रहों के साथ क्रान्ति और शर सहित संबध स्थापित करते हैं। इसी आधार पर यह दशा पद्धति विकसित की गई है।

सूर्य, चन्द्र, बुध एव शुक्र जब जन्म कालीन राशि मे 7वीं राशि के होते है अर्थात् 9 वे वर्ष सूर्य, 8वे वर्ष चन्द्र, 5 वे वर्ष बुध तथ 4 थे वर्ष शुक्र अपना–अपना शुभाशुभ फल देते है।

मंगल गुरू एवं शनि क्रमश· 28 वर्ष 12 वर्ष एव 30 वर्ष मे तथा निम्नांकित वर्षों में भी अपनी विशेष दृष्टि के फलस्वरूप फल देते है

(i) मंगल 10 वर्ष 6 मास से 12 वर्ष 10 मास
14वे वर्ष, 19 वर्ष 10 मास से 22 वर्ष 2 मास तथा
28वे वर्ष फल देता है।

(ii) गुरु छठे वर्ष, 3 वर्ष 6 मास से 4 वर्ष 6 मास
7 वर्ष, 6 मास से 8 वर्ष 6 मास और 12वे वर्ष

(iii) शनि 15वे वर्ष, 6 वर्ष 3 मास से 8 वर्ष 9 मास
23 वर्ष 9 मास से 26 वर्ष 3 मास एवं 30वे वर्ष फल देता है।

इस प्रकार गोचर में जब कोई ग्रह जन्म कालीन ग्रह के राशि अंश से 15 अंश आगे पीछे होता है तब वह फल देने लगता है।

गुरु और शनि की दशाओ का निर्धारण उसी प्रकार करना पड़ता है।

प्रत्यक्ष ग्रह–दशा सारिणी मे दिय गया गुरु, शनि का दशाकाल स्थूल माना जाना चाहिये। चूकि इसमें दिया गया दशाकाल और अंशात्मक युति प्रतियुति द्वारा निर्धारित दशा मे अन्तर आता है।

प्रत्यक्ष ग्रह दशा सारिणी आगे दी जा रही है जिसमें आयु के 75 वर्ष के 12 महीनों की दशा दी गई है।

ग्रहो के फल देने का मध्यम दशाकाल

1 सूर्य हर 9वें व 18वे वर्ष

2 चन्द्र हर 8वें व 16वें वर्ष

3 बुध हर 5वे व 10वें वर्ष

4 शुक्र हर 4थे व 8वें वर्ष

5 मंगल प्रत्येक 11 वर्ष 8 माह 14वें वर्ष 21 वें वर्ष और 28वें वर्ष और 34वे वर्ष

6. गुरू प्रत्येक 4थे, 6ठे, 8वें व 12वें वर्ष

7. शनि प्रत्येक 7 वर्ष 6 महीनें, 15 वें वर्ष 25 मे वर्ष तथा 30वें वर्ष

उक्त वर्षों मे ग्रहो के फल देने के समय का प्रारम्भ व अन्त का निर्धारण निम्नानुसार होता है–

1 सूर्य की दशा उक्त वर्ष से 9 महीने पीछे और 9 महीने आगे

2 चन्द्र की दशा उक्त वर्ष से 8 महीने पीछे और 8 महीने आगे

3. मगल की दशा उक्त वर्ष से 14 महीने पीछे और 14 महीने आगे

4 बुध की दशा उक्त वर्ष से 5 महीने पीछे और 5 महीने आगे

5. गुरू की दशा उक्त वर्ष से 6 महीने पीछे और 6 महीने आगे

6. शुक्र की दशा उक्त वर्ष से 4 महीने पीछे और 4 महीने आगे

7 शनि की दशा उक्त वर्ष से 15 महीने पीछे और 15 महीने आगे होने पर ही ग्रहो की दशाओं का प्रारम्भ और अन्त होता है।

विशेष – गुरु शनि जब गोचर में आते है तब जम्मकालीन गुरु शनि से निम्न प्रकार से युति प्रतियुति करते है।

गुरु –

1. जन्म का गुरू जिस राशि अश का हो उसमे से 15 अंश घटाइये प्राप्त राशि अश के अनुसार गोचर मे जब गुरु होगा तब से जंन्म के गुरू के राशि अंक मे 15 अंश जोडने पर जो राशि अंक प्राप्त होते है वहां तक उसका दशा काल रहेगा।

2 उक्त प्रकार से 15 अश घटाने और जोडने पर जो राशि अंश प्राप्त होते है उसमे 4 राशि जोडने पर गुरू का दूसरा दशाकाल, 6 राशि जोडने पर तीसरा दशाकाल और 8 राशि जोडने पर चौथा दशाकाल प्राप्त होता है।

शनि –

जन्म का शनि जिस राशि अश का हो उसमे से 15 अश घटाने से प्राप्त राशि अश का (गोचर मे) होने पर उसकी दशा का प्रारम्भ होता है और उक्त राशि अश मे 15 अश जाडन पर प्राप्त राशि अश तक उसका चलता है।

उक्त प्रकार से दशा प्रारम्भ एव दशा के अन्त के जो राशि अश प्राप्त होते है उनमें 3 राशि जोडने पर दूसरी दशा, 6 राशि जोड़ने पर तीसरी दशा और 10 राशि जोडने पर चौथी दशा का प्रारम्भ और अन्त होता है।

इसी क्रम मे बारी–बारी से प्रत्येक ग्रह की दशाए चलती रहती है। ये सभी दशाएं स्थायी है जो सभी के जीवन मे आती है लेकिन जन्म कालीन ग्रह स्थिति के अनुसार प्रत्येक को अलग–अलग शुभाशुभ फल इन दशाओं में प्राप्त होता है।

प्रत्यक्ष ग्रह दशा ज्ञान सम्बन्धी सूचना

1 यहां दी जा रही शुभाशुभ ग्रहो की दशाऐ आयु के पूरे व़र्ष में है।

2 एक ही समय मे शुभ और अशुभ ग्रह की दशा चलने पर उस काल में मिश्रित फल प्राप्त होगा। जब किसी ग्रह की दशा नही होगी उस काल मे "सम" स्थिति का अर्थात् यथावत शुभ व अशुभ फल प्राप्त होगा।

3 दशा कोष्ठक मे दी गई सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध व शुक्र की दशाये कोष्ठक के अनुसार चलेगी लेकिन गुरू शनि की दशाएँ कोष्ठक मे दी गई दशाओ के अनुसार नहीं चलकर उनमें तीन–चार माह आगे पीछे गोचर मे के गुरू, शनि की अशात्मक युति, प्रतियुति या दृष्टि होने पर चलेगी। अत: जब से गोचर में निम्न राशि अश के होगे तब से उनकी दशाऐ चलेगी।

	गुरु दशा		शनि दशा
	रा. अ. से रा अ		रा अ. से रा. अ
(1)		(1)	
(2)		(2)	
(3)		(3)	
(4)		(4)	

सू = सूर्य,
चं. = चन्द्र,
मं = मंगल,
गु = गुरु,
शु = शुक्र
श = शनि

प्रत्यक्ष ग्रह दशा तैयार करने सम्बन्धी सूचना

1 प्रत्यक्ष ग्रह दशा का पहला कॉलम 'सन्' का है उसमे जन्म का 'सन्' लिखा जाता है। दूसरा कॉलम 'गत आयु वर्ष' का है उसके आगे 0 से 11 अंक के कॉलम पूरे महीनों के हैं। उन महीनों के ऊपर खाली कॉलम है जिनमें जन्म की तारीख और महीना ' 0' के ऊपर के कॉलम में लिखकर क्रमश: आगे के महीने लिखे

जाते है। प्रत्येक महीने की तारीख जन्म महीने की जो तारीख होगी वही रहेगी। इस प्रकार यह प्रत्यख ग्रह दशा तैयार होती है। ग्रहों का फल जन्म कुंडली मे उनकी शुभाशुभ स्थिति के अनुसार प्राप्त होता है। 1 जनवरी को सन् बदलता है। यदि किसी का जन्म 18 अगस्त 1997 का है तो उसकी प्रत्यक्ष दशा के कॉलम निम्न प्रकार से भरे जाते है।

सन्	गत आयु वर्ष	18 अग.	18 सित	18 अक्टू.	18 नव.	18 दिस	18 जन	18 फर	18 मार्च	18 अप्रैल	18 मई	18 जून	18 जुलाई
		0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1997–98	0												
98–99	1												
99–2000	2												

गत आयु वर्ष 0.1 2 के नीचे के कॉलम में प्रत्यक्ष ग्रह दशा मे दिये गये ग्रहों को लिखा जाता है।

(द्वितीय भाग)
जन्म कुण्डली निर्माण समबन्धी आवश्यक उपकरणों की सारिणियाँ

सारिणियाँ

भारत मे उत्पन्न बालक के जन्म स्थलके अक्षाश रेखाश और रेखान्तर ज्ञात करना –

सबसे पहले बालक का जन्म जिस प्रान्त मे हुआ हो उस प्रान्त के शहर कस्बे एवं गाव के नामो मे यदि जन्म स्थल का नाम हुआ हो तो उसके सामने दिये हुए अक्षाश रेखाश को नोट करिये। रेखान्तर को + या - मे जैसा भी दिया हो उसे नोट करिये। यदि उक्त प्रात के शहर , कस्बे और गाव मे जन्म स्थल का नाम नहीं हो तो उसके आसपास के स्थल के अक्षाश रेखाश और रेखान्तर उपर्युक्त प्रकेर से नोट करिये। यदि आसपास के स्थल के नाम का उल्लेख भी न हो तो उस प्रात का वह जिला मुख्यालय ढूढिये जिसके अन्तर्गत जन्म स्थल आता है। इस प्रकार वह जिला मुख्यालय के शहर के अक्षाश रेखाश और रेखान्तर का उपयोग करके भी लग्न साधन, स्थानीय समय इ. सा का आदि प्राप्त किये जा सकते है। इसमे खास अन्तर नही पडता है।

विदेश के जन्म स्थल के अक्षांश रेखांश और रेखान्तर –

अधिकांश भारतीय विदेश के शहरो मे या नगरों मे बसे हुये है और उन सभी नगरो का समावेश इस पुस्तिका में किया गया है। अतः उनके अक्षांश, रेखांश या रेखान्तर खोजने में कठिनाई नहीं होगी।

विशेष–

भारत एवं विदेश के स्टे. टा के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी अत मे दी गई है।

1. (अ) भारतीय प्रांत के अक्षांश रेखांश और रेखान्तर–

नगर / कस्बा का नाम	अक्षाश उत्तर अ. क.	रेखाश पूर्व अ. क.	भा स्टे. टा. से. अन्तर मि से.
1. अरुणाचल			
इटानगर	27 08	93 40	+44 40
पासीधाट	28 05	95 20	+51 20
सदिया	27 48	94 38	+48 32

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम	अक्षांश उत्तर अ क.	रेखाश पूर्व अ. क.	भा स्टे टा.से अन्तर मि.से.
2. आंध्रप्रदेश			
अड्डानकी	15 49	80 01	—09 56
अदोनी	15 34	77 18	—20 48
अनतपुर	14 41	77 39	—19 24
अनका पल्ले	17 41	83 03	+02 12
अमरावती	16 50	80 15	—09 00
अल्लूर	14 41	80 05	—09 40
आडोर	15 38	77 19	—20 44
आत्याकुर	14 37	79 40	—11 20
आदिलाबाद	19 37	78 30	—16 00
(आदि—राय पट्टिनम)	19 37	78 30	—16 00
आरमूर	18 48	78 16	—16 56
आलमपुर	15 54	78 11	—17 16
आलूर	15 24	77 16	—20 56
इच्छापुरम्	19 07	84 44	+08 56
उदयगिरि	14 52	79 19	—12 44
एलूरु	16 43	81 09	—05 24
ओंगोले	15 30	80 06	—09 36
कुंडुकुर	15 12	79 57	—10 12
करीमनगर	18 28	79 06	—13 36
कलिंगपट्टनम्	18 20	84 10	+06 40
कबली	14 55	80 03	—09 48
काकीनाडा	16 57	82 15	—01 00
काडी	17 36	78 05	—17 40
कादिरी	14 07	78 14	—17 04
कानीगिरि	15 23	79 32	—11 52
काम्पली	15 25	76 39	—23 24
कामरेड्डी	18 18	78 22	—16 32
कालाहस्ती	13 45	79 44	—11 04

भारताय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम	अक्षाश उत्तर अं क	रेखाश पूर्व अ. क.	भा. स्टे. टा से अन्तर मि से.
आंध्रप्रदेश			
कुड्डपाह	14 28	78 52	−14 32
कुम्बम	15 34	79 09	−13 24
कुर्नूल	15 50	78 05	−17 40
कोइल कुंटला	15 27	78 18	−16 48
कोइल कुंडा	16 45	77 50	−18 40
कोडांगल	17 08	77 36	−19 36
कोट्टागुडेम	17 30	80 40	−07 20
कोडापल्ली	16 38	80 36	−07 36
कोराटला	18 43	78 41	−14 36
कोरिंगा	16 48	82 16	−00 56
कोसगी	17 00	77 43	−19 08
कोहिर	17 35	77 40	−19 20
खम्माम	17 15	80 11	−09 16
गडवाल	16 13	77 48	−18 48
गुडीवाडा	16 25	81 00	−06 00
गुडुर	14 09	79 54	−10 24
गुटकल	15 11	77 25	−20 20
गुंटुर	16 18	80 29	−08 04
गुटी	15 07	77 41	−19 16
गुर्जाला	16 30	78 56	−14 16
गुर्रम कोंडा	13 47	78 38	−15 28
गोलकुंडा	17 23	78 27	−16 12
चित्तूर	13 13	79 08	−13 28
चिन्नुर	19 07	79 43	−11 08
चिरुपिल्ले	17 30	83 12	+02 48
चिराला	15 50	80 22	−08 32
जगमैया पेट	16 52	80 09	−09 24
जगतियाल	18 48	79 09	−13 24
जम्मालमडुगु	14 51	78 25	−16 20
तंदुर	17 17	77 30	−20 00

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम आंध्रप्रदेश	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखाश पूर्व अं क	भा. स्टे. टा से अन्तर मि.से.
ताडपत्री	14 56	78 02	-17 52
तानुकू	16 45	81 44	-03 04
तिरुपति	13 40	79 20	-12 40
तुनी	17 21	82 35	+00 20
तेनाली	16 15	80 35	-07 40
दरसी	15 46	79 44	-11 04
देवरकोंडा	16 42	78 58	-14 08
धर्मावरम्	14 24	77 00	-22 00
नन्दयाल	15 29	78 32	-15 52
नदीकोटकुर	15 52	78 18	-16 48
नदीग्राम	16 46	80 20	-08 40
नरसापुर	16 26	81 45	-03 00
नरसाराव पेट	16 14	80 06	-09 36
नरसापटनम्	17 40	82 39	+00 36
नल्लामलाई	15 00	78 38	-15 28
नलगोंडा	17 03	79 02	-13 52
नागर कर्नूल	16 30	78 19	-16 44
नागार्जुन सागर बाध	16 50	79 20	-12 40
नारायण पेट	16 46	77 07	-21 32
निजामपटनम्	15 54	80 43	-07 08
निजामावाद	18 40	78 10	-17 20
निरनल	19 06	78 25	-20 20
नेल्लोर	14 27	80 02	-09 52
पकाला	13 30	79 00	-14 00
पट्टीकोंडा	15 24	77 04	-21 44
प्यापल्ली	15 14	77 47	-18 52
पाटनचेरु	17 36	78 20	-16 40
	16 31	81 46	-02 56
पालकोंडा	18 36	83 48	+05 12
पालकोंडा रेंज	13 50	79 20	-12 40

भारतीय प्रान्त

नगर / कस्बा का नाम	अक्षांश उत्तर अ. क	रेखांश पूर्व अं. क.	भा. स्टे. टा.से अन्तर मि.से.
आंध्रप्रदेश			
पार्वतीपुरम्	18 47	83 28	+03 52
पीठापुरम्	17 04	82 12	—01 12
पुंगानूरु	13 25	78 37	—15 32
	14 26	78 16	—16 56
पेड्डापुरम्	17 05	82 11	—01 16
पेनु कोंडा	14 05	77 38	—19 28
प्रोद्दातुर	14 45	78 35	—15 40
बापातिया	15 54	80 30	—08 00
बालकोंडा	19 05	78 20	—16 40
बिमलीपटम्	17 53	83 30	+04 00
बेंगनपाले	15 19	78 17	—16 52
बोधन	18 39	77 50	—18 40
बोब्बिली	18 34	83 25	+03 40
भद्राचलम्	17 40	80 56	—06 16
भैनसा	19 10	77 58	—18 08
भोगीर	17 33	78 55	—14 20
मछलीपटनम्	16 09	81 12	—05 12
मंगलागिरि	16 26	80 36	—07 36
मडा का सीरा	13 57	77 19	—20 44
मरकापुर	15 44	79 19	—12 44
महबूबनगर	16 42	77 58	—18 08
मुधोल	19 00	77 52	—18 32
मेडक	18 03	78.18	—16.48
येम्मीगंनूर	15 46	77 31	—19 56
येरा नागुडेम	16·59	81 33	—03 48
येल्लान्दु	17 37	80 23	—08 28
राजम	18 29	83 48	+05 12
राजहमुद्री	17 00	81 48	—02 48
रापुर	14 12	79 36	—11 36
रामल्लाकोटा	15 35	78 02	—13 52

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम	अक्षाश उत्तर अं. क	रेखाश पूर्व अं. क.	भा. स्टे. टा.से अन्तर मि से
आध्रप्रदेश			
रायाड्रुग	14 42	76 53	—22 28
रायाचोटी	14 04	78 50	—14 40
रेका पल्ले	17 34	81 20	—04 40
रे पल्ले	16 02	80 53	—06 28
वायलपाड	13 38	78 40	—15 20
वारंगल	17 58	79 40	—11 20
वाल्तेयर	17 44	83 23	+03 32
विकारावाद	17 20	77 55	—18 20
विजयवाड़ा	16 31	80 39	—07 24
विजियानगरम्	18 07	83 27	+03 48
विनुकोंडा	16 04	79 47	—10 52
विशाखापटनम्	17 42	83 20	+03 20
वेंकटगिरि	13 57	79 37	—11 32
वेकटपुरम्	18 17	80 36	—07 36
वेमपल्ले	14 22	78 30	—16 00
वेमलवाड़ा	18 30	78 56	—14 16
शंकर पल्ली	17 28	78 08	—17 28
श्रीकाकूलम	18 17	83 57	+05 48
श्रीहरिकोटा	13 45	80 20	—08 40
श्रृंगवेर पुकोटा	18 06	83 11	+02 44
सतनापल्ले	16 24	80 11	—09 16
सदाशिवपेट	17 40	77 58	—18 08
संगरेड्डीपेट	17 35	78 02	—17 52
सामलकोट	17 03	82 13	—01 08
सालूर	18 31	83 15	+03 00
सिकंदराबाद	17 27	78 33	—15 48
सिदाउट	14 28	79 01	—13 56
सिदीपेट	18 07	78 50	—14 40
सिरपुर	19 32	79 45	—11 00
सुरियापेट	17 10	79 19	—12 44

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम	अक्षांश उत्तर अ क.	रेखांश पूर्व अ क	भा स्टे. टा से अन्तर मि से
आंध्रप्रदेश			
हनामकोंडा	18 03	79 32	11 12
हसनपरती	18 10	79 46	10 56
हिन्दूपुर	13 49	77 32	.19 52
हैदराबाद	17 20	78 30	.16 00
3. आसाम			
आमीनगाव	26 12	91 42	+36 48
कचार (सिलचर)	24 50	92 51	+41 24
करीमगंज	24 40	92 30	+40 00
गुवाहाटी	26 11	91 47	+37 08
गोलपाडा	26 11	90 41	+32 44
गोलाघाट	26 30	94 00	+46 00
जैपुर	27 15	95 26	+49 44
जोरहट	26 46	94 16	+47 04
डिगबोई	27 33	95 40	+52 40
डिब्रूगढ	27 29	94 58	+49 52
तंगला	26 40	91 54	+37 36
तिनसुकिया	27 28	95 20	+51 20
तेजपुर	26 37	92 50	+41 20
दाराग	26 45	92 40	+40 40
दिसपुर	26 09	91 50	+37 20
धुवरी	26 02	90 02	+30 08
नॉर्थ लखिमपुर	27 14	94 07	+46 28
नोवगोंग	26 21	92 45	+41 00
पाडु	26 10	91 42	+36 48
बारपेटा	26 20	91 02	+34 08
बिलासपाडा	26 13	90 13	+30 52
बिशनाथ	26 37	93 10	+42 40
मगलदई	26 27	92 05	+38 20
रंगिया	26 30	91 35	+36 20

भारताय प्रान्त

नगर/कस्बा उत्तर का नाम	अक्षांश पूर्व अ क	रेखांश टा से अ क	भा स्टे अन्तर मि से
आसाम			
शिवसागर	26 59	94 41	+48 44
सदिया	27 50	95 42	+52 48
सिलचर	24 50	92 51	+41 24
4 उडिसा			
अठगढ	20 32	81 41	– 03 16
अठमल्लिक	20 55	84 30	+ 08 00
अम्पानी	19 34	82 40	+ 00 40
आंगुल	20 48	85 01	+ 10 04
कटक	20 28	85 54	+ 13 36
कारजिया	21 43	87 07	+ 18 28
कालाहांडी	19 40	83 00	+ 02 00
केन्द्रपाडा	20 30	86 28	+ 15 52
केन्तीरा	20 45	84 37	+ 08 28
केवनझर	21 30	85 30	+ 12 00
कोणार्क	19 53	86 08	+ 14 32
कोटपाड	19 04	82 24	– 00 24
कोरापुट	18 50	82 40	+ 00 40
कोलाबीरा	21 49	84 15	+ 07 00
खरियार रोड	20 54	82 30	+ 00 00
खाडपाडा	20 16	85 13	+ 10 52
खुर्दा	20 11	85 40	+ 12 40
खोंडमाल्स	20 24	84 20	+ 07 20
गजम्	19 22	85 06	+ 06 24
गोपालपुर	19 16	84 57	+ 09 48
छत्रपुर	19 21	85 03	+ 10 12
जुनागढ	19 52	82 59	+ 01 56
जैपुर	18 52	82 38	+ 00 32
तलचर	20 57	85 16	+ 11 04
तिगिरिया	20 28	84 34	+ 08 16

भारताय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम उडीसा	अक्षांश उत्तर अं क.	रेखाश पूर्व अं. क.	भा. स्टे टा से अन्तर मि से
दास पल्ला	20 19	84 56	+09 44
दासपुर	21 58	86 07	+14 28
देवगढ	21 32	84 46	+09 04
धामडा	20 48	86 56	+17 44
धेनकानल	20 40	85 38	+12 32
नयागढ	20 08	85 08	+10 32
नरसिहपुर	20 28	85 07	+10 28
निजगढ	21 30	85 30	+12 00
नीलगिरी	21 27	86 49	+17 16
पटना	20 43	83 12	+02 48
पारलाकी भीडी	18 47	84 08	+06 32
पारादीप	20 30	86 55	+17 40
पालमीरस पॉइट	20 45	87 02	+18 08
पुरी	19 48	85 52	+13 28
बांकी	20 21	85 33	+12 12
बारवा	20 25	85 23	+11 32
बारीपाडा	21 56	86 46	+17 04
बालासोर	21 30	86 56	+17 44
वालेश्वर	21 30	86 54	+17 36
बेहरामपुर	19 18	84 51	+09 24
बोनाईगढ	21 49	85 00	+10 00
वोर सम्बार	20 58	83 00	+02 00
बोलनगिर	20 40	83 30	+04 00
बौध	20 50	84 52	+09 28
भद्रख	21 03	86 33	+16 12
भवानीपटना	19 58	83 12	+02 48
भुवन	21 05	85 52	+13 28
भुवनेश्वर	20 15	85 52	+13 28
मालकन गिरि	18 22	81 56	−02 16
राऊर केला	22 25	85 00	+10 00

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम उडीसा	अक्षाश उत्तर अ. क.	रेखाश पूर्व अं. क.	भा स्टे टा.से अन्तर मि.से
रानपुर	20 04	85 23	+11 32
रामगिरि—उदयगिरि	19 04	83 55	+05 40
रामपुर	21 05	84 22	+07 28
रायगडा	19 09	83 27	+03 48
लहारा	21 26	85 14	+10 56
सम्बलपुर	21 28	84 01	+06 04
सुन्दरगढ	22 06	84 00	+06 00
सुरादा	19 45	84 29	+07 56
सोनपुर	20 51	83 59	+05 56
सोहेला	21 18	83 26	+03 44
हीराकुड	21 30	84 00	+06 00
हिन्दौल	20 36	85 14	+10 56
5 उत्तरप्रदेश			
अकबरपुर	26 26	82 33	+00 12
अमरोहा	28 54	78 31	—15 56
अमेठी	26 08	81 50	—02 40
अयोध्या	26 48	82 14	—01 04
अल्मोडा	29 37	79 40	—11 20
अलीगढ़	27 30	79 40	—11 20
अहरोरा	24 59	83 02	+02 08
आगरा	27 10	78 05	—21 40
आजमगढ	26 03	83 13	+02 52
इटावा	26 47	79 02	—13 52
इलाहाबाद	25 28	81 54	—02 24
उतरौला	27 19	82 28	—00 08
उन्नाव	26 48	80 43	—07 08
उसका	27 14	83 12	+02 48
ऐटा	27 35	78 40	—15 20
ओराई	25 59	79 30	—12 00

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम उत्तरप्रदेश	अक्षांश उत्तर अ क	रेखाश पूर्व अ क.	भा. स्टे टा से अन्तर मि से
कटक	20 28	85 54	+13 36
कडौरा	25 59	79 52	—10 32
कन्नौज	27 03	79 58	—10 08
कानपुर	26 28	80 24	—08 24
कामसिन	25 31	80 56	—06 16
कालपी	26 08	79 45	—11 00
कासगंज	27 48	78 39	—15 24
कोइस (अलीगढ)	27 54	78 06	—17 36
खुर्जा	28 15	77 50	—18 40
खडी	27 54	80 48	—06 48
गढवाल	30 15	79 30	—12 00
गाजीपुर	25 34	83 35	+04 20
गाजियाबाद	28 40	77 28	—20 08
गुरुसायगंज	27 08	79 44	—11 04
गोडा	27 28	82 01	—01 56
गोरखपुर	26 45	83 24	+03 36
घाटमपुर	26 08	80 30	—08 00
चन्दौसी	28 27	78 49	—11 44
चरखरी	25 26	79 45	— 11 00
चुनार	25 08	82 56	+01 44
छिब्रामऊ	27 10	79 29	—12 04
जलालपुर	26 18	82 44	+00 56
जसवंतपुर	26 51	78 55	—14 20
जालौन	26 08	79 23	—12 28
जिगनी	25 44	79 25	—12 20
जौनपुर	25 46	82 44	+00 56
झांसी	25 27	78 37	—15 32
टांडा	26 33	82 42	+00 48
टहरी	30 20	78 53	—14 28
डीवाई	28 12	78 15	—17 00

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम उत्तरप्रदेश	अक्षाश उत्तर अ. क.	रेखाश पूर्व अं. क.	भा. स्टे टा.से अन्तर मि.से
तनकपुर	29 10	80 18	—08 48
दालमऊ	26 07	81 05	—05 40
देवबंद	29 42	77 43	—19 08
देवरिया	26 23	83 42	+04 48
देरादुन	30 19	78 04	—17 44
नगीना	29 27	78 29	—16 04
नवाबगंज	26 56	82 12	—01 12
नानापापा	27 52	81 33	—03 48
निघासन	28 14	80 55	—06 20
नैनीताल	29 23	79 30	—12 00
पदरौना	26 54	84 01	+06 04
प्रतापगढ़	25 34	81 59	—02 04
प्रयाग	25 25	81 53	—02 28
पीलीभीत	28 38	79 51	—10 36
फतहगढ	27 23	79 40	—11 20
फतेहपुर	25 55	80 52	—06 32
फरुखाबाद	27 24	79 37	—11 32
फिरोजाबाद	27 09	78 24	—16 24
फुलपुर	25 32	82 07	—01 32
फेजाबाद	26 47	82 12	—01 12
बद्रीनाथ	30 44	79 32	—11 52
बनारस(वाराणसी)	25 20	83 00	+02 00
बरहज	26 16	83 46	+05 04
वृदावन	27 33	77 44	—19 04
बलरामपुर	27 25	82 15	—01 00
बलिया	25 44	84 11	+06 44
बरेली	28 22	79 27	—12 12
बस्ती	26 48	82 46	+01 04
बहराइच	27 34	81 38	—03 28
बाराबंकी	26 56	81 13	—05 08

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम उत्तरप्रदेश	अक्षाश उत्तर अ क.	अ क.	भा टा से अन्तर मि से
बांदा	25 20	80 22	—08 32
बांसी	27 10	82 56	+01 44
बिजनौर	29 23	78 11	—17 16
बिठुर	26 37	80 19	—08 44
बिदकी	26 02	80 33	—07 48
बदायु	28 02	79 10	—13 20
बुलद शहर	28 24	77 54	—18 24
बेलागज	25 56	82 02	—01 52
भदोही	25 24	82 38	+00 32
भिवानी	28 48	76 09	—25 24
मऊ	25 57	83 36	+04 24
मछलीशहर	25 41	82 27	—00 12
मथुरा	27 28	77 41	—19 16
मसूरी	30 27	78 06	—17 36
महोबा	25 18	79 55	—10 20
मिर्जापुर	25 10	82 37	+00 28
मिरत	29 01	77 42	—19 12
मुगलसराय	25 17	83 11	+02 44
मुजफ्फरनगर	29 28	77 44	—19 04
मुरादाबाद	28 51	78 49	—14 44
मेरठ	29 01	77 45	—19 00
मेहन्दावल	26 58	83 10	+02 40
मैनपुरी	27 14	79 03	—13 48
रानीखेत	29 40	79 33	—11 48
रामपुर	28 48	79 05	—13 40
रायपुर	28 47	79 02	—13 52
रायबरेली	26 14	81 16	—04 56
रुडकी	29 52	77 53	—18 28
रोहिलखड	28 30	79 00	—14 00
लखनऊ	26 55	80 59	—06 04

नगर/कस्बा उत्तर का नाम उत्तरप्रदेश	अक्षाश पूर्व अ क	रेखाश टा से अ क.	भा स्टे. अन्तर मि से
लखिमपुर	27 57	80 49	—06 44
ललितपुर	24 22	78 28	—16 08
वाराणसी	25 20	83 00	+02 00
शामली	29 27	77 19	—20 44
शाहजहांपुर	27 54	79 57	—10 12
शाहबाद	27 30	80 05	—09 40
शिकोहावाद	27 06	78 38	—15 28
सईदपुर	25 32	83 16	+03 04
संभल	28 35	78 37	—15 32
सहारनपुर	29 58	77 23	—20 28
सारीला	25 46	79 43	—11 08
सिकंदरा	27 13	77 58	—18 08
सिधौली	27 18	80 50	—06 40
सीतापुर	27 32	80 43	—07 08
सुलतानपुर	26 16	82 07	—01 32
सोरों	27 52	78 48	—14 48
हमीरपुर	25 58	80 12	—09 12
हरद्वार	29 58	78 13	—17 08
हरदोई	27 23	80 10	—09 20
हाजीपुर	25 41	84 14	+06 56
हाथरस	27 36	78 06	—17 36
हापुड	28 43	77 50	—18 40
6 . कनार्टक			
अठनी	16 44	75 06	—29 36
अना गुडी	15 21	76 33	—23 48
अल्लिखेर	18 10	77 13	—21 08
आलन्द	17 36	76 33	—23 40
उडिपी	13 20	74 45	—31 00
करकला	13 12	75 00	—30 00

नगर/कस्बा का नाम कर्नाटक	अक्षांश उत्तर अ. क	रेखांश पूर्व अं क.	भा. स्टेटा से अन्तर मि.से.
करवाड	14 48	74 11	—33 16
कल्याणी	17 53	76 59	—22 04
कल्लूर	16 12	77 08	—21 28
कादूर	13 33	76 03	—25 48
कृष्णराजा डेम	12 20	76 32	—23 52
कुमटा	14 26	74 27	—32 12
कुंदापुर	13 38	74 42	—31 12
कोट्टुरु	14 49	76 16	—24 56
कोपबल	15 20	76 13	—25 08
कोल्लूर	13 53	74 53	—30 28
कोल्लेगल	12 09	77 09	—21 24
कोलार	13 09	78 11	—17 16
खानापुर	15 42	74 35	—31 40
गंगावती	15 30	76 36	—23 36
गाडग	15 25	73 42	—35 12
गुलबर्गा	17 19	76 54	—22 24
गोकाक	16 11	74 52	—30 32
चन्नापटनम	12 38	77 13	—21 08
चामराजगनगर	11 56	77 00	—22 00
चिकनायकनहल्ली	13 25	76 40	—23 20
चिकमंगलूर	13 18	75 49	—26 44
चिकबालापुर	13 26	77 76	—18 56
चित्रदुर्ग	14 14	76 26	—24 16
जमखंडी	16 30	75 20	—28 40
टुमकुर	13 20	77 08	—21 28
डीडबल्लापुर	13 14	77 23	—20 28
डेंडाण	21 00	71 22	—44 32
तलगुप्पा	14 10	74 52	—30 32
तारीकेरे	13 42	75 51	—26 36
दावणगिरि	14 31	75 58	—26 08

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम कर्नाटक	अक्षांश उत्तर अं क	रेखाश पूर्व अं क	भा स्टे टा.से अन्तर मि.से
देवड्रग	16 25	77 00	—22 00
धारवाड	15 27	75 05	—29 40
नांगनगुड	12 07	76 44	—23 04
पुत्तुर	12 45	75 10	—29 20
बादामी	15 55	75 45	—27 00
बगलौर	12 58	77 38	—19 28
बागलकोट	16 12	75 45	—27 00
बाघेवडी	16 33	76 05	—25 40
बाटकल	12 53	75 05	—29 40
बिदर	17 57	77 39	—19 44
बीजापुर	16 50	75 47	—26 52
बेलगाम	15 52	74 34	—31 44
बेल्लरी	15 09	76 55	—22 20
भद्रावती	13 52	75 40	—27 20
भल्की	18 04	77 10	—21 20
मगलोर	12 52	74 53	—30 28
मरकारा	12 26	75 47	—26 52
मानवट	19 18	76 30	—24 00
मानवीय	15 57	76 58	—22 08
मुद्दे विहल	16 20	76 10	—25 20
मुधोल	16 20	75 20	—28 40
मूलवागल	13 11	78 14	—16 04
मैसूर	12 18	76 42	—23 12
येलान्दुर	12 05	77 00	—22 00
रानीबेन्नूर	14 33	75 41	—27 16
रामदुर्ग	15 58	75 22	—28 32
रामनगरम(क्लॉगपेट)	12 54	77 12	—21 12
रायचूर	16 12	77 21	—20 36
रोबर्टसोनपेट	12 58	78 16	—16 56
लिगसगर	16 07	76 34	—23 44

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम कर्नाटक	अक्षांश उत्तर अ क	रेखांश पूर्व अं क	भा स्टे टा.से अन्तर मि.से
लोंडा	15 30	74 50	—30 40
वाडी	17 00	76 57	—22 12
वाणीविलाससागर	13 50	76 25	—24 20
शाहपुर	15 50	74 34	—31 44
शाहाबाद	17 10	78 11	—17 16
शिकारपुर	14 16	75 24	—28 24
शिमोगा	13 56	75 38	—27 28
शिवसमुद्रम्	12 16	77 13	—21 08
श्रीरंगपटनम्	12 26	76 43	—23 08
सन्दुर	15 02	76 36	—23 36
सागर	16 37	76 51	—22 36
सवानूर	14 58	75 19	—28 44
सिदगी	16 58	76 13	—25 08
सिदनूर	15 45	76 43	—23 08
सिरसी	14 36	74 54	—30 24
सिरा	13 45	76 57	—22 12
सुरापुर	16 31	76 48	—22 48
हम्पी	15 20	76 30	—24 00
हरण हल्ली	13 15	76 12	—25 12
हरपन हल्ली	14 47	75 58	—26 08
हरिहर	14 31	75 12	—26 32
हसन	13 01	76 10	—25 20
हिरियुर	13 57	76 40	—23 20
हुबली	15 20	75 12	—29 12
हुनसुर	12 48	76 19	—24 44
हेगल	14 46	75 12	—29 12
होनवर	14 17	74 29	—32 04
होन्नाली	14 15	75 41	—27 16
होमनाबाद	17 43	77 12	—21 12
होलनरसीपुर	12 47	76 17	—24 52

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम कर्नाटक	अक्षांश उत्तर अं क.	रेखाश पूर्व अ क	भा स्टे. टा से अन्तर मि से.
होसदुर्ग	13 48	76 20	—24 40
होसपेट	15 16	76 26	—24 16
7. केरल			
अंजेनगो	08 40	76 48	—22 48
अलबाई	10 07	76 24	—24 24
अलेप्पी	09 30	76 23	—24 28
एर्नाकुलम्	10 00	76 15	—25 00
कन्नानोर	11 52	75 25	—28 20
क्वीलोन	08 54	76 38	—23 28
कसरागौड	12 30	75 00	—30 00
कालीकट	11 15	75 49	—26 44
कोचीन	09 36	76 17	—24 52
चितुर	10 42	76 47	—22 52
त्रिचुर	10 30	76 15	—25 00
त्रिवेन्द्रम	08 29	76 59	—22 04
तेल्लीचेरी	11 45	75 32	—27 52
पालघाट	10 46	76 42	—23 12
पीरमडे	09 30	77 02	—21 52
बेथूर	11 10	75 50	—26 40
मट्टनचेरी	09 57	76 17	—24 52
माहे	11 42	75 34	—27 44
वैकम	09 45	76 27	—24 12
8. गुजरात			
अंकलेश्वर	21 38	73 03	—37 48
अमरेली	21 36	71 15	—45 00
अहमदाबाद	23 03	72 40	—39 20
आणंद	22 32	73 00	—38 00

भारताय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम	अक्षाश उत्तर अ क	रेखांश पूर्व अं क	भा स्टे टा.से अन्तर मि.से
गुजरात			
ईडर	23 50	73 02	—37 52
ऊंझा	23 47	72 24	—40 24
ऊदवाडा	20 29	72 53	—38 28
ऊमरगाम	20 12	72 44	—39 04
उमरेठ	22 42	73 08	—37 28
ओलपाड	21 20	72 45	—39 00
कटोसण	23 28	72 14	—41 04
कडी	23 18	72 23	—40 28
कपडवंज	23 02	73 05	—37 40
करमसद	22 34	72 54	—38 24
कलोल,	23 15	72 33	—39 48
काड़ला	23 00	70 10	—49 20
खंभात	22 19	72 38	—39 28
खाराघोडा	23 12	72 15	—41 00
खेडब्रह्मा	24 03	73 04	—37 44
खेड़ा	22 45	72 45	—39 00
खेरालु	23 54	72 40	—39 20
गणदेवी	20 49	73 00	—38 00
गाधीनगर	23 15	72 45	—39 00
गोंडल	21 55	70 52	—46 32
गोधरा	22 45	73 40	—35 20
घटिला	23 10	71 10	—45 20
चांदोद	22 00	73 27	—36 12
चांपानेर रोड	22 33	73 22	—36 32
चीखली	20 46	73 04	—37 44
छोटाउदेपुर	22 18	74 08	—33 28
जंबुसर	22 03	72 48	—38 48
जसदण	22 04	71 19	—44 44
जाखौ	23 14	68 45	—55 00
जामनगर	22 27	70 07	—49 32

भारताय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम गुजरात	अक्षाश उत्तर अ. क	रेखाश पूर्व अ क	भा स्टे टा.से. अन्तर मि से
जाफराबाद	20 52	71 25	—44 20
जुनागढ	21 31	70 36	—47 36
जेतलपुर	22 52	72 36	—39 36
झगडिया	21 43	73 09	—37 24
झालोर	23 07	74 08	—33 28
डभोई	22 11	73 25	—36 20
ठासरा	22 48	73 14	—37 04
डाकोर	22 45	73 10	—37 20
डीसा	24 14	72 13	—41 08
डूमस	21 06	72 41	—39 16
डेरोल	22 36	73 30	—36 00
तारंगाहिल	24 03	72 44	—39 04
थराड	24 23	71 37	—43 32
द्वारका	22 14	69 01	—53 56
दांडी	21 19	72 37	—39 32
दाता	24 11	72 47	—38 52
दाथा	21 12	72 00	—42 00
दाहेज	21 42	72 38	—39 28
दोहद	22 53	74 19	—32 44
धंधुका	22 21	72 02	—41 52
धर्मज	22 24	72 48	—38 48
धरमपुर	20 32	73 13	—37 08
ध्रांगध्रा	22 59	71 31	—43 56
धोराजी	21 45	70 37	—47 32
धोलका	22 44	72 29	—40 04
धोलेरा	22 15	72 15	—41 00
नडियाद	22 41	72 55	—38 20
नन्दोड	21 54	73 34	—35 44
नरवार	25 39	77 53	—18 28
नलिया	23 16	68 49	—54 44

नगर / कस्बा का नाम गुजरात	अक्षाश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अ क	भा स्टे. टा से अन्तर मि से.
नवसारी	21 07	73 40	—35 20
नवानगर	22 57	70 07	—49 32
नारगोल	20 14	72 44	—39 04
पाटन	23 52	72 10	—41 20
पाटन—सोमनाथ	21 04	70 26	—48 16
प्रातीज	23 26	72 55	—38 20
पादरा	22 15	73 07	—37 32
पारडी	21 31	72 57	—38 12
पालनपुर (व)	24 12	72 28	—40 08
पालीताणा	21 31	71 53	—42 28
पालेज	21 55	73 05	—37 40
पावागढ	22 30	73 32	—35 52
पेटलाद	22 29	72 50	—38 40
पेथापुर	23 16	72 40	—39 20
पोर्टओखा	22 15	69 10	—53 20
पोरबंदर	21 38	69 36	—51 36
बलसाड	20 36	72 59	—38 04
बहुचराजी	23 30	72 04	—41 44
बारडोली	21 07	73 07	—37 32
बासदा	20 45	73 28	—36 08
बीलीमोरा	20 46	72 58	—38 08
बेदी	22 32	70 02	—49 52
वेरावल	20 53	70 23	—48 28
वेलाल	23 48	70 50	—46 40
बोरसद	22 27	72 54	—38 24
भरूच	21 41	73 01	—37 56
भादरण	22 21	72 54	—38 24
भावनगर	21 46	72 11	—41 16
भीलोडा	23 42	72 59	—38 04
भुज	23 15	69 49	—50 44

भारताय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम गुजरात	अक्षांश उत्तर अ. क	रेखाश पूर्व अ क	भा. स्टे टा से अन्तर मि से
भोयणी	23 21	72 13	—41 08
मगोडी	23 18	73 24	—36 24
महुआ	21 10	71 45	—43 00
महुधा	22 49	72 56	—38 16
मागरल	21 08	70 14	—49 04
माडल	23 17	71 58	—42 08
माडवी	22 51	69 32	—51 52
माणसा	23 26	72 40	—39 20
मालिया	23 09	70 52	—46 32
मियागाव	22 03	73 07	—37 32
मुद्रा	22 49	69 52	—50 32
मेहमदाबाद	22 50	72 48	—38 48
मेहसाणा	23 42	72 37	—39 32
मोडासा	23 28	73 21	—36 36
मोरबी	22 49	70 54	—46 24
राजकोट	22 18	70 56	—44 16
रांदेर	21 13	72 48	—38 48
रांधनपुर	23 50	71 38	—43 28
रापड	23 32	70 40	—47 20
रायगढ	23 36	73 18	—36 48
रुपाल	23 16	72 32	—39 52
लखतर	22 52	71 51	—42 36
लखपत	23 49	68 48	—54 48
लिंवडी	22 34	71 53	—42 28
लुणावाडा	23 08	73 37	—35 32
वडनगर	23 46	72 37	—39 32
वडोदरा	22 00	73 16	—36 56
वढवाण	22 43	71 43	—43 08
वांकानेर	22 33	71 00	—46 00
वाडासिनोर	22 57	73 19	—36 44

भारताय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम गुजरात	अक्षाश उत्तर अ क	रेखाश पूर्व अं क.	भा स्टे टा से अन्तर मि.से
वापी	20 21	72 53	—38 28
वासंदा	20 46	73 21	—36 36
विजयनगर	24 00	73 17	—36 52
विजापुर	23 34	72 45	—39 00
विरमगाम	23 08	72 07	—41 32
विसनगर	23 42	72 32	—39 52
विसावदर	21 22	70 52	—46 32
वेरावल	20 53	70 26	—48 16
शिवराजपुर	22 25	73 36	—35 36
शुक्ल तीर्थ	21 46	73 07	—37 32
संखेडा	22 10	73 35	—35 40
संखेश्वर	23 32	71 46	—42 56
सचीन	21 05	72 59	—38 44
सरखेज	22 59	72 31	—39 56
सरादिया	21 35	70 05	—49 40
साणंद	23 00	72 23	—40 28
सांतलपुर	23 46	71 10	—45 20
सादरा	23 20	73 47	—34 52
साबरमती	23 05	72 38	—39 28
सिधपुर	23 45	72 37	—39 32
सुरत	21 12	72 52	—38 32
सुरेन्द्रनगर	22 43	71 43	—43 08
सोजिया	22 33	72 43	—39 08
सोमनाथ	21 04	70 26	—48 16
हारिज	23 42	71 54	—42 24
हालोल	22 30	73 28	—36 08
हासोट	21 35	72 48	—38 48
हिम्मतनगर	23 42	73 02	—37 52

भारताय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम गुजरात कच्छ	अक्षाश उत्तर अ क	रेखाश पूर्व अं क	भा स्टे टा से अन्तर मि से
अजार	23 07	70 01	—49 56
कोठारा	23 08	68 56	—54 16
गाधी धाम	23 04	70 04	—49 44
नखत्राणा	23 30	69 15	—53 00
भद्रेसर तीर्थ	22 55	69 56	—50 16
सुथरी	23 02	68 55	—54 20
सौराष्ट्र			
उमराला	21 49	71 48	—42 48
कल्याणपुर	22 02	63 23	—52 28
कोडीनार	20 47	70 42	—47 12
गढडा	21 58	71 34	—43 44
गारियाधार	21 32	71 34	—43 44
गिरनार	21 34	70 32	—47 52
चूडा	22 29	71 41	—43 16
तलाला	21 03	70 33	—47 48
बोटाद	22 10	71 40	—43 20
राणपुर	22 21	71 41	—43 16
सिहोर	21 42	71 57	—42 12
सासन गिर	21 10	70 36	—47 36
हलवद	23 01	71 10	—45 20
9 गोवा			
गोवा	14 20	74 00	—34 00
पणजी	15 30	73 55	—34 20
मारमागाओ	15 25	73 43	—35 08
10 जम्मू व कश्मीर			
अनंतनाग	33 43	75 17	—28 52
ऊधमपुर	32 55	75 07	—29 32

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम जम्मू व कश्मीर	अक्षाश उत्तर अ. क	रेखाश पूर्व अ. क	भा स्टे टा से अन्तर मि से.
कठुआ	32 17	75 36	—27 36
कपलू	35 10	76 20	—24 40
कार्गिल	34 30	76 13	—25 08
किश्तवार	33 19	75 48	—26 48
कोटली	33 30	73 57	—34 12
खरताक्षो	34 53	76 10	—25 20
गिलगिट	35 55	74 20	—32 40
गुराइस	34 38	74 56	—30 16
गुलमर्ग	34 15	74 25	—32 20
जम्मू	32 43	74 54	—30 24
जंगला	33 40	77 00	—22 00
जास्कर	33 30	77 00	—22 00
द्रास	34 22	75 50	—26 40
नाओशेरा	33 13	74 17	—32 52
पदम	33 28	76 54	—22 24
पुंछ	33 51	74 08	—33 28
बारामूला	34 10	74 30	—32 00
बाल्टीस्तान	35 30	76 00	—26 00
भदरवाह	33 04	75 50	—26 40
मिरपुर	33 12	73 51	—34 36
मुजफ्फराबाद	34 24	73 22	—36 32
रामनगर	32 52	75 22	—28 32
लद्दाखरेंज	32 00	80 00	—10 00
लेह	34 10	77 35	—19 40
वूलर झील	34 20	74 37	—31 32
श्रीगनर	34 06	74 51	—30 36
सोपुर	34 19	74 30	—32 00
11 तमिलनाडु			
अत्तुर	11 36	78 39	—15 24

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम	अक्षाश उत्तर अ क	रेखाश पूर्व अ. क	भा स्टे टा से अन्तर मि से
तमिलनाडु			
अतुर(मदुराई)	10 16	77 53	—18 28
अन्नामलाई	10 38	76 50	—22 40
अम्बा समुद्रम	08 43	77 29	—20 04
अम्बुर	12 50	78 45	—15 00
अरणी	12 40	79 19	—12 44
अरन्तगी	10 10	79 02	—13 52
अरुप्पुकोटाई	09 31	78 08	—17 28
आदोनी	10 21	79 25	—12 20
आरकोट	12 56	79 24	—12 24
उटगराई	12 16	78 35	—15 40
उटकमड	11 24	76 44	—23 04
उदामल पेट	10 36	77 17	—20 52
उदियार पलैयम	11 11	79 20	—12 40
एन्नौर	13 14	80 22	—08 32
एरोड	11 20	77 46	—18 56
कन्याकुमारी	08 04	77 36	—19 36
करुर	10 58	78 07	—17 32
कृष्णागिरि	12 32	78 16	—16 56
कांचीपुरम्	12 50	79 45	—11 00
कामलपटनम्	08 34	78 10	—17 20
कारनेटिक	12 00	80 00	—10 00
किलाकराई	09 14	78 50	—14 40
कुड्डालोर	11 43	79 49	—10 44
कुनूर	11 21	76 49	—22 44
कुभ कोणम्	10 58	79 25	—12 20
	11 00	77 00	—22 00
कोडाईकनाल	10 13	77 32	—19 52
कारोमंडल घाट	12 00	80 30	—08
गुडियाटम	12 57	78 55	—14 20
चिगलपुत	12 42	80 01	—9 56

भारतीय प्रान्त

नगर / कस्बा का नाम	अक्षाश उत्तर अ क	रेखाश पूर्व अ क	भा स्टे टा से अन्तर मि.से
तमिलनाडु			
	11 24	79 44	—11 04
चेन्नई	13 04	80 17	—08 52
जलारपेट	12 34	78 37	—15 32
ट्राकेबार	11 01	79 54	—10 24
डिडीगुल	10 22	78 00	—18 00
तिदीवरम्	12 14	79 42	—11 12
तिरुक्कोइलूर	11 58	79 15	—13 00
तिरुच्चीरापल्ली	10 50	78 46	—14 56
तिरुचेन गोडु	11 23	77 56	—18 16
	08 30	78 11	—17 16
तिरुनेलवेली	08 44	77 44	—19 04
तिरुमगलम्	09 49	78 01	—17 56
तिरुप्पुर	11 05	77 20	—20 40
तिरुवन्नामलाई	12 15	79 07	—13 32
तिरुवल्लूर	13 09	79 57	—10 12
तूतीकोरिन	08 13	78 11	—17 16
तेनकासी	08 58	77 21	—20 36
तुरैयुर	11 09	78 38	—15 28
तोन्डी	09 45	79 04	—13 44
ताजुवरम(तजौर)	10 47	79 10	—13 20
दवका८्८इ	09 57	78 53	—14 28
धनुषकोडी	09 10	79 28	—12 08
धर्मापुरी	12 08	78 13	—17 08
धारापुरम्	10 45	77 34	—19 44
नागुवेरी	08 29	77 44	—19 04
नागपट्टिनम्	10 46	79 53	—10 28
नामक्कई	11 13	78 13	—17 08
नागरकोइल	08 11	77 29	—20 04
निवेली	10 31	79 24	—12 24
पद्मनाभापुरम्	09 06	76 50	—22 40

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम	अक्षाश उत्तर अ क	रेखाश पूर्व अ क	भा स्टे टा से अन्तर मि से
तमिलनाडु			
पलमायन कोट	08 43	77 46	—18 56
पल्लादम	10 59	77 20	—20 40
पल्लावरम्	12 58	80 13	—09 08
पल्लीवासल	09 55	77 00	—22 00
पानरुती	11 47	79 35	—11 40
पालनी	10 27	77 33	—19 48
पालनी हिल्स	10 00	77 00	—22 00
पुडुककोटाई	10 26	79 22	—12 32
	11 14	78 56	—14 16
पेरियाकुलम्	10 07	77 35	—19 40
पोलाची	10 39	77 03	—21 48
पोर्टोनोवा	11 30	79 48	—10 48
फोर्ट सेन्ट जार्ज	13 04	80 17	—08 52
फोर्ट सेन्ट डेविड	11 45	79 50	—10 40
बोदिनायक्कानूर	10 01	77 24	—20 24
मदुराई	09 58	78 10	—17 20
मदुरान्तकम	12 30	79 56	—10 16
मन्नार गुडी	10 40	79 29	—12 04
मयूरम्	11 06	79 42	—11 12
महावलापुरम्	12 37	80 14	—09 04
मेत्तुपलैयम्	11 18	76 59	—22 04
मेत्तु डेम	11 52	77 50	—18 40
येर कौड	16 59	81 33	—03 48
राजापलैयम	09 27	77 36	—19 36
रामनाथपुरम्	09 22	78 52	—14 32
रामेश्वरम्	09 17	79 22	—12 32
वृद्धाचलम्	11 32	79 24	—12 24
वनियामवाडी	12 41	78 39	—15 24
वाडीवाश	12 30	79 30	—12 00
विजयनगर	15 20	76 30	—24 00

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम तमिलनाडु	अक्षाश उत्तर अ क	रेखाश पूर्व अ क	भा स्टे टा से. अन्तर मि से
विरुधुनगर	9 35	77 57	—18 12
विल्लूपूरम्	11 57	79 32	—11 52
वेल्लोर	12 55	79 11	—13 16
श्रीरगम्	10 52	78 44	—15 04
श्रीवल्लीपुत्तुर	9 31	77 40	—19 20
शिवगगा	9 51	78 32	—15 52
शेनुट्टाह	8 59	77 18	—20 48
शंकरनाइनन कोविल	9 10	77 35	—19 40
सत्यमगलम्	11 30	77 17	—20 52
सत्तूर	9 21	77 58	—18 08
सईदापेट	13 02	80 16	—08 56
सालेम	11 39	78 12	—17 12
सेवन पेगोडाज	12 37	80 14	—09 04
होसूर	12 44	77 52	—18 32
12 नागालैंड			
काहिमा	25 40	94 08	+46 32
ट्वेनसांग	26 20	94 43	+48 52
दिमापुर	25 51	93 48	+45 12
नागा हिल्स	26 00	94 20	+47 20
13 पश्चिमी बगाल			
अजीमगज	24 14	88 15	+23 00
अनाडा	23 17	86 33	+16 12
अलिपुर द्वार	26 28	89 52	+30 08
अलिपुर	22 32	88 24	+23 36
आसन सोल	23 42	87 01	+18 04
इग्रज बाजार	25 00	88 11	+22 44
कटोया	23 39	88 11	+22 44
कलकत्ता	22 34	88 24	+23 36
1. टोलिगंज	22 30	88 21	+23 24

भारतीय प्रान्त

नगर / कस्बा का नाम प बगाल	अक्षाश उत्तर अ क	रेखाश पूर्व अ. के	भा स्टे टा से अन्तर मि से
	22 31	88 21	+23 24
	22 32	88 19	+23 16
4 कीगजॉर्ज डॉक	22 32	88 18	+23 12
5 भवानीपुर	22 32	88 21	+23 24
6 बोटेनिकल गार्डन	22 33	88 17	+23 08
7 शालीमार गुडजडिपो	22 33	88 19	+23 16
8. डलहौजी स्क्वेयर '	22 34	88 21	+23 24
9 सीलहदा स्टेशन	22 34	88 23	+23 32
10 हावडा स्टेशन	22 35	88 23	+23 32
11 बडा बाजार	22 35	88 21	+23 24
12 डम—डम	22 38	88 28	+23 52
कृष्णानगर	23 24	88 33	+24 12
कलिमपोग	26 05	88 26	+23 44
कल्याणी	23 00	88 28	+23 52
कूचविहार	26 20	89 29	+27 56
कोटलपुर	23 01	87 38	+20 32
कोन्टाई	21 50	87 48	+21 12
खड्गपुर	22 30	87 20	+19 20
गौड	24 54	88 07	+22 28
घाटल	22 40	87 44	+20 55
चन्द्रकोना	22 44	87 33	+20 12
चन्दरनगर	22 52	88 25	+23 40
चन्दुरिया	22 56	88 55	+25 40
चित्तरजन	23 50	87 00	+18 00
चिनसुरा	22 53	88 27	+23 48
जंगीपुर	24 28	88 05	+22 20
जलपाईगुडी	26 32	88 46	+25 04
डायमंड हार्वर	22 11	88 14	+22 56
तमलुक	22 18	87 58	+21 52
तारकेश्वर	22 54	88 02	+22 08

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम प बगाल	अक्षांश उत्तर अ क	रेखांश पूर्व अं क.	भा स्टे टा से अन्तर मि.से
तिलपाडा	23 58	87 32	+20 08
दार्जिलिंग	27 03	88 18	+23 12
दुर्गापुर	23 30	87 20	+19 20
नवद्वीप	23 24	88 23	+23 32
नैहती	22 54	88 28	+23 52
पुरुलिया	23 20	86 25	+15 40
फरक्का	24 48	87 56	+21 44
बक्सादुआर	26 45	89 35	+28 20
बर्द्धमान	23 16	87 54	+21 36
बरखपोर	22 46	88 21	+23 24
बांकुरा	23 14	87 07	+18 28
बारानगर	22 38	88 22	+23 28
बाटानगर	22 31	88 15	+23 00
विष्णुपुर	23 05	87 23	+19 32
बारासत	22 43	88 29	+23 56
बुर्नपुर	23 39	86 56	+17 44
बेनापोल	23 04	88 32	+24 08
बेरकपुर	22 46	88 24	+23 26
बेल्दगा	23 58	88 20	+23 20
बेलूरघाट	25 14	88 47	+25 08
बेहरामपुर	24 06	88 19	+23 16
बोलपुर(शान्तिनिकेतन)	23 40	87 42	+20 48
भद्रेश्वर	22 49	88 20	+23 20
भाटपाडा	22 54	88 25	+23 40
माल्दाह	25 03	88 09	+22 36
मिदनापुर	22 26	87 19	+19 16
मुर्शिदाबाद	24 11	88 19	+23 16
मेदिनीपुर	22 25	87 21	+19 24
रघुनाथपुर	23 32	86 43	+16 52
राणाघाट	23 11	88 37	+24 28

भारतीय प्रान्त

नगर / कस्बा का नाम	अक्षाश उत्तर अ क	रेखांश पूर्व अ क	भा स्टे टा से. अन्तर मि से
प बंगाल			
रानीगज	25 52	87 52	+21 28
रायगज	25 36	88 08	+22 32
लालबाग	24 13	88 19	+23 16
शांतिपुर	23 15	88 29	+23 56
सिऊरी	23 54	87 34	+20 16
सिरमपुर	22 45	88 23	+23 32
सुरी	23 54	87 34	+20 16
सिलीगुडी	26 42	88 25	+23 40
सेरामुपर	22 45	88 23	+23 32
हल्दिया	22 02	88 05	+22 20
14 पजाब			
अमृतसर	31 37	74 55	—30 20
आनंदपुर	31 15	76 34	—23 44
ऊना	31 32	76 18	—24 48
कपूरथला	31 23	75 25	—28 20
करतारपुर	31 27	75 32	—27 52
कोटकपुरा	30 34	74 52	—30 32
गढशकर	31 13	76 11	—25 16
गुरुदासपुर	32 03	75 27	—28 12
चडीगढ	30 42	76 54	—22 24
चरखी दादरी	28 37	76 19	—24 44
जंडीयाला	31 51	75 37	—27 32
जलंधर	31 19	75 18	—28 48
टाडा उरमर	31 40	76 41	—23 16
डूजाना	28 41	76 40	—23 20
डेरा बाबानानक	32 02	75 04	—29 44
तरणतारन	31 28	74 58	—30 08
दासुया	31 49	75 42	—27 12
दीनानगर	32 08	75 31	—27 56

भारताय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम पजाब	अक्षाश उत्तर अ क	रेखांश पूर्व अ क	भा स्टे टा से अन्तर मि से
धरमकोट	30 56	75 14	—29 04
नाभा	30 25	76 09	—25 24
पटियाला	30 20	76 25	—24 20
पठानकोट	32 17	75 42	—27 12
फरीदकोट	30 40	74 57	—30 12
फाजिल्का	30 25	74 04	—33 44
फिरोजपुर	30 55	74 40	—31 20
बटाला	31 49	75 14	—29 04
बठिंडा	30 11	75 00	—30 00
मजीठा	31 46	75 01	—29 56
माछीवाडा	30 55	76 15	—25 00
मालेरकोटला	30 31	75 59	—26 04
मुक्तसर	30 30	74 43	—31 08
मोहिन्दरगढ	28 17	76 14	—25 04
रुपड	30 57	76 32	—23 52
लुधियाना	30 55	76 54	—30 24
सगरूर	30 12	75 53	—26 28
सनवाड	30 18	76 30	—24 00
सरहिन्द	30 38	76 29	—24 04
सुजानपुर	31 50	76 33	—23 48
सुलतानुपर	31 58	77 07	—21 32
सोवरां	31 07	74 54	—30 24
होशियारपुर	31 32	75 57	—26 12
15 बिहार			
आर्द्रा	23 32	86 41	+16 44
आरा	25 34	84 32	+08 08
इचक	24 05	85 25	+11 30
औरगाबाद	24 45	84 25	+07 40
कटिहार	25 30	87 40	+20 40

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम	अक्षाश उत्तर अ क	रेखांश पूर्व अं क.	भा स्टे टा.से. अन्तर मि.से.
बिहार			
कंताई	26 13	85 21	+11 24
किशनगज	26 10	87 02	+18 08
कोलगोग	25 16	87 17	+19 08
	22 48	85 52	+13 28
गढवा (गरबा)/	24 10	83 52	+05 28
गया	24 49	85 01	+10 04
गिरडीह	24 10	86 21	+15 24
गुणियाजी	24 55	85 33	+12 12
गोग्री	25 28	86 38	+16 32
गोपालगज	26 28	84 26	+07 44
गोविन्दपुर	23 51	86 34	+16 16
चैबासा	22 33	85 51	+13 24
छत्रा	24 12	84 56	+09 44
छपरा	25 47	84 47	+09 08
छाटा नागपुर	23 00	85 00	+06 00
जमशेदपुर	22 50	86 10	+14 40
जमालपुर	25 19	86 32	+16 08
जयगनर	26 35	86 09	+14 36
झरिया	23 50	86 33	+16 12
टेकरी	24 57	84 53	+09 32
डाल्टनगज	24 02	84 04	+06 16
डूमराव	25 33	84 21	+07 24
डोरांड	23 22	85 22	+11 28
तिलैया	24 20	85 31	+12 04
दरभंगा	26 10	85 57	+13 48
दीनापुर	25 38	85 05	+10 20
धनगैन	25 14	84 17	+07 08
धनवाद	23 47	86 30	+16 00
नयादुमका	24 30	87 20	+19 20
नवादा	24 53	85 35	+12 20

भारतीय प्रान्त

नगर / कस्बा का नाम बिहार	अक्षाश उत्तर अ क	रेखाश पूर्व अ क	भा स्टे टा से अन्तर मि से
नालदा	25 09	85 24	+11 36
पटना	25 37	85 13	+10 52
पाकौर	24 38	87 54	+21 36
पारसनाथ	24 00	86 11	+14 44
पालकोट	22 52	84 41	+08 44
पालामऊ	23 52	84 17	+07 08
पावापुरी	25 03	85 37	+12 28
पुरर्णीया	25 49	87 31	+20 04
बक्सर	25 34	84 01	+06 04
बाकीपुर	25 40	85 12	+10 48
बारवा	23 10	84 16	+07 04
बासिया	22 52	84 53	+09 32
बुद्ध गया	24 41	85 02	+10 08
बेट्टिया	26 48	84 33	+08 12
भागलपुर	25 15	87 02	+18 08
मधुपुर	24 18	86 37	+16 28
मधुवनी	26 21	86 07	+14 28
माधीपुरा	25 57	86 51	+17 24
मानखेडी	23 40	84 33	+08 12
मगेर	25 23	86 30	+16 00
मुजफ्फरपुर	26 07	85 27	+11 48
मेसनजोर	24 05	87 21	+18 24
मोकामह	25 24	85 55	+13 40
मोतीहरी	26 40	85 57	+13 48
मोगीर	25 23	86 27	+15 48
राची	23 23	85 23	+11 32
राजगृही	25 01	85 24	+11 36
राजमहल	25 03	87 53	+21 32
रामगढ	23 38	85 34	+12 16
लोहारडागा	23 26	84 42	+08 48

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम बिहार	अक्षांश उत्तर अ क	रेखांश पूर्व अ. क	भा स्टे टा.से अन्तर मि.से
शेखुपुरा	25 09	85 53	+13 32
सम्स्तीपुर	25 55	85 50	+13 20
सराईकेला	22 42	85 58	+13 52
सराण्डा	22 16	85 26	+11 44
सागौली	26 47	84 48	+09 12
सातलपरगना	24 30	87 00	+18 00
सासाराम	24 57	84 03	+06 12
साहरसा	25 55	86 35	+16 20
साहिबगंज	25 13	87 40	+20 40
सिमारिया	24 05	84 58	+09 52
सिवान	26 12	84 13	+06 52
सिहभुम	22 24	85 30	+12 00
सीतामढ़ी	26 35	85 32	+12 08
सोनपुर	25 42	85 13	+10 52
हजारीबाग	23 59	85 25	+11 40
हाजीपुर	25 41	85 14	+10 56
16. मणिपुर			
इम्फाल	24 44	93 58	+45 52
लोकटाकलेक	24 30	93 55	+45 40
17. मध्यप्रदेश			
अजयगढ़	24 53	80 13	−09 08
अबिकापुर	23 10	83 10	+02 40
अलिपुरा	25 10	79 22	−12 32
अलिराजपुर	22 11	74 24	−32 24
आगर	23 44	76 04	−25 44
आदिगांव	22 38	79 32	−11 52
आमझेरा	22 32	75 10	−29 20
आश्टा (आष्टा)	23 01	76 38	−23 28
आरवी	20 59	78 13	−17 08

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम मध्यप्रदेश	अक्षांश उत्तर अं. क	रेखांश पूर्व अ क	भा स्टे टा.से अन्तर मि से
इटारसी	22 30	77 55	—18 20
इटावा (बीना)	24 10	78 11	—17 16
इन्दौर	22 44	75 50	—26 40
उज्जैन	23 09	75 43	—27 08
उमरकोट	22 47	74 50	—30 40
उमरिया	23 30	80 53	—06 28
ऊचाहरा	24 33	80 37	—07 32
ओरछा	25 21	78 38	—15 28
कटनी	23 47	80 27	—08 12
कटगी	21 47	79 51	—10 36
काटोल	21 18	70 36	—15 36
कामठी	21 10	79 12	—13 12
कावरधा	22 00	81 17	—04 52
कुक्षी	22 13	74 48	—30 48
कुत्रु	19 03	80 53	—06 28
केकड	20 15	81 32	—03 52
कोठी	24 45	80 40	—07 20
कोरवाई	24 07	78 05	—17 40
खंडवा	21 50	76 23	—24 28
खरगोन	21 50	75 37	—27 32
खाचरोद	23 25	75 20	—28 40
खानियाधाना	25 01	78 07	—17 32
खिल्चिपुर	24 02	76 37	—23 32
खुराई	24 03	78 23	—16 28
खेरगढ	21 26	81 02	—05 52
गजवासोदा	23 52	77 56	—18 16
गडरवाडा	22 56	78 30	—16 00
गढा	24 25	78 03	—17 48
ग्वालियर	26 14	78 10	—17 20
गारौली	25 05	79 24	—12 24

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम मध्यप्रदेश	अक्षाश उत्तर अ क	रेखांश पूर्व अ क.	भा. स्टे टा से अन्तर मि.से
गुना	24 40	77 20	−20 40
गौरीहर	25 16	80 12	−09 12
चदेरी	24 42	78 11	−17 16
चम्पा	22 02	82 43	+00 52
चालगली	23 18	83 42	+04 48
चितलनार	18 20	81 18	−04 48
छत्तरपुर	24 54	79 38	−11 28
छिंदवाड़ा	22 03	78 59	−14 04
छुईटनदान	21 31	81 02	−05 52
जगदलपुर	19 05	82 04	−01 44
जनकपुर	23 43	81 50	−02 40
जबलपुर	23 10	79 59	−10 04
जशपुर नगर	22 53	84 12	+06 48
जसो	24 30	80 32	−07 52
जावरा	23 35	75 09	−29 24
जोबट	22 29	74 37	−31 32
झाबुआ	22 45	74 38	−31 28
टिकमगढ़	24 45	78 53	−14 28
टोरीफथपुर	25 28	79 08	−13 28
डिडोरी	22 57	81 14	−05 04
डोगरगढ़	21 12	80 50	−06 40
दतिया	25 39	78 27	−16 12
दमोह	23 50	79 29	−12 04
दातेवाडा	18 54	81 28	−04 08
दुर्ग	21 11	81 21	−04 36
देवगढ	21 51	78 50	−14 40
देवरी	23 23	79 04	−13 44
देवास	22 58	76 06	−25 36
धरम जयगढ	22 28	83 15	+03 00
धमतरी	20 42	81 34	−03 44

भारतीय प्रान्त

नगर / कस्बा का नाम	अक्षाश उत्तर अ. क	रेखांश पूर्व अं. क	भा स्टे टा से अन्तर मि.से
मध्यप्रदेश			
धार	22 35	75 20	—28 40
धुरवई	25 28	79 07	—13 32
नरसिंहगढ	23 44	77 08	—21 28
	22 57	79 15	—13 00
नवाग वसोडा	23 37	78 14	—17 04
नागोद (ऊंचहरा)	24 33	80 37	—07 32
नीमच	24 27	74 52	—30 32
नेमावर	22 30	77 00	—22 00
नोवगोग	25 03	79 03	—13 48
पचपहाड	24 25	75 50	—26 40
पचमढी	22 30	78 22	—16 32
पठारी	23 56	78 15	—17 00
पंडारिया	22 15	81 27	—04 12
पथ पिपलोदा	23 57	75 20	—28 40
पन्ना	24 44	80 14	—09 04
परताबपुर	19 59	80 50	—06 40
परलाकोट	19 45	80 48	—06 48
पारों	24 57	76 50	—22 40
फुलझर	21 14	82 54	+01 36
बघेलखंड	24 10	82 00	—02 00
बदनुर	21 43	77 55	—18 20
बरदी	24 30	82 26	—00 16
वरबानी	22 03	74 57	—30 12
बरोडा	25 25	76 50	—22 40
बस्तर	19 10	81 30	—04 00
बांका पहाडी	25 14	80 50	—06 40
बारान्नदा	25 03	80 40	—07 20
बालाघाट	21 48	80 15	—09 00
बिआओरा	22 55	76 57	—22 12
बिज्जी	18 02	81 24	—04 24

भारतीय प्रान्त

नगर / कस्बा का नाम मध्यप्रदेश	अक्षाश उत्तर अ क	रेखाश पूर्व अ क	भा स्टे टा से अन्तर मि से
बिजना	25 27	79 05	—13 40
बिलासपुर	22 05	82 13	—01 08
बीजावर	24 38	79 32	—11 52
बुदेलखड	24 40	80 00	—10 00
बुरहानपुर	21 17	76 16	—24 56
बेतुल	21 58	77 58	—18 08
बेरी	25 55	79 55	—10 20
भदौरा	24 48	77 26	—20 16
भिलाईनगर	21 11	81 20	—04 40
भीड	26 33	78 46	—14 56
भेलसा	23 32	77 49	—18 44
भैनसदेही	21 39	77 40	—19 20
भेपाल	23 16	77 36	—19 36
भोपालपटनम्	18 50	80 24	—08 24
मऊ	22 15	81 13	—09 08
मक्राई	22 04	77 08	—21 28
मक्री	19 45	81 58	—02 08
मदसौर	24 03	75 08	—29 28
महेन्द्रगढ	23 21	82 21	—00 36
मनोहरथाना	24 17	76 45	—23 00
महू	22 34	75 47	—26 52
माडला	22 43	80 35	—07 40
मानपुर	22 24	75 40	—27 20
माहेश्वर	22 11	75 37	—27 32
मुरवाडा	23 51	82 05	—01 40
मुरैना	26 23	78 04	—17 44
मुहम्मदगढ	23 39	78 13	—17 08
मेहीदपुर	23 29	75 42	—27 12
मैहर	24 16	80 49	—06 44
मोरार	26 13	78 14	—17 04

भारताय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम मध्यप्रदेश	अक्षाश उत्तर अ क	रेखाश पूर्व अ क	भा स्टे. टा से अन्तर मि.से
मौगंज	24 40	81 56	—02 16
रघुगढ	24 26	77 15	—21 00
रतनपुर	22 17	82 11	—01 16
रतलाम	23 31	75 07	—29 32
राजगढ	24 00	76 47	—22 52
राजनदगाव	21 05	81 05	—05 40
राजीम	20 59	81 55	—02 20
रामकोला	23 40	83 08	+02 32
रामनगर (माडला)	22 36	80 33	—07 48
रामनगर (रीवा)	24 11	81 12	—05 12
रामपुरा	23 28	75 30	—28 00
रायगढ	21 54	83 26	+03 44
रायपुर	21 15	81 41	—03 16
रायसेन	23 15	77 50	—18 40
रींवा	24 31	81 19	—04 44
रेबकोक (धर्मजयगढ़)	22 28	83 15	+03 00
रेहली	23 38	79 05	—13 40
विदिशा	23 32	77 51	—18 36
शाजापुर	23 26	76 18	—24 48
शाहडोल	23 00	81 30	—04 00
शाहपुर	23 13	76 15	—25 00
शाहपुरा	23 10	80 45	—07 00
शिवपुर	25 39	76 41	—23 16
शिवपुरी	25 40	77 44	—19 04
शुजालपुर	23 24	76 34	—23 44
सतना	24 34	80 55	—06 20
संथार	25 51	78 49	—14 44
साक्ती	22 01	83 00	+02 00
सागर	23 50	78 50	—14 40
सारनगढ	21 36	83 07	+02 28
सारंगपुर	23 34	76 31	—23 56

भारताय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम मध्यप्रदेश	अक्षाश उत्तर अं क	रेखाश पूर्व अ. क	भा स्टे टा से अन्तर मि से
सालबाई	25 51	78 19	−16 44
सिंरोज	24 06	77 44	−19 04
सिवनी	22 06	79 35	−11 40
सिवनी (मालवा)	22 28	77 29	−20 04
सिहोर	23 12	77 00	−22 00
सिहोरा	23 29	80 09	−09 24
सीतामऊ	24 01	75 23	−28 28
सीधी	24 20	82 39	+00 36
सुनकाम	18 22	81 46	−02 56
सैलाना	23 31	75 01	−29 56
सोनहट	23 29	82 30	−00 00
सोनाखान	21 36	82 36	+00 24
सोहागपुर	22 42	78 17	−16 52
सोहावल	24 35	80 50	−06 40
हरसूद	22 05	76 44	−23 04
हराई	22 37	79 18	−12 48
हिंगनधाट	20 34	78 50	−14 40
होशगाबाद	22 46	77 45	−19 00
18 महाराष्ट्र			
अकलकोट	17 31	76 15	−25 00
अचलपुर	21 18	77 33	−19 48
अजनगाव	21 10	77 18	−20 48
अजन्ता	20 33	75 48	−26 48
अम्बगांव	20 38	80 00	−10 00
अमरनाथ	19 12	73 10	−37 20
अमरावती	20 56	77 48	−18 48
अमलनेर	21 03	75 03	−29 48
अलीबाग	18 39	72 55	−38 12
अहमदनगर	19 05	74 48	−30 48

भारतीय प्रान्त

नगर / कस्बा का नाम मध्यप्रदेश	अक्षाश उत्तर अ क	रेखांश पूर्व अ क	भा. स्टे टा से अन्तर मि से
अहीरी	19 30	80 30	—08 00
आकोट	21 06	77 06	—21 36
आकोला	20 42	77 02	—21 52
आरमोरी	20 28	80 02	—09 52
आलदी	18 41	73 54	—34 24
आश्ती (बीड)	18 50	75 15	—29 00
आश्ती (वर्धा)	21 12	78 14	—17 04
आसनगांव	19 28	73 18	—36 48
आस्सई	20 15	75 58	—26 08
इगतपुरी	19 40	73 35	—35 40
इचलकरजी	16 41	74 27	—32 12
उदगिर	18 25	77 10	—21 20
उमरखेड	19 36	77 41	—19 16
उमरेड	20 18	79 21	—12 36
उरलीकाचन	18 30	74 06	—33 36
उल्लासनगर	19 20	73 10	—37 20
उस्मानाबाद	18 08	76 06	—25 36
एलोरा	20 02	75 13	—29 08
औंध	17 33	74 23	—32 28
औरगाबाद	19 53	75 23	—28 28
करमाला	18 24	75 12	—29 12
कारद	17 15	74 12	—33 12
कल्याण	19 14	73 10	—37 20
कादिराबाद	19 51	75 56	—26 16
काम्पती	21 14	79 15	—13 00
कारजा	20 29	77 32	—19 52
किर्की	18 33	73 54	—34 24
कुरडुनाडी	18 05	75 25	—28 20
कुरुंडवाड	16 40	74 40	—31 20
कोंडलवाडी	18 15	77 43	—19 08

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम महाराष्ट्र	अक्षाश उत्तर अ क	रेखाश पूर्व अ क	भा स्टे टा से अन्तर मि से
कोपरगांव	19 54	74 33	—31 48
कोल्हापुर	16 42	74 16	—32 56
खडाला	18 45	73 22	—36 32
खडकी	18 34	73 51	—34 36
खापा	21 25	79 02	—13 52
खामगाव	20 42	76 37	—23 32
खुल्दाबाद	20 01	75 15	—29 00
खेड	18 51	73 56	—34 16
गंगाखेर	18 52	76 43	—23 08
गाविलगढ	21 22	77 25	—20 20
गोडिया	21 28	80 29	—08 04
चांदोद	20 20	74 19	—32 44
चन्द्रपुर	19 57	79 21	—12 36
चालीसगाव	20 33	75 10	—29 20
चिकल्दा	21 24	77 22	—20 32
चिरवली	20 21	76 15	—25 00
चिपलून	17 31	73 31	—35 36
चोपडा	21 15	75 20	—28 40
जथ	17 03	75 15	—29 00
जजीरा	18 18	73 00	—38 00
जमखडी	16 30	75 20	—28 40
जलगांव	21 05	75 40	—27 20
जामखेड	18 43	75 24	—28 24
जालना	19 51	75 56	—26 16
जवहार	19 52	73 21	—36 36
ठाकुरवाडी	18 50	73 22	—36 32
ठाणे	19 12	73 02	—37 52
डेगलूर	18 34	77 33	—19 48
तलेगाव	18 42	73 40	—35 20
त्र्यम्बक	19 57	73 32	—35 52

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम महाराष्ट्र	अक्षांश उत्तर अं क	रेखाश पूर्व अं क.	भा स्टे टा से अन्तर मि से
तारापुर	19 52	72 42	—39 12
तालोदा	21 34	74 19	—32 44
तुमसुर	20 15	80 19	—08 44
तुलजापुर	18 02	76 10	—25 20
दहाणु	19 58	72 45	—39 00
देवगढ	16 21	73 24	—36 24
देवलाली	19 56	73 50	—34 40
देवली	20 39	78 32	—15 52
दौलताबाद	19 57	75 15	—29 00
धरणगाव	21 01	75 16	—28 56
धरमाबाद	18 54	77 51	—18 36
धूले	20 58	74 47	—30 52
धौद	18 32	74 40	—31 20
नन्दुरवार	21 23	74 19	—32 44
नलडुग	17 49	76 20	—24 40
नागपुर	21 09	79 09	—13 24
नान्देड	19 09	77 27	—20 12
नासिक	20 02	73 50	—34 40
पंचगीनी	17 54	73 49	—34 44
पठरी	19 20	76 30	—24 00
पनवेल	19 00	73 07	—37 32
परभणी	19 08	76 50	—22 40
पाचोरा	20 38	75 29	—28 04
पाटण (सतारा)	17 22	73 53	—34 28
पाडुरना	21 05	78 30	—16 00
पाढरकवडा	20 00	78 32	—15 52
पाढरपुर	17 41	75 23	—28 28
पारली	18 53	76 36	—23 36
पारेडा	18 16	75 30	—28 00
पूणे	18 31	73 55	—34 20

नगर/कस्बा का नाम महाराष्ट्र	अक्षाश उत्तर अ क	रेखाश पूर्व अ क	भा स्टे टा से अन्तर मि से
पूरना	19 10	77 03	—21 48
पूलगांव	20 44	78 19	—16 44
पूसद	19 54	77 35	—19 40
पैठण	19 29	75 26	—28 16
पौणी	20 48	79 40	—11 20
फल्टन	18 00	74 29	—32 04
फरदापुर	20 36	75 43	—27 08
फैजपुर	21 10	75 50	—26 40
बडनेरा	20 52	77 46	—18 56
ब्रह्मपुरी	20 40	79 56	—10 16
बांकोट	17 58	73 05	—37 40
बांद्रा	19 03	75 52	—26 32
बारामती	18 09	74 35	—31 40
बालापुर	20 42	76 52	—22 32
बाल्हारशाह	19 55	79 23	—12 28
बार्सी	18 13	75 44	—27 04
बास्मत	19 22	77 12	—21 12
बासीम	20 05	77 10	—21 20
बीड	19 00	75 50	—26 40
बुलडाणा	20 32	76 14	—25 04
बेस्सीन	19 22	72 56	—38 16
बोईसर	19 48	72 46	—38 56
बोधन	18 42	77 50	—18 40
बोधवड	20 54	76 00	—26 00
बोरी	20 55	79 05	—13 40
भंडारा	21 09	79 42	—11 12
भीवण्डी	19 20	73 05	—37 40
भुसावल	21 02	75 47	—26 52
भौर	18 09	73 54	—34 24
मजलगांव	19 08	76 13	—25 08

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम महाराष्ट्र	अक्षाश उत्तर अं. क	रेखाश पूर्व अं क	भा स्टे टा से अन्तर मि से
मनमाड	20 15	74 29	—32 04
मलकापुर	20 53	76 17	—24 52
महाबलेश्वर	17 58	73 43	—35 08
माथेरान	18 59	73 18	—36 48
मानगाव	18 15	73 20	—36 40
मानसर	21 24	79 19	—12 44
मालवण	16 03	73 28	—36 08
मालेगाव	20 30	74 40	—31 20
मिराज	16 49	74 43	—31 08
मुखेर	18 42	77 24	—20 24
मुबई (कोलाबा)	18 55	72 54	—38 24
1 ओबजरवेटरी	18 54	72 53	—38 28
2 कोलाबा	18 55	72 54	—38 24
3 चर्चगेट	18 56	72 54	—38 24
4 बोरीबदर	18 56	72 54	—38 24
5 काफर्ड मार्केट	18 57	72 54	—38 24
6 मसजिद बदर	18 57	72 54	—38 24
7 चर्नीरोड स्टे॰	18 57	72 53	—38 28
8 ग्राटरोड	18 58	72 53	—38 28
9 मलबार हिल्स	18 58	72 52	—38 32
10 महालक्ष्मी	18 58	72 53	—38 28
11 भायखला	18 58	72 54	—38 24
12 परेल	19 00	72 54	—38 24
13 दादर	19 01	72 55	—38 20
14 माटुगा	19 02	72 55	—38 20
15 माहीम	19 02	72 55	—38 20
16 ट्रोम्बे	19 02	73 01	—37 56
17 बान्द्रा	19 03	72 54	—38 24
18 शिव	19 03	72 56	—38 16
19 चेम्बूर	19 03	72 58	—38 08

भारताय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम महाराष्ट्र	अक्षाश उत्तर अं क	रेखाश पूर्व अ क	भा स्टे टा से अन्तर मि से
20 कूर्ला	19 04	72 57	—38 12
21 शाताक्रूज	19 05	72 55	—38 20
22 विला पारला	19 05	72 55	—38 20
23 घाटकोपर	19 05	72 59	—38 04
24 जूहु	19 06	72 54	—38 24
25 चांदीवली	19 07	72 59	—38 04
26 भांडूप	19 07	73 01	—37 56
27 पवाई	19 07	72 59	—38 04
28 अंधेरी	19 07	72 53	—38 28
29 वरसोवा	19 08	72 52	—38 32
30 जोगेश्वरी	19 08	72 55	—38 20
31 गोरेगाव	19 10	72 55	—38 20
32 मुलुड	19 10	73 02	—37 52
33 थाना	19 12	73 03	—37 48
34 मलाड	19 12	72 55	—38 20
35 कांदीवली	19 13	72 55	—38 20
36 कल्याण	19 14	73 12	—37 12
37 वोरीवली	19 14	72 55	—38 20
38 दहीसंर	19 15	72 55	—38 20
39 भाइंदर	19 18	72 55	—38 20
40 वसई	19 20	72 52	—38 32
41 सोपारा	19 25	72 52	—38 32
42 वीरार	19 27	72 53	—38 28
43 अगासी	19 27	72 50	—38 40
44 पालघर	19 42	72 50	—38 40
मुरुड	18 18	72 59	—38 04
मूल	20 04	79 43	—11 08
मूल्शीझील	18 50	73 50	—34 40
मोमीनाबाद	18 44	76 22	—24 32
यरोडा	18 33	73 53	—34 28

भारताय प्रान्त

नगर / कस्बा का नाम महाराष्ट्र	अक्षाश उत्तर अ क	रेखांश पूर्व अ क.	भा स्टे टा से अन्तर मि से
यवतमाल	20 23	78 11	—17 16
यावल	21 10	75 41	—27 16
येवला	20 04	74 31	—31 56
रत्नागिरि	17 08	73 19	—36 44
राज पीपला	21 55	73 26	—36 16
राजपुर	20 08	78 50	—14 40
राजपुरा	19 45	79 26	—12 16
राजापुर	16 39	73 33	—35 48
रामटेक	21 24	79 20	—12 40
राहुडी	19 23	74 42	—31 12
रौजा (खुल्दाबाद)	20 01	75 15	—29 00
लातुर	18 24	76 36	—23 56
लोनावला	18 44	73 28	—36 08
वज्रेश्वरी	19 27	73 05	—37 40
वरुड	21 27	78 17	—16 52
वर्धा	20 45	78 39	—15 24
वरोरा	20 14	79 02	—13 52
वाई	17 57	73 56	—34 16
विजयदुर्ग	16 26	73 26	—36 16
वेनगुर्ला	15 52	73 40	—35 20
शेगाव	20 48	76 46	—22 56
श्रीगोंडा	18 41	74 44	—31 04
सगमनेर	19 35	74 16	—32 56
सतारा	17 42	74 02	—33 52
साकोली	21 02	80 01	—09 56
सावतवाडी	15 54	73 52	—34 32
सांगली	16 52	74 36	—31 36
सिदखेडा	21 18	74 50	—30 40
सिन्नार	19 50	74 03	—33 48
सिरूर	18 50	74 23	—32 28

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम	अक्षाश उत्तर अ क	रेखाश पूर्व अ. क	भा स्टे टा से अन्तर मि से
महाराष्ट्र			
सिरोंचा	18 51	80 01	−09 56
सुरगाना	20 33	73 20	−36 40
सेवगाव	19 22	75 13	−29 08
सेधुरडी	19 39	75 35	−27 40
सेलू	19 27	76 27	−24 12
सोनेपत	19 03	76 30	−24 00
सोलापुर	17 40	75 56	−26 16
हिगनघाट	20 34	78 53	−14 28
हिगोली	19 43	77 11	−21 16
19 मिजोरम			
ऐजल	23 36	93 00	+42 00
लूगलेह	22 56	92 49	+41 16
20 मेघालय			
चिरापूंजी	25 17	91 47	+37 08
तुरा	25 30	90 16	+31 04
शिलोंग	25 34	91 56	+37 44
21 राजस्थान			
अजमेर	26 27	74 42	−31 12
अनूपगढ	29 07	73 06	−37 36
अलवर	27 34	76 38	−23 28
अलीगढ	25 58	76 07	−25 32
आबू	24 40	72 45	−39 00
आमेट	25 20	73 59	−34 04
आसोप	26 48	73 44	−35 04
इन्दरगढ	25 40	76 15	−25 00
उदयपुर	24 35	73 44	−35 04
एकलिंगजी	24 43	73 46	−34 56
एरिनपुरा	25 09	73 06	−37 36

भारतीय प्रा

नगर/कस्बा	अक्षाश	रेखाश	भा स्टे
	उत्तर'	पूर्व	टा.से
का नाम	अ क	अ क	अन्तर
राजस्थान			मि से
करोली	26 30	77 04	—21 44
काकरोली (राजसमन्द)	25 02	73 54	—34 24
किशनगढ (जैसलमेर)	27 53	70 37	—47 32
किशनगढ (जयपुर)	27 10	75 22	—28 32
किशनगढ (टोक)	26 35	74 51	—30 36
केकडी	25 56	75 20	—28 40
केशरियाजी	24 05	73 40	—35 20
कोटडा	24 22	73 15	—37 00
कोटा	25 10	75 52	—26 32
खडेला	27 36	75 32	—27 52
खेरवाडा	24 04	73 40	—35 20
गगरार	23 56	75 41	—27 16
गगानगर	29 49	73 50	—34 40
गगापुर (भीलवाडा)	25 09	74 16	—32 56
गगापुर (जयपुर)	26 29	75 46	—26 56
गूढा	25 12	71 48	—42 48
गोगुन्दा	24 46	73 34	—35 44
गोटारु	27 22	70 02	—49 52
चट्स	26 36	75 59	—26 04
चारभुजा रोड	25 10	73 54	—34 24
	24 54	74 42	—31 12
चिरावा	28 13	75 39	—27 24
चूरु	28 19	75 01	—29 56
चौमू	27 08	75 47	—26 52
छब्रा	24 40	76 54	—22 24
छोटन	25 28	71 06	—45 36
छोटीसादडी	24 24	74 34	—31 44
जयपुर	26 55	75 52	—26 32
जहाजपुर	25 38	75 19	—28 44
जाजू	27 46	73 00	—38 00

भारताय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम राजस्थान	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखाश पूर्व अं क	भा. स्टे टा से अन्तर मि.से
जालरापाटन केन्ट	24 32	76 12	—25 12
जालोर	25 22	72 58	—38 08
जैसलमेर	26 55	70 57	—46 12
जोधपुर	26 18	73 04	—37 44
झालावाड	24 36	74 09	—33 24
झुंझनु	28 06	75 25	—28 20
टोंक	26 11	75 20	—26 40
टोडा रायसिंह	26 00	75 42	—27 12
डाग	23 56	75 52	—26 32
डीग	27 28	77 20	—20 40
डीडवाना	27 17	74 25	—32 20
डूंगरपुर	23 50	73 50	—34 40
ढेबर (जयसमंद)	24 30	74 00	—34 00
तंतपुर	26 51	77 32	—19 52
देलवाडा	24 38	72 44	—39 04
देवलिया	24 38	74 42	—31 12
देवली	25 46	75 25	—35 20
देवीकोट	26 38	71 07	—45 32
दौसा	27 39	76 36	—23 36
धोलपुर	26 42	73 53	—18 28
नवलगढ	27 51	75 18	—28 48
नसीराबाद	26 18	74 46	—30 56
नागौर	27 11	73 40	—35 20
नाचना	27 29	71 45	—43 00
नाथद्वारा	24 56	73 52	—34 32
नारायना	26 50	74 11	—33 16
निम्बाहेडा	24 37	74 45	—31 00
नैनवा	25 45	75 57	—26 12
नोहर	29 11	74 49	—30 44
पचभद्रा	25 55	72 21	—40 36

भारतीय प्रान्त

नगर / कस्बा का नाम राजस्थान	अक्षाश उत्तर अं. क.	रेखाश पूर्व अ क	भा स्टे टा से अन्तर मि से
परताबगढ	24 02	74 40	—31 20
पाटन	27 49	76 01	—25 56
पाली	25 46	73 25	—36 20
पिलानी	28 22	75 35	—27 40
पूगल	28 31	72 51	—38 36
फतेहपुर (जयपुर)	28 00	75 02	—29 52
फलौदी	27 09	72 24	—40 24
फालना	25 05	72 59	—38 04
फुलेरा	26 52	75 16	—28 56
बाडमेर	25 45	71 25	—44 20
बारां	25 05	76 33	—23 48
बखासर	24 43	71 09	—45 24
बड़ीसादडी	24 24	74 25	—32 20
बादीकुई	27 02	76 28	—24 08
बाप	27 22	72 22	—40 32
बालाहेडा	26 45	76 50	—22 40
बालोतरा	25 49	72 21	—40 36
बांसवाड़ा	23 33	74 24	—32 24
बास्वा	27 06	76 32	—23 52
ब्यावर	26 06	74 21	—32 36
बिसाऊ	28 17	75 08	—29 28
बीकमपुर	27 45	72 10	—41 20
बीकानेर	28 01	73 22	—36 32
बीरसीलपुर	28 11	72 15	—41 00
बूदी	25 27	75 41	—27 16
भद्राजन	25 36	72 54	—38 24
भरतपुर	27 15	77 30	—20 00
भादरा	29 15	75 30	—28 00
भीनमाल	25 00	72 19	—40 44
भीलवाडा	25 21	74 40	—31 20
भैसरोड	24 58	75 36	—27 36

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम प बंगाल	अक्षांश उत्तर अ. क	रेखाश पूर्व अं क.	भा स्टे. टा से अन्तर मि से.
महाजन	28 48	73 56	—34 16
मांडलगढ	25 12	75 09	—29 24
मारवाड जक्शन	25 43	73 45	—35 00
मालपुरा	26 18	75 25	—35 20
मावली	24 23	73 57	—34 12
मेडता	26 39	74 06	—33 36
मोहनगढ	27 17	71 18	—44 48
रतनगढ	28 05	74 39	—31-24
रणकपुर	25 08	73 28	—36 08
राजगढ	28 39	75 26	—28 16
रामगढ	28 10	75 00	—30 00
रावतसर	29 16	74 26	—32 16
रूपनगर	26 48	74 54	—30 24
रेनी	28 41	75 05	—29 40
लक्ष्मणगढ़ (सीकर)	27 50	75 04	—29 44
लाठी	27 02	71 30	—44 00
लालसोट	26 34	76 23	—24 28
लावा	26 23	75 43	—27 08
शाहगढ	27 08	69 57	—50 12
शाहपुरा	25 40	75 01	—29 56
शाहाबाद	25 10	77 20	—20 40
श्रीडूंगरगढ	28 04	74 01	—33 56
श्रीकोलायतजी	27 55	73 15	—37 00
श्रीगगानगर	29 56	73 52	—34 32
श्रीमाधोपुर	27 25	75 25	—28 20
शेरगढ	24 40	76 32	—23 52
सरदार शहर	28 27	74 32	—31 52
सलूम्बर	24 09	74 05	—33 40
सादडी (मारवाड)	25 05	73 26	—36 16
सवाईमाधोपुर	25 58	76 30	—24 00

भारतीय प्रान्त

नगर / कस्बा का नाम	अक्षाश उत्तर अ क	रेखाश पूर्व अ. क	भा स्टे टा से अन्तर मि से
राजस्थान			
सांगानेर	26 49	75 49	—26 44
साचोर	24 36	71 54	—42 24
सांभर लेक	26 54	75 13	—29 08
सिदरी	25 33	71 55	—42 20
सिरोही	24 53	72 54	—38 24
सिवना	25 36	72 27	—40 12
सीकर	27 36	75 15	—29 00
सुजानगढ	27 42	74 31	—31 56
सूरतगढ	29 19	73 57	—34 12
सोजत	25 56	73 42	—35 12
हनुमानगढ	29 35	74 21	—32 36
उदयपुर के कुछ गांवों के अक्षांश रेखांश (Approximate)			
कपासन	24 50	74 22	—32 32
कानोड	24 27	74 16	—32 56
	24 46	73 46	—34 56
खजुरिया	24 29	73 09	—37 24
जावद	24 21	73 45	—35 00
तारावलीगढ	24 47	73 30	—36 00
कुराबड	24 23	73 59	—34 04
परसाद	24 12	73 43	—35 08
	24 48	74 08	—33 28
फलासिया	24 15	73 24	—36 24
बावलवाडा	24 08	73 24	—36 24
बेदला	24 40	73 39	—35 24
भिडर	24 30	74 13	—33 08
भीम	25 40	74 10	—33 20
भाटेवर	24 37	74 02	—33 52
धरियावद	24 07	74 27	—32 12
मानपुर	24 15	73 18	—36 48
आमेट	25 20	73 57	—34 12
कोटडा	24 22	73 10	—37 20

नगर/कस्बा का नाम राजस्थान	अक्षांश उत्तर अं क.	रेखांश पूर्व अ क	भा स्टे टा से अन्तर मि.से
डूगरपुर के कुछ गांवो के—अक्षाश रेखाश (**Approximate**)			
भीलूडा	23 36	74 03	—33 48
सागवाडा	23 40	74 05	—33 40
गलियाकोट	23 24	74 09	—33 24
सिमलवाडा	23 33	73 55	—34 20
पीठ	23 32	73 57	—34 12
धम्बोला	23 34	73 57	—34 12
चीखली	23 25	74 09	—33 24
आतरी	23 44	74 00	—34 00
ठाकरडा	23 42	74 11	—33 16
सूरजगाव	23 43	74 16	—32 56
पाडवा	23 44	74 15	—33 00
बनकोडा	23 48	74 13	—33 08
आसपुर	23 58	74 03	—33 48
गणेशपुर	23 55	74 09	—33 24
साबला	23 51	74 27	—32 12
बिछीवाडा	23 44	74 43	—35 08
निठाउवा	23 53	74 28	—32 08
कोलखडा	23 46	74 10	—33 20
खडगदा	23 35	74 06	—33 36
धोटाद	23 37	74 04	—33 44
बांसवाडा के कुछ गांवों के अक्षाश रेखाश (**Approximate**)			
तलवाडा	23 32	74 18	—32 48
कुआला	23 33	74 13	—33 08
बागीदोरा	23 21	74 13	—33 08
गढी	23 31	74 07	—33 32
परतापुर	23 34	74 09	—33 24
धांटोल	23 42	74 24	—32 24
कलिंजरा	23 17	74 18	—32 48
पालोदा	23 21	74 02	—33 52
भूखिया	23 19	73 59	—34 04

नगर/कस्बा का नाम	अक्षाश उत्तर अं क	रेखाश पूर्व अ क	भा स्टे. टा से अन्तर मि से
जौलाना	23 29	74 00	−34 00
छीच	23 24	74 15	−33 00
अरथूना	23 25	74 04	−33 44
नौगामा	23 23	74 13	−33 08
दानपुर	23 29	74 43	−31 08
सरवन	23 28	74 42	−31 12
भूंगडा	23 37	74 25	−32 20
बडोदिया	23 14	74 25	−32 20
डूगरा	23 07	74 15	−33 00
कुशलगढ	23 08	74 27	−32 12
हिम्मतगढ	23 04	74 20	−32 40
सज्जनगढ	23 13	74 12	−33 12
पीपलखूट	23 43	74 37	−31 32
मोटागांव	23 43	74 13	−33 08
लोहारिया	23 40	74 14	−33 04
मेतवाला	23 39	74 08	−33 28
टामटिया	23 35	74 30	−32 00
खादू	23 23	74 32	−31 52
22 सिक्किम			
गंगटोक	27 20	88 40	+24 40
टूमलोंग	27 28	88 40	+24 40
23 हरियाणा			
अम्बाला	30 21	76 52	−22 32
एलेनाबाद	29 26	74 54	−30 24
करनाल	29 42	77 02	−21 52
कैथल	29 48	76 26	−24 16
गुडगांव	28 37	77 04	−21 44
जिद	29 19	76 23	−24 28
थानेसर	29 58	76 56	−22 16

नगर/कस्बा का नाम	अक्षांश उत्तर अं. क	रेखाश पूर्व अ क	भा स्टे. टा से अन्तर मि से.
नारनोल	28 02	76 14	—25 04
पटौदी	28 18	76 48	—22 48
पानीपत	29 23	77 01	—21 56
पेबोवा	29 57	76 37	—23 32
फतेहाबाद	29 31	75 30	—28 00
फरीदाबाद	28 25	77 22	—20 32
फिरोजपुर जर्का	27 47	76 59	—22 04
भिवानी	28 46	76 18	—24 48
रनिया	29 28	74 54	—30 24
रेवाडी	28 12	76 40	—23 20
रोडी	29 44	75 17	—28 52
रोहतक	28 54	76 38	—23 28
लाडवा	29 59	77 05	—21 40
लोहारु	28 16	75 45	—27 00
शाहावाद	30 10	76 55	—22 20
सिरसा	29 32	75 07	—29 32
हांसी	29 06	76 00	—26 00
हिसार	29 10	75 46	—26 56
24 हिमाचलप्रदेश			
कसौली	30 53	77 01	—21 56
कागडा	32 05	76 18	—24 48
कोटखई	31 08	77 36	—19 36
चम्बा	32 29	76 10	—25 20
छाब्रोली	30 18	77 27	—20 12
ज्वालामुखी	31 53	76 22	—24 32
जोगिन्दरनगर	31 50	76 45	—23 00
डागशाई	30 53	77 06	—21 36
धर्मशाला	32 16	76 23	—24 28
नगरोटा	32 07	76 23	—24 28

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम	अक्षांश उत्तर अ क	रेखाश पूर्व अ क.	भा स्टे टा से अन्तर मि से
नलगढ	30 57	76 22	—24 32
नाहन	30 33	77 21	—20 36
नूरपुर	32 18	75 56	—26 16
बनेड	31 30	76 55	—22 20
बिलासपुर	31 19	76 50	—22 40
मेडी	31 43	76 58	—22 08
योल	32 11	76 23	—24 28
रामपुर	31 26	77 38	—19 28
शिमला	31 06	77 13	—21 08
सोलन	30 55	77 09	—21 24
25 त्रिपुरा	23 45	91 30	+36 00
अगरतला	23 50	91 25	+35 40
कैलाशहर	24 22	92 00	+38 00
उदयपुर	23 31	91 31	+36 04
26 दिल्ली			
दिल्ली	28 38	77 12	—21 12
1 टिमापुर (पी ओ)	28 43	77 09	—21 24
2 सब्जीमंडी	28 41	77 08	—21 28
3 चांदनीचोक	28 40	77 10	—21 20
4 न्यू देहली	28 39	77 10	—21 20
5 केन्टोमेंट	28 37	77 05	—21 40
27 अंडमान निकोबार			
पोर्टब्लेयर	11 40	92 46	+41 04
28 दादरानगर हवेली	20 10	72 50	—38 40
सिलवासा	20 12	73 00	—38 00
29 दमन,दियु			
दमन	20 25	72 53	—38 28
दियु	20 42	71 01	—45 56

भारतीय प्रान्त

नगर/कस्बा का नाम	अक्षाश उत्तर अं. क	रेखाश पूर्व अं क	भा स्टे टा से अन्तर मि से.
30 पांडिचेरी			
कोराईकल	10 55	79 52	—10 32
पाडिचेरी	11 56	79 53	—10 28
31 लक्षद्वीप			
कवरती	10 24	72 25	—40 20

ब. भारत के पडौसी देश

नगर/कस्बा का नाम	अक्षाश उत्तर अं. क	रेखाश पूर्व अं क	भा स्टे टा से अन्तर मि से.
1 नेपाल			
काठमंडू	27 42	85 12	+10 48
जोगवानी	26 24	87 15	+19 00
धानकुटा	27 08	87 19	+19 16
विराटनगर	26 35	87 20	+19 20
अमलेखगज	27 15	85 00	+10 00
भाटगांव	27 39	85 22	+11 28
गुर्खा	27 55	84 30	+08 00
जुमला	29 17	82 13	—01 08
कुसमा	28 16	83 40	+04 40
मुक्तिनाथ	28 54	83 49	+05 16
नेपालगंज	27 59	81 40	—03 20
पोखरा	28 17	83 58	—05 52
सेलिआना	28 24	82 15	—01 00
सिलगढी	29 12	81 06	—05 36
धोलागिरि	29 11	83 00	+02 00
रुकुमकोट	28 34	82 40	+00 40
2 भूटान			
थिम्फ	27 32	89 53	+29 32

भारतीय के पडौसी देश

नगर / कस्बा का नाम	अक्षाश उत्तर अ क	रेखाश पूर्व अं क	भा स्टे. टा से. अन्तर मि से
धीरांगजोग	27 24	92 18	+39 12
पारो	27 24	89 14	+26 56
पुनाखा	27 36	89 50	+29 20
दीवानगिरि	26 51	91 27	+35 48
3 श्रीलंका			
अनुराधापुरा	8 22	80 23	—08 28
वंदरवेला	6 52	80 58	—06 08
बेट्टीकलोआ	7 43	81 44	—03 04
कोलम्बो	6 56	79 56	—10 16
दोन्द्राहेड	5 55	80 55	—06 20
गाले	6 01	80 14	—09 04
जाफना	9 17	79 57	—10 12
काके संतुराय	9 51	80 05	—09 40
केन्डी	7 18	80 40	—07 20
करातीवो	8 22	79 52	—10 32
कथिरावेली	8 13	81 23	—04 28
केगल्ला	7 15	80 20	—08 40
कुरुनेगाला	7 31	80 22	—08 32
माताले	7 28	80 37	—07 32
मातरा	5 57	80 33	—07 48
मोरातुआ	6 53	79 56	—10 16
मुल्लाईत्तिवु	9 16	80 48	—06 48
पिटुरुतालागाला	7 00	80 46	—06 56
पुट्टालम	8 02	79 50	—10 40
रतनपुरा	6 42	80 24	—08 24
तलाईमन्नार	9 10	79 40	—11 20
ट्रिंकोमाली	8 33	81 15	—05 00

भारतीय के पड़ौसी देश

नगर / कस्बा का नाम	अक्षाश उत्तर अ क.	रेखाश पूर्व अ क	भा स्टे टा.से. अन्तर मि से
4 पाकिस्तान	टाइम स्टे टा	जोन रेखांश	+05 00 75 E
अबोटाबाद	34 09	73 15	—07 00
अम्ब	34 20	72 52	—08 32
अटोक	33 53	72 17	—10 52
बहावलपुर	28 24	71 47	—12 52
बन्नू	33 00	70 39	—17 24
बरखान	29 56	96 38	—21 28
भाक्कर	31 38	71 06	—15 36
बोलनदर्रा	29 40	67 36	—29 36
बोस्टन	30 28	67 00	—32 00
चकदरा	34 40	72 06	—11 36
चकवाल	32 56	72 54	—08 24
चरसदा	34 08	71 46	—12 56
चुनियन	30 58	74 01	—03 56
दरबारां कलां	31 43	70 22	—18 32
दस्का	32 17	74 24	—02 24
डेरा बुगती	29 02	68 56	—24 16
डेरा ईस्माईल खा	31 51	70 56	—16 16
डेरागाजीखां	30 04	70 49	—16 44
दीपालपुर	30 38	73 34	—05 44
दीर	35 18	71 59	—12 04
द्रीग	24 52	67 07	—31 32
दुकी	30 10	68 35	—25 40
फोर्ट मुनरो	29 55	70 03	—19 48
फोर्ट साडेमन	31 20	96 31	—21 56
हला	25 49	68 28	—26 08
हंगा	33 32	71 06	—15 36
जेकोवावाद	28 17	68 29	—26 04
जालो	31 31	74 30	—02 00

भारतीय के पडौसी देश

नगर/कस्बा का नाम	अक्षाश उत्तर अ क	रेखाश पूर्व अ क	भा स्टे टा से अन्तर मि.से.
पाकिस्तान			
जयपुर	29 39	70 38	—17 28
जमरुद	34 02	71 24	—14 24
जौहराबाद	32 16	72 17	—10 52
जंग मंगीयाना	31 16	72 22	—10 32
हडप्पा	30 35	72 58	—08 08
हरिपुर	34 00	72 58	—08 08
हिन्दूबाग	30 50	67 52	—28 32
	25 25	68 38	—25 28
इस्लामाबाद	33 44	73 10	—07 20
कहान	29 18	68 57	—24 12
	32 05	69 53	—20 28
कालाबाग	32 58	71 36	—13 36
कलात	25 21	64 03	—43 48
करांची	24 51	67 04	—31 44
खैरपुर	29 34	72 17	—10 52
खानगढ़	29 55	71 12	—15 12
खानपुर	28 30	70 40	—17 20
कुलाची	31 56	70 30	—18 00
क्वेटा	30 12	62 02	—31 56
कोहलू	29 57	69 20	—22 40
लाहोर	31 37	74 26	—02 16
लांडाकोटा	34 09	71 08	—15 28
लरकाना	27 33	68 15	—27 00
लिह	30 58	70 58	—16 08
लियाकतबाद	32 17	71 24	—14 24
लायलपुर	31 44	73 05	—07 40
मनसेहरा	34 20	73 15	—07 00
मंजई	32 12	70 15	—19 00
मर्दान	34 10	72 03	—11 48
मेहर	27 11	67 52	—28 32
मियानी	32 32	73 08	—07 28

भारतीय के पड़ौसी देश

नगर / कस्बा का नाम पाकिस्तान	अक्षाश उत्तर अ क	रेखांश पूर्व अ क	भा स्टे टा से अन्तर मि से
मिरपुर खास	25 33	69 05	—23 40
मोट गोमरी	30 58	73 21	—06 36
मुलतान	30 12	71 31	—13 56
मूरी	33 55	73 27	—06 12
मूसा खेलबाजार	30 53	69 54	—20 24
मुजफ्फरगढ	30 05	71 14	—15 04
नारोवल	32 06	74 55	—00 20
	28 24	68 28	—26 08
नौशेरा	26 51	68 08	—27 28
नवाबशाह	26 08	68 28	—26 08
पहाडपुर	32 07	71 02	—15 52
पचनादबेरेज	29 18	71 02	—15 52
पेशावर	34 02	71 37	—13 32
पोकल	34 51	73 06	—07 36
राजनपुर	28 36	70 13	—19 08
रावलपिडी	33 37	73 06	—07 36
सहिवाल	31 58	72 22	—10 32
साकेसर	32 33	72 02	—11 52
शरकपुर	31 27	74 06	—03 36
शेखुपुरा	31 30	74 00	—04 00
सजावी	30 17	68 24	—26 24
शूजावाद	29 53	71 20	—18 40
सियालकोट	32 31	74 36	—01 36
सुक्कुर	27 42	68 55	—24 20
उमरकोट	25 22	69 47	—20 52
वजीराबाद	32 27	74 10	—02 40
वजीरीस्तान	33 00	70 00	—20 00
जाफरवाल	32 22	74 24	—02 24

भारतीय के पड़ौसी देश

नगर/कस्बा का नाम	अक्षाश उत्तर अ. क	रेखाश पूर्व अ क	भा स्टे टा से अन्तर मि से
5 बग्लादेश	टाइम स्टे टा	जोन रेखाश	+06 00 90 00
बारीसल	22 42	90 22	+01 28
बोगरा	24 51	89 23	—02 28
चादपुर	23 14	90 38	+02 32
चित्तागोंग	22 21	91 50	+07 20
कोमिल्ला	23 28	91 12	+04 48
कोक्सबाजार	21 27	92 00	+08 00
ढाका	23 42	90 25	+01 40
दीनाजपुर	25 40	88 38	—05 28
फरीदपुर	23 36	89 51	—00 36
गैनन्दा	25 22	89 33	—01 48
गोलून्डो	23 49	89 45	—01 00
इशुरदी	24 08	89 05	—03 40
जेस्सोर	23 08	89 12	—03 12
खुलना	22 48	89 35	—01 40
कुश्तीया	23 55	89 07	—03 32
मैमनसिंग	24 45	90 24	+01 36
नारायणगज	23 38	90 30	+02 00
नाटोर	24 25	89 02	—03 52
नेट्राकोना	24 53	90 45	+03 00
नोआखली	22 48	91 06	+04 24
पबना	24 01	89 16	—02 56
पार्वतीपुर	25 40	88 53	—04 28
राजशाही	24 23	88 35	—05 40
रगपुर	25 45	89 18	—02 48
साताहर	24 48	89 00	—04 00
सिराजगंज	24 27	89 44	—01 04
सिल्हट	24 55	91 52	+07 28
तगैल	24 13	89 55	—00 20

स भारतीय स्टेण्डर्ड टाइम सबधी कुछ आवश्यक जानकारी–

(1) भारत मे सर्वत्र जुलाई 1905 से स्टेण्डर्ड टाइम प्रचलित है। द्वितीय विश्वयुद्ध के समय दिनाक 1सितम्बर 1942 से 14 अक्टूम्बर 1945 तक 1 घंटा जोडकर नया स्टे टा करने मे आया था। उस परिवर्तन को निरस्त कर 15 अक्टूम्बर 1945 से स्टे टा पूर्ववत् प्रचलित है।

(2) कलकत्ता मे पहले भा स्टे टा +23 मिनिट फास्ट कलकत्ता का स्थानीय समय चलता था। उसे दिनांक 1 अक्टूम्बर 1941 से 15मई 1942 तक भा. स्टे टा. से +1 घटा और जी एम टी से घ 6/मि 30 काम चलाऊ रखा गया। तत्पश्चात् 15मई'42 से 1सितम्बर'42 तक भा. स्टे. टा के अनुसार और 1 सितम्बर'42 से 1 सितम्बर 47' तक पुन +6 घटे 30 मिनिट (जी.एम.टी से आगे) परिवर्तित करने मे आया जो विभाजन के पश्चात् 1 सितम्बर 1947 से पुराने भारतीय स्टेण्डर्ड टाइम +5 घंटा 30 मिनिट (जी.एम.टी से) समस्त पश्चिमी बगाल मे प्रचलित है।

(3) आसाम मे 1 नवम्बर 1941 से और बिहार में 1सितम्बर'41 से 15/5/42 और 1 9 42 से 15 10 45 तक जी एम.टी से 6 30 था। शेष समय में भा स्टे टा. +5 30 था जो वर्तमान मे प्रचलित है।

(4) पाकिस्तान सरकार ने दिनाक 1.10.1951 से पश्चिमी पाकिस्तान मे + 4/30 स्टे टा 67 30 रेखांश के लिये निश्चित किया। तथा पूर्व पाकिस्तान (बांग्लादेश) के लिये रेखाश 90° का +6 घंटा निश्चित कर आधा घटा फास्ट किया हुआ है। 15 54 से तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान के लिए +5 घंटा अर्थात् ,पूर्व रेखांश 75° का स्टे टा मान्य रखा है।

(5) कच्छ प्रात मे पहले भुज मे कच्छी टाइम स्टे. टा. से 51 मिनिट स्लो का नियम था। उसे भुज के टॉवर को 1 9'42 से स्टे टा. मे बदलने में आया। लेकिन गांवों मे लगभग संवत् 2006 अर्थात् 1950 से भा स्टे. टा. प्रचलित है।

1(1) विश्व के मुख्य नगरों के अक्षांश रेखांश एवं रेखांतर–

नगर	देश	अक्षांश N=उत्तर S=दक्षिण	रेखांश E = पूर्व W=पश्चिम	स्टे टा रेखांश अं क	रेखांतर मि से	भा स्टे टा से अंतर घ मि
अक्याब	बर्मा	20 29 N	92 55 E	97 30 E	–18 20	–1 00
अक्रा	घाना	5 31 N	0 15 W	00 00	–1 00	+5 30
अदन	यमन	12 45 N	45 04 E	45 00 E	+0 16	+2 30
अदीस अबाबा	इथियोपिया	9 02 N	38 44 E	45 00 E	–25 04	+2 30
अलेकजेन्ड्रिया	मिश्र	31 12 N	29 53 E	30 00 E	–0 28	+3 30
अकारा	तुर्की	39 57 N	32 54 E	30 00 E	+11 36	+3 30
ऑकलेड	न्यूजीलैंड	36 52 S	174 42 E	180 00 E	–21 12	–6 30
इस्तम्बुल	तुर्की	41 00 N	29 00 E	30 00 E	–4 00	+3 30
एडिनबर्ग	स्काटलैण्ड	55 56 N	3 11 W	0 00	–12 44	+5 30
एथेन्स	युनान	37 54 N	23 52 E	30 00 E	–24 32	+3 30
एमस्टर्डम	नैदरलैडज (हालेड)	52 22 N	4 53 E	15 00 E	–40 28	+4 30
ओटावा	केनेडा	45 24 N	75 43 W	75 00 W	–2 52	+10 30
ओस्लो	नोर्वे	59 54 N	10 45 E	15 00 E	–17 00	+4 30
ओसाका	जापान	34 40 N	135 30 E	135 00 E	+2 00	–3 30
कदहार	अफगानिस्तान	31 32 N	65 30 E	67 30 E	–8 00	+1 00
क्यूबेक	केनेडा	46 48 N	71 13 W	75 00 W	+15 08	+10 30
क्यांगचू	चीन	23 06 N	113 16 E	120 00 E	–26 56	–2 30
काबुल	अफगानिस्तान	34 33 N	69 12 E	67 30 E	+6 48	+1 00
काहिरा	मिश्र	30 08 N	31 34 E	30 00 E	+6 16	+3 30
कुआलालम्पुर	मलेशिया	3 09 N	101 43 E	112 30 E	–43 08	–2 00
कुवैत	कुवैत	29 30 N	47 45 E	45 00 E	+11 00	+2 30
केन्टोन	चीन	23 11 N	113 14 E	120 00 E	–27 04	–2 30
केनबरा	ऑस्ट्रेलिया	35 19 S	149 00 E	150 00 E	–4 00	–4 30
केपटाउन	द अफ्रिका	33 56 S	18 29 E	30 00 E	–46 04	+3 30
कोपनहेगन	डेनमार्क	55 40 N	12 30 E	15 00 E	–10 00	+4 30
खार्तूम	सूडान	15 35 N	32 35 E	30 00 E	+10 20	+3 30
ग्लासगो	स्कॉटलैंड	55 52 N	4 15 W	0 00	–17 00	+5 30

1 (डी) विश्व के मुख्य नगर

नगर	देश	अक्षांश N=उत्तर S=दक्षिण	रेखांश E = पूर्व W=पश्चिम	स्टे टा रेखांश अ क	रेखांतर मि से	भा स्टे टा से अंतर घ मि
ग्रिनवीच	इग्लैड	51 29 N	0 00	0 00	−0 00	+5 30
जकार्ता	इडोनेशिया	6 16 S	106 53 E	105 0 E	+7 32	−1 30
ज्यूरिच	स्विट्जरलैंड	47 26 N	8 22 E	15 00 E	−26 32	+4 30
जिनीवा	स्विट्जरलैंड	46 12 N	6 09 E	15 00 E	−35 24	+4 30
जेरुशलम	इजरायल	31 46 N	35 14 E	30 00 E	+20 56	+3 30
त्रिपोली	लिबीया	32 45 N	13 15 E	15 00 E	−7 00	+4 30
टोक्यो	जापान	35 40 N	139 33 E	135 00 E	+18 12	−3 30
टोरेन्टो	केनेडा	43 39 N	79 23 W	75 00 W	−17 32	+10 30
डाडी	स्कॉटलैंड	56 29 N	3 00 W	0 00	−12 00	+5 30
डबलिन	आयरलैंड	53 20 N	6 15 W	15 00 E	−85 00	+4 30
डरबन	नाताल	29 52 S	31 00 E	30 00 E	+4 00	+3 30
ताइपी	ताईवान	23 30 N	121 00 E	120 00 E	+4 00	−2 30
ताशकद	रुस	41 20 N	69 18 E	90 00 E	−82 48	−0 30
तेहरान	ईरान	35 41 N	51 26 E	52 30 E	−4 16	+2 00
दमश्क	सिरिया	33 30 N	36 14 E	30 00 E	+24 56	+3 30
दार–ए–सालम	तजानिया	6 50 S	39 17 E	45 00 E	−22 52	+2 30
न्यु केसल	इग्लैड	52 27 N	9 04 W	0 00	−36 16	+5 30
न्युयॉर्क	यू एस ए	40 43 N	74 00 W	75 00 W	+4 00	+10 30
नामपेन्ह	कम्बोडिया	11 35 N	104 57 W	105 00 E	−0 12	−1 30
नेपल्स	इरली	40 52 N	14 15 E	15 00 E	−3 00	+4 30
नैरोबी	केन्या	1 18 S	36 52 E	45 00 E	−32 32	+2 30
पर्थ	ऑस्ट्रेलिया	32 00 S	115 50 E	120 00 E	−16 40	−2 30
पेगू	बर्मा	17 20 N	96 29 E	97 30 E	−4 04	−1 00
पेनाग	मलेशिया	5 25 N	100 14 E	112 30 E	−39 04	−2 00
पेरिस	फास	48 50 N	2 20 E	15 00 E	−50 40	+4 30
प्राग	जेकोस्लोवाकिया	50 05 N	14 24 E	15 00 E	−2 24	+4 30
प्रोम	बर्मा	18 47 N	95 15 E	97 30 E	−9 00	−1 00
फिलाडेल्फिया	यू एस ए	39 58 N	75 17 W	75 00 W	−1 08	+10 30
बकीघम	इग्लैड	52 00 N	1 00 W	0 00	−4 00	+5 30
बर्निघम	इग्लैड	52 30 N	1 50 W	0 00	−7 20	+5 30

(ई) समर टाइम सम्बधी आवश्यक जानकारी

समर टाइम की अवधि

(1) ब्रिटिश समर टाइम (जब घडी का समय ग्रीन वीच टाइम से प्रात 2 बजे से + 1 घटा आगे रहा –

1	19 अप्रेल 1936 से	4 अक्टूबर तक	
2	18 अप्रेल 1937 से	3 अक्टूबर तक	
3	10 अप्रेल 1938 से	2 अक्टूबर तक	
4	16 अप्रेल 1939 से	19 नवम्बर तक	
5	26 फरवरी 1940 से 31 दिसम्बर तक		
6	1941 से 1944 तक पूरे वर्ष		
7	2 अप्रेल 1945 से	7 अक्टूबर तक	(+ 1 घंटा)
8	14 अप्रेल 1946 से	6 अक्टूबर तक	(+ 1 घटा)
9	16 मार्च 1947 से	2 नवम्बर तक	(+ 1 घंटा)
10.	14 मार्च 1948 से	31 अक्टूबर	(+ 1 घंटा)
11	3 अप्रेल 1949 से	30 अक्टूबर	(+ 1 घंटा)
12	16 अप्रेल 1950 से	22 अक्टूबर	(+ 1 घंटा)
13	15 अप्रेल 1951 से	21 अक्टूबर	(+ 1 घटा)
14	20 अप्रेल 1952 से	26 अक्टूबर	(+ 1 घटा)
15	19 अप्रेल 1953 से	4 अक्टूबर	(+ 1 घंटा)
16	11 अप्रेल 1954 से	3 अक्टूबर	(+ 1 घटा)
17	17 अप्रेल 1955 से	2 अक्टूबर	(+ 1 घंटा)
18	22 अप्रेल 1956 से	7 अक्टूबर	(+ 1 घंटा)
19	14 अप्रेल 1957 से	6 अक्टूबर	(+ 1 घंटा)
20	20 अप्रेल 1958 से	5 अक्टूबर	(+ 1 घंटा)
21	19 अप्रेल 1959 से	4 अक्टूबर	(+ 1 घंटा)
22.	10 अप्रेल 1960 से	2 अक्टूबर	(+ 1 घटा)
23	26 मार्च 1961 से	29 अक्टूबर	(+ 1 घंटा)
24	25 मार्च 1962 से	28 अक्टूबर	(+ 1 घटा)
25	31 मार्च 1963 से	27 अक्टूबर	(+ 1 घटा)
26	22 मार्च 1964 से	25 अक्टूबर	(+ 1 घंटा)
27	21 मार्च 1965 से	24 अक्टूबर	(+ 1 घंटा)
28	20 मार्च 1966 से	23 अक्टूबर	(+ 1 घटा)
29	19 मार्च 1967 से	29 अक्टूबर	(+ 1 घंटा)
30	18 फरवरी 1968 से31 दिसम्बर		(+ 1 घटा)

(ई) समर टाइम

31. 1979–70 पूरे वर्ष भर (+ 1 घंटा)

32. 1971 मे	31 अक्टूबर तक	(+ 1 घटा)
33 19 मार्च 72 से	29 अक्टूबर	(+ 1 घटा)
34 18 मार्च 73 से	28 अक्टूबर	(+ 1 घंटा)
35 17 मार्च 74 से	27 अक्टूबर	(+ 1 घटा)
36 16 मार्च 75 से	26 अक्टूबर	(+ 1 घंटा)
37. 21 मार्च 1976 से	24 अक्टूबर	(+ 1 घंटा)
38 20 मार्च 1978 से	23 अक्टूबर	(+ 1 घटा)
39 19 मार्च 1978 से	29 अक्टूबर	(+ 1 घंटा)
40 18 मार्च 1979 से	28 अक्टूबर	(+ 1 घटा)
41 16 मार्च 1980 से	26 अक्टूबर	(+ 1 घटा)

42 1981 से आगे ब्रिटिश समर टाईम ग्रीनवीच मेरिडियन टाईम + 1घं

मार्च के अंतिम रविवार के प्रात. 1 बजे से अक्टूबर के चौथे शनिवार के बाद के दिन के प्रात. 1 बजे तक रखा गया है ।

29 मार्च 1981 से	25 अक्टूबर	(+ 1 घटा)
28 मार्च 1982 से	24 अक्टूबर	(+ 1 घटा)
27 मार्च 1983 से	23 अक्टूबर	(+ 1 घंटा)
25 मार्च 1984 से	28 अक्टूबर	(+ 1 घटा)
31 मार्च 1985 से	27 अक्टूबर	(+ 1 घटा)

निम्नांकित वर्षों मे डबल समर टाईम रखा गया था ।(+ 2 घंटा)

4	मई	1941 से	10	अगस्त तक
5	अप्रेल	1942 से	9	अगस्त तक
4	अप्रेल	1943 से	15	अगस्त तक
2	अप्रेल	1944 से	17	सितम्बर तक
2	अप्रेल	1945 से	15	जुलाई
13	अप्रेल	1947 से	10	अगस्त तक

2 उत्तरी अमेरिका मे (यू.एस ए.,केनेडा,मेक्सिका) निम्नाकित स्टे टा. स्वीकार किये गये हैं।

	सामान्य	ग्रीष्म ऋतु में
1 अटलांटिक टाईम	–4 घं AST	–3 घं ADT
2 इस्टर्न टाईम	–5 घ EST	–4 घ EDT

(ई) समर टाइम

	सामान्य	ग्रीष्म ऋतु म
`3 सेन्ट्रल टाईम	–6 घं CST	–5 घं CDT
4 माउन्टेन टाईम	–7 घ MST	–6 घ MDT
5 पेसिफिक टाईम	–8 घं PST	–7 घं PDT

न्यूयोर्क, वाशिंगटन D.C. , फिलाडेल्फिया, बोस्टन क्वीवेक, टोरेन्टो, ऑटावा, मोन्ट्रियल आदि इस्टर्न टाइम जोन मे आते है। भा स्टे टा इस जोन के सामान्य स्टे टा से 10.30 घंटे आगे रहता है।

समर टाइम या डे लाइट सेविंग टाइम अप्रेल के अन्तिम रविवार के प्रातः 2 बजे से प्रारंभ कर अक्टूबर के अन्तिम रविवार के प्रातः 2 बजे समाप्त कर दिया जाता है। इस अवधि में घड़ियाँ 1 घंटा आगे रखी जाती है।

यूरोपीय देशो ने जैसे कि आयरिश रिपब्लिक, फ्रांस, बेल्जियम, पुर्तगाल, स्पेन आदि ने GMT को स्टेण्डर्ड टाइम के रुप मे माना था लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध के समय उनकी घडियो मे +1 घंटा आगे डे लाइट सेविग के उद्देश्य से ब्रिटेन की तरह किया गया था। वह प्रणाली अभी भी इन देशो में चालू हैं। यद्यपि ब्रिटेन ने उस समय के पश्चात पुन.GMT को अपना लिया हैं । केवल समर टाइम में ही +1 GMT समय घड़ियों मे किया जाता हैं।

रुस में जो स्टेण्डर्ड टाइम अपनाया गया है उसमें +3 घंटे से +13 घंटे तक की भिन्नता है।

2 खगौलिक अक्षांश संस्कार सारिणी

अक्षाश	खगौलिक सस्कार कला	अक्षाश विकला	अक्षाश	खगौलिक सस्कार कला	अक्षाश विकला	अक्षाश	खगौलिक सस्कार कला	अक्षाश विकला
1	0	24	24	8	34	47	11	31
2	0	48	25	8	50	48	11	29
3	1	12	26	9	05	49	11	26
4	1	36	27	9	19	50	11	23
5	2	00	28.	9	33	51	11	18
6	2	24	29.	9	46	52	11	13
7	2	47	30	9	59	53	11	07
8	3	10	31.	10	11	54	11	20
9	3	33	32.	10	22	55	10	52
10	3	56	33	10	32	56	10	43
11	4	18	34.	10	42	57	10	34
12	4	41	35.	10	50	58	10	24
13.	5	03	36	10	58	59	10	13
14	5	24	37	11	05	60	10	01
15	5	45	38.	11	12	61	9	49
16	6	06	39	11	17	62	9	35
17	6	26	40.	11	22	63.	9	22
18	6	46	41.	11	26	64	9	07
19	7	05	42.	11	29	65	8	52
20	7	24	43.	11	31	66	8	36
21	7	42	44.	11	32	67.	8	20
22	8	00	45	11	33	68	8	02
23	8	17	46	11	32	69	7	45

नोट:–

(1) चूंकि पृथ्वी पूर्णतः गोल नही है। इसलिए उसके 90° अक्षाश उत्तर एव 90° अक्षाश दक्षिण कुल 180° अक्षांश के भाग भी एक समान नही हो सकते। इन भागो का यह अंतर 45° अक्षांश से आगे बहुत अधिक होता है। लग्न साधन ,ग्रहण–साधन आदि में भौगोलिक अक्षाश मे यह सस्कार करने पर जो अक्षाश प्राप्त होते है वे संबंधित स्थल के सूक्ष्म अक्षाश होते है।

(2) स्थल अक्षांश उत्तर हो या दक्षिण हो लेकिन उक्त संस्कार सर्वदा ऋण ही होगा।

(3) शून्य अक्षांश में कोई संस्कार नहीं होता।

काल से सबधित सारिणियों के उपयोग की विधि–

सारिणी –1

सबसे पहले बालक के जन्म दिनाक और महीने के अनुसार सापातिक काल के घटे मिनिट और सैकण्ड लीजिये

सारिणी –2

सारिणी –1 मे प्राप्त घटे मिनिट और सेकण्ड मे जन्म के सन् के अनुसार + या – मिनट सेकण्ड का सस्कार कीजिए। यदि वर्ष सामान्य है अर्थात् लीप इयर नही है तो उक्त सस्कार जनवरी से दिसम्बर तक वही रहेगा। लेकिन यदि जन्म का सन् लीप इयर हो तो सारिणी –2 का सस्कार जनवरी व फरवरी तक ही करना पडेगा।

सारिणी –3

यदि जन्म का महीना लीप इयर के मार्च से दिसम्बर तक का है तो सारिणी –3 मे दिये गये लीप इयर के सामने अकित सस्कार सारिणी 1 से प्राप्त सा काल के घटे मिनिट और सैकण्ड में करना पडेगा। लेकिन यदि जनवरी या फरवरी का महीना है तो उसमें सारिणी –2 का उपयोग किया जायेगा।

सारिणी –4

सारिणी 1 से प्राप्त और सारिणी 2 या 3 से संस्कारित सां. काल में जन्म स्थल के रेखांश के अनुसार + या – का सेकण्ड संस्कार करने पर जन्म स्थान का सां. काल प्राप्त होगा यह सा काल उस स्थल के 0 00 बजे का होगा।

सारिणी –5

जन्म के स्थानीय समय के घटे मिनिट के अनुसार दैनिक गति कोष्ठक से मिनिट, सेकण्ड लेकर उन्हे उक्त स्थानीय समय के घंटे मिनिट सेकण्ड मे जोडने पर जो योगफल प्राप्त हो उसमें उक्त सारिणी 4 से प्राप्त 0 00 बजे के इष्ट स्थल के सां काल को जोडने पर इष्ट सापातिक काल प्राप्त होगा।यदि योगफल 24 घंटे से अधिक हो तो 24 घंटे (उक्त योगफल मे से) घटाने पर जो घंटे मिनिट सेकण्ड शेष रहते है वही उत्तर अक्षाश के देशो में उत्पन्न जातक का इष्ट सांपातिक काल होगा। यदि जातक का जन्म दक्षिण अक्षाश के देश में हुआ है तो उक्त इष्ट सापातिक काल में 12 घंटे जोड़ने पर प्राप्त योगफल इष्ट सां काल होगा। यदि यह योगफल 24 घंटे से अधिक हो तो –24 घंटे घटाने पर प्राप्त योगफल इष्ट सापातिक काल होगा।

3 सापातिक काल

सारिणी.1

सापातिक काल सन् 1900 और रेखाश 82 30
(0 00 बजे का स्थानीय मध्यम समय)

दिनाक	जनवरी			फरवरी			मार्च			अप्रेल			मई			जून		
	घ	मि	से	घ	मि	से	घ	मि	से	घ	मि	से	घ	मि	से	घ	मि	से
1	6	39	50	08	42	04	10	32	27	12	34	41	14	32	57	16	35	10
2	6	43	47	08	46	00	10	36	24	12	38	37	14	36	54	16	39	07
3	6	47	44	08	49	57	10	40	20	12	42	34	14	40	50	16	43	04
4	6	51	40	08	53	53	10	44	17	12	46	30	14	44	47	16	47	00
5	6	55	37	08	57	50	10	48	14	12	50	27	14	48	43	16	50	57
6	6	59	33	09	01	47	10	52	10	12	54	23	14	52	40	16	54	53
7	7	03	30	09	05	43	10	56	07	12	58	20	14	56	37	16	58	50
8	7	07	26	09	09	40	11	00	03	13	02	16	15	00	33	17	02	46
9	7	11	32	09	13	36	11	04	00	13	06	13	15	04	30	17	06	43
10	7	15	20	09	17	33	11	07	56	13	10	10	15	08	26	17	10	39
11	7	19	26	09	21	29	11	11	53	13	14	06	15	12	23	17	14	36
12	7	23	13	09	25	26	11	15	49	13	18	03	15	16	19	17	18	33
13	7	27	09	09	29	22	11	19	46	13	21	59	15	20	16	17	22	29
14	7	31	06	09	33	19	11	23	43	13	25	56	15	24	12	17	26	26
15	7	35	02	09	37	16	11	27	39	13	29	52	15	28	09	17	30	22
16	7	38	59	09	41	12	11	31	36	13	33	49	15	32	06	17	34	19
17	7	42	55	09	45	09	11	35	32	13	37	45	15	36	02	17	38	15
18	7	46	52	09	49	05	11	39	29	13	41	42	15	39	58	17	42	12
19	7	50	49	09	53	02	11	43	25	13	45	39	15	43	55	17	46	08
20	7	54	45	09	56	58	11	47	22	13	49	35	15	47	52	17	50	05
21	7	58	42	10	00	55	11	51	18	13	53	32	15	51	48	17	54	02
22	8	02	38	10	04	51	11	55	15	13	57	28	15	55	45	17	57	58
23	8	06	35	10	08	48	11	59	12	14	01	25	15	59	41	18	01	55
24	8	10	31	10	12	45	12	03	08	14	05	21	16	03	38	18	05	51
25	8	14	28	10	16	41	12	07	05	14	09	18	16	07	35	18	09	48
26	8	18	24	10	20	38	12	11	01	14	13	14	16	11	31	18	13	44
27	8	22	21	10	24	34	12	14	58	14	17	11	16	15	28	18	17	41
28	8	26	18	10	28	31	12	18	54	14	21	08	16	19	24	18	21	37
29	8	30	14	10	32	27	12	22	51	14	25	04	16	23	21	18	25	34
30	8	34	11	—	—	—	12	26	47	14	29	01	16	27	17	18	29	31
31	8	39	07	—	—	—	12	30	44	—	—	—	16	31	14	—	—	—

3 सांपातिक काल

सारिणी 1

सापातिक काल सन् 1900 और रेखाश 82 30 (0.00 बजे का स्थानीय मध्यम समय)

दिनांक	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
	घ मि से	घ मि से	घ. मि से	घ मि से	घ मि. से.	घ. मि से.
1	18 33 27	20 35 40	22 37 54	0 36 10	2 38 23	4 36 40
2	18 37 24	20 39 37	22 41 50	0 40 07	2 42 20	4 40 37
3	18 41 20	20 43 33	22 45 47	0 44 03	2 46 16	4 44 33
4	18 45 17	20 47 30	22 49 43	0 48 00	2 50 13	4 48 30
5	18 49 13	20 51 27	22 53 40	0 51 56	2 54 10	4 52 26
6	18 53 10	20 55 23	22 57 36	0 55 53	2 58 06	4 56 23
7	18 57 06	20 59 20	23 01 33	0 59 50	3 02 03	5 00 19
8	19 01 03	21 03 16	23 05 29	1 03 46	3 05 59	5 04 16
9	19 05 00	21 07 13	23 09 26	1 07 43	3 09 56	5 08 12
10	19 08 56	21 11 09	23 13 23	1 11 39	3 13 52	5 12 09
11	19 12 53	21 15 06	23 17 19	1 15 36	3 17 49	5 16 06
12	19 16 49	21 19 02	23 21 16	1 19 32	3 21 45	5 20 02
13	19 20 46	21 22 59	23 25 12	1 23 29	3 25 42	5 23 59
14	19 24 42	21 26 56	23 29 09	1 27 25	3 29 39	5 27 55
15	19 28 39	21 30 52	23 33 05	1 31 22	3 35 35	5 31 52
16	19 32 33	21 34 49	23 37 02	1 35 18	3 37 32	5 35 48
17	19 36 32	21 38 45	23 40 58	1 39 15	3 41 28	5 39 45
18	19 40 29	21 42 42	23 44 55	1 43 12	3 45 25	5 43 41
19	19 44 25	21 46 38	23 48 52	1 47 08	3 49 21	5 47 38
20	19 48 22	21 50 35	23 52 48	1 51 05	3 53 18	5 51 35
21	19 52 81	21 54 31	23 56 45	1 55 01	3 57 14	5 55 31
22	19 56 15	21 58 28	00 00 41	1 58 58	4 01 11	5 59 28
23	20 00 11	22 02 25	00 04 38	2 02 54	4 05 08	6 03 24
24	20 04 08	22 06 21	00 08 34	2 06 51	4 09 04	6 07 21
25	20 08 04	22 10 18	00 12 31	2 10 47	4 13 01	6 11 17
26	20 12 01	22 14 14	00 16 27	2 14 44	4 16 57	6 15 14
27	20 15 58	22 18 11	00 20 24	2 18 41	4 20 54	6 19 10
28	20 19 54	22 22 07	00 24 21	2 22 37	4 24 50	6 23 07
29	20 23 51	22 26 04	00 28 17	2 26 34	4 28 47	6 27 04
30	20 27 47	22 30 00	00 32 14	2 30 30	4 32 43	6 31 00
31	20 31 44	22 33 57	00 00 00	2 34 27	0 00 00	6 34 57

3 सांपातिक काल

सारिणी −2 सापातिक काल सन् संस्कार सारिणी
(लिप−इयर के जनवरी फरवरी तक और सामान्य पूरा वर्ष)

सन्	सस्कार मि से	सन्	सस्कार मि.से	सन्	सस्कार मि से.	सन्	सस्कार मि से.	सन्	सस्कार मि से
1901	−0 57	1933	+0 01	1965	+1 00	1997	+1 59	2029	+2 59
1902	−1 55	1934	−0 36	1966	+0 03	1998	+1 02	2030	+2 02
1903	−2 52	1935	−1 53	1967	−0 54	1999	+0 05	2031	+1 04
1904	−3 49	1936	−2 50	1968	−1 51	2000	−0.52	2032	+0 07
1905	−0 50	1937	+0 09	1969	+1 08	2001	+2 07	2033	+3 07
1906	−1 48	1938	−0 49	1970	+0 10	2002	+1 10	2034	+2 10
1907	−2 45	1939	−1 46	1971	−0 47	2003	+0 13	2035	+1 12
1908	−3 42	1940	−2 43	1972	−1.44	2004	−0 45	2036	+0 15
1909	−0 43	1941	+0 16	1973	+1.15	2005	+2 15	2037	+3 14
1910	−1 40	1942	−0 41	1974	+0 18	2006	+1 18	2038	+2 17
1911	−2 38	1943	−1 38	1975	−0.39	2007	+0 21	2039	+1 19
1912	−3 35	1944	−2 36	1976	−1 36	2008	−0 37	2040	+0 22
1913	−0 36	1945	+0 24	1977	+1.23	2009	+2 22	2041	+3 21
1914	−1.33	1946	−0 34	1978	+0 25	2010	+1.25	2042	+2 24
1915	−2 30	1947	−1.31	1979	−0.32	2011	+0.28	2043	+1 26
1916	−3 27	1948	−2.28	1980	−0.29	2012	−0 30	2044	+0 29
1917	−0 28	1949	+0 31	1981	+1.30	2013	+2 30	2045	+3 29
1918	−1 25	1950	−0.26	1982	+0.33	2014	+1 33	2046	+2 32
1919	−2 23	1951	−1 24	1983	−0.25	2015	+0 35	2047	+1 34
1920	−3.20	1952	−2 21	1984	−1.22	2016	−0.22	2048	+0 37
1921	−0.21	1953	+0 38	1985	+1.37	2017	+2 37	2049	+3 36
1922	−1.18	1954	−.019	1986	+0.40	2018	+1 40	2050	+2 39
1923	−2.15	1955	−1 16	1987	−0.17	2019	+0 42	2051	+1 41
1924	−3 12	1956	−2 13	1988	−1.14	2020	−0 15		
1925	−0 13	1957	+0 46	1989	+1.45	2021	+2 44		
1926	−1 11	1958	− 012	1990	+0 47	2022	+1.47		
1927	−2 08	1959	−1 09	1991	−0.10	2023	+0.49		
1928	−3 05	1960	−2 06	1992	−0.07	2024	−0 08		
1929	−0 06	1961	+0 53	1993	+1.52	2025	+2 52		
1930	−1.03	1962	−0 04	1994	+0.55	2026	+1 55		
1931	−2 01	1963	−1 02	1995	−0.03	2027	+0 57		
1932	−2 58	1964	−1 59	1996	−1.00	2028	0 00		

3 सांपातिक काल

सारिणी –3

लिप इयर सा. का. संस्कार
(मार्च से दिसम्बर)

सन्	सा कासं मि से	सन्	सा. का स मि से
1904	+0 07	1980	+2 28
1908	+0 14	1984	+2.35
1912	+0.22	1988	+2.42
1916	+0 29	1992	+2 50
1920	+0.37	1996	+2.57
1924	+0.44	2000	+3 05
1928	+0 51	2004	+3 12
1932	+0 59	2008	+3 19
1936	+1 06	2012	+3 27
1940	+1 13	2016	+3.34
1944	+1.21	2020	+3.41
1948	+1.28	2024	+3.49
1952	+1.36	2028	+3.56
1956	+1.43	2032	+4.04
1960	+1 51	2036	+4.11
1964	+1 58	2040	+4.18
1968	+2.05	2044	+4.26
1972	+2 13	2048	+4.33
1976	+2.20		

3 सांपातिक काल

सारिणी–4

सा काल स्थल सस्कार–

पश्चिमी रेखाश	सस्कार सेकैंड	पश्चि रेखाश	स सेकैंड	पश्चि रेखाश	स से	पश्चि. रेखाश	स से	पश्चि रेखाश	स से
179 52	+172	149 27	+152	100 45	+120	52 04	+88	3 22	+56
178 81	+171	147 55	+151	99 14	+119	50 32	+87	1 51	+55
176 50	+170	146 24	+150	97 43	+118	49 01	+86	0.19	+54
175 19	+169	144 53	+149	96 11	+117	47 30	+85	पूर्व रेखाश	सस्कार से
173 48	+168	143 22	+148	94 40	+116	45 58	+84	1 51	+53
172 16	+167	141 50	+147	93 09	+115	44 27	+83	3 22	+52
170 45	+166	140 19	+146	91 37	+114	42 56	+82	4 53	+51
169 14	+165	138 48	+145	90 06	+113	41 24	+81	6 25	+50
167 42	+164	132 16	+144	88 35	+112	39 53	+80	7.56	+49
166 11	+163	135 45	+143	87 03	+111	38 22	+79	9 27	+48
164 40	+162	134 14	+142	85 32	+110	36.51	+78	10 58	+47
163 08	+161	132 42	+141	84 01	+109	35 19	+77	12 30	+46
161 37	+160	131 11	+140	82 30	+108	33 48	+76	14 01	+45
160 06	+159	129.40	+139	80 58	+107	32 17	+75	15 32	+44
158 35	+158	128 09	+138	79 27	+106	30 45	+74	17 04	+43
157 03	+157	126 37	+137	77 56	+105	29.14	+73	18 35	+42
155 35	+156	125 06	+136	76 24	+104	27.43	+72	20 06	+41
154 01	+155	123 35	+135	74 53	+103	26 11	+71	21 38	+40
152 29	+154	122.03	+134	73.22	+102	24 40	+70	23 09	+39
150 58	+153	120 32	+133	71 50	+101	23 09	+69	24 40	+38
		119 01	+132	70 19	+100	21 38	+68	26 11	+37
		117 29	+131	68 48	+99	20 06	+67	27 43	+36
		115 58	+130	67 17	+98	18 35	+66	29 14	+35
		114 27	+129	65 45	+97	17 04	+65	30 45	+34
		112 56	+128	64 14	+96	15 32	+64	32 17	+33
		111 24	+127	62 43	+95	14 01	+63	33 48	+32
		109 53	+126	61 11	+94	12 30	+62	35 19	+31
		108 22	+125	59 40	+93	10 58	+61	36 51	+30
		106 50	+124	58 09	+92	9.27	+60	38 22	+29
		105 19	+123	56 37	+91	7.56	+59	39 53	+28
		103 48	+122	55 06	+90	6 25	+58	41 24	+27
		102 16	+121	53 35	+89	4 53	+57	42 56	+26

3 सांपातिक काल

सारिणी —4
सापातिक काल स्थल सस्कार

पूर्व रेखाश	स से	पूर्व रेखाश	स से	पूर्व रेखाश	स से
44 27	+25	93 09	—07	141 50	—39
45 58	+24	94.40	—08	143.22	—40
47 30	+23	96 11	—09	144 53	—41
49 01	+22	97 43	—10	146 24	—42
50 32	+21	99 14	—11	147 55	—43
52 04	+20	100 45	—12	149 27	—44
53 35	+19	102 16	—13	150.58	—45
55 06	+18	103 48	—14	152 29	—46
56 37	+17	105.19	—15	154.01	—47
58 09	+16	106 50	—16	155 32	—48
59.40	+15	108 22	—17	157 03	—49
61.11	+14	109 53	—18	158 35	—50
62 43	+13	111 24	—19	160 06	—51
64.14	+12	112.56	—20	161.37	—52
65.45	+11	114 27	—21	163 08	—53
67.17	+10	115.58	—22	164 40	—54
68 48	+9	117.29	—23	166 11	—55
70.19	+8	119.01	—24	167 42	—56
71.50	+7	120.32	—25	169 14	—57
73.22	+6	122 03	—26	170.45	—58
74.53	+5	123.35	—27	172 16	—59
76 24	+4	125.06	—28	173.48	—60
77.56	+3	126.37	—29	175 19	—61
79.27	+2	128 09	—30	176.50	—62
80 58	+1	129 40	—31	178.21	—63
82 30	+00	131 11	—32	179 52	—64
84.01	—01	132 42	—33		
85.32	—02	134.14	—34		
87 03	—03	135 45	—35		
88.35	—04	137 16	—36		
90.06	—05	138 48	—37		
91 37	—06	140 19	—38		

3 सांपातिक काल

सारिणी —5

सांपातिक काल दैनिक गति

घटा	गति मि से	मिनट	गति से प्र से	मिनट	गति से. प्र से
1	0 10	1	0.10	33	5.25
2	0.20	2	0.20	34	5 35
3	0 30	3	0.30	35	5 45
4	0 39	4	0 39	36	5 55
5	0.49	5	0 49	37	6 05
6	0 59	6	1 59	38	6 15
7	1 09	7	1 09	39	6.24
8	1 19	8	1.19	40	6 34
9	1 29	9	1.29	41	6 44
10	1.39	10	1.39	42	6 54
11	1 48	11	1 48	43	7 04
12	1 58	12	1 58	44	7.14
13	2.08	13	2 08	45	7.24
14	2.18	14	2 18	46	7 33
15	2.28	15	2.28	47	7 43
16	2.38	16	2 38	48	7 53
17	2 48	17	2 48	49	8 03
18	2.57	18	2 57	50	8 13
19	3 07	19	3.07	51	8.23
20	3.17	20	3 17	52	8.33
21	3.27	21	3.27	53	8 42
22	3.37	22	3 37	54	8 52
23	3 47	23	3 47	55	9 02
24	3 57	24	3 57	56	9 12
		25	4 06	57	9 22
		26	4 16	58	9 32
		27	4 26	59	9 42
		28	4 36	60	9 51
		29	4 46		
		30	4 56		
		31	5 06		
		32	5 15		

4. अयनांश

सारिणी – 1

प्रत्येक सन् की 1 जनवरी का मध्यम अयनांश –

सन्	अं क वि	सन्	अं क वि
1900	22 27 38	1930	22 52 46
1901	22 28 28	1931	22 53 36
1902	22 29 18	1932	22 54 26
1903	22 30 09	1933	22 55 16
1904	22 30 59	1934	22 56 07
1905	22 31 49	1935	22 56 57
1906	22 32 39	1936	22 57 47
1907	22 33 30	1937	22 58 37
1908	22 34 20	1938	22 59 28
1909	22 35 10	1939	23 00 18
1910	22 36 00	1940	23 01 08
1911	22 36 51	1941	23 01 58
1912	22 37 41	1942	23 02 49
1913	22 38 31	1943	23 03 39
1914	22 39 22	1944	23 04 29
1915	22 40 12	1945	23 05 19
1916	22 41 02	1946	23 06 10
1917	22 41 52	1947	23 07 00
1918	22 42 43	1948	23 7 50
1919	22 43 33	1949	23 8 41
1920	22 44 23	1950	23 9 31
1921	22 45 13	1951	23 10 21
1922	22 46 04	1952	23 11 11
1923	22 46 54	1953	23 12 02
1924	22 47 44	1954	23 12 52
1925	22 48 34	1955	23 13 42
1926	22 49 25	1956	23 14 32
1927	22 50 15	1957	23 15 23
1928	22 51 05	1958	23 16 13
1929	22 51 55	1959	23 17 03

4. अयनांश

सारिणी – 1

प्रत्येक सन् की 1 जनवरी का मध्यम अयनांश

सन्	अ	क	वि	सन्	अ	क	वि
1960	23	17	53	1991	23	43	51
1961	23	18	44	1992	23	44	42
1962	23	19	34	1993	23	45	32
1963	23	20	24	1994	23	46	22
1964	23	21	14	1995	23	47	13
1965	23	22	05	1996	23	48	03
1966	23	22	55	1997	23	48	53
1967	23	23	45	1998	23	49	44
1968	23	24	35	1999	23	50	34
1969	23	25	26	2000	23	51	24
1970	23	26	16	2001	23	52	14
1971	23	27	06	2002	23	53	05
1972	23	27	56	2003	23	53	55
1973	23	28	47	2004	23	54	45
1974	23	29	37	2005	23	55	35
1975	23	30	27	2006	23	56	26
1976	23	31	17	2007	23	57	16
1977	23	32	08	2008	23	58	06
1978	23	32	58	2009	23	58	56
1979	23	33	48	2010	23	59	47
1980	23	34	38	2011	24	00	37
1981	23	35	29	2012	24	01	27
1982	23	36	19	2013	24	02	17
1983	23	37	09	2014	24	03	08
1984	23	37	59	2015	24	03	58
1985	23	38	50	2016	24	04	48
1986	23	39	40	2017	24	05	38
1987	23	40	30	2018	24	06	29
1988	23	41	20	2019	24	07	19
1989	23	42	11	2020	24	08	09
1990	23	43	01	2021	24	08	59

4. अयनाश

सारिणी – 1

प्रत्येक सन् की 1 जनवरी का मध्यम अयनांश –

सन्	अ	क	वि	सन्	अ	क	वि
2022	24	09	50	2037	24	22	23
2023	24	10	40	2038	24	23	14
2024	24	11	30	2039	24	24	04
2025	24	12	20	2040	24	24	54
2026	24	13	11	2041	24	25	44
2027	24	14	01	2042	24	26	35
2028	24	14	51	2043	24	27	25
2029	24	15	41	2044	24	28	16
2030	24	16	32	2045	24	29	06
2031	24	17	22	2046	24	29	56
2032	24	18	12	2047	24	30	47
2033	24	19	02	2048	24	31	37
2034	24	19	53	2049	24	32	27
2035	24	20	43	2050	24	33	18
2036	24	21	33	2051	24	34	08

सारिणी – 2 अयनांश दैनिक गति कोष्ठक (विकला में)

दिनांक	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
1	0	4	8	12	16	20	25	29	33	37	42	46
2	0	4	8	12	16	21	25	29	33	37	42	46
3	0	4	8	12	16	21	25	29	33	38	42	46
4	0	4	8	12	17	21	25	29	34	38	42	46
5	0	5	8	13	17	21	25	29	34	38	42	46
6	0	5	8	13	17	21	25	30	34	38	42	46
7	1	5	9	13	17	21	25	30	34	38	42	46
8	1	5	9	13	17	21	26	30	34	38	42	47
9	1	5	9	13	17	22	26	30	34	38	43	47
10	1	5	9	13	17	22	26	30	34	38	43	47

सारिणी – 2 अयनांश दैनिक गति कोष्ठक (विकला मे)

दिनांक	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
11	1	5	9	13	18	22	26	30	34	39	43	47
12	1	5	9	14	18	22	26	30	35	39	43	47
13	1	6	9	14	18	22	26	30	35	39	43	47
14	1	6	10	14	18	22	26	31	35	39	43	47
15	2	6	10	14	18	22	26	31	35	39	43	48
16	2	6	10	14	18	23	27	31	35	39	44	48
17	2	6	10	14	18	23	27	31	35	39	44	48
18	2	6	10	14	19	23	27	31	35	40	44	48
19	2	6	10	15	19	23	27	31	36	40	44	48
20	2	7	10	15	19	23	27	31	36	40	44	48
21	2	7	11	15	19	23	27	32	36	40	44	48
22	3	7	11	15	19	23	28	32	36	40	45	49
23	3	7	11	15	19	24	28	32	36	40	45	49
24	3	7	11	15	19	24	28	32	36	40	45	49
25	3	7	11	15	19	24	28	32	36	41	45	49
26	3	7	11	15	20	24	28	32	37	41	45	49
27	3	7	11	16	20	24	28	33	37	41	45	49
28	3	8	11	16	20	24	28	33	37	41	45	49
29	3	8	12	16	20	24	28	33	37	41	45	49
30	4	x	12	16	20	24	29	33	37	41	45	50
31	4	x	12	x	20	x	29	33	x	41	x	50

4. अयनांश

सारिणी – 3 राहु दैनिक मध्यम गति

दिनाक	राहु गति अ क	घटा	राहु गति क वि
1	0 00	1	0.07
2	0 03	2	0.15
3	0 06	3	0.22
4	0 10	4	0.30
5	0 13	5	0.37
6	0 16	6	0.45
7	0 19	7	0.52
8	0 22	8	1.00
9	0 25	9	1.07
10	0 29	10	1.15
11	0 32	11	1.22
12	0 35	12	1.30
13	0 38	13	1.37
14	0 41	14	1.45
15	0 44	15	1.52
16	0 48	16	2.00
17	0 51	17	2.07
18	0 54	18	2.15
19	0 57	19	2.22
20	1 00	20	2.30
21	1 04	21	2.37
22	1 07	22	2.45
23	1 10	23	2.52
24	1 13	24	3.00
25	1 16		
26	1 19		
27	1 23		
28	1 26		
29	1 29		
30	1 32		
31	1 35		

4. अयनांश

सारिणी – 4 स्पष्ट अयनाश के लिए राहु सस्कार – (विकला मे)					
राहु रा अ	विकला	राहु रा अ.	विकला	राहु रा अ	विकला
11.7	-0	4.03	-10	7.02	+14
11.10	-1	4.07	-9	7.07	+15
11.13	-2	4.11	-8	7.22	+16
11.16	-3	4.15	-7	8.07	+17
11.19	-4	4.19	-6	8.22	+16
11.22	-5	4.22	-5	9.07	+15
11.25	-6	4.25	-4	9.12	+14
11.29	-7	4.28	-3	9.17	+13
00.03	-8	5.01	-2	9.22	+12
00.07	-9	5.04	-1	9.27	+11
00.12	-10	5.07	0	10.02	+10
00.17	-11	5.10	+1	10.07	+9
00.22	-12	5.13	+2	10.11	+8
00.27	-13	5.16	+3	10.15	+7
01.02	-14	5.19	+4	1019	+6
01.07	-15	5.22	+5	10.22	+5
01.22	-16	5.25	+6	10.25	+4
02.07	-17	5.29	+7	10.28	+3
02.22	-16	6.03	+8	11.01	+2
03.07	-15	6.07	+9	11.04	+1
03.12	-14	6.12	+10		
03.17	-13	6.17	+11		
03.22	-12	6.22	+12		
03.27	-11	6.27	+13		

स्पंष्ट अयनांश की विधी –

सारिणी 1 से जन्म के सन् का मध्यम अयनांश में सारिणी 2 में से जन्म ता व माह के अनुसार विकला लेकर मध्यम अयनांश मे जोड दीजीए इस योगफल मे सारिणी 4 मे से स्पस्ट राहु की राश्यादि के अनुसार विकला + या – का संस्कार करने पर स्पष्ट अयनांश आता है ।

5 लग्न सारिणियाँ

(विषुवत वृत) शून्य अक्षाश (00 0′) की निरयन लग्न सारणी अयनाश 23°.15′ उपकरण–सापातिक काल (खगौलिक संस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	19 26 3	21 23 26	23 30 36	01 40 22	03 42 20	05 35 13
1.	19 29 49	21 27 31	23 34 57	01 44 36	03 46 14	05 38 53
2	19 33 36	21 31 37	23 38 18	01 48 49	03 50 06	05 42 34
3	19 37 23	21 35 43	23 43 39	01 53 02	03 53 58	05 46 15
4	19 41 10	21 39 52	23 48 01	01 57 14	03 57 49	05 49 54
5	19 44 58	21 44 00	23 52 22	02 01 26	04 01 40	05 53 35
6	19 48 47	21 48 09	23 56 44	02 05 36	04 05 30	05 57 15
7	19 52 36	21 52 18	00 01 06	02 09 46	04 09 20	06 00 55
8	19 56 25	21 56 29	00 05 27	02 13 56	04 13 08	06 04 35
9	20 00 16	22 00 40	00 09 49	02 18 04	04 16 56	06 08 15
10	20 04 07	22 04 52	00 14 10	02 22 12	04 20 44	06 11 56
11	20 07 58	22 09 04	00 18 31	02 26 19	04 24 31	06 15 36
12	20 11 50	22 13 17	00 22 53	02 30 26	04 28 18	06 19 16
13	20 15 42	22 17 30	00 27 15	02 34 33	04 32 05	06 22 56
14	20 19 36	22 21 45	00 31 35	02 38 37	04 35 50	06 26 38
15	20 23 30	22 25 29	00 35 55	02 42 41	04 39 35	06 30 19
16.	20 27 25	22 30 15	00 40 16	02 46 45	04 43 20	06 34 00
17	20 31 20	22 34 31	00 44 37	02 50 49	04 47 05	06 37 41
18	20 35 17	22 38 47	00 48 56	02 54 50	04 50 48	06 41 22
19	20 39 13	22 43 04	00 53 16	03 58 51	04 54 32	06 45 04
20.	20 43 11	22 47 21	00 57 35	03 02 52	04 58 15	06 48 46
21	20 47 09	22 51 39	01 01 54	03 06 52	05 01 58	06 52 28
22	20 51 08	22 55 57	01 06 12	03 10 51	05 05 41	06 56 10
23	20 55 07	23 00 15	01 10 30	03 14 50	05 09 24	06 59 52
24	20 59 08	23 04 35	01 14 48	03 18 48	05 13 05	07 03 36
25	21 03 09	23 08 54	01 19 05	03 22 45	05 16 47	07 07 20
26	21 07 11	23 13 14	01 23 21	03 26 41	05 20 29	07 11 04
27	21 11 13	23 17 34	01 27 37	03 30 39	05 24 11	07 14 48
28	21 15 17	23 21 54	01 31 53	03 34 32	05 27 51	07 18 32
29	21 19 21	23 26 15	01 36 08	03 38 27	05 31 32	07 22 17
30.	21 23 26	23 30 36	01 40 22	03 42 20	05 35 13	07 26 03

(विषुवत वृत) शून्य अक्षाश (00.0') की निरयन लग्न सारिणी अयनाश 23°.15' उपकरण–सांपातिक काल (खगौलिक संस्कार युत)

राशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
	6	7	8	9	10	11
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	07 26 03	09 23 26	11 30 36	13 40 22	15 42 20	17 35 13
1	07 29 49	09 27 31	11 34 57	13 44 36	15 46 14	17 38 53
2	07 33 36	09 31 37	11 39 18	13 48 49	15 50 06	17 42 34
3	07 37 23	09 35 43	11 43 39	13 53 02	15 53 58	17 46 15
4	07 41 10	09 39 52	11 48 01	13 57 14	15 57 49	17 49 54
5	07 44 58	09 44 00	11 52 22	14 01 26	16 01 40	17 53 35
6	07 48 47	09 48 09	11 56 44	14 05 36	16 05 30	17 57 15
7	07 52 36	09 52 18	12 01 06	14 09 46	16 09 20	18 00 55
8	07 56 25	09 56 29	12 05 28	14 13 36	16 13 08	18 04 35
9	08 00 16	10 00 40	12 09 49	14 18 04	16 16 56	18 08 15
10.	08 04 07	10 04 52	12 14 10	14 22 12	16 20 44	18 11 56
11	08 07 58	10 09 04	12 18 31	14 26 19	16 24 31	18 15 36
12	08 11 50	10 13 17	12 22 53	14 30 26	16 28 18	18 19 16
13	08 15 42	10 17 30	12 27 15	14 34 33	16 32 05	18 22 56
14	08 19 36	10 21 45	12 31 35	14 38 39	16 33 50	18 26 38
15	08 23 30	10 25 59	12 35 55	14 42 41	16 39 35	18 30 19
16	08 27 25	10 30 15	12 40 16	14 46 45	16 43 20	18 34 00
17	08 31 20	10 34 30	12 44 47	14 50 49	16 47 05	18 38 41
18	08 35 17	10 38 37	12 48 56	14 54 50	16 50 48	18 41 22
19	08 39 13	10 43 04	12 53 16	14 58 51	16 54 32	18 45 04
20	08 43 11	10 47 21	12 57 35	15 02 52	16 58 15	18 48 46
21	08 47 09	10 51 39	13 01 54	15 06 52	17 01 58	18 52 28
22	08 51 08	10 55 57	13 06 12	15 10 51	17 05 41	18 56 10
23	08 55 07	11 00 15	13 10 30	15 14 50	17 09 24	18 59 52
24	08 59 08	11 04 35	13 14 48	15 18 48	17 13 05	19 03 36
25	09 03 09	11 08 54	13 19 05	15 22 45	17 16 47	19 07 20
26	09 07 11	11 13 14	13 23 21	15 26 41	17 20 29	19 11 04
27	09 11 13	11 17 34	13 27 37	15 30 37	17 24 11	19 14 48
28	09 15 17	11 21 54	13 31 53	15 34 32	17 27 51	19 18 32
29	09 19 21	11 26 15	13 36 08	15 38 27	17 31 32	19 22 17
30	09 23 26	11 30 36	13 40 22	15 42 20	17 35 13	19 26 03

5 अक्षाश 01 की निरयन लग्न सारिणी (अयनाश 23° 15')
(उपकरण–सां का) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	19 25 25	21 22 05	23 28 53	1 38 48	3 41 22	5 35 01
1	19 29 09	21 26 09	23 33 13	1 43 03	3 45 16	5 38 43
2	19 32 54	21 30 14	23 37 34	1 47 17	3 49 10	5 42 25
3	19 36 40	21 34 20	23 41 55	1 51 30	3 53 03	5 46 07
4	19 40 25	21 38 27	23 46 16	1 55 43	3 56 56	5 49 48
5	19 44 12	21 42 34	23 50 38	1 59 56	4 00 48	5 53 31
6	19 47 59	21 46 42	23 55 00	2 04 07	4 04 40	5 57 14
7.	19 51 46	21 50 50	23 59 21	2 08 19	4 08 31	6 00 56
8	19 55 35	21 55 00	0 03 43	2 12 29	4 12 21	6 04 38
9	19 59 23	21 59 10	0 08 05	2 16 38	4 16 11	6 08 21
10	20 03 13	22 03 21	0 12 27	2 20 47	4 20 00	6 12 04
11	20 07 03	22 07 32	0 16 48	2 24 56	4 23 49	6 15 47
12	20 10 54	22 11 44	0 21 09	2 29 04	4 27 37	6 19 29
13	20 14 45	22 15 57	0 25 30	2 33 11	4 31 25	6 23 11
14	20 18 37	22 20 10	0 29 52	2 37 17	4 35 12	6 26 53
15	20 22 29	22 24 24	0 34 13	2 41 22	4 38 59	6 30 36
16	20 26 22	22 28 39	0 38 33	2 45 27	4 42 46	6 34 19
17	20 30 18	22 32 54	0 42 54	2 49 32	4 46 31	6 38 03
18	20 34 11	22 37 09	0 47 14	2 53 36	4 50 17	6 41 46
19.	20 38 07	22 41 26	0 51 34	2 57 37	4 54 02	6 45 30
20	20 42 03	22 45 42	0 55 54	3 01 39	4 57 47	6 49 14
21	20 46 00	22 49 59	1 00 13	3 05 40	5 01 32	6 52 58
22	20 49 58	22 54 17	1 04 32	3 09 41	5 05 16	6 56 42
23	20 53 56	22 58 35	1 08 51	3 13 41	5 09 00	7 00 25
24	20 57 55	23 02 54	1 13 09	3 17 41	5 12 44	7 04 10
25.	21 01 55	23 07 13	1 17 27	3 21 39	5 16 28	7 07 55
26	21 05 56	23 11 32	1 21 44	3 25 37	5 20 11	7 11 40
27	21 09 58	23 15 52	1 26 01	3 29 34	5 23 54	7 15 25
28	21 13 59	23 20 12	1 30 17	3 33 31	5 27 37	7 19 10
29	21 18 01	23 24 32	1 34 33	3 37 27	5 31 19	7 22 55
30	21 22 05	23 28 53	1 38 48	3 41 22	5 35 01	7 26 41

अक्षांश 01 की निरयन लग्न सारिणी (अयनाश 23°.15′)
(उपकरण–सां.का.) (खगौलिक अक्षाश सस्कार युत)

राशि अश	तुला 6 घ मि से	वृश्चिक 7 घ मि से	धनु 8 घ मि से	मकर 9 घ मि से	कुभ 10 घ मि से	मीन 11 घ मि से
0	7 26 41	9 24 46	11 32 19	13 41 57	15 43 19	17 35 24
1	7 30 29	9 28 53	11 36 40	13 46 10	15 47 11	17 39 03
2	7 34 17	9 33 00	11 41 02	13 50 22	15 51 02	17 42 42
3	7 38 06	9 37 07	11 45 23	13 54 03	15 54 51	17 46 21
4	7 41 54	9 41 17	11 49 44	13 58 45	15 58 42	17 50 00
5	7 45 44	9 45 26	11 54 06	14 02 55	16 02 31	17 53 39
6	7 49 34	9 49 36	11 58 28	14 07 05	16 06 19	17 57 17
7	7 53 25	9 53 47	12 02 50	14 11 14	16 10·07	18 00 56
8	7 57 16	9 57 28	12 07 12	14 15 22	16 13 54	18 04 36
9	8 01 08	10 02 10	12 11 33	14 19 30	16 17 41	18 08 15
10	8 05 00	10 06 22	12 15 54	14 23 37	16 21 27	18 11 54
11	8 08 53	10 10 35	12 20 15	14 27 43	16 25 13	18 15 33
12	8 12 47	10 14 49	12 24 36	14 31 48	16 28 58	18 19 12
13	8 16 41	10 19 04	12 28 57	14 35 52	16 32 43	18 22 51
14	8 20 36	10 23 19	12 33 18	14 39 57	16 36 27	18 26 30
15	8 24 31	10 27 35	12 37 38	14 44 00	16 40 11	18 30 09
16	8 28 27	10 31 51	12 41 58	14 48 03	16 43 54	18 33 49
17	8 32 24	10 36 08	12 45 57	14 52 04	16 47 36	18 37 29
18	8 36 22	10 40 25	12 50 37	14 56 05	16 51 20	18 41 09
19	8 40 20	10 44 42	12 54 56	15 00 05	16 55 02	18 44 48
20.	8 44 19	10 49 00	12 59 15	15 04 05	16 58 43	18 48 28
21	8 48 19	10 53 18	13 03 34	15 08 04	17 02 24	18 52 08
22	8 52 19	10 57 37	13 07 52	15 12 02	17 06 05	18 55 48
23	8 56 20	11 01 56	13 12 09	15 15 58	17 09 46	18 59 30
24	9 00 22	11 06 16	13 16 26	15 19 55	17 13 27	19 03 12
25.	9 04 24	11 10 36	13 20 43	15 23 51	17 17 07	19 06 53
26.	9 08 27	11 14 56	13 24 59	15 27 46	17 20 46	19 10 35
27.	9 12 31	11 19 17	13 29 14	15 31 40	17 24 26	19 14 18
28	9 16 35	11 23 37	13 33 29	15 35 34	17 28 06	19 17 59
29	9 20 40	11 27 58	13 37 43	15 39 27	17 31 45	19 21 42
30	9 24 46	11 32 19	13 41 57	15 43 19	17 35 24	19 25 25

5. उत्तर अक्षांश 2° की 23° 15′ अंयनाश की निरयन लग्न सारिणी उपकरण सां.का (खगौलिक सस्कार युत)

राशि अश	मेष 0 घ मि से	वृषभ 1 घ मि से	मिथुन 2 घ मि से	कर्क 3 घ मि से	सिह 4 घ मि से	कन्या 5 घ मि से
0	19 24 47	21 20 44	23 27 09	1 37 14	3 40 23	5 34 50
1.	19 28 30	21 24 47	23 31 29	1 41 29	3 44 19	5 38 34
2'	19 32 13	21 28 51	23 35 50	1 45 44	3 48 14	5 42 18
3	19 35 56	21 32 56	23 40 12	1 49 58	3 52 09	5 46 01
4	19 39 41	21 37 01	23 44 33	1 54 12	3 56 03	5 49 45
5	19 43 26	21 41 07	23 48 54	1 58 26	3 59 57	5 53 29
6	19 47 11	21 45 14	23 53 15	2 02 38	4 03 50	5 57 13
7	19 50 58	21 49 22	23 57 37	2 06 51	4 07 42	6 00 56
8	19 54 44	21 53 30	0 01 59	2 11 02	4 11 34	6 04 39
9.	19 58 31	21 57 39	0 06 20	2 15 13	4 15 26	6 08 23
10.	20 02 19	22 01 49	0 10 42	2 19 23	4 19 17	6 12 07
11	20 06 08	22 06 00	0 15 04	2 23 32	4 23 07	6 15 51
12	20 09 57	22 10 11	0 19 26	2 27 41	4 26 57	6 19 34
13	20 13 46	22 14 23	0 23 47	2 31 49	4 30 46	6 23 17
14.	20 17 37	22 18 35	0 28 08	2 35 57	4 34 35	6 27 02
15	20 21 28	22 22 48	0 32 30	2 40 03	4 38 24	6 30 46
16.	20 25 20	22 27 02	0 36 51	2 44 09	4 42 12	6 34 30
17	20 29 13	22 31 17	0 41 12	2 48 13	4 45 58	6 38 15
18	20 33 06	22 35 32	0 45 32	2 52 19	4 49 46	6 42 00
19.	20 37 00	22 39 47	0 49 53	2 56 23	4 53 33	6 45 45
20	20 40 55	22 44 03	0 54 13	3 00 27	4 57 20	6 49 30
21	20 44 50	22 48 20	0 58 33	3 04 29	5 01 06	6 53 15
22.	20 48 47	22 52 37	01 02 52	3 08 31	5 04 52	6 57 01
23.	20 52 44	22 56 55	01 07 11	3 12 32	5 08 38	7 00 47
24	20 56 41	23 01 13	01 11 30	3 16 33	5 12 23	7 04 33
25	21 00 40	23 05 31	01 15 49	3 20 33	5 16 08	7 08 20
26.	21 04 39	23 09 50	01 20 07	3 24 32	5 19 53	7 12 07
27.	21 08 39	23 14 10	01 24 24	3 28 31	5 23 38	7 15 55
28	21 12 40	23 18 29	01 28 41	3 32 29	5 27 22	7 19 42
29	21 16 42	23 22 49	01 32 58	3 36 26	5 31 06	7 23 30
30	21 20 44	23 27 09	01 37 14	3 40 23	5 34 50	7 27 19

5. उत्तर अक्षांश 2° की 23°.15′ अयनाश की निरयन लग्न सारिणी उपकरण सा.का (खगौलिक संस्कार युत)

राशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
	6	7	8	9	10	11
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	7 27 19	9 26 07	11 34 02	13 43 31	15 44 18	17 35 35
1	7 31 09	9 30 15	11 38 24	13 47 43	15 48 08	17 39 12
2	7 34 58	9 34 23	11 42 45	13 51 55	15 51 58	17 42 49
3	7 38 48	9 38 33	11 47 07	13 56 05	15 55 47	17 46 26
4	7 42 39	9 42 42	11 51 29	14 00 16	15 59 35	17 50 04
5	7 46 30	9 46 53	11 55 50	14 04 25	16 03 22	17 53 41
6	7 50 22	9 51 04	12 00 11	14 08 34	16 07 09	17 57 18
7	7 54 14	9 55 16	12 04 33	14 12 42	16 10 56	18 00 54
8	7 58 07	9 59 28	12 08 55	14 16 49	16 14 42	18 04 31
9	8 02 00	10 03 41	12 13 17	14 20 56	16 18 27	18 08 08
10	8 05 54	10 07 54	12 17 38	14 25 02	16 22 11	18 11 45
11	8 09 48	10 12 08	12 21 59	14 29 07	16 25 55	18 15 22
12	8 13 43	10 16 23	12 26 20	14 33 11	16 29 39	18 18 59
13	8 17 39	10 20 39	12 30 40	14 37 14	16 33 22	18 22 36
14	8 21 35	10 24 54	12 35 01	14 41 17	16 37 05	18 26 14
15	8 25 32	10 29 10	12 39 21	14 45 19	16 40 47	18 29 51
16	8 29 30	10 33 27	12 43 41	14 49 20	16 44 28	18 33 29
17	8 33 29	10 37 45	12 48 00	14 53 21	16 48 08	18 37 07
18.	8 37 27	10 42 02	12 52 19	14 57 21	16 51 50	18 40 45
19.	8 41 27	10 46 20	12 56 38	15 01 19	16 55 31	18 44 23
20	8 45 27	10 50 39	13 00 56	15 05 17	16 59 11	18 48 02
21	8 49 28	10 54 58	13 05 14	15 09 15	17 02 51	18 51 41
22	8 53 30	10 59 17	13 09 32	15 13 11	17 06 30	18 55 20
23	8 57 32	11 03 37	13 13 48	15 17 07	17 09 59	18 59 00
24	9 01 35	11 07 57	13 18 05	15 21 03	17 13 48	19 02 39
25	9 05 39	11 12 27	13 22 21	15 24 57	17 17 26	19 06 19
26	9 09 43	11 16 38	13 26 36	15 28 51	17 21 04	19 10 00
27	9 13 48	11 20 59	13 30 51	15 32 44	17 24 43	19 13 41
28	9 17 54	11 25 20	13 35 05	15 36 36	17 28 20	19 17 22
29	9 22 00	11 29 41	13 39 18	15 40 27	17 31 58	19 21 04
30	9 26 07	11 34 02	13 43 31	15 44 18	17 35 35	19 24 45

5 उत्तर अक्षांश 4° की (अयनाश 23°.15') की निरयन लग्न सारिणी उपकरण सा का. (खगौलिक संस्कार युत)

राशि अश	मेष 0 घ मि से	वृषभ 1 घ मि से	मिथुन 2 घ मि से	कर्क 3 घ मि से	सिंह 4 घ मि से	कन्या 5 घ मि से
0.	19 23 30	21 18 02	23 23 42	1 34 05	3 38 25	5 34 28
1	19 27 10	21 22 03	23 28 02	1 38 22	3 42 44	5 38 15
2	19 30 50	21 26 05	23 32 23	1 42 39	3 46 22	5 42 02
3.	19 34 30	21 30 07	23 36 43	1 46 55	3 50 20	5 45 49
4	19 38 11	21 34 10	23 41 04	1 51 10	3 54 17	5 49 36
5.	19 41 53	21 38 14	23 45 25	1 55 26	3 58 14	5 53 23
6.	19 45 36	21 42 19	23 49 47	1 59 40	4 02 10	5 57 10
7	19 49 19	21 46 25	23 54 08	2 03 55	4 06 05	6 0 57
8	19 53 02	21 50 31	23 58 30	2 08 08	4 10 00	6 04 43
9.	19 56 47	21 54 38	0 02 52	2 12 20	4 13 55	6 08 30
10	20 00 32	21 58 46	0 07 14	2 16 32	4 17 49	6 12 17
11	20 04 17	22 02 55	0 11 36	2 20 44	4 21 42	6 16 04
12	20 08 03	22 07 04	0 15 58	2 24 55	4 25 35	6 19 51
13	20 11 50	22 11 14	0 20 20	2 29 05	4 29 27	6 23 39
14.	20 15 38	22 15 25	0 24 42	2 33 16	4 33 20	6 27 26
15	20 19 26	22 19 37	0 29 04	2 37 25	4 37 12	6 31 13
16.	20 23 15	22 23 49	0 35 26	2 41 33	4 41 03	6 35 01
17	20 27 05	22 28 03	0 37 47	2 45 42	4 44 52	6 38 49
18	20 30 54	22 32 16	0 42 08	2 49 49	4 48 44	6 42 37
19.	20 34 46	22 36 30	0 46 30	2 53 55	4 52 35	6 46 25
20	20 38 38	22 40 45	0 50 51	2 58 01	4 56 25	6 50 13
21	20 42 31	22 45 00	0 55 12	3 02 06	5 00 14	6 54 02
22	20 46 25	22 49 16	0 59 32	3 06 11	5 04 03	6 57 51
23	20 50 20	22 53 32	1 03 52	3 10 15	5 07 52	7 01 40
24	20 54 14	22 57 50	1 08 13	3 14 18	5 11 41	7 05 30
25.	21 58 10	23 02 08	1 12 32	3 18 21	5 15 29	7 09 20
26	21 02 07	23 06 26	1 16 51	3 22 23	5 19 17	7 13 11
27	21 06 05	23 10 44	1 21 11	3 26 24	5 23 05	7 17 02
28	21 10 03	23 15 03	1 25 29	3 30 25	5 26 53	7 20 53
29	21 14 02	23 19 22	1 29 47	3 34 25	5 30 41	7 24 44
30	21 18 02	23 23 42	1 34 05	3 38 25	5 34 28	7 28 36

5. उत्तर अक्षांश 4° की (अयनाश 23°.15') की निरयन लग्न सारिणी उपकरण सा.का. (खगौलिक संस्कार युत)

राशि	तुला 6	वृश्चिक 7	धनु 8	मकर 9	कुभ 10	मीन 11
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	7 28 36	9 28 49	11 37 29	13 46 40	15 46 16	17 35 58
1	7 32 28	9 32 59	11 41 51	13 50 51	15 50 03	17 39 32
2	7 36 21	9 37 10	11 46 13	13 55 00	15 53 50	17 43 05
3	7 40 14	9 41 21	11 50 35	13 59 09	15 57 36	17 46 39
4	7 44 08	9 45 33	11 54 57	14 03 18	16 01 21	17 50 13
5	7 48 02	9 49 46	11 59 19	14 07 25	16 05 05	17 53 46
6	7 51 57	9 53 59	12 03 41	14 11 32	16 08 49	17 57 19
7	7 55 53	9 58 13	12 08 02	14 15 38	16 12 32	18 00 53
8	7 59 48	10 02 27	12 12 24	14 19 43	16 16 15	18 04 27
9	8 03 44	10 06 42	12 16 45	14 23 48	16 19 57	18 08 00
10	8 07 41	10 10 57	12 21 06	14 27 51	16 23 39	18 11 34
11	8 11 39	10 15 13	12 25 27	14 31 54	16 27 20	18 15 08
12	8 15 37	10 19 30	12 29 48	14 35 56	16 31 00	18 18 42
13	8 19 35	10 23 46	12 34 08	14 39 57	16 34 40	18 22 16
14	8 23 35	10 28 04	12 38 28	14 43 58	16 38 20	18 25 50
15	8 27 35	10 32 22	12 12 47	14 47 57	16 41 59	18 29 24
16	8 31 35	10 36 40	12 47 06	14 51 56	16 45 37	18 32 58
17	8 35 37	10 40 59	12 51 25	14 55 54	16 49 13	18 36 32
18	8 39 38	10 45 18	12 55 43	14 59 51	16 52 52	18 40 07
19	8 43 40	10 49 37	13 00 01	15 03 47	16 56 30	18 43 42
20	8 47 43	10 53 57	13 04 19	15 07 43	17 00 07	18 47 17
21	8 51 47	10 58 17	13 08 36	15 11 38	17 03 43	18 50 53
22	8 55 52	11 02 38	13 12 52	15 15 32	17 07 19	18 54 28
23.	8 59 56	11 06 59	13 17 07	15 19 25	17 10 54	18 58 06
24.	9 04 02	11 11 20	13 21 23	15 23 18	17 14 30	19 01 42
25	9 08 08	11 15 41	13 25 37	15 27 09	17 18 05	19 05 19
26	9 12 15	11 20 02	13 29 51	15 31 00	17 21 40	19 08 56
27	9 16 23	11 24 24	13 34 04	15 34 50	17 25 15	19 12 34
28	9 20 31	11 28 46	13 38 17	15 38 40	17 28 49	19 16 12
29	9 24 40	11 33 07	13 42 29	15 42 28	17 32 24	19 19 51
30	9 28 49	11 37 29	13 46 40	15 46 16	17 35 58	19 23 30

5. उत्तर अक्षांश 6° की (अयनाश 23° 15′) की निरयन लग्न सारिणी उपकरण सा.का. (खगौलिक सस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	19 22 13	21 15 19	23 20 14	1 30 55	3 36 26	5 34 05
1.	19 25 50	21 19 18	23 24 34	1 35 14	3 40 28	5 37 56
2	19 29 27	21 23 17	23 28 54	1 39 32	3 44 29	5 41 46
3.	19 33 04	21 27 18	23 33 14	1 43 50	3 48 30	5 45 36
4	19 36 42	21 31 18	23 37 35	1 48 07	3 52 30	5 49 27
5.	19 40 21	21 35 20	23 41 56	1 52 25	3 56 30	5 53 17
6	19 44 00	21 39 23	23 46 17	1 56 41	4 00 29	5 57 07
7	19 47 41	21 43 27	23 50 38	2 00 57	4 04 28	6 00 58
8	19 51 21	21 47 31	23 55 00	2 05 13	4 08 26	6 04 48
9.	19 55 02	21 51 36	23 59 22	2 09 28	4 12 24	6 08 38
10	19 58 43	21 55 42	0 03 44	2 13 42	4 16 21	6 12 28
11	20 02 26	21 59 49	0 08 07	2 17 56	4 20 18	6 16 18
12	20 06 09	22 03 57	0 12 29	2 22 09	4 24 14	6 20 09
13	20 09 53	22 08 06	0 16 51	2 26 22	4 28 09	6 24 00
14	20 13 38	22 12 15	0 21 14	2 30 34	4 32 05	6 27 50
15.	20 17 23	22 16 25	0 25 36	2 34 46	4 36 00	6 31 41
16	20 21 09	22 20 35	0 29 58	2 38 27	4 39 54	6 35 32
17	20 24 56	22 24 47	0 34 21	2 43 07	4 43 47	6 39 23
18	20 28 44	22 28 59	0 38 43	2 47 17	4 47 42	6 43 15
19	20 32 32	22 33 12	0 43 05	2 51 26	4 51 36	6 47 06
20.	20 36 21	22 37 25	0 47 27	2 55 34	4 55 29	6 50 58
21.	20 40 11	22 41 40	0 51 49	2 59 42	4 59 22	6 54 50
22	20 44 02	22 45 55	0 56 11	3 03 50	5 03 14	6 58 42
23.	20 47 54	22 50 10	1 00 33	3 07 56	5 06 56	7 02 35
24	20 51 46	22 54 26	1 04 54	3 12 02	5 10 58	7 06 28
25	20 55 40	23 58 42	1 09 15	3 16 08	5 14 50	7 10 21
26	20 59 34	23 03 00	1 13 35	3 20 13	5 18 41	7 14 15
27	21 03 30	23 07 18	1 17 56	3 24 17	5 22 32	7 18 09
28	21 07 25	23 11 36	1 22 16	3 28 21	5 26 23	7 22 03
29.	21 11 22	23 15 55	1 26 36	3 32 24	5 30 14	7 25 58
30.	21 15 19	23 20 14	1 30 55	3 36 26	5 34 05	7 29 53

उत्तर अक्षांश 6° की (अयनाश 23° 15′) की निरयन
सारिणी उपकरण–सां का (खगौलिक सस्कार युत)

राशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
	6	7	8	9	10	11
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	7 29 53	9 31 32	11 40 57	13 49 50	15 48 15	17 36 21
1	7 33 48	9 35 44	11 45 20	13 53 59	15 51 59	17 39 51
2	7 37 44	9 39 57	11 49 42	13 58 07	15 55 43	17 43 21
3	7 41 41	9 44 11	11 54 04	14 02 14	15 59 25	17 46 52
4	7 45 38	9 48 25	11 58 27	14 06 21	16 03 07	17 50 22
5	7 49 35	9 52 40	12 02 49	14 10 27	16 06 49	17 53 52
6	7 53 33	9 56 55	12 07 11	14 14 31	16 10 30	17 57 22
7	7 57 32	10 01 11	12 11 32	14 18 35	16 14 10	18 00 52
8	8 01 30	10 05 27	12 15 54	14 22 39	16 17 50	18 04 23
9	8 05 30	10 09 44	12 20 15	14 26 41	16 21 29	18 07 53
10.	8 09 30	10 14 01	12 24 36	14 30 42	16 25 07	18 11 23
11	8 13 30	10 18 19	12 28 56	14 34 43	16 28 45	18 14 53
12	8 17 31	10 22 37	12 33 16	14 38 42	16 32 22	18 18 24
13	8 21 32	10 26 56	12 37 36	14 42 41	16 35 59	18 21 55
14	8 25 35	10 31 15	12 41 56	14 46 40	16 39 35	18 25 25
15	8 29 38	10 35 34	12 46 15	14 50 37	16 43 11	18 28 56
16	8 33 41	10 39 54	12 50 53	14 54 33	16 46 46	18 32 27
17	8 37 46	10 44 15	12 54 51	14 58 28	16 50 21	18 35 59
18	8 41 50	10 48 35	12 59 09	15 02 23	16 53 55	18 39 30
19.	8 45 55	10 52 56	13 03 26	15 06 17	16 57 29	18 43 01
20	8 50 01	10 57 17	13 07 42	15 10 10	17 01 02	18 46 33
21	8 54 07	11 01 38	13 11 58	15 14 02	17 04 35	18 50 05
22	8 58 14	11 06 00	13 16 13	15 17 53	17 08 08	18 53 38
23	9 02 21	11 10 22	13 20 27	15 21 43	17 11 41	18 57 11
24	9 06 30	11 14 44	13 24 41	15 25 33	17 15 13	19 00 44
25	9 10 39	11 19 06	13 28 55	15 29 22	17 18 45	19 04 18
26	9 14 48	11 23 28	13 33 07	15 33 10	17 22 16	19 07 52
27	9 18 59	11 27 51	13 37 19	15 36 58	17 25 48	19 11 27
28	9 23 09	11 32 13	13 41 30	15 40 44	17 29 19	19 15 02
29	9 27 20	11 36 35	13 45 41	15 44 30	17 32 50	19 18 37
30	9 31 32	11 40 57	13 49 50	15 48 15	17 36 21	19 22 13

उत्तर अक्षांश 8° की (अंयनाश 23°.15') की निरयन
सांरिणी उपकरण–सां का (खगौलिक सस्कार युत)

राशि अश	मेष 0 घ मि से	वृषभ 1 घ मि से	मिथुन 2 घ मि से	कर्क 3 घ मि से	सिंह 4 घ मि से	कन्या 5 घ मि से
0.	19 20 56	21 12 35	23 16 44	1 27 43	3 34 27	5 33 42
1.	19 24 29	21 16 32	23 21 03	1 32 04	3 38 32	5 37 36
2	19 28 03	21 20 29	23 25 23	1 36 24	3 42 36	5 41 30
3	19 31 37	21 24 27	23 29 43	1 40 43	3 46 40	5 45 24
4.	19 35 12	21 28 25	23 34 03	1 45 03	3 50 43	5 49 17
5	19 38 47	21 32 25	23 38 24	1 49 22	3 54 46	5 53 11
6	19 42 23	21 36 26	23 42 45	1 53 40	3 58 48	5 57 05
7.	19 46 01	21 40 27	23 47 07	1 57 59	4 02 50	6 00 58
8	19 49 38	21 44 29	23 51 29	2 02 16	4 06 51	6 04 52
9	19 53 16	21 48 33	23 55 51	2 06 33	4 10 52	6 08 46
10	19 56 54	21 52 37	0 00 13	2 10 50	4 14 52	6 12 40
11	20 00 34	21 56 42	0 04 36	2 15 06	4 18 52	6 16 34
12	20 04 14	22 00 48	0 08 59	2 19 21	4 22 51	6 20 28
13	20 07 55	22 04 55	0 13 21	2 23 37	4 26 50	6 24 22
14	20 11 37	22 09 02	0 17 44	2 27 51	4 30 49	6 28 15
15	20 15 19	22 13 11	0 22 07	2 32 05	4 34 47	6 32 09
16	20 19 02	22 17 20	0 26 30	2 36 19	4 38 45	6 36 03
17.	20 22 47	22 21 30	0 30 54	2 40 31	4 42 41	6 39 58
18	20 26 31	22 25 40	0 35 16	2 44 44	4 46 39	6 43 53
19.	20 30 17	22 29 52	0 39 39	2 48 56	4 50 36	6 47 48
20	20 34 03	22 34 04	0 44 02	2 53 07	4 54 32	6 51 53
21.	20 37 51	22 38 17	0 48 25	2 57 17	4 58 28	6 55 38
22	20 41 39	22 42 31	0 52 48	3 01 27	5 02 24	6 59 34
23.	20 45 28	22 46 46	0 57 10	3 05 37	5 06 20	7 03 29
24	20 49 18	22 51 01	1 01 33	3 09 46	5 10 15	7 07 26
25	20 53 08	22 55 16	1 05 55	3 13 54	5 14 10	7 11 22
26	20 57 00	22 59 33	1 10 17	3 18 02	5 18 05	7 15 19
27	21 00 53	23 03 50	1 14 39	3 22 08	5 21 59	7 19 16
28	21 04 46	23 08 07	1 19 01	3 26 15	5 25 53	7 23 14
29	21 08 40	23 12 25	1 23 22	3 30 21	5 29 48	7 27 12
30	21 12 35	23 16 44	1 27 43	3 34 27	5 33 42	7 31 10

उत्तर अक्षाश 8° (अयनाश 23° 15′) की निरयन लग्न
सारिणी (उपकरण—सां का) (खगौलिक अक्षाश संस्कार युत)

राशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
	6	7	8	9	10	11
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	7 31 10	9 34 16	11 44 28	13 53 02	15 50 14	17 36 43
1	7 35 09	9 38 31	11 48 51	13 57 09	15 53 56	17 40 10
2	7 39 08	9 42 46	11 53 13	14 01 15	15 57 36	17 43 37
3	7 43 08	9 47 02	11 57 35	14 05 20	16 01 16	17 47 04
4	7 47 08	9 51 18	12 01 58	14 09 25	16 04 55	17 50 31
5	7 51 09	9 55 35	12 06 20	14 13 29	16 08 33	17 53 58
6	7 55 10	9 59 53	12 10 42	14 17 32	16 12 11	17 57 25
7	7 59 12	10 04 10	12 15 04	14 21 34	16 15 48	18 00 52
8	8 03 13	10 08 29	12 19 25	14 25 35	16 19 25	18 04 19
9	8 07 16	10 12 47	12 23 46	14 29 35	16 23 01	18 07 46
10	8 11 19	10 17 06	12 28 07	14 33 34	16 26 36	18 11 13
11	8 15 22	10 21 26	12 32 27	14 37 33	16 30 10	18 14 40
12	8 19 26	10 25 46	12 36 47	14 41 30	16 33 44	18 18 07
13	8 23 30	10 30 07	12 41 06	14 45 26	16 37 18	18 21 34
14	8 27 36	10 34 27	12 45 25	14 49 22	16 40 51	18 25 01
15	8 31 42	10 38 48	12 49 44	14 53 17	16 44 23	18 28 28
16	8 35 48	10 43 10	12 54 01	14 57 11	16 47 55	18 31 55
17	8 39 55	10 47 31	12 58 19	15 01 04	16 51 25	18 35 24
18	8 44 02	10 51 54	13 02 35	15 04 56	16 54 58	18 38 52
19	8 48 10	10 56 16	13 06 52	15 08 47	16 58 28	18 42 20
20	8 52 19	11 00 38	13 11 07	15 12 37	17 01 58	18 45 49
21	8 56 28	11 05 00	13 15 22	15 16 27	17 05 28	18 49 18
22	9 00 38	11 09 23	13 19 36	15 20 15	17 08 58	18 52 47
23	9 04 48	11 13 46	13 23 49	15 24 03	17 12 27	18 56 17
24	9 08 59	11 18 09	13 28 02	15 27 50	17 15 56	18 59 47
25	9 13 10	11 22 32	13 32 14	15 31 36	17 19 24	19 03 17
26	9 17 22	11 26 55	13 36 25	15 35 21	17 22 52	19 06 48
27	9 21 35	11 31 19	13 40 35	15 39 06	17 26 20	19 10 20
28	9 25 48	11 35 42	13 44 45	15 42 49	17 29 48	19 13 51
29	9 30 02	11 40 05	13 48 54	15 46 32	17 33 16	19 17 23
30.	9 34 16	11 44 28	13 53 02	15 50 14	17 36 43	19 20 56

5 उत्तर अक्षाश 9° (अयनाश 23° 15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सा का.) (खगौलिक अक्षाश सस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	19 20 17	21 11 13	23 14 58	1 26 07	3 33 27	5 33 31
1	19 23 48	21 15 08	23 19 17	1 30 28	3 37 33	5 37 27
2	19 27 20	21 19 04	23 23 37	1 34 49	3 41 39	5 41 23
3	19 30 53	21 23 00	23 27 56	1 39 09	3 45 44	5 45 18
4	19 34 26	21 26 58	23 32 17	1 43 30	3 49 49	5 49 14
5	19 38 00	21 30 57	23 36 38	1 47 50	3 53 53	5 53 09
6	19 41 35	21 34 56	23 40 59	1 52 10	3 57 57	6 57 04
7	19 45 11	21 38 57	23 45 20	1 56 28	4 02 00	6 00 59
8	19 48 46	21 42 58	23 49 42	2 00 47	4 06 03	6 04 54
9.	19 52 22	21 47 00	23 54 04	2 05 05	4 10 06	6 08 49
10	19 56 00	21 51 03	23 58 26	2 09 23	4 14 08	6 12 44
11	19 59 38	21 55 08	0 02 49	2 13 40	4 18 09	6 16 39
12	20 03 16	21 59 13	0 07 12	2 17 57	4 22 10	6 20 35
13	20 06 56	22 03 19	0 11 35	2 22 13	4 26 11	6 24 31
14	20 10 36	22 07 25	0 15 58	2 26 29	4 30 11	6 28 27
15	20 14 17	22 11 33	0 20 21	2 30 44	4 34 11	6 32 23
16	20 17 58	22 15 41	0 24 44	2 34 59	4 38 10	6 36 19
17.	20 21 41	22 19 51	0 29 09	2 39 14	4 42 07	6 40 16
18	20 25 24	22 24 01	0 33 32	2 43 27	4 46 08	6 44 11
19	20 29 09	22 28 12	0 37 56	2 47 40	4 50 06	6 48 08
20	20 32 54	22 32 23	0 42 20	2 51 52	4 54 04	6 52 05
21	20 36 40	22 36 36	0 46 43	2 56 04	4 58 02	6 56 02
22	20 40 26	22 40 49	0 51 06	3 00 16	5 01 59	7 00 00
23	20 44 14	22 45 02	0 55 29	3 04 26	5 05 56	7 03 57
24	20 48 03	22 49 17	0 59 52	3 08 37	5 09 53	7 07 55
25	20 51 52	22 53 32	1 04 15	3 12 47	5 13 50	7 11 53
26	20 55 42	22 57 48	1 08 38	3 16 56	5 17 47	7 15 52
27	20 59 34	23 02 05	1 13 01	3 21 04	5 21 43	7 19 51
28.	21 03 26	23 06 22	1 17 23	3 25 12	5 25 39	7 23 50
29	21 07 19	23 10 40	1 21 45	3 29 20	5 29 35	7 27 49
30	21 11 13	23 14 58	1 26 07	3 33 27	5 33 31	7 31 49

5 उत्तर अक्षांश 9° (अंयनाश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां का.) (खगौलिक अक्षाश संस्कार युत)

राशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुभ	मीन
	6	7	8	9	10	11
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	7 31 49	9 35 39	11 46 13	13 54 38	15 51 14	17 36 55
1	7 35 50	9 39 55	11 50 36	13 58 45	15 54 54	17 40 21
2	7 39 51	9 44 11	11 54 59	14 02 50	15 58 33	17 43 47
3	7 43 52	9 48 28	11 59 22	14 06 54	16 02 11	17 47 13
4.	7 47 53	9 52 46	12 03 45	14 10 58	16 05 49	17 50 37
5	7 51 55	9 57 04	12 08 07	14 15 01	16 09 26	17 54 01
6	7 55 58	10 01 22	12 12 29	14 19 03	16 13 02	17 57 26
7	8 00 00	10 05 41	12 16 50	14 23 04	16 16 38	18 00 51
8	8 04 04	10 10 00	12 21 12	14 27 04	16 20 13	18 04 16
9	8 08 08	10 14 20	12 25 33	14 31 03	16 23 47	18 07 41
10	8 12 13	10 18 40	12 29 54	14 35 01	16 27 20	18 11 06
11	8 16 18	10 23 01	12 34 14	14 38 58	16 30 53	18 14 31
12	8 20 24	10 27 22	12 38 33	14 42 54	16 34 26	18 17 56
13	8 24 30	10 31 43	12 42 52	14 46 49	16 37 57	18 21 22
14	8 28 37	10 36 04	12 47 09	14 50 45	16 41 29	18 24 48
15	8 32 44	10 40 26	12 51 27	14 54 38	16 45 00	18 28 14
16	8 36 52	10 44 48	12 55 44	14 58 30	16 48 30	18 31 40
17	8 41 00	-10 49 10	13 00 02	15 02 22	16 52 00	18 35 06
18.	8 45 09	10 53 33	13 04 20	15 06 13	16 55 29	18 38 32
19	8 49 18	10 57 56	13 28 35	15 10 03	16 58 58	18 41 59
20.	8 53 ,28	11 02 19	13 12 50	15 13 52	17 02 27	18 45 26
21	8 57 39	11 06 42	13 17 05	15 17 40	17 05 55	18 48 53
22	9 01 50	11 11 05	13 21 18	15 21 27	17 09 23	18 52 21
23	9 06 01	11 15 29	13 25 31	15 25 13	17 12 50	18 55 49
24	9 10 14	11 19 53	13 29 43	15 28 59	17 16 17	18 59 17
25	9 14 27	11 24 17	13 33 54	15 32 44	17 19 44	19 02 46
26	9 18 40	11 28 41	13 38 05	15 36 27	17 23 11	19 06 15
27	9 22 54	11 35 03	13 42 14	15 40 10	17 26 37	19 09 45
28	9 27 08	11 37 27	13 46 23	15 43 52	17 30 03	19 13 15
29	9 31 23	11 41 50	13 50 31	15 47 34	17 33 29	19 16 46
30	9 35 39	11 46 13	13 54 38	15 51 14	17 36 55	19 20 17

5. उत्तर अक्षांश 10° (अयनांश 23° 15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां. का.) (खगौलिक अक्षाश संस्कार युत)

राशि अंश	मेष 0 घ मि से	वृषभ 1 घ मि से	मिथुन 2 घ मि से	कर्क 3 घ मि से	सिंह 4 घ मि से	कन्या 5 घ मि स
0.	19 19 37	21 09 50	23 13 12	1 24 30	3 32 26	5 33 20
1.	19 23 07	21 13 43	23 17 31	1 28 52	3 36 34	5 37 17
2.	19 26 38	21 17 38	23 21 50	1 33 14	3 40 41	5 41 14
3.	19 29 09	21 21 33	23 26 09	1 37 35	3 44 48	5 45 11
4.	19 33 41	21 25 30	23 30 30	1 41 57	3 48 54	5 49 08
5	19 37 13	21 29 28	23 34 50	1 46 18	3 53 00	5 53 05
6	19 40 46	21 33 26	23 39 11	1 50 38	3 57 06	5 57 02
7.	19 44 20	21 37 26	23 43 33	1 54 59	4 01 11	6 00 59
8	19 47 54	21 41 26	23 47 55	1 59 18	4 05 15	6 04 56
9.	19 51 29	21 45 27	23 52 17	2 03 37	4 09 19	6 08 53
10.	19 55 04	21 49 30	23 56 39	2 07 56	4 13 22	6 12 50
11.	20 58 41	21 53 35	0 01 02	2 12 14	4 17 25	6 16 47
12.	20 02 18	21 57 37	0 05 25	2 16 32	4 21 28	6 20 44
13.	20 05 56	22 01 42	0 09 48	2 20 50	4 25 30	6 24 42
14.	20 09 34	22 05 48	0 14 12	2 25 07	4 29 32	6 28 39
15.	20 13 14	22 09 54	0 18 36	2 29 23	4 33 34	6 32 37
16.	20 16 54	22 14 02	0 23 00	2 33 39	4 37 35	6 36 35
17.	20 20 36	22 18 11	0 27 23	2 37 54	4 41 35	6 40 33
18.	20 24 17	22 22 20	0 31 47	2 42 09	4 45 36	6 44 31
19.	20 28 00	22 26 30	0 36 11	2 46 24	4 49 36	6 48 29
20.	20 31 44	22 30 41	0 40 35	2 50 38	4 53 36	6 52 27
21.	20 35 28	22 34 53	0 44 59	2 54 51	4 57 35	6 56 26
22.	20 39 14	22 39 06	0 49 23	2 59 04	5 01 34	7 00 25
23.	20 43 00	22 43 19	0 53 47	3 03 16	5 05 33	7 04 25
24.	20 46 47	22 47 33	0 58 11	3 07 27	5 09 32	7 08 24
25.	20 50 35	22 51 48	1 02 35	3 11 38	5 13 30	7 12 24
26.	20 54 24	22 56 03	1 06 58	3 15 49	5 17 28	7 16 24
27.	21 58 14	23 00 20	1 11 21	3 19 59	5 21 26	7 20 25
28.	21 02 05	23 04 36	1 15 44	3 24 09	5 25 24	7 24 26
29.	21 05 57	23 08 54	1 20 07	3 28 18	5 29 22	7 28 27
30.	21 09 50	23 13 12	1 24 30	3 32 26	5 33 20	7 32 29

5 उत्तर अक्षांश 10° (अयनांश 23°.15') की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां. का.) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि अंश	तुला 6 घ मि से	वृश्चिक 7 घ मि से	धनु 8 घ मि से	मकर 9 घ मि से	कुंभ 10 घ मि से	मीन 11 घ मि से
0.	7 32 29	9 37 02	11 48 00	13 56 15	15 52 15	17 37 06
1	7 36 31	9 41 19	11 52 23	14 00 21	15 55 53	17 40 30
2.	7 40 33	9 45 36	11 56 46	14 04 25	15 59 31	17 43 54
3	7 44 36	9 49 54	12 01 09	14 08 29	16 03 07	17 47 18
4	7 48 39	9 54 13	12 05 32	14 12 32	16 06 43	17 50 41
5.	7 52 43	9 58 32	12 09 54	14 16 34	16 10 19	17 54 04
6	7 56 47	10 02 52	12 14 16	14 20 34	16 13 53	17 57 27
7	8 00 52	10 07 12	12 18 38	14 24 34	16 17 27	18 00 51
8.	8 04 57	10 11 32	12 22 59	14 28 33	16 21 01	18 04 13
9.	8 09 03	10 15 53	12 27 20	14 32 31	16 24 33	18 07 37
10	8 13 09	10 20 14	12 31 41	14 36 28	16 28 05	18 11 01
11.	8 17 15	10 24 35	12 36 01	14 40 24	16 31 37	18 14 25
12	8 21 22	10 28 57	12 40 20	14 44 19	16 35 08	18 17 48
13	8 25 30	10 33 19	12 44 39	14 48 13	16 38 38	18 21 12
14	8 29 38	10 37 42	12 48 57	14 52 07	16 42 07	18 24 36
15	8 33 47	10 42 05	12 53 15	14 55 59	16 45 36	18 28 00
16	8 37 56	10 46 28	12 57 32	14 59 50	16 49 05	18 31 24
17.	8 42 06	10 50 51	13 01 48	15 03 41	16 52 33	18 34 48
18.	8 46 16	10 55 14	13 06 04	15 07 30	16 56 01	18 38 13
19	8 50 27	10 59 37	13 10 19	15 11 19	16 59 28	18 41 38
20	8 54 38	11 04 01	13 14 34	15 15 06	17 02 55	18 45 03
21	8 58 50	11 08 25	13 18 48	15 18 53	17 06 22	18 48 29
22	9 03 03	11 12 49	13 23 01	15 22 39	17 09 48	18 51 55
23	9 07 16	11 17 13	13 27 13	15 26 24	17 13 14	18 55 21
24	9 11 29	11 21 37	13 31 24	15 30 08	17 16 39	18 58 48
25	9 15 43	11 26 01	13 35 35	15 33 51	17 20 04	19 02 15
26	9 19 58	11 30 25	13 39 45	15 37 34	17 23 29	19 05 43
27	9 24 13	11 34 49	13 43 54	15 41 15	17 26 53	19 09 11
28	9 28 29	11 39 13	13 48 02	15 44 56	17 30 18	19 12 39
29	9 32 45	11 43 37	13 52 09	15 48 36	17 34 42	19 16 08
30.	9 37 02	11 48 00	13 56 15	15 52 15	17 37 06	19 19 37

5.उत्तर अक्षाश 11° (अयनांश 23°.15') की (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत) निरयन लग्न सारिणी (उपकरण– सां. का.)

राशि अंश	मेष 0 घ मि से	वृषभ 1 घ मि से	मिथुन 2 घ मि से	कर्क 3 घ मि से	सिंह 4 घ मि से	कन्या 5 घ मि से
0	19 18 58	21 08 26	23 11 25	1 22 52	3 31 25	5 33 07
1	19 22 26	21 12 18	23 15 43	1 27 15	3 35 35	5 37 07
2.	19 25 55	21 16 12	23 20 02	1 31 38	3 39 44	5 41 06
3.	19 29 25	21 20 07	23 24 21	1 36 00	3 43 52	5 45 04
4.	19 32 55	21 24 02	23 28 42	1 40 22	3 48 00	5 49 03
5.	19 36 25	21 27 58	23 33 02	1 44 44	3 52 07	5 53 02
6	19 39 57	21 31 56	23 37 23	1 49 06	3 56 14	5 57 01
7.	19 43 29	21 35 55	23 41 45	1 53 27	4 00 21	6 01 00
8.	19 47 01	21 39 53	23 46 07	1 57 48	4 04 27	6 04 59
9.	19 50 35	21 43 54	23 50 29	2 02 08	4 08 32	6 08 58
10	19 54 09	21 47 55	23 54 52	2 06 28	4 12 37	6 12 57
11	19 57 44	21 51 57	23 59 15	2 10 48	4 16 42	6 16 55
12.	20 01 19	21 56 00	0 03 38	2 15 07	4 20 46	6 20 54
13.	20 04 56	22 00 04	0 08 01	2 19 26	4 24 40	6 24 53
14	20 08 33	22 04 09	0 12 25	2 23 44	4 28 54	6 28 52
15.	20 12 11	22 08 15	0 16 49	2 28 01	4 32 57	6 32 51
16.	20 15 50	22 12 22	0 21 13	2 32 18	4 37 00	6 36 50
17.	20 19 29	22 16 30	0 25 37	2 36 35	4 41 03	6 40 50
18	20 23 10	22 20 39	0 30 02	2 40 52	4 45 04	6 44 50
19	20 26 51	22 24 48	0 34 27	2 45 07	4 49 06	6 48 50
20	20 30 33	22 28 59	0 38 52	2 49 22	4 53 07	6 52 50
21.	20 34 16	22 33 10	0 43 17	2 53 37	4 57 08	6 56 51
22.	20 38 00	22 37 22	0 47 41	2 57 51	5 01 09	7 00 52
23	20 41 45	22 41 35	0 52 05	3 02 04	5 05 10	7 04 53
24	20 45 31	22 45 48	0 56 29	3 06 18	5 09 10	7 08 54
25.	20 49 18	22 50 03	1 00 53	3 10 30	5 13 10	7 12 55
26	20 53 06	22 54 18	1 05 17	3 14 42	5 17 10	7 16 57
27.	20 56 55	22 58 34	1 09 41	3 18 54	5 21 09	7 21 00
28.	21 00 44	23 02 50	1 14 05	3 23 05	5 25 09	7 25 02
29.	21 04 35	23 07 07	1 18 29	3 27 15	5 29 08	7 29 05
30	21 08 26	23 11 25	1 22 52	3 31 25	5 33 07	7 33 08

5.उत्तर अक्षांश 11° (अयनांश 23° 15') की (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत) निरयन लग्न सारिणी (उपकरण– सां. का)

राशि अंश	तुला 6 घ मि से	वृश्चिक 7 घ मि से	धनु 8 घ मि से.	मकर 9 घ मि से	कुंभ 10 घ मि से	मीन 11 घ मि से
0	7 33 08	9 38 25	11 49 47	13 57 53	15 53 16	17 37 18
1.	7 37 12	9 42 44	11 54 11	14 01 58	15 56 53	17 40 40
2	7 41 16	9 47 03	11 58 34	14 06 01	16 00 29	17 44 02
3	7 45 20	9 51 22	12 02 57	14 10 04	16 04 04	17 47 24
4	7 49 25	9 55 42	12 07 20	14 14 06	16 07 38	17 50 46
5	7 53 30	10 00 02	12 11 42	14 18 07	16 11 12	17 54 08
6	7 57 36	10 04 22	12 16 04	14 22 06	16 14 45	17 57 30
7.	8 01 42	10 08 43	12 20 26	14 26 05	16 18 18	18 00 50
8	8 05 49	10 13 05	12 24 47	14 30 03	16 21 49	18 04 12
9	8 09 56	10 17 27	12 29 08	14 34 00	16 25 20	18 07 33
10	8 14 04	10 21 49	12 33 28	14 37 56	16 28 50	18 10 55
11	8 18 12	10 26 11	12 37 48	14 41 51	16 32 20	18 14 17
12	8 22 21	10 30 34	12 42 07	14 45 45	16 35 49	18 17 39
13	8 26 30	10 34 57	12 46 26	14 49 37	16 39 18	18 21 01
14	8 30 40	10 39 20	12 50 44	14 53 30	16 42 46	18 24 23
15	8 34 50	10 43 43	12 55 02	14 57 21	16 46 14	18 27 45
16.	8 39 01	10 48 07	12 59 19	15 01 12	16 49 41	18 31 08
17.	8 43 12	10 52 31	13 03 35	15 05 00	16 53 07	18 34 31
18	8 47 24	10 56 55	13 07 50	15 08 48	16 56 33	18 37 54
19	8 51 36	11 01 19	13 12 05	15 12 36	16 59 59	18 41 17
20	8 55 49	11 05 43	13 16 19	15 16 22	17 03 24	18 44 41
21	9 00 02	11 10 08	13 20 32	15 20 07	17 06 49	18 48 05
22	9 04 16	11 14 33	13 24 44	15 23 52	17 10 13	18 51 29
23	9 08 30	11 18 58	13 28 56	15 27 35	17 13 37	18 54 54
24	9 12 45	11 23 23	13 33 07	15 31 18	17 17 01	18 58 19
25	9 17 01	11 27 47	13 37 17	15 35 00	17 20 24	19 01 44
26.	9 21 17	11 32 11	13 41 26	15 38 41	17 23 47	19 05 10
27	9 25 33	11 36 35	13 45 34	15 42 20	17 27 10	19 08 36
28	9 29 50	11 40 59	13 49 41	15 46 00	17 30 33	19 12 03
29	9 34 07	11 45 23	13 53 48	15 49 38	17 33 56	19 15 30
30	9 38 25	11 49 47	13 57 53	15 53 16	17 37 18	19 18 58

5.उत्तर अक्षांश 12° (अयनाश 23°.15') की निरयन लग्न सारिणी(उपकरण– सा का)(खगौलिक अक्षांश सस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अश	घ मि से	घ मि स	घ मि से	घ मि से	घ मि. से	घ मि से
0	19 18 18	21 07 02	23 09 37	1 21 13	3 30 24	5 32 56
1	19 21 45	21 10 53	23 13 55	1 25 37	3 34 35	5 36 57
2	19 25 12	21 14 45	23 18 14	1 30 01	3 38 45	5 40 57
3.	19 28 40	21 18 39	23 22 33	1 34 24	3 42 55	5 44 58
4	19 32 08	21 22 33	23 26 53	1 38 48	3 47 04	5 49 58
5	19 35 37	21 26 28	23 31 14	1 43 11	3 51 13	5 52 59
6	19 39 07	21 30 24	23 35 35	1 47 33	3 55 22	5 57 00
7.	19 42 38	21 34 22	23 39 56	1 51 55	3 59 30	6 01 00
8.	19 46 09	21 38 20	23 44 18	1 56 17	4 03 38	6 05 01
9.	19 49 40	21 42 19	23 48 40	2 00 39	4 07 45	6 09 01
10.	19 53 13	21 46 20	23 53 03	2 05 00	4 11 52	6 13 01
11.	19 56 46	21 50 21	23 57 26	2 09 21	4 15 58	6 17 02
12.	20 00 20	21 54 23	0 01 49	2 13 41	4 20 04	6 21 03
13.	20 03 55	21 58 27	0 06 13	2 18 01	4 24 09	6 25 04
14.	20 07 31	22 02 31	0 10 37	2 22 20	4 28 15	6 29 05
15.	20 11 07	22 06 36	0 15 01	2 26 39	4 32 20	6 3306
16.	20 14 44	22 10 42	0 19 26	2 30 57	4 36 24	6 37 07
17.	20 18 23	22 14 49	0 23 51	2 35 15	4 40 27	6 41 08
18	20 22 02	22 18 57	0 28 16	2 39 33	4 44 31	6 45 09
19	20 25 42	22 23 06	0 32 40	2 43 50	4 48 35	6 49 11
20	20 29 22	22 27 15	0 37 05	2 48 07	4 52 38	6 53 13
21.	20 33 04	22 31 26	0 41 30	2 52 23	4 56 41	6 57 15
22.	20 36 47	22 35 37	0 45 55	2 56 38	5 00 43	7 01 18
23.	20 40 30	22 39 50	0 50 20	3 00 53	5 04 45	7 05 21
24.	20 44 15	22 44 03	0 54 45	3 05 08	5 08 48	7 09 24
25	20 48 00	22 48 16	0 59 10	3 09 22	5 12 50	7 13 27
26.	20 51 46	22 52 31	1 03 35	3 13 35	5 16 52	7 17 30
27	20 55 34	22 56 46	1 08 00	3 17 48	5 20 53	7 21 34
28.	20 59 22	23 01 02	1 12 25	3 22 00	5 24 54	7 25 38
29	21 03 11	23 05 19	1 16 49	3 26 12	5 28 55	7 29 43
30	21 07 02	23 09 37	1 21 13	3 30 24	5 32 56	7 33 48

5.उत्तर अक्षांश 12° (अयनांश 23° 15′) की निरयन लग्न सारिणी(उपकरण– सां. का.)(खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि अंश	तुला 6 घ मि. से	वृश्चिक 7 घ मि से	धनु 8 घ मि से	मकर 9 घ मि से	कुभ 10 घ मि से	मीन 11 घ. मि से
0.	7 33 48	9 39 49	11 51 34	13 59 32	15 54 17	17 37 30
1.	7 37 53	9 44 09	11 55 58	14 03 35	15 57 52	17 40 50
2.	7 41 59	9 48 29	12 00 22	14 07 38	16 01 02	17 44 10
3.	7 46 05	9 52 50	12 04 45	14 11 39	16 05 00	17 47 30
4	7 50 12	9 57 11	12 09 08	14 15 40	16 08 33	17 50 50
5.	7 54 19	10 01 32	12 13 31	14 19 40	16 12 06	17 54 10
6	7 58 26	10 05 54	12 17 53	14 23 39	16 15 37	17 57 30
7	8 02 34	10 10 16	12 22 15	14 27 37	16 19 08	18 00 50
8	8 06 42	10 14 38	12 26 36	14 31 34	16 22 38	18 04 10
9.	8 10 51	10 19 01	12 30 57	14 35 29	16 26 07	18 07 30
10	8 15 00	10 23 24	12 35 17	14 39 24	16 29 36	18 10 50
11	8 19 10	10 27 47	12 39 37	14 42 18	16 33 04	18 14 10
12	8 23 20	10 32 11	12 43 56	14 47 11	16 36 32	18 17 30
13	8 27 30	10 36 33	13 48 14	14 51 03	16 39 59	18 20 50
14	8 31 42	10 40 59	13 52 32	14 54 54	16 43 25	18 24 10
15	8 35 54	10 45 23	13 56 49	14 58 43	16 46 51	18 27 31
16	8 40 06	10 49 48	13 01 06	15 02 32	16 50 16	18 30 52
17	8 44 19	10 54 12	13 05 21	15 06 20	16 53 40	18 34 13
18	8 48 32	10 58 37	13 09 36	15 10 07	16 57 05	18 37 34
19	8 52 46	11 03 02	13 13 51	15 13 53	17 00 29	18 40 56
20	8 57 00	11 07 27	13 18 04	15 17 38	17 03 53	18 44 18
21.	9 01 14	11 11 52	13 22 17	15 21 22	17 07 16	18 47 40
22.	9 05 29	11 16 17	13 26 29	15 25 05	17 10 39	18 51 02
23	9 09 45	11 20 42	13 30 40	15 28 47	17 14 01	18 54 25
24	9 14 02	11 25 07	13 34 50	15 32 28	17 17 23	18 57 49
25	9 18 19	11 29 32	13 38 59	15 36 08	17 20 45	19 01 13
26	9 22 36	11 33 57	13 43 07	15 39 48	17 24 06	19 04 37
27	9 26 53	11 38 22	13 47 15	15 43 27	17 27 27	19 08 01
28	9 31 11	11 42 46	13 51 22	15 47 04	17 30 48	19 11 26
29	9 35 30	11 47 10	13 55 27	15 50 41	17 34 09	19 14 52
30	9 39 49	11 51 34	13 59 32	15 54 17	17 37 30	19 18 18

5 उत्तर अक्षांश 13° (अयनाश 23°.15') की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण– सा का)(खगौलिक अक्षाश संस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि स	घ मि से.	घ मि. से	घ मि से
0	19 17 38	21 05 37	23 07 48	1 19 34	3 29 22	5 32 44
1	19 21 03	21 09 27	23 12 06	1 23 59	3 33 34	5 36 47
2	19 24 29	21 13 18	23 16 25	1 28 24	3 37 46	5 40 49
3	19 27 55	21 17 10	23 20 44	1 32 48	3 41 58	5 44 51
4	19 31 22	21 21 03	23 25 04	1 37 12	3 46 09	5 48 54
5.	19 34 49	21 24 57	23 29 24	1 41 36	3 50 20	5 52 56
6	19 38 17	21 28 53	23 33 45	1 46 00	3 54 30	5 56 58
7.	19 41 46	21 32 49	23 38 06	1 50 23	3 58 40	6 01 01
8	19 45 15	21 36 46	23 42 28	1 54 46	4 02 49	6 05 03
9	19 48 46	21 40 44	23 46 51	1 59 09	4 06 58	6 09 05
10	19 52 17	21 44 44	23 51 14	2 03 31	4 11 06	6 13 07
11	19 55 48	21 48 44	23 55 37	2 07 53	4 15 14	6 17 09
12	19 59 21	21 52 45	0 00 00	2 12 14	4 19 22	6 21 12
13	20 02 54	21 56 48	0 04 25	2 16 35	4 23 29	6 25 15
14	20 06 28	22 00 51	0 08 48	2 20 56	4 27 36	6 29 17
15.	20 10 03	22 04 55	0 13 13	2 25 16	4 31 42	6 33 20
16.	20 13 39	22 09 00	0 17 38	2 29 36	4 35 38	6 37 23
17.	20 17 16	22 13 07	0 22 03	2 33 54	4 39 54	6 41 26
18.	20 20 53	22 17 14	0 26 28	2 38 14	4 43 59	6 45 29
19	20 24 32	22 21 22	0 30 53	2 42 32	4 48 04	6 49 32
20	20 28 11	22 25 31	0 35 18	2 46 50	4 52 09	6 53 36
21.	20 31 51	22 29 41	0 39 44	2 51 08	4 56 14	6 57 40
22	20 35 32	22 33 52	0 44 10	2 55 25	5 00 18	7 01 44
23	20 39 15	22 38 04	0 48 36	2 59 41	5 04 22	7 05 48
24.	20 42 58	22 42 16	0 53 02	3 03 57	5 08 26	7 09 53
25	20 46 42	22 46 29	0 57 28	3 08 12	5 12 29	7 13 58
26.	20 50 27	22 50 44	1 01 54	3 12 27	5 16 32	7 18 03
27.	20 54 13	22 54 59	1 06 19	3 16 42	5 20 35	7 22 09
28.	20 58 00	22 59 14	1 10 44	3 20 56	5 24 38	7 26 15
29.	21 01 48	23 03 31	1 15 09	3 25 09	5 28 41	7 30 21
30.	21 05 37	23 07 48	1 19 34	3 29 22	5 32 44	7 34 28

5 उत्तर अक्षांश 13° (अयनांश 23° 15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण– सा. का)(खगौलिक अक्षाश संस्कार युत)

राशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
	6	7	8	9	10	11
अंश	घ मि से	घ मि से	घ मि स	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	7 34 28	9 41 14	11 53 23	14 01 11	15 55 19	17 37 41
1	7 38 35	9 45 35	11 57 47	14 05 14	15 58 53	17 41 00
2	7 42 42	9 49 56	12 02 11	14 09 15	16 02 26	17 44 18
3	7 46 50	9 54 18	12 06 35	14 13 16	16 05 58	17 47 37
4	7 50 58	9 58 40	12 10 58	14 17 16	16 09 29	17 50 55
5	7 55 07	10 03 03	12 15 21	14 21 15	16 12 59	17 54 13
6	7 59 16	10 07 26	12 19 43	14 25 13	16 16 29	17 57 31
7	8 03 25	10 11 49	12 24 04	14 29 10	16 19 59	18 00 49
8	8 07 35	10 16 12	12 28 26	14 33 05	16 23 27	18 04 08
9.	8 11 45	10 20 36	12 32 46	14 37 00	16 26 55	18 07 26
10	8 15 56	10 25 00	12 37 06	14 40 53	16 30 22	18 10 44
11.	8 20 08	10 29 24	12 41 26	14 44 46	16 33 48	18 14 02
12	8 24 20	10 33 49	12 45 45	14 48 37	16 37 14	18 17 20
13	8 28 32	10 38 14	12 50 03	14 52 28	16 40 39	18 20 39
14	8 32 44	10 42 39	12 54 21	14 56 18	16 44 04	18 23 58
15	8 36 57	10 47 04	12 58 38	15 00 06	16 47 28	18 27 17
16.	8 41 11	10 51 29	13 02 54	15 03 54	16 50 52	18 30 36
17	8 45 25	10 55 54	13 07 09	15 07 40	16 54 15	18 33 56
18	8 49 40	11 00 19	13 11 24	15 11 26	16 57 38	18 37 15
19	8 53 55	11 04 45	13 15 37	15 15 10	17 01 00	18 40 35
20	8 58 11	11 09 11	13 19 50	15 18 54	17 04 22	18 43 55
21	9 02 27	11 13 37	13 24 02	15 22 37	17 07 43	18 47 15
22	9 06 44	11 18 03	13 28 14	15 26 18	17 11 04	18 50 36
23	9 11 01	11 22 29	13 32 24	15 29 58	17 14 28	18 53 58
24	9 15 19	11 26 54	13 36 34	15 33 39	17 17 45	18 57 19
25	9 19 37	11 31 19	13 40 42	15 37 18	17 21 05	19 00 41
26	9 23 55	11 35 44	13 44 50	15 40 56	17 24 25	19 04 03
27	9 28 15	11 40 09	13 48 56	15 44 33	17 27 44	19 07 27
28	9 32 34	11 44 34	13 53 02	15 48 09	17 31 03	19 10 50
29.	9 36 54	11 48 59	13 57 07	15 51 44	17 34 22	19 14 14
30.	9 41 14	11 53 23	14 01 11	15 55 19	17 37 41	19 17 38

5 उत्तर अक्षाश 14° (अयनाश 23°.15') की निरयन लग्न
सारिणी (उपकरण– सा का.)(खगौलिक अक्षाश संस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अश	घ मि से	घ मि स	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	19 16 58	21 04 11	23 05 58	1 17 54	3 28 19	5 32 32
1	19 20 21	21 08 00	23 10 16	1 22 20	3 32 34	5 36 36
2	19 23 45	21 11 50	23 14 34	1 26 45	3 36 47	5 40 40
3	19 27 10	21 15 41	23 18 53	1 31 10	3 41 00	5 44 44
4.	19 30 35	21 18 33	23 23 13	1 35 36	3 45 13	5 48 49
5	19 34 00	21 23 26	23 27 33	1 40 01	3 49 25	5 52 53
6.	19 37 27	21 27 20	23 31 54	1 44 25	3 53 37	5 56 57
7.	19 40 54	21 31 15	23 36 16	1 48 49	3 57 48	6 01 01
8	19 44 22	21 35 11	23 40 38	1 53 14	4 01 59	6 05 05
9	19 47 51	21 39 08	23 45 00	1 57 37	4 06 10	6 09 09
10.	19 51 20	21 43 07	23 49 23	2 02 01	4 10 19	6 13 13
11.	19 54 50	21 47 06	23 53 46	2 06 24	4 14 29	6 17 17
12.	19 58 21	21 51 06	23 58 10	2 10 46	4 18 38	6 21 21
13.	20 01 52	21 55 08	0 02 35	2 15 08	4 22 47	6 25 25
14	20 05 25	21 59 10	0 06 59	2 19 30	4 26 56	6 29 30
15	20 08 58	22 03 14	0 11 24	2 23 52	4 31 04	6 33 35
16.	20 12 33	22 07 18	0 15 59	2 28 13	4 35 12	6 37 39
17.	20 16 08	22 11 24	0 20 14	2 32 34	4 39 19	6 41 44
18.	20 19 44	22 15 30	0 24 40	2 36 54	4 43 26	6 45 49
19	20 23 21	22 19 38	0 29 06	2 41 14	4 47 33	6 49 54
20.	20 26 59	22 23 46	0 33 32	2 45 33	4 51 40	6 54 00
21	20 30 38	22 27 55	0 37 57	2 49 52	4 55 46	6 58 05
22.	20 34 17	22 32 05	0 42 24	2 54 10	4 59 51	7 02 11
23	20 37 58	22 36 17	0 46 50	2 58 27	5 03 57	7 06 17
24.	20 41 40	22 40 29	0 51 17	3 02 44	5 08 03	7 10 24
25.	20 45 23	22 44 42	0 55 43	3 07 02	5 12 08	7 14 30
26.	20 49 06	22 48 55	1 00 09	3 11 19	5 16 13	7 18 37
27.	20 52 11	22 53 10	1 04 35	3 15 35	5 20 18	7 22 45
28	20 56 37	22 57 25	1 09 02	3 19 50	5 24 23	7 26 52
29	21 00 23	23 01 41	1 13 28	3 24 05	5 28 28	7 31 00
30	21 04 11	23 05 58	1 17 54	3 28 19	5 32 32	7 35 08

5.उत्तर अक्षाश 14° (अयनाश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण– सां का.)(खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि अश	तुला 6 घ मि से	वृश्चिक 7 घ मि से	धनु 8 घ मि से	मकर 9 घ मि से	कुंभ 10 घ. मि से	मीन 11 घ मि से
0	7 35 08	9 42 40	11 55 13	14 02 51	15 56 21	17 37 53
1	7 39 17	9 47 02	11 59 38	14 06 53	15 59 53	17 41 10
2	7 43 26	9 51 25	11 04 02	14 10 54	16 03 24	17 44 26
3	7 47 35	9 55 48	12 08 25	14 14 00	16 06 55	17 47 43
4	7 51 45	10 00 11	12 12 48	14 18 52	16 10 25	17 51 00
5	7 55 56	10 04 34	12 17 11	14 22 50	16 13 54	17 54 16
6	8 00 07	10 08 58	12 21 33	14 26 47	16 17 22	17 57 33
7	8 04 18	10 13 22	12 25 55	14 30 43	16 20 50	18 01 09
8	8 08 29	10 17 47	12 30 46	14 34 37	16 24 17	18 04 05
9	8 12 41	10 22 12	12 34 37	14 38 31	16 27 43	18 07 22
10	8 16 53	10 26 37	12·38 57	14 42 23	16 31 08	18 10 38
11	8 21 06	10 31 02	12 43 16	14 46 14	16 34 33	18 13 55
12	8 25 19	10 35 28	12 47 35	14 50 05	16 37 57	18 17 12
13.	8 29 33	10 39 53	12 51 53	14 53 54	16 41 20	18 20 28
14	8 33 47	10 44 19	12 56 10	15 57 43	16 44 44	18 23 45
15	8 38 02	10 48 45	13 00 26	15 01 30	16 48 06	18 27 02
16.	8 42 18	10 53 11	13 04 42	15 05 16	16 51 28	18 30 20
17.	8 46 33	10 57 38	13 08 58	15 09 02	16 54 49	18 33 37
18	8 50 49	11 02 04	13 13 12	15 12 46	16 58 11	18 36 55
19.	8 55 06	11 06 30	13 17 25	15 16 29	17 01 31	18 40 13
20	8 59 23	11 10 56	13 21 37	15 20 11	17 05 51	18 43 32
21.	9 03 41	11 15 23	13 25 49	15 23 52	17 08 11	18 46 51
22	9 07 59	11 19 49	13 30 00	15 27 33	17 11 30	18 50 10
23	9 12 17	11 24 15	13 34 09	15 31 12	17 14 49	18 53 29
24	9 16 36	11 28 41	13 38 18	15 34 52	17 18 07	18 56 49
25	9 20 56	11 33 07	13 42 26	15 38 28	17 21-25	19 00 09
26.	9 25 16	11 37 33	13 46 33	15 42 04	17 24 44	19 03 30
27.	9 29 37	11 41 58	13 50 39	15 45 40	17 28 02	19 06 52
28.	9 33 57	11 46 23	13 54 44	15 49 14	17 31 19	19 09 13
29.	9 38 18	11 50 48	13 58 48	15 52 48	17 34 36	19 13 35
30.	9 42 40	11 55 13	14 02 51	15 56 21	17 37 53	19 16 58

5.उत्तर अक्षाश 14° (अयनांश 23° 15′) की निरयन लग्न
सारिणी (उपकरण– सां का)(खगौलिक अक्षाश संस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि स	घ. मि से	घ मि स	घ मि से.
0	19 16 17	21 02 45	23 04 08	1 16 12	3 27 17	5 32 20
1	19 19 39	21 06 32	23 08 25	1 20 39	3 31 33	5 36 26
2	19 23 01	21 10 21	23 12 43	1 25 06	3 35 48	5 40 32
3.	19 26 23	21 14 11	23 17 03	1 29 32	3 40 02	5 44 38
4.	19 29 47	21 18 02	23 21 21	1 33 58	3 44 16	5 48 44
5	19 33 11	21 21 53	23 25 42	1 38 24	3 48 30	5 52 50
6	19 36 36	21 25 46	23 30 02	1 42 50	3 52 44	5 56 56
7.	19 40 02	21 29 40	23 34 24	1 47 16	3 56 56	6 01 01
8.	19 43 28	21 33 35	23 38 47	1 51 41	4 01 09	6 05 07
9.	19 46 55	21 37 32	23 43 09	1 56 06	4 05 21	6 09 13
10	19 50 22	21 41 29	23 47 32	2 00 30	4 09 33	6 13 19
11	19 55 51	21 45 27	23 51 55	2 04 54	4 13 44	6 17 25
12.	19 57 20	21 49 27	23 56 19	2 09 18	4 17 55	6 21 31
13.	20 00 50	21 53 28	0 00 44	2 13 42	4 22 06	6 25 37
14.	20 04 21	21 57 29	0 05 08	2 18 05	4 26 16	6 29 43
15.	20 07 53	22 01 31	0 09 34	2 22 28	4 30 26	6 33 49
16.	20 11 26	22 05 35	0 14 00	2 26 50	4 34 35	6 37 56
17.	20 15 00	22 09 39	0 18 25	2 31 12	4 38 44	6 42 02
18.	20 18 34	22 13 45	0 22 51	2 35 34	4 42 53	6 46 09
19.	20 22 10	22 17 52	0 27 17	2 39 55	4 47 02	6 50 16
20	20 25 46	22 22 00	0 31 44	2 44 15	4 51 10	6 54 23
21	20 29 23	22 26 08	0 36 10	2 48 35	4 55 18	6 58 30
22	20 33 02	22 30 18	0 40 37	2 52 55	4 59 26	7 02 38
23.	20 36 41	22 34 28	0 45 05	2 57 14	5 03 33	7 06 46
24.	20 40 21	22 38 40	0 49 31	3 01 33	5 07 41	7 10 54
25	20 44 03	22 42 53	0 53 58	3 05 52	5 11 48	7 15 02
26	20 47 45	22 47 06	0 58 25	3 10 10	5 15 54	7 19 10
27.	20 51 29	22 51 20	1 02 53	3 14 27	5 20 02	7 23 20
28	20 55 13	22 55 35	1 07 19	3 18 44	5 24 08	7 27 29
29	20 58 58	22 59 51	1 11 46	3 23 01	5 28 14	7 31 39
30.	21 02 45	23 04 08	1 16 12	3 27 17	5 32 20	7 35 49

5.उत्तर अक्षांश 14° (अयनांश 23° 15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण– सां. का.)(खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि / अंश	तुला 6 घं मि से.	वृश्चिक 7 घ मि से	धनु 8 घ मि से	मकर 9 घ मि से	कुंभ 10 घ. मि से	मीन 11 घ मि से
0	7 35 49	9 44 07	11 57 04	14 04 32	15 57 24	17 38 05
1	7 40 00	9 48 30	12 01 29	14 08 33	16 00 55	17 41 20
2	7 44 11	9 52 54	12 05 53	14 12 33	16 04 25	17 44 35
3.	7 48 22	9 57 18	12 10 17	14 16 31	16 07 53	17 47 50
4	7 52 33	10 01 42	12 14 40	14 20 30	16 11 21	17 51 05
5	7 56 45	10 06 07	12 19 03	14 24 27	16 14 49	17 54 20
6	8 00 57	10 10 32	12 23 25	14 28 22	16 18 17	17 57 35
7	8 05 10	10 14 58	12 27 47	14 32 17	16 21 42	18 00 49
8	8 09 23	10 19 23	12 32 08	14 36 11	16 25 07	18 04 03
9	8 13 37	10 23 49	12 36 29	14 40 03	16 28 31	18 07 18
10	8 17 51	10 28 15	12 40 48	14 43 54	16 31 55	18 10 33
11	8 22 05	10 32 41	12 45 07	14 47 44	16 35 18	18 13 48
12	8 26 20	10 37 07	12 49 26	14 51 33	16 38 40	18 17 03
13	8 30 35	10 41 34	12 53 44	14 55 21	16 42 02	18 20 17
14	8 34 51	10 46 01	12 58 01	14 59 09	16 45 24	18 23 32
15	8 39 07	10 50 27	13 02 17	15 02 55	16 48 05	18 26 47
16.	8 43 24	10 54 54	13 06 32	15 06 40	16 52 45	18 30 03
17.	8 47 41	10 59 22	13 10 47	15 10 23	16 55 23	18 33 19
18.	8 51 59	11 03 49	13 15 01	15 14 06	16 58 44	18 36 35
19	8 56 17	11 08 16	13 19 14	15 17 48	17 02 03	18 39 51
20	9 00 36	11 12 43	13 23 26	15 21 29	17 05 21	18 43 08
21	9 04 55	11 17 09	13 27 37	15 25 09	17 08 39	18 46 25
22	9 09 14	11 21 36	13 31 46	15 28 48	17 11 56	18 49 42
23	9 13 34	11 26 03	13 35 55	15 32 25	17 15 13	18 53 00
24	9 17 55	11 30 30	13 40 04	15 36 02	17 18 30	18 56 18
25	9 22 16	11 34 56	13 44 11	15 39 38	17 21 47	18 59 37
26.	9 26 37	11 39 22	13 48 17	15 43 13	17 25 03	19 02 56
27	9 30 59	11 43 48	13 52 22	15 46 47	17 28 18	19 06 16
28.	9 35 21	11 48 14	13 56 27	15 50 20	17 31 34	19 09 35
29.	9 39 44	11 52 39	14 00 30	15 53 53	17 34 50	19 12 56
30	9 44 07	11 57 04	14 04 32	15 57 24	17 38 05	19 16 17

उत्तर अक्षांश 16 (अयनांश 23° 15') की निरयन लग्न सारिणी
(उपकरण–सां . का) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि अंश	मेष 0 घ मि से	वृषभ 1 घ मि से	मिथुन 2 घ मि से	कर्क 3 घ मि स	सिंह 4 घ. मि. से	कन्या 5 घ मि. से
0	19 15 36	21 01 17	23 02 15	1 14 30	3 26 13	5 32 08
1	19 18 56	21 05 04	23 06 33	1 18 58	3 30 30	5 36 16
2	19 22 16	21 08 51	23 10 51	1 23 26	3 34 46	5 40 24
3.	19 25 38	21 12 40	23 15 10	1 27 53	3 39 03	5 44 31
4.	19 29 00	21 16 29	23 19 29	1 32 20	3 43 19	5 48 39
5.	19 32 22	21 20 20	23 23 49	1 36 47	3 47 35	5 52 47
6	19 35 47	21 24 12	23 28 10	1 41 14	3 51 50	5 56 55
7.	19 39 08	21 28 05	23 32 31	1 45 41	3 56 05	6 01 02
8	19 42 33	21 31 59	23 36 53	1 50 07	4 00 19	6 05 09
9	19 45 59	21 35 54	23 41 16	1 54 33	4 04 33	6 09 17
10	19 49 25	21 39 50	23 45 39	1 58 59	4 08 46	6 13 25
11	19 52 51	21 43 48	23 50 03	2 03 25	4 12 59	6 17 32
12	19 56 19	21 47 46	23 54 27	2 07 50	4 17 12	6 21 40
13	19 59 47	21 51 46	23 58 52	2 12 14	4 21 24	6 25 48
14	20 03 17	21 55 46	0 03 17	2 16 38	4 25 36	6 29 56
15.	20 06 47	21 59 48	0 07 42	2 21 02	4 29 47	6 34 04
16.	20 10 19	22 03 51	0 12 08	2 25 26	4 33 58	6 38 12
17.	20 13 51	22 07 55	0 16 34	2 29 50	4 38 09	6 42 21
18	20 17 24	22 12 00	0 21 01	2 34 12	4 42 20	6 46 29
19	20 20 58	22 16 06	0 25 28	2 38 35	4 46 30	6 50 38
20	20 24 33	22 20 13	0 29 55	2 42 58	4 50 40	6 54 47
21	20 28 08	22 24 21	0 34 22	2 47 19	4 54 50	6 58 56
22.	20 31 45	22 28 30	0 38 49	2 51 40	4 58 59	7 03 05
23.	20 35 23	22 32 40	0 43 17	2 56 00	5 03 09	7 07 15
24	20 39 02	22 36 51	0 47 45	3 00 21	5 07 18	7 11 25
25	20 42 42	22 41 02	0 52 12	3 04 41	5 11 27	7 15 35
26	20 46 23	22 45 15	0 56 39	3 09 00	5 15 36	7 19 45
27	20 50 05	22 49 29	1 01 06	3 13 19	5 19 44	7 23 56
28.	20 53 48	22 53 44	1 05 34	3 17 38	5 23 52	7 28 07
29	20 57 32	22 57 59	1 10 02	3 21 56	5 28 00	7 32 18
30	21 01 17	23 02 15	1 14 30	3 26 13	5 32 08	7 36 30

अक्षांश 16 (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी
(उपकरण–सा का.) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
	6	7	8	9	10	11
अंश	घ मि से	घ मि से	घ. मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	7 36 30	9 45 34	11 58 56	14 06 14	15 58 28	17 38 18
1	7 40 43	9 49 59	12 03 21	14 10 14	16 01 57	17 41 31
2	7 44 55	9 54 24	12 07 45	14 14 13	16 05 26	17 44 44
3	7 49 08	9 58 49	12 12 09	14 18 11	16 08 52	17 47 57
4	7 53 21	10 03 14	12 16 33	14 22 08	16 12 18	17 51 10
5	7 57 34	10 07 40	12 20 56	14 26 04	16 15 44	17 54 23
6	8 01 48	10 12 07	12 25 18	14 29 58	16 19 09	17 57 35
7	8 06 03	10 16 33	12 29 40	14 33 52	16 22 33	18 00 48
8	8 10 18	10 20 59	12 34 01	14 37 44	16 25 57	18 04 01
9	8 14 33	10 25 26	12 38 21	14 41 36	16 29 20	18 07 14
10	8 18 49	10 29 53	12 43 41	14 45 27	16 32 42	18 10 27
11	8 23 05	10 34 20	12 47 00	14 49 15	16 36 03	18 13 40
12	8 27 21	10 38 48	12 51 18	14 53 03	16 39 24	18 16 53
13	8 31 38	10 43 16	12 55 36	14 56 49	16 42 44	18 20 06
14	8 35 55	10 47 43	12 59 53	15 00 36	16 46 04	18 23 19
15	8 40 13	10 52 11	13 04 09	15 04 20	16 49 23	18 26 33
16	8 44 32	10 56 39	13 08 24	15 08 04	16 52 42	18 29 47
17	8 48 51	11 01 06	13 12 38	15 11 46	16 56 00	18 33 01
18	8 53 10	11 05 34	13 16 51	15 15 28	16 59 17	18 36 15
19	8 57 29	11 10 02	13 21 04	15 19 08	17 02 34	18 39 30
20.	9 01 49	11 14 30	13 25 15	15 22 47	17 05 51	18 42 45
21.	9 06 10	11 18 58	13 29 26	15 26 26	17 09 07	18 46 00
22.	9 10 31	11 23 25	13 33 36	15 30 03	17 12 23	18 49 15
23	9 14 52	11 27 52	13 37 44	15 33 39	17 15 38	18 52 31
24	9 19 14	11 32 19	13 41 51	15 37 15	17 18 53	18 55 48
25	9 23 36	11 36 46	13 45 57	15 40 49	17 22 08	18 59 04
26.	9 27 59	11 41 13	13 50 03	15 44 23	17 25 23	19 02 22
27.	9 32 23	11 45 39	13 54 07	15 47 56	17 28 33	19 05 39
28.	9 36 46	11 50 05	13 58 11	15 51 27	17 31 51	19 08 57
29	9 41 10	11 54 31	14 02 13	15 54 58	17 35 04	19 12 16
30	9 45 34	11 58 56	14 06 14	15 58 28	17 38 18	19 15 36

5 उत्तर अक्षांश 17 (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी
(उपकरण–सां . का) (खगौलिक अक्षाश संस्कार युत)

राशि अंश	मेष 0 घ मि से	वृषभ 1 घ मि से	मिथुन 2 घ मि से	कर्क 3 घ मि से	सिंह 4 घ मि से	कन्या 5 घ मि से
0	19 14 54	20 59 49	23 00 22	1 12 48	3 25 09	5 31 56
1	19 18 13	21 03 34	23 04 39	1 17 16	3 29 28	5 36 06
2	19 21 31	21 07 20	23 08 57	1 21 44	3 33 46	5 40 15
3	19 24 50	21 11 08	23 13 16	1 26 12	3 38 04	5 44 25
4	19 28 10	21 14 56	23 17 35	1 30 41	3 42 22	5 48 35
5	19 31 31	21 18 46	23 21 55	1 35 09	3 46 39	5 52 44
6	19 34 53	21 22 36	23 26 15	1 39 37	3 50 56	5 56 53
7	19 38 16	21 26 29	23 30 37	1 44 04	3 55 12	6 01 02
8	19 41 39	21 30 21	23 34 59	1 48 32	3 59 28	6 05 12
9	19 45 02	21 34 15	23 39 22	1 52 59	4 03 43	6 09 21
10.	19 48 26	21 38 10	23 43 45	1 57 26	4 07 57	6 13 30
11	19 51 52	21 42 07	23 48 09	2 01 53	4 12 13	6 17 40
12	19 55 18	21 46 04	23 52 33	2 06 19	4 16 27	6 21 50
13	19 58 45	21 50 03	23 56 48	2 10 45	4 20 41	6 26 00
14	20 02 12	21 54 03	0 01 24	2 15 11	4 24 55	6 30 09
15	20 05 41	21 58 03	0 05 50	2 19 36	4 29 08	6 34 19
16.	20 09 10	22 02 05	0 10 16	2 24 01	4 33 21	6 38 29
17	20 12 41	22 06 09	0 14 42	2 28 26	4 37 34	6 42 39
18.	20 16 12	22 10 13	0 19 09	2 32 50	4 41 47	6 46 49
19.	20 19 45	22 14 18	0 23 36	2 37 14	4 45 59	6 51 00
20.	20 23 18	22 18 24	0 28 04	2 41 37	4 50 10	6 55 11
21.	20 26 53	22 22 32	0 32 32	2 46 00	4 54 22	6 59 22
22.	20 30 28	22 26 40	0 36 59	2 50 23	4 58 33	7 03 33
23.	20 34 05	22 30 50	0 41 37	2 54 45	5 02 44	7 07 44
24.	20 37 42	22 35 00	0 45 55	2 59 07	5 06 55	7 11 56
25.	20 41 20	22 39 11	0 50 24	3 03 29	5 11 05	7 16 08
26.	20 45 00	22 43 24	0 54 53	3 07 50	5 15 16	7 20 20
27	20 48 41	22 47 37	0 59 12	3 12 10	5 19 26	7 24 32
28.	20 52 23	22 51 51	1 03 50	3 16 30	5 23 36	7 28 45
29	20 56 05	22 56 06	1 08 19	3 20 50	5 27 46	7 32 58
30.	20 59 49	23 00 22	1 12 48	3 25 09	5 31 56	7 37 12

उत्तर अक्षांश 17 (अंयनाश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी
(उपकरण–सां का) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
	6	7	8	9	10	11
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	7 37 12	9 47 02	12 00 49	14 07 57	15 59 32	17 38 30
1	7 41 26	9 51 28	12 05 14	14 11 57	16 02 59	17 41 41
2	7 45 40	9 55 54	12 09 39	14 15 55	16 06 26	17 44 52
3	7 49 54	10 00 21	12 14 03	14 19 51	16 09 51	17 48 03
4	7 54 09	10 04 48	12 18 27	14 23 47	16 13 16	17 51 15
5	7 58 24	10 09 16	12 22 50	14 27 43	16 16 41	17 54 26
6	8 02 40	10 13 42	12 27 12	14 31 36	16 20 04	17 57 37
7	8 06 56	10 18 09	12 31 54	14 35 29	16 23 26	18 00 38
8	8 11 13	10 22 37	12 35 55	14 39 19	16 26 48	18 03 59
9	8 15 30	10 27 05	12 40 15	14 43 09	16 30 09	18 07 10
10	8 19 47	10 31 33	12 44 35	14 46 58	16 33 29	18 10 21
11	8 24 04	10 36 02	12 48 54	14 50 46	16 36 49	18 13 32
12	8 28 23	10 40 30	12 53 12	14 54 33	16 40 08	18 16 43
13	8 32 41	10 44 58	12 57 29	14 58 18	16 43 27	18 19 55
14.	8 37 00	10 49 27	13 01 56	15 02 03	16 46 45	18 23 06
15	8 41 20	10 53 56	13 06 01	15 05 46	16 50 02	18 26 18
16	8 45 40	10 58 24	13 10 16	15 09 29	16 53 19	18 29 30
17	8 50 00	11 02 53	13 14 30	15 13 10	16 56 35	18 32 42
18	8 54 21	11 07 21	13 18 43	15 16 50	16 59 52	18 35 55
19.	8 58 42	11 11 49	13 22 55	15 20 29	17 03 06	18 39 08
20	9 03 04	11 16 19	13 27 06	15 24 07	17 06 21	18 42 21
21	9 07 26	11 20 46	13 31 16	15 27 44	17 09 35	18 45 34
22	9 11 48	11 25 14	13 35 24	15 31 20	17 12 49	18 48 48
23	9 16 11	11 29 42	13 39 32	15 34 54	17 16 02	18 52 02
24.	9 20 34	11 34 10	13 43 39	15 38 29	17 19 16	18 55 17
25.	9 24 58	11 38 37	13 47 45	15 42 01	17 22 29	18 58 32
26.	9 29 22	11 43 04	13 51 50	15 45 33	17 25 42	19 01 47
27.	9 33 46	11 47 31	13 55 53	15 49 05	17 28 54	19 05 04
28	9 38 11	11 51 58	13 59 56	15 52 34	17 32 06	19 08 20
29.	9 42 37	11 56 24	14 03 57	15 56 04	17 35 18	19 11 37
30.	9 47 02	12 00 49	14 07 57	15 59 32	17 38 30	19 14 54

5 उत्तर अक्षांश 17 (अयनाश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी
(उपकरण–सां का) (खगौलिक अक्षांश सस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	19 14 12	20 58 20	22 58 28	1 11 03	3 24 04	5 31 44
1	19 17 29	21 02 04	23 02 44	1 15 32	3 28 25	5 35 55
2	19 20 46	21 05 49	23 07 02	1 20 02	3 32 45	5 40 06
3	19 24 03	21 09 35	23 11 20	1 24 31	3 34 04	5 44 18
4	19 27 21	21 13 22	23 15 39	1 20 00	3 41 23	5 48 29
5	19 30 40	21 17 10	23 19 59	1 33 29	3 45 42	5 52 40
6	19 34 00	21 21 00	23 24 20	1 37 58	3 50 01	5 56 52
7	19 37 31	21 24 40	23 28 42	1 42 28	3 54 19	6 01 03
8	19 40 42	21 28 42	23 33 04	1 46 56	3 58 36	6 05 15
9	19 44 04	21 32 33	23 37 26	1 51 24	4 02 53	6 09 26
10.	19 47 27	21 36 29	23 41 50	1 55 52	4 07 10	6 13 37
11.	19 50 51	21 40 25	23 46 14	2 00 20	4 11 27	6 17 48
12	19 54 15	21 44 22	23 50 38	2 04 48	4 15 43	6 21 59
13	19 57 40	21 48 20	23 55 03	2 09 15	4 19 59	6 26 11
14.	20 01 06	21 52 18	23 59 29	2 13 42	4 24 15	6 30 22
15.	20 04 33	21 56 18	0 03 55	2 18 09	4 28 30	6 34 34
16.	20 08 01	22 00 19	0 08 22	2 22 36	4 32 44	6 38 46
17	20 11 30	22 04 21	0 12 49	2 27 02	4 36 58	6 42 58
18.	20 15 00	22 08 24	0 17 16	2 31 27	4 41 12	6 47 10
19	20 18 31	22 12 29	0 21 44	2 35 52	4 45 26	6 51 22
20	20 22 03	22 16 35	0 26 12	2 40 17	4 49 40	6 55 35
21	20 25 36	22 20 41	0 30 40	2 44 42	4 53 53	6 59 48
22	20 29 10	22 24 49	0 35 09	2 49 06	4 58 06	7 04 01
23	20 32 45	22 28 57	0 39 38	2 53 29	5 02 19	7 08 14
24	20 36 21	22 33 08	0 04 07	2 57 52	5 06 32	7 12 27
25	20 39 58	22 37 19	0 48 36	3 02 15	5 10 44	7 16 41
26	20 43 36	22 41 31	0 53 05	3 06 38	5 14 56	7 20 55
27	20 47 16	22 45 44	0 57 35	3 11 00	5 19 08	7 25 09
28	20 50 56	22 49 57	1 02 04	3 15 22	5 23 20	7 29 24
29.	20 54 37	22 54 12	1 06 33	3 19 43	5 27 32	7 33 39
30.	20 58 20	22 58 28	1 11 03	3 24 04	5 31 44	7 37 54

5 उत्तर अक्षाश 18 (अंयनाश 23°.15') की निरयन लग्न सारिणी

(उपकरण—सां का) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
	6	7	8	9	10	11
अश	घ. मि से.	घ मि से	घ मि. से	घ मि से	घं मि. से.	घ मि से
0.	7 37 54	9 48 31	12 02 44	14 09 42	16 00 37	17 38 42
1.	7 42 09	9 52 59	12 07 09	14 13 40	16 04 02	17 41 51
2.	7 46 25	9 57 27	12 11 34	14 17 37	16 07 27	17 45 00
3.	7 50 41	10 01 54	12 15 58	14 21 32	16 10 51	17 48 10
4.	7 54 58	10 06 22	12 20 22	14 25 28	16 14 14	17 51 20
5.	7 59 16	10 10 50	12 24 45	14 29 22	16 17 37	17 54 29
6.	8 03 33	10 15 19	12 29 08	14 33 14	16 20 59	17 57 38
7.	8 07 50	10 19 48	12 33 29	14 37 05	16 24 19	18 00 47
8.	8 12 09	10 24 16	12 37 50	14 40 55	16 27 40	18 03 56
9.	8 16 27	10 28 45	12 42 11	14 44 44	16 30 59	18 07 06
10	8 20 46	10 33 14	12 46 30	14 48 32	16 34 17	18 10 15
11	8 25 05	10 37 44	12 50 49	14 52 19	16 37 35	18 13 24
12	8 29 25	10 42 13	12 55 07	14 56 04	16 40 53	18 16 34
13.	8 33 45	10 46 42	12 59 24	14 59 48	16 44 09	18 19 43
14	8 38 06	10 51 22	13 03 40	15 03 32	16 47 25	18 22 53
15	8 42 27	10 55 41	13 07 56	15 07 14	16 50 41	18 26 03
16	8 46 49	11 00 11	13 12 10	15 10 55	16 53 55	18 29 13
17.	8 51 11	11 04 41	13 16 23	15 14 34	16 57 11	18 32 24
18.	8 55 33	11 09 09	13 20 36	15 18 13	17 00 25	18 35 34
19.	8 59 56	11 13 39	13 24 47	15 21 51	17 03 38	18 38 45
20	9 04 19	11 18 08	13 28 57	15 25 27	17 06 51	18 41 56
21.	9 08 42	11 22 37	13 33 07	15 29 02	17 10 04	18 45 08
22	9 13 06	11 27 05	13 37 15	15 32 37	17 13 16	18 48 20
23	9 17 31	11 31 34	13 41 22	15 36 10	17 16 28	18 51 33
24	9 21 55	11 36 02	13 45 28	15 39 43	17 19 39	18 54 45
25.	9 26 20	11 40 30	13 49 33	15 43 14	17 22 50	19 57 58
26	9 30 46	11 44 57	13 53 37	15 46 45	17 26 01	19 01 12
27.	9 35 12	11 49 25	13 57 40	15 50 14	17 29 12	19 04 26
28	9 39 38	11 53 51	14 01 43	15 53 42	17 32 22	19 07 41
29.	9 44 04	11 58 18	14 05 43	15 57 10	17 35 32	19 10 56
30.	9 48 31	12 02 44	14 09 42	16 00 37	17 38 42	19 14 12

5 उत्तर अक्षांश 19 (अयनाश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी
(उपकरण–सा का. (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि अश	मेष 0 घ मि से	वृषभ 1 घ मि से	मिथुन 2 घ मि से	कर्क 3 घ मि से	सिह 4 घ मि से	कन्या 5 घ मि से
0	19 13 30	20 56 50	22 56 32	1 09 17	3 22 59	5 31 31
1	19 16 44	21 00 32	23 00 48	1 13 48	3 27 21	5 35 44
2	19 19 59	21 04 16	23 05 05	1 18 18	3 31 42	5 39 58
3	19 23 15	21 08 00	23 09 24	1 22 48	3 36 03	5 44 11
4.	19 26 32	21 11 46	23 13 43	1 27 18	3 40 24	5 48 24
5	19 29 49	21 15 33	23 18 02	1 31 49	3 44 45	5 52 37
6	19 33 07	21 19 22	23 22 23	1 36 19	3 49 05	5 56 50
7.	19 36 27	21 23 11	23 26 44	1 40 49	3 53 25	6 01 03
8.	19 39 46	21 27 02	23 31 07	1 45 19	3 57 44	6 05 16
9.	19 43 06	21 30 54	23 35 30	1 49 48	4 02 03	6 09 29
10	19 46 27	21 34 47	23 39 53	1 54 17	4 06 22	6 13 43
11	19 49 49	21 38 41	23 44 17	1 58 46	4 10 40	6 17 56
12	19 53 12	21 42 37	23 48 42	2 03 15	4 14 58	6 22 09
13	19 56 36	21 46 35	23 53 07	2 07 44	4 19 15	6 26 23
14	20 00 00	21 50 31	23 57 33	2 12 13	4 23 32	6 30 36
15	20 03 25	21 54 30	0 02 00	2 16 41	4 27 49	6 34 49
16.	20 06 52	21 58 31	0 06 27	2 20 08	4 32 06	6 39 03
17.	20 10 19	22 02 32	0 10 54	2 25 35	4 36 22	6 43 17
18	20 13 48	22 06 35	0 15 22	2 30 02	4 40 38	6 47 31
19	20 17 17	22 10 39	0 19 50	2 34 29	4 44 54	6 51 45
20.	20 20 47	22 14 44	0 24 19	2 38 56	4 49 09	6 55 59
21	20 24 19	22 18 50	0 28 48	2 43 22	4 53 24	7 00 14
22	20 27 51	22 22 57	0 33 17	2 47 48	4 57 39	7 04 29
23	20 31 24	22 27 05	0 37 46	2 52 13	5 01 54	7 08 44
24	20 34 59	22 31 14	0 42 16	2 56 38	5 06 08	7 12 59
25	20 38 35	22 35 25	0 46 46	3 01 02	5 10 22	7 17 14
26.	20 42 11	22 39 36	0 51 16	3 05 26	5 14 36	7 21 30
27.	20 45 49	22 43 48	0 55 46	3 09 50	5 18 50	7 25 46
28.	20 49 28	22 48 02	1 00 17	3 14 13	5 23 04	7 30 02
29	20 53 08	22 52 16	1 04 47	3 18 36	5 27 18	7 34 19
30	20 56 50	22 56 32	1 09 17	3 22 59	5 31 31	7 38 36

5 उत्तर अक्षांश 19 (अयनांश 23° 15′) की निरयन लग्न सारिणी

(उपकरण सां का) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि	तुला 6	वृश्चिक 7	धनु 8	मकर 9	कुंभ 10	मीन 11
अंश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	7 38 36	9 50 02	12 04 40	14 11 28	16 01 42	17 38 55
1	7 42 54	9 54 30	12 09 05	14 15 25	16 05 06	17 42 02
2	7 47 11	9 58 59	12 13 30	14 19 21	16 08 29	17 45 10
3	7 51 29	10 03 28	12 17 55	14 23 16	16 11 52	17 48 18
4	7 55 48	10 07 57	12 22 19	14 27 10	16 15 13	17 51 25
5	8 00 07	10 12 27	12 26 42	14 31 03	16 18 34	17 54 32
6	8 04 26	10 16 56	12 31 05	14 34 54	16 21 54	17 57 40
7	8 08 45	10 21 26	12 35 26	14 38 45	16 25 13	18 00 47
8	8 13 05	10 25 56	12 39 47	14 42 33	16 28 32	18 03 54
9	8 17 25	10 30 26	12 44 08	14 46 20	16 31 49	18 07 01
10	8 21 46	10 34 56	12 48 27	14 50 07	16 35 06	18 10 09
11	8 26 07	10 39 27	12 52 45	14 53 52	16 38 22	18 13 16
12	8 30 28	10 43 57	12 57 03	14 57 36	16 41 38	18 16 24
13	8 34 51	10 48 28	13 01 21	15 01 20	16 44 54	18 19 32
14	8 39 13	10 52 58	13 05 36	15 05 01	16 48 07	18 22 40
15	8 43 55	10 57 28	13 09 51	15 08 42	16 51 21	18 25 48
16	8 47 58	11 01 59	13 14 05	15 12 21	16 54 34	18 28 56
17	8 52 22	11 06 29	13 18 18	15 16 59	16 57 47	18 32 05
18	8 56 46	11 10 59	13 22 30	15 19 37	17 00 59	18 35 14
19	9 01 10	11 15 29	13 26 41	15 23 13	17 04 11	18 38 23
20	9 05 35	11 19 59	13 30 50	15 26 48	17 07 22	18 41 32
21	9 10 00	11 24 28	13 34 59	15 30 22	17 10 33	18 44 42
22	9 14 25	11 28 57	13 39 07	15 33 55	17 13 43	18 47 52
23	9 18 51	11 33 26	13 43 13	15 37 27	17 16 53	18 51 02
24	9 23 17	11 37 55	13 47 19	15 40 58	17 20 03	18 54 13
25	9 27 44	11 42 24	13 51 23	15 44 28	17 23 12	18 57 25
26	9 32 11	11 46 52	13 55 27	15 48 57	17 26 21	19 00 37
27	9 36 38	11 51 19	13 59 28	15 51 24	17 29 30	19 03 49
28	9 41 06	12 55 47	14 03 29	15 54 51	17 32 39	19 07 02
29	9 45 34	12 00 14	14 07 29	15 58 17	17 35 47	19 10 16
30	9 50 02	12 04 40	14 11 28	16 01 42	17 38 55	19 13 30

5 उत्तर अक्षाश 20 (अयनाश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां का खगौलिक अक्षाश संस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	19 12 47	20 55 18	22 54 34	1 07 30	3 21 52	5 31 18
1.	19 16 01	20 58 29	22 58 50	1 12 01	3 26 16	5 35 34
2.	19 19 13	21 02 41	23 03 07	1 16 33	3 30 39	5 39 49
3	19 22 27	21 06 25	23 07 25	1 21 04	3 35 02	5 44 04
4.	19 25 42	21 10 10	23 11 44	1 25 35	3 39 25	5 48 19
5.	19 28 58	21 13 55	23 16 04	1 30 06	3 43 47	5 52 34
6.	19 32 14	21 17 43	23 20 24	1 34 38	3 48 09	5 56 49
7.	19 35 31	21 21 32	23 24 46	1 39 09	3 52 30	6 01 04
8.	19 38 49	21 25 21	23 29 08	1 43 40	3 56 51	6 05 19
9	19 42 07	21 29 11	23 33 31	1 48 11	4 01 12	6 09 34
10	19 45 27	21 33 03	23 37 55	1 52 41	4 05 32	6 13 49
11	19 48 47	21 36 57	23 42 19	1 57 12	4 09 52	6 18 04
12	19 52 08	21 40 51	23 46 44	2 01 42	4 14 12	6 22 19
13	19 55 30	21 44 47	23 51 09	2 06 12	4 18 31	6 26 34
14	19 58 33	21 48 44	23 55 36	2 10 42	4 22 50	6 30 49
15	20 02 17	21 52 42	0 00 03	2 15 11	4 27 09	6 35 05
16	20 05 41	21 56 41	0 04 30	2 19 40	4 31 27	6 39 20
17	20 09 07	22 00 43	0 08 58	2 24 09	4 35 45	6 43 36
18	20 12 34	22 04 44	0 13 26	2 28 38	4 40 03	6 47 52
19	20 16 02	22 08 47	0 17 55	2 33 06	4 44 21	6 52 08
20.	20 19 30	22 12 51	0 22 24	2 37 34	4 48 38	6 56 24
21.	20 23 00	22 16 56	0 26 54	2 42 01	4 52 55	7 00 40
22	20 26 31	22 21 03	0 31 23	2 46 28	4 57 11	7 04 57
23	20 30 03	22 25 10	0 35 54	2 50 55	5 01 27	7 09 14
24	20 33 36	22 29 19	0 40 24	2 55 22	5 05 43	7 13 31
25	20 37 10	22 33 29	0 44 54	2 59 48	5 10 00	7 17 48
26	20 40 45	22 37 40	0 49 25	3 04 13	5 14 16	7 22 06
27	20 44 22	22 41 52	0 53 57	3 08 38	5 18 32	7 26 24
28	20 47 59	22 46 05	0 58 28	3 13 03	5 22 48	7 30 42
29	20 51 38	22 50 19	1 02 59	3 17 28	5 27 03	7 35 00
30	20 55 18	22 54 34	1 07 30	3 21 52	5 31 18	7 39 19

5 उत्तर अक्षांश 20 (अयनांश 23°.15') की निरयन लग्न सारिणी
(उपकरण सां का खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुभ	मीन
	6	7	8	9	10	11
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	7 39 19	9 51 33	12 06 37	14 13 15	16 02 49	17 39 07
1	7 43 39	9 56 03	12 11 03	14 17 11	16 06 11	17 42 13
2	7 47 58	10 00 33	12 15 29	14 21 06	16 09 33	17 45 19
3	7 52 17	10 05 04	12 19 53	14 24 59	16 12 53	17 48 25
4	7 56 37	10 09 34	12 24 17	14 28 53	16 16 13	17 51 30
5	8 00 58	10 14 05	12 28 41	14 32 44	16 19 32	17 54 35
6	8 05 19	10 18 36	12 33 03	14 36 34	16 22 50	17 57 41
7	8 09 40	10 23 07	12 37 25	14 40 23	16 26 08	18 00 46
8	8 14 02	10 27 38	12 41 46	14 44 11	16 29 25	18 03 52
9	8 18 24	10 32 09	12 46 06	14 47 58	16 32 40	18 06 57
10	8 22 47	10 36 40	12 50 25	14 51 43	16 35 55	18 10 03
11	8 27 09	10 41 12	12 54 44	14 55 27	16 39 10	18 13 08
12.	8 31 32	10 45 43	12 59 10	14 59 10	16 42 24	18 16 14
13	8 35 56	10 50 14	13 03 17	15 02 51	16 45 37	18 19 20
14	8 40 20	10 54 46	13 07 33	15 06 32	16 48 50	18 22 26
15	8 44 44	10 59 17	13 11 48	15 10 11	16 52 01	18 25 32
16	8 49 09	11 03 48	13 16 01	15 13 50	16 55 12	18 28 38
17	8 53 34	11 08 19	13 20 14	15 17 26	16 58 23	18 31 45
18	8 57 59	11 12 50	13 24 26	15 21 02	17 01 34	18 34 52
19	9 02 25	11 17 21	13 28 35	15 24 37	17 04 44	18 38 00
20	9 06 52	11 21 51	13 32 45	15 28 11	17 07 53	18 41 07
21	9 11 18	11 26 20	13 36 54	15 31 43	17 11 02	18 44 15
22	9 15 46	11 30 52	13 41 00	15 35 14	17 14 11	18 47 24
23	9 20 13	11 35 21	13 45 06	15 38 45	17 17 19	18 50 32
24.	9 24 40	11 39 51	13 49 11	15 42 14	17 20 27	18 53 41
25.	9 29 08	11 44 19	13 53 15	15 45 42	17 23 34	18 56 51
26	9 33 37	11 48 48	13 57 17	15 49 10	17 26 41	19 00 01
27	9 38 05	11 53 16	14 01 18	15 52 36	17 29 48	19 03 12
28	9 42 34	11 57 44	14 05 19	15 56 01	17 32 55	19 06 23
29	9 47 04	12 02 11	14 09 17	15 59 25	17 36 01	19 09 34
30	9 51 33	12 06 37	14 13 15	16 02 49	17 39 07	19 12 47

5 उत्तर अक्षांश 21 (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी
(उपकरण सा का. खगौलिक अक्षाश सस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	19 12 03	20 53 45	22 52 35	1 05 41	3 20 45	5 31 06
1	19 15 14	20 56 25	22 56 51	1 10 14	3 25 10	5 35 23
2	19 18 26	21 01 06	23 01 08	1 14 46	3 29 35	5 39 40
3	19 21 39	21 04 49	23 05 25	1 19 18	3 34 22	5 43 57
4	19 24 52	21 08 31	23 09 44	1 23 51	3 38 24	5 48 14
5	19 28 05	21 12 16	23 14 04	1 28 23	3 42 48	5 52 31
6	19 31 19	21 16 02	23 18 24	1 32 56	3 47 12	5 56 48
7	19 34 35	21 19 49	23 22 46	1 37 28	3 51 35	6 01 05
8	19 37 51	21 23 38	23 27 08	1 42 00	3 55 58	6 05 21
9	19 41 07	21 27 27	23 31 31	1 46 32	4 00 20	6 09 38
10	19 44 25	21 31 18	23 35 55	1 51 04	4 04 42	6 13 55
11	19 47 44	21 35 11	23 40 19	1 55 36	4 09 04	6 18 12
12	19 51 03	21 39 04	23 44 44	2 00 07	4 13 25	6 22 29
13	19 54 23	21 42 59	23 49 10	2 04 38	4 17 46	6 26 46
14	19 57 45	21 46 55	23 53 37	2 09 10	4 22 07	6 31 03
15	20 01 07	21 50 52	23 58 04	2 13 40	4 26 28	6 35 20
16	20 04 30	21 54 50	0 02 32	2 18 11	4 30 48	6 39 38
17	20 07 54	21 58 50	0 07 00	2 22 41	4 35 08	6 43 56
18	20 11 19	22 02 51	0 11 29	2 27 11	4 39 27	6 48 13
19	20 14 45	22 06 54	0 15 58	2 31 41	4 43 47	6 52 31
20	20 18 12	22 10 57	0 20 28	2 36 10	4 48 06	6 56 49
21	20 21 41	22 15 02	0 24 58	2 40 39	4 52 25	7 01 07
22	20 25 10	22 19 07	0 29 28	2 45 08	4 56 43	7 05 26
23	20 28 41	22 23 14	0 33 59	2 49 36	5 01 02	7 09 45
24	20 32 12	22 27 23	0 38 30	2 54 04	5 05 20	7 14 04
25	20 35 45	22 31 32	0 43 02	2 58 32	5 09 38	7 18 23
26	20 39 18	22 35 42	0 47 33	3 02 59	5 13 56	7 22 42
27	20 42 54	22 39 54	0 52 05	3 07 26	5 18 14	7 27 02
28	20 46 30	22 44 07	0 56 37	3 11 53	5 22 31	7 31 22
29.	20 50 07	22 48 20	1 01 09	3 16 19	5 26 48	7 35 42
30	20 53 45	22 52 35	1 05 41	3 20 45	5 31 06	7 40 03

5 उत्तर अक्षाश 21 (अयनाश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी
(उपकरण–सां काल खगौलिक संस्कार युत)

राशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
	6	7	8	9	10	11
अंश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	7 40 03	9 53 06	12 08 36	14 15 03	16 03 56	17 39 20
1	7 44 24	9 57 37	12 13 02	14 18 59	16 02 17	17 42 24
2	7 48 45	10 02 09	12 17 28	14 22 53	16 10 37	17 45 28
3	7 53 07	10 06 40	12 21 53	14 26 45	16 13 56	17 48 32
4	7 57 29	10 11 12	12 26 17	14 30 37	16 17 14	17 51 36
5	8 01 51	10 15 44	12 30 41	14 34 28	16 20 31	17 54 39
6	8 06 14	10 20 16	12 35 03	14 38 17	16 23 47	17 57 42
7	8 10 37	10 24 48	12 39 25	14 42 05	16 27 03	18 00 46
8	8 15 00	10 29 20	12 43 46	14 45 51	16 30 18	18 03 49
9	8 19 24	10 33 53	12 48 06	14 49 36	16 33 32	18 06 53
10	8 23 48	10 38 25	12 52 25	17 53 20	16 36 45	18 09 57
11	8 28 12	10 42 58	12 56 44	14 57 03	16 39 58	18 13 00
12	8 32 37	10 47 30	13 01 01	15 00 44	16 43 10	18 16 04
13	8 37 02	10 52 03	13 05 17	15 04 24	16 46 22	18 19 08
14	8 41 28	10 56 35	13 09 32	15 08 04	16 49 32	18 22 12
15	8 45 54	11 01 07	13 13 47	15 11 42	16 52 42	18 25 17
16	8 50 20	11 05 39	13 18 00	15 15 19	16 55 52	18 28 21
17	8 54 74	11 10 11	13 22 12	15 18 54	16 58 59	18 31 26
18	8 59 14	11 14 43	13 26 23	15 22 29	17 02 09	18 34 31
19	9 03 42	11 19 14	13 30 33	15 26 02	17 05 17	18 37 37
20	9 08 10	11 23 45	13 34 42	15 29 34	17 08 25	18 40 42
21	9 12 38	11 28 16	13 38 49	15 33 05	17 11 32	18 43 48
22	9 17 07	11 32 47	13 42 56	15 36 35	17 14 39	18 46 55
23	9 21 35	11 37 17	13 47 00	15 40 03	17 17 45	18 50 02
24	9 26 04	11 41 47	13 51 05	15 43 31	17 20 51	18 53 09
25	9 30 34	11 46 16	13 55 08	15 46 58	17 23 56	18 56 17
26	9 35 04	11 50 46	13 59 09	15 50 24	17 27 01	18 59 25
27	9 39 34	11 55 14	14 03 10	15 53 48	17 30 07	19 02 34
28	9 44 04	11 59 42	14 07 09	15 57 12	17 35 11	19 05 42
29	9 48 35	12 04 10	14 11 07	16 00 34	17 36 16	19 08 53
30	9 53 06	12 08 36	14 15 03	16 03 56	17 39 20	19 12 03

5 उत्तर अक्षांश 22 (अयनाश 23° 15′) की निरयन लग्न सारिणी
(उपकरण–सां काल खगौलिक सस्कार युत)

राशि अश	मेष 0 घ मि से	वृषभ 1 घ मि से	मिथुन 2 घ मि से	कर्क 3 घ मि से	सिह 4 घ मि से	कन्या 5 घ मि से
0	19 11 19	20 52 11	22 50 34	1 03 51	3 19 37	5 30 53
1	19 14 28	20 55 50	22 54 50	1 08 25	3 24 04	5 35 12
2	19 17 38	20 59 29	22 59 06	1 12 58	3 28 30	5 39 31
3	19 20 48	21 03 10	23 03 24	1 17 32	3 32 56	5 43 50
4	19 24 00	21 06 52	23 07 42	1 22 06	3 37 23	5 48 08
5	19 27 12	21 10 36	23 12 02	1 26 39	3 41 49	5 52 27
6	19 30 24	21 14 20	23 16 22	1 31 12	3 46 14	5 56 46
7.	19 33 38	21 18 06	23 20 44	1 35 45	3 50 39	6 01 04
8.	19 36 52	21 21 53	23 25 06	1 40 18	3 55 04	6 05 23
9	19 40 07	21 25 42	23 29 29	1 44 52	3 59 28	6 09 42
10	19 43 23	21 29 32	23 33 53	1 49 25	4 03 52	6 14 01
11	19 46 40	21 33 23	23 38 18	1 53 58	4 08 15	6 18 20
12	19 49 57	21 37 15	23 42 43	1 58 21	4 12 38	6 22 39
13	19 53 16	21 41 09	23 47 09	2 03 03	4 17 01	6 26 58
14	19 56 36	21 45 04	23 51 36	2 07 36	4 21 24	6 31 17
15	20 59 56	21 49 00	0 56 04	2 12 09	4 25 46	6 35 36
16	20 03 17	21 52 58	0 00 32	2 16 40	4 30 08	6 39 56
17	20 06 40	21 56 57	0 05 01	2 21 13	4 34 30	6 44 16
18.	20 10 03	22 00 57	0 09 30	2 25 44	4 38 52	6 48 35
19.	20 13 28	22 04 59	0 14 00	2 30 15	4 43 13	6 52 55
20	20 16 53	22 09 01	0 18 30	2 34 46	4 47 34	6 57 15
21	20 20 20	22 13 05	0 23 00	2 39 16	4 51 55	7 01 35
22	20 23 48	22 17 10	0 27 31	2 43 46	4 56 15	7 05 55
23	20 27 16	22 21 17	0 32 02	2 48 16	5 00 35	7 10 16
24.	20 30 47	22 25 24	0 36 35	2 52 46	5 04 56	7 14 37
25	20 34 18	22 29 33	0 41 07	2 57 15	5 09 15	7 18 58
26	20 37 50	22 33 43	0 45 39	3 01 44	5 13 35	7 23 19
27	20 41 24	22 37 54	0 50 12	3 06 13	5 17 55	7 27 40
28	20 44 58	22 42 06	0 54 45	3 10 41	5 22 14	7 32 02
29.	20 48 34	22 46 20	0 59 18	3 15 09	5 26 33	7 36 25
30	20 52 11	22 50 34	01 03 51	3 19 37	5 30 53	7 40 47

5 उत्तर अक्षांश 22 (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी
(उपकरण–सां काल खगौलिक संस्कार युत)

राशि अंश	तुला 6 घ मि से	वृश्चिक 7 घ मि से	धनु 8 घ मि से	मकर 9 घ मि से	कुंभ 10 घ मि से	मीन 11 घ मि से
0	7 40 47	9 54 40	12 10 37	14 16 53	16 05 04	17 39 33
1	7 45 10	9 59 13	12 15 04	14 20 48	16 08 23	17 42 35
2	7 49 33	10 03 45	12 19 30	14 24 41	16 11 42	17 45 37
3	7 53 56	10 08 18	12 23 55	14 28 33	16 14 59	17 48 38
4	7 58 20	10 12 51	12 28 19	14 32 23	16 18 15	17 51 40
5	8 02 44	10 17 25	12 32 43	14 36 13	16 21 31	17 54 42
6	8 07 09	10 21 58	12 37 05	14 40 00	16 24 45	17 57 44
7	8 11 34	10 26 31	12 41 27	14 43 47	16 27 59	18 00 46
8	8 15 59	10 31 05	12 45 48	14 47 32	16 31 12	18 03 47
9	8 20 24	10 35 38	12 50 08	14 51 16	16 34 24	18 06 49
10	8 24 50	10 40 12	12 54 27	14 54 59	16 37 36	18 09 50
11	8 29 16	10 44 45	12 58 45	14 58 40	16 40 47	18 12 52
12	8 33 43	10 49 19	13 03 02	15 02 21	16 43 57	18 15 54
13	8 38 10	10 53 52	13 07 18	15 06 00	16 47 07	18 18 56
14	8 42 37	10 58 25	13 11 33	15 09 38	16 50 15	18 21 58
15	8 47 05	11 02 59	13 15 47	15 13 14	16 53 24	18 25 00
16	8 51 33	11 07 32	13 20 02	15 16 49	16 56 31	18 28 03
17	8 56 01	11 12 05	13 24 12	15 20 24	16 59 38	18 31 06
18.	9 00 30	11 16 37	13 28 22	15 23 56	17 02 45	18 34 10
19.	9 04 59	11 21 09	13 32 32	15 27 28	17 05 51	18 37 13
20	9 09 29	11 25 41	13 36 40	15 30 58	17 08 57	18 40 17
21.	9 13 59	11 30 13	13 40 47	15 34 28	17 12 02	18 43 21
22	9 18 29	11 34 44	13 44 52	15 37 55	17 15 07	18 46 26
23	9 22 59	11 39 15	13 48 56	15 41 23	17 18 11	18 49 31
24	9 27 30	11 43 46	13 53 00	15 44 50	17 21 15	18 52 36
25	9 32 01	11 48 16	13 57 02	15 48 15	17 24 19	18 55 42
26	9 36 32	11 52 45	14 01 03	15 51 39	17 27 22	18 58 48
27	9 41 04	11 57 14	14 05 03	15 55 01	17 30 25	19 01 55
28	9 45 36	12 01 42	14 09 01	15 58 23	17 33 28	19 05 02
29	9 50 08	12 06 10	14 12 58	16 01 44	17 36 30	19 08 10
30	9 54 40	12 10 37	14 16 53	16 05 04	17 39 33	19 11 19

5 उत्तर अक्षांश 23 (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी
(उपकरण—सां काल खगौलिक संस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	19 10 34	20 50 36	22 48 31	1 01 59	3 18 27	5 30 39
1	19 13 42	20 54 13	22 52 46	1 06 34	3 22 56	5 35 00
2	19 16 50	21 57 51	23 57 03	1 11 08	3 27 25	5 39 21
3	19 19 58	21 01 31	23 01 20	1 15 42	3 31 53	5 43 41
4	19 23 08	21 05 11	23 05 38	1 20 17	3 36 21	5 48 02
5	19 26 18	21 08 53	23 09 58	1 24 52	3 40 48	5 52 23
6	19 29 28	21 12 37	23 14 18	1 29 27	3 45 15	5 56 44
7	19 32 40	21 16 21	23 18 40	1 34 02	3 49 42	6 01 05
8	19 35 52	21 20 07	23 23 02	1 38 36	3 54 09	6 05 26
9.	19 39 06	21 23 55	23 27 25	1 43 10	3 58 35	6 09 47
10.	19 42 20	21 27 44	23 31 49	1 47 45	4 03 00	6 14 07
11	19 45 35	21 31 34	23 36 14	1 52 19	4 07 26	6 18 28
12	19 48 51	21 35 25	23 40 40	1 56 53	4 11 51	6 22 49
13	19 52 02	21 39 18	23 45 06	2 01 28	4 16 16	6 27 10
14.	19 55 25	21 43 12	23 49 33	2 06 02	4 20 40	6 31 31
15.	19 58 44	21 47 07	23 54 01	2 10 36	4 25 04	6 35 52
16.	20 02 04	21 51 04	23 58 30	2 15 09	4 29 28	6 40 13
17.	20 05 25	21 55 02	0 02 59	2 19 42	4 33 52	6 44 35
18	20 08 46	21 59 01	0 07 29	2 24 15	4 38 15	6 48 57
19	20 12 09	22 03 02	0 11 59	2 28 47	4 42 38	6 53 18
20	20 15 33	22 07 04	0 16 30	2 33 20	4 47 01	6 57 40
21	20 18 59	22 11 07	0 21 01	2 37 52	4 51 24	7 02 02
22.	20 22 25	22 15 11	0 25 33	2 42 24	4 55 40	7 06 25
23.	20 25 25	22 19 17	0 30 05	2 46 56	5 00 08	7 10 47
24.	20 29 20	22 23 24	0 34 38	2 51 27	5 04 30	7 15 10
25	20 32 50	22 27 32	0 39 10	2 55 58	5 08 52	7 19 33
26.	20 36 20	22 31 42	0 43 44	3 00 28	5 13 14	7 23 56
27.	20 39 53	22 35 53	0 48 17	3 04 58	5 17 36	7 28 20
28	20 43 26	22 40 04	0 52 51	3 09 28	5 21 57	7 32 44
29.	20 47 00	22 44 17	0 57 25	3 13 58	5 26 18	7 37 08
30	20 50 36	22 48 31	1 01 59	3 18 27	5 30 39	7 41 32

5 उत्तर अक्षांश 23 (अयनांश 23° 15') की निरयन लग्न सारिणी
(उपकरण–सां काल खगौलिक सस्कार युत)

राशि अश	तुला 6 घ मि से	वृश्चिक 7 घ मि से	धनु 8 घ मि से	मकर 9 घ मि से	कुभ 10 घ मि से	मीन 11 घ मि से
0	7 41 32	9 56 16	12 12 40	14 18 45	16 06 14	17 39 46
1	7 45 57	10 00 50	12 17 07	14 22 39	16 09 31	17 42 46
2	7 50 22	10 05 24	12 21 33	14 26 31	16 12 47	17 45 46
3	7 54 47	10 09 58	12 25 58	14 30 21	16 16 03	17 48 46
4	7 59 12	10 14 32	12 30 23	14 34 11	16 19 17	17 51 46
5	8 03 38	10 19 07	12 34 47	14 37 59	16 22 31	17 54 46
6	8 08 05	10 23 42	12 39 09	14 41 46	16 25 44	17 57 45
7	8 12 32	10 28 17	12 43 31	14 45 31	16 28 56	18 00 45
8	8 16 59	10 32 51	12 47 52	14 49 15	16 32 07	18 03 45
9	8 21 26	10 37 25	12 52 12	14 52 58	16 35 18	18 06 44
10	8 25 53	10 42 00	12 56 31	14 56 39	16 38 27	18 09 44
11	8 30 21	10 46 35	13 00 49	15 00 19	16 41 36	18 12 44
12	8 34 50	10 51 09	13 05 06	15 03 58	16 44 45	18 15 44
13.	8 39 18	10 55 43	13 09 21	15 07 35	16 47 52	18 18 44
14	8 43 47	11 00 18	13 13 36	15 11 12	16 50 59	18 21 44
15.	8 48 16	11 04 52	13 17 50	15 14 47	16 54 06	18 24 45
16.	8 52 46	11 09 26	13 22 02	15 18 21	17 57 11	18 27 46
17.	8 57 16	11 13 59	13 26 13	15 21 54	17 00 15	18 30 47
18	9 01 47	11 18 33	13 30 23	15 25 25	17 03 21	18 33 48
19	9 06 18	11 23 06	13 34 32	15 28 55	17 06 26	18 36 49
20	9 10 49	11 27 39	13 38 40	15 32 24	17 09 29	18 39 51
21	9 15 20	11 32 11	13 42 46	15 35 52	17 12 33	18 42 52
22	9 19 52	11 36 43	13 46 51	15 39 19	17 15 35	18 45 55
23	9 24 24	11 41 15	13 50 55	15 42 44	17 18 38	18 48 59
24	9 28 56	11 45 46	13 54 57	15 46 09	17 21 40	18 52 03
25	9 33 29	11 50 16	13 58 59	15 49 32	17 24 42	18 55 06
26.	9 38 02	11 54 46	14 02 59	15 52 55	17 27 43	18 58 11
27	9 42 35	11 59 16	14 06 57	15 56 16	17 30 44	19 01 16
28.	9 47 08	12 03 45	14 10 55	15 59 36	17 33 45	19 04 21
29	9 51 42	12 08 13	14 14 51	16 02 55	17 36 46	19 07 27
30	9 56 16	12 12 40	14 18 45	16 06 14	17 39 46	19 10 34

5 उत्तर अक्षांश 24° (अयनांश 23°.15') की निरयन लग्न सारिणी
(उपकरण–सां काल खगौलिक संस्कार यूत)

राशि अंश	मेष 0 घ मि सं	वृषभ 1 घ मि से	मिथुन 2 घ मि से	कर्क 3 घ. मि से	सिंह 4 घ मि से.	कन्या 5 घ मि से
0.	19 09 49	20 48 59	22 46 26	1 00 05	3 17 17	5 30 26
1.	19 12 54	20 52 34	22 50 41	1 04 41	3 21 49	5 34 49
2.	19 16 00	20 56 11	22 54 57	1 09 17	3 26 18	5 39 12
3.	19 19 07	20 59 49	22 59 13	1 13 53	3 30 48	5 43 34
4.	19 22 14	21 03 29	23 03 32	1 18 28	3 35 17	5 47 57
5	19 25 23	21 07 09	23 07 52	1 23 04	3 39 47	5 52 20
6.	18 28 32	21 10 52	23 12 12	1 27 40	3 44 16	5 56 43
7.	19 31 42	21 14 35	23 16 34	1 32 16	3 48 45	6 01 06
8.	19 34 52	21 18 20	23 20 56	1 36 52	3 53 13	6 05 28
9.	19 38 03	21 22 06	23 25 19	1 41 27	3 57 41	6 09 51
10.	19 41 16	21 25 54	23 29 43	1 46 03	4 02 08	6 14 14
11.	19 44 29	21 29 43	23 34 08	1 50 39	4 06 36	6 18 37
12.	19 47 43	21 33 33	23 38 34	1 55 14	4 11 03	6 22 59
13.	19 50 58	21 37 25	23 43 01	1 59 50	4 15 29	6 27 22
14.	19 54 14	21 41 17	23 47 29	2 04 25	4 19 56	6 31 46
15	19 57 31	21 45 12	23 51 57	2 09 00	4 24 22	6 36 09
16.	20 00 49	21 49 08	23 56 26	2 13 35	4 28 48	6 40 32
17.	20 04 08	21 53 05	0 00 55	2 18 10	4 33 13	6 44 56
18.	20 07 28	21 57 03	0 05 26	2 22 45	4 37 38	6 49 19
19.	20 10 49	22 01 03	0 09 57	2 27 19	4 42 04	6 53 43
20.	20 14 12	22 05 04	0 14 28	2 31 53	4 46 29	6 58 06
21.	20 17 35	22 09 06	0 19 00	2 36 27	4 50 53	7 02 31
22.	20 21 00	22 13 10	0 23 32	2 41 00	4 55 17	7 06 55
23.	20 24 25	22 17 15	0 28 05	2 45 33	4 59 42	7 11 19
24.	20 27 52	22 21 22	0 32 38	2 50 06	5 04 06	7 15 44
25.	20 31 20	22 25 29	0 37 12	2 54 39	5 08 29	7 20 09
26.	20 34 49	22 29 38	0 41 46	2 59 11	5 12 53	7 24 34
27.	20 38 20	22 33 49	0 46 21	3 03 43	5 17 17	7 29 00
28.	20 41 52	22 38 00	0 50 55	3 08 15	5 21 40	7 33 25
29.	20 45 25	22 42 12	0 55 30	3 12 46	5 26 03	7 37 51
30.	20 48 59	22 46 26	1 00 05	3 17 17	5 30 26	7 42 18

5 उत्तर अक्षांश 24° (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण—सां काल खगौलिक संस्कार युत)

राशि अश	तुला 6 घ मि से	वृश्चिक 7 घ मि से	धनु 8 घ मि से	मकर 9 घ मि से	कुंभ 10 घ मि से	मीन 11 घ मि से
0	7 42 18	9 57 53	12 14 45	14 20 39	16 07 24	17 39 59
1	7 46 44	10 02 28	12 19 12	14 24 32	16 10 40	17 42 57
2	7 51 11	10 07 03	12 23 39	14 28 22	16 13 54	17 45 56
3	7 55 38	10 11 39	12 28 04	14 32 11	16 17 07	17 48 54
4	8 00 05	10 16 15	12 32 29	14 36 00	16 20 20	17 51 51
5	8 04 33	10 20 51	12 36 53	14 39 47	16 23 32	17 54 49
6	8 09 01	10 25 27	12 41 15	14 43 33	16 26 44	17 57 47
7.	8 13 30	10 30 02	12 45 37	14 47 17	16 29 54	18 00 44
8	8 17 59	10 34 38	12 49 58	14 51 00	16 33 03	18 03 42
9	8 22 28	10 39 14	12 54 18	14 54 41	16 36 12	18 06 40
10	8 26 57	10 43 50	12 58 37	14 58 21	16 39 19	18 09 38
11	8 31 27	10 48 26	13 02 54	15 02 00	16 42 27	18 12 35
12	8 35 57	10 53 01	13 07 11	15 05 37	16 45 33	18 15 33
13	8 40 28	10 57 37	13 11 26	15 09 13	16 48 39	18 18 31
14	8 44 59	11 02 12	13 15 41	15 12 49	16 51 44	18 21 30
15	8 49 30	11 06 47	13 19 54	15 16 22	16 54 48	18 24 28
16	8 54 01	11 11 22	13 24 06	15 19 54	16 57 52	18 27 27
17	8 58 33	11 15 57	13 28 16	15 23 25	17 00 54	18 30 26
18	9 03 05	11 20 31	13 32 26	15 26 56	17 03 58	18 33 25
19	9 07 38	11 25 05	13 36 35	15 30 24	17 07 01	18 36 25
20	9 12 10	11 29 38	13 40 43	15 33 51	17 10 02	18 39 25
21	9 16 43	11 34 11	13 44 47	15 37 18	17 13 04	18 42 25
22	9 21 17	11 38 44	13 48 52	15 40 43	17 16 05	18 45 26
23	9 25 17	11 43 16	13 52 55	15 44 07	17 19 05	18 48 27
24	9 30 25	11 47 48	13 56 57	15 47 30	17 22 05	18 51 28
25	9 34 59	11 52 19	14 00 57	15 50 51	17 25 05	18 54 31
26	9 39 33	11 56 50	14 04 56	15 54 12	17 28 04	18 57 33
27.	9 44 07	12 01 20	14 08 54	15 57 31	17 31 04	19 00 36
28	9 48 42	12 05 49	14 12 51	16 00 50	17 34 02	19 03 40
29	9 53 17	12 10 17	14 16 46	16 04 08	17 37 01	19 06 44
30.	9 57 33	12 14 45	14 20 39	16 07 24	17 39 59	19 09 49

5 उत्तर अक्षांश 25° (अयनांश 23° 15') की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अंश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	19 09 02	20 47 20	22 44 19	0 58 10	3 16 05	5 30 12
1	19 12 06	20 50 54	22 48 34	1 02 46	3 20 38	5 34 37
2.	19 15 10	20 54 30	22 52 49	1 07 23	3 25 10	5 39 02
3	19 18 15	20 58 07	22 57 06	1 12 00	3 29 41	5 43 27
4.	19 21 20	21 01 44	23 01 25	1 16 37	3 34 13	5 47 52
5	19 24 27	21 05 24	23 05 44	1 21 14	3 38 44	5 52 17
6.	19 27 34	21 09 05	23 10 04	1 25 51	3 43 15	5 56 41
7.	19 30 42	21 12 47	23 14 26	1 30 28	3 47 45	6 01 06
8	19 33 51	21 16 30	23 18 48	1 35 05	3 52 16	6 05 31
9	19 37 00	21 20 15	23 23 11	1 39 42	3 56 46	6 09 56
10.	19 40 11	21 24 02	23 27 35	1 44 19	4 01 15	6 14 20
11.	19 43 22	21 27 49	23 32 01	1 48 56	4 05 45	6 18 45
12.	19 46 29	21 31 39	23 36 27	1 53 33	4 10 13	6 23 10
13.	19 49 47	21 35 29	23 40 54	1 58 10	4 14 42	6 27 35
14.	19 53 02	21 39 21	23 45 22	2 02 47	4 19 10	6 32 00
15.	19 56 17	21 42 15	23 49 50	2 07 24	4 23 38	6 36 25
16.	19 59 33	21 47 09	23 54 19	2 12 00	4 28 06	6 40 51
17.	20 02 51	21 51 06	23 58 50	2 16 36	4 32 33	6 45 16
18.	20 06 09	21 55 03	0 03 21	2 21 13	4 37 01	6 49 41
19.	20 09 28	21 59 02	0 07 52	2 25 48	4 41 28	6 54 07
20.	20 12 49	22 03 02	0 12 24	2 30 24	4 45 55	6 58 33
21.	20 16 11	22 07 04	0 16 56	2 35 00	4 50 22	7 02 59
22.	20 19 34	22 11 07	0 21 29	2 39 35	4 54 48	7 07 25
23.	20 22 58	22 15 11	0 26 03	2 44 09	4 59 14	7 11 52
24.	20 26 23	22 19 17	0 30 37	2 48 44	5 03 40	7 16 18
25.	20 29 49	22 23 24	0 35 12	2 53 58	5 08 06	7 20 45
26	20 33 17	22 27 33	0 39 47	2 57 53	5 12 31	7 25 13
27.	20 36 46	22 31 43	0 44 22	3 02 26	5 16 57	7 29 40
28	20 40 16	22 35 53	0 48 58	3 07 00	5 21 22	7 34 08
29	20 43 47	22 40 06	0 53 34	3 11 33	5 25 47	7 38 36
30	20 47 20	22 44 19	0 58 10	3 16 05	5 30 12	7 43 04

5 उत्तर अक्षांश 25° (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि अंश	तुला 6 घ मि से	वृश्चिक 7 घ मि से	धनु 8 घ मि से	मकर 9 घ मि से	कुंभ 10 घ मि से	मीन 11 घ मि से
0	7 43 04	9 59 31	12 16 52	14 22 35	16 08 36	17 40 13
1	7 47 32	10 04 08	12 21 20	14 26 26	16 11 49	17 43 09
2	7 52 01	10 08 45	12 25 46	14 30 16	16 15 02	17 46 05
3	7 56 30	10 13 22	12 30 11	14 34 04	16 18 14	17 49 01
4	8 00 59	10 17 59	12 34 37	14 37 52	16 21 25	17 51 57
5	8 05 29	10 22 36	12 39 01	14 41 37	16 24 35	17 54 53
6	8 09 59	10 27 14	12 43 24	14 45 22	16 27 44	17 57 48
7.	8 14 29	10 31 51	12 47 45	14 49 04	16 30 52	18 00 44
8	8 19 00	10 36 28	12 52 06	14 52 46	16 34 00	18 03 40
9	8 23 31	10 41 05	12 56 26	14 56 26	16 37 06	18 06 35
10	8 28 02	10 45 42	13 00 45	15 00 05	16 40 12	18 09 31
11	8 32 34	10 50 19	13 05 02	15 03 42	16 43 18	18 12 27
12	8 37 06	10 54 55	13 09 19	15 07 18	16 46 22	18 15 23
13.	8 41 38	10 59 31	13 13 34	15 10 53	16 49 26	18 18 19
14	8 46 11	11 04 08	13 17 48	15 14 27	16 52 29	18 21 15
15	8 50 44	11 08 44	13 22 01	15 17 59	16 55 32	18 24 12
16	8 55 17	11 13 20	13 26 12	15 21 29	16 58 34	18 27 09
17	8 59 50	11 17 56	13 30 22	15 24 59	17 01 34	18 30 06
18	9 04 25	11 22 31	13 34 31	15 28 17	17 04 36	18 33 03
19	9 08 59	11 27 06	13 38 39	15 31 54	17 07 36	18 36 00
20	9 13 33	11 31 40	13 42 46	15 35 20	17 10 36	18 38 58
21	9 18 08	11 36 14	13 46 51	15 38 45	17 13 35	18 41 57
22	9 22 43	11 40 47	13 50 54	15 42 08	17 16 34	18 44 55
23	9 27 18	11 45 20	13 54 56	15 45 30	17 19 32	18 47 54
24	9 31 54	11 49 52	13 58 58	15 48 52	17 22 31	18 50 54
25	9 36 29	11 54 24	14 02 57	15 52 12	17 25 29	18 53 54
26	9 41 05	11 58 55	14 06 56	15 55 31	17 28 26	18 56 55
27.	9 45 42	12 03 25	14 10 53	15 58 48	17 31 23	18 59 56
28	9 50 18	12 07 55	14 14 48	16 02 05	17 34 20	19 02 57
29.	9 54 55	12 12 24	14 18 42	16 05 21	17 37 16	19 06 00
30	9 59 31	12 16 52	14 22 35	16 08 36	17 40 13	19 09 02

5 . उत्तर अक्षांश 26° (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां . काल) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि अंश	मेष 0 घ मि से	वृषभ 1 घ मि से	मिथुन 2 घ मि से	कर्क 3 घ मि से	सिंह 4 घ मि से	कन्या 5 घ मि से
0	19 08 15	20 45 40	22 42 10	0 56 12	3 14 53	5 29 59
1.	19 11 17	20 49 12	22 46 24	1 00 50	3 19 27	5 34 26
2	19 14 19	20 52 46	22 50 39	1 05 28	3 24 01	5 38 53
3	19 17 22	20 56 22	22 54 56	1 10 05	3 28 35	5 43 19
4	19 20 26	20 59 58	22 59 13	1 14 43	3 33 08	5 47 46
5	19 23 30	21 03 36	23 03 33	1 19 22	3 37 41	5 52 13
6	19 26 35	21 07 16	23 07 53	1 24 01	3 42 14	5 56 40
7.	19 29 41	21 10 58	23 12 15	1 28 39	3 46 46	6 01 07
8	19 32 48	21 14 39	23 16 37	1 33 17	3 51 17	6 05 37
9	19 35 56	21 18 23	23 21 01	1 37 56	3 55 50	6 10 00
10	19 39 04	21 22 08	23 25 25	1 42 34	4 00 22	6 14 27
11.	19 42 14	21 25 55	23 29 51	1 47 12	4 04 53	6 18 54
12	19 45 24	21 29 43	23 34 17	1 51 50	4 09 23	6 23 21
13	19 48 36	21 33 32	23 38 44	1 56 29	4 13 54	6 27 48
14.	19 51 48	21 37 23	23 43 12	2 01 08	4 18 25	6 32 15
15.	19 55 02	21 41 15	23 47 41	2 05 46	4 22 55	6 36 42
16	19 58 16	21 45 09	23 52 11	2 10 24	4 27 24	6 41 10
17.	20 01 32	21 49 05	23 56 42	2 15 02	4 31 52	6 45 37
18.	20 04 48	21 53 01	0 01 13	2 19 39	4 36 23	6 50 04
19.	20 08 06	21 56 59	0 05 45	2 24 17	4 40 52	6 54 32
20	20 11 25	22 00 59	0 10 17	2 28 54	4 45 21	6 59 00
21.	20 14 45	22 05 00	0 14 51	2 33 31	4 49 50	7 03 28
22.	20 18 06	22 09 02	0 19 25	2 38 08	4 54 18	7 07 56
23.	20 21 28	22 13 06	0 23 59	2 42 44	4 58 46	7 12 24
24.	20 24 52	22 17 11	0 28 34	2 47 21	5 03 14	7 16 53
25	20 28 17	22 21 17	0 33 09	2 51 57	5 07 42	7 21 22
26	20 31 43	22 25 25	0 37 45	2 56 33	5 12 10	7 25 52
27	20 35 10	22 29 35	0 42 21	3 01 08	5 16 37	7 30 21
28	20 38 38	22 33 45	0 46 58	3 05 43	5 21 04	7 34 51
29.	20 42 08	22 37 57	0 51 35	3 10 18	5 25 32	7 39 21
30.	20 45 40	22 42 10	0 56 12	3 14 53	5 29 59	7 43 51

5 उत्तर अक्षांश 26° (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
	6	7	8	9	10	11
अंश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	7 43 51	10 01 12	12 19 02	14 24 33	16 09 48	17 40 26
1	7 48 21	10 05 50	12 23 30	14 28 23	16 13 00	17 43 21
2	7 52 52	10 10 28	12 27 56	14 32 12	16 16 11	17 46 15
3	7 57 23	10 15 06	12 32 22	14 35 58	16 19 21	17 49 09
4	8 01 54	10 19 46	12 36 47	14 39 45	16 22 30	17 52 02
5	8 06 26	10 24 24	12 41 11	14 43 29	16 25 38	17 54 56
6	8 10 58	10 29 02	12 45 34	14 47 12	16 28 45	17 57 50
7	8 15 30	10 33 40	12 49 56	14 50 54	16 31 52	18 00 43
8	8 20 03	10 38 18	12 54 17	14 54 34	16 34 58	18 03 37
9	8 24 36	10 42 57	12 58 36	14 58 13	16 38 02	18 06 31
10	8 29 02	10 47 36	13 02 55	15 01 50	16 41 06	18 09 24
11	8 33 42	10 52 14	13 07 12	15 05 26	16 44 10	18 11 18
12	8 38 16	10 56 52	13 11 28	15 09 01	16 47 11	18 15 12
13	8 42 50	11 01 29	13 15 43	15 12 34	16 50 13	18 18 06
14	8 47 25	11 06 07	13 19 57	15 16 06	16 53 15	18 21 01
15	8 51 59	11 10 44	13 24 10	15 19 36	16 56 16	18 23 55
16	8 56 34	11 15 20	13 28 21	15 23 06	16 59 16	18 26 50
17	9 01 10	11 19 57	13 32 30	15 26 34	17 02 14	18 29 45
18	9 05 45	11 24 33	13 36 39	15 30 01	17 05 14	18 32 40
19	9 10 21	11 29 09	13 40 46	15 33 26	17 08 12	18 35 35
20	9 14 57	11 33 44	13 44 52	15 36 50	17 11 10	18 38 31
21	9 19 33	11 38 18	13 48 56	15 40 13	17 14 07	18 41 28
22	9 24 10	11 42 52	13 52 59	15 43 35	17 17 04	18 44 25
23	9 28 47	11 47 26	13 57 00	15 46 55	17 20 00	18 47 22
24	9 33 25	11 51 59	14 01 01	15 50 15	17 22 57	18 50 19
25	9 38 02	11 56 31	14 05 00	15 53 33	17 25 53	18 53 17
26	9 42 40	12 01 03	14 08 58	15 56 50	17 28 48	18 56 16
27	9 47 18	12 05 34	14 12 53	16 00 06	17 31 43	18 59 15
28	9 51 55	12 10 04	14 16 48	16 03 21	17 34 38	19 02 14
29	9 56 33	12 14 34	14 20 41	16 06 35	17 37 32	19 05 15
30	10 01 12	12 19 02	14 24 33	16 09 48	17 40 26	19 08 15

5 उत्तर अक्षांश 27° (अयनांश 23°.15') की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षांश सस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	19 07 28	20 43 57	22 39 58	0 54 12	3 13 39	5 29 45
1	19 10 27	20 47 28	22 44 12	0 58 51	3 18 15	5 34 14
2	19 13 27	20 51 01	22 48 27	1 03 29	3 22 51	5 38 43
3	19 16 28	20 54 35	22 52 43	1 08 09	3 27 26	5 43 12
4	19 19 30	20 58 10	22 57 01	1 12 48	3 32 01	5 47 41
5	19 22 32	21 01 47	23 01 20	1 17 27	3 36 36	5 52 10
6	19 25 36	21 05 25	23 05 40	1 22 07	3 41 11	5 56 38
7	19 28 40	21 09 05	23 10 02	1 26 47	3 45 46	6 01 07
8	19 31 45	21 12 46	23 14 24	1 31 27	3 50 20	6 05 36
9	19 34 50	21 16 28	23 18 48	1 36 06	3 54 53	6 10 05
10	19 37 57	21 20 12	23 23 12	1 40 47	3 59 27	6 14 34
11	19 41 05	21 23 57	23 27 38	1 45 26	4 04 00	6 19 03
12	19 44 13	21 27 44	23 32 04	1 50 06	4 08 33	6 23 32
13	19 47 23	21 31 33	23 36 30	1 54 46	4 13 05	6 28 01
14	19 50 33	21 35 22	23 41 00	1 59 26	4 17 38	6 32 30
15	19 53 45	21 39 14	23 45 30	2 04 06	4 22 10	6 36 59
16	19 56 57	21 43 06	23 50 00	2 08 45	4 26 41	6 41 29
17	20 00 11	21 47 01	23 54 32	2 13 25	4 31 12	6 45 58
18	20 03 26	21 50 56	23 59 03	2 18 04	4 35 44	6 50 28
19	20 06 42	21 54 54	0 03 36	2 22 43	4 40 15	6 54 58
20	20 09 59	21 58 52	0 08 09	2 27 22	4 44 46	6 59 28
21.	20 13 18	22 02 53	0 12 43	2 32 01	4 49 17	7 02 58
22	20 16 37	22 06 54	0 17 17	2 36 39	4 53 47	7 08 28
23.	20 19 57	22 10 58	0 21 52	2 41 17	4 58 18	7 12 59
24	20 23 19	22 15 02	0 26 28	2 45 55	5 02 48	7 17 29
25	20 26 42	22 19 08	0 31 04	2 50 34	5 07 17	7 22 00
26	20 30 07	22 23 15	0 35 41	2 55 11	5 11 47	7 26 31
27	20 33 33	22 27 24	0 40 20	2 59 49	5 16 17	7 31 02
28.	20 36 59	22 31 34	0 44 57	3 04 26	5 20 46	7 35 34
29	20 40 28	22 35 45	0 49 34	3 09 02	5 25 15	7 40 06
30	20 43 57	22 39 58	0 54 12	3 13 39	5 29 45	7 44 38

5 उत्तर अक्षांश 27° (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां. काल) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि अंश	तुला 6 घ मि से	वृश्चिक 7 घ मि. से	धनु 8 घ मि से	मकर 9 घ मि से	कुंभ 10 घ मि से	मीन 11 घ मि से
0	7 44 38	10 02 54	12 21 14	14 26 33	16 11 02	17 40 41
1.	7 49 11	10 07 34	12 25 42	14 30 22	16 14 12	17 43 33
2	7 53 44	10 12 14	12 30 09	14 34 09	16 17 21	17 46 25
3	7 58 17	10 16 54	12 34 35	14 37 55	16 20 28	17 49 17
4	8 02 50	10 21 34	12 39 00	14 41 40	16 23 36	17 52 08
5	8 07 24	10 26 13	12 43 24	14 45 24	16 26 43	17 55 00
6	8 11 57	10 30 53	12 47 47	14 49 05	16 29 48	17 57 51
7.	8 16 32	10 35 33	12 52 09	14 52 45	16 32 52	18 00 43
8	8 21 06	10 40 13	12 56 30	14 56 24	16 35 56	18 03 34
9	8 25 41	10 44 52	13 00 49	15 00 02	16 38 59	18 06 26
10	8 30 16	10 49 32	13 05 08	15 03 38	16 42 01	18 09 18
11	8 34 51	10 54 11	13 09 25	15 07 12	16 45 02	18 12 09
12	8 39 27	10 58 50	13 13 41	15 10 45	16 48 03	18 15 01
13	8 44 03	11 03 29	13 17 55	15 14 16	16 51 03	18 17 53
14	8 48 39	11 08 07	13 22 09	15 17 48	16 54 02	18 20 45
15	8 53 16	11 12 45	13 26 21	15 21 17	16 57 00	18 23 38
16	8 57 53	11 17 23	13 30 32	15 24 44	16 59 58	18 26 30
17	9 02 31	11 22 01	13 34 41	15 28 11	17 02 54	18 29 24
18	9 07 08	11 26 38	13 38 49	15 31 36	17 05 52	18 32 16
19	9 11 45	11 31 14	13 42 56	15 34 59	17 08 49	18 35 10
20.	9 16 23	11 35 50	13 47 01	15 38 22	17 11 45	18 38 04
21	9 21 02	11 40 25	13 51 05	15 41 43	17 14 40	18 40 58
22	9 25 40	11 45 00	13 55 07	15 45 03	17 17 35	18 43 53
23	9 30 18	11 49 34	13 59 08	15 48 22	17 20 39	18 46 48
24.	9 34 57	11 54 08	14 03 07	15 51 40	17 23 23	18 49 43
25.	9 39 36	11 58 41	14 07 05	15 54 56	17 26 17	18 52 39
26.	9 44 16	12 03 13	14 11 01	15 58 12	17 29 10	18 55 36
27.	9 48 55	12 07 44	14 14 56	16 01 26	17 32 03	18 58 33
28.	9 53 34	12 12 15	14 18 50	16 04 39	17 34 56	19 01 31
29.	9 58 14	12 16 45	14 22 42	16 07 51	17 27 48	19 04 29
30.	10 02 54	12 21 14	14 26 33	16 11 02	17 40 41	19 07 28

5 उत्तर अक्षांश 28° (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां . काल) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अंश	घ मि से	घ. मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	19 06 39	20 42 13	22 37 43	0 52 09	3 12 23	5 29 30
1	19 09 36	20 45 43	22 41 57	0 56 49	3 17 01	5 34 02
2	19 12 35	20 49 14	22 46 12	1 01 29	3 21 39	5 38 33
3	19 15 33	20 52 46	22 50 28	1 06 09	3 26 16	5 43 04
4	19 18 33	20 56 20	22 54 46	1 10 50	3 30 54	5 47 35
5.	19 21 34	20 59 55	22 59 04	1 15 31	3 35 31	5 52 06
6.	19 24 35	21 03 32	23 03 25	1 20 12	3 40 07	5 56 37
7.	19 27 37	21 07 10	23 07 46	1 24 54	3 44 44	6 01 08
8.	19 30 40	21 10 50	23 12 08	1 29 35	3 49 20	6 05 39
9.	19 33 44	21 14 31	23 16 32	1 34 16	3 53 56	6 10 10
10	19 36 48	21 18 14	23 20 57	1 38 57	3 58 31	6 14 41
11	19 39 54	21 21 58	23 25 23	1 43 38	4 03 06	6 19 12
12.	19 43 01	21 25 43	23 29 49	1 48 20	4 07 41	6 23 43
13	19 46 08	21 29 31	23 34 18	1 53 01	4 12 15	6 28 14
14.	19 49 17	21 33 19	23 38 46	1 57 43	4 16 50	6 32 45
15	19 52 26	21 37 10	23 43 16	2 02 24	4 21 24	6 37 17
16.	19 55 37	21 41 01	23 47 46	2 07 05	4 25 58	6 41 48
17	19 58 49	21 44 55	23 52 18	2 11 46	4 30 31	6 46 20
18	20 02 02	21 48 50	23 56 50	2 16 27	4 35 05	6 50 52
19	20 05 16	21 52 46	0 01 24	2 21 08	4 39 38	6 55 23
20.	20 08 31	21 56 44	0 05 58	2 25 49	4 44 11	6 59 55
21	20 11 48	22 00 43	0 10 32	2 30 29	4 48 44	7 04 27
22.	20 15 06	22 04 44	0 15 07	2 35 09	4 53 16	7 09 00
23	20 18 25	22 08 46	0 19 43	2 39 49	4 57 48	7 13 33
24.	20 21 45	22 12 50	0 24 20	2 44 29	5 02 21	7 18 05
25	20 25 06	22 16 55	0 28 57	2 49 09	5 06 53	7 22 38
26.	20 28 29	22 21 02	0 33 35	2 53 48	5 11 24	7 27 12
27	20 31 53	22 25 11	0 38 13	2 58 27	5 15 56	7 31 45
28.	20 35 18	22 29 20	0 42 51	3 03 06	5 20 28	7 36 19
29	20 38 45	22 33 31	0 47 30	3 07 45	5 24 59	7 40 53
30.	20 42 13	22 37 43	0 52 09	3 12 23	5 29 30	7 45 27

5 उत्तर अक्षांश 28° (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षांश सस्कार युत)

राशि	तुला 6	वृश्चिक 7	धनु 8	मकर 9	कुंभ 10	मीन 11
अंश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	7 45 27	10 04 38	12 23 28	14 28 35	16 12 18	17 40 55
1	7 50 02	10 09 20	12 27 57	14 32 23	16 15 26	17 43 45
2	7 54 37	10 14 01	12 32 24	14 36 10	16 18 33	17 46 35
3	7 59 11	10 18 42	12 36 50	14 39 54	16 21 39	17 49 25
4	8 03 47	10 23 24	12 41 16	14 43 38	16 24 44	17 52 14
5	8 08 22	10 28 95	12 45 40	14 47 20	16 27 48	17 55 04
6	8 12 58	10 32 46	12 50 03	14 51 00	16 30 52	17 57 53
7	8 17 34	10 37 38	12 54 25	14 54 39	16 33 54	18 00 43
8	8 22 11	10 42 08	12 58 46	14 58 17	16 36 56	18 03 32
9	8 26 48	10 46 49	13 03 05	15 01 52	16 39 57	18 06 21
10.	8 31 25	10 51 30	13 07 23	15 05 27	16 42 57	18 09 10
11.	8 36 02	10 56 10	13 11 40	15 09 00	16 45 56	18 12 00
12.	8 40 40	11 00 50	13 15 56	15 12 32	16 48 55	18 14 50
13.	8 45 17	11 05 30	13 20 10	15 16 02	16 51 53	18 17 40
14	8 49 56	11 10 10	13 24 23	15 19 31	16 54 50	18 20 30
15.	8 54 34	11 14 49	13 28 35	15 22 58	16 57 46	18 23 20
16.	8 59 13	11 19 28	13 32 45	15 26 25	17 00 42	18 26 11
17.	9 03 52	11 24 07	13 36 54	15 29 49	17 03 36	18 29 02
18.	9 08 31	11 28 44	13 41 01	15 33 13	17 06 32	18 31 53
19.	9 13 11	11 33 22	13 45 07	15 36 35	17 09 26	18 34 44
20.	9 17 51	11 37 59	13 49 12	15 39 55	17 12 20	18 37 36
21.	9 22 31	11 42 35	13 53 15	15 43 15	17 15 13	18 40 28
22.	9 27 11	11 47 10	13 58 17	15 46 33	17 18 06	18 43 21
23	9 31 51	11 51 45	14 01 16	15 49 50	17 20 58	18 46 13
24.	9 36 32	11 56 20	14 05 15	15 53 06	17 23 50	18 49 07
25	9 41 12	12 00 53	14 09 12	15 56 21	17 26 42	18 52 01
26.	9 45 53	12 05 26	14 13 08	15 59 35	17 29 33	18 54 55
27	9 50 35	12 09 58	14 17 02	16 02 47	17 32 24	18 57 51
28.	9 55 15	12 14 29	14 20 55	16 05 58	17 35 14	19 00 46
29.	9 59 56	12 18 59	14 24 46	16 09 08	17 38 05	19 03 42
30	10 04 38	12 23 28	14 28 35	16 12 18	17 40 55	19 06 39

5 उत्तर अक्षांश 28 40° (अयनाश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अक्षा	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	19 06 06	20 41 03	22 36 12	0 50 46	3 11 32	5 29 21
1.	19 09 02	20 44 31	22 40 25	0 55 27	3 16 12	5 33 53
2.	19 11 59	20 48 01	22 44 40	1 00 08	3 20 51	5 38 26
3	19 14 57	20 51 32	22 48 57	1 04 49	3 25 29	5 42 58
4.	19 17 55	20 55 05	22 53 14	1 09 30	3 30 08	5 47 31
5	19 20 54	20 58 39	22 57 32	1 14 12	3 34 46	5 52 03
6.	19 23 54	21 02 15	23 01 53	1 18 54	3 39 24	5 56 36
7	19 26 55	21 05 53	23 06 14	1 23 36	3 44 02	6 01 08
8.	19 29 56	21 09 31	23 10 36	1 28 18	3 48 39	6 05 41
9	19 32 58	21 13 12	23 15 00	1 33 01	3 53 17	6 10 13
10.	19 36 02	21 16 53	23 19 25	1 37 43	3 57 53	6 14 45
11	19 39 06	21 20 37	23 23 51	1 42 25	4 02 30	6 19 18
12	19 42 11	21 24 22	23 28 18	1 47 07	4 07 06	6 23 50
13.	19 45 18	21 28 11	23 32 46	1 51 50	4 11 42	6 28 23
14	19 48 25	21 31 56	23 37 15	1 56 33	4 16 18	6 32 56
15	19 51 34	21 35 46	23 41 45	2 01 15	4 20 53	6 37 29
16.	19 54 43	21 39 37	23 46 16	2 05 57	4 25 28	6 42 01
17.	19 57 54	21 43 30	23 50 49	2 10 39	4 30 02	6 46 34
18	20 01 05	21 47 23	23 55 20	2 15 22	4 34 38	6 51 08
19	20 04 18	21 51 19	23 59 54	2 20 03	4 39 13	6 55 07
20	20 07 32	21 55 17	0 04 28	2 24 45	4 43 47	7 00 14
21	20 10 48	21 59 15	0 09 03	2 29 27	4 48 21	7 04 48
22	20 14 04	22 03 16	0 13 39	2 34 08	4 52 55	7 09 22
23	20 17 22	22 07 17	0 18 16	2 38 49	4 57 29	7 13 56
24	20 20 41	22 11 21	0 22 53	2 43 31	5 02 02	7 18 30
25	20 24 01	22 15 26	0 27 30	2 48 12	5 06 36	7 23 05
26.	20 27 23	22 19 32	0 32 09	2 52 52	5 11 09	7 27 39
27	20 30 45	22 23 40	0 36 48	2 57 33	5 15 42	7 32 14
28	20 34 10	22 27 49	0 41 27	3 02 13	5 20 15	7 36 49
29.	20 37 36	22 32 00	0 46 07	3 06 53	5 24 48	7 41 25
30	20 41 03	22 36 12	0 50 46	3 11 32	5 29 21	7 46 00

5 उत्तर अक्षांश 28 40° (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि अश	तुला 6 घ मि से	वृश्चिक 7 घ मि से	धनु 8 घ मि से	मकर 9 घ मि से	कुंभ 10 घ मि से	मीन 11 घ मि से
0	7 46 00	10 05 49	12 25 00	14 29 58	16 13 09	17 41 05
1	7 50 36	10 10 31	12 29 28	14 33 45	16 16 16	17 43 53
2	7 55 12	10 15 14	12 33 56	14 37 31	16 19 21	17 46 42
3	7 59 49	10 19 56	12 38 22	14 41 14	16 22 25	17 49 30
4	8 04 25	10 24 38	12 42 48	14 44 58	16 25 30	17 52 18
5	8 09 02	10 29 21	12 47 12	14 48 39	16 28 33	17 55 06
6	8 13 39	10 34 03	12 51 35	14 52 18	16 31 35	17 57 54
7	8 18 17	10 38 45	12 55 57	14 55 56	16 34 36	18 00 42
8	8 22 55	10 43 27	13 00 18	14 59 33	16 37 37	18 03 30
9	8 27 33	10 48 09	13 04 37	15 03 08	16 40 36	18 06 18
10	8 32 11	10 52 50	13 08 55	15 06 41	16 43 34	18 09 06
11	8 36 50	10 57 32	13 13 12	15 10 13	16 46 32	18 11 54
12	8 41 29	11 02 12	13 17 28	15 13 44	16 49 30	18 14 43
13	8 46 08	11 06 52	13 21 41	15 17 13	16 52 26	18 17 31
14	8 50 47	11 11 33	13 25 55	15 20 41	16 55 22	18 20 20
15	8 55 27	11 16 13	13 30 06	15 24 07	16 58 17	18 23 09
16	9 00 07	11 20 53	13 34 16	15 27 32	17 01 11	18 25 58
17	9 04 48	11 25 32	13 38 24	15 30 56	17 04 04	18 28 48
18	9 09 28	11 30 10	13 42 31	15 34 19	17 06 49	18 31 37
19	9 14 09	11 34 48	13 46 37	15 37 39	17 09 51	18 34 27
20	9 18 50	11 39 26	13 50 41	15 40 49	17 12 44	18 37 17
21	9 23 31	11 44 03	13 54 44	15 44 17	17 15 36	18 40 08
22.	9 28 12	11 48 39	13 58 45	15 47 34	17 18 27	18 42 59
23.	9 32 54	11 53 14	14 02 44	15 50 50	17 21 18	18 45 51
24	9 37 36	11 57 49	14 06 42	15 54 05	17 24 08	18 48 42
25	9 42 18	12 02 23	14 10 39	15 57 18	17 26 58	18 51 35
26	9 47 00	12 06 56	14 14 34	16 00 31	17 29 48	18 54 28
27.	9 51 42	12 11 29	14 18 27	16 03 42	17 32 38	18 57 22
28	9 56 24	12 16 00	14 22 19	16 06 52	17 35 27	19 00 16
29	10 01 06	12 20 30	14 26 09	16 10 01	17 38 16	19 03 11
30	10 05 49	12 25 00	14 29 58	16 13 09	17 41 05	19 06 06

5 उत्तर अक्षांश 30° (अयनांश 23° 15') की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अंश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	19 04 59	20 38 38	22 33 05	0 47 57	3 09 48	5 29 01
1	19 07 52	20 42 05	22 37 18	0 52 39	3 14 30	5 33 36
2	19 10 46	20 45 33	22 41 33	0 57 22	3 19 12	5 38 12
3	19 13 41	20 49 02	22 45 49	1 02 05	3 23 53	5 42 47
4.	19 16 36	20 52 33	22 50 06	1 06 48	3 28 34	5 47 23
5.	19 19 33	20 56 05	22 54 24	1 11 31	3 33 15	5 51 58
6.	19 22 30	20 59 39	22 58 44	1 16 15	3 37 56	5 56 34
7.	19 25 28	21 03 14	23 03 06	1 20 59	3 42 37	6 01 09
8.	19 28 26	21 06 51	23 07 28	1 25 43	3 47 17	6 05 44
9.	19 31 26	21 10 29	23 11 52	1 30 27	3 51 57	6 10 19
10	19 34 27	21 14 10	23 16 17	1 35 11	3 56 36	6 14 55
11.	19 37 29	21 17 51	23 20 43	1 39 55	4 01 15	6 19 31
12	19 40 31	21 21 34	23 25 10	1 44 40	4 05 54	6 24 06
13.	19 43 35	21 25 20	23 29 39	1 49 25	4 10 33	6 28 41
14	19 46 40	21 29 06	23 34 09	1 54 10	4 15 12	6 33 17
15	19 49 45	21 32 54	23 38 39	1 58 54	4 19 50	6 37 53
16	19 52 52	21 36 43	23 43 11	2 03 38	4 24 28	6 42 28
17.	19 56 01	21 40 35	23 47 43	2 08 23	4 29 05	6 47 04
18	19 59 09	21 44 28	23 52 17	2 13 07	4 33 44	6 51 40
19	20 02 20	21 48 22	23 56 51	2 17 52	4 38 21	6 56 17
20	20 05 31	21 52 18	0 01 26	2 22 36	4 42 58	7 00 53
21.	20 08 44	21 56 16	0 06 02	2 27 20	4 47 35	7 05 30
22	20 11 58	22 00 15	0 10 39	2 32 04	4 52 12	7 10 06
23.	20 15 14	22 04 16	0 15 16	2 36 47	4 56 49	7 14 43
24	20 18 30	22 08 18	0 19 55	2 41 31	5 01 25	7 19 20
25	20 21 48	22 12 22	0 24 34	2 46 15	5 06 02	7 23 57
26.	20 25 07	22 16 27	0 29 14	2 50 58	5 10 38	7 28 35
27.	20 28 28	22 20 35	0 33 54	2 55 40	5 15 14	7 33 13
28.	20 31 50	22 24 43	0 38 34	3 00 23	5 19 50	7 37 52
29	20 35 13	22 28 54	0 43 15	3 05 06	5 24 25	7 42 29
30	20 38 38	22 33 05	0 47 57	3 09 48	5 29 01	7 47 07

5 . उत्तर अक्षांश 30° (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि अंश	तुला 6 घ. मि से	वृश्चिक 7 घ मि से	धनु 8 घ मि से	मकर 9 घ मि से	कुंभ 10 घ मि से	मीन 11 घ मि से
0.	7 47 07	10 08 13	12 28 07	14 32 48	16 14 53	17 41 24
1	7 51 46	10 12 58	12 32 36	14 36 33	16 17 57	17 44 10
2.	7 56 25	10 17 42	12 37 03	14 40 17	16 21 00	17 46 56
3.	8 01 04	10 22 26	12 41 30	14 44 00	16 24 02	17 49 41
4.	8 05 44	10 27 11	12 45 56	14 47 41	16 27 03	17 52 26
5.	8 10 23	10 31 55	12 50 20	14 51 20	16 30 04	17 55 11
6.	8 15 03	10 36 39	12 54 44	14 54 58	16 33 03	17 57 56
7.	8 19 44	10 41 24	12 59 05	14 58 34	16 36 01	18 00 41
8	8 24 24	10 46 07	13 03 26	15 02 09	16 38 59	18 03 26
9	8 29 05	10 50 51	13 07 45	15 05 41	16 41 56	18 06 11
10	8 33 46	10 55 34	13 12 03	15 09 13	16 44 51	18 08 56
11	8 38 27	11 00 17	13 16 20	15 12 43	16 47 47	18 11 41
12	8 43 09	11 05 00	13 20 35	15 16 11	16 50 41	18 14 27
13	8 47 51	11 09 42	13 24 48	15 19 38	16 53 34	18 17 13
14	8 52 33	11 14 24	13 29 01	15 23 04	16 56 28	18 19 59
15	8 57 15	11 19 05	13 33 12	15 26 28	16 59 20	18 22 44
16	9 01 58	11 23 46	13 37 21	15 29 51	17 02 12	18 25 31
17	9 06 41	11 28 26	13 41 28	15 33 12	17 05 01	18 28 18
18	9 11 24	11 33 06	13 45 35	15 36 33	17 07 52	18 31 04
19	9 16 07	11 37 46	13 49 40	15 39 51	17 10 43	18 33 51
20	9 20 51	11 42 24	13 53 43	15 43 08	17 13 33	18 36 38
21	9 25 34	11 47 02	13 57 45	15 46 24	17 16 21	18 39 26
22	9 30 18	11 51 39	14 01 45	15 49 39	17 19 10	18 42 14
23	9 35 02	11 56 16	14 05 43	15 52 52	17 21 58	18 45 03
24	9 39 46	12 00 51	14 09 40	15 56 05	17 24 45	18 47 05
25	9 44 30	12 05 26	14 13 35	15 59 16	17 27 33	18 50 04
26	9 49 15	12 10 00	14 17 29	16 02 25	17 30 20	18 53 03
27	9 53 59	12 14 33	14 21 21	16 05 34	17 33 06	18 56 02
28	9 58 44	12 19 05	14 25 12	16 08 41	17 35 52	18 59 01
29	10 03 29	12 23 36	14 29 01	16 11 48	17 38 39	19 02 00
30	10 08 13	12 28 07	14 32 48	16 14 53	17 41 24	19 04 59

5 उत्तर अक्षांश 31° (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अंश	घ मि से.	घ मि से	घ मि. से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0.	19 04 07	20 36 47	22 30 41	0 45 46	3 08 28	5 28 46
1	19 06 58	20 4012	22 34 54	0 50 29	3 13 12	5 33 24
2.	19 09 50	20 43 38	22 39 08	0 55 13	3 17 56	5 38 04
3.	19 12 42	20 47 06	22 43 24	0 59 57	3 22 39	5 42 40
4.	19 15 36	20 50 35	22 47 40	1 04 42	3 27 22	5 47 17
5.	19 18 30	20 54 06	22 51 59	1 09 27	3 32 06	5 51 54
6.	19 21 25	20 57 39	22 56 19	1 14 12	3 36 48	5 56 32
7.	19 24 21	21 01 12	23 00 41	1 18 57	3 41 31	6 01 10
8.	19 27 17	21 04 47	23 05 03	1 23 43	3 46 13	6 05 47
9.	19 30 14	21 08 24	23 09 27	1 28 28	3 50 55	6 10 25
10.	19 33 13	21 12 03	23 13 52	1 33 14	3 55 37	6 15 02
11.	19 36 13	21 15 43	23 18 18	1 38 00	4 00 18	6 19 40
12	19 39 14	21 19 25	23 22 46	1 42 46	4 05 00	6 24 17
13.	19 42 15	21 23 09	23 27 14	1 47 32	4 09 40	6 28 55
14	19 45 18	21 26 54	23 31 45	1 52 19	4 14 21	6 33 33
15.	19 48 22	21 30 41	23 36 16	1 57 05	4 19 02	6 38 11
16.	19 51 27	21 34·30	23 40 48	2 01 51	4 23 41	6 42 49
17.	19 54 33	21 38 20	23 45 21	2 06 38	4 28 21	6 47 28
18.	19 57 40	21 42 12	23 49 55	2 11 24	4 33 02	6 52 06
19.	20 00 48	21 46 05	23 54 30	2 16 10	4 37 42	6 56 44
20.	20 03 58	21 50 00	23 59 05	2 20 56	4 42 21	7 01 23
21.	20 07 09	21 53 57	0 03 42	2 25 42	4 47 00	7 06 01
22.	20 10 21	21 57 56	0 08 20	2 30 28	4 51 39	7 10 40
23.	20 13 34	22 01 56	0 12 58	2 35 13	4 56 18	7 15 20
24.	20 16 49	22 05 57	0 17 38	2 39 59	5 00 57	7 19 59
25.	20 20 05	22 10 01	0 22 18	2 44 44	5 05 35	7 24 38
26.	20 23 23	22 14 06	0 26 58	2 49 29	5 10 14	7 29 18
27.	20 26 42	22 18 13	0 31 40	2 54 14	5 14 52	7 33 58
28	20 30 02	22 22 20	0 36 21	2 58 59	5 19 30	7 38 38
29	20 33 24	22 26 30	0 41 03	3 03 43	5 24 08	7 43 18
30.	20 36 47	22 30 41	0 45 46	3 08 28	5 28 46	7 47 59

5 उत्तर अक्षांश 31° (अयनांश 23°.15') की निरयन लग्न सारिणी (उपकर ण सां काल) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि अंश	तुला 6 घ मि से	वृश्चिक 7 घ मि से	धनु 8 घ मि से	मकर 9 घ मि से	कुम्भ 10 घ मि से	मीन 11 घ मि से
0	7 47 59	10 10 03	12 30 30	14 34 58	16 16 13	17 41 40
1	7 52 39	10 14 50	12 34 59	14 38 42	16 19 15	17 44 24
2	7 57 20	10 19 36	12 39 27	14 42 25	16 22 16	17 47 06
3	8 02 02	10 24 22	12 43 54	14 46 05	16 25 16	17 49 49
4.	8 06 43	10 29 08	12 48 20	14 49 45	16 28 15	17 52 32
5	8 11 25	10 33 54	12 52 45	14 53 24	16 31 13	17 55 15
6	8 16 07	10 38 39	12 57 08	14 57 00	16 34 11	17 57 58
7	8 20 50	10 43 25	13 01 29	15 00 34	16 37 07	18 00 41
8	8 25 32	10 48 10	13 05 50	15 04 08	16 40 03	18 03 24
9	8 30 15	10 52 55	13 10 10	15 07 39	16 42 57	18 06 06
10	8 34 58	10 57 40	13 14 27	15 11 09	16 45 51	18 08 49
11	8 39 42	11 02 24	13 18 44	15 14 37	16 48 44	18 11 32
12	8 44 26	11 07 08	13 22 59	15 18 04	16 51 36	18 14 15
13	8 49 09	11 11 51	13 27 12	15 21 29	16 54 28	18 16 58
14	8 53 54	11 16 34	13 31 24	15 24 54	16 57 18	18 19 42
15	9 58 38	11 21 17	13 35 34	15 28 16	17 00 08	18 22 26
16	9 03 23	11 25 59	13 40 43	15 31 37	17 02 58	18 25 10
17	9 08 07	11 30 41	13 43 50	15 34 57	17 05 46	18 27 54
18	9 12 53	11 35 21	13 47 56	15 38 15	17 08 35	18 30 39
19	9 17 38	11 40 01	13 52 00	15 41 32	17 11 23	18 35 23
20	9 22 23	11 44 41	13 56 03	15 44 47	17 14 10	18 36 08
21	9 27 09	11 49 20	14 00 04	15 48 01	17 16 57	18 38 53
22	9 31 55	11 53 58	14 04 03	15 51 14	17 19 43	18 41 40
23	9 36 40	11 58 35	14 08 00	15 54 25	17 22 29	18 44 26
24	9 41 26	12 03 11	14 11 56	15 57 36	17 25 14	18 47 14
25	9 46 12	12 07 47	14 15 51	16 00 45	17 27 59	18 50 01
26	9 50 58	12 12 21	14 19 44	16 03 53	17 30 44	18 52 49
27	9 55 45	12 16 55	14 23 35	16 06 59	17 33 28	18 55 36
28	10 00 31	12 21 28	14 27 24	16 10 05	17 36 12	18 58 27
29	10 05 17	12 25 59	14 31 12	16 13 09	17 38 56	19 01 17
30	10 10 03	12 30 30	14 34 58	16 16 13	17 41 40	19 04 07

5 . उत्तर अक्षांश 32° (अयनांश 23°.15') की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि अंश	मेष 0 घ मि से	वृषभ 1 घ मि से	मिथुन 2 घ मि से	कर्क 3 घ मि से	सिंह 4 घ मि से	कन्या 5 घ मि से
0	19 03 14	20 34 54	22 28 14	0 43 33	3 07 06	5 28 30
1	19 06 03	20 38 17	22 32 26	0 48 18	3 11 52	5 33 10
2.	19 08 53	20 41 41	22 36 40	0 53 03	3 16 38	5 37 50
3	19 11 43	20 45 07	22 40 56	0 57 48	3 21 24	5 42 30
4.	19 14 34	20 48 35	22 45 13	1 02 34	3 26 09	5 47 10
5.	19 17 26	20 52 04	22 49 31	1 07 20	3 30 54	5 51 50
6.	19 20 19	20 55 35	22 53 51	1 12 07	3 35 39	5 56 30
7.	19 23 13	20 59 07	22 58 13	1 16 53	3 40 24	6 01 10
8.	19 26 08	21 02 41	23 02 35	1 21 40	3 45 08	6 05 50
9	19 29 03	21 06 17	23 06 59	1 26 28	3 49 53	6 10 30
10	19 31 59	21 09 54	23 11 24	1 31 15	3 54 37	6 15 10
11	19 34 57	21 13 33	23 15 51	1 36 03	3 59 20	6 19 50
12	19 37 55	21 17 14	23 20 18	1 40 51	4 04 04	6 24 30
13	19 40 55	21 20 57	23 24 46	1 45 39	4 08 47	6 29 10
14	19 43 56	21 24 40	23 29 18	1 50 27	4 13 30	6 33 50
15.	19 46 57	21 28 26	23 33 49	1 55 15	4 18 12	6 38 30
16.	19 50 00	21 32 13	23 38 22	2 00 03	4 22 55	6 43 10
17.	19 53 05	21 36 03	23 42 56	2 04 51	4 27 37	6 47 51
18	19 56 09	21 39 53	23 47 30	2 09 39	4 32 19	6 52 31
19.	19 59 16	21 43 46	23 52 06	2 14 27	4 37 01	6 57 12
20.	20 02 24	21 47 40	23 56 43	2 19 15	4 41 43	7 01 53
21.	20 05 32	21 51 36	0 01 20	2 24 02	4 46 24	7 06 34
22.	20 08 43	21 55 34	0 05 59	2 28 50	4 51 05	7 11 15
23	20 11 54	21 59 35	0 10 38	2 33 38	4 55 46	7 15 56
24.	20 15 07	22 03 34	0 15 18	2 38 25	5 00 28	7 20 38
25	20 18 21	22 07 37	0 19 59	2 43 13	5 05 08	7 25 20
26	20 21 37	22 11 41	0 24 40	2 48 00	5 09 49	7 30 02
27.	20 24 54	22 15 47	0 29 23	2 52 47	5 14 30	7 34 44
28	20 28 13	22 19 54	0 34 06	2 57 33	5 19 10	7 39 26
29.	20 31 33	22 24 03	0 38 49	3 02 20	5 23 50	7 44 09
30	20 34 54	22 28 14	0 43 33	3 07 06	5 28 30	7 48 52

5 उत्तर अक्षांश 32° (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि अंश	तुला 6 घ मि से	वृश्चिक 7 घ मि से	धनु 8 घ मि से	मकर 9 घ मि से	कुंभ 10 घ मि से	मीन 11 घ मि से
0	7 48 52	10 11 57	12 32 57	14 37 12	16 17 35	17 41 55
1	7 53 35	10 16 45	12 37 27	14 40 55	16 20 35	17 44 36
2	7 58 18	10 21 33	12 41 56	14 44 36	16 23 34	17 47 17
3	8 03 01	10 26 21	12 46 23	14 48 16	16 26 38	17 59 57
4	8 07 45	10 31 08	12 50 49	14 51 54	16 29 29	17 52 38
5	8 12 29	10 35 56	12 55 13	14 55 31	16 32 25	17 55 19
6	8 17 14	10 40 43	12 59 37	14 59 06	16 35 20	17 58 00
7.	8 21 59	10 45 30	13 03 59	15 02 30	16 38 14	18 00 40
8	8 26 43	10 50 17	13 08 19	15 06 11	16 41 07	18 03 21
9	8 31 28	10 55 03	13 12 38	15 09 41	16 44 00	18 06 01
10	8 36 13	10 59 49	13 16 56	15 13 09	16 46 51	18 08 42
11	8 40 59	11 04 35	13 21 12	15 16 36	16 49 42	18 11 23
12	8 45 45	11 09 20	13 25 27	15 20 01	16 52 32	18 14 03
13	8 50 31	11 14 05.	13 29 41	15 23 24	16 55 21	18 16 44
14.	8 55 17	11 18 49	13 33 57	15 26 47	16 58 10	18 19 26
15	9 00 03	11 23 33	13 38 01	15 30 08	17 00 58	18 22 07
16.	9 04 50	11 28 16	13 42 10	15 33 27	17 03 45	18 24 49
17.	9 09 37	11 32 58	13 46 16	15 36 45	17 06 32	18 27 31
18.	9 14 24	11 37 40	13.50 21	15 40 01	17 09 18	18 30 13
19.	9 19 11	11 42 22	13 54 25	15 43 16	17 12 03	18 32 55
20.	9 23 58	11 47 02	13 58 27	15 46 30	17 14 48	18 35 38
21	9 28 46	11 51 42	14 02 27	15 49 42	17 17 32	18 38 22
22.	9 33 34	11 56 21	14 06 25	15 52 53	17 20 16	18 41 05
23.	9 38 21	12 00 58	14 10 21	15 56 02	17 22 59	18 43 39
24.	9 43 09	12 05 36	14 14 17	15 59 11	17 25 43	18 46 34
25	9 47 57	12 10 12	14 18 10	16 02 17	17 28 26	18 49 20
26	9 52 45	12 14 47	14 22 02	16 05 23	17 31 08	18 52 05
27	9 57 35	12 19 21	14 25 52	16 08 28	17 33 52	18 54 52
28	10 02 21	12 23 54	14 29 41	16 11 31	17 36 32	18 57 39
29.	10 07 09	12 28 26	14 33 27	16 14 34	17 39 14	19 00 26
30.	10 11 57	12 32 57	14 37 12	16 17 35	17 41 55	19 03 14

5 . उत्तर अक्षांश 33° (अयनांश 23°.15') की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि अंश	मेष 0 घ मि से	वृषभ 1 घं मि से	मिथुन 2 घ मि से	कर्क 3 घ मि से	सिंह 4 घ मि से	कन्या 5 घ मि से
0.	19 02 20	20 32 58	22 25 43	0 41 16	3 05 42	5 28 15
1.	19 05 07	20 36 19	22 29 55	0 46 02	3 10 31	5 32 57
2.	19 07 54	20 39 42	22 34 09	0 50 48	3 15 19	5 37 39
3.	19 10 43	20 43 07	22 38 24	0 55 33	3 20 06	5 42 22
4.	19 13 31	20 46 32	22 42 40	1 00 22	3 24 54	5 47 04
5.	19 16 21	20 50 00	22 46 59	1 05 10	3 29 41	5 51 46
6.	19 19 12	20 53 29	22 51 19	1 09 58	3 34 29	5 56 28
7.	19 22 04	20 57 00	22 55 40	1 14 46	3 39 16	6 01 10
8.	19 24 56	21 00 32	23 00 03	1 19 35	3 44 02	6 05 53
9.	19 27 49	21 04 06	23 04 27	1 24 24	3 48 48	6 10 35
10	19 30 43	21 07 42	23 08 52	1 29 13	3 53 35	6 15 17
11	19 33 39	21 11 20	23 13 19	1 34 03	3 58 21	6 19 59
12.	19 36 35	21 14 59	23 17 47	1 38 52	4 03 06	6 24 42
13.	19 39 33	21 18 40	23 22 17	1 43 41	4 07 52	6 29 24
14.	19 42 31	21 22 23	23 26 47	1 48 31	4 12 37	6 34 07
15	19 45 30	21 26 07	23 31 19	1 53 21	4 17 22	6 38 49
16.	19 48 31	21 29 54	23 35 52	1 58 11	4 22 07	6 43 32
17	19 51 33	21 33 42	23 40 27	2 03 01	4 26 51	6 48 15
18	19 54 36	21 37 31	23 45 02	2 07 51	4 31 36	6 52 58
19	19 57 41	21 41 23	23 49 38	2 12 41	4 36 19	6 57 41
20.	20 00 46	21 45 16	23 54 16	2 17 31	4 41 04	7 02 24
21.	20 03 53	21 49 11	23 58 54	2 22 20	4 45 47	7 07 07
22	20 07 02	21 53 08	0 03 33	2 27 10	4 50 31	7 11 51
23	20 10 11	21 57 06	0 08 13	2 31 59	4 55 14	7 16 34
24.	20 13 22	22 01 06	0 12 54	2 36 49	4 59 58	7 21 18
25	20 16 34	22 05 08	0 17 36	2 41 38	5 04 41	7 26 02
26	20 19 48	22 09 12	0 22 19	2 46 28	5 09 24	7 30 47
27	20 23 04	22 13 17	0 27 03	2 52 28	5 14 06	7 35 31
28.	20 26 20	22 17 24	0 31 46	2 56 05	5 18 59	7 40 16
29	20 29 38	22 21 33	0 36 31	3 00 54	5 23 32	7 45 01
30	20 32 58	22 25 43	0 41 16	3 05 42	5 28 15	7 49 46

5 उत्तर अक्षांश 33° (अयनाश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षांश सस्कार युत)

राशि अश	तुला 6 घ मि से	वृश्चिक 7 घ मि से	धनु 8 घ मि से	मकर 9 घ मि से	कुंभ 10 घ मि से	मीन 11 घ मि से
0	7 49 46	10 13 54	12 35 28	14 39 29	16 18 59	17 42 11
1	7 54 31	10 18 43	12 39 58	14 43 11	16 21 56	17 44 50
2	7 59 17	10 23 33	12 44 27	14 46 51	16 24 53	17 47 28
3	8 04 03	10 28 22	12 48 55	14 50 29	16 27 48	17 50 06
4	8 08 48	10 33 11	12 53 21	14 54 06	16 30 44	17 52 45
5	8 13 35	10 38 00	12 57 46	14 57 41	16 33 38	17 55 23
6	8 18 21	10 42 49	13 02 09	15 01 14	16 36 31	17 58 01
7.	8 23 08	10 47 38	13 06 31	15 06 46	16 39 22	18 00 40
8	8 27 55	10 52 26	13 10 51	15 08 16	16 42 14	18 03 18
9	8 32 42	10 57 14	13 15 11	15 11 44	16 45 05	18 05 56
10	8 37 30	11 02 01	13 19 28	15 15 11	16 47 53	18 08 34
11	8 42 17	11 06 48	13 23 44	15 18 36	16 50 42	18 11 13
12	8 47 05	11 11 35	13 27 58	15 22 00	16 53 29	18 13 51
13.	8 51 53	11 16 21	13 32 11	15 25 22	16 56 16	18 16 30
14	8 56 42	11 21 07	13 36 22	15 28 42	16 59 03	18 19 09
15	9 01 30	11 25 52	13 40 32	15 32 01	17 01 48	18 21 48
16	9 06 19	11 30 36	13 44 39	15 35 19	17 04 33	18 24 27
17	9 11 08	11 35 19	13 48 46	15 38 34	17 07 18	18 27 07
18	9 15 57	11 40 02	13 52 50	15 41 49	17 10 01	18 29 47
19	9 20 46	11 44 45	13 56 53	15 45 02	17 12 44	18 32 27
20	9 25 36	11 49 26	14 00 54	15 48 14	17 15 27	18 33 07
21	9 30 25	11 54 07	14 04 53	15 51 24	17 18 09	18 37 48
22	9 35 15	11 58 47	14 08 51	15 54 33	17 20 51	18 40 30
23	9 40 04	12 03 25	14 12 46	15 57 40	17 23 32	18 43 12
24	9 44 54	12 08 03	14 16 41	16 00 47	17 26 13	18 45 54
25	9 49 44	12 12 40	14 20 33	16 03 52	17 28 53	18 48 37
26	9 54 34	12 17 16	14 24 24	16 06 55	17 31 33	18 51 21
27	9 59 24	12 21 50	14 28 12	16 09 58	17 34 13	18 54 05
28	10 04 14	12 26 24	14 32 00	16 12 59	17 36 53	18 56 49
29.	10 09 04	12 30 57	14 35 45	16 15 59	17 39 32	18 59 34
30	10 13 54	12 35 28	14 39 29	16 18 59	17 42 11	19 02 20

5 उत्तर अक्षांश 34° 41 (अयनाश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षांश सस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	19 00 57	20 29 58	22 21 49	0 37 44	3 03 33	5 27 50
1	19 03 40	20 33 16	22 26 01	0 42 32	3 08 25	5 32 36
2	19 06 24	20 36 37	22 30 14	0 47 20	3 13 16	5 37 22
3	19 09 09	20 39 59	22 34 29	0 52 09	3 18 07	5 42 08
4	19 11 54	20 43 22	22 38 45	0 56 59	3 22 58	5 46 54
5	19 14 40	20 46 47	22 43 03	1 01 49	3 27 49	5 51 40
6	19 17 28	20 50 13	22 47 23	1 06 39	3 32 39	5 56 26
7	19 20 16	20 53 42	22 51 45	1 11 30	3 37 30	6 01 11
8	19 23 05	20 57 12	22 56 07	1 16 21	3 42 20	6 05 57
9	19 25 55	21 00 44	23 00 31	1 21 12	3 47 10	6 10 43
10.	19 28 46	21 04 18	23 04 57	1 26 04	3 51 59	6 15 29
11	19 31 38	21 07 53	23 09 24	1 30 56	3 56 48	6 20 15
12	19 34 31	21 11 30	23 13 52	1 35 48	4 01 38	6 25 01
13.	19 37 25	21 15 10	23 18 23	1 40 40	4 06 27	6 29 47
14	19 40 20	21 18 50	23 22 54	1 45 33	4 11 15	6 34 33
15	19 43 16	21 22 33	23 27 26	1 50 26	4 16 04	6 39 19
16	19 46 14	21 26 17	23 32 00	1 55 18	4 20 52	6 44 05
17	19 49 13	21 30 04	23 36 36	2 00 11	4 25 39	6 48 52
18	19 52 12	21 33 51	23 41 12	2 05 04	4 30 26	6 53 38
19.	19 55 14	21 37 41	23 45 49	2 09 57	4 35 13	6 58 25
20.	19 58 16	21 41 33	23 50 28	2 14 49	4 40 00	7 03 12
21	20 01 20	21 45 26	23 55 07	2 19 42	4 44 47	7 07 59
22.	20 04 25	21 49 22	23 59 48	2 24 35	4 49 34	7 12 46
23.	20 07 32	21 53 19	0 04 29	2 29 27	4 54 21	7 17 33
24.	20 10 39	21 57 18	0 09 12	2 34 20	4 59 08	7 22 20
25	20 13 49	22 01 19	0 13 55	2 39 13	5 03 55	7 27 08
26	20 17 00	22 05 21	0 18 40	2 44 05	5 08 42	7 31 46
27.	20 20 13	22 09 26	0 23 25	2 48 57	5 13 29	7 36 44
28.	20 23 26	22 13 32	0 28 11	2 53 49	5 18 16	7 41 32
29	20 26 41	22 17 40	0 32 57	2 58 41	5 23 03	7 46 20
30	20 29 58	22 21 49	0 37 44	3 03 33	5 27 50	7 51 09

5 उत्तर अक्षांश 34° 41 (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षांश सस्कार युत)

राशि अंश	तुला 6 घ मि से	वृश्चिक 7 घ मि से	धनु 8 घ मि से	मकर 9 घ मि से	कुंभ 10 घ मि से	मीन 11 घ मि से
0.	7 51 09	10 16 53	12 39 22	14 43 01	16 21 08	17 42 35
1	7 55 58	10 21 46	12 43 53	14 46 41	16 24 03	17 45 10
2.	8 00 47	10 26 38	12 48 22	14 50 19	16 26 56	17 47 45
3	8 05 36	10 31 30	12 52 50	14 53 54	16 29 48	17 50 20
4.	8 10 26	10 36 22	12 57 17	14 57 29	16 32 40	17 52 55
5.	8 15 15	10 41 13	13 01 41	15 01 02	16 35 30	17 55 29
6.	8 20 05	10 46 05	13 06 05	15 04 33	16 38 20	17 58 04
7.	8 24 56	10 50 56	13 10 27	15 08 02	16 41 08	18 00 39
8	8 29 46	10 55 46	13 14 47	15 11 30	16 43 56	18 03 13
9	8 34 37	11 00 36	13 19 06	15 14 56	16 46 43	18 05 48
10.	8 39 27	11 05 26	13 23 23	15 18 20	16 49 28	18 08 22
11.	8 44 18	11 10 15	13 27 39	15 21 43	16 52 14	18 10 57
12	8 49 10	11 15 04	13 31 53	15 25 03	16 54 58	18 13 32
13	8 54 01	11 19 52	13 36 05	15 28 22	16 57 41	18 16 07
14	8 58 53	11 24 40	13 40 16	15 31 41	17 00 24	18 18 42
15	9 03 45	11 29 26	13 44 25	15 34 57	17 03 06	18 21 18
16	9 08 37	11 34 12	13 48 31	15 38 11	17 05 48	18 23 54
17.	9 13 29	11 38 58	13 52 36	15 41 24	17 08 25	18 26 30
18	9 18 21	11 43 43	13 56 40	15 44 36	17 11 03	18 29 06
19	9 23 13	11 48 26	14 00 42	15 47 46	17 13 40	18 31 43
20.	9 28 06	11 53 09	14 04 42	15 50 55	17 16 18	18 34 20
21	9 32 59	11 57 51	14 08 40	15 54 02	17 18 56	18 36 57
22.	9 37 52	12 02 33	14 12 36	15 57 08	17 21 33	18 39 35
23	9 42 44	12 07 13	14 16 30	16 00 12	17 24 11	18 42 13
24	9 47 37	12 11 52	14 20 23	16 03 15	17 26 49	18 44 52
25	9 52 30	12 16 30	14 24 14	16 06 17	17 29 26	18 47 31
26	9 57 23	12 21 07	14 28 03	16 09 18	17 32 04	18 50 11
27	10 02 16	12 25 42	14 31 50	16 12 17	17 34 42	18 52 52
28	10 07 08	12 30 17	14 35 36	16 15 15	17 37 19	18 55 33
29	10 12 01	12 34 50	14 39 19	16 18 12	17 39 57	18 58 15
30	10 16 53	12 39 22	14 43 01	16 21 08	17 42 35	19 00 47

5 उत्तर अक्षाश 39° 55 (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि अश	मेष 0 घ मि से	वृषभ 1 घ मि से	मिथुन 2 घ मि से	कर्क 3 घ मि से	सिंह 4 घ मि से	कन्या 5 घ मि से
0.	18 55 40	20 18 30	22 06 49	0 24 10	2 55 19	5 26 17
1	18 58 10	20 21 37	22 10 58	0 29 06	3 00 24	5 31 17
2	19 00 40	20 24 47	22 15 09	0 34 02	3 05 28	5 36 17
3	19 03 11	20 27 59	22 19 22	0 39 00	3 10 32	5 41 16
4	19 05 44	20 31 12	22 23 37	0 43 58	3 15 35	5 46 16
5.	19 08 17	20 34 27	22 27 54	0 48 56	3 20 39	5 51 16
6	19 10 51	20 37 44	22 32 14	0 53 56	3 25 43	5 56 16
7.	19 13 26	20 41 04	22 36 35	0 58 56	3 30 46	6 01 15
8	19 16 02	20 44 24	22 40 58	1 03 37	3 35 50	6 06 14
9	19 18 39	20 47 47	22 45 23	1 08 57	3 40 53	6 11 14
10	19 21 17	20 51 12	22 49 49	1 13 59	3 45 55	6 16 14
11	19 23 56	20 54 39	22 54 18	1 19 01	3 50 58	6 31 13
12	19 26 36	20 58 08	22 58 48	1 24 04	3 56 00	6 26 13
13.	19 29 17	21 01 39	23 03 20	1 29 07	4 01 03	6 31 13
14	19 32 00	21 05 12	23 07 54	1 34 10	4 06 05	6 36 12
15	19 34 44	21 08 47	23 12 30	1 39 13	4 11 07	6 41 12
16.	19 37 29	21 12 24	23 17 07	1 44 17	4 16 09	6 46 12
17.	19 40 15	21 16 04	23 21 46	1 49 21	4 21 11	6 51 12
18.	19 43 02	21 19 45	23 26 26	1 54 25	4 26 12	6 56 13
19	19 45 51	21 23 28	23 31 07	1 59 29	4 31 13	7 01 13
20	19 48 42	21 27 14	23 35 50	2 04 34	4 36 14	7 06 13
21	19 51 34	21 31 02	23 40 35	2 09 38	4 41 15	7 11 14
22	19 54 24	21 34 52	23 45 21	2 14 43	4 46 16	7 16 15
23.	19 57 22	21 38 44	23 50 08	2 19 47	4 51 18	7 21 16
24	20 00 18	21 42 38	23 54 56	2 24 52	4 56 17	7 26 16
25	20 03 16	21 46 35	23 59 46	2 29 57	5 01 17	7 31 18
26	20 06 15	21 50 33	0 04 37	2 35 01	5 06 17	7 36 19
27	20 09 17	21 54 35	0 09 29	2 40 06	5 11 18	7 41 21
28	20 12 19	21 58 37	0 14 21	2 45 10	5 16 18	7 46 22
29	20 15 23	22 02 42	0 19 15	2 50 15	5 21 18	7 51 24
30	20 18 30	22 06 49	0 24 10	2 55 19	5 26 17	7 56 26

5 उत्तर अक्षांश 39° 55 (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि	तुला 6	वृश्चिक 7	धनु 8	मकर 9	कुंभ 10	मीन 11
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	7 56 26	10 28 22	12 54 23	14 56 35	16 29 22	17 44 08
1	8 01 28	10 33 25	12 58 56	15 00 07	16 32 04	17 46 29
2	8 06 31	10 38 27	12 03 27	15 03 37	16 34 44	17 48 51
3	8 11 33	10 43 29	12 07 56	15 07 05	16 37 24	17 51 12
4	8 16 36	10 48 32	13 12 24	15 10 31	16 40 02	17 53 33
5	8 21 39	10 53 33	13 16 50	15 13 55	16 42 40	17 55 54
6	8 26 42	10 58 34	13 21 14	15 17 17	16 45 16	18 58 14
7	8 31 45	11 03 34	13 25 36	15 20 36	16 47 52	18 00 35
8	8 36 39	11 08 34	13 29 56	15 23 55	16 50 26	18 02 56
9	8 41 53	11 13 33	13 34 15	15 27 11	16 53 00	18 05 17
10	8 46 56	11 18 32	13 38 31	15 30 25	16 55 32	18 07 38
11	8 52 00	11 23 29	13 42 45	15 33 37	16 58 04	18 09 59
12	8 57 04	11 28 26	13 46 57	15 36 48	17 00 35	18 12 20
13	9 02 08	11 33 22	13 51 07	15 39 56	17 03 05	18 14 42
14	9 07 13	11 38 18	13 55 15	15 43 04	17 05 35	18 17 03
15	9 12 17	11 43 12	13 59 21	15 46 09	17 08 03	18 19 25
16	9 17 22	11 48 05	13 03 25	15 49 13	17 10 31	18 21 47
17	9 22 27	11 52 57	13 07 26	15 52 14	17 12 58	18 24 10
18	9 27 31	11 57 49	13 11 26	15 55 15	17 15 25	18 26 32
19	9 32 35	12 02 39	14 15 24	15 58 13	17 17 51	18 28 55
20	9 37 40	12 07 28	14 19 19	16 01 10	17 20 17	18 31 18
21	9 42 45	12 12 16	14 23 12	16 04 06	17 22 42	18 33 42
22	9 47 50	12 17 02	14 27 03	16 07 00	17 25 06	18 36 06
23	9 52 54	12 21 47	14 30 52	16 09 52	17 27 30	18 38 31
24	9 57 58	12 26 31	14 34 39	16 12 44	17 29 54	18 40 56
25	10 03 03	12 31 14	14 38 23	16 15 33	17 32 17	18 43 22
26	10 08 07	12 35 55	14 42 06	16 18 22	17 34 40	18 45 48
27	10 13 11	12 40 34	14 45 46	16 21 08	17 37 02	18 48 15
28.	10 18 15	12 45 12	14 49 25	16 23 54	17 39 24	18 50 43
29	10 23 18	12 49 48	14 53 01	16 26 38	17 41 46	18 53 11
30.	10 28 22	12 54 23	14 56 35	16 29 22	17 44 08	18 55 40

5 . उत्तर अक्षाश 40° 41′ (अयनाश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षाश सस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0.	18 54 48	20 16 35	22 04 19	0 21 54	2 53 58	5 26 02
1.	18 57 15	20 19 41	22 08 27	0 26 52	2 59 04	5 31 04
2.	18 59 44	20 22 49	22 12 38	0 31 49	3 04 10	5 36 06
3.	19 02 13	20 25 59	22 16 51	0 36 48	3 09 16	5 41 08
4.	19 04 43	20 29 11	22 21 06	0 41 48	3 14 22	5 46 10
5.	19 07 14	20 32 24	22 25 23	0 46 48	3 19 28	5 51 12
6.	19 09 46	20 35 40	22 29 42	0 51 49	3 24 34	5 56 14
7.	19 12 18	20 38 58	22 34 04	0 56 49	3 29 40	6 01 6
8.	19 14 52	20 42 17	22 38 26	1 01 53	3 34 45	6 06 17
9	19 17 27	20 45 38	22 42 51	1 06 56	3 39 50	6 11 19
10.	19 20 03	20 49 01	22 47 18	1 11 59	3 44 55	6 16 21
11	19 22 40	20 52 27	22 51 47	1 17 03	3 50 00	6 21 23
12	19 25 18	20 55 54	22 56 18	1 22 07	3 55 05	6 26 25
13	19 27 57	20 59 24	23 00 50	1 27 11	4 00 09	6 31 27
14	19 30 37	21 02 56	23 05 24	1 32 17	4 05 14	6 36 29
15	19 33 19	21 06 30	23 10 00	1 37 22	4 10 18	6 41 31
16	19 36 02	21 10 06	23 14 38	1 42 28	4 15 22	6 46 33
17.	19 38 46	21 13 44	23 19 18	1 47 33	4 20 26	6 51 36
18	19 41 32	21 17 24	23 23 58	1 52 39	4 25 30	6 56 38
19	19 44 19	21 21 07	23 28 41	1 57 45	4 30 33	7 01 41
20	19 47 07	21 24 51	23 33 24	2 02 52	4 35 36	7 06 43
21.	19 49 57	21 28 38	23 38 10	2 07 58	4 40 40	7 11 45
22	19 52 48	21 32 27	23 42 56	2 13 05	4 45 43	7 16 49
23	19 55 41	21 36 29	23 47 44	2 18 12	4 50 45	7 21 52
24.	19 58 35	21 40 12	23 52 34	2 23 18	4 55 48	7 26 55
25	20 01 31	21 44 08	23 57 24	2 28 25	5 00 51	7 31 59
26	20 04 28	21 48 05	0 02 16	2 33 32	5 05 53	7 37 02
27	20 07 28	21 52 06	0 07 09	2 38 38	5 10 56	7 42 06
28	20 10 29	21 56 08	0 12 03	2 43 45	5 15 58	7 47 10
29	20 13 31	22 00 12	0 16 58	2 48 51	5 21 00	7 52 14
30	20 16 35	22 04 19	0 21 54	2 53 58	5 26 02	7 57 18

5 . उत्तर अक्षांश 45° . 26′ (अयनांश 23° 15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षाश संस्कार युत)

राशि अश	मेष 0 घ मि से	वृषभ 1 घ मि से	मिथुन 2 घ मि से	कर्क 3 घ मि से	सिह 4 घ मि से	कन्या 5 घ मि से
0.	18 49 08	20 04 07	21 47 47	0 07 03	2 45 06	5 24 23
1.	18 51 21	20 07 02	21 51 53	0 12 09	2 50 27	5 29 40
2	18 53 35	20 09 58	21 56 01	0 17 16	2 55 47	5 34 57
3	18 55 50	20 12 56	22 00 13	0 22 25	3 01 07	5 40 13
4	18 58 06	20 15 56	22 04 26	0 27 34	3 06 27	5 45 30
5	19 00 22	20 18 59	22 08 42	0 32 45	3 11 47	5 50 46
6	19 02 40	20 22 03	22 13 01	0 37 56	3 17 07	5 56 03
7	19 04 59	20 25 10	22 17 22	0 43 09	3 22 27	6 01 20
8.	19 07 18	20 28 19	22 21 45	0 48 22	3 27 47	6 06 36
9	19 09 38	20 31 30	22 26 11	0 53 35	3 33 06	6 11 52
10.	19 12 00	20 34 43	22 30 39	0 58 50	3 38 25	6 17 09
11.	19 14 23	20 37 59	22 35 09	1 04 05	3 43 45	6 22 25
12.	19 16 47	20 41 17	22 39 42	1 09 21	3 49 04	6 27 42
13.	19 19 12	20 44 38	22 44 17	1 14 37	3 54 23	6 32 58
14.	19 21 39	20 48 00	22 48 54	1 19 55	3 59 42	6 38 15
15.	19 24 06	20 51 25	22 53 34	1 25 12	4 05 00	6 43 32
16.	19 26 36	20 54 53	22 58 15	1 30 30	4 10 19	6 48 49
17.	19 29 07	20 58 24	23 02 59	1 35 48	4 15 37	6 54 07
18.	19 31 38	21 01 56	23 07 44	1 41 07	4 20 55	6 59 23
19.	19 34 12	21 05 31	23 12 31	1 46 26	4 26 13	7 04 40
20.	19 36 47	21 09 09	23 17 20	1 51 45	4 31 31	7 09 57
21.	19 39 23	21 12 49	23 22 11	1 57 05	4 36 49	7 15 15
22.	19 42 01	21 16 32	23 27 04	2 02 25	4 42 07	7 20 32
23.	19 44 41	21 20 18	23 31 59	2 07 44	4 47 24	7 25 50
24.	19 47 22	21 24 05	23 36 55	2 13 05	4 52 41	7 31 08
25.	19 50 05	21 27 56	23 41 53	2 18 25	4 57 59	7 36 26
26	19 52 50	21 31 49	23 46 52	2 23 45	5 03 16	7 41 44
27.	19 55 37	21 35 45	23 51 53	2 29 05	5 08 33	7 47 02
28.	19 58 25	21 39 43	23 56 55	2 34 25	5 13 50	7 52 20
29.	20 01 15	21 43 44	0 01 58	2 39 46	5 19 06	7 57 39
30	20 04 07	21 47 47	0 07 03	2 45 06	5 24 23	8 02 58

5 उत्तर अक्षांश 45° . 26′ (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां . काल) (खगौलिक अक्षाश सस्कार युत)

राशि अश	तुला 6 घ मि से	वृश्चिक 7 घ मि से	धनु 8 घ मि से	मकर 9 घ मि से	कुंभ 10 घ मि से	मीन 11 घ मि से
0	8 02 58	10 42 44	13 13 24	15 13 42	16 39 35	17 46 02
1	8 08 17	10 48 00	13 18 01	15 17 03	16 42 01	17 48 007
2	8 13 36	10 53 17	13 22 34	15 20 23	16 44 25	17 50 11
3	8 18 55	10 58 33	13 27 05	15 23 39	16 46 48	17 52 15
4	8 24 14	11 03 48	13 31 35	15 26 54	16 49 11	17 54 19
5.	8 29 34	11 09 02	13 36 02	15 30 06	16 51 32	17 56 23
6	8 34 53	11 14 15	13 40 27	15 33 16	16 53 52	17 58 27
7	8 40 13	11 19 28	13 44 49	15 36 24	16 56 11	18 00 31
8	8 45 33	11 24 40	13 49 09	15 39 30	16 58 29	18 02 35
9	8 50 33	11 29 51	13 53 26	15 42 33	17 00 46	18 04 39
10	8 56 13	11 33 01	13 57 41	15 45 34	17 03 02	18 06 43
11	9 01 33	11 40 09	14 01 53	15 48 33	17 05 17	18 08 47
12.	9 06 53	11 45 17	14 06 03	15 51 30	17 07 32	18 10 51
13	9 12 13	11 50 24	14 10 10	15 54 25	17 09 45	18 12 55
14	9 17 34	11 55 29	14 14 15	15 57 19	17 11 58	18 15 00
15	9 22 54	12 00 34	14 18 17	16 00 10	17 14 10	18 17 05
16.	9 28 15	12 05 37	14 22 17	16 03 00	17 16 21	18 19 10
17	9 33 35	12 10 38	14 26 13	16 05 47	17 18 31	18 21 16
18	9 38 55	12 15 38	14 30 08	16 08 33	17 20 41	18 23 21
19	9 44 15	12 20 37	14 34 00	16 11 17	17 22 51	18 25 28
20	9 49 35	12 25 34	14 37 49	16 13 59	17 25 00	18 27 34
21.	9 54 55	12 30 29	14 41 36	16 16 39	17 27 08	18 29 41
22	10 00 16	12 35 23	14 45 20	16 19 18	17 29 15	18 31 48
23	10 05 35	12 40 14	14 49 01	16 21 55	17 31 22	18 33 56
24	10 10 54	12 45 05	14 52 40	16 24 31	17 33 29	18 36 05
25	10 16 13	12 49 53	14 56 17	16 27 05	17 35 36	18 38 14
26	10 21 32	12 54 39	14 59 51	16 29 38	17 37 41	18 40 23
27	10 26 51	12 59 23	15 03 22	16 32 09	17 39 47	18 42 34
28	10 32 09	13 04 06	15 06 51	16 34 39	17 41 52	18 44 44
29	10 37 27	13 08 46	15 10 18	16 37 07	17 43 57	18 46 56
30	10 42 44	13 13 24	15 13 42	16 39 35	17 46 02	18 49 08

5 उत्तर अक्षांश 51° 32′ (अयनाश 23° 15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सा . काल) (खगौलिक अक्षाश संस्कार युत)

राशि अश	मेष 0 घ मि से	वृषभ 1 घ मि से	मिथुन 2 घ मि से	कर्क 3 घ मि से	सिंह 4 घ मि से	कन्या 5 घ मि से
0	18 40 11	19 43 58	21 20 29	23 42 45	2 30 58	5 21 47
1	18 42 01	19 46 32	21 24 30	23 48 07	2 36 41	5 27 27
2	18 43 51	19 49 08	21 28 34	23 53 31	2 42 24	5 33 07
3	18 45 43	19 51 46	21 32 43	23 58 56	2 48 07	5 38 47
4	18 47 36	19 54 27	21 36 53	00 04 23	2 53 50	5 44 26
5	18 49 29	19 57 10	21 41 08	00 09 51	2 59 33	5 50 06
6	18 51 24	19 59 55	21 45 25	00 15 20	3 05 16	5 55 45
7	18 53 19	20 02 44	21 49 47	00 20 52	3 11 00	6 01 25
8	18 55 15	20 05 34	21 54 10	00 26 24	3 16 43	6 07 04
9	18 57 13	20 08 27	21 58 37	00 31 56	3 22 25	6 12 44
10	18 59 12	20 11 23	22 03 08	00 37 30	3 28 07	6 18 44
11	19 01 12	20 14 21	22 07 41	00 43 05	3 33 49	6 24 03
12	19 03 13	20 17 23	22 12 17	00 48 41	3 39 32	6 29 43
13	19 05 15	20 20 27	22 16 57	00 54 18	3 45 14	6 35 23
14	19 07 19	20 23 34	22 21 39	00 59 56	3 50 56	6 41 03
15	19 09 24	20 26 44	22 26 35	01 05 34	3 56 37	6 46 42
16	19 11 31	20 29 57	22 31 12	01 11 13	4 02 19	6 52 22
17.	19 13 39	20 33 13	22 36 04	01 16 52	4 08 01	6 58 03
18.	19 15 48	20 36 32	22 40 57	01 22 32	4 13 42	7 03 43
19	19 17 59	20 39 54	22 45 53	01 28 13	4 19 23	7 09 23
20	19 20 12	20 43 19	22 50 52	01 33 54	4 25 04	7 15 03
21.	19 22 26	20 46 48	22 55 53	01 39 35	4 30 45	7 20 44
22	19 24 42	20 50 19	23 00 57	01 45 17	4 36 26	7 26 25
23	19 27 00	20 53 54	23 06 04	01 50 59	4 42 06	7 32 05
24.	19 29 19	20 57 32	23 11 12	01 56 41	4 47 47	7 37 46
25	19 31 41	20 01 13	23 16 22	02 02 24	4 53 27	7 43 27
26	19 34 04	20 04 58	23 21 35	02 08 06	4 59 07	7 49 09
27.	19 36 30	20 08 46	23 26 50	02 13 49	5 04 48	7 54 50
28	19 38 57	21 12 37	23 32 06	02 19 32	5 10 28	8 00 52
29	19 41 26	21 16 31	23 37 25	02 25 15	5 16 07	8 06 13
30	19 43 58	21 20 29	23 42 45	02 30 58	5 21 47	8 11 55

5 उत्तर अक्षांश 51° 32′ (अयनाश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षाश संस्कार युत)

राशि	तुला 6	वृश्चिक 7	धनु 8	मकर 9	कुंभ 10	मीन 11
अंश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	8 11 55	11 02 54	13 40 42	15 38 00	16 53 43	17 48 38
1	8 17 37	11 08 30	13 45 23	15 41 05	16 55 46	17 50 19
2	8 23 19	11 14 07	13 50 01	15 44 08	16 57 48	17 52 01
3	8 29 02	11 19 42	13 54 35	15 47 08	16 59 48	17 53 41
4	8 34 44	11 25 17	13 59 08	15 50 05	17 01 47	17 55 23
5	8 40 27	11 30 50	14 03 37	15 53 00	17 03 46	17 57 04
6	8 46 10	11 36 23	14 08 02	15 55 52	17 05 43	17 58 44
7	8 51 52	11 41 54	14 12 25	15 58 41	17 07 39	18 00 26
8	8 57 35	11 47 24	14 16 44	16 01 28	17 09 34	18 02 06
9	9 03 18	11 52 53	14 21 00	16 04 12	17 11 28	18 03 47
10	9 09 01	11 58 21	14 25 12	16 06 54	17 13 21	18 05 38
11	9 14 44	12 03 47	14 29 22	16 09 33	17 15 13	18 07 09
12	9 20 27	12 09 11	14 33 28	16 12 10	17 17 04	18 08 50
13	9 26 10	12 14 34	14 37 30	16 14 45	17 18 54	18 10 31
14	9 31 53	12 19 55	14 41 30	16 17 18	17 20 44	18 12 13
15	9 37 37	12 25 15	14 45 26	16 19 49	17 22 33	18 13 55
16	9 43 20	12 30 33	14 49 19	16 22 17	17 24 21	18 15 37
17	9 49 02	12 35 48	14 53 08	16 24 43	17 26 08	18 17 19
18	9 54 45	12 41 02	14 56 55	16 27 08	17 27 55	18 19 02
19	10 00 28	12 46 14	15 00 38	16 29 30	17 29 41	18 20 45
20	10 06 10	12 51 23	15 04 17	16 31 50	17 31 27	18 22 28
21	10 11 52	12 56 30	15 07 54	16 34 09	17 33 12	18 24 12
22	10 17 34	13 01 35	15 11 27	16 36 26	17 34 56	18 25 56
23.	10 23 15	13 06 37	15 14 56	16 38 41	17 36 40	18 27 41
24	10 28 57	13 11 38	15 18 24	16 40 55	17 38 24	18 29 26
25.	10 34 37	13 16 35	15 21 47	16 43 06	17 40 07	18 31 12
26.	10 40 18	13 21 30	15 25 08	16 45 17	17 41 50	18 32 58
27.	10 45 57	13 26 22	15 28 25	16 47 26	17 43 32	18 34 46
28.	10 51 37	13 31 12	15 31 40	16 49 33	17 45 14	18 36 33
29.	10 57 15	13 35 39	15 34 51	16 51 39	17 46 56	18 38 22
30	11 02 54	13 40 42	15 38 00	16 53 43	17 48 38	18 40 11

5 उत्तर अक्षाश 53° .25′ (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सा काल) (खगौलिक अक्षांश सस्कार युत)

राशि	मेष 0	वृषभ 1	मिथुन 2	कर्क 3	सिंह 4	कन्या 5
अश	घ मि स	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	18 36 54	19 36 26	21 10 02	23 33 33	2 25 45	5 20 51
1	18 38 35	19 38 51	21 14 01	23 39 01	2 31 37	5 26 39
2	18 40 18	19 41 19	21 18 04	23 44 32	2 37 29	5 32 27
3	18 42 01	19 43 50	21 22 11	23 50 04	2 43 20	5 38 15
4	18 43 45	19 46 23	21 26 20	23 55 38	2 49 12	5 44 03
5	18 45 30	19 48 58	21 30 34	00 01 13	2 55 04	5 49 51
6	18 47 16	19 51 36	21 34 51	00 06 50	3 00 55	5 55 39
7	18 49 03	19 54 17	21 39 12	00 12 28	3 06 46	6 01 27
8	18 50 50	19 57 00	21 43 36	00 18 08	3 12 38	6 07 15
9	18 52 39	19 59 46	21 48 04	00 23 48	3 18 29	6 13 03
10	18 54 29	20 02 34	21 52 35	00 29 30	3 24 20	6 18 51
11	18 56 20	20 05 26	21 57 09	00 35 13	3 30 11	6 24 39
12	18 58 13	20 08 20	22 01 47	00 40 57	3 36 02	6 30 27
13	19 00 07	20 11 18	22 06 29	00 46 42	3 41 53	6 36 15
14	19 02 02	20 14 19	22 11 13	00 52 27	3 47 43	6 42 04
15	19 03 58	20 17 22	22 16 01	01 58 14	3 53 34	6 47 52
16	19 05 56	20 20 29	22 20 52	01 04 01	3 59 24	6 53 40
17	19 07 56	20 23 40	22 25 47	01 09 49	4 05 14	6 59 29
18	19 09 57	20 26 53	22 30 43	01 15 37	4 11 04	7 05 17
19	19 11 59	20 30 09	22 35 43	01 21 26	4 16 53	7 11 06
20	19 14 03	20 33 30	22 40 46	01 27 15	4 22 43	7 16 55
21	19 16 09	20 36 53	22 45 52	01 33 05	4 28 32	7 22 44
22	19 18 17	20 40 20	22 51 00	01 38 55	4 34 21	7 28 33
23	19 20 26	20 43 51	22 56 11	01 44 46	4 40 10	7 34 22
24	19 22 37	20 47 24	23 01 24	01 50 37	4 45 59	7 40 12
25	19 24 50	20 51 01	23 06 40	01 56 28	4 51 48	7 46 02
26	19 27 05	20 54 42	23 11 59	02 02 19	4 57 37	7 51 51
27.	19 29 22	20 58 28	23 17 20	02 08 10	5 03 25	7 57 41
28	19 31 41	21 02 15	23 22 43	02 14 02	5 09 14	8 03 31
29.	19 34 02	21 06 07	23 28 06	02 19 54	5 15 02	8 09 22
30	19 36 26	21 10 02	23 33 33	02 25 45	5 20 51	8 15 12

5 उत्तर अक्षांश 53° .25′ (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
	6	7	8	9	10	11
अंश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	8 15 12	11 10 26	13 51 09	15 47 12	16 58 56	17 49 35
1	8 21 03	11 16 11	13 55 52	15 50 11	17 00 50	17 51 08
2	8 26 53	11 21 55	14 00 32	15 53 07	17 02 43	17 52 40
3	8 32 44	11 27 38	14 05 08	15 55 59	17 04 35	17 54 13
4	8 38 35	11 33 21	14 09 41	15 58 50	17 06 26	17 55 46
5	8 44 26	11 39 02	14 14 11	16 01 38	17 08 16	17 57 18
6	8 50 18	11 44 42	14 18 37	16 04 22	17 10 04	17 58 51
7	8 56 09	11 50 21	14 22 59	16 07 04	17 11 52	18 00 23
8	9 02 01	11 55 58	14 27 18	16 09 44	17 13 38	18 01 56
9	9 07 52	12 01 35	14 31 33	16 12 20	17 15 23	18 03 28
10.	9 13 44	12 07 09	14 35 45	16 14 54	17 17 07	18 05 00
11.	9 19 36	12 12 42	14 39 53	16 17 26	17 18 51	18 06 33
12.	9 25 27	12 18 14	14 43 58	16 19 55	17 20 34	18 08 06
13.	9 31 19	12 23 43	14 47 58	16 22 21	17 22 15	18 09 39
14.	9 37 11	12 29 11	14 51 56	16 24 47	17 23 56	18 11 12
15.	9 43 02	12 34 37	14 55 50	16 27 09	17 25 36	18 12 45
16.	9 48 54	12 40 00	14 59 39	16 29 29	17 27 16	18 14 19
17.	9 54 45	12 45 22	15 03 25	16 31 46	17 28 55	18 15 53
18.	10 00 37	12 50 41	15 07 08	16 34 03	17 30 33	18 17 27
19.	10 06 28	12 55 58	15 10 48	16 36 17	17 32 11	18 19 01
20	10 12 19	13 01 13	15 14 23	16 38 29	17 33 48	18 20 36
21	10 18 09	13 06 25	15 17 55	16 40 39	17 35 25	18 22 12
22.	10 24 00	13 11 34	15 21 24	16 42 47	17 37 00	18 23 47
23	10 29 50	13 16 41	15 24 49	16 44 54	17 38 36	18 25 24
24	10 35 39	13 21 46	15 28 11	16 46 59	17 40 11	18 27 00
25.	10 41 29	13 26 47	15 31 29	16 49 02	17 41 46	18 28 38
26	10 47 17	13 31 46	15 34 44	16 51 04	17 43 20	18 30 16
27.	10 53 05	13 36 41	15 37 55	16 53 04	17 45 54	18 31 54
28	10 58 53	13 41 34	15 41 05	16 55 03	17 46 28	18 33 34
29.	11 04 40	13 46 23	15 44 10	16 57 00	17 48 01	18 35 13
30.	11 10 26	13 51 09	15 47 12	16 58 56	17 49 35	18 36 54

5 उत्तर अक्षांश 55° 45′ (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0.	18 32 24	19 25 54	20 55 09	23 20 33	2 18 32	5 19 33
1.	18 33 53	19 28 08	20 59 05	23 26 12	2 24 36	5 24 32
2	18 35 23	19 30 24	21 03 05	23 31 52	2 30 40	5 31 32
3	18 36 54	19 32 43	21 07 10	23 37 35	2 36 44	5 37 32
4.	18 38 57	19 35 04	21 11 17	23 43 19	2 42 48	5 43 31
5.	18 39 59	19 37 28	21 15 30	23 49 05	2 48 51	5 49 31
6.	18 41 33	19 39 55	21 19 46	23 54 52	2 54 55	5 55 30
7.	18 43 08	19 42 25	21 24 07	00 00 42	3 00 59	6 01 30
8.	18 44 44	19 44 57	21 28 31	00 06 32	3 07 03	6 07 29
9.	18 46 21	19 47 32	21 33 00	00 12 24	3 13 05	6 13 29
10	18 47 59	19 50 10	21 37 33	00 18 17	3 19 08	6 19 28
11.	18 49 38	19 52 51	21 42 09	00 24 12	3 25 11	6 25 28
12.	18 51 19	19 55 36	21 46 50	00 30 07	3 31 14	6 31 28
13	18 53 00	19 58 24	21 51 34	00 36 04	3 37 16	6 37 27
14	18 54 43	20 01 15	21 56 22	00 42 01	3 43 19	6 43 27
15	18 56 28	20 04 09	22 01 14	00 47 59	3 49 21	6 49 27
16	18 58 13	20 07 07	22 06 09	00 53 59	3 55 23	6 55 27
17	19 00 01	20 10 09	22 11 09	00 59 58	4 01 25	7 01 27
18	19 01 49	20 13 13	22 16 10	01 05 59	4 07 26	7 07 27
19	19 03 39	20 16 21	22 21 16	01 12 00	4 13 28	7 13 28
20	19 05 32	20 19 33	22 26 25	01 18 01	4 19 29	7 19 28
21	19 07 25	20 22 49	22 31 37	01 24 03	4 25 30	7 25 29
22	19 09 21	20 26 09	22 36 52	01 30 05	4 31 31	7 31 30
23.	19 11 18	20 29 33	22 42 11	01 36 08	4 37 32	7 37 31
24.	19 13 16	20 33 00	22 47 32	01 42 11	4 43 32	7 43 32
25	19 15 18	20 36 31	22 52 56	01 48 14	4 49 33	7 49 33
26	19 17 21	20 40 07	22 58 22	01 54 18	4 55 33	7 55 35
27.	19 19 26	20 43 47	23 03 52	02 00 21	5 01 33	8 01 37
28.	19 21 33	20 47 30	23 09 23	02 06 25	5 07 33	8 07 38
29.	19 23 42	20 51 17	23 14 57	02 12 29	5 13 33	8 13 40
30.	19 25 54	20 55 09	23 20 33	02 18 32	5 19 33	8 19 42

5 उत्तर अक्षांश 55° 45′ (अयनांश 23°.15′) की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सा काल) (खगौलिक अक्षांश सस्कार युत)

राशि अश	तुला 6 घ मि से	वृश्चिक 7 घ मि से	धनु 8 घ मि से	मकर 9 घ मि से	कुंभ 10 घ मि से	मीन 11 घ मि से
0	8 19 42	11 20 58	14 06 02	16 00 12	17 06 08	17 50 53
1	8 25 45	11 26 55	14 10 49	16 03 01	17 07 51	17 52 14
2	8 31 48	11 32 51	14 15 31	16 05 47	17 09 32	17 53 35
3	8 37 50	11 38 45	14 20 08	16 08 29	17 11 17	17 54 36
4.	8 43 53	11 44 39	14 24 44	16 11 09	17 12 50	17 56 17
5	8 49 56	11 50 32	14 29 15	16 13 46	17 14 28	17 57 38
6	8 56 00	11 56 23	14 33 42	16 16 20	17 16 04	17 58 59
7	9 02 05	12 02 13	14 38 04	16 18 51	17 17 41	18 00 20
8	9 08 07	12 08 02	14 42 23	16 21 19	17 19 13	18 01 14
9	9 14 10	12 13 48	14 46 37	16 23 44	17 20 47	18 03 02
10	9 20 14	12 19 33	14 50 47	16 26 07	17 22 19	18 04 23
11	9 26 18	12 25 17	14 54 53	16 28 27	17 23 51	18 05 44
12	9 32 22	12 30 58	14 58 55	16 30 44	17 25 22	18 07 05
13	9 38 26	12 36 37	15 02 53	16 32 59	17 26 52	18 08 27
14	9 44 29	12 42 15	15 06 47	16 35 13	17 28 21	18 09 48
15	9 50 33	12 47 50	15 10 37	16 37 23	17 29 49	18 11 10
16	9 56 37	12 53 23	15 14 22	16 39 31	17 31 17	18 12 32
17.	10 02 40	12 58 53	15 18 04	16 41 37	17 32 44	18 13 55
18	10 08 44	13 04 21	15 21 42	16 43 41	17 34 11	18 15 17
19.	10 14 47	13 09 46	15 25 15	16 45 43	17 35 37	18 16 40
20	10 20 50	13 15 09	15 28 45	16 47 43	17 37 02	18 18 03
21.	10 26 53	13 20 29	15 32 10	16 49 41	17 38 27	18 19 27
22	10 32 56	13 25 45	15 35 32	16 51 37	17 39 51	18 20 51
23	10 38 58	13 30 58	15 38 48	16 53 32	17 41 15	18 22 16
24.	10 45 00	13 36 10	15 42 03	16 55 25	17 42 39	18 23 41
25	10 51 01	13 41 17	15 45 13	16 57 16	17 44 02	18 25 06
26	10 57 02	13 46 21	15 48 20	16 59 05	17 45 24	18 26 33
27	11 03 02	13 51 21	15 51 23	17 00 53	17 46 46	18 27 59
28	11 09 01	13 56 19	15 54 23	17 02 40	17 48 09	18 29 27
29	11 15 00	14 01 13	15 57 19	17 04 25	17 49 31	18 30 55
30	11 20 58	14 06 02	16 00 12	17 06 08	17 50 53	18 32 24

5 उत्तर अक्षांश 60° (अयनाश 23°.15') की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
	0	1	2	3	4	5
अंश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	18 22 32	19 02 01	20 19 42	22 50 21	2 02 35	5 16 44
1	18 23 35	19 03 45	20 23 28	22 56 26	2 09 07	5 23 09
2	18 24 39	19 05 35	20 27 20	23 02 33	2 15 38	5 29 33
3	18 25 44	19 07 23	20 31 19	23 08 43	2 22 09	5 35 58
4	18 26 49	19 09 15	20 35 22	23 14 54	2 28 41	5 42 23
5	18 27 55	19 11 10	20 39 31	23 21 08	2 35 12	5 48 47
6	18 29 02	19 13 08	20 43 45	23 27 23	2 41 43	5 55 12
7	18 30 10	19 15 09	20 48 06	23 33 41	2 48 14	6 01 36
8	18 31 19	19 17 13	20 52 31	23 40 00	2 54 44	6 08 01
9	18 32 28	19 19 21	20 57 03	23 46 20	3 01 14	6 14 25
10	18 33 39	19 21 32	21 01 39	23 52 43	3 07 44	6 20 50
11	18 34 50	19 23 45	21 06 21	23 59 06	3 14 14	6 27 14
12	18 36 03	19 26 03	21 11 09	00 05 30	3 20 43	6 33 39
13	18 37 16	19 28 25	21 16 02	00 11 56	3 27 12	6 40 04
14	18 38 32	19 30 49	21 20 59	00 18 23	3 33 41	6 46 28
15	18 39 48	19 33 18	21 26 03	00 24 50	3 40 09	6 52 54
16	18 41 05	19 35 51	21 31 10	00 31 19	3 46 37	6 59 19
17.	18 42 25	19 38 30	21 36 25	00 37 48	3 53 05	7 05 44
18.	18 43 44	19 41 10	21 41 41	00 44 17	3 59 32	7 12 09
19	18 45 06	19 43 56	21 47 03	00 50 47	4 06 00	7 18 35
20	18 46 29	19 46 47	21 52 29	00 57 18	4 12 27	7 25 01
21	18 47 54	19 49 41	21 58 00	01 03 49	4 18 53	7 31 27
22.	18 49 21	19 42 41	22 03 34	01 10 20	4 25 20	7 37 54
23	18 50 49	19 55 46	22 09 14	01 16 51	4 31 46	7 44 20
24	18 52 19	19 58 55	22 14 56	01 23 23	4 38 12	7 50 47
25	18 53 51	20 02 10	22 20 42	01 29 55	4 44 38	7 57 14
26	18 55 25	20 05 29	22 26 31	01 36 27	4 51 03	8 03 41
27	18 57 01	20 08 55	22 32 25	01 42 59	4 57 29	8 10 09
28	18 58 38	20 12 25	22 38 21	01 49 31	5 03 54	8 16 37
29	19 00 18	20 16 00	22 44 20	01 56 03	5 10 19	8 23 05
30	19 02 01	20 19 42	22 50 21	02 02 35	5 16 44	8 29 34

5 उत्तर अक्षांश 60° (अयनाश 23°.15') की निरयन लग्न सारिणी (उपकरण सां काल) (खगौलिक अक्षांश संस्कार युत)

राशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
	6	7	8	9	10	11
अश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0.	8 29 34	11 44 50	14 41 30	16 30 24	17 22 06	17 53 41
1	8 36 03	11 51 17	14 46 25	16 32 47	17 23 20	17 54 38
2	8 42 32	11 57 42	14 51 16	16 35 06	17 24 34	17 55 34
3	8 49 01	12 04 05	14 55 59	16 37 20	17 25 45	17 56 30
4.	8 55 31	12 10 28	15 00 40	16 39 34	17 26 57	17 57 26
5	9 02 01	12 16 50	15 05 14	16 41 44	17 28 07	17 58 22
6	9 08 31	12 23 10	15 09 42	16 43 49	17 29 16	17 59 18
7.	9 15 01	12 29 28	15 14 04	16 45 51	17 30 24	18 00 14
8	9 21 32	12 35 45	15 18 23	16 47 51	17 31 32	18 01 10
9	9 28 03	12 42 00	15 22 35	16 49 48	17 32 38	18 02 06
10	9 34 34	12 48 12	15 26 41	16 51 42	17 33 44	18 03 02
11	9 41 06	12 54 23	15 30 41	16 53 33	17 34 48	18 03 58
12	9 47 37	13 00 31	15 34 36	16 55 21	17 35 53	18 04 54
13	9 54 09	13 06 37	15 38 25	16 57 07	17 36 56	18 05 50
14	10 00 41	13 12 40	15 42 10	16 58 51	17 37 59	18 06 47
15	10 07 13	13 18 40	15 45 48	17 00 32	17 39 01	18 07 44
16	10 13 45	13 24 38	15 49 21	17 02 11	17 40 03	18 08 40
17	10 20 17	13 30 32	15 52 48	17 03 48	17 41 04	18 09 37
18	10 26 49	13 36 24	15 56 11	17 05 23	17 42 04	18 10 35
19	10 33 21	13 42 12	15 59 28	17 06 55	17 43 05	18 11 32
20	10 39 53	13 47 56	16 02 40	17 08 26	17 44 04	18 12 30
21	10 46 24	13 53 37	16 05 48	17 09 56	17 45 03	18 13 28
22.	10 52 56	13 59 13	16 08 49	17 11 23	17 46 02	18 14 27
23	10 59 27	14 04 45	16 11 46	17 12 48	17 47 00	18 15 26
24	11 05 57	14 10 15	16 14 40	17 14 13	17 47 59	18 16 25
25	11 12 28	14 15 39	16 17 27	17 15 35	17 48 56	18 17 25
26	11 18 28	14 20 59	16 20 11	17 16 55	17 49 54	18 18 25
27.	11 25 27	14 26 13	16 22 50	17 18 15	17 50 53	18 19 27
28.	11 31 56	14 31 24	16 25 26	17 19 34	17 51 48	18 20 28
29	11 38 24	14 36 29	16 27 56	17 20 50	17 52 45	18 21 30
30	11 44 50	14 41 30	16 30 24	17 22 06	17 53 41	18 22 32

6. प्रत्येक स्थल के लिए निरयन दशम भाव सारिणी
(उपकरण सा. काल) (अयनाश 23° 15′)

राशि अश	मेष 0 घ मि से	वृषभ 1 घ मि से	मिथुन 2 घ मि से	कर्क 3 घ मि से	सिंह 4 घ मि से	कन्या 5 घ मि से
0	1 26 03	3 23 26	5 30 36	7 40 22	9 42 20	11 35 13
1	1 29 49	3 27 31	5 34 57	7 44 36	9 46 14	11 38 53
2	1 33 36	3 31 37	5 39 18	7 48 49	9 50 06	11 42 34
3	1 37 23	3 35 45	5 43 39	7 53 02	9 53 58	11 46 14
4	1 41 10	3 39 52	5 48 01	7 57 14	9 57 49	11 49 54
5	1 44 58	3 44 00	5 52 22	8 01 26	10 01 40	11 53 35
6	1 48 47	3 48 09	5 56 44	8 05 36	10 05 30	11 57 15
7	1 52 35	3 52 19	6 01 05	8 09 46	10 09 19	12 00 55
8	1 56 25	3 56 29	6 05 27	8 13 56	10 13 08	12 04 35
9.	2 00 16	4 00 40	6 09 49	8 18 04	10 16 56	12 08 15
10	2 04 07	4 04 52	6 14 10	8 22 12	10 20 44	12 11 56
11	2 07 58	4 09 04	6 18 31	8 26 19	10 24 31	12 15 36
12	2 11 50	4 13 17	6 22 53	8 30 26	10 28 18	12 19 16
13	2 15 44	4 17 32	6 27 14	8 34 35	10 32 05	12 22 59
14	2 19 36	4 21 45	6 31 35	8 38 37	10 35 50	12 26 38
15	2 23 30	4 25 59	6 35 56	8 42 41	10 39 35	12 30 19
16	2 27 25	4 30 15	6 40 16	8 46 45	10 43 20	12 34 00
17	2 31 21	4 34 30	6 44 36	8 50 48	10 47 04	12 37 41
18.	2 35 17	4 38 47	6 48 56	8 54 50	10 50 48	12 41 22
19	2 39 13	4 43 04	6 53 16	8 58 51	10 54 32	12 45 04
20	2 43 11	4 47 21	6 57 35	9 02 52	10 58 15	12 48 46
21	2 47 09	4 51 39	7 01 54	9 06 52	11 01 58	12 52 28
22	2 51 08	4 55 57	7 06 12	9 10 51	11 05 41	12 56 10
23	2 55 08	5 00 16	7 10 30	9 14 50	11 09 23	12 59 53
24	2 59 08	5 04 35	7 14 48	9 18 48	11 13 05	13 03 36
25	3 03 09	5 08 54	7 19 05	9 22 45	11 16 40	13 07 20
26	3 07 11	5 13 14	7 23 21	9 26 41	11 20 29	13 11 04
27	3 11 14	5 17 34	7 27 37	9 30 27	11 24 10	13 14 48
28	3 15 17	5 21 54	7 31 53	9 34 32	11 27 51	13 18 32
29	3 19 21	5 26 15	7 36 08	9 38 27	11 31 32	13 22 17
30	3 23 26	5 30 36	7 40 22	9 42 20	11 35 13	13 26 03

6. प्रत्येक स्थल के लिए निरयन दशम भाव सारिणी
(उपकरण सां. काल) (अयनांश 23°.15')

राशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
	6	7	8	9	10	11
अंश	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से	घ मि से
0	13 26 03	15 23 26	17 30 36	19 40 22	21 42 20	23 35 13
1	13 29 49	15 27 31	17 34 57	19 44 36	21 46 14	23 38 53
2	13 33 36	15 31 37	17 39 18	19 48 49	21 50 06	23 42 34
3.	13 37 22	15 35 45	17 43 39	19 53 02	21 53 58	23 46 14
4	13 41 10	15 39 52	17 48 01	19 57 14	21 57 49	23 49 54
5	13 44 58	15 44 00	17 52 22	20 01 26	22 01 40	23 53 35
6	13 48 47	15 48 09	17 56 44	20 05 36	22 05 30	23 57 15
7.	13 52 35	15 52 19	18 01 05	20 10 46	22 09 18	0 00 55
8	13 56 25	15 56 29	18 05 27	20 13 56	22 13 08	0 04 35
9	14 00 16	16 00 40	18 09 49	20 18 04	22 16 56	0 08 15
10.	14 04 07	16 04 52	18 14 10	20 22 12	22 20 44	0 11 56
11.	14 07 58	16 09 04	18 18 31	20 26 19	22 24 31	0 15 36
12.	14 11 50	16 13 17	18 22 53	20 30 26	22 28 18	0 19 16
13	14 15 44	16 17 31	18 27 15	20 34 33	22 32 05	0 22 59
14	14 19 36	16 21 45	18 31 35	20 38 37	22 35 50	0 26 38
15	14 23 30	16 25 59	18 35 55	20 42 41	22 39 35	0 30 19
16.	14 27 25	16 30 15	18 40 16	20 46 45	22 43 20	0 34 00
17.	14 31 21	16 34 31	18 44 36	20 50 48	22 47 04	0 37 41
18	14 35 17	16 38 48	18 48 56	20 54 50	22 50 48	0 41 22
19.	14 39 13	16 43 05	18 53 16	20 58 51	22 54 32	0 45 04
20	14 43 11	16 47 21	18 57 35	21 02 52	22 58 15	0 48 46
21.	14 47 09	16 51 39	19 01 54	21 06 52	23 01 58	0 52 28
22.	14 51 08	16 55 57	19 06 12	21 10 51	23 05 41	0 56 10
23.	14 55 08	17 00 16	19 10 23	21 14 50	23 09 23	0 59 53
24	14 59 08	17 04 35	19 14 48	21 18 48	23 13 05	1 03 36
25	15 03 09	17 08 54	19 19 05	21 22 45	23 16 47	1 07 20
26	15 07 11	17 13 14	19 23 21	21 26 41	23 20 29	1 11 04
27	15 11 14	17 17 34	19 27 37	21 30 37	23 24 10	1 14 48
28.	15 15 17	17 21 54	19 31 53	21 34 32	23 27 51	1 18 32
29.	15 19 21	17 26 15	19 36 08	21 38 27	23 31 32	1 22 17
30	15 23 26	17 30 36	19 40 22	21 42 20	23 35 13	1 26 03

7.ग्रह स्पष्टीकरण सारिणी $\frac{\text{ग्रहगति}}{24}$ X समय

	समय मिनट	गति 1 अंश/क/वि कला/वि/प्र विकला/प्र/0 प्रति विकला/0	2 अंश/कं/वि कला/वि/प्र विकला/प्र/0 प्रति विकला/0	3 अंश/कं/वि कला/वि/प्र विकला/प्र/0 प्रति विकला/0
		00 00 00 00	00 00 00 00	00 00 00 00
	01	00 00 02 30	00 00 05 00	00 00 07 30
	02	00 00 05 00	00 00 10 00	00 00 15 00
	03	00 00 07 30	00 00 15 00	00 00 22 30
	04	00 00 10 00	00 00 20 00	00 00 30 00
	05	00 00 12 30	00 00 25 00	00 00 37 30
	06	00 00 15 00	00 00 30 00	00 00 45 00
	07	00 00 17 30	00 00 35 00	00 00 52 30
	08	00 00 20 00	00 00 40 00	00 01 00 00
	09	00 00 22 30	00 00 45 00	00 01 07 30
	10	00 00 25 00	00 00 50 00	00 01 15 00
	20	00 00 50 00	00 01 40 00	00 02 30 00
	30	00 01 15 00	00 02 30 00	00 03 45 00
	40	00 01 40 00	00 03 20 00	00 05 00 00
	50	00 02 05 00	00 04 10 00	00 06 15 00
घ. मि.	60	00 02 30 00	00 05 00 00	00 07 30 00
01 10	70	00 02 55 00	00 05 50 00	00 08 45 00
01 20	80	00 03 20 00	00 06 40 00	00 10 00 00
01 30	90	00 03 45 00	00 07 30 00	00 11 15 00
01 40	100	00 04 10 00	00 08 20 00	00 12 30 00
03 20	200	00 08 20 00	00 16 40 00	00 25 00 00
05 00	300	00 12 30 00	00 25 00 00	00 37 30 00
06 40	400	00 16 40 00	00 33 20 00	00 50 00 00
08 20	500	00 20 50 00	00 41 40 00	01 02 30 00
10 00	600	00 25 00 00	00 50 00 00	01 15 00 00
11 40	700	00 29 10 00	00 58 20 00	01 27 30 00
13 20	800	00 33 20 00	01 06 40 00	01 40 00 00
15 00	900	00 37 30 00	01 15 00 00	01 52 30 00
16 40	1000	00 41 40 00	01 23 20 00	02 05 00 00
18 20	1100	00 45 50 00	01 31 40 00	02 17 30 00
20 00	1200	00 50 00 00	01 40 00 00	02 30 00 00
21 40	1300	00 54 10 00	01 48 20 00	02 42 30 00
23 20	1400	00 58 20 00	01 56 40 00	02 55 00 00
24 00	1440	01 00 00 00	02 00 00 00	03 00 00 00

7.ग्रह स्पष्टीकरण सारिणी $\frac{\text{ग्रहगति}}{24}$ x समय

घ. मि.	समय	/क/वि /वि/प्र प्र/0 प्रति ला/0	अंश/कं/वि कला/वि/प्र विकला/प्र/0 प्रति विकला/0	/क/वि ।/वि/प्र ला/प्र/0 विकला/0
	मिनट	00 00 00 00	00 00 00 00	00 00 00 00
	01	00 00 10 00	00 00 12 30	00 00 15 00
	02	00 00 20 00	00 00 25 00	00 00 30 00
	03	00 00 30 00	00 00 37 30	00 00 45 00
	04	00 00 40 00	00 00 50 00	00 01 00 00
	05	00 00 50 00	00 01 02 30	00 01 15 00
	06	00 01 00 00	00 01 15 00	00 01 30 00
	07	00 01 10 00	00 01 27 30	00 01 45 00
	08	00 01 20 00	00 01 40 00	00 02 00 00
	09	00 01 30 00	00 01 52 00	00 02 15 00
	10	00 01 40 00	00 02 05 00	00 02 30 00
	20	00 03 20 00	00 04 10 00	00 05 00 00
	30	00 05 00 00	00 06 15 00	00 07 30 00
	40	00 06 40 00	00 08 20 00	00 10 00 00
	50	00 08 20 00	00 10 25 00	00 12 30 00
	60	00 10 00 00	00 12 30 00	00 15 00 00
01 10	70	00 11 40 00	00 14 33 00	00 17 30 00
01 20	80	00 13 20 00	00 16 40 00	00 20 00 00
01 30	90	00 15 00 00	00 18 45 00	00 22 30 00
01 40	100	00 16 40 00	00 20 50 00	00 25 00 00
03 20	200	00 33 20 00	00 41 40 00	00 50 00 00
05 00	300	00 50 00 00	01 02 30 00	01 15 00 00
06 40	400	01 06 40 00	01 23 20 00	01 40 00 00
08 20	500	01 23 20 00	01 44 10 00	02 05 00 00
10 00	600	01 40 00 00	02 05 00 00	02 30 00 00
11 40	700	01 56 40 00	02 25 50 00	02 55 00 00
13 20	800	02 13 20 00	02 46 40 00	03 20 00 00
15 00	900	02 30 00 00	03 07 30 00	03 45 00 00
16 40	1000	02 46 40 00	03 28 20 00	04 10 00 00
18 20	1100	03 03 20 00	03 49 10 00	04 35 00 00
20 00	1200	03 20 00 00	04 10 00 00	05 00 00 00
21 40	1300	03 36 40 00	04 30 50 00	05 25 00 00
23 20	1400	03 53 20 00	04 51 40 00	05 50 00 00
24 00	1440	04 00 00 00	05 00 00 00	06 00 00 00

7.ग्रह स्पष्टीकरण सारिणी $\frac{\text{ग्रहगति}}{24}$ x समय

	समय	7	8	9
		अंश/कं/वि कला/वि/प्र विकला/प्र/0 प्रति विकला/0	अंश/क/वि कला/वि/प्र विकला/प्र/0 प्रति विकला/0	अंश/क/वि कला/वि/प्र विकला/प्र/0 प्रति विकला/0
	मिनट	00 00 00 00	00 00 00 00	00 00 00 00
	01	00 00 17 30	00 00 20 00	00 00 22 30
	02	00 00 35 00	00 00 40 00	00 00 45 00
	03	00 00 52 30	00 01 00 00	00 01 07 30
	04	00 01 10 00	00 01 20 00	00 01 30 00
	05	00 01 27 30	00 01 40 00	00 01 52 30
	06	00 01 45 00	00 02 00 00	00 02 15 00
	07	00 02 02 30	00 02 20 00	00 02 37 30
	08	00 02 20 00	00 02 40 00	00 03 00 00
	09	00 02 37 30	00 03 00 00	00 03 22 30
	10	00 02 55 00	00 03 20 00	00 03 45 00
	20	00 05 50 00	00 06 40 00	00 07 30 00
	30	00 08 45 00	00 10 00 00	00 11 15 00
	40	00 11 40 00	00 13 20 00	00 15 00 00
	50	00 14 35 00	00 16 40 00	00 18 45 00
घं. मि	60	00 17 30 00	00 20 00 00	00 22 30 00
01 10	70	00 20 35 00	00 23 20 00	00 26 15 00
01 20	80	00 23 20 00	00 26 40 00	00 30 00 00
01 30	90	00 26 1500	00 30 00 00	00 35 45 00
01 40	100	00 29 10 00	00 33 20 00	00 37 30 00
03 20	200	00 58 20 00	01 06 40 00	01 15 00 00
05 00	300	01 27 30 00	01 40 00 00	01 52 30 00
06 40	400	01 56 40 00	02 13 20 00	02 30 00 00
08 20	500	02 25 50 00	02 46 40 00	03 07 30 00
10 00	600	02 55 00 00	03 20 00 00	03 45 00 00
11 40	700	03 24 10 00	03 53 20 00	04 22 30 00
13 20	800	03 53 20 00	04 26 40 00	05 00 00 00
15 00	900	04 22 30 00	05 00 00 00	05 37 30 00
16 40	1000	04 51 40 00	05 33 20 00	06 15 00 00
18 20	1100	05 20 50 00	06 06 40 00	06 52 30 00
20 00	1200	05 50 00 00	06 40 00 00	07 30 00 00
21 40	1300	06 19 10 00	07 13 20 00	08 07 30 00
23 20	1400	06 48 20 00	07 46 40 00	08 45 00 00
24 00	1440	07 00 00 00	08 00 00 00	09 00 00 00

7.ग्रह स्पष्टीकरण सारिणी $\frac{\text{ग्रहगति}}{24}$ x समय

	समय	10	20	30
		अंश/कं/वि कला/वि/प्र विकला/प्र/0	अंश/क/वि कला/वि/प्र विकला/प्र/0	अंश/क/वि कला/वि/प्र विकला/प्र/0
	मिनट	00 00 00 00	00 00 00 00	00 00 00 00
	01	00 00 25 00	00 00 50 00	00 01 15 00
	02	00 00 50 00	00 01 40 00	00 02 30 00
	03	00 01 15 00	00 02 30 00	00 03 45 00
	04	00 01 40 00	00 03 20 00	00 05 00 00
	05	00 02 05 00	00 04 10 00	00 06 15 00
	06	00 02 30 00	00 05 00 00	00 08 30 00
	07	00 02 55 00	00 05 50 00	00 09 45 00
	08	00 03 20 00	00 06 40 00	00 10 00 00
	09	00 03 45 00	00 07 30 00	00 11 15 00
	10	00 04 10 00	00 08 20 00	00 12 30 00
	20	00 08 20 00	00 16 40 00	00 25 00 00
	30	00 12 30 00	00 25 00 00	00 37 30 00
	40	00 16 40 00	00 33 20 00	00 50 00 00
	50	00 20 50 00	00 41 40 00	01 02 30 00
घं मि	60	00 25 00 00	00 50 00 00	01 15 00 00
01 10	70	00 29 10 00	00 58 20 00	01 27 30 00
01 20	80	00 33 20 00	01 06 40 00	01 40 00 00
01 30	90	00 37 30 00	01 15 00 00	01 52 30 00
01 40	100	00 41 40 00	01 23 20 00	02 05 00 00
03 20	200	01 23 20 00	02 46 40 00	04 10 00 00
05 00	300	02 05 00 00	04 10 00 00	06 15 00 00
06 40	400	02 46 40 00	05 33 20 00	08 20 00 00
08 20	500	03 38 20 00	06 56 40 00	10 25 00 00
10 00	600	04 10 00 00	08 20 00 00	12 30 00 00
11 40	700	04 51 40 00	09 43 20 00	14 35 00 00
13 20	800	05 33 20 00	11 06 40 00	16 40 00 00
15 00	900	06 15 00 00	12 30 00 00	18 45 00 00
16 40	1000	06 56 40 00	13 53 20 00	20 50 00 00
18 20	1100	07 38 20 00	15 16 40 00	22 55 00 00
20 00	1200	08 20 00 00	16 40 00 00	25 00 00 00
21 40	1300	09 01 40 00	18 03 20 00	27 05 00 00
23 20	1400	09 43 20 00	19 26 40 00	29 10 00 00
24 00	1440	10 00 00 00	20 00 00 00	30 00 00 00

7.ग्रह स्पष्टीकरण सारिणी $\frac{\text{ग्रहगति}}{24}$ x समय

	समय	40				50				60			
		अंश/क/वि	कला/वि/प्र	विकला/प्र/0	प्रति विकला/0	अंश/क/वि	कला/वि/प्र	विकला/प्र/0	प्रति विकला/0	अंश/क/वि	कला/वि/प्र	विकला/प्र/0	प्रति विकला/0
	मिनट	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00
	01	00	01	40	00	00	00	05	00	00	02	30	00
	02	00	03	20	00	00	02	10	00	00	05	00	00
	03	00	05	00	00	00	04	15	00	00	07	30	00
	04	00	06	40	00	00	06	20	00	00	10	00	00
	05	00	08	20	00	00	18	25	00	00	12	30	00
	06	00	10	00	00	00	10	30	00	00	15	00	00
	07	00	11	40	00	00	12	35	00	00	17	30	00
	08	00	13	20	00	00	14	40	00	00	20	00	00
	09	00	15	00	00	00	16	45	00	00	22	30	00
	10	00	16	40	00	00	18	50	00	00	25	00	00
	20	00	33	20	00	00	20	40	00	00	50	00	00
	30	00	50	00	00	01	41	30	00	01	15	00	00
	40	01	06	40	00	01	02	20	00	01	40	00	00
	50	01	23	20	00	01	23	10	00	02	05	00	00
घ मि	60	01	40	00	00	02	44	00	00	02	30	00	00
01 10	70	01	56	40	00	02	05	50	00	02	55	00	00
01 20	80	02	13	20	00	02	25	40	00	03	20	00	00
01 30	90	02	30	00	00	03	46	30	00	03	45	00	00
01 40	100	02	46	40	00	03	07	20	00	04	10	00	00
03 20	200	05	33	20	00	06	28	40	00	08	20	00	00
05 00	300	08	20	00	00	10	56	00	00	12	30	00	00
06 40	400	11	06	40	00	13	25	20	00	16	40	00	00
08 20	500	13	53	20	00	17	53	40	00	20	50	00	00
10 00	600	16	40	00	00	20	21	00	00	25	00	00	00
11 40	700	19	26	40	00	24	50	20	00	29	10	00	00
13 20	800	22	13	20	00	27	46	40	00	33	20	00	00
15 00	900	25	00	00	00	31	15	00	00	37	30	00	00
16 40	1000	27	46	40	00	34	43	20	00	41	40	00	00
18 20	1100	30	33	20	00	38	11	40	00	45	50	00	00
20 00	1200	33	20	00	00	41	40	00	00	50	00	00	00
21 40	1300	36	06	40	00	45	08	20	00	54	10	00	00
23 20	1400	38	53	20	00	48	36	40	00	58	20	00	00
24 00	1440	40	00	00	00	50	00	00	00	60	00	00	00

घंटा मिनट परिवर्तन तालिका

घंटा	मिनट	घटा	मिनट	घटा	मिनट
1	60	10	600	19	1140
2	120	11	660	20	1200
3	180	12	720	21	1260
4	240	13	780	22	1320
5	300	14	840	23	1380
6	360	15	900	24	1440
7	420	16	960	—	—
8	480	17	1020	—	—
9	580	18	1080	—	—

सारिणी के उपयोग की रीति –
जन्म समय के स्टे टा मे से प्रात – कालीन स्पष्ट ग्रह के स्टे टा. को घटा देने पर शेष घटा मिनट के मिनिट बना दीजिये। सारिणी के बाये –मिनिट है और दाहिने 1 2 3 4 आदि ग्रह गति के 1से 60 तक के अंक हैं और उन अंकों के प्रत्येक कॉलम मे चार चार अक दिये गये हैं।

प्रात कालीन स्पष्ट ग्रह की गति कला विकला मे दी जाती है। 60 कला से अधिक की गति वाले ग्रहो की गति में 60 का भाग देने पर लब्धि अश और शेष कला के रुप मे उनकी गति प्राप्त होगी।

ग्रह गति के ऊपर 1, 2, 3,4 आदि अंक अंश कला और विकला के लिए उपयोग मे लाये जाते हैं।

अब घटे मिनट के मिनिट बनाने पर प्राप्त मिनटो के अनुसार मिनिट वाले कॉलम मे से मिनट का योग करिये जैसे 1178 मिनट = 1100 + 70 + 8 = 1178 ग्रह गति 75 कला 19 विकला = 1 अंश 15 कला 19 विकला है।

यदि अश के रूप में उपयोग करना है तो सबंधित अक के कॉलम मे बाये से दाये चार अंक दिये गये हैं उनमें पहला अक अंश, दूसरा कला, तीसरा विकला और चौथा प्रति विकला का होगा।

यदि कला के रूप मे उपयोग करना है तो प्रथम अक कला दूसरा विकला और तीसरा अक प्रति विकला का होगा।

यदि विकला के रूप में उपयोग करना है तो प्रथम अक विकला दूसरा प्र विकला होगा। तीसरा और चौथा अक छोड़ दीजिये।

मान लीजिये प्रात:कालीन ग्रह स्पष्टीकरण का समय 5 घं 30 मि है और जन्म कालीन समय उक्त समय से 19 घटे 38 मिनिट आगे अर्थात 5 घं 30 मि +19 घं 38 मि =25 घं 08 मि है। ग्रह गति 75 कला 19 विकला है अर्थात 1 अंश 15 कला 19 विकला है। अब हमें प्रात: से जन्म समय के अंतर और ग्रह की 24 घंटे की गति पर से ज्ञात करना है कि ग्रह कितना आगे बढा या पीछे हटा।

प्रात: 5 घं 30 मि से जन्म कालीन समय का अंतर =19 घ 38 मि =19 X 60 = 1140 + 38 = 1178 मिनट

ग्रह की 24 घ. की गति 1 अंश 15 कला 19 विकला है। अब हमे ग्रह गति स्पष्टीकरण सारिणी से ग्रह गति का मान निम्न प्रकार से ज्ञात करेंगे–

प्रात: से जन्म समय तक के अन्तर मिनट	अश 1 अ क वि प्र	ग्रह की 24 घटे की गति कला (10 +5=15) क वि. प्र प्र	विकला (10 +9 =19) वि प्र प्र प्र
1100	00 45 50 00 (1)	07 38 20 00 (10) 03 49 10 00 (05)	07 38 20 00 (10) 06 52 30 00 (09)
A योग	00 45 50 00 (1)	11 27 30 00 (05)	14 30 50 00 (19)
70	00 02 55 00 (1)	00 29 10 00 (10) 00 14 35 00 (05)	00 29 10 00 (10) 00 26 15 00 (09)
B योग	00 02 55 00 (1)	00 43 45 00 (15)	00 55 25 00 (19)
8	00 00 20 00 (1)	00 03 20 00 (10) 00 01 40 00 (05)	00 03 20 00 (10) 00 03 00 00 (09)
C योग	00 00 20 00 (1)	00 05 00 00 (15)	00 06 20 00 (19)
योग A	00 45 50 00	11 27 30 00	14 30 50 00
योग B	00 02 55 00	00 43 45 00	00 55 25 00
योग C	00 00 20 00	00 05 00 00	00 06 20 00
D कुल योग	00 49 05 00	12 16 00 00	15 32 35 00

D योग

	अं	क	वि	प्र
1 अंश =	00	49	05	00
15 कला =	00	12	16	15
19 विकला =	00	00	15	32
	01	01	36	47

यह अशादि ग्रह गति फल को यदि ग्रह मार्गी है तो उसकी प्रात:कालीन राश्यादि मे जोड देंगे और यदि ग्रह वक्री है तो उसकी राश्यादि मे से घटा देगे–

यहॉ प्रात:कालीन स्पष्ट ग्रह –

	04 रा	06 अ	10 क	25 वि. है
मार्गी है तो +	00	01	01	36
	04	07	12	01

यदि वक्री है तो –

प्रात:कालीन स्पष्ट ग्रह

04 रा.	06 अं	10 क	25 वि
–0	01	01	36
04	05	08	49

इसी प्रकार किसी भी ग्रह को सारिणी से ग्रह गति एवं प्रात से जन्म समय तक के अन्तर को ध्यान मे रख कर आसानी से स्पष्ट किया जा सकता है।

जन्मकुडली को पूर्वोक्त प्रकार से तैयार करने के पश्चात् भारतीय परम्परा के अनुसार जिस प्रांरभिक जानकारी की आवश्यकता पडती है उसे यहां क्रमश प्रस्तुत की जा रही है।

8 सन् पर से 1 जनवरी को शक, संवत एव संवत्सर ज्ञान –

क्रमाक 1 जनवरी	सन्	शक	शक सवत्सर	सवत	सवत् संवत्सर
1	1900	1821	विकारी	1956	विरोधकृत
2	1901	1822	शार्वरी	1957	परिधावी
3	1902	1823	प्लव	1958	प्रमादी
4	1903	1824	शुभकृत	1959	आनद
5	1904	1825	शोभन	1960	राक्षस
6	1905	1826	क्रोधी	1961	अनल
7	1906	1827	विश्वावसु	1962	पिगल
8	1907	1828	पराभव	1963	कालयुक्त
9	1908	1829	प्लवग	1964	सिद्धार्थी
10	1909	1830	कीलक	1965	रौद्र
11	1910	1831	सौम्य	1966	दुर्मति
12	1911	1832	साधारण	1967	दुदुभि
13	1912	1833	विरोधकृत	1968	रुधिरोद्गा
14	1913	1834	परिधावी	1969	रक्ताक्षी
15	1914	1835	प्रमादी	1970	क्रोधन
16	1915	1836	आंनद	1971	क्षय
17	1916	1837	राक्षस	1972	प्रभव
18	1917	1838	अनल	1973	विभव
19	1918	1839	पिंगल	1974	शुक्ल
20	1919	1840	कालयुक्त	1975	प्रमोद
21	1920	1841	सिद्धार्थी	1976	प्रजापति
22	1921	1842	रौद्र	1977	अंगिरा
23	1922	1843	दुर्मति	1978	श्रीमुख
24	1923	1844	दुदुभि	1979	भाव
25	1924	1845	रुधिरोद्गारी	1980	युवा
26	1925	1846	रक्ताक्षी	1981	धाता
27	1926	1847	क्रोधन	1982	ईश्वर
28	1927	1848	क्षय	1983	बहुधान्य
29	1928	1849	प्रभव	1984	प्रमाथी
30	1929	1850	विभव	1985	विक्रम
31	1930	1851	शुक्ल	1986	वृष
32	1931	1852	प्रमोद	1987	चित्रभानु
33	1932	1853	प्रजापति	1988	सुभानु
34	1933	1854	अगिरा	1989	तारण
35	1934	1855	श्रीमुख	1990	पार्थिव

क्रमांक 1 जनवरी	सन्	शक	शक सवत्सर	सवत	सवत् सवत्सर
36	1935	1856	भाव	1991	व्यय
37	1936	1857	युवा	1992	सर्वजित
38	1937	1858	धाता	1993	सर्वधारी
39	1938	1859	ईश्वर	1994	विरोधी
40	1939	1860	बहुधान्य	1995	विकृति
41	1940	1861	प्रमाथी	1996	खर
42	1941	1862	विक्रम	1997	नदन
43	1942	1863	वृष	1998	विजय
44	1943	1864	चित्रभानु	1999	जय
45	1944	1865	सुभानु	2000	मन्मथ
46	1945	1866	तारण	2001	दुर्मुख
47	1946	1867	पार्थिव	2002	हेमलंबी
48	1947	1868	व्यय	2003	विलबी
49	1948	1869	सर्वजित	2004	विकारी
50	1949	1870	सर्वधारी	2005	शार्वरी
51	1950	1871	विरोधी	2006	प्लव
52	1951	1872	विकृति	2007	शुभकृत
53	1952	1873	खर	2008	शोभन
54	1953	1874	नंदन	2009	क्रोधी
55	1954	1875	विजय	2010	विश्वावसु
56	1955	1876	जय	2011	पराभव
57	1956	1877	मन्मथ	2012	प्लवग
58	1957	1878	दुर्मुख	2013	कीलक
59	1958	1879	हेमलंबी	2014	सौम्य
60	1959	1880	विलंबी	2015	साधारण
61	1960	1881	विकारी	2016	विरोधकृत
62	1961	1882	शार्वरी	2017	परिधावी
63	1962	1883	प्लव	2018	प्रमादी
64	1963	1884	शुभकृत	2019	आंनद
65	1964	1885	शोभन	2020	राक्षस
66	1965	1886	क्रोधी	2021	अनल
67	1966	1887	विश्वावसु	2022	पिगल
68	1967	1888	पराभव	2023	कालयुक्त
69	1968	1889	प्लवंग	2024	सिद्धार्थी
70	1969	1890	कीलक	2025	रौद्र
71	1970	1891	सौम्य	2026	दुर्मति
72	1971	1892	साधारण	2027	दुंदुभि
73	1972	1893	विरोधकृत	2028	रुधिरोद्ग
74	1973	1894	परिधावी	2029	रक्ताक्षी
75	1974	1895	प्रमादी	2030	क्रोधन

क्रमाक 1 जनवरी	सन्	शक	शक सवत्सर	सवत	सवत् सवत्सर
76	1975	1896	आनद	2031	क्षय
77	1976	1897	राक्षस	2032	प्रभव
78	1977	1898	अनल	2033	विभव
79	1978	1899	पिगल	2034	शुक्ल
80	1979	1900	कालयुक्त	2035	प्रमोद
81	1980	1901	सिद्धार्थी	2036	प्रजापति
82	1981	1902	रौद्र	2037	अगिरा
83	1982	1903	दुर्मति	2038	श्रीमुख
84	1983	1904	दुंदुभि	2039	भाव
85	1984	1905	रुधिरोद्गारी	2040	युवा
86	1985	1906	रक्ताक्षी	2041	धाता
87	1986	1907	क्रोधन	2042	ईश्वर
88	1987	1908	क्षय	2043	बहुधान्य
89	1988	1909	प्रभव	2044	प्रमाथी
90	1989	1910	विभव	2045	विक्रम
91	1990	1911	शुक्ल	2046	वृष
92	1991	1912	प्रमोद	2047	चित्रभानु
93	1992	1913	प्रजापति	2048	सुभानु
94	1993	1914	अगिरा	2049	तारण
95	1994	1915	श्रीमुख	2050	पार्थिव
96	1995	1916	भाव	2051	व्यय
97	1996	1917	युवा	2052	सर्वजित
98	1997	1918	धाता	2053	सर्वधारी
99	1998	1919	ईश्वर	2054	विरोधी
100	1999	1920	बहुधान्य	2055	विकृती
101	2000	1921	प्रमाथी	2056	खर
102	2001	1922	विक्रम	2057	नदन
103	2002	1923	वृष	2058	विजय
104	2003	1924	चित्रभानु	2059	जय
105	2004	1925	सुभानु	2060	मन्मथ
106	2005	1926	तारण	2061	दुर्मुख
107	2006	1927	पार्थिव	2062	हेमलबी
108	2007	1928	व्यय	2063	विलबी
109	2008	1929	सर्वजित	2064	विकारी
110	2009	1930	सर्वधारी	2065	शार्वरी
111	2010	1931	विरोधी	2066	प्लव
112	2011	1932	विकृति	2067	शुभकृत
113	2012	1933	खर	2068	शोभन

क्रमाक 1 जनवरी	सन्	शक	शक सवत्सर	सवत	सवत् सवत्सर
114	2013	1934	नदन	2096	कोधी
115	2014	1935	विजय	2070	विश्वावसु
116	2015	1936	जय	2071	पराभव
117	2016	1937	मन्मथ	2072	प्लवग
118	2017	1938	दुर्मुख	2073	कीलक
119	2018	1939	हेमलबी	2074	सौम्य
120	2019	1940	विलबी	2075	साधारण
121	2020	1941	विकारी	2076	विरोधकृत
122	2021	1942	शार्वरी	2077	परिभावी
123	2022	1943	प्लव	2078	प्रमादी
124	2023	1944	शुभकृत	2079	आनद
125	2024	1945	शोभन	2080	राक्षस
126	2025	1946	कोधी	2081	अनल
127	2026	1947	विश्वावसु	2082	पिगल
128	2027	1948	पराभव	2083	कालयुक्त
129	2028	1949	प्लवग	2084	सिद्वार्थी

संवत — सन् में 56 जोडने पर 1 जनवरी का सवत आता है ।
कार्तिकादि संवत का प्रारभ सन् के अक्टूबर नवम्बर महीने मे होता है
लेकिन चैत्रादि शक सवत का परिर्वतन सन् के मार्च अप्रैल महीने में होता है।

शक — सन् में से 79 घटाने पर 1 जनवरी का शक आता है

शक संवत्सर — सन् में से 7 घटाकर 60 का भाग देने पर शेषांक के अनुसार प्रभवादि शक संवत्सर आते हैं।

सवत् संवत्सर — सन् में 5 जोडने और 60 का भाग देने पर शेषांक के अनुसार प्रभवादि सवत संवत्सर आते है ।

उदाहरण — सन् 1900 + 56 =1956 सवत्
सन् 1900 − 79 =1821 शक
सन् 1900 − 7 = 1893 ÷ 60 शेष

33 = विकारी शक सवत्सर

सन् 1900 + 5 = 1905 ÷ 60 शेष

45 = विरोधकृत संवत सवत्सर

हिन्दू महीने –

1. चैत्र	7 आश्विन
2 वैशाख	8 कार्तिक
3. ज्येष्ठ	9. मार्गशीष
4 आषाढ	10 पौष
5 श्रावण	11 माघ
6 भाद्रपद	12 फाल्गुन

जनवरी महीने में समान्यत पौष मास आता है । अत. अग्रेजी महीने की सख्या में 9 जोड दिये जाये तो हिन्दू महीना ज्ञात हो जायेगा ।

(9) अयन,गोल एवं ऋतु सारिणी –

यदि सायन सूर्य (निरयन सूर्य राश्यादि + अयनाश =सायन सूर्य राश्यादि) निम्नलिखित राशि का हो तो अयन गोल एंव ऋतु निम्नप्रकार से जन्माक्षर या जन्म पत्रिका के जन्म कालीन विवरण मे अकित किये जाते है–

यदि सायन सूर्य राशि हो	अयन	गोल	ऋतु उत्तर अक्षाश	ऋतु दक्षिण अक्षाश	
मेष	उत्तर	उत्तर	बसन्त	शरद	अयन –
वृषभ	उत्तर	उत्तर	ग्रीष्म	हेमन्त	22 जून से 21 दिसम्बर = दक्षिण
मिथुन	उत्तर	उत्तर	ग्रीष्म	हेमन्त	22 दिसम्बर से 21 जून = उत्तर
कर्क	दक्षिण	उत्तर	वर्षा	शिशिर	
सिह	दक्षिण	उत्तर	वर्षा	शिशिर	गोल–
कन्या	दक्षिण	उत्तर	शरद	बसत	21 मार्च से 23 सितम्बर=उत्तर
तुला	दक्षिण	दक्षिण	शरद	बसत	23 सितम्बर से 21 मार्च = दक्षिण
वृश्चिक	दक्षिण	दक्षिण	हेमन्त	ग्रीष्म	
धनु	दक्षिण	दक्षिण	हेमन्त	ग्रीष्म	
मकर	उत्तर	दक्षिण	शिशिर	वर्षा	
कुभ	उत्तर	दक्षिण	शिशिर	वर्षा	
मीन	उत्तर	दक्षिण	बसत	शरद	

नोट – कार्तिकादि सवत का परिवर्तन अक्टूबर – नवम्बर में होता हैं।
चैत्रादि सवत का परिवर्तन मार्च – अप्रेल मे होता हैं।
शक का परिवर्तन मार्च – अप्रेल मे चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को होता हैं।

(10 ए) तिथि व करण सारिणी (स्पष्ट चन्द्र–स्पष्ट सूर्य =प्रति 6 अंश = करण , प्रति 12 अंश = तिथि)

च सू. रा अ		करण	तिथि ↓पक्ष	च सू रा अ	करण	तिथि ↓पक्ष
0	06	किंस्तुघ्न	1 शुक्ल	06 06	बालव	1 कृष्ण
0	12	बव	"	06 12	कौलव	"
0	18	बालव	2 शुक्ल	06 18	तैतिल	2 कृष्ण
0	24	कौलव	"	06 24	गर	"
1	00	तैतिल	3 शुक्ल	07 00	वणिज	3 कृष्ण
1	06	गर	"	07 06	विष्टि	"
1	12	वणिज	4 शुक्ल	07 12	बव	4 कृष्ण
1	18	विष्टि	"	07 18	बालव	"
1	24	बव	5 शुक्ल	07 24	कौलव	5 कृष्ण
2	00	बालव	"	08 00	तैतिल	"
2	06	कौलव	6 शुक्ल	08 06	गर	6 कृष्ण
2	12	तैतिल	"	08 12	वणिज	"
2	18	गर	7 शुक्ल	08 18	विष्टि	7 कृष्ण
2	24	वणिज	"	08 24	बव	"
3	00	विष्टि	8 शुक्ल	09 00	बालव	8 कृष्ण
3	06	बव	"	09 06	कौलव	"
3	12	बालव	9 शुक्ल	09 12	तैतिल	9 कृष्ण
3	18	कौलव	"	09 18	गर	"
3	24	तैतिल	10 शुक्ल	09 24	वणिज	10 कृष्ण
4	00	गर	"	10 00	विष्टि	"
4	06	वणिज	11 शुक्ल	10 06	बव	11 कृष्ण
4	12	विष्टि	"	10 12	बालव	"
4	18	बव	12 शुक्ल	10 18	कौलव	12 कृष्ण
4	24	बालव	"	10 24	तैतिल	"
5	00	कौलव	13 शुक्ल	11 00	गर	13 कृष्ण
5	06	तैतिल	"	11 06	वणिज	"
5	12	गर	14 शुक्ल	11 12	विष्टि	14 कृष्ण
5	18	वणिज	"	11 18	शकुनि	"
5	24	विष्टि	15 शुक्ल(पूनम)	11 24	चतुष्पाद	30 अमावस्या
6	00	बव	15 शुक्ल(पूनम)	0 00	नाग	30 अमावस्या

6 राशि तक के अन्तर की तिथियाँ शुक्ल पक्ष की और 6 से 00 राशि तक की तिथियाँ कृष्ण की होती है।

(10 बी) चन्द्र राशि के अनुसार वर्ण वश्यादि

राशि	वर्ण	हंसक	वश्य
मेष	क्षत्रिय	अग्नि	चतुष्पाद
वृषभ	वैश्य	भूमि	चतुष्पाद
मिथुन	शूद्र	वायु	मानव
कर्क	ब्राह्मण	वारि	जलचर
सिंह	क्षत्रिय	अग्नि	वनचर
कन्या	वैश्य	भूमि	मानव
तुला	शूद्र	वायु	मानव
वृश्चिक	ब्राह्मण	वारि	कीट
धनु	क्षत्रिय	अग्नि	(1 – 15 अश) मानव/ (16 – 30 अंश) चतुष्पाद
मकर	वैश्य	भूमि	(1 – 15 अंश) चतुष्पाद/ (16 – 30 अश) जलचर
कुंभ	शूद्र	वायु	मानव
मीन	ब्राह्मण	वारि	जलचर

(10 सी) चन्द्र + सूर्य = योग सारिणी

चन्द्र + सूर्य

रा अं क	योग	रा अं क	योग
0 13 20	विष्कुंभ	06 20 00	बज्र
0 26 40	प्रीति	07 03 20	सिद्धि
1 10 00	आयुष्मान	07 16 40	व्यतिपात
1 23 20	सौभाग्य	08 00 00	वरियान
2 06 40	शोभन	08 13 20	परिध
2 20 00	अतिगड	08 26 40	शिव
3 03 20	सुकर्मा	09 10 00	सिद्ध
3 16 40	धृति	09 23 20	साध्य
4 00 00	शूल	10 06 40	शुभ
4 13 20	गंड	10 20 00	शुक्ल
4 26 40	वृद्धि	11 03 20	ब्रह्मा
5 10 00	ध्रुव	11 16 40	ऐन्द्र
5 23 20	व्याघात	00 00 00	वैधृति
6 06 40	हर्षण		

जन्म कालीन स्पष्ट चन्द्र राश्यादि मे स्पष्ट सूर्य राश्यादि का योग करने पर जो राश्यादि प्राप्त हो उसे सारिणी के कॉलम में जहाँ चन्द्र + सूर्य राशि अश कला लिखा है, देखिये उस कॉलम की राश्यादि का अधिकतम अंक उक्त योग करने पर प्राप्त राश्यादि में से घटाया जा सके
उसे घटा दीजिये। घटाने पर शेष अंशादि अगले भाग मे आते है इसलिये उस भाग की दायीं तरफ जो चन्द्र + सूर्य = योग का कॉलम है उसमें जो योग लिखा हो वही जन्मकालीन योग आता है।

	रा	अं	क	वि
स्पष्ट च्रंद राश्यादि	3	20	32	31
+ स्पष्ट सूर्य राश्यादि	+ 8	26	17	19
	0	16	49	50

इस राश्यादि में से चंद्र + सूर्य राश्यादि के अधिकतम राश्यादि अक 0 13 20 घटा दिया।
घटाने पर 3 अंश 29 कला 50 विकला अगले राश्यादि 0 26 40 का है। अत. इसके दायीं ओर चद्र + सूर्य = योग वाले कॉलम में प्रीति योग लिखा है। अत: जन्मकालीन योग 'प्रीति' हुआ।

सम्पूर्ण

11 अवकहडा सारिणी

स्पष्ट चद्र राश्यादि पर से नक्षत्रादि का विवरण ज्ञात करना—
जन्मकालीन स्पष्ट चद्र के राश्यादि मे से चद्र राशि अश कला वाले कॉलम के अधिकतम राश्यादि जितने घट सके घटा दीजिये शेष अंशादि अगले भाग के हैं। अत. अगले भाग के दाहिनी तरफ मे जो जो विवरण दिये है। उन्हें जन्माक्षर या जन्म पत्रिका मे दिये रिक्त स्थानो मे भरा जाता है। जैसे चद्र राश्यादि 3 रा 20 अश 32 क 31 वि मे से चद्र रा अ क वाले कॉलम का 3 रा 20 अश 0 क का भाग घटाया जा सकता है। शेष 32 कला 31 विकला रहते है। अत 3 रा 23 अश 20 कला वाले अगले भाग की सीधी लाइन के विवरण निम्न प्रकार प्राप्त हुए। नक्षत्र आश्लेषा चरण 2, नामाक्षर 'डू' योनि मार्जर, गण— राक्षस, युजा, मध्य, नाडी अत्य, वर्ग श्वान, प्राप्त हुआ।

नक्षत्र विवरण—

चन्द्र रा. अ. क.	नक्षत्र	चरण	नामाक्षर	योनि	गण	युजा	नाडी	वर्ग
0 03 20	अश्विनी	1	चु	अश्व	देव	पूर्व	आद्य	सिंह
0 06 40	"	2	चे	"	"	"	"	"
0 10 00	"	3	चो	"	"	"	"	"
0 13 20	"	4	ला	"	"	"	"	मृग
0 16 20	भरणी	1	ली	गज	मनुष्य	पूर्व	मध्य	"
0 20 00	"	2	लू	"	"	"	"	"
0 23 20	"	3	ले	"	"	"	"	"
0 26 40	"	4	लो	"	"	"	"	"
1 00 00	कृतिका	1	आ	मेष	राक्षस	पूर्व	अत्य	गरुड
1 03 20	"	2	इ	"	"	"	"	"
1 06 40	"	3	उ	"	"	"	"	"

(1) नक्षत्र विवरण –

चद्र रा अ क	नक्षत्र	चरण	नामाक्षर	योनि	गण	युजा	नाडी	वर्ग
1 10 00	"	4	ए	"	"	"	"	"
1 13 20	रोहिणी	1	ओ	सर्प	मनुष्य	पूर्व	अन्त्य	"
1 16 40	"	2	वा/बा	"	"	"	"	मृग/मूषक
1 20 00	"	3	वी/बी	"	"	"	"	"
1 23 20	"	4	वु/बु	"	"	"	"	"
1 26 20	मृगशीष	1	वे/बे	सर्प	देव	पूर्व	मध्य	"
2 00 00	"	2	वो/बो	"	"	"	"	"
2 03 20	"	3	का	"	"	"	"	मार्जर
2 06 40	"	4	की	"	"	"	"	"
2 10 00	आर्द्रा	1	कु	श्वान	मनुष्य	मध्य	आद्य	"
2 13 20	"	2	घ	"	"	"	"	"
2 16 40	"	3	ङ	"	"	"	"	"
2 20 00	"	4	छ	"	"	"	"	सिंह
2 23 20	पुनर्वसु	1	के	मार्जर	देव	मध्य	आद्य	मार्जर
2 26 40	"	2	को	"	"	"	"	"
3 00 00	"	3	हा	"	"	"	"	मेष
3 03 20	"	4	ही	"	"	"	"	"
3 06 40	पुष्य	1	हू	मेष	देव	मध्य	मध्य	"
3 10 00	"	2	हे	"	"	"	"	"
3 13 20	"	3	हो	"	"	"	"	"
3 16 40	"	4	डा	"	"	"	"	श्वान
3 20 00	अश्लेषा	1	डी	मार्जर	राक्षस	मध्य	अत्य	"
3 23 20	"	2	डू	"	"	"	"	"
3 26 40	"	3	डे	"	"	"	"	"
4 00 00	"	4	डो	"	"	"	"	"
4 03 20	मघा	1	मा	मूषक	राक्षस	मध्य	अत्य	मूषक
4 06 40	"	2	मी	"	"	"	"	"
4 10 00	"	3	मु	"	"	"	"	"
4 13 20	"	4	मे	"	"	"	"	"
4 16 40	पू.फाल्गुनी	1	मो	मूषक	मनुष्य	मध्य	मध्य	"

(1) नक्षत्र विवरण –

चद्र रा अ क	नक्षत्र	चरण	नामाक्षर	योनि	गण	युजा	नाडी	वर्ग
4 20 00	पू फा	2	टा	मूषक	मनुष्य	मध्य	मध्य	श्वान
4 23 20	"	3	टी	"	"	"	"	"
4 26 40	"	4	टू	"	"	"	"	"
5 00 00	उ फाल्गुनी	1	टे	गौ	मानव	मध्य	आद्य	श्वान
5 03 20	"	2	टो	"	"	"	"	"
5 06 40	"	3	पा	"	"	"	"	मूषक
5 10 00	"	4	पी	"	"	"	"	"
5 13 20	हस्त	1	पू	महिषी	देव	मध्य	आद्य	मूषक
5 16 40	"	2	ष	"	"	"	"	मेष
5 20 00	"	3	ण	"	"	"	"	श्वान
5 23 20	"	4	ठ	"	"	"	"	"
5 26 40	चित्रा	1	पे	व्याघ्र	राक्षस	मध्य	मध्य	मूषक
6 00 00	"	2	पो	"	"	"	"	"
6 03 20	"	3	रा	"	"	"	"	मृग
6 06 40	"	4	री	"	"	"	"	"
6 10 00	स्वाती	1	रु	महिषी	देव	मध्य	अत्य	"
6 13 20	"	2	रे	"	"	"	"	"
6 16 40	"	3	रो	"	"	"	"	"
6 20 00	"	4	ता	"	"	"	"	सर्प
6 23 20	विशाखा	1	ती	व्याघ्र	राक्षस	मध्य	अत्य	"
6 26 40	"	2	तू	"	"	"	"	"
7 00 00	"	3	ते	"	"	"	"	"
7 03 20	"	4	तो	"	"	"	"	"
7 06 40	अनुराधा	1	ना	मृग	देव	मध्य	मध्य	"
7 10 00	"	2	नी	"	"	"	"	"
7 13 20	"	3	नु	"	"	"	"	"
7 16 40	"	4	ने	"	"	"	"	"
7 20 00	ज्येष्ठा	1	नो	मृग	राक्षस	अत्य	आद्य	"
7 23 20	"	2	या	"	"	"	"	मृग
7 26 40	"	3	यी	"	"	"	"	"

(1) नक्षत्र विवरण –

चंद्र राअंक	नक्षत्र	चरण	नामाक्षर	योनि	गण	युंजा	नाडी	वर्ग
8 00 00	"	4	यु	मृग	राक्षस	अंत्य	आध	मृग
8 03 20	मूल	1	ये	श्वान	"	"	"	"
8 06 40	"	2	यो	"	"	"	"	"
8 10 00	"	3	भा	"	"	"	"	मूषक
8 13 20	"	4	भी	"	"	"	"	"
8 16 40	पूर्वाषाढा	1	भु	कपि	मानव	अत्य	मध्य	"
8 20 00	"	2	धा	"	"	"	"	सर्प
8 23 20	"	3	फा	"	"	"	"	मूषक
8 26 40	"	4	ढा	"	"	"	"	श्वान
9 00 00	उत्तराषाढा	1	भे	नकुल	मानव	अत्य	अत्य	मूषक
9 03 20	"	2	भो	"	"	"	"	"
9 06 40	"	3	जा	"	"	"	"	सिह
9 10 00	"	4	जी	"	"	"	"	"
9 10 53	अभिजित							
9 13 20	श्रवण	1	खी	कपि	देव	अत्य	अत्य	मार्जर
9 16 40	"	2	खू	"	"	"	"	"
9 20 00	"	3	खे	"	"	"	"	"
9 23 20	"	4	खो	"	"	"	"	"
9 26 40	धनिष्ठा	1	गा	सिह	राक्षस	अत्य	मध्य	मार्जर
10 00 00	"	2	गी	"	"	"	"	"
10 03 20	"	3	गू	"	"	"	"	"
10 06 40	"	4	गे	"	"	"	"	"
10 10 00	शतभिषा	1	गो	अश्व	राक्षस	अत्य	आध	मार्जर
10 13 20	"	2	सा	"	"	"	"	मेष
10 16 40	"	3	सी	"	"	"	"	"
10 20 00	"	4	सू	"	"	"	"	"
10 23 20	पूर्वाभाद्रपदा	1	से	सिह	मानव	अत्य	आध	मेष
10 26 49	"	2	सो	"	"	"	"	"
11 00 00	"	3	दा	"	"	"	"	सर्प
11 03 20	"	4	दी	"	"	"	"	"

(1) नक्षत्र विवरण –

चद्र राअक.	नक्षत्र	चरण	नामाक्षर	योनि	गण	युजा	नाडी	वर्ग
11 06 40	उत्तराभाद्रपदा	1	दू	गौ	मानव	अंत्य	मध्य	सर्प
11 10 00	"	2	झा	"	"	"	"	मेष
11 13 20	"	3	झा	"	"	"	"	सिह
11 16 40	"	4	था	"	"	"	"	सर्प
11 20 00	रेवती	1	दे	गज	देव	पूर्व	अत्य	"
11 23 20	"	2	दो	"	"	"	"	"
11 26 40	"	3	चा	"	"	"	"	सिह
0 00 00	"	4	ची	"	"	"	"	"

(2) राशि घाताष्टक–

राशि	मास	तिथि	वार	नक्षत्र	योग	करण	प्रहर	चद्र	स्त्रीचद्र
मेष	कार्तिक	1 6 11	रवि	मघा	विष्कुभ	बव	प्रथम	प्रथम	प्रथम
वृषभ	मार्गशीर्ष	5 10 15	शनि	हस्त	सुकर्मा	शकुनि	चतुर्थ	पचम्	अष्टम
मिथुन	आषाढ	2 7 12	सोम	स्वाति	परिध	चतुष्पाद	तृतीय	नवम्	सप्तम
कर्क	पौष	2 7 12	बुध	अनुराधा	व्याधात	नाग	प्रथम	द्वितीय	नवम
सिंह	ज्येष्ठ	3 8 13	शनि	मूल	घृति	बव	प्रथम	षष्ठ	चतुर्थ
कन्या	भाद्रपद	5 10 15	शनि	श्रवण	शूल	कौलव	प्रथम	दशम	तृतीय
तुला	माघ	4 9 14	गुरू	शतभिषा	शुक्ल	तैतिल	चतुर्थ	तृतीय	षष्ठ
वृश्चिक	अश्विन	1 6 11	शुक्र	रेवती	व्यतिपात	गर	प्रथम	सप्तम्	द्वितीय
धनु	श्रावण	3 8 13	शुक्र	भरणी	वज्र	तैतिल	प्रथम	चतुर्थ	दशम
मकर	वैशाख	4 9 14	मगल	रोहिणी	वैघृति	शकुनि	चतुर्थ	अष्टम्	एकादश
कुभ	चैत्र	3 8 13	गुरू	आर्द्रा	गंड	किस्तुघ्न	तृतीय	एकादश	पचम
मीन	फाल्गुन	5 10 15	शुक्र	आश्लेषा	वज्र	चतुष्पाद	चतुर्थ	द्वादश	द्वादश

(2) चन्द्र राशि से धाताष्टक तैयार करना–

जन्मकालीन चन्द्र की जो राशि हो उसे ही जातक की जन्म राशि कहा जाता है। उक्त स्पष्ट चन्द्र की राशि कर्क है। इस जन्म की राशि की लाइन मे जो–जो विवरण घाताषृक मे दिये हो उन्हें भरा जाता है।

जैसे कर्क राशि की लाइन मे घात–महीना–पौष, तिथि 2, 7, 12 वार बुध नक्षत्र–अनुराधा, योग व्याधात, करण नाग, प्रहर प्रथम, यदि पुरुष है तो घात चद्र द्वितीय और यदि स्त्री है तो नवमा चन्द्र अशुभ या घात माना जाता है।

(3) चन्द्र राश्यादि पर से विशोत्तरी अष्टोत्तरी भुक्त महादशा वर्षादि ज्ञात करना

चन्द्र रा अ. क	विंशोत्तरी भुक्तदशा ग्रह व मा दि	अष्टोत्तरी भुक्तदशा ग्रह व मा दि
0 03 20	केतु 01 9 0	राहु 06 09 00
0 06 40	" 03 6 0	" 07 06 00
0 10 00	" 05 3 0	" 08 03 00
0 13 20	" 07 0 0	" 09 00 00
0 16 40	शुक्र 05 0 0	" 09 09 00
0 20 00	" 10 0 0	" 10 06 00
0 23 20	" 15 0 0	" 11 03 00
0 26 40	" 20 0 0	" 12 00 00
1 00 00	सूर्य 01 6 0	शुक्र 01 09 00
1 03 20	" 03 0 0	" 03 06 00
1 06 40	" 04 6 0	" 05 03 00
1 10 00	" 06 0 0	" 07 00 00
1 13 20	चन्द्र 02 6 0	" 08 09 00
1 16 40	" 05 0 0	" 10 06 00
1 20 00	" 07 6 0	" 12 03 00
1 23 20	" 10 0 0	" 14 00 00
1 26 40	मगल 01 9 0	" 15 09 00
2 00 00	" 03 6 0	" 17 06 00
2 03 20	" 05 3 0	" 19 03 00
2 06 40	" 07 0 0	" 21 00 00
2 10 00	राहु 04 6 0	सूर्य 00 04 15
2 13 20	" 09 0 0	" 00 09 00
2 16 40	" 13 6 0	" 01 01 15
2 20 00	" 18 0 0	" 01 06 00
2 23 20	गुरु 04 0 0	" 01 10 15
2 26 40	" 08 0 0	" 02 03 00

(३) चन्द्र राश्यादि पर से विशोत्तरी अष्टोत्तरी भुक्त महादशा वर्षादि ज्ञात करना

चन्द्र रा अ क	विंशोत्तरी भुक्तदशा ग्रह व मा दि	अष्टोत्तरी भुक्तदशा ग्रह व. मा दि
3 00 00	गुरु 12 0 0	सुर्य 02 07 15
3 03 20	" 16 0 0	" 03 00 00
3 06 40	शनि 04 9 0	" 03 04 15
3 10 00	" 09 6 0	" 03 09 00
3 13 20	" 14 3 0	" 06 01 15
3 16 40	" 19 0 0	" 04 06 00
3 20 00	बुध 4 3 0	" 04 10 15
3 23 20	" 8 6 0	" 05 03 00
3 26 40	" 12 9 0	" 05 07 15
4 00 00	" 17 0 0	" 06 00 00
4 03 20	केतु 01 9 0	चद्र 01 0300
4 06 40	" 03 6 0	" 02 06 00
4 10 00	" 05 3 0	" 03 09 00
4 13 20	" 07 0 0	" 05 00 00
4 16 40	शुक्र 05 0 0	" 06 03 00
4 20 00	" 10 0 0	" 07 06 00
4 23 20	" 15 0 0	" 08 09 00
4 26 40	" 20 0 0	" 10 00 00
5 00 00	सूर्य 01 6 0	" 11 03 00
5 03 20	" 03 0 0	" 12 06 00
5 06 40	" 04 6 0	" 13 09 00
5 10 00	" 06 0 0	" 15 00 00
5 13 20	चद्र 02 6 0	मंगल 00 06 00
5 16 40	" 05 0 0	" 01 00 00
5 20 00	" 07 6 0	" 01 06 00
5 23 20	" 10 0 0	" 02 00 00

(3) चन्द्र राश्यादि पर से विंशोत्तरी अष्टोत्तरी भुक्त महादशा वर्षादि ज्ञात करना

चन्द्र रा अ क	विंशोत्तरी भुक्तदशा ग्रह व मा दि	अष्टोत्तरी भुक्तदशा ग्रह व मा दि.
5 26 40	मंगल 01 9 0	मगल 02 06 0
6 00 00	" 03 6 0	" 03 00 0
6 03 20	" 05 3 0	" 03 06 0
6 06 40	" 07 0 0	" 04 00 0
6 10 00	राहु 04 6 0	" 04 06 0
6 13 20	" 09 0 0	" 05 00 0
6 16 40	" 13 6 0	" 05 06 0
6 20 00	" 08 0 0	" 06 00 0
6 23 20	गुरु 04 0 0	" 06 06 0
6 26 40	" 08 0 0	" 07 00 0
7 00 00	" 12 0 0	" 07 06 0
7 03 20	" 16 0 0	" 08 00 0
7 06 40	शनि 04 9 0	बुध 01 05 0
7 10 00	" 09 6 0	" 02 10 0
7 13 20	" 14 3 0	" 04 03 0
7 16 40	" 19 0 0	" 05 08 0
7 20 00	बुध 04 3 0	" 07 01 0
7 23 40	" 08 6 0	" 08 06 0
7 26 40	" 12 9 0	" 09 11 0
8 00 00	" 17 0 0	" 11 04 0
8 03 20	केतु 01 9 0	" 12 09 0
8 06 40	" 03 6 0	" 14 02 0
8 10 00	" 05 3 0	" 15 07 0
8 13 20	" 07 0 0	" 17 00 0
8 16 20	शुक्र 05 0 0	शनि 00 07 15
8 20 00	" 10 0 0	" 01 03 00

(3) चन्द्र राश्यादि पर से विशोत्तरी अष्टोत्तरी भुक्त महादशा वर्षादि ज्ञात करना

चन्द्र रा अ क	विशोत्तरी भुक्तदशा ग्रह व मा दि	अष्टोत्तरी भुक्तदशा ग्रह व मा दि
08 23 20	शुक 15 00 0	शनि 01 10 15
08 26 40	" 20 00 0	" 02 06 00
09 00 00	सुर्य 01 06 0	" 03 04 00
09 03 20	" 03 00 0	" 04 02 00
09 06 40	" 04 06 0	" 05 00 00
09 10 00	" 06 00 0	" 06 11 21
09 13 20	चद्र 02 06 0	" 07 11 27
09 16 40	" 05 00 0	" 08 07 28
09 20 00	" 07 06 0	" 09 03 29
09 23 20	" 10 00 0	" 10 00 00
09 26 40	मगल 01 09 0	गुरु 01 07 00
10 00 00	" 03 06 0	" 03 02 00
10 03 20	" 05 03 0	" 04 09 00
10 06 40	" 07 00 0	" 06 04 00
10 10 00	राहु 04 06 0	" 07 11 00
10 13 20	" 09 00 0	" 09 06 00
10 16 40	" 13 06 0	" 11 01 00
10 20 00	" 18 00 0	" 12 08 00
10 23 20	गुरु 04 00 0	" 14 03 00
10 26 40	" 08 00 0	" 15 10 00
11 00 00	" 12 00 0	" 17 05 00
11 03 20	" 16 00 0	19 00 00
11 06 40	शनि 04 09 0	राहु 00 09 00
11 10 00	" 09 06 0	" 01 06 00
11 13 20	" 14 03 0	" 02 03 00
11 16 40	" 19 00 0	" 03 00 00

(3) चन्द्र राश्यादि पर से विशोत्तरी अष्टोत्तरी भुक्त महादशा वर्षादि ज्ञात करना

चन्द्र रा अ क	विशोत्तरी भुक्तदशा ग्रह व मा दि	अष्टोत्तरी भुक्तदशा ग्रह व मा दि
11 20 20	बुध 04 03 0	राहु 03 09 00
11 23 20	" 08 06 0	" 04 06 00
11 26 40	" 12 09 0	" 05 03 00
00 00 00	" 17 00 0	" 06 00 00

(3) विशोत्तरी महादशा

(क) चन्द्र राशि चरण अशं के अनुसार भुक्त वर्षादि–

महादशा	अंश 1			अंश 2			अंश 3		
	वर्ष	मास	दिन	वर्ष	मास	दिन	वर्ष	मास	दिन
केतु	0	06	09	1	00	18	1	06	27
शुक	1	06	00	3	00	00	4	06	00
सूर्य	0	05	12	0	10	24	1	04	06
चन्द्र	0	09	00	1	06	00	2	03	00
मगल	0	06	09	1	00	18	1	06	27
राहु	1	04	06	2	08	12	4	00	18
गुरु	1	02	12	2	04	24	3	07	06
शनि	1	05	03	2	10	06	4	03	09
बुध	1	03	09	2	06	18	3	09	27

(3) विशोत्तरी महादशा

(क) चन्द्र राशि चरण कला के अनुसार भुक्त मासादि सारिणी –

चन्द्र राशि चरण कला	केतु मा दि घ	शुक मा दि घ	सुर्य मा दि. घ	चन्द्र मा दि घ	मंगल मा. दि घ
1	0 03 09	0 09 00	0 02 42	0 04 30	0 03 09
2	0 06 18	0 18 00	0 05 21	0 09 00	0 06 18
3	0 00 27	0 27 00	0 08 06	0 13 30	0 09 27
4	0 12 36	1 06 00	0 10 48	0 18 00	0 12 36
5	0 15 45	1 15 00	0 13 30	0 22 30	0 15 45
6	0 18 54	1 24 00	0 16 12	0 27 00	0 18 54
7	0 22 03	2 03 00	0 18 54	1 01 30	0 22 03
8	0 25 12	2 12 00	0 21 26	1 06 00	0 25 12
9	0 28 21	2 21 00	0 24 18	1 10 30	0 28 21
10	1 01 30	3 00 00	0 27 00	1 15 00	1 01 30
15	1 17 15	4 15 00	1 10 30	2 07 30	1 17 15

(3) विशोत्तरी महादशा

(ख) चन्द्र राशि चरण कला के अनुसार भुक्त मासादि सारिणी –

चन्द्र राशि चरण कला	केतु मा दि घ	शुक्र मा दि. घ	सुर्य मा दि घ	चन्द्र मा दि. घ	मगल मा दि घ
20	2 03 00	06 00 00	1 24 00	3 00 00	2 03 00
25	2 18 45	07 15 00	2 07 30	3 22 30	2 18 45
30	3 04 30	09 00 00	2 21 00	4 15 00	3 04 30
35	3 20 15	10 15 00	3 04 30	5 07 30	3 20 15
40	4 06 00	12 00 00	3 18 00	6 00 00	4 06 00
45	4 21 45	13 15 00	4 01 30	6 22 30	4 21 45
50	5 07 30	15 00 00	4 15 00	7 15 00	5 07 30
55	5 23 15	16 15 00	4 28 30	8 7 30	5 23 15
60	6 09 00	18 00 00	5 12 00	9 00 00	6 09 00

विंशोत्तरी महादशा

चन्द्र राशि चरण कला के अनुसार भुक्त मासादि सारिणी –

चन्द्र राशि चरण कला	राहु मा दि घ	गुरु मा दि घ	शनि मा दि घ	बुध मा दि घ
1	0 08 06	0 07 12	0 08 33	0 07 39
2	0 16 12	0 14 24	0 17 06	0 15 18
3	0 24 18	0 21 36	0 25 39	0 22 57
4	1 02 24	0 28 48	1 04 12	1 00 36
5	1 10 30	1 06 00	1 12 45	1 08 15
6	1 18 36	1 13 12	1 21 18	1 15 54
7	1 26 42	1 20 24	1 29 51	1 23 33
8	2 04 48	1 27 36	2 08 24	2 01 12
9	2 12 54	2 04 48	2 16 57	2 08 51

विशोत्तरी महादशा

(ख) चन्द्र राशि चरण कला के अनुसार भुक्त मासादि सारिणी –

चन्द्र राशि चरण कला	राहु मा दि घ	गुरु मा दि घ	शनि मा दि घ	बुध मा दि घ
10	02 21 00	2 12 00	2 25 30	2 16 30
15	04 01 30	3 18 00	4 08 15	3 24 45
20	05 12 00	4 24 00	5 21 00	5 03 00
25	06 22 30	6 00 00	7 3 45	6 11 15
30	08 03 00	7 06 00	8 16 30	7 19 30
35	09 13 30	8 12 00	9 29 15	8 27 45
40	10 24 00	9 18 00	11 12 00	10 06 00
45	12 04 30	10 24 00	12 24 45	11 14 15
50	13 15 00	12 00 00	14 07 30	12 22 30
55	14 25 30	13 06 00	15 20 15	14 00 45
60	16 06 00	14 12 00	17 03 00	15 09 00

(3) विंशोत्तरी महादशा –

(ग) चन्द्र राशि विकला के अनुसार भुक्त दिनादि सारिणी –

चन्द्र राशि विकला	केतु दि घ प	शुक्र दि घ प	सुर्य दि घ प	चन्द्र दि घ प	मगल दि घ.प.
1	0 03 09	0 09 00	0 02 42	0 04 30	0 03 09
2	0 06 18	0 18 00	0 05 24	0 09 00	0 06 18
3	0 09 27	0 27 00	0 08 06	0 13 30	0 09 27
4	0 12 36	0 36 00	0 10 48	0 18 00	0 12 36
5	0 15 45	0 45 00	0 13 30	0 22 30	0 15 45
6	0 18 54	0 54 00	0 16 12	0 27 00	0 18 54
7	0 22 03	1 03 00	0 18 54	0 31 30	0 22 03
8	0 25 12	1 12 00	0 21 36	0 36 00	0 25 12
9	0 28 21	1 21 00	0 24 18	0 40 30	0 28 21

(३) विंशोत्तरी महादशा –

(ग) चन्द्र राशि विकला के अनुसार भुक्त दिनादि सारिणी –

चन्द्र राशि विकला	केतु दि घ प	शुक्र दि घ प	सुर्य दि घ प	चन्द्र दि घ प	मगल दि घ प
10	0 31 30	1 30 00	0 27 00	0 45 00	0 31 30
15	0 47 15	2 15 00	0 40 30	1 07 30	0 47 15
20	1 03 00	3 00 00	0 54 00	1 30 00	1 03 00
25	1 18 45	3 45 00	1 07 30	1 52 30	1 18 45
30	1 34 30	4 30 00	1 21 00	2 15 00	1 34 30
35	1 50 15	5 15 00	1 34 30	2 37 30	1 50 15
40	2 06 00	6 00 00	1 48 00	3 00 00	2 06 00
45	2 21 45	6 45 00	2 01 30	3 22 30	2 21 45
50	2 37 30	7 30 00	2 15 00	3 45 00	2 37 30
55	2 53 15	8 15 00	2 28 30	4 07 30	2 53 15
60	3 09 00	9 00 00	2 42 00	4 30 00	3 09 00

विंशोत्तरी महादशा

(ग) चन्द्र राशि चरण कला के अनुसार भुक्त दिनादि सारिणी –

चन्द्र राशि विकला	राहु दि घ प	गुरु दि घ प	शनि दि घ. प	बुध दि घ प.
1	0 08 06	0 07 12	0 08 33	0 07 39
2	0 16 12	0 14 24	0 17 06	0 15 18
3	0 24 18	0 21 36	0 25 39	0 22 57
4	0 32 24	0 28 48	0 34 12	0 30 36
5	0 40 30	0 36 00	0 42 45	0 38 15
6	0 48 36	0 43 12	0 51 18	0 45 54
7	0 56 42	0 50 24	0 59 51	0 53 33
8	1 04 48	0 57 36	1 08 24	1 01 12
9	1 12 54	1 04 48	1 16 57	1 08 51

(ग) चन्द्र राशि चरण कला के अनुसार भुक्त दिनादि सारिणी –

चन्द्र राशि विकला	राहु दि घ प	गुरु दि घ प	शनि दि. घ प	बुध दि घ प
10	1 21 00	1 12 00	1 25 30	1 16 30
15	2 01 30	1 48 00	2 08 15	1 54 45
20	2 42 00	2 24 00	2 51 00	2 33 00
25	3 22 30	3 00 00	3 33 45	3 11 15
30	4 03 00	3 36 00	4 16 30	3 49 30
35	4 43 30	4 12 00	4 59 15	4 27 45
40	5 24 00	4 48 00	5 42 00	5 06 00
45	6 04 30	5 24 00	6 24 45	5 44 15
50	6 45 00	6 00 00	7 07 30	6 22 30
55	7 25 30	6 36 00	7 50 15	7 00 45
60	8 06 00	7 12 00	8 33 00	7 39 00

उदाहरण –

जन्म के समय चंद्र राश्यादि पर से विशोत्तरी महादशा भुक्त भोग्य वर्षादि ज्ञात करना। मानाकि जन्म कालीन स्पष्ट चद्र – 4 राशि 12 अश 36 कला 48 विकला है।

अवकहड़ा सारिणी पर चंद्र 4 रा 10 अंश के अनुसार विंशेत्तरी दशा भुक्त के कॉलम मे केतु महादशा भुक्त =

	व.	मा	दि	घ	प
(A)	5	3	0	0	0

अब जन्म कालीन स्पष्ट चंद की शेष अशादि =

रा	अं	क	वि.
4	12	36	48
–4	10	0	0
	2	36	48

रहे। इनमें 2 अंश = चंद्र राशि चरण

अंश के अनुसार – (केतु के कॉलम मे) व मा दि

1 0 18

(B)

अब शेष 36 कला में केतु महादशा भुक्त चद्र राशि चरण कला 35 + 1 कला के अनुसार

	मा	दि.	घ.	
	3	20	15	(35 कला)
(C)	0	03	09	(1 कला)
	3	23	24	

अब शेष 48 विकला जिसे चंद्र राशि चरण विकला (केतु के कॉलम मे) 45 + 3 के

	दिन	घडी	पल	
				(45 कला)
	2	21	45	(3 कला)
	0	9	27	-
(D)		31	12	

अब केतु महादशा भुक्त का A+B+C+D के वर्षादि का योग या

	व	मा.	दि.	घ.	प
A=	5	3	0	0	0
B=	1	0	18	0	0
C=	0	3	23	24	0
D=	0	0	2	31	12
योग	6	7	13	55	12

केतु महादशा	व	मा	दि.	घ.	प.	
	7	0	0	0	0	
भुक्त	–6	7	13	55	12	
			16	4	48	भोग्य वर्ष

इस उदाहरण के अनुसार स्पष्ट चन्द्र पर से विशोत्तरी महादशा का भुक्त भोग्य ज्ञात किया जा सकता हैं ।

(4) विंशोत्तरी महादशा में अन्तर्दशायें

केतु महादशा 7 वर्ष में अन्तर्दशा –

ग्रह	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	राहु	गुरु	शनि	बुध	योग
वर्ष	0	1	0	0	0	1	0	1	0	7
मास	4	2	4	7	4	0	11	1	11	0
दिन	27	0	6	0	27	18	6	9	27	0

(4) विंशोत्तरी महादशा

शुक्र महादशा 20 वर्ष में अन्तर्दशा

	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मगल	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु	योग
वर्ष	3	1	1	1	3	2	3	2	1	20
मास	4	0	8	2	0	8	2	10	2	0
दिन	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

सूर्य महादशा 6 वर्ष में अन्तर्दशा – 6 वर्ष में

सूर्य	चंद्र	मंगल	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र	योग	
वर्ष	0	0	0	0	0	0	0	0	1	6
मास	3	6	4	10	9	11	10	4	0	0
दिन	18	0	6	24	18	12	6	6	0	0

चंद्र महादशा 10 वर्ष में अन्तर्दशा –

	चंद	मंगल	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	योग
वर्ष	0	0	1	1	1	1	0	1	0	10
मास	10	7	6	4	7	5	7	8	6	0
दिन	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

मंगल महादशा 7 वर्ष में अन्तर्दशा

	मंगल	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	योग
वर्ष	0	1	0	1	0	0	1	0	0	7
मास	4	0	11	1	11	4	2	4	7	0
दिन	27	18	6	9	27	27	0	6	0	0

राहु महादशा 18 वर्ष में अन्तर्दशा

	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	योग
वर्ष	2	2	2	2	1	3	0	1	1	18
मास	8	4	10	6	0	0	10	6	0	0
दिन	12	24	6	18	18	0	24	0	18	0

(4) विंशोत्तरी महादशा

गुरु महादशा 16 वर्ष में अन्तर्दशा

	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	राहु	योग
वर्ष	2	2	2	0	2	0	1	0	2	16
मास	1	6	3	11	8	9	4	11	4	0
दिन	18	12	6	6	0	18	0	6	24	0

शनि महादशा 19 वर्ष में अन्तर्दशा

	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	राहु	गुरु	योग
वर्ष	3	2	1	3	0	1	1	2	2	19
मास	0	8	1	2	11	7	1	10	6	0
दिन	3	9	9	0	12	0	9	6	12	0

बुध महादशा 17 वर्ष में अन्तर्दशा

	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मगल	राहु	गुरु	शनि	योग
वर्ष	2	0	2	0	1	0	2	2	2	17
मास	4	11	10	10	5	11	6	3	8	0
दिन	27	27	0	6	0	27	18	6	9	0

(क) महादशा साधन

ग्रह महादशा साधन निम्न प्रकार से किया जाता है– सबसे पहले ग्रह महादशा का भोग्य काल ज्ञात करिये। अब खडी रेखाओं में खाने बनाईये । पहले चार पांच खाने ग्रह महादशा के होंगे । इनके नीचे संबत के,इनके नीचे शक के इनके नीचे सूर्य राशि अंश कला विकला का और सबसे नीचे आयु वर्ष मास दिवस, घडी एवं पल के खाने आएंगे । इस प्रकार जब संकलित महादशाओं का खाका तैयार हो तब उन्हें कमशः लिखकर उस पूरे कॉलम को पूरा कीजीये । अब जन्म के संबत् शक तथा स्पष्ट सूये के राशि अंश कला विकला में निम्न प्रकार से ऊपर के कॉलम में दर्शाये ग्रह के भोग्य काल के वर्ष मास दिन घड़ी व पल को जोडकर उन–उन कॉलम को भरिये।

संबत और शक में उक्त ग्रह के भोग्य काल के वर्ष जोड़िये और जन्म के स्पष्ट सूर्य राशि में मास, अश में दिन, कला में घडी और विकला में पल जोडिये विकला का योग यदि 60 से अधिक है तो 60 का भाग देने पर लब्धि क़ो कला में मिलाइये और शेष विकला रहने दीजीये ।

कला का योग भी 60 से अधिक हो तो उक्त विधि अपनाइये अब अश के योग मे 30 का भाग देकर लब्धि राशि मे मिलाइये और शेष अश रहने दीजिये। राशि और महीने के योग मे 12 का भाग देकर लब्धि को सवत् और शक के वर्षों में मिलाइये और शेष महीना रहने दीजिये। इस प्रकार जो सवत् और शक के वर्ष प्राप्त होगे वे उस ग्रह की महादशा की समाप्ति के होगे और उक्त सूर्य राशि अंश कला विकला को संवत् और शक के नीचे के कॉलम मे रख दीजिये। यह ऊपर आये संवत् और शक उस वर्ष में उक्त राश्यादि का जब सूर्य होगा तब उस ग्रह की महादशा की समाप्ति बताता है। इसमें अर्थात् संवत् और शक में उसके ऊपर के भोग्य काल वाले ग्रह की महादशा के बाद आने वाले ग्रहों की महादशाये जोडते जाइये। ये संबंधित ग्रहो की महादशाओं का समाप्ति का समय बतायेंगी। सूर्य राश्यादि सभी खंडों मे समान ही रहेगी।

अब इसके नीचे के कॉलम जो अमुक आयु वर्ष तक किसी महादशा के चलते रहने को बताने वाला है, उसे भरिये। सबसे पहले वाले कॉलम में, सबसे ऊपर के कॉलम में बताया भोग्य काल है, उसे भरिये।

इसके बाद इस भोग्य काल के वर्षों मे उक्त ग्रह के बाद वाले ग्रहो की महादशाओ के वर्ष जोडते जाइये। इस प्रकार महादशाओं का सकलित –समय–दर्शक कोष्ठक तैयार होगा।

उदाहरण आगे दिया जा रहा है–

पूर्व में दिये गये केतु महादशा के भुक्त भोग्य के उदाहरण के अनुसार ग्रह महादशाओं का कोष्ठक तैयार करते हैं।

दिनांक 20.1.95 प्रातः 7 बजकर 53 मि. 23 से. का स्पष्ट सूर्य 9 रा. 5 अ. 37 कला 49 वि. है संवत् 2051 शक 1916 है।

जन्मकालान	स्पष्ट सूर्य				जन्मकालीन
	रा.	अं.	क.	वि.	केतु महादशा
सवत 2051	9	05	37	49	का भोग्य काल
शक 1916	+4	16	04	48	व. मा. दि. घ. से.
+ 1					0 4 16 4 48
शक 1917	1	21	42	37	
संवत 2051					
+ 1					
2052					

(4) (ख) संकलित विंशोत्तरी महादशा कोष्टक –

ग्रह	केतु						
महादशा	भोग्य	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	राहु	योग
वर्ष	0	20	6	10	7	18	61
मास	4	0	0	0	0	0	4
दिवस	16	0	0	0	0	0	16
घंटी	4	0	0	0	0	0	4
पल	48	0	0	0	0	0	48
संवत	2052	2072	2078	2088	2095	2113	
शक	1917	1937	1943	1953	1960	1978	
सूर्य रा	1	1	1	1	1	1	
अं	21	21	21	21	21	21	
क	42	42	42	42	42	42	
वि	37	37	37	37	37	37	
आयु वर्ष	0	20	26	36	43	61	
मास	4	4	4	4	4	4	
दिवस	16	16	16	16	16	16	
घंटी	4	4	4	4	4	4	
पल	48	48	48	48	48	48	

महादशा समाप्ति समय

(पृष्ठ 279 पर दिये गय) उदाहरण के अनुसार–

दिनाक 20 1.95 प्रात 7 बजकर 53 मि 23 से का स्पष्ट सूर्य 9 रा 5 अं. 37 कला 49 वि. है संवत् 2051 शक 1916 है। विकला में 60 का भाग देने पर लब्धि 1 कला में जोडी = 41 =42 कला हुई शेष विकला 37 रही जिसे विकला के नीचे रखी।चूंकि 42 कला 60 से कम है अतः उन्हे वैसी ही कला के नीचे रख दी।

21 अंश भी 30 से कम है। अत उन्हे भी अंशो के नीचे वैसे ही रख दिये। राशि 13 है जो 12 राशि से अधिक है अतः राशि के नीचे 13÷12 =1 लब्धि वर्ष में अर्थात् शक सवत में और शेष 1 राशि, राशि के नीचे रखेंगे।

गुजरात आदि मे संवत् का परिवर्तन अक्टू नवम्बर मे होता है लेकिन उत्तर भारत के हिन्दी भाषी क्षेत्र मे चैत्र में शक के परिवर्तन के साथ ही संवत् का परिवर्तन किया जाता है। यदि गुजरात के लिये हमे जन्म

पत्रिका तैयार करनी है तो भी यहॉ संवत् मे 1 जोडकर सवत् 2052 ही पत्रिका मे दर्शायेगे। उसी प्रकार शक में 1 वर्ष जोड कर 1917 करेगे

ध्यान दीजिये– कार्तिक्र शुक्ल प्रतिपदा पर जब सूर्य तुला राशि का होता है तब संवत् का परिवर्तन होता है इसलिये स्पष्ट सूर्य मे भोग्य काल के मासादि जोडने पर तुला राशि = 6 का अक नही आता तब तक संवत् के वर्ष मे उक्त राशि में मास जोडने पर संख्या 12 से अधिक भी हो जाय तो भी सवत् मे 1 वर्ष नही जोडकर शक मे जोडेगे।

उक्त प्रकार से सवत् का पहला कॉलम 2052, 20 वर्ष शुक्र के जोडकर 2072, दूसरे कॉलम में, इसमे 6 वर्ष जोडकर 2078 सूर्य दशा के नीचे के कॉलम में, चन्द्र महादशा के 10 वर्ष जोडकर 2088 चन्द्र के नीचे के कॉलम में, 7 वर्ष मंगल महादशा के जोडकर 2095 मगल के नीचे के कॉलम मे और 2095 में 18 वर्ष राहु महादशा मे जोडकर 2113 उसके नीचे रखेगे। इसी प्रकार शक वाले कॉलम में सबसे पहले 1917 दूसरे में, 1937 तीसरे मे, 1943 चौथे में चन्द्र के कॉलम के नीचे 1953, पाचवे में 1960 और छठे राहु के कॉलम के नीचे 1978 लिखेगे।

संवत् और शक के कॉलम के नीचे सूर्य राश्यादि के सभी कॉलम में पहले प्राप्त किये सूर्य राशि 1, अश 21, कला 42, विकला 37 लिखेगे। उक्त कॉलम के नीचे आयु वर्ष के कॉलम है। सबसे पहले वाले कॉलम मे भोग्य काल के वर्ष मासादि 0 4 16 4 48 इन मे क्रमश· (+20+6+10+7+18) ग्रह महादशा के वर्षों जोडते हुए अंतिम महादशा के नीचे तक के सभी कॉलम भरेंगे। ये आयु वर्ष उपर्युक्त ग्रह महादशा की समाप्ति बताते है।

इस प्रकार संकलित विशोत्तरी महादशा कोष्टक भरा जाता है।

इसी तरीके से सबसे पहले ग्रह की महादशा के भोग्य काल के अन्तर्गत आने वाली उस ग्रह की अर्न्तदशाओ को भरा जाता है। उसके बाद दूसरे ग्रह की अर्न्तदशा बताई जाती है। लेकिन तरीका ऊपर बताये अनुसार ही रहेगा।

(5) अष्टोत्तरी महादशा –

(क) चन्द्र राशि चरण अंश के अनुसार मासादि भुक्त

ग्रह दशा	अंश 1 मा दि घ प	अंश 2 मा दि घ प	अंश 3 मा दि घ प
सूर्य	1 10 30 0	02 21 0 0	04 01 30 0
चद्र	4 15 00 0	09 00 0 0	13 15 00 0
मंगल	1 24 00 0	03 18 0 0	05 12 00 0
बुध	5 03 00 0	10 06 0 0	15 09 00 0
शनि पूर्वाषाढा	2 07 30 0	04 15 0 0	06 22 30 0
शनि उ षाढा (9 रा 6 अ. 40 क तक)	3 00 00 0	06 00 0 0	09 00 00 0
शनि अभिजित (9 रा 6 अं 40 क से 9 रा 10 अं 53 क 20 वि तक)	7 03 09 28	14 06 18 57	21 9 28 25
शनि श्रवण (9 रा 10 अं 53 क. 20 वि. से 9 रा. 23 अं 20 क. तक)	2 12 19 17	4 24 38 34	7 6 57 51
गुरु	5 21 0 0	11 12 0 0	17 03 0 0
राहु	2 21 0 0	05 12 0 0	08 03 0 0
शुक्र	6 09 0 0	12 18 0 0	18 27 0 0

(5) अष्टोत्तरी महादशा –

(ख) चन्द्र राशि चरण कला के अनुसार भुक्त मासादि ज्ञान सारिणी.

कला	सूर्य मा दि.घ.प.	चंद्र मा.दि.घ प	मंगल मा.दि घ.प.	बुध मा दि.घ प
1	0 00 40 30	0 02 15 0	0 00 54 0	0 02 33 0
2	0 01 21 00	0 04 30 0	0 01 48 0	0 05 06 0
3	0 02 01 30	0 06 45 0	0 02 42 0	0 07 39 0
4	0 02 42 00	0 09 00 0	0 03 36 0	0 10 12 0
5	0 03 22 30	0 11 15 0	0 04 30 0	0 12 45 0
6	0 04 03 00	0 13 30 0	0 05 24 0	0 15 18 0
7	0 04 43 30	0 15 45 0	0 06 18 0	0 17 51 0
8	0 05 24 00	0 18 00 0	0 07 12 0	0 20 24 0
9	0 06 04 30	0 20 15 0	0 08 06 0	0 22 57 0
10	0 06 45 00	0 22 30 0	0 09 00 0	0 25 30 0
15	0 10 07 30	1 03 45 0	0 13 30 0	1 08 15 0
20	0 13 30 00	1 15 00 0	0 18 00 0	1 21 0 0
25	0 16 52 30	1 26 15 0	0 22 30 0	2 03 45 0
30	0 20 15 00	2 07 30 0	0 27 00 0	2 16 30 0
35	0 23 37 30	2 18 45 0	1 01 30 0	2 29 15 0
40	0 27 00 00	3 00 00 0	1 06 00 0	3 12 0 0
45	1 00 22 30	3 11 15 0	1 10 30 0	3 24 45 0
50	1 03 45 00	3 22 30 0	1 15 00 0	4 07 30 0
55	1 07 07 30	4 03 45 0	1 19 30 0	4 20 15 0

(5) अष्टोत्तरी महादशा –

(ख) चन्द्र राशि चरण कला के अनुसार भुक्त मासादि ज्ञान सारिणी

कला	शनि पूर्वाषाढा मा. दि. घ प	शनि उत्तराषाढा मा दि घ प.	शनि आमिजित मा. दि. घ प	शनि श्रवण मा. दि. घ. प
1	0 01 07 30	0 01 30 00	0 03 33 09	0 01 12 19
2	0 02 15 00	0 03 00 00	0 07 06 18	0 02 24 39
3	0 03 22 30	0 04 30 00	0 10 39 28	0 03 36 58
4	0 04 30 00	0 06 00 00	0 14 12 38	0 04 49 17
5	0 05 37 30	0 07 30 00	0 17 45 47	0 06 01 36
6	0 06 45 00	0 09 00 00	0 21 18 57	0 07 13 56
7	0 07 52 30	0 10 30 00	0 24 52 06	0 08 26 15
8	0 09 00 00	0 12 00 00	0 28 25 16	0 09 38 34
9	0 10 07 30	0 13 30 00	1 01 58 25	0 10 50 54
10	0 11 15 00	0 15 00 00	1 05 31 35	0 12 03 13
15	0 16 52 30	0 22 30 00	1 23 17 22	0 18 04 49
20	0 22 30 00	1 00 00 00	2 11 03 09	0 24 06 26
25	0 28 07 30	1 7 30 00	2 28 48 57	1 00 08 02
30	1 03 45 00	1 15 00 00	3 16 34 44	1 06 09 39
35	1 09 22 30	1 22 30 00	4 04 20 31	1 12 11 15
40	1 15 00 00	2 00 00 00	4 22 06 19	1 18 12 51
45	1 20 37 30	2 07 30 00	5 09 52 05	1 24 14 27
50	1 26 15 00	2 15 00 00	5 27 37 53	2 00 16 04
55	2 01 52 30	2 22 30 00	6 15 23 40	2 06 17 40

(5) अष्टोत्तरी महादशा –

(ख) चन्द्र राशि चरण कला के अनुसार भुक्त मासादि ज्ञान सारिणी

कला	गुरु मा दि घ प	राहु मा दि घ प	शुक्र मा दि घ प
1	0 02 51 0	0 01 21 0	0 03 09 0
2	0 05 42 0	0 02 42 0	0 06 18 0
3	0 08 33 0	0 04 03 0	0 09 27 0
4	0 11 24 0	0 05 24 0	0 12 36 0
5	0 14 15 0	0 06 45 0	0 15 45 0
6	0 17 06 0	0 08 06 0	0 18 54 0
7	0 19 57 0	0 09 27 0	0 22 03 0
8	0 22 48 0	0 10 48 0	0 25 12 0
9	0 25 39 0	0 12 09 0	0 28 21 0
10	0 28 30 0	0 13 30 0	1 01 30 0
15	1 12 45 0	0 20 15 0	1 17 15 0
20	1 27 00 0	0 27 00 0	2 03 00 0
25	2 11 15 0	1 03 45 0	2 18 45 0
30	2 25 30 0	1 10 30 0	3 04 30 0
35	3 09 45 0	1 17 15 0	3 20 15 0
40	3 24 00 0	1 24 00 0	4 06 00 0
45	4 08 15 0	2 00 45 0	4 21 45 0
50	4 22 30 0	2 07 30 0	5 07 30 0
55	5 06 45 0	2 14 15 0	5 23 15 0

(5) अष्टोत्तरी महादशा –

(ग) चन्द्र राशि चरण कला के अनुसार भुक्त दिनादि ज्ञान सारिणी

ग्रह विकला	सूर्य दि घ प	चंद्र दि घ प	मंगल दि घ प	बुध दि घ प
1	0 00 40	0 02 15	0 00 54	0 02 33
2	0 01 21	0 04 30	0 01 48	0 05 06
3	0 02 01	0 06 45	0 02 42	0 07 39
4	0 02 42	0 09 00	0 03 36	0 10 12
5	0 03 22	0 11 15	0 04 30	0 12 45
6	0 04 03	0 13 30	0 05 24	0 15 18
7	0 04 43	0 15 45	0 06 18	0 17 51
8	0 05 24	0 18 00	0 07 12	0 20 24
9	0 06 04	0 20 15	0 08 06	0 22 57
10	0 06 45	0 22 30	0 09 00	0 25 30
15	0 10 07	0 33 45	0 13 30	0 38 15
20	0 13 30	0 45 00	0 18 00	0 51 00
25	0 16 52	0 56 15	0 22 30	1 03 45
30	0 20 15	1 07 30	0 27 00	1 16 30
35	0 23 37	1 18 45	0 31 30	1 29 15
40	0 27 00	1 30 00	0 36 00	1 42 00
45	0 30 23	1 41 15	0 40 30	1 54 45
50	0 33 45	1 52 30	0 45 00	2 07 30
55	0 37 07	1 03 45	0 49 30	2 20 15

(5) अष्टोत्तरी महादशा –

(ग) चन्द्र राशि चरण कला के अनुसार भुक्त दिनादि ज्ञान सारिणी

ग्रह विकला	शनि पूर्वाषाढा दि घ प	शनि उत्तराषाढा दि घ प	शनि आमिजित दि घ प	शनि श्रवण दि घ प
1	0 01 07	0 01 30	0 03 33	0 01 12
2	0 02 15	0 03 00	0 07 06	0 02 25
3	0 03 22	0 04 30	0 10 39	0 03 37
4	0 04 30	0 06 00	0 14 13	0 04 49
5	0 05 37	0 07 30	0 17 46	0 06 02
6	0 06 45	0 09 00	0 21 19	0 07 14
7	0 07 52	0 10 30	0 24 52	0 08 26
8	0 09 00	0 12 00	0 28 25	0 09 39
9	0 10 07	0 13 30	0 31 58	0 10 51
10	0 11 15	0 15 00	0 35 32	0 12 03
15	0 16 52	0 22 30	0 53 17	0 18 05
20	0 22 30	0 30 00	1 11 03	0 24 06
25	0 28 07	0 37 30	1 28 49	0 30 08
30	0 33 45	0 45 00	1 46 35	0 36 10
35	0 39 22	0 52 30	2 04 21	0 42 12
40	0 45 00	1 00 00	2 22 07	0 48 13
45	0 50 37	1 07 30	2 39 53	0 54 15
50	0 56 15	1 15 00	2 57 38	1 00 13
55	1 01 52	1 22 30	3 15 24	1 06 18

(5) अष्टोत्तरी महादशा –

(ख) चन्द्र राशि चरण कला के अनुसार भुक्त दिनादि ज्ञान सारिणी

कला	गुरु दि घ प	राहु दि घ प	शुक्र दि घ प
1	0 02 51	0 01 21	0 03 09
2	0 05 42	0 02 42	0 06 18
3	0 08 33	0 04 03	0 09 27
4	0 11 24	0 05 24	0 12 36
5	0 14 15	0 06 45	0 15 45
6	0 17 06	0 08 06	0 18 54
7	0 19 57	0 09 27	0 22 03
8	0 22 48	0 10 48	0 25 12
9	0 25 39	0 12 09	0 28 21
10	0 28 30	0 13 20	0 31 30
15	0 42 45	0 20 15	0 47 15
20	0 57 00	0 27 00	1 03 00
25	1 11 15	0 33 45	1 18 45
30	1 25 30	0 40 30	1 34 30
35	1 39 45	0 47 15	1 50 15
40	1 54 00	0 54 00	2 06 00
45	2 08 15	1 00 45	2 21 45
50	2 22 30	1 07 30	2 37 30
55	2 36 45	1 14 15	2 53 15

(6) अष्टोत्तरी महादशा में अन्तर्दशाएं–

सूर्य महादशा 6 वर्ष में अन्तर्दशा

	सूर्य	चद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	शुक्र	योग
वर्ष	0	0	0	0	0	1	0	1	6
मास	4	10	5	11	6	0	8	2	0
दिन	0	0	10	10	20	20	0	0	0

अष्टोत्तरी महादशा

द्र महादशा 15 वर्ष में अन्तर्दशा –

	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	शुक्र	सूर्य	योग
र्ष	2	1	2	1	2	1	2	0	15
ास	1	1	4	4	7	8	11	10	0
देन	0	10	10	20	20	0	0	0	0
ड़ी	0	0	0	0	0	0	0	0	0

गल महादशा 8 वर्ष मे अन्तर्दशा –

	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	योग
वर्ष	0	1	0	1	0	1	0	1	8
मास	7	3	8	4	10	6	5	1	0
दिन	3	3	26	26	20	20	10	10	0
घडी	20	20	40	40	0	0	0	0	0

ुध महादशा 17 वर्ष मे अन्तर्दशा –

	बुध	शनि	गुरु	राहु	शुक्र	सूर्य	चद्र	मगल	योग
वर्ष	2	1	2	1	3	0	2	1	17
मास	8	6	11	10	3	11	4	3	0
दिन	3	26	26	20	20	10	10	3	0
घडी	20	40	40	0	0	0	0	20	0

शनि महादशा 10 वर्ष में अन्तर्दशा –

	शनि	गुरु	राहु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	योग
वर्ष	0	1	1	1	0	1	0	1	10
मास	11	9	1	11	6	4	8	6	0
दिन	3	3	10	10	20	20	26	26	0
घडी	20	20	0	0	0	0	40	40	0

अष्टोत्तरा महादशा

गुरु महादशा 19 वर्ष मे अन्तर्दशा –

	गुरु	राहु	शुक्र	सूर्य	चद्र	मगल	बुध	शनि	योग
वर्ष	3	2	3	1	2	1	2	1	19
मास	4	1	8	0	7	4	11	9	0
दिन	3	10	10	20	20	26	26	3	0
घडी	20	0	0	0	0	40	40	20	0

12 वर्ष में अन्तर्दशा

	राहु	शुक्र	सूर्य	चद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	योग
वर्ष	1	2	0	1	0	1	1	2	12
मास	4	4	8	8	10	10	1	1	0
दिन	0	0	0	0	20	20	10	10	0
घडी	0	0	0	0	0	0	0	0	0

शुक्र महादशा 21 वर्ष मे अन्तर्दशा –

	शुक्र	सूर्य	चद्र	मगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	योग
वर्ष	4	1	2	1	3	1	3	2	21
मास	1	2	11	6	3	11	8	4	0
दिन	0	0	0	20	20	10	10	0	0
घडी	0	0	0	0	0	0	0	0	0

इन दशाओ का भी भुक्त भोग्य विंशोत्तरी महादशा के भुक्त भोग्य की तरह निकाल कर उसी प्रकार के कोष्टक मे उसी तरह ही रखते है।

12. प्रत्यक्ष ग्रह दशा जन्म दिनांक

सन्	गत आयु वर्ष	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	0	सू चं मं बु गु शु श	सू च मं बु गु शु श	सू चं मं बु गु शु श	सू च म बु गु शु श	सू चं मं बु गु शु श	सू च मं बु गु श	सू चं मं गु श	सू चं मं श	सू चं म श	सू मं श	मं श	मं श
	1	मं श	मं श	मं श	श	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम
	2	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम
	3	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	गु	गु	गु शु	गु शु	गु शु
	4	गु शु	गु शु	गु शु	गु शु	गु शु	गु	गु	सम	बु	बु	बु	बु
	5	बु	बु	बु	बु	बु	बु	सम	गु	गु	गु	गु	गु
	6	गु	गु	गु	गु	गु श	गु श	गु श	श	श	श	श	श
	7	श	श	श	श	श	चं श	चं श	चं गु श	च गु श	चं गु शु श	च गु शु श	च गु शु श
	8	च गु शु श	च गु शु श	च गु शु श	च गु शु श	सू च गु शु श	सू च गु श	सू च गु श	सू च श	सू चं श	सू श	सू	सू

12. प्रत्यक्ष ग्रह दशा जन्म दिनांक

सन्	गत आयु वर्ष	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	9	सू	सू	सू	सू	सू	सू	सू.	सू	सू बु	सू बु	बु	बु
	10	बु	बु	बु	बु	बु	बु	सम	म	मं	मं	मं	मं
	11	मं	मं	मं	मं	मं	मं	मं	म गु	मं गु	म गु शु	म गु शु	म गु शु
	12	मं गु शु	मं गु शु	म गु शु	म गु शु	म गु	म गु.	म गु.	मं	मं	म	म	म
	13	मं	मं	म	मं	मं	मं	मं	मं	मं	मं	मं श	म श
	14	मं श	मं श	म श	म श	मं श	मं श	मं श	मं श	मं बु श	मं बु श	म बु श	मं बु श
	15	मं बु श	मं बु श	मं बु श	बु श	बु श	च बु श	च श	च गु श	च गु श	च गु शु श	च गु शु श	च गु शु श
	16	चं गु शु श	चं गु शु श	चं गु शु श	चं गु शु श	च गु शु	च गु	च गु	च	चं	सम	सम	सम
	17	सम	सम	सम	सम	सू	सू	सू	सू गु	सू गु	सू गु	सू गु	सू गु
	18	सू गु	सू गु	सू गु	सू गु	सू गु	सू गु	सू गु	सू	सू	सू	सम	सम
	19	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	गु	बु गु	बु गु	बु गु शु	म बु गु शु

12. प्रत्यक्ष ग्रह दशा जन्म दिनांक

सन्	गत आयु वर्ष	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	20	मं बु गु शु	म बु गु शु	मं बु गु शु	मं बु गु शु	मं बु गु शु	मं बु गु	मं गु	मं	मं	म	मं	मं
	21	मं	म	मं	मं	म	मं	म	मं	मं	मं	मं	मं
	22	मं	म	म	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम
	23	सम	सम	सम	सम	सम	चं	चं	चं गु	चं गु	चं गु शु	च गु शु श	चं गु शु श
	24	चं गु शु श	च गु शु श	चं गु शु श	चं गु शु श	चं गु	च गु श	चं गु श	चं श	चं बु श	बु श	बु श	बु श
	25	बु श	बु श	बु श	बु श	बु श	बु श	श	श	श	श	श	श
	26	श	श	श	श	सू	सू	सू	सू	सू	सू	सू	सू म
	27	सू मं	सू मं	सू मं	सू मं	सू मं	सू मं	सू मं	सू मं गु	सू मं गु	सू मं गु शु	मं गु शु	मं गु शु
	28	मं गु शु	मं गु शु	म गु शु	म गु शु	मं गु शु	म गु	मं गु	मं	म	मं	म श	मं श
	29	मं श	मं श	मं श	श	श	श	श	गु श	बु गु श	बु गु श	बु गु श	बु गु श

12. प्रत्यक्ष ग्रह दशा जन्म दिनांक

सन्	गत आयु वर्ष	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	30	बु गु श	बु गु श	बु गु श	बु गु श	बु गु श	बु गु श	गु श	श	श	श	श	श
	31	श	श	श	श	सम	च	च	चं गु	च गु	च गु शु	च गु शु	च गु शु
	32	च गु शु	चं गु शु	च गु शु	च गु शु	च गु शु	च गु	चं गु	च	चं	सम	मं	म
	33	मं	मं	मं	मं	मं	म	म	म	म	म	म	म
	34	म	मं	मं	मं	मं	मं	मं	म	मं बु	मं बु	मं बु	म बु
	35	मं बु	मं बु	बु	बु	सू बु	सू बु	सू	सू गु	सू गु	सू गु शु	सू गु शु	सू गु शु
	36	सू गु शु	सू गु शु	सू गु शु	सू गु शु	सू गु शु	सू गु श	सू गु श	सू गु श	सू श	सू श	श	श
	37	श	श	श	श	श	श	श	श	श	श	श	श
	38	श	श	श	श	श	श	श	मं श	म श	मं श	मं	मं
	39	म	म	म	मं	म	चं म	च म	च मं गु	चं म बु गु	चं मं बु गु शु	चं मं बु गु शु	च म बु गु शु
	40	चं मं बु गु शु	चं म बु गु शु	चं मं बु गु शु	च मं बु गु शु	च म बु गु शु	चं म बु गु.	चं मं गु	च मं	च म	मं	म	मं

12. प्रत्यक्ष ग्रह दशा जन्म दिनांक

सन्	गत आयुवर्ष	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	41	मं	मं	मं	मं	मं	मं	मं	मं गु	मं गु	मं गु	मं गु	मं गु
	42	म गु	म गु	मं गु	मं गु	मं गु	मं गु	मं गु	मं	मं	मं	मं	म
	43	मं	मं	मं	सम	सम	सम	सम	गु	गु	गु शु	गु शु श	गु शु श
	44	गु शु श	गु शु श	गु शु श	गु शु श	सू गु शु श	सू गु श	सू श गु	सू श	सू बु श	सू बु श	सू बु श	सू बु श
	45	सू बु श	सू बु श	सू बु श	सू बु श	सू बु श	सू बु श	सू श	सू श	सू श	सू श	श	श
	46	श	श	श	श	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम
	47	सम	सम	सम	सम	सम	च	चं	च गु	चं गु	च गु शु	चं गु शु	च म गु शु
	48	चं म गु शु	च मं गु शु	चं मं गु शु	च मं गु शु	चं मं गु शु	च मं गु	चं मं गु	चं मं	चं मं	मं	म	म
	49	म	मं	म	मं	म	म	म	मं	मं बु	मं बु	मं बु	मं बु
	50	मं बु	मं बु	म बु	म बु	बु	बु	बु	सम	सम	सम	सम	सम

12. प्रत्यक्ष ग्रह दशा जन्म दिनांक

सन्	गत आयु वर्ष	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	51	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	गु	गु	गु शु	गु शु	गु शु
	52	गु शु	गु शु	गु शु	गु शु	गु शु	गु	गु	सम	सम	सम	सम	सम
	53	सम	सम	सम	सम	सू	सू	सू	सू गु	सू गु	सू गु	सू गु श	सू गु श
	54	सू गु श	सू गु श	सू गु श	सू गु श	सू गु श	सू गु श	सू गु श	सू श	सू बु श	सू बु श	बु श	मं बु श
	55	म बु श	मं बु श	म बु श	मं बु श	मं बु श	च म बु श	च म श	च म गु श	च मं गु श	च म गु शु श	च मं गु शु श	चं म गु शु श
	56	च मं गु शु श	चं मं गु शु श	चं मं गु शु श	चं मं गु शु श	चं मं गु श	चं मं गु	चं मं गु	चं मं	चं मं	मं	मं	म
	57	म	मं	मं	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम
	58	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	श	श
	59	श	श	श	श	श	श	श	गु श	बु गु श	बु गु शु श	बु गु शु श	बु गु शु श
	60	बु गु शु श	बु गु शु श	बु गु शु श	बु गु शु श	बु गु शु श	बु गु श	गु श	श	श	श	श	श

12. प्रत्यक्ष ग्रह दशा जन्म दिनांक

सन्	गत आयु वर्ष	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	61	श	श	श	श	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम
	62	सम	सम	सम	सम	सू	सू	सू	सू	सू	सू	सू	सू
	63	सू	सू	सू	सू	सू	सू चं	सू चं	सू च गु	सू चं गु	सू च गु शु	च गु शु	च गु शु
	64	च गु शु	चं गु शु	चं गु शु	च गु शु	च गु शु	च गु	च गु	च	च बु	बु	बु	बु
	65	बु	बु	बु	बु	बु	बु	सम	गु	गु	गु	गु	गु
	66	गु	गु	गु	गु	गु श	गु श	गु श	म श	म श	म श	मं श	मं श
	67	मं श	म श	म श	म श	म श	म श	म श	म गु श	मं गु श	मं गु शु श	म गु शु श	म गु शु श
	68	म गु शु श	मं गु शु श	म गु शु श	म गु शु श	म गु शु श	म गु श	म गु श	म श	मं श	मं श	म	म
	69	मं	मं	मं	म	म	मं	म	म	मं बु	मं बु	मं बु	म बु
	70	मं बु	म बु	म बु	म बु	म बु	मं बु	म	मं	मं	मं	म	मं

12. प्रत्यक्ष ग्रह दशा जन्म दिनांक

सन्	गत आयुवर्ष	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	71	मं	मं	मं	सू	सू	सू चं	सू चं	सू चं गु	सू चं गु	सू चं शु गु	सू चं गु शु	सू चं गु शु
	72	सू च गु शु	सू च गु शु	सू च गु शु	सू च गु शु	सू च गु शु	सू चं गु	सू च गु	सू च	सू च	सू	सम	सम
	73	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम	श	श
	74	श	श	श	श	श	श	श	श	बु श	बु श	बु श	बु श
	75	बु श	बु श	बु श	बु श	बु श	बु श	श	गु श	गु श	गु शु श	गु शु श	गु शु श

13 (ए) षड्वर्ग होरादि सारिणी –

1 होरा –

राशि / अंश	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
0–15	5	4	5	4	5	4	5	4	5	4	5	4
16 30	4	5	4	5	4	5	4	5	4	5	4	5

2 द्रेष्काण

राशि / अंश	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
00 10	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
11 20	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4
21 30	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7	8

3. सप्तमांश

राशि / अंश अं. क. वि.	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
04 17 08	1	8	3	10	5	12	7	2	9	4	11	6
08 34 17	2	9	4	11	6	1	8	3	10	5	12	7
12 51 25	3	10	5	12	7	2	9	4	11	6	1	8
17 08 34	4	11	6	1	8	3	10	5	12	7	2	9
21 25 43	5	12	7	2	9	4	11	6	1	8	3	10
25 42 51	6	1	8	3	10	5	12	7	2	9	4	11
30 00 00	7	2	9	4	11	6	1	8	3	10	5	12

13 (ए) षड्वर्ग होरादि सारिणी

4. नवमांश

राशि / अश / अ. क.	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
3 20	1	10	7	4	1	10	7	4	1	10	7	4
6 40	2	11	8	5	2	11	8	5	2	11	8	5
10 0	3	12	9	6	3	12	9	6	3	12	9	6
13 20	4	1	10	7	4	1	10	7	4	1	10	7
16 40	5	2	11	8	5	2	11	8	5	2	11	8
20 0	6	3	12	9	6	3	12	9	6	3	12	9
23 20	7	4	1	10	7	4	1	10	7	4	1	10
26 40	8	5	2	11	8	5	2	11	8	5	2	11
30 0	9	6	3	12	9	6	3	12	9	6	3	12

5. द्वादशाश

राशि / अंश	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
2 30	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
5 00	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1
7 30	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2
10 0	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3
12 30	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4
15 0	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5
17 30	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6
20 0	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7
22 30	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7	8
25 0	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7	8	9
27 30	11	12	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
30 0	12	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

13 (ए) होरादि षड्वर्ग सारिणी

त्रिशांश

अश	0/2/4/6/8/10	पूर्णादि राशि 1/3/5/7/9/11	अश
	त्रिशाश राशि	त्रिशांश राशि	
5	01 मेष	02 वृषभ	5
10	11 कुभ	06 कन्या	12
18	09 धनु	12 मीन	20
25	03 मिथुन	10 मकर	25
30	07 तुला	08 वृश्चिक	30

13 (बी) षड्वर्ग साधन विधि

यहाँ दी गई होरा, द्रेष्कोण, सप्तांश, नवमांश द्वादशांश एवं त्रिशांश की अलग–अलग सारिणियों में उपर के कॉलम में पूर्णादि राशियाँ (0 से 11 तक) और बायीं ओर अश दिए हैं। जन्म लग्न के राशि अंशादि और जन्म कालीन स्पष्ट ग्रहों के राशि अशादि सारिणी के जिस राशि अंशादि में पूर्णत समा जाते हो वहाँ जो राशि (1 से 12) लिखी हो उसके अनुसार संबधित वर्गो मे लग्न और ग्रह भरे जायेंगे।

उदाहरण :

जन्म लग्न – 8 राशि 16 अंश 30 कला 45 विकला है तो होरा की सारिणी में 8 राशि और बायी ओर 16 से 30 अंश का कॉलम जहां मिलते हैं वहां 4 का अंक है। अत. होरा कुंडली में कर्क लग्न आयेगा।

इसी प्रकार द्रेष्काण में 8 राशि और 11 से 20 अश के कॉलम जहाँ मिलते हैं वहाँ 1 का अंक है। अत· द्रेष्कण कुंडली में मेष लग्न आयेगा।

इसी प्रकार सभी वर्ग कुडलियों में लग्न एवं ग्रह भरे जाएंगे।

(13 सी) षड्वर्ग सारिणी

	अशादि	2 30 0	3 20 0	4 17 08	5 0 0	6 40 0	7 30 0	8 34 17	10 0 0	12 0 0	12 30 0	12 51 25	13 20 0	15 0 0	16 40 0
राशि	षड्वर्ग	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
0	होरा	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	4
मेष	द्रेष्काण	1	1	1	1	1	1	1	1	5	5	5	5	5	5
	सप्तमाश	1	1	1	2	2	2	2	3	3	3	3	4	4	4
	नवमाश	1	1	2	2	2	3	3	3	4	4	4	4	5	5
	द्वादशाश	1	2	2	2	3	3	4	4	5	5	6	6	6	7
	त्रिशांश	1	1	1	1	11	11	11	11	9	9	9	9	9	9
1	होरा	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	5
वृषभ	द्रेष्काण	2	2	2	2	2	2	2	2	6	6	6	6	6	6
	सप्तमांश	8	8	8	9	9	9	9	10	10	10	10	11	11	11
	नवमांश	10	10	11	11	11	12	12	12	1	1	1	1	2	2
	द्वादशांश	2	3	3	3	4	4	5	5	6	6	7	7	7	8
	त्रिशाश	2	2	2	2	6	6	6	6	6	12	12	12	12	12
2	होरा	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	4
मिथुन	द्रेष्काण	3	3	3	3	3	3	3	3	7	7	7	7	7	7
	सप्तमांश	3	3	3	4	4	4	4	5	5	5	5	6	6	6
	नवमांश	7	7	8	8	8	9	9	9	10	10	10	10	11	11
	द्वादशांश	3	4	4	4	5	5	6	6	7	7	8	8	8	9
	त्रिशांश	1	1	1	1	11	11	11	11	9	9	9	9	9	9
3	होरा	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	5
कर्क	द्रेष्काण	4	4	4	4	4	4	4	4	8	8	8	8	8	8
	सप्तमाश	10	10	10	11	11	11	11	12	12	12	12	1	1	1
	नवमांश	4	4	5	5	5	6	6	6	7	7	7	7	8	8
	द्वादशाश	4	5	5	5	6	6	7	7	8	8	9	9	9	10
	त्रिशांश	2	2	2	2	6	6	6	6	6	12	12	12	12	12
4	होरा	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	4
सिह	द्रेष्काण	5	5	5	5	5	5	5	5	9	9	9	9	9	9
	सप्तमाश	5	5	5	6	6	6	6	7	7	7	7	8	8	8
	नवमाश	1	1	2	2	2	3	3	3	4	4	4	4	5	5
	द्वादशाश	5	6	6	6	7	7	8	8	9	9	10	10	10	11
	त्रिशांश	1	1	1	1	11	11	11	11	9	9	9	9	9	9

(13 सी) षड्वर्ग सारिणी

	अशादि	17	17	18	20	21	22	23	25	25	26	27	30	अश
		8	30	0	0	25	30	20	0	42	40	30	0	कला
		34	0	0	0	42	0	0	0	51	0	0	0	विकला
राशि	षड्वर्ग	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	अशादि भाग
0	होरा	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	
मेष	द्रेष्काण	5	5	5	5	9	9	9	9	9	9	9	9	
	सप्तमांश	4	5	5	5	5	6	6	6	6	7	7	7	
	नवमाश	6	6	6	6	7	7	7	8	8	8	9	9	
	द्वादशांश	7	7	8	8	9	9	10	10	11	11	11	12	
	त्रिशांश	9	9	9	3	3	3	3	3	7	7	7	7	
1	होरा	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	
वृषभ	द्रेष्काण	6	6	6	6	10	10	10	10	10	10	10	10	
	सप्तमांश	11	12	12	12	12	1	1	1	1	2	2	2	
	नवमांश	3	3	3	3	4	4	4	5	5	5	6	6	
	द्वादशांश	8	8	9	9	10	10	11	11	12	12	12	1	
	त्रिशांश	12	12	12	12	10	10	10	10	8	8	8	8	
2	होरा	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	
मिथुन	द्रेष्काण	7	7	7	7	11	11	11	11	11	11	11	11	
	सप्तमांश	6	7	7	7	7	8	8	8	8	9	9	9	
	नवमांश	12	12	12	12	1	1	1	2	2	2	3	3	
	द्वादशांश	9	9	10	10	11	11	12	12	1	1	1	2	
	त्रिशांश	9	9	9	3	3	3	3	3	7	7	7	7	
3	होरा	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	
कर्क	द्रेष्काण	8	8	8	8	12	12	12	12	12	12	12	12	
	सप्तमांश	1	2	2	2	2	3	3	3	3	4	4	4	
	नवमांश	9	9	9	9	10	10	10	11	11	11	12	12	
	द्वादशांश	10	10	11	11	12	12	1	1	2	2	2	3	
	त्रिशांश	12	12	12	12	10	10	10	10	8	8	8	8	
4	होरा	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	
सिह	द्रेष्काण	9	9	9	9	1	1	1	1	1	1	1	1	
	सप्तमांश	8	9	9	9	9	10	10	10	10	11	11	11	
	नवमांश	6	6	6	6	7	7	7	8	8	8	9	9	
	द्वादशांश	11	11	12	12	1	1	2	2	3	3	3	4	
	त्रिशाश	9	9	9	3	3	3	3	3	7	7	7	7	

(13 सी) षड्वर्ग सारिणी

	अंशादि	2 30 0	3 20 0	4 17 08	5 0 0	6 40 0	7 30 0	8 34 17	10 0 0	12 0 0	12 30 0	12 51 25	13 20 0	15 0 0	16 40 0
राशि	षड्वर्ग	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
5	होरा	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	5
कन्या	द्रेष्काण	6	6	6	6	6	6	6	6	10	10	10	10	10	10
	सप्तमाश	12	12	12	1	1	1	1	2	2	2	2	3	3	3
	नवमाश	10	10	11	11	11	12	12	12	1	1	1	1	2	2
	द्वादशाश	6	7	7	7	8	8	9	9	10	10	11	11	11	12
	त्रिशाश	2	2	2	2	6	6	6	6	6	12	12	12	12	12
6	होरा	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	4
तुला	द्रेष्काण	7	7	7	7	7	7	7	7	11	11	11	11	11	11
	सप्तमाश	7	7	7	8	8	8	8	9	9	9	9	10	10	10
	नवमांश	7	7	8	8	8	9	9	9	10	10	10	10	11	11
	द्वादशाश	7	8	8	8	9	9	10	10	11	11	12	12	12	1
	त्रिशांश	1	1	1	1	11	11	11	11	9	9	9	9	9	9
7	होरा	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	5
वृश्चिक	द्रेष्काण	8	8	8	8	8	8	8	8	12	12	12	12	12	12
	सप्तमाश	2	2	2	3	3	3	3	4	4	4	4	5	5	5
	नवमाश	4	4	5	5	5	6	6	6	7	7	7	7	8	8
	द्वादशाश	8	9	9	9	10	10	11	11	12	12	1	1	1	2
	त्रिशांश	2	2	2	2	6	6	6	6	6	12	12	12	12	12
8	होरा	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	4
धनु	द्रेष्काण	9	9	9	9	9	9	9	9	1	1	1	1	1	1
	सप्तमाश	9	9	9	10	10	10	10	11	11	11	11	12	12	12
	नवमांश	1	1	2	2	2	3	3	3	4	4	4	4	5	5
	द्वादशांश	9	10	10	10	11	11	12	12	1	1	2	2	2	3
	त्रिशांश	1	1	1	1	11	11	11	11	9	9	9	9	9	9

(13 सी) षड्वर्ग सारिणी

	अंशादि	17 8 34	17 30 0	18 0 0	20 0 0	21 25 42	22 30 0	23 20 0	25 0 0	25 42 51	26 40 0	27 30 0	30 0 0	अंश कला विकला
राशि	षड्वर्ग	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	अंशादि भाग
5	होरा	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	
कन्या	द्रेष्काण	10	10	10	10	2	2	2	2	2	2	2	2	
	सप्तमांश	3	4	4	4	4	5	5	5	5	6	6	6	
	नवमांश	3	3	3	3	4	4	4	5	5	5	6	6	
	द्वादशांश	12	12	1	1	2	2	3	3	4	4	4	5	
	त्रिशांश	12	12	12	12	10	10	10	10	8	8	8	8	
6	होरा	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	
तुला	द्रेष्काण	11	11	11	11	3	3	3	3	3	3	3	3	
	सप्तमांश	10	11	11	11	11	12	12	12	12	1	1	1	
	नवमांश	12	12	12	12	1	1	1	2	2	2	3	3	
	द्वादशांश	1	1	2	2	3	3	4	4	5	5	5	6	
	त्रिशांश	9	9	9	3	3	3	3	3	7	7	7	7	
7	होरा	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	
वृश्चिक	द्रेष्काण	12	12	12	12	4	4	4	4	4	4	4	4	
	सप्तमांश	5	6	6	6	6	7	7	7	7	8	8	8	
	नवमांश	9	9	9	9	10	10	10	11	11	11	12	12	
	द्वादशांश	2	2	3	3	4	4	5	5	6	6	6	7	
	त्रिशाश	12	12	12	12	10	10	10	10	8	8	8	8	
8	होरा	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	
धनु	द्रेष्काण	1	1	1	1	5	5	5	5	5	5	5	5	
	सप्तमांश	12	1	1	1	1	2	2	2	2	3	3	3	
	नवमांश	6	6	6	6	7	7	7	8	8	8	9	9	
	द्वादशांश	3	3	4	4	5	5	6	6	7	7	7	8	
	त्रिशांश	9	9	9	3	3	3	3	3	7	7	7	7	

(13 सी) षड्वर्ग सारिणी

	अशादि	2 30 0	3 20 0	4 17 08	5 0 0	6 40 0	7 30 0	8 34 17	10 0 0	12 0 0	12 30 0	12 51 25	13 20 0	15 0 0	16 40 0
राशि	षड्वर्ग	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
9	होरा	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	5
मकर	द्रेष्काण	10	10	10	10	10	10	10	10	2	2	2	2	2	2
	सप्तमाश	4	4	4	5	5	5	5	6	6	6	6	7	7	7
	नवमाश	10	10	11	11	11	12	12	12	1	1	1	1	2	2
	द्वादशांश	10	11	11	11	12	12	1	1	2	2	3	3	3	4
	त्रिशाश	2	2	2	2	6	6	6	6	6	12	12	12	12	12
10	होरा	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	4
कुंभ	द्रेष्काण	11	11	11	11	11	11	11	11	3	3	3	3	3	3
	सप्तमाश	11	11	11	12	12	12	12	1	1	1	1	2	2	2
	नवमाश	7	7	8	8	8	9	9	9	10	10	10	10	11	11
	द्वादशाश	11	12	12	12	1	1	2	2	3	3	4	4	4	5
	त्रिशांश	1	1	1	1	11	11	11	11	9	9	9	9	9	9
11	होरा	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	5
मीन	द्रेष्काण	12	12	12	12	12	12	12	12	4	4	4	4	4	4
	सप्तमांश	6	6	6	7	7	7	7	8	8	8	8	9	9	9
	नवमांश	4	4	5	5	5	6	6	6	7	7	7	7	8	8
	द्वादशाश	12	1	1	1	2	2	3	3	4	4	5	5	5	6
	त्रिशांश	2	2	2	2	6	6	6	6	6	12	12	12	12	12

(13 सी) षड्वर्ग सारिणी

राशि	षड्वर्ग	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	अशादि भाग
	अशादि	17	17	18	20	21	22	23	25	25	26	27	30	अश
		8	30	0	0	25	30	20	0	42	40	30	0	कला
		34	0	0	0	42	0	0	0	51	0	0	0	विकला
9	होरा	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	
मकर	द्रेष्काण	2	2	2	2	6	6	6	6	6	6	6	6	
	सप्तमाश	7	8	8	8	8	9	9	9	9	10	10	10	
	नवमांश	3	3	3	3	4	4	4	5	5	5	6	6	
	द्वादशांश	4	4	5	5	6	6	7	7	8	8	8	9	
	त्रिशांश	12	12	12	12	10	10	10	10	8	8	8	8	
10	होरा	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	
कुंभ	द्रेष्काण	3	3	3	3	7	7	7	7	7	7	7	7	
	सप्तमांश	2	3	3	3	3	4	4	4	4	5	5	5	
	नवमांश	12	12	12	12	1	1	1	2	2	2	3	3	
	द्वादशांश	5	5	6	6	7	7	8	8	9	9	9	10	
	त्रिशाश	9	9	9	3	3	3	3	3	7	7	7	7	
11	होरा	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	
मीन	द्रेष्काण	4	4	4	4	8	8	8	8	8	8	8	8	
	सप्तमांश	9	10	10	10	10	11	11	11	11	12	12	12	
	नवमांश	9	9	9	9	10	10	10	11	11	11	12	12	
	द्वादशांश	6	6	7	7	8	8	9	9	10	10	10	11	
	त्रिशांश	12	12	12	12	10	10	10	10	8	8	8	8	

उदाहरण –

सारिणी से षड्वर्ग मे राशि एव ग्रह भरना–

उदयपुर –दिनाक 10 1 93 समय 12 30 शाम

स्पष्ट लग्न व ग्रह निम्न प्रकार है–

	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु
रा	0	8	3	2	8	5	10	9	7
अ	1	26	20	22	18	20	13	23	26
क	4	17	32	58	7	22	4	35	10
वि	57	19	31	–	25	52	57	45	–

सबसे पहले षड्वर्ग मे लग्न की राशि भरी जायगी–इसके लिए लग्न की पूर्णादि राशि 0 = मेष अंशादि = अंश 4 कला 57 विकला – मेष षड्वर्ग सारिणी के मेष राशि और उसके सामने अंशादि के प्रथम खाने मे जहॉ 2 अंश 30 कला 0 विकला अंकित है उस भाग में होरा के सामने 5 = सिंह राशि, द्रेष्काण, सप्तमांश, नवमांश, द्वादशाश एव त्रिशांश के सामने 1 = मेष राशि बताई गई है। अत. षड्वर्ग मे तदनुसार लग्न राशि भरी जायेगी। इसके बाद बढते क्रम मे बायी तरफ से राशि 12 तक भरी जाती है और पुनः 1 से प्रारभ होता है यदि उसके बाद कुडली के भाव खाली बचते हो।

नोट .– होरा में केवल दो ही राशियां आती हैं–कर्क और सिंह अतः यदि कर्क राशि लग्न मे आती है तो सिंह राशि 2रे भाव में और यदि सिंह राशि लग्न मे आती है तो कर्क राशि 12 वे भाव में आती है।

जिस प्रकार लग्न राशि भरने की विधि बताई है उसी प्रकार अन्य ग्रह भी उन षड्वर्ग कुडलियों मे भरे जायेंगे–जो निम्न प्रकार हैं–

	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु
होरा	5	4	5	4	4	5	5	5	5
द्रेष्काण			12	11					
सप्तमाश	1	3	2	8	1	4	2	9	8
नवमाश	1	8	10	1	6	4	10	5	11
द्वादशाश	1	7	12	12	4	2	4	7	6
त्रिशांश	1	7	10	3	3	10	9	10	8

होरा

द्रेष्काण

सप्तमाश

नवमाश

2
12
3
म
1
11 रा
गु 4
10 च शु
श 5
केतु
7
9
बु 6
8 सू

गु 2
के चं. म 12
3
1
11
बु. शु. 4
10
5
7
सू श
9
रा 6
8

त्रिशांश

2
12
म.बु. 3
1
4
10 श. च. गु
5
7 सू.
9 शु
6
8 रा. के
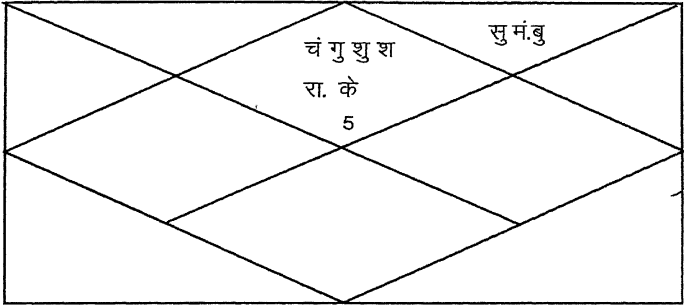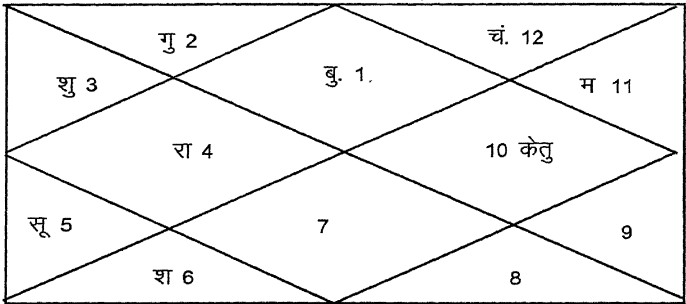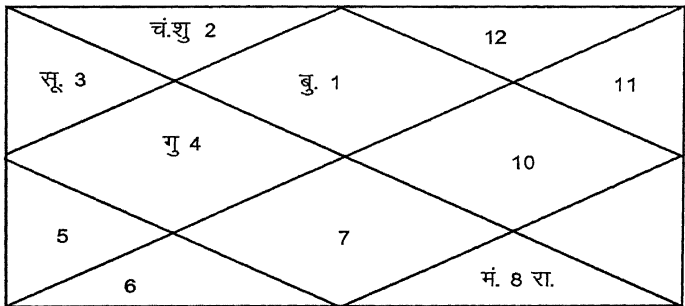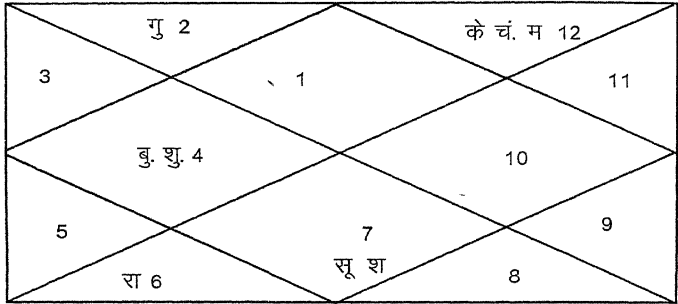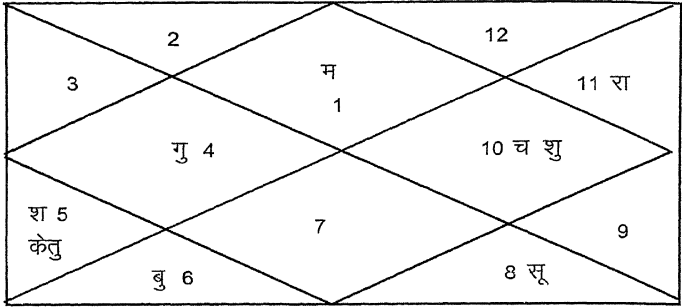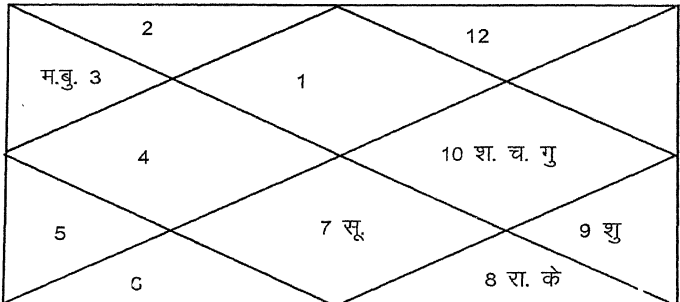
13 (डी) सप्तक वर्ग

(i) पंचधा मैत्री–

ग्रहों का बल ज्ञात करने के लिए सप्तक वर्ग का उपयोग (प्राचीन मतानुसार) किया गया है। इसके लिए स्थान मैत्री जिसे तात्कालिक मैत्री कहते है और नैसर्गिक मैत्री को ध्यान मे रखना आवश्यक होता है।

तत्कालिक मैत्री या स्थान मैत्री –

मित्र स्थान–	शत्रु स्थान–
2.3.4.10.11.12	1.5.6.7.8.9

नैसर्गिक मैत्री पहले बता चुके हैं। स्थान मैत्री और नैसर्गिक मैत्री के अनुसार ग्रह अधिमित्रादि होते हैं–

स्थान मैत्री + नै.मै.	=	अधिमित्रादि
मित्र + मित्र	=	अधिमित्र
मित्र + शत्रु	=	सम
सम + मित्र	=	मित्र
मित्र + सम	=	मित्र
शत्रु + मित्र	=	सम
सम + शत्रु	=	शत्रु
शत्रु + सम	=	शत्रु
शत्रु + शत्रु	=	अधिशत्रु

(ii) ग्रहों का बल –

स्वगृही	0 30 00 00
अधिमित्र	0 22 30 00
मित्र	0 15 00 00
सम	0 07 30 00
शत्रु	0 03 45 00
अधिशत्रु	0 01 52 30

उक्त प्रकार से प्राप्त संख्या के योग में 60 का भाग देने पर ग्रह का बल प्राप्त होता है।

(iii) ग्रहों की बालादि अवस्था –

अश	राशि	
	मेष मिथुन सिह तुला धन कुभ मकर मीन	वृषभ कर्क कन्या वृश्चिक
6	बालावस्था	मृतावस्था
12	कुमारावस्था	वृद्धावस्था
18	युवावस्था	युवावस्था
	वृद्धावस्था	कुमारावस्था
	मृतावस्था	बालावस्था

प्र पत्रिका निर्माण विधि–

के अलावा जन्मकुंडली को क्षेत्र या गृह के रूप में सम्मिलित की

रूप निम्न प्रकार का होता है–

ग्रहों का सप्तक वर्ग –				बल चक्र			
ग्र	सू	चं.	म.	बु.	गु	शु.	श.
गृ							
हो							
द्रे							
न.							
द्वा							
त्रि							

ऊपर के ग्रहों के नीचे जो कॉलम खाली है उनमें जो ग्रह जन्म कुंडली होरादि में जिन–जिन राशियों के हो उन राशियों और उनके स्वामियों को तथा उनके नीचे पंचधामैत्री में उक्त ग्रह और होरादि राशियों के स्वामियो की मैत्री के अनुसार अधिमित्रादि एवं उनका बल लिखा जाता है। इस प्रकार प्रत्येक कॉलम भरा जाता है। तत्पश्चात् सूर्यादि ग्रहों के बल का योग कर उसमें 60 का भाग दिया जाता है। लब्धि को ऊपर और शेष को उसके नीचे रखे जाते हैं। जैसे किसी ग्रह का वलैक्य 127.30 हुआ तो 60 का भाग देने पर उस ग्रह का बल 2.7.30 होगा।

14. सूर्योदयास्त संबंधी सारिणियाँ

विश्व के किसी भी स्थल का मध्यम सूर्योदय, सूर्यास्त ज्ञात करना–

(1) विश्व के किसी भी स्थल के सूर्योदय, सूर्यास्त ज्ञात करने के लिए दो सारिणियों का उपयोग किया गया है। एक (ए) सारिणी सूर्योदयास्त के मध्यम स्थानीय समय की है और दूसरी (बी) क्रांति, वेलान्तर एव चरान्तर की है।

जिन्हें सूक्ष्म गणित हेतु सूर्योदयस्त के समय को ज्ञात करना है। वे दूसरी (बी) सारिणी से और जिन्हें सामान्य सूर्योदयास्त का समय ज्ञात करना हो वे (ए) सारिणी का उपयोग कर सकते हैं।

(2) राजस्थान के बत्तीस जिलों की चरान्तर सारिणी भी दी गई है और साथ ही भारतीय प्रदेशों की राजधानियों की चरान्तर सारिणी भी दी गई है जिससे 'चर' ज्ञात करने में आसानी हो।

सूर्योदयास्त मध्यम स्थानीय समय सारिणी –

अक्षाश		0		10		20		30	
मास	दि	उदय A.M	अस्त P.M	उदय A.M	अस्त P.M	उदय A M	अस्त P.M	उदय A M	अस्त P.M
दिसम्बर	31	5.59	18.07	6 17	17.50	6.35	17 31	6 56	17.17
जनवरी	05	6.02	18.09	6.18	17.52	6.36	17 35	6 57	17 14
	10	6.04	18.11	6.20	17 55	6.37	17 38	6.57	17.18
	15	6.06	18.13	6.21	17.58	6.38	17 41	6.57	17 22
	20	6.07	18.15	6.22	18.00	6.38	17 44	6.56	17 26
	25	6.09	18 16	6.23	18 02	6.37	17.48	6 54	17 31
	30	6.10	18.17	6.23	18.04	6.36	17 51	6.52	17 35
फरवरी	04	6.10	18.18	6.22	18 06	6.35	17 54	6 49	17 39
	09	6.11	18.18	6 21	18 07	6 33	17 56	6.46	17 44
	14	6.11	18.18	6.20	18 08	6.30	17.59	6 42	17.48
	19	6.11	18 17	6.19	18 09	6 27	18.01	6.37	17.51
	24	6.10	18.17	6.17	18 10	6 24	18.03	6.32	17.55
मार्च	01	6.09	18.16	6.15	18.10	6.20	18.05	6.27	17.59
	06	6.08	18.15	6.12	18.11	6 16	18.07	6.21	18.02

सूर्योदयास्त मध्यम स्थानीय समय

अक्षाश		0		10		20		30	
मास	दि	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त
		A.M	P.M	A.M	P.M	A.M	P.M	A.M	P.M
मार्च	11	6 07	18 14	6.10	18.11	6 12	18 08	6 16	18 05
अप्रेल	16	6 06	18.12	6 07	18 11	6 09	18 10	6 10	18.09
	21	6 04	18 11	6 04	18.11	6.04	18 11	6 04	18 12
	26	6 02	18 09	6 01	18.11	5.59	18 13	5 57	18 15
	31	6 01	18.08	5.58	18 11	5.55	18 14	5 51	18.18
अप्रेल	05	6 00	18.06	5 56	18 10	5.51	18 15	5 45	18.21
	10	5.58	18 05	5.52	18 10	5.47	18 17	5 40	18.24
	15	5 57	18 04	5 50	18 10	5 42	18 18	5 34	18 27
	20	5 56	18 02	5 47	18.11	5.39	18.20	5 29	18.30
	25	5 55	18.01	5 45	18.11	5 35	18 21	5 23	18 33
	30	5 54	18 00	5 43	18.11	5 32	18 23	5.19	18 36
मई	05	5 53	18 00	5 42	18.12	5 29	18 25	5 14	18 40
	10	5 53	18 00	5 40	18.13	5.26	18.27	5 10	18 43
	15	5 53	18 00	5 39	18.14	5.24	18 29	5 07	18.46
	20	5.53	18.00	5.38	18.15	5.22	18.31	5 04	18.49
	25	5.53	18 00	5 38	18.16	5 21	18.33	5.02	18 52
	30	5.54	18.01	5 37	18.17	5 20	18.35	5 00	18 55
जून	04	5.54	18.02	5 38	18.18	5 20	18.37	4.59	18 58
	09	5.55	18.03	5.38	18.20	5 20	18.38	4 58	19 00
	14	5 56	18.04	5 39	18.21	5.20	18.40	4 58	19 02
	19	5 57	18.05	5 40	18 22	5.21	18.41	4.59	19 04
	24	5 58	18.06	5.41	18.23	5.22	18.42	5 00	19 04
	29	5.59	18.07	5.42	18 24	5.23	18.43	5 01	19.05
जुलाई	04	6.00	18.08	5.43	18.25	5 25	18.43	5.03	19.05
	09	6.01	18.08	5.44	18.25	5.26	18.43	5 05	19.04
	14	6.02	18.09	5.46	18 25	5.28	18.43	5.08	19.03
	19	6 02	18 10	5.47	18.25	5 30	18 42	5 11	19.01
	24	6.03	18.10	5.48	18 24	5.32	18.40	5.14	18.59
	29	6 03	18 10	5.49	18.24	5.34	18.38	5.17	18 56
अगस्त	03	6 03	18.09	5.50	18 22	5 33	18 36	5.20	18 52

सूर्योदयास्त मध्यम स्थानीय समय

अक्षाश		0		10		20		30	
मास	दि	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त
		A.M	P.M	A.M	P.M	A.M	P.M	A.M	P.M
अगस्त	08	6.02	18 09	5.50	18 21	5.37	18 33	5 23	18 48
	13	6 02	18.08	5.51	18.19	5 39	18 30	5 26	18 44
	18	6.00	18 07	5.51	18 16	5.41	18 27	5 29	18 39
	23	5 59	18 06	5.51	18.14	5 42	18 23	5 31	18.33
	28	5 57	18 04	5.51	18 12	5 43	18 19	5 34	18 28
सितम्बर	02	5 56	18 03	5 51	18 09	5 44	18.15	5 37	18 22
	07	5 55	18 01	5.50	18 06	5 46	18 10	5.40	18 16
	12	5 53	18 00	5 50	18 03	5.47	18 06	5 42	18 10
	17	5 51	17.58	5 50	18 00	5.48	18 01	5 45	18.04
	22	5 50	17 56	5 49	17 56	5 49	17 57	5 48	17 57
	27	5 48	17.54	5 49	17 53	5 50	17 52	5 51	17 51
अक्टूबर	02	5 46	17 53	5 49	17 50	5.51	17 48	5 53	17 45
	07	5 45	17 51	5 48	17 47	5 52	17 43	5 56	17 39
	12	5 43	17 50	5 48	17 45	5 54	17 39	6 00	17 33
	17	5 42	17 49	5 49	17 42	5 55	17 35	6 03	17 28
	22	5.41	17 48	5 49	17 40	5 57	17 32	6 06	17 23
	27	5.41	17.47	5.50	17 39	5 59	17.29	6 10	17 18
नवम्बर	01	5.40	17 47	5.51	17.37	6 01	17.26	6 14	17 14
	06	5.40	17 47	5 52	17.36	6.04	17.24	6 17	17.10
	11	5.41	17.48	5 53	17 35	6.06	17.22	6.22	17 06
	16	5.41	17.48	5 55	17 35	6 09	17.20	6 26	17.04
	21	5 42	17 50	5.57	1735	6 12	17.19	6 30	17.02
	26	5.44	17.51	5 59	17 36	6 15	17.19	6 34	17.01
दिसम्बर	01	5.45	17 53	6.02	17.36	6 19	17.19	6 36	17.00
	06	5.47	17 55	6.04	17 38	6 22	17.20	6 42	17.00
	11	5.50	17 57	6 07	17 40	6.25	17.22	6.46	17.01
	16	5 52	17.59	6.09	17.42	6 28	17.23	6 49	17.02
	21	5.54	18.02	6 12	17 44	6 30	17 26	6 52	17.04
	26	5.57	18.04	6.14	17.47	6.33	17 28	6.54	17.07
	31	5.59	18.07	6.17	17.50	6 35	17.31	6 56	17 10

सूर्योदयास्त मध्यम स्थानीय समय

अक्षांश		40		50		60	
मास	दि	उदय	`अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त
		A.M	**P.M**	**A.M**	**P.M**	**A.M**	**P.M**
दिसम्बर	31	7 22	16 44	7.59	16.07	9 04	15 03
जनवरी	05	7 22	16 49	7 58	16 13	9 00	15.11
	10	7 22	16 54	7 56	16 19	8 56	15 20
	15	7.20	16 59	7 53	16 26	8 49	15 31
	20	7 18	17.04	7 49	16.34	8 41	15 42
	25	7 15	17 10	7 44	16.42	8.31	15 55
	30	7 10	17 16	7 37	16 50	8 20	16.08
फरवरी	04	7 06	17 22	7 30	16 59	8 08	16.21
	09	7 01	17.28	7 22	17.07	7.56	16 34
	14	6 55	17 34	7.14	17 16	7.43	16 47
	19	6 49	17 40	7 04	17 24	7.29	17 00
	24	6 42	17.46	6.55	17.33	7.15	17 13
मार्च	01	6 34	17 51	6 45	17 41	7 00	17 26
	06	6.27	17.57	6 34	17 49	6.46	17.38
	11	6 19	18.02	6.24	17 58	6 31	17 51
	16	6 11	18 07	6.13	18.06	6 16	18 03
	21	6 03	18.12	6.02	18 14	6.01	18 15
	26	5.55	18.18	5 52	18.22	5.46	18 28
	31	5.47	18.23	5.40	18 29	5 30	18 40
अप्रेल	05	5 39	18 28	5.30	18.37	5 15	18 52
	10	5.31	18.33	5.19	18 45	5.00	19.04
	15	5 23	18.38	5.08	18 50	4.45	19.16
	20	5.16	18.43	4.58	19.00	4 30	19.29
	25	5.09	18 48	4.49	19.08	4 16	19 41
	30	5.02	18.53	4.39	19 16	4 02	19.54
मई	05	4 56	18.58	4.30	19.24	3.49	20 06
	10	4.50	19.03	4.22	19.31	3.36	20 18
	15	4.45	19.08	4.15	19.38	3.24	20 30
	20	4 41	19.12	4.08	19 45	3.12	20 42
	25	4 37	19.17	4.02	19.52	3.02	20.52
	30	4.34	19 21	3.58	19.57	2 53	21 03

सूर्योदयास्त मध्यम स्थानीय समय

अक्षाश		40		50		60	
मास	दि	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त
		A.M	**P.M**	**A.M**	**P.M**	**A.M**	**P.M**
जून	04	4.32	19 24	3 54	20.02	2.46	21 11
	09	4.31	19.27	3.52	20.07	2.40	21.18
	14	4 30	19.30	3.50	20.10	2.36	21 24
	19	4 30	19.32	3.50	20.12	2 35	21.27
	24	4.32	19.33	3 51	20 13	2.37	21 28
	29	4.33	19 33	3.53	20.13	2.39	21.27
जुलाई	04	4 36	19 32	3.56	20 12	2 41	21 23
	09	4.39	19.31	4.00	20.09	2 52	21.18
	14	4 42	19 29	4.05	20 05	3 00	21 10
	19	4 46	19 26	4.11	20 00	3 10	21 01
	24	4 50	19 22	4 17	19 55	3.21	20.51
	29	4 55	19 17	4 24	19 48	3 32	20 39
अगस्त	03	4 59	19 12	4 31	19.40	3.44	20.27
	08	5 04	19 06	4.38	19.32	3.56	20.14
	13	5.09	19 00	4 45	19 23	4 08	20.00
	18	5.14	18.53	4.53	19.14	4.20	19.46
	23	5.18	18.46	5.00	19.04	4.32	19.32
	28	5 23	18 39	5.08	18.54	4.44	19.17
सितम्बर	02	5.28	18 31	5 15	18 43	4 56	18.52
	07	5 33	18 23	5.23	18 32	5.07	18 47
	12	5.37	18.15	5 30	18 22	5.19	18.32
	17	5.42	18.07	5 38	18 11	5.31	18 17
	22	5.47	17.59	5 45	18.00	5.43	18.02
	27	5.52	17.50	5 53	17.48	5 54	17.47
अक्टूबर	02	5.57	17.42	6 00	17 38	6 06	17.32
	07	6.02	17.34	6.08	17.27	6.18	17.17
	12	6.07	17.26	6.16	17.16	6.30	17.02
	17	6.12	17.18	6.24	17.06	6.43	16.47
	22	6.17	17.11	6.32	16.56	6.55	16.33
	27	6.23	17.05	6 40	16.47	7.08	16 19

सूर्योदयास्त मध्यम स्थानीय समय

अक्षाश मास दि	40 उदय A.M	 अस्त PM	50 उदय A.M	 अस्त PM	60 उदय A.M	 अस्त PM
नवम्बर 01	6.28	16.58	6.49	16.38	7 23	16 06
06	6.34	16 53	6.57	16 30	7 31	15 53
11	6 40	16 48	7.05	16.22	7.46	15.41
16	6 46	16 44	7.14	16.16	7 59	15.30
21	6.51	16 40	7.22	16.10	8 11	15 20
26	6.57	16.37	7.29	16.05	8 23	15 11
दिसम्बर 01	7 02	16.36	7 36	16.02	8 34	15 03
06	7.07	16 35	7 42	15 59	8 44	14 58
11	7.12	16 35	7.46	15 58	8.52	14 54
16	7.15	16 36	7 52	15.58	8.58	14.53
21	7.18	16 38	7 56	16.00	9 02	14 54
26	7 20	16 41	7 58	16.03	9 04	14.57
31	7.22	16 44	7.59	16.07	9.04	15.03

नोट — दक्षिण अक्षांश के लिए सूर्यास्त संस्कार मिनिट कोष्टक नीचे दिया जा रहा है।

दक्षिण अक्षांश के लिए कोष्टक —

मूल दिनाक द. अक्षाश		अनुरूप दिनांक उ. अक्षांश		सूर्यास्त सस्कार मिनिट
दिसम्बर	31	जुलाई	02	−01
जनवरी	10		12	+02
	20		23	+05
	30	अगस्त	02	+07
फरवरी	09		13	+09
	19		24	+12
मार्च	01	सितम्बर	03	+13
	11		13	+14
	21		23	+15

दक्षिण अक्षाश के लिए कोष्टक –

	31	अक्टूबर	04	+15
अप्रेल	10		13	+15
	20		23	+15
	30	नवम्बर	02	+14
मई	10		12	+12
	20		21	+11
	30	दिसम्बर	01	+8
जून	09		10	+6
	19		20	+4
	29		29	+1
जुलाई	09	जनवरी	07	–1
	19		16	–3
	29		26	–6
अगस्त	08	फरवरी	04	–8
	18		14	–10
	28		23	–12
सितम्बर	07	मार्च	05	–14
	17		15	–15
	27		25	–15
अक्टूबर	07	अप्रेल	03	–16
	17		14	–15
	27		24	–14
नवम्बर	06	मई	04	–13
	16		14	–11
	26		25	–10
दिसम्बर	06	जून	05	–7
	16		15	–5
	26		26	–2

उत्तर अक्षांश के –

किसी भी स्थल के सूर्योदयास्त निकालने की विधि

यहां दी गई अंग्रेजी दिनांक के अनुसार सूर्योदय और सूर्यास्त का मध्यम स्थानीय समय सारिणी में पांच–पांच दिन और 10–10 अक्षांश के अन्तर से सूर्योदयास्त का मध्यम स्थानीय समय दिया हुआ है। इस सारिणी पर से ऐकिक नियम से इष्ट गांव या स्थल के अक्षांश के अनुसार इष्ट दिनांक का

सूर्योदयास्त का मध्यम स्थानीय समय ज्ञात करना चाहिए और उसमें इष्ट स्थल का रेखांतर ऋण में है तो जोड देना और धन हो तो घटा देना चाहिए। यह स्टेण्डर्ड टाइम में इष्ट स्थल का सूर्योदयास्त का समय आयेगा।

इस सारिणी मे जो समय दिये हुए है वे सूर्य की ऊपरी किनारी बताने वाले हैं और वक्रीभवन वाले हैं। भारतीय प्रथा सूर्याद्ध बिम्ब दिखने के समय से सूर्योदय मानने की है। अतः सूर्योदय में + 1 मिनिट जोडना और सूर्यास्त में –1 मिनिट घटाना चाहिए। यह सूर्योदय यदि इष्ट घड़ी के उपयोग के लिए देना है तो सूर्योदय में वक्रीभवन की मिनिट अक्षांशानुसार निम्न प्रकार से घटाना चाहिए–ओर सूर्यास्त मे जोड़ना चाहिए।

अक्षांश	संस्कार मि. से.	अक्षांश	संस्कार मि.से.
0	2.04	40	2.42
10	2.06	50	3.13
20	2.12	55	3.36
30	2.32	60	4.08

दक्षिण अक्षांश के स्थलों का सूर्योदय सूर्यास्त का समय ज्ञात करने का तरीका–

जिस दिनांक का दक्षिण अक्षांश के स्थल का सूर्योदयास्त ज्ञात करना हो उस दिनांक के अनुसार इस सारिणी में दी हुई अनुरूप तारीख लीजिए। उस अनुरूप तारीख को लेकर दक्षिण अक्षांश को उत्तर अक्षांश मानकर उत्तर अक्षांश की रीति के अनुसार ऐकिक नियम से सूर्योदयास्त निकालिये फिर उसमें इस सारिणी के अनुसार मूल ता. के हिसाब से– या + मिनट का सूर्यास्त में संस्कार करना चाहिए।

इसमें रेखांतर संस्कार पूर्वोक्त प्रकार से करने पर दक्षिण अक्षांश के स्टे. टा. मे सूर्योदयास्त आयेंगे सूर्योदय में 1 मिनट जोडने और सूर्यास्त में 1 मिनट घटाने पर केन्द्र के सूर्योदयास्त होंगे;

नोट– इस प्रकार प्राप्त सूर्योदयास्त में कभी 1 या 2 मिनट का अन्तर पड़ता है। सूर्योदय में + 1 मिनट करने पर ठीक–ठीक सूर्योदय आ ज़ाता है।

(2) किसी भी स्थल के सूक्ष्म सूर्योदयास्त ज्ञात करना

(1) सबसे पहले जिस दिनाक और स्थल का सूर्योदय, सूर्योस्त का समय ज्ञात करना हो उस स्थल के अक्षांश की दिशा (उत्तर/दक्षिण) सहित नोट कीजिये।

(2) पंचांग में प्रातःकालीन ग्रह स्पष्टीकरण का जो समय दिया हो उसे नोट कीजिये।

(3) अब इष्ट स्थल के रेखांश पर से स्टेण्डर्ड टाइम से उसका रेखांतर ज्ञात कीजिये। यदि रेखान्तर ऋण मे है तो 6 घंटे 0 मि. 0 से. में रेखांतर जोडिये और यदि रेखान्तर धन में है तो उसे 6 घं. 0 मि 0 से. में से घटाइये।

(4) इस प्रकार जो समय प्राप्त हो उसमे से ऊपर नं 2 का समय घटा दीजिये। शेष घंटे मिनट सेकड के घंटे बनाइये।

(5) अब पंचांग मे दिये प्रातःकालीन स्पष्ट निरयन सूर्य की राशि अंश कला विकला तथा उसकी दैनिक गति नोट कीजिये। इस गति मे 24 का भाग देकर ऊपर नं. 4 में के शेष घंटो का गुणा करने पर जो कलादि प्राप्त हो उन्हें प्रातःकालीन स्पष्ट सूर्य मे जोड दीजिये। यह उक्त नं 3 के समय का स्पष्ट सूर्य होगा।

(6) अब इष्ट तारीख का अयनाश ज्ञात कीजिये। यदि पंचाग में दिया हो तो उसे लीजिये अन्यथा पूर्व मे दी गई अयनाश सारिणी से प्राप्त कीजिये। इस अयनांश को नं. 5 के स्पष्ट सूर्य में जोडने पर स्पष्ट सायन सूर्य प्राप्त होगा।

(7) उक्त स्पष्ट सायन सूर्य के राशि अंश कला विकला में से राशि एवं अंश के अनुसार क्रांति सारिणी से क्रांति नोट कीजिये।

(1) ध्यान दीजिये–क्रांति–सायन मेष से सायन कन्या राशि के सूर्य में उत्तर दिशा की और सायन तुला से मीन में दक्षिण दिशा की होती है।

(2) वेलान्तर–

सायन सूर्य मेष के. 0 अंश के 25 अंश तक (+)
सायन सूर्य मेष के 26 अंश से मिथुन के 22 अंश तक (–)
सायन सूर्य मिथुन के 23 अंश से कन्या के 8 अंश तक (+)
सायन सूर्य कन्या के 9 अंश से मकर के 3 अंश तक (–)
सायन सूर्य मकर के 4 अंश से मीन के 30 अंश तक (+)

(8) अब अगले अंश की क्रांति लीजिये। पूर्व के अंश की क्रांति के अंश

कला विकला जो जिसमे से घटजाय उसे घटा दीजिये यदि पूर्व के अंश की क्राति के अंश कला विकला बाद के अश की क्रांति के अंश कला विकला मे से घटजाय तो क्रांति की गति धन समझिये। लेकिन यदि पूर्व के अश की क्राति के अंश कला विकला मे से बाद के अश की क्राति के अंश कला विकला घट जायें तो क्राति की गति ऋण समझिये।

(9) उक्त दो अंश की क्रांति का अन्तर उनकी 60 कला की गति होती है। यह गति क्रांति के संबंध में कलात्मक होती है। इस गति में 60 का भाग देकर उक्त क्रमांक 6 में सायन सूर्य के राशि अंश कला विकला में से कला विकला की कला बनाकर उक्त भागफल मे गुणा करिये। इस प्रकार जो क्रांति की कला विकला प्राप्त हो उन्हें उक्त क्रमांक में बतायी क्रांति की गति धन या ऋण के अनुसार न. 7 में प्राप्त क्रांति में जोडिये या घटाइये। यह इष्ट समय की क्राति प्राप्त होगी।

(10) अब मध्यम मध्याह्न के 12 घंटे 0 मिनट 0 सेकण्ड में वेलान्तर सारिणी से तारीख एवं मास तथा सन् के अनुसार वेलान्तर के मिनट सेकण्ड लेकर यदि वेलान्तर ऋण है तो इसके मिनट सेकण्ड घटाइये और यदि धन है तो 12–0–0 मे इसके मिनट सेकण्ड जोडिये। यह स्पष्ट मध्याहन होगा।

(11) अब चरान्तर (चर संस्कार) सारिणी से स्थल अक्षांश के अंश कला मे से अंश और क्रांति के अंश कला विकला मे से अंश के अनुसार चरान्तर के घंटे मिनट सेकण्ड प्राप्त कीजिये।

(12) अब क्रांति के उक्त अश के बाद के अंश की क्रांति का अन्तर तथा स्थल अक्षांश के बाद के अंश का अन्तर ज्ञात कीजिये। जिसका तरीका वैसा ही है जैसा पूर्वोक्त क्रमाश 9 में बताया है। इस अन्तर के घंटे मिनट सेकण्ड में 60 का भाग देकर अक्षांश की कला का गुणा करने पर प्राप्त मिनट सेकण्ड को उक्त क्रांति के चरान्तर घंटे मिनट सेकण्ड से जोड दीजिये, यही इष्ट स्थल–अक्षाश एवं क्रांति का चरान्तर होगा।

चरान्तर प्राप्त करने के लिए निम्न सूत्र की सहायता भी ली जा सकती है।

क्रांति के अश कला विकला की स्पर्शज्या (Tangent) में स्थल अक्षांश के अंश कला की स्पर्शज्या का गुणा। प्राप्त गुणनफल = चरज्या (Sine) को अशादि में परिवर्तित कर उसमें 4 का गुणा करने पर चर के मिनट प्राप्त होते हैं।

(13) यदि क्राति और स्थल अक्षांश दोनों ही एक ही दिशा के उत्तर या दक्षिण–हो तो चरान्तर के घंटे मिनट सेकण्ड को 6 घटे 0 मि. 0 सेकण्ड में जोडने और यदि क्रांति एवं स्थल अक्षांश दोनों में कोई एक उत्तर और दूसरा

दक्षिण हो तो चरान्तर के घंटे मिनट सेकण्ड को 6 घ 0 मि. 0 से. में से घटाने पर दिनार्द्ध प्राप्त होता है।

(14) अब उक्त क्रमांश 10 मे से स्पष्ट मध्याह्न मे से दिनार्द्ध घटाने पर प्रातः सूर्योदय का स्थानीय समय प्राप्त होगा। इसमें क्रमाक 3 में बताये अनुसार रेखान्तर संस्कार (–) है तो उक्त स्थानीय समय में जोडिये और यदि (+) है तो उक्त स्थानीय समय में से घटाइये। यह स्टे. टाइम मे सूर्योदय प्राप्त होगा

(15) इस स्टे. टा. में निम्नानुसार वक्री भवन संस्कार करने पर प्रत्यक्ष सूर्योदय का समय स्टे. टा. में प्राप्त होगा।

सूर्य बिम्ब	मध्य दृश्य	वक्रीभवन	सस्कार
अक्षांश	मि.से	अक्षाश	मि से
0	2–4	40	2 42
10	2–6	50	3 13
20	2.12	55	3 36
30	2.32	60	4 08

सूर्योदय में वक्रीभवन सस्कार घटाया और सूर्योस्त मे जोडा जाता है।

(16) स्पष्ट मध्याह्न में दिनार्द्ध जोडने पर सूर्योस्त का स्थानीय समय प्राप्त होता है। इसमे रेखान्तर संस्कार करने पर स्टे. टा. में सूर्योस्त प्राप्त होता है और वक्रीभवन के मिनट सेकण्ड का संस्कार करने पर प्रत्यक्ष सूर्यास्त प्राप्त होगा।

सारिणी पर से सूर्योदय सूर्यास्त ज्ञात करने का उदाहरण –(मुंबई दिनांक 10.1.93)

1 यहॉ हमे दिनाक 10 1 93 को मुबई का सूर्योदय सूर्यास्त ज्ञात करना है। मुबई का अक्षाश – 18.55 उत्तर है।

2 जन्म भूमि पचाग मे प्रात कालीन ग्रह स्पष्टीकरण का समय 5 घं 30 मि दिया हुआ है।

3 मुबई के रेखांश 72 50 होने से स्टे. टा. मे रेखान्तर (–) ऋण 38 मिनट 40 सेकण्ड है।

मध्यम सूर्योदय समय 6 घ. 0 मि 0 से. स्थानीय है

रेखांतर– को + करने पर

घं.	मि.	से.	
6	0.	0	
+	38.	40	
6.	38.	40	स्टे. टा समय

4. इस 6 38.40 में से पंचांग का समय 5/30 घटाया =

घ	मि	से	
6	38	40	
– 5	30	00	
1	8	40	स्टे. टा. समय

40 से. $= \frac{40}{60}$ मि., $8\frac{2}{3} = \frac{26}{3} \times \frac{1}{60} = \frac{26}{180} = \frac{13}{90}$ घटे

$= 1 + \frac{13}{90}$ घंटे $= \frac{103}{90}$ घंटे

5. पचाग में प्रातःकालीन स्पष्ट सूर्य 8 रा. 25 अंश 59 क 30 वि. है तथा गति (दैनिक) 61 कला 7 विकला = 61 x 60 = 3660 + 7 वि. = 3667 वि
इस गति मे 24 का भाग देकर उक्त 103/90 घटे का गुणा करने पर

$\frac{3667}{24} \times \frac{103}{90} = \frac{377701}{2160}$ = 175 विकला प्राप्त हुई

2 क 55 विकला

इसे प्रात कालीन सूर्य मे जोडा 8.25.59.30

+ 2 55

8.26.2.25 स्पष्ट सूर्य हुआ

6. इष्ट तारीख का अयनांश 23.45.54 है जिसे उक्त स्पष्ट सूर्य में जोडने पर–

8 26.02.25
+ 0.23.45.54
9.19.48.19 सायन सूर्य हुआ।

7. उक्त सायन सूर्य के रा अ. क वि
9 19 48. 19 मे से राशि 9 और 19 अंश
के अनुसार क्रांति (दक्षिण) 22 अं 5 क 56 वि क्रांति प्राप्त की।
8. अब अगले अंश = 20 की क्राति 21.57 20 है।

8. (अ) यहॉ क्रांति पूर्व के अंश 19 के अश कला विकला मे से घटती है
22.05.56 पूर्व का अश 19
21.57.20 बाद का अंश 20
00.08.36

पूर्व के अंश मे से घटने से
क्रांति की गति ऋण हुई।

9 (अ) यहाँ क्रांति के दो अंशों का = 60 का कला का अन्तर 8 कला 36 विकला है।
60 कला का अन्तर 8 X 60 = 480 + 36 = 516 वि.
1 कला का अन्तर 516 / 60

इसलिए (7) की 48 क. 19 वि = 48 $\frac{19}{60}$ कला = $\frac{516}{60} \times \frac{2899}{60} = \frac{1495884}{3600}$
= 415 वि. ऋण

इन विकलाओं की कला 6 विकला 55 को क्रांति की गति (8) ऋण होने से अं. 22 क. 5 वि. 56 में से घटाया = 22.05.56
− 06.55
21.59.01 यह स्पष्ट क्रांति हुई।

(ब) इसी प्रकार वेलान्तर की सारिणी 1993÷4 = शेष प्लुन वर्ष के बाद के वर्ष के अनुसार 10 जनवरी का वेलान्तर प्राप्त किया जो 7 मि 31 से. है

10 मध्यम मध्याहन् समय घं. मि. से. में + वेलान्तर के मि. से. जोडे
12.0.00
+ 7.31
यह 12.7.31 स्पष्ट मध्याह्न हुआ।

11. अब क्रांति के उक्त (9) के अश 21 कला 59 विकला 01 को तथा मुबई के अक्षाश 18.55 को नोट किया = 59 कला। 01 विकला छोड दी।

12. क्रांति के 21 व 22 अश का अन्तर क्रमश. 18 व 19 अक्षाश का ज्ञात किया–

	घ.	मि	से	
18 अक्षांश की 22 अंश की क्राति का चरान्तर	0	30	10	
18 अक्षांश की 21 अंश की क्राति का चरान्तर	–0	28	40	
	0	01	30	= 90 से.

(दोनों का अन्तर)

60 कला पर अन्तर है 90 सेकण्ड

1 $\frac{90}{60}$

59 कला $\frac{90}{60} \times 59 = \frac{177}{2} = 88$ से.

इसे 21 अंश की क्रांति के चरान्तर से जोडा = 0. 28. 40

88 से. = + 0. 01 28

0. 30. 08

उक्त प्रकार से 19 अक्षांश और 21 तथा 22 की क्रांति का चरान्तर ज्ञात किया

19 अक्षाश की 22 की क्रांति का चरान्तर	0	31	59 है
19 अक्षाश की 21 की क्रांति का चरान्तर	0	30	23 है

1.36 = 96 सेकण्ड

क्रांति की 60 कला का अन्तर है 96 सेकण्ड

1 .... "........ $\frac{96}{60}$

59........ ....." .... $\frac{96}{60} \times 59 = \frac{5664}{60} = 94.4$ सेकण्ड

इसे 19 अक्षांश की 21 क्राति	0	30	23	में जोड़ा
+ 0 1 34 =	+ 0	1	34	
= चरान्तर =	0	31	57	हुआ

अब 18 व 19 अक्षांश के चरान्तर का अन्तर ज्ञात किया

19 का चरान्तर	0	31	57	
18 का चरान्तर	–0	30	08	
	0	1	49	= 109 से. 60 कला का अन्तर

अक्षाश की 60 कला का अन्तर है 109 सेकण्ड

1 . "........ $\frac{109}{60}$

55 . ....". .... $\frac{109}{60} \times \frac{55}{} \times \frac{5995}{160}$ = 100 से. = 1 मिनिट 40 सेकण्ड

इस 1 मिनिट 40 सेकण्ड को उक्त 18 अक्षांश के चरान्तर से जोडा

0	30	08
+0	01	40
= 0	31	48

यह चरान्तर हुआ

चूकि क्रांति दक्षिण है और स्थल अक्षाश उत्तर है इसलिए यह चरान्तर ऋण हुआ।

इसे दिनार्द्ध के मध्यम समय 6घं. 0मि. 0से में से घटाया

6घं.	0मि.	0से
− 0	31	48
5	28	12

13 उक्त स्पष्ट दिनार्द्ध को (10) स्पष्ट मध्याहन् में से घटाया

	घ	मि.	से.	
	12	07	31	स्पष्ट मध्याहन्
	−5	28	12	स्पष्ट दिनार्द्ध
	6	39	19	स्थानीय सूर्योदय समय
		+ 38	40	रेखातर सस्कार
	7	17	59	
		− 2	12	वक्री भवन सस्कार
प्रत्यक्ष सूर्योदय	7	15	47	स्टे. टा में
14 स्पष्ट मध्याहन् =	12	7	31	मे दिनार्द्ध तोडने पर
दिनार्द्ध	+ 5	28	12	
	17	35	43	स्थानीय सूर्यास्त समय
		+ 38	40	रेखातर संस्कार
		+ 2	12	वक्रीभवन संस्कार
प्रत्यक्ष सूर्यास्त =	18	16	35	स्टे. टा. मे
15 स्पष्ट मध्याहन् =	12	7	31	स्पष्ट मध्याहन्
	+	7838	40	रेखातर

स्कार

स्पष्ट मध्याहन्	12	46	11	स्टे. टा. में

इसी प्रकार किसी भी स्थल का सूर्योदयास्त ज्ञात किया जा सकता है।

3. सायन सूर्य राशि अक्षानुसार क्रांति सारिणी

उत्तर क्रांति (मेष से कन्या)

	मेष (0)			वृषभ (1)			मिथुन (2)			कर्क (3)			सिंह (4)			कन्या (5)		
अंश	अ	क.	वि.	अ	क.	वि	अ	क	वि	अ	क	वि	अं	क	वि.	अ	क.	वि
0	0	00	00	11	28	30	20	09	22	23	26	46	20	09	22	11	28	30
1	0	23	52	11	49	30	20	21	53	23	26	32	19	56	28	11	07	19
2	0	47	44	12	10	19	20	34	03	23	25	51	19	43	12	10	45	57
3	1	11	35	12	30	55	20	45	50	23	24	43	19	29	35	10	24	24
4	1	35	25	12	51	20	20	57	14	23	23	08	19	15	37	10	02	42
5	1	59	14	13	11	31	21	08	15	23	21	05	19	01	18	09	40	49
6	2	23	01	13	31	30	21	18	52	23	18	36	18	46	39	09	18	48
7	2	46	45	13	51	15	21	29	05	23	15	39	18	31	40	08	56	37
8	3	10	27	14	10	46	21	38	55	23	12	16	18	16	21	08	34	18
9	3	34	06	14	30	03	21	48	20	23	08	25	18	00	43	08	11	51
10	3	57	42	14	49	06	21	57	20	23	04	08	17	44	45	07	49	16
11	4	21	14	15	07	53	22	05	56	22	59	25	17	28	.29	07	26	34
12	4	44	42	15	26	25	22	14	07	22	54	15	17	11	55	07	03	45
13	5	08	06	15	44	42	22	21	52	22	48	38	16	55	03	06	40	49
14	5	31	25	16	02	42	22	29	13	22	42	36	16	37	53	06	17	47
15	5	54	39	16	20	26	22	36	07	22	36	07	16	20	26	05	54	39
16	6	17	47	16	37	53	22	42	36	22	29	13	16	02	42	05	31	25
17	6	40	49	16	55	03	22	48	38	22	21	52	15	44	42	05	08	06
18	7	03	45	17	11	55	22	54	15	22	14	07	15	26	25	04	44	42
19	7	26	34	17	28	29	22	29	25	22	05	56	15	07	53	04	21	14
20	7	49	16	17	44	45	23	04	08	21	57	20	14	49	06	03	57	42
21	8	11	51	18	00	43	23	08	25	21	48	20	14	30	03	03	34	06
22	8	34	18	18	16	21	23	12	16	21	38	55	14	10	46	03	10	27
23	8	56	37	18	31	40	23	15	39	21	29	05	13	51	15	02	46	45
24	9	18	48	18	46	39	23	18	36	21	18	52	13	31	30	02	23	01
25	9	40	49	19	01	18	23	21	05	21	08	15	13	11	31	01	59	14
26	10	02	42	19	15	37	23	23	08	20	57	14	12	51	20	01	35	25
27	10	24	24	19	29	35	23	24	43	20	45	50	12	30	55	01	11	35
28	10	45	57	19	43	12	23	25	51	20	34	03	12	10	19	00	47	44
29	11	07	19	19	56	28	23	26	32	20	21	53	11	49	30	00	23	52
30	11	28	30	20	09	22	23	26	46	20	09	22	11	28	30	00	00	00

अश	तुला (6)			वृश्चिक(7)			धनु (8)			मकर (9)			कुभ (10)			मीन (11)		
	अं	क	वि.	अ	क.	वि	अ	क	वि	अ.	क	वि	अ.	क	वि.	अं	क	वि
0	0	00	00	11	28	30	20	09	22	23	26	46	20	09	22	11	28	30
1	0	23	52	11	49	30	20	21	53	23	26	32	19	56	28	11	07	19
2	0	47	44	12	10	19	20	34	03	23	25	51	19	43	12	10	45	57
3	1	11	35	12	30	55	20	45	50	23	24	43	19	29	35	10	24	24
4	1	35	25	12	51	20	20	57	14	23	23	08	19	15	37	10	02	42
5	1	59	14	13	11	31	21	08	15	23	21	05	19	01	18	09	40	49
6	2	23	01	13	31	30	21	18	52	23	18	36	18	46	39	09	18	48
7	2	46	45	13	51	15	21	29	05	23	15	39	18	31	40	08	56	37
8	3	10	27	14	10	46	21	38	55	23	12	16	18	16	21	08	34	18
9	3	34	06	14	30	03	21	48	20	23	08	25	18	00	43	08	11	51
10	3	57	42	14	49	06	21	57	20	23	04	08	17	44	45	07	49	16
11	4	21	14	15	07	53	22	05	56	22	59	25	17	28	29	07	26	34
12	4	44	42	15	26	25	22	14	07	22	54	15	17	11	55	07	03	45
13	5	08	06	15	44	42	22	21	52	22	48	38	16	55	03	06	40	49
14	5	31	25	16	02	42	22	29	13	22	42	36	16	37	53	06	17	47
15	5	54	39	16	20	26	22	36	07	22	36	07	16	20	26	05	54	39
16	6	17	47	16	37	53	22	42	36	22	29	13	16	02	42	05	31	25
17	6	40	49	16	55	03	22	48	38	22	21	52	15	44	42	05	08	06
18	7	03	45	17	11	55	22	54	15	22	14	07	15	26	25	04	44	42
19	7	26	34	17	28	29	22	29	25	22	05	56	15	07	53	04	21	14
20	7	49	16	17	44	45	23	04	08	21	57	20	14	49	06	03	57	42
21	8	11	51	18	00	43	23	08	25	21	48	20	14	30	03	03	34	06
22	8	34	18	18	16	21	23	12	16	21	38	55	14	10	46	03	10	27
23	8	56	37	18	31	40	23	15	39	21	29	05	13	51	15	02	46	45
24	9	18	48	18	46	39	23	18	36	21	18	52	13	31	30	02	23	01
25	9	40	49	19	01	18	23	21	05	21	08	15	13	11	31	01	59	14
26	10	02	42	19	15	37	23	23	08	20	57	14	12	51	20	01	35	25
27	10	24	24	19	29	35	23	24	43	20	45	50	12	30	55	01	11	35
28	10	45	57	19	43	12	23	25	51	20	34	03	12	10	19	00	47	44
29	11	07	19	19	56	28	23	26	32	20	21	53	11	49	30	00	23	52
30	11	28	30	20	09	22	23	26	46	20	09	22	11	28	30	00	00	00

नोट–

(1) निरयन स्पष्ट सूर्य मे अयनांश जोडने पर सायन सूर्य के राशि अंश कला विकला प्राप्त होते हैं।

(2) जिस दिन को क्रांति ज्ञात करनी हो उस दिन के उक्त (1) प्रकार से सायन सूर्य की राशि अश कलादि प्राप्त कीजिये।

(3) तत्पश्चात सायन सूर्य राशि और अंश के अनुसार क्राति के अंश कला विकला प्राप्त करिये– अब सायन सूर्य के

(4) शेष कला विकला की विकला बनाइये।

(5) तत्पश्चात सायन सूर्य की जिस राशि अश की क्रांति ली है उससे अगले अंश की क्रांति का अन्तर मालूम कीजिये।

(6) यह अन्तर 3600 विकला पर है तो शेष (4) कला विकला = विकला पर का अन्तर ऐकिक नियम से ज्ञात करिये।

$$\frac{\text{अंतर विकला}}{3600} \times \frac{\text{शेष विकला}}{1} \quad \text{अभीष्ट विकला}$$

इस विकला को यदि 60 से अधिक है तो 60 का भाग देने पर प्राप्त लब्धि कला और शेष विकला को पूर्वोक्त (3) की क्रांति के अंश कला विकला में जोड दीजिये या घटा दीजिये।

यदि अगले अश की क्रांति के अंश कला विकला अधिक है तो अन्तर विकला धन (जोडना) कारना चाहिये और यदि कम है तो ऋण (घटाना) करना चाहिये।

उक्त प्रकार से प्राप्त अंशादि ही अभीष्ट दिन की क्राति होगी। इस क्रांति के अनुसार चरान्तर सारिणी से चरान्तर प्राप्त किया जाता है।

– स्थल व क्रांति दोनों उत्तर या दक्षिण हों तो चरान्तर (+) धन

– स्थल व क्रांति में से कोई एक उत्तर और दूसरा दक्षिण हो तो चरान्तर ऋण (–) होता है।

4. अक्षांशानुसार चर संस्कार सारिणी

क्रांति	0		1		2		3		4		5		6		7		8	
अक्षाक्ष	मि	से	मि	से	मि.	से	मि.	से	मि	से	मि	से	मि.	से	मि	से	मि	से
0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
1	0	0	0	4	0	8	0	13	0	17	0	21	0	25	0	29	0	34
2	0	0	0	8	0	17	0	25	0	34	0	42	0	50	0	59	1	07
3	0	0	0	13	0	25	0	38	0	50	1	03	1	16	1	28	1	41
4	0	0	0	17	0	34	0	50	1	07	1	24	1	41	1	58	2	15
5	0	0	0	21	0	42	1	03	1	24	1	45	2	06	2	28	2	49
6	0	0	0	25	0	50	1	16	1	41	2	06	2	32	2	57	3	23
7	0	0	0	29	0	59	1	28	1	58	2	28	2	57	3	27	3	57
8	0	0	0	34	1	07	1	41	2	15	2	49	3	23	3	57	4	32
9	0	0	0	38	1	16	1	54	2	32	3	11	3	49	4	27	5	06
10	0	0	0	42	1	25	2	07	2	50	3	32	4	15	4	58	5	41
11	0	0	0	47	1	33	2	20	3	07	3	54	4	41	5	28	6	16
12	0	0	0	51	1	42	2	33	3	24	4	16	5	07	5	59	6	51
13	0	0	0	55	1	51	2	46	3	42	4	38	5	34	6	30	7	26
14	0	0	1	00	2	00	3	00	4	00	5	00	6	00	7	01	8	02
15	0	0	1	04	2	09	3	13	4	18	5	22	6	27	7	32	8	38
16	0	0	1	09	2	18	3	27	4	36	5	45	6	54	8	04	9	14
17	0	0	1	13	2	27	3	40	4	54	6	08	7	22	8	36	9	51
18	0	0	1	18	2	36	3	54	5	12	6	31	7	50	9	09	10	28
19	0	0	1	23	2	45	4	08	5	31	6	54	8	18	9	42	11	06
20	0	0	1	27	2	55	4	22	5	50	7	18	8	46	10	15	11	44
21	0	0	1	32	3	04	4	37	6	09	7	42	9	15	10	48	12	22
22	0	0	1	37	3	14	4	51	6	29	8	06	9	44	11	22	13	01
23	0	0	1	42	3	24	5	06	6	48	8	31	10	14	11	57	13	41
24	0	0	1	47	3	34	5	21	7	08	8	56	10	44	12	32	14	21
25	0	0	1	52	3	44	5	36	7	28	9	21	11	14	13	08	15	02
26	0	0	1	57	3	54	5	52	7	49	9	47	11	45	13	44	15	43
27	0	0	2	02	4	05	6	07	8	10	10	13	12	17	14	21	16	26
28	0	0	2	08	4	15	6	23	8	31	10	40	12	49	14	58	17	09
29	0	0	2	13	4	26	6	40	8	53	11	07	13	22	15	37	17	52
30	0	0	2	19	4	37	6	56	9	15	11	35	13	55	16	16	18	37

4. अक्षांशानुसार चर संस्कार सारिणी

क्राति	9		10		11		12		13		14		15		16	
अक्षाक्ष	मि.	से	मि.	से	मि.	से	मि.	से	मि.	से	मि	से.	मि	से	मि	से
0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
1	0	38	0	42	0	47	0	51	0	55	1	00	1	04	1	09
2	1	16	1	25	1	33	1	42	1	51	2	00	2	09	2	18
3	1	54	2	07	2	20	2	33	2	46	3	00	3	13	3	27
4	2	32	2	50	3	07	3	24	3	42	4	00	4	18	4	36
5	3	10	3	32	3	54	4	16	4	38	5	00	5	22	5	45
6	3	49	4	15	4	41	5	07	5	34	6	00	6	27	6	54
7	4	27	4	58	5	28	5	59	6	30	7	01	7	32	8	04
8	5	06	5	41	6	16	6	51	7	26	8	02	8	38	9	14
9	5	45	6	24	7	03	7	43	8	23	9	03	9	44	10	25
10	6	24	7	08	7	51	8	36	9	20	10	05	10	50	11	36
11	7	03	7	51	8	40	9	28	10	17	11	07	11	56	12	47
12	7	43	8	36	9	28	10	21	11	15	12	09	13	03	13	58
13	8	23	9	20	10	17	11	15	12	13	13	12	14	11	15	11
14	9	03	10	05	11	07	12	09	13	12	14	15	15	19	16	24
15	9	44	10	50	11	57	13	04	14	11	15	19	16	28	17	38
16	10	25	11	36	12	47	13	59	15	11	16	24	17	38	18	52
17	16	06	12	22	13	38	14	54	16	11	17	29	18	48	20	07
18	11	48	13	08	14	29	15	50	17	12	18	35	19	59	21	23
19	12	30	13	55	15	21	16	47	18	14	19	42	21	11	22	40
20	13	13	14	43	16	14	17	45	19	17	20	50	22	23	23	58
21	13	57	15	31	17	07	18	43	20	20	21	59	23	37	25	17
22	14	40	16	20	18	01	19	42	21	25	23	08	24	52	26	37
23	15	25	17	10	18	56	20	42	22	30	24	18	26	08	27	58
24	16	11	18	01	19	52	21	43	23	36	25	30	27	24	29	20
25	16	57	18	52	20	48	22	45	24	43	26	42	28	43	30	44
26	17	44	19	44	21	46	23	48	25	52	27	56	30	02	32	09
27	18	31	20	37	22	44	24	52	27	01	29	12	31	23	33	36
28	19	19	21	31	23	44	25	57	28	12	30	28	32	46	35	05
29	20	09	22	26	24	44	27	04	29	25	31	47	34	10	36	35
30	20	59	23	22	25	46	28	12	30	39	33	06	35	36	38	07

4. अक्षांशानुसार चर संस्कार सारिणी

क्रांति	17		18		19		20		21		22		23		24	
अक्षाक्ष	मि.	से	मि.	से	मि.	से	मि.	से	मि	से	मि.	से	मि.	से	मि	से
0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
1	1	13	1	18	1	23	1	27	1	32	1	37	1	42	1	47
2	2	27	2	36	2	45	2	55	3	04	3	14	3	24	3	34
3	3	40	3	54	4	08	4	22	4	37	4	51	5	06	5	21
4	4	54	5	12	5	31	5	50	6	09	6	29	6	48	7	08
5	6	08	6	31	6	54	7	18	7	42	8	06	8	31	8	56
6	7	22	7	50	8	18	8	46	9	15	9	44	10	14	10	44
7	8	36	9	09	9	42	10	15	10	48	11	22	11	57	12	32
8	9	51	10	28	11	06	11	44	12	22	13	01	13	41	14	21
9	11	06	11	48	12	30	13	13	13	56	14	41	15	25	16	11
10	12	22	13	08	13	55	14	43	15	31	16	21	17	10	18	01
11	13	38	14	29	15	27	16	14	17	07	18	01	18	56	19	52
12	14	54	15	50	16	47	17	45	18	43	19	42	20	42	21	43
13	16	11	17	12	18	14	19	17	20	20	21	25	22	30	23	36
14	17	29	18	35	19	42	20	50	21	58	23	08	24	18	25	30
15	18	48	19	59	21	11	22	24	23	37	24	52	26	07	27	24
16	20	07	21	23	22	40	23	58	25	17	26	37	27	58	29	20
17	21	27	22	48	24	10	25	33	26	58	28	23	29	50	31	18
18	22	48	24	14	25	42	27	10	28	40	30	10	31	43	33	16
19	24	10	25	42	27	14	28	48	30	23	31	59	33	37	35	16
20	25	33	27	10	28	48	30	27	32	08	33	49	35	33	37	18
21	26	58	28	40	30	23	32	08	33	54	35	41	37	31	39	22
22	28	23	30	10	31	58	33	49	35	42	37	35	39	30	41	27
23	29	50	31	43	33	37	35	33	37	31	39	30	41	31	43	34
24	31	18	33	16	35	16	37	18	39	22	41	27	43	34	45	44
25	32	47	34	52	36	57	39	05	41	15	43	26	45	40	47	56
26	34	18	36	28	38	40	40	54	43	10	45	28	47	48	50	10
27	35	51	38	07	40	25	42	45	45	07	47	32	49	58	52	27
28	37	25	39	48	42	10	44	38	47	06	49	38	52	11	54	47
29	39	02	41	30	44	01	46	33	49	08	51	46	54	27	57	09
30	40	40	43	15	45	52	48	31	51	13	53	57	56	45	59	35

4. अक्षांशानुसार चर संस्कार सारिणी

क्रांति	0		1		2		3		4		5		6		7		8	
अक्षांक्ष	मि.	से	मि	से	मि.	से	मि	से	मि	से	मि.	से	मि.	से	मि	से	मि.	से
31	0	0	2	24	4	49	7	13	9	38	12	03	14	29	16	55	19	23
32	0	0	2	30	5	00	7	30	10	01	12	32	15	04	17	36	20	09
33	0	0	2	36	5	12	7	48	10	25	13	02	15	39	18	18	20	57
34	0	0	2	42	5	24	8	06	10	49	13	32	16	16	19	00	21	45
35	0	0	2	48	5	36	8	25	11	14	14	03	16	53	19	44	22	35
36	0	0	2	54	5	49	8	44	11	39	14	35	17	31	20	28	23	27
37	0	0	3	01	6	02	9	03	12	05	15	07	18	10	21	14	24	19
38	0	0	3	08	6	15	9	23	12	32	15	41	18	50	22	01	25	13
39	0	0	3	14	6	29	9	44	12	59	16	15	19	32	22	50	26	08
40	0	0	3	21	6	43	10	05	13	27	16	50	20	14	23	39	27	06
41	0	0	3	29	6	57	10	27	13	56	17	27	20	58	24	30	28	04
42	0	0	3	36	7	12	10	49	14	26	18	04	21	43	25	23	29	05
43	0	0	3	44	7	28	11	12	14	57	18	43	22	30	26	18	30	07
44	0	0	3	52	7	44	11	36	15	29	19	23	23	18	27	14	31	12
45	0	0	4	00	8	00	12	01	16	02	20	05	24	08	28	13	32	19
46	0	0	4	09	8	17	12	27	16	37	20	48	25	00	29	13	33	28
47	0	0	4	17	8	35	12	53	17	12	21	32	25	53	30	16	34	40
48	0	0	4	27	8	53	13	21	17	49	22	18	26	49	31	21	35	55
49	0	0	4	36	9	13	13	50	18	27	23	06	27	47	32	29	37	13
50	0	0	4	46	9	32	14	19	19	07	23	56	28	47	33	39	38	34
51	0	0	4	56	9	53	14	51	19	49	24	49	29	50	34	53	39	59
52	0	0	5	07	10	15	15	23	20	32	25	43	30	56	36	10	41	27
53	0	0	5	18	10	37	15	57	21	18	26	40	32	04	37	31	43	00
54	0	0	5	30	11	01	16	33	22	06	27	40	33	16	38	55	44	37
55	0	0	5	43	11	26	17	10	22	56	28	43	34	32	40	24	46	19
56	0	0	5	56	11	52	17	50	23	48	29	49	35	51	41	57	48	06
57	0	0	6	10	12	20	18	31	24	44	30	58	37	15	43	36	50	00
58	0	0	6	24	12	49	19	15	25	42	32	12	38	44	45	20	51	59
59	0	0	6	40	13	20	20	01	26	44	33	29	40	18	47	10	54	06
60	0	0	6	56	13	52	20	50	27	50	34	52	41	57	49	07	56	21

4. अक्षांशानुसार चर संस्कार सारिणी

क्रांति	9		10		11		12		13		14		15		16	
अक्षांक्ष	मि	से	मि.	से	मि.	से	मि	से	मि	से	मि	से	मि.	से	मि	से
31	21	51	24	20	26	50	29	21	31	54	34	28	37	04	39	41
32	22	43	25	18	27	54	30	32	33	11	35	51	38	33	41	17
33	23	37	26	18	29	00	31	44	34	29	37	16	40	05	42	56
34	24	32	27	19	30	08	32	58	35	50	38	44	41	39	44	36
35	25	28	28	22	31	17	34	14	37	13	40	13	43	15	46	20
36	26	26	29	26	32	29	35	32	38	37	41	45	44	54	48	06
37	27	25	30	33	33	41	36	52	40	05	43	19	46	36	49	55
38	28	26	31	40	34	56	38	14	41	34	44	56	48	20	51	47
39	29	29	32	50	36	14	39	39	43	06	46	36	50	08	53	42
40	30	33	34	02	37	33	41	06	44	41	48	28	51	58	55	41
41	31	39	35	16	38	55	42	35	46	19	50	04	53	53	57	44
42	32	48	36	32	40	19	44	08	47	59	51	54	55	51	59	51
43	33	58	37	51	41	46	45	44	49	44	53	46	57	33	62	02
44	35	12	39	13	43	17	47	23	51	32	55	44	59	59	64	18
45	36	27	40	37	44	50	49	05	53	24	57	45	62	10	66	39
46	37	46	42	05	46	27	50	52	55	20	59	51	64	26	69	06
47	39	07	43	36	48	08	52	42	57	20	62	20	66	48	71	38
48	40	31	45	10	49	52	54	37	59	26	64	18	69	15	74	17
49	42	00	46	49	51	41	56	37	61	36	66	40	71	49	77	03
50	43	31	48	31	53	55	58	42	63	53	69	09	74	29	79	56
51	45	07	50	18	55	33	60	52	66	16	71	44	77	17	82	57
52	46	47	52	10	57	37	63	09	68	45	74	26	80	14	86	08
53	48	32	54	08	59	48	65	32	71	22	77	17	83	19	89	28
54	50	22	56	11	62	04	68	03	74	07	80	17	86	34	92	59
55	52	18	58	20	64	28	70	41	77	00	83	26	90	00	96	42
56	54	19	60	37	67	00	73	28	80	04	86	46	93	38	100	38
57	56	28	63	01	69	40	76	25	83	18	90	19	97	28	104	49
58	58	44	65	34	72	30	79	33	86	44	94	04	101	34	109	16
59	61	08	68	16	75	30	82	52	90	23	98	04	105	56	114	01
60	63	41	71	08	78	42	86	25	94	17	102	20	110	37	119	07

4. अक्षाशानुसार चर संस्कार सारिणी

क्रांति	17		18		19		20		21		22		23		24	
अक्षाक्ष	मि	से	मि	से	मि	से	मि	से	मि	से	मि	से	मि	से	मि	से
31	42	21	45	02	47	46	50	32	53	20	56	12	59	06	62	04
32	44	03	46	52	49	42	52	35	55	30	58	30	61	31	64	37
33	45	48	48	44	51	41	54	41	57	44	60	51	64	00	67	13
34	47	36	50	38	53	43	56	51	60	01	63	15	66	33	69	54
35	49	27	52	36	55	48	59	04	62	22	65	44	69	10	72	40
36	51	20	54	37	57	57	61	20	64	47	68	17	71	51	75	30
37	53	17	56	41	60	09	63	40	67	15	70	54	74	37	78	24
38	55	17	58	49	62	25	66	05	69	48	73	36	77	28	81	25
39	57	20	61	01	64	46	68	34	72	26	76	23	80	25	84	35
40	59	28	63	17	67	10	71	08	75	10	79	16	83	28	87	45
41	61	39	65	38	69	40	73	47	77	58	82	15	86	37	91	05
42	63	55	68	03	72	15	76	31	80	53	85	20	89	53	94	32
43	66	16	70	33	74	55	79	02	83	54	88	32	93	16	98	07
44	68	41	73	09	77	41	82	19	87	02	91	52	96	48	101	51
45	71	13	75	51	80	34	85	23	90	18	95	19	100	28	105	45
46	73	53	78	39	83	33	88	34	93	41	98	56	104	18	109	49
47	76	33	81	34	86	41	91	54	97	14	102	42	108	19	114	04
48	79	24	84	37	89	56	95	22	100	56	106	39	112	30	118	32
49	82	22	87	48	93	20	99	01	104	49	110	47	116	55	123	14
50	85	28	91	08	96	54	102	50	108	54	115	08	121	33	128	11
51	88	44	94	37	100	39	106	50	113	11	119	43	126	29	133	25
52	92	09	98	18	104	36	111	04	117	43	124	34	131	38	138	58
53	95	45	102	10	108	46	115	32	122	30	129	41	137	08	144	52
54	99	32	106	16	113	09	120	15	127	34	135	09	143	02	151	10
55	103	33	110	35	117	49	125	17	132	59	140	58	149	16	157	56
56	107	49	115	11	122	47	130	38	138	45	147	11	156	00	165	13
57	112	20	120	05	128	05	136	21	144	56	153	54	163	16	173	07
58	117	10	125	19	133	45	142	30	151	36	161	08	171	09	181	46
59	122	20	130	56	139	51	149	08	158	50	169	01	179	34	191	15
60	127	54	137	00	146	27	156	19	166	41	177	39	189	18	201	50

5.वेलान्तर सारिणी जनवरी

ता	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि से.	मि से.	मि से	मि से
1	+3 31	+3 24	+3 17	+3.12
2	+3 59	+3.52	+3 45	+3 40
3	+4 27	+4 20	+4 13	+4 08
4	+4.55	+4 48	+4 41	+4 36
5	+5.22	+5 15	+5.08	+5 03
6	+5.49	+5.42	+5 35	+5 30
7	+6.15	+6 08	+6 02	+5 56
8	+6.41	+6.34	+6 28	+6.22
9	+7.06	+6 59	+6 53	+6 47
10	+7.31	+7 24	+7 18	+7.12
11	+7.55	+7.48	+7 43	+7.36
12	+8.19	+8.12	+8 07	+8 00
13	+8.42	+8 35	+8 30	+8 23
14	+9.04	+8 57	+8 53	+8.46
15	+9 25	+9 19	+9 15	+9 08
16	+9.46	+9 40	+9 36	+9.30
17	+10.06	+10.00	+9 56	+9 51
18	+10.26	+10 20	+10 16	+10.11
19	+10.45	+10.39	+10.35	+10 31
20	+11.03	+10 58	+10 54	+10.50
21	+11.20	+11 16	+11.11	+11 08
22	+11.36	+11 33	+11 28	+11.25
23	+11.52	+11.49	+11 44	+11.41
24	+12.07	+12 04	+12.00	+11 57
25	+12.21	+12.18	+12 14	+12 12
26	+12.35	+12.32	+12 28	+12 26
27	+12.48	+12.45	+12.41	+12 39
28	+13.00	+12 57	+12.53	+12 51

5. वेलान्तर सारिणी

जनवरी

ता	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि से.	मि.से.	मि से.	मि से
29	+13 11	+13 08	+13 04	+13 02
30	+13 21	+13 18	+13.15	+13 12
31	+13.30	+13 28	+13.25	+13 22

फरवरी

ता	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि.से.	मि से.	मि.से	मि से
1	+13 39	+13 37	+13 34	+13 31
2	+13 46	+13 45	+13 42	+13 39
3	+13 53	+13.52	+13.49	+13 46
4	+13 59	+13.58	+13 56	+13 53
5	+14 05	+14.03	+14.02	+13 59
6	+14.10	+14.08	+14 07	+14 04
7	+14 14	+14.12	+14 11	+14 09
8	+14.17	+14 15	+14 14	+14 13
9	+14 19	+14.17	+14 17	+14.16
10	+14 20	+14 18	+14 19	+14.18
11	+14 20	+14 19	+14.20	+14 19
12	+14 20	+14.19	+14 20	+14.19
13	+14 19	+14 18	+14.19	+14 19
14	+14 17	+14.16	+14.18	+14.18
15	+14 14	+14.14	+14.16	+14 16
16	+14.11	+14.11	+14.13	+14.13
17	+14.07	+14.08	+14 09	+14.10
18	+14.02	+14.04	+14 05	+14.06
19	+13 57	+13.59	+14.00	+14.01

5. वेलान्तर सारिणी फरवरी

ता	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि.से.	मि से.	मि.से.	मि.से
20	+13.51	+13.53	+13.54	+13 55
21	+13.44	+13.46	+13.48	+13 49
22	+13.37	+13 39	+13.41	+13.42
23	+13.29	+13 31	+13.33	+13 35
24	+13.21	+13 23	+13.25	+13 27
25	+13.12	+13.14	+13.16	+13 18
26	+13.02	+13.04	+13.06	+13.09
27	+12.52	+12.54	+12.51	+12.59
28	+12.41	+12.43	+12.45	+12.49
29	—	—	—	+12.38

मार्च

ता	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि.से.	मि.से.	मि से.	मि.से.
1	+12.30	+12.32	+12 34	+12 27
2	+12.18	+12.20	+12.22	+12.15
3	+12.06	+12.08	+12.10	+12.03
4	+11.53	+11.55	+11 58	+11.50
5	+11.40	+11.42	+11.45	+11.37
6	+11.26	+11 28	+11 32	+11 23
7	+11.12	+11 14	+11.18	+11.09
8	+10.57	+11.00	+11.04	+10.54
9	+10.42	+10.45	+10.49	+10.39
10	+10.27	+10.30	+10.34	+10 23
11	+10.11	+10 14	+10.19	+10.07

मार्च

ता.	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि.से	मि से	मि.से	मि से.
12	+9.55	+9.58	+10 03	+9 51
13	+9.39	+9.42	+9 47	+9 35
14	+9 23	+9.26	+9 31	+9.18
15	+9.06	+9.08	+9.14	+9 01
16	+8.49	+8.52	+8 57	+8 44
17	+8 32	+8 35	+8 40	+8 27
18	+8.15	+8.18	+8 23	+8.10
19	+7.57	+8.01	+8 05	+7 53
20	+7.39	+7.43	+7 47	+7.35
21	+7.21	+7.25	+7.29	+7.17
22	+7.03	+7 07	+7.11	+6.59
23	+6.45	+6.49	+6.53	+6.41
24	+6 27	+6.31	+6.35	+6 23
25	+6 09	+6.13	+6.17	+6.05
26	+5 50	+5.55	+6.59	+5 47
27	+5 31	+5 36	+5 40	+5 29
28	+5.13	+5 18	+5 21	+5.11
29	+4.55	+4.59	+5 03	+4.52
30	+4.37	+4.41	+4 45	+4 33
31	+4.19	+4 23	+4.27	+4.15

अप्रेल

ता.	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि.से.	मि से.	मि.से.	मि.से.
1	+401	+4.05	+4.09	+3.57
2	+3 43	+3.47	+3.51	+3.39
3	+3.25	+3 29	+3.33	+3.21

5.वेलान्तर सारिणी अप्रेल

ता	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष—			
	1	2	3	4
	मि से.	मि.से	मि से.	मि से.
4	+3.07	+3 11	+3 15	+3 03
5	+2.50	+2.53	+2 58	+2 45
6	+2.33	+2.36	+2 41	+2 28
7	+2.16	+2.19	+2.24	+2.11
8	+1.59	+2 01	+2.07	+1.54
9	+1.42	+1.45	+1.50	+1.37
10	+1.25	+1.29	+1.33	+1.21
11	+1.09	+1 13	+1.17	+1.05
12	+0.53	+0.57	+1 01	+0.49
13	+0.37	+0 41	+0.45	+0.34
14	+0 22	+0.26	+0.30	+0.19
15	+0.07	+0.11	+0 15	+0 04
16	−0.08	−0.04	−0 0	−0 10
17	−0.22	−0 18	−0.14	−0.24
18	−0.36	−0.32	−0 28	−0.38
19	−0.49	−0.45	−0.42	−0.51
20	−1.02	−0.58	−0 55	−1.04
21	−1.15	−1 11	−1.08	−1.17
22	−1.27	−1.23	−1.20	−1 29
23	−1.39	−1.35	−1 32	−1 41
24	−1.50	−1.46	−1 44	−1.52
25	−2.01	−1.57	−1.55	−2.03
26	−2.11	−2.08	−2.05	−2.13
27	−2.21	−2.18	−2 15	−2.23
28	−2.30	−2.27	−2.25	−2.32
29	−2.39	−2.36	−2.34	−2.41
30	−2.47	−2.44	−2.43	−2.49

ता.	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि.से	मि से	मि से	मि.से
1	−2.55	−2.52	−2 51	−2 57
2	−3 02	−2.59	−2 58	−3.04
3	−3 09	−3.06	−3 05	−3 11
4	−3 15	−3.13	−3.11	−3 17
5	−3 21	−3.19	−3.17	−3.22
6	−3.26	−3 24	−3.22	−3 27
7	−3 30	−3.29	−3 27	−3 31
8	−3.34	−3.33	−3.31	−3 35
9	−3.37	−3.36	−3.34	−3.38
10	−3.40	−3.39	−3.37	−3.40
11	−3.42	−3.41	−3.40	−3.42
12	−3.44	−3 43	−3 42	−3 43
13	−3 45	−3.44	−3 43	−3.44
14	−3.45	−3.45	−3.43	−3.44
15	−3.45	−3 45	−3.43	−3.44
16	−3.44	−3 44	−3.43	−3.43
17	−3.43	−3.43	−3 43	−3.42
18	−3.41	−3 41	−3.41	−3.40
19	−3.39	−3.39	−3.39	−3.38
20	−3.36	−3 36	−3.36	−3.35
21	−3.33	−3 33	−3.33	−3.32
22	−3 29	−3.29	−3 29	−3.28
23	−3.24	−3 24	−3.25	−3.24
24	−3.19	−3.19	−3.20	−3.19
25	−3.13	−3.13	−3.15	−3.13
26	−3.07	−3.07	−3 09	−3.07
27	−3.00	−3.01	−3 03	−3.00

5.वेलान्तर सारिणी मई

ता	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि.से.	मि.से	मि.से	मि से
28	−2.53	−2 54	−2 56	−2 53
29	−2.45	−2 47	−2 49	−2 45
30	−2.37	−2 39	−2 41	−2.37
31	−2 29	−2 31	−2 33	−2 28

5.वेलान्तर सारिणी जून

ता	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि.से.	मि.से	मि.से	मि से.
1	−2.20	−2 23	−2.24	−2.19
2	−2.11	−2.14	−2 15	−2 09
3	−2.02	−2.05	−2 06	−1.59
4	−1.52	−1 55	−1.56	−1.49
5	−1.42	−1 34	−1 46	−1 39
6	−1.32	−1 34	−1 36	−1.28
7	−1.21	−1 23	−1 25	−1 17
8	−1.10	−1.12	−1 14	−1 06
9	−0.59	−1 01	−1 03	−0.55
10	−0.47	−0 49	−0.51	−0 43
11	−0.35	−0 37	−0 39	−0 31
12	−0.23	−0.25	−0.27	−0 19
13	−0.11	−0.13	−0 15	−0 07
14	+0.01	+0 00	−0 03	+0.05
15	+0.14	+0.13	+0 10	+0.18
16	+0.27	+0 26	+0 23	+0 31
17	+0.40	+0.39	+0 36	+0.44

5. वेलान्तर सारिणी जून

ता	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि से	मि से	मि से.	मि.से
18	+0 53	+0.52	+0.49	+0.57
19	+1 06	+1.05	+1.02	+1 10
20	+1.19	+1 18	+1.15	+1 23
21	+1 32	+1.31	+1.28	+1 36
22	+1 45	+1.44	+1.41	+1.49
23	+1.58	+1.57	+1 54	+2 02
24	+2.11	+2.10	+2.06	+2 15
25	+2.24	+2 23	+2.19	+2 28
26	+2.37	+2 36	+2.32	+2.41
27	+2.50	+2 49	+2 45	+2 53
28	+3.02	+3.01	+2 58	+3.05
29	+3 14	+3 13	+3.10	+3.17
30	+3 26	+3.25	+3 22	+3.29

5 वेलान्तर सारिणी जुलाई

ता.	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि.से	मि से.	मि.से.	मि.से.
1	+3.38	+3.37	+3.34	+3.41
2	+3.50	+3.48	+3.46	+3.52
3	+4 01	+3.59	+3 57	+4.03
4	+4.22	+4.10	+4.08	+4.14
5	+4 23	+4.21	+4.19	+4.25
6	+4 33	+4.31	+4.29	+4 35
7	+4.43	+4.41	+4.39	+4.45
8	+4.52	+4.51	+4.49	+4.55

5 वेलान्तर सारिणी जुलाई

ता	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.
9	+5 01	+5 00	+4 58	+5 04
10	+5 10	+5 09	+5 07	+5 13
11	+5 18	+5 17	+5 16	+5 21
12	+5.26	+5 25	+5 24	+5 29
13	+5 33	+5 33	+5 32	+5 36
14	+5 40	+5.40	+5 39	+5 43
15	+5.46	+5.47	+5.46	+5 49
16	+5 52	+5.53	+5 52	+5 55
17	+5.58	+5.59	+5 58	+6.00
18	+6 03	+6 04	+6 03	+6 05
19	+6.08	+6 09	+6.08	+6 09
20	+6 12	+6.13	+6.12	+6 13
21	+6.15	+6 17	+6.15	+6 16
22	+6 18	+6.20	+6.18	+6 19
23	+6.20	+6.22	+6.20	+6 21
24	+6.22	+6.24	+6.22	+6.23
25	+6.23	+6.25	+6.24	+6 24
26	+6 24	+6.26	+6.25	+6 24
27	+6 24	+6.25	+6.25	+6.24
28	+6.23	+6 24	+6.24	+6.23
29	+6.22	+6.23	+6.23	+6.21
30	+6 20	+6.21	+6.21	+6.19
31	+6.17	+6.19	+6 19	+6.17

5.वेलान्तर सारिणी अगस्त

ता. प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–

ता.		2	3	
	मि से	मि से.	मि.से	मि.से
1	+6 14	+6 16	+6 16	+6 14
2	+6 10	+6.12	+6 13	+6.10
3	+6 06	+6.08	+6 09	+6 05
4	+6 01	+6.03	+6.04	+6.00
5	+5 55	+5.58	+5.59	+5.54
6	+5 49	+5.52	+5.53	+5.48
7	+5 42	+5.45	+5 47	+5 41
8	+5 35	+5 38	+5.40	+5.33
9	+5.27	+5.30	+5.33	+5 25
10	+5 18	+5.21	+5.25	+5 16
11	+5.09	+5 12	+5 16	+5 07
12	+4.59	+5.03	+5 07	+4.57
13	+4.49	+4.53	+4 57	+4.47
14	+4.38	+4.43	+4.46	+4.36
15	+4 27	+4.32	+4.35	+4.25
16	+4 15	+4.20	+4.23	+4.13
17	+4.03	+4.08	+4.11	+4.01
18	+3 50	+3.55	+3.58	+3.48
19	+3 37	+3.42	+3.44	+3.35
20	+3.23	+3.28	+3 31	+3.21
21	+3.09	+3.14	+3.17	+3 07
22	+2.54	+2.59	+3.02	+2.52
23	+2.39	+2.44	+2.47	+2.37
24	+2.23	+2.28	+2.31	+2.21
25	+2 07	+2.12	+2 15	+2.05
26	+1 51	+1.56	+1.59	+1.48
27	+1 34	+1.39	+1.42	+1.31

5.वेलान्तर सारिणी अगस्त

ता	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि से.	मि से.	मि.से	मि से
28	+1.17	+1 22	+1 25	+1 13
29	+0.59	+1.04	+1.08	+0 55
30	+0.41	+0 46	+0.50	+0 37
31	+0.23	+0.28	+0.32	+0.18

सारिणी सितम्बर

ता.	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि.से.	मि.से.	मि.से	मि.से.
1	+0.04	+0.09	+0.13	–0.01
2	–0 15	–0.10	–0.06	–0 20
3	–0 34	–0.29	–0.25	–0.39
4	–0.54	–0.49	–0.44	–0.59
5	–1.14	–1 09	–1.04	–1.19
6	–1.34	–1 29	–1.24	–1.39
7	–1.54	–1 49	–1.44	–1.59
8	–2.14	–2.09	–2.04	–2.19
9	–2.35	–2.29	–2.24	–2.39
10	–2.56	–2.50	–2 45	–3.00
11	–3.17	–3 11	–3.06	–3 21
12	–3.38	–3 32	–3.27	–3.42
13	–3.59	–3.53	–3.48	–4 03
14	–4.20	–4.14	–4.09	–4.24
15	–4 42	–4 35	–4.30	–4 45
16	–5.04	–4 56	–4.51	–5.07
17	–5.25	–5.18	–5.13	–5.29

5. वेलान्तर सारिणी सितम्बर

ता	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि.से.	मि.से	मि.से.	मि.से.
18	–5 46	–5 39	–5.35	–5.51
19	–6 07	–6.00	–5.56	–6 12
20	–6.28	–6 21	–6.18	–6.33
21	–6 49	–6.42	–6.39	–6.54
22	–7.10	–7.03	–7.00	–7.15
23	–7 31	–7.24	–7.21	–7 36
24	–7 52	–7.45	–7.42	–7.57
25	–8 13	–8.06	–8.03	–8 18
26	–8.33	–8.27	–8.24	–8 38
27	–8 53	–8.48	–8.44	–8.58
28	–9.13	–9 08	–9.04	–9.18
29	–9.33	–9 28	–9.24	–9 38
30	–9.53	–9.48	–9.44	–9 58

5.वेलान्तर सारिणी अक्टूबर

ता	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि.से.	मि से.	मि से.	मि.से
1	–10.13	–10.08	–10.04	–10 17
2	–10.32	–10.28	–10.23	–10.36
3	–10.51	–10.47	–10.42	–10.55
4	–11.10	–11.06	–11.01	–11.14
5	–11.28	–11.24	–11.19	–11.32
6	–11.46	–11 42	–11.37	–11.50
7	–12.03	–11.59	–11.55	–12.07
8	–12.20	–12.16	–12.12	–12.24

5.वेलान्तर सारिणी अक्टूबर

ता	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि से.	मि से	मि.से	मि से.
9	−12.37	−12.33	−12 29	−12 40
10	−12 53	−12 49	−12 45	−12 56
11	−13 09	−13.05	−13.01	−13.11
12	−13 24	−13.20	−13 16	−13.26
13	−13.39	−13.35	−13.31	−13.40
14	−13 53	−13.49	−13.46	−13.54
15	−14 07	−14.03	−14 00	−14.08
16	−14.20	−14.16	−14.14	−14.21
17	−14.33	−14 29	−14 27	−14 34
18	−14.45	−14.41	−14 39	−14 46
19	−14.56	−14 52	−14.51	−14.58
20	−15.07	−15 03	−15.02	−15.10
21	−15 17	−15.13	−15 13	−15.21
22	−15 26	−15 23	−15 23	−15 30
23	−15.35	−15.32	−15 32	−15 38
24	−15.43	−15.40	−15 40	−15.46
25	−15.50	−15 48	−15 48	−15.53
26	−15.57	−15 55	−15 55	−15 59
27	−16 03	−16.01	−16.01	−16.05
28	−16.08	−16.06	−16 06	−16 10
29	−16.12	−16.11	−16 11	−16.14
30	−16.16	−16.15	−16 15	−16 18
31	−16 19	−16 18	−16.18	−16.21

5.वेलान्तर सारिणी नवम्बर

ता	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि.से.	मि.से	मि.से	मि.से.
1	−16 21	−16 20	−16 21	−16.23
2	−16 22	−16.22	−16 23	−16.24
3	−16 23	−16 23	−16 23	−16.24
4	−16 22	−16.23	−16 23	−16.24
5	−16 21	−16 22	−16.22	−16 23
6	−16 19	−16 20	−16.20	−16 21
7	−16.16	−16 17	−16 17	−16.18
8	−16.13	−16 14	−16.13	−16.14
9	−16 09	−16.10	−16 09	−16 09
10	−16 04	−16.05	−16.04	−16.03
11	−15.58	−15 59	−15 58	−15 57
12	−15 51	−15 52	−15.51	−15.50
13	−15.43	−15 44	−15 43	−15.42
14	−15 34	−15.35	−15 35	−15 33
15	−15.25	−15.26	−15.26	−15.23
16	−15.15	−15.16	−15 16	−15 12
17	−15 04	−15 05	−15.05	−15 00
18	−14.52	−14 53	−14.53	−14 48
19	−14 39	−14 40	−14.40	−14 35
20	−14.25	−14.27	−14.26	−14.21
21	−14.10	−14 13	−14.12	−14.06
22	−13.54	−13 58	−13.57	−13.51
23	−13.38	−13.42	−13.41	−13 35
24	−13.21	−13.25	−13.24	−13.18
25	−13 03	−13.08	−13.06	−13.00
26	−12.44	−12.50	−12.47	−12.41
27	−12.25	−12.31	−12.28	−12.22

5.वेलान्तर सारिणी नवम्बर

ता	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि.से.	मि.से.	मि से	मि से
28	−12 05	−12 11	−12 08	−12 02
29	−11.45	−11 51	−11 47	−11 41
30	−11.24	−11.30	−11 26	−11.19

5.वेलान्तर सारिणी दिसम्बर

ता	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि.से	मि से	मि से	मि.से
1	−11.02	−11 08	−11 04	−10 57
2	−10.39	−10.46	−10 41	−10 34
3	−10.16	−10.23	−10 18	−10 11
4	−9.52	−9 59	−9 54	−9 47
5	−9.28	−9 35	−9 30	−9.23
6	−9.03	−9 10	−9 05	−8 58
7	−8 37	−8.45	−8.40	−8.32
8	−8.11	−8.19	−8.14	−8.06
9	−7.45	−7.53	−7.48	−7.39
10	−7.18	−7.26	−7.21	−7 12
11	−6.51	−6.59	−6.53	−6.45
12	−6.23	−6.31	−6 25	−6 17
13	−5 55	−6.03	−5.57	−5.49
14	−5.27	−5.34	−5.29	−5.20
15	−4.58	−5.05	−5.00	−4.51
16	−4.29	−4.36	−4 31	−4.22
17	−4.00	−4 07	−4.02	−3.53
18	−3.30	−3.38	−3 33	−3 23

5. वेलान्तर सारिणी दिसम्बर

ता	प्लुत वर्ष के बाद के वर्ष–			
	1	2	3	4
	मि से	मि से	मि से	मि से
19	−3 00	−3 08	−3.04	−2 53
20	−2 30	−2 38	−2 34	−2 23
21	−2 00	−2 08	−2 04	−1 53
22	−1 30	−1 38	−1 34	−1.23
23	−1.00	−1.08	−1 05	−0 53
24	−0.30	−0 38	−0 36	−0.23
25	−0.00	−0 08	−0 07	+0.07
26	+0 30	+0 22	+0 22	+0.37
27	+1.00	+0 52	+0 51	+1 07
28	+1 29	+1 22	+1 20	+1.36
29	+1 58	+1 51	+1 48	+2 05
30	+2.27	+2 20	+2.16	+2 34
31	+2.56	+2.49	+2.44	+3 03

वेलान्तर सारिणी का उपयोग

इस वेलान्तर सारिणी का उपयोग निम्न प्रकार से कीजिये–

1. जिस सन् की जिस माह की तारीख का वेलान्तर ज्ञात करना हो उस सन् को 4 से विभाजित करने पर शेष यदि 1 है तो 1 अंक के नीचे दिये गये वेलान्तर को लीजिये, 2 है तो 2 अंक के नीचे दिये गये और 3 है तो 3 के नीचे दिये गये वेलान्तर को और यदि 0 है तो 4 के नीचे दिये गये वेलान्तर को लीजिये।

2. उक्त प्रकार से प्राप्त वेलान्तर यदि + में है तो 12 घं. 0 मि. 0 से. में जोडिये और यदि – है तो उसे घटाइये। इस प्रकार जो फल प्राप्त होगा वह स्थानीय स्पष्ट मध्याहन् होगा। इसके स्थल रेखांश के अनुसार स्टेण्डर्ड टाइम रेखांश से जितना अन्तर हो अर्थात यह अंतर यदि– में है तो + करिये और + में है तो – करिये तो अभीष्ट स्थल का स्पष्ट

मध्याहन् समय स्टेण्डर्ड टाइम में आयेगा।

6 घ 0 मि. 0 से. मे चरान्तर जोडने या घटाने पर दिनार्द्ध आता है। अभीष्ट स्थल के स्थानीय स्पष्ट सूर्योदय के लिए 12 घं. 0 मि. 0से. में वेलान्तर + या – करने पर प्राप्त स्पष्ट मध्याहन् में से दिनार्द्ध घटाने पर स्थानीय स्पष्ट सूर्योदय आता है उसमें से वक्रीभवन संस्कार घटाने पर मध्य दृश्य प्रत्यक्ष सूर्योदय लोकल टाइम में आता है। स्टे टा. रेखान्तर पूर्वोक्त प्रकार से जोडने या घटाने पर स्टेण्डर्ड टाइम मे सूर्योदय आता है।

स्पष्ट मध्याहन् में दिनार्द्ध और वक्रीभवन संस्कार जोडने पर प्रत्यक्ष सूर्यास्त स्थानीय समय में आता है उसमें स्टे. टा. रेखान्तर जोडने या घटाने पर प्रत्यक्ष सूर्यास्त का समय अभीष्ट स्थल का प्राप्त होगा।

1 सामान्यतः वेलान्तर के मिनट सेकण्ड

1 जनवरी से 15 अप्रेल तक धन (+)

16 अप्रेल से 13 जून तक ऋण (–)

14 जून से 1 सितम्बर तक धन (+)

2 सितम्बर से 25 दिसम्बर तक ऋण (–) और

26 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक धन (+) होते है।

लेकिन फिर भी सारिणी मे + या– के चिह्नों को देखकर वेलान्तर मिनट सेकण्ड का संस्कार करना चाहिए।

6. राजस्थान के जिला मुख्यालयों के लिए चरान्तर सारिणी

क्र	जिले	उत्तर अक्षाश		रेखाश		रेखातर		1		क्राति 2		3	
		अं	क	अ	क	मि	से.	मि	से	मि	से	मि	से.
01	अजमेर	26	27	74	42	—31	12	2	00	3	59	5	59
02	अलवर	27	34	76	38	—23	28	2	06	4	11	6	16
03	उदयपुर	24	35	73	44	—35	04	1	50	3	40	5	30
04	करोली	26	30	77	04	—21	44	2	00	3	59	5	59
05	कॉकरोली (राजसमंद)	25	02	73	54	—34	24	1	52	3	44	5	37
06	कोटा	25	10	75	52	—26	32	1	53	3	46	5	39
07	चित्तौडगढ	24	54	74	42	—31	12	1	52	3	43	5	35
08	चुरू	28	19	75	01	—29	56	2	10	4	19	6	28
09	जयपुर	26	55	75	52	—26	32	2	02	4	04	6	06
10	जालौर	25	22	72	58	—38	08	1	54	3	48	5	42
11	जैसलमेर	25	55	70	57	—46	12	1	57	3	53	5	50
12	जोधपुर	26	18	73	04	—37	44	1	59	3	57	5	56
13	झालावाड	24	36	74	09	—33	24	1	50	3	40	5	30
14	झुझुनू	28	06	75	25	—28	20	2	08	4	16	6	25
15	टोंक	26	11	75	50	—26	40	1	58	3	56	5	54
16	डूँगरपुर	23	50	73	50	—34	40	1	46	3	32	5	18
17	दौसा	27	39	76	36	—23	26	2	06	4	11	6	18
18	धोलपुर	26	42	77	53	—18	28	2	01	4	01	6	02
19	नागौर	27	11	73	40	—35	20	2	04	4	07	6	10
20	पाली	25	46	73	25	—36	20	1	56	3	52	5	48
21	बाडमेर	25	45	71	25	—44	20	1	56	3	51	5	47
22	बारा	25	05	76	33	—23	48	1	53	3	45	5	37
23	बॉसवाडा	23	33	74	24	—32	24	1	45	3	29	5	14
24	बीकानेर	28	01	73	22	—36	32	2	08	4	15	6	23
25	बूंदी	25	27	75	41	—27	16	1	54	3	48	5	43
26	भरतपुर	27	15	77	30	—20	00	2	04	4	07	6	11
27	भीलवाडा	25	21	74	40	—31	20	1	54	3	47	5	41
28	श्रीगगानगर	29	56	73	52	—34	32	2	19	4	36	6	55
29	सवाई माधोपुर	25	58	76	30	—24	00	1	57	3	54	5	51
30	सिरोही	24	53	72	54	—38	24	1	52	3	43	5	34
31	सीकर	27	36	75	15	—29	00	2	06	4	11	6	17
32	हनुमानगढ	29	35	74	21	—32	36	2	17	4	32	6	49

6. राजस्थान के जिला मुख्यालयों के लिए चरान्तर सारिणी

क्र	जिले	उत्तर अक्षाश		रेखांश		रेखातर		4		क्रांति 5		6	
		अ	क	अ	क	मि.	से	मि	से	मि.	से.	मि	से.
01	अजमेर	26	27	74	42	−31	12	7	58	9	59	11	59
02	अलवर	27	34	76	38	−23	28	8	22	10	28	12	35
03	उदयपुर	24	35	73	44	−35	04	7	20	9	11	11	1
04	करोली	26	30	77	04	−21	44	7	59	10	1	12	1
05	कॉकरोली (राजसमद)	25	02	73	54	−34	24	7	29	9	22	11	15
06	कोटा	25	10	75	52	−26	32	7	32	9	26	11	19
07	चित्तौडगढ	24	54	74	42	−31	12	7	26	9	19	11	11
08	चुरू	28	19	75	01	−29	56	8	38	10	49	12	59
09	जयपुर	26	55	75	52	−26	32	8	08	10	11	12	14
10	जालौर	25	22	72	58	−38	08	7	36	9	31	11	25
11	जैसलमेर	25	55	70	57	−46	12	7	47	9	45	11	43
12	जोधपुर	26	18	73	04	−37	44	7	55	9	55	11	55
13	झालावाड	24	36	74	09	−33	24	7	20	9	11	11	02
14	झुझुनूं	28	06	75	25	−28	20	8	33	10	43	12	52
15	टोक	26	11	75	50	−26	40	7	53	9	52	11	51
16	डूॅगरपुर	23	50	73	50	−34	40	7	05	8	52	10	39
17	दौसा	27	39	76	36	−23	26	8	24	10	31	12	38
18	धोलपुर	26	42	77	53	−18	28	8	03	10	05	12	07
19	नागौर	27	11	73	40	−35	20	8	14	10	18	12	23
20	पाली	25	46	73	25	−36	20	7	44	9	41	11	38
21	बाड़मेर	25	45	71	25	−44	20	7	43	9	40	11	37
22	बारा	25	05	76	33	−23	48	7	30	9	23	11	17
23	बॉसवाड़ा	23	33	74	24	−32	24	6	59	8	44	10	30
24	बीकानेर	28	01	73	22	−36	32	8	32	10	40	12	49
25	बूदी	25	27	75	41	−27	16	7	38	9	33	11	28
26	भरतपुर	27	15	77	30	−20	00	8	15	10	20	12	25
27	भीलवाड़ा	25	21	74	40	−31	20	7	35	9	30	11	25
28	श्रीगंगानगर	29	56	73	52	−34	32	9	14	11	33	13	53
29	सवाई माधोपुर	25	58	76	30	−24	00	7	48	9	46	11	44
30	सिरोही	24	53	72	54	−38	24	7	26	9	18	11	11
31	सीकर	27	36	75	15	−29	00	8	23	10	29	12	36
32	हनुमानगढ	29	35	74	21	−32	36	9	06	11	23	13	41

6. राजस्थान के जिला मुख्यालयों के लिए चरान्तर सारिणी

क्रं	जिले	उत्तर अक्षाश		रेखाश		रेखातर		7		क्राति 8		9	
		अ	क.	अ	क	मि	से	मि	से	मि	से.	मि	से.
01	अजमेर	26	27	74	42	–31	12	14	01	16	02	18	05
02	अलवर	27	34	76	38	–23	28	14	42	16	49	18	58
03	उदयपुर	24	35	73	44	–35	04	12	53	14	44	16	37
04	करोली	26	30	77	04	–21	44	14	02	16	04	18	07
05	कॉकरोली (राजसमद)	25	02	73	54	–34	24	13	09	15	03	16	58
06	कोटा	25	10	75	52	–26	32	13	14	15	09	17	04
07	चित्तौड़गढ	24	54	74	42	–31	12	13	04	14	57	16	52
08	चुरू	28	19	75	01	–29	56	15	10	17	22	19	35
09	जयपुर	26	55	75	52	–26	32	14	18	16	22	18	27
10	जालौर	25	22	72	58	–38	08	13	21	15	17	17	14
11	जैसलमेर	25	55	70	57	–46	12	13	41	15	40	17	39
12	जोधपुर	26	18	73	04	–37	44	13	55	15	56	17	58
13	झालावाड	24	36	74	09	–33	24	12	53	14	45	16	38
14	झुझुनू	28	06	75	25	–28	20	15	02	17	12	19	24
15	टोंक	26	11	75	50	–26	40	13	51	15	51	17	52
16	डूँगरपुर	23	50	73	50	–34	40	12	26	14	14	16	03
17	दौसा	27	39	76	36	–23	26	14	45	16	53	19	02
18	धोलपुर	26	42	77	53	–18	28	14	10	16	12	18	16
19	नागौर	27	11	73	40	–35	20	14	28	16	33	18	40
20	पाली	25	46	73	25	–36	20	16	36	15	33	17	32
21	बाडमेर	25	45	71	25	–44	20	13	35	15	33	17	31
22	बारां	25	05	76	33	–23	48	13	31	15	05	17	00
23	बॉसवाड़ा	23	33	74	24	–32	24	12	16	14	02	15	50
24	बीकानेर	28	01	73	22	–36	32	14	59	17	09	19	20
25	बूंदी	25	27	75	41	–27	16	13	24	15	20	17	18
26	भरतपुर	27	15	77	30	–20	00	14	30	16	36	18	43
27	भीलवाडा	25	21	74	40	–31	20	13	21	15	16	17	13
28	श्रीगंगानगर	29	56	73	52	–34	32	16	13	18	34	20	56
29	सवाई माधोपुर	25	58	76	30	–24	00	13	43	15	42	17	42
30	सिरोही	24	53	72	54	–38	24	13	04	14	56	16	51
31	सीकर	27	36	75	15	–29	00	14	43	16	51	19	00
32	हनुमानगढ़	29	35	74	21	–32	36	15	59	18	18	20	38

6. राजस्थान के जिला मुख्यालयो के लिए सारिणी

क्र	जिले	उत्तर अक्षाश		रेखाश		रेखातर		10		क्राति 11		12	
		अ.	क.	अ.	क	मि	से.	मि.	से	मि.	से	मि.	से
01	अजमेर	26	27	74	42	–31	12	20	08	22	12	24	17
02	अलवर	27	34	76	38	–23	28	21	07	23	18	25	29
03	उदयपुर	24	35	73	44	–35	04	18	30	20	25	22	20
04	करोली	26	30	77	04	–21	44	20	10	22	15	24	20
05	कॉकरोली (राजसमद)	25	02	73	54	–34	24	18	53	20	50	22	48
06	कोटा	25	10	75	52	–26	32	19	00	20	58	22	56
07	चित्तौडगढ़	24	54	74	42	–31	12	18	47	20	43	22	39
08	चुरू	28	19	75	01	–29	56	21	48	24	03	26	19
09	जयपुर	26	55	75	52	–26	32	20	32	22	39	24	47
10	जालौर	25	22	72	58	–38	08	19	11	21	09	23	08
11	जैसलमेर	25	55	70	57	–46	12	19	39	21	41	23	43
12	जोधपुर	26	18	73	04	–37	44	20	00	22	03	24	07
13	झालावाड	24	36	74	09	–33	24	18	31	20	25	22	20
14	झुंझुनूं	28	06	75	25	–28	20	21	36	23	50	26	04
15	टोक	26	11	75	50	–26	40	19	53	21	56	24	00
16	डूँगरपुर	23	50	73	50	–34	40	17	52	19	42	21	33
17	दौसा	27	39	76	36	–23	26	21	12	23	23	25	35
18	धोलपुर	26	42	77	53	–18	28	20	21	22	29	24	33
19	नागौर	27	11	73	40	–35	20	20	47	22	55	25	04
20	पाली	25	46	73	25	–36	20	19	32	21	32	21	32
21	बाड़मेर	25	45	71	25	–44	20	19	31	21	31	23	32
22	बारा	25	05	76	33	–23	48	19	56	20	53	22	51
23	बॉसवाड़ा	23	33	74	24	–32	24	17	38	19	26	21	16
24	बीकानेर	28	01	73	22	–36	32	21	32	23	45	25	59
25	बूदी	25	27	75	41	–27	16	19	15	21	14	23	14
26	भरतपुर	27	15	77	30	–20	00	20	50	22	59	25	09
27	भीलवाड़ा	25	21	74	40	–31	20	19	10	21	08	23	07
28	श्रीगंगानगर	29	56	73	52	–34	32	28	18	25	42	28	08
29	सवाई माधोपुर	25	58	76	30	–24	00	19	42	21	44	23	46
30	सिरोही	24	53	72	54	–38	24	18	46	20	42	22	38
31	सीकर	27	36	75	15	–29	00	21	09	23	20	25	32
32	हनुमानगढ	29	35	74	21	–32	36	22	59	25	21	27	44

6. राजस्थान के जिला मुख्यालयों के लिए चरान्तर सारिणी

क्र.	जिले	उत्तर अक्षाश		रेखाश		रेखातर				क्राति			
								13		14		15	
		अं	क	अ	क	मि	से	मि	से	मि.	से	मि.	से
01	अजमेर	26	27	74	42	—31	12	26	23	28	30	30	38
02	अलवर	27	34	76	38	—23	28	27	41	29	55	32	09
03	उदयपुर	24	35	73	44	—35	04	24	15	26	12	28	10
04	करोली	26	30	77	04	—21	44	26	27	28	34	30	42
05	कॉकरोली (राजसमद)	25	02	73	54	—34	24	24	46	26	45	28	45
06	कोटा	25	10	75	52	—26	32	24	55	26	55	28	56
07	चित्तौडगढ	24	54	74	42	—31	12	24	37	26	35	28	34
08	चुरू	28	19	75	01	—29	56	28	35	30	53	33	12
09	जयपुर	26	55	75	52	—26	32	26	56	29	05	31	16
10	जालौर	25	22	72	58	—38	08	25	08	27	09	29	11
11	जैसलमेर	25	55	70	57	—46	12	25	46	27	50	29	55
12	जोधपुर	26	18	73	04	—37	44	26	13	28	19	30	26
13	झालावाड	24	36	74	09	—33	24	24	16	26	13	28	11
14	झुंझुनूं	28	06	75	25	—28	20	28	19	30	36	32	54
15	टोक	26	11	75	50	—26	40	26	05	28	10	30	17
16	डूँगरपुर	23	50	73	50	—34	40	23	25	25	17	27	11
17	दौसा	27	39	76	36	—23	26	27	48	30	01	32	16
18	धोलपुर	26	42	77	53	—18	28	26	40	28	49	30	58
19	नागौर	27	11	73	40	—35	20	27	15	29	26	31	38
20	पाली	25	46	73	25	—36	20	25	36	27	39	29	43
21	बाडमेर	25	45	71	25	—44	20	25	35	27	37	29	42
22	बारा	25	05	76	33	—23	48	24	49	26	48	28	38
23	बॉसवाडा	23	33	74	24	—32	24	23	06	24	57	26	49
24	बीकानेर	28	01	73	22	—36	32	28	14	30	29	32	47
25	बूंदी	25	27	75	41	—27	16	25	14	27	15	29	18
26	भरतपुर	27	15	77	30	—20	00	27	19	29	30	31	43
27	भीलवाडा	25	21	74	40	—31	20	25	07	27	08	29	10
28	श्रीगंगानगर	29	56	73	52	—34	32	30	34	33	01	35	30
29	सवाई माधोपुर	25	58	76	30	—24	00	25	49	27	54	29	59
30	सिरोही	24	53	72	54	—38	24	24	35	26	34	28	33
31	सीकर	27	36	75	15	—29	00	27	44	29	57	32	12
32	हनुमानगढ	29	35	74	21	—32	36	30	08	32	33	34	59

6. राजस्थान के जिला मुख्यालयों के लिए चरान्तर सारिणी

क्र	जिले	उत्तर अक्षांश		रेखाश		रेखांतर				क्राति			
								16		17		18	
		अ.	क.	अ	क	मि.	से	मि.	से	मि	से	मि	से.
01	अजमेर	26	27	74	42	−31	12	32	48	34	59	37	12
02	अलवर	27	34	76	38	−23	28	34	26	36	44	39	03
03	उदयपुर	24	35	73	44	−35	04	30	09	32	10	34	12
04	करोली	26	30	77	04	−21	44	32	52	35	04	37	17
05	कॉकरोली (राजसमद)	25	02	73	54	−34	24	30	47	32	50	34	55
06	कोटा	25	10	75	52	−26	32	30	58	33	02	35	08
07	चित्तौडगढ़	24	54	74	42	−31	12	30	36	32	38	34	42
08	चुरू	28	19	75	01	−29	56	35	33	37	55	40	20
09	जयपुर	26	55	75	52	−26	32	33	29	35	43	37	59
10	जालौर	25	22	72	58	−38	08	31	15	33	20	35	27
11	जैसलमेर	25	55	70	57	−46	12	32	02	34	10	36	20
12	जोधपुर	26	18	73	04	−37	44	32	35	34	45	36	58
13	झालावाड़	24	36	74	09	−33	24	30	10	32	11	34	13
14	झुंझुनू	28	06	75	25	−28	20	35	13	37	34	39	57
15	टोक	26	11	75	50	−26	40	32	25	34	35	36	46
16	डूँगरपुर	23	50	73	50	−34	40	29	06	31	02	33	00
17	दौसा	27	39	76	36	−23	26	34	33	36	52	39	12
18	धोलपुर	26	42	77	53	−18	28	33	10	35	22	37	37
19	नागौर	27	11	73	40	−35	20	33	52	36	08	38	25
20	पाली	25	46	73	25	−36	20	31	49	33	57	36	05
21	बाड़मेर	25	45	71	25	−44	20	31	48	33	55	36	04
22	बारा	25	05	76	33	−23	48	30	51	32	55	34	59
23	बॉसवाडा	23	33	74	24	−32	24	28	43	30	37	32	34
24	बीकानेर	28	01	73	22	−36	32	35	06	37	27	39	49
25	बूंदी	25	27	75	41	−27	16	31	22	33	28	35	35
26	भरतपुर	27	15	77	30	−20	00	33	58	36	14	38	32
27	भीलवाड़ा	25	21	74	40	−31	20	31	14	33	19	35	25
28	श्रीगंगानगर	29	56	73	52	−34	32	38	00	40	33	43	08
29	सवाई माधोपुर	25	58	76	30	−24	00	32	06	34	15	36	26
30	सिरोही	24	53	72	54	−38	24	30	34	32	36	34	40
31	सीकर	27	36	75	15	−29	00	34	29	36	47	39	07
32	हनुमानगढ	29	35	74	21	−32	36	37	28	39	59	42	31

6. राजस्थान के जिला मुख्यालयों के लिए चरान्तर सारिणी

क्र	जिले	उत्तर अक्षांश		रेखांश.		रेखांतर		क्रांति 19		क्रांति 20		क्रांति 21	
		अ	क	अ	क	मि	से	मि	से	मि	से	मि	से
01	अजमेर	26	27	74	42	−31	12	39	27	41	44	44	03
02	अलवर	27	34	76	38	−23	28	41	25	43	49	46	14
03	उदयपुर	24	35	73	44	−35	04	36	15	38	21	40	28
04	करौली	26	30	77	04	−21	44	39	32	41	50	44	08
05	कॉकरोली (राजसमद)	25	02	73	54	−34	24	37	01	39	09	41	19
06	कोटा	25	10	75	52	−26	32	37	15	39	24	41	34
07	चित्तौडगढ	24	54	74	42	−31	12	36	47	38	55	41	04
08	चुरू	28	19	75	01	−29	56	42	46	45	14	47	45
09	जयपुर	26	55	75	52	−26	32	40	16	42	36	44	57
10	जालौर	25	22	72	58	−38	08	37	35	39	45	41	57
11	जैसलमेर	25	55	70	57	−46	12	38	31	40	45	43	00
12	जोधपुर	26	18	73	04	−37	44	39	11	41	27	43	48
13	झालावाड	24	36	74	09	−33	24	36	17	38	22	40	29
14	झुझुनू	28	06	75	25	−28	20	42	22	44	49	47	19
15	टोंक	26	11	75	50	−26	40	38	59	41	14	43	31
16	डूँगरपुर	23	50	73	50	−34	40	34	59	37	01	39	03
17	दौसा	27	39	76	36	−23	26	41	34	43	58	46	25
18	धोलपुर	26	42	77	53	−18	28	39	53	42	11	44	32
19	नागौर	27	11	73	40	−35	20	40	44	43	06	45	29
20	पाली	25	46	73	25	−36	20	38	16	40	29	42	43
21	बाडमेर	25	45	71	25	−44	20	38	14	40	27	42	41
22	बारा	25	05	76	33	−23	48	37	06	39	14	42	25
23	बॉसवाडा	23	33	74	24	−32	24	34	31	36	31	38	31
24	बीकानेर	28	01	73	22	−36	32	42	14	44	40	47	09
25	बूंदी	25	27	75	41	−27	16	37	43	39	54	42	06
26	भरतपुर	27	15	77	30	−20	00	40	51	43	13	45	37
27	भीलवाडा	25	21	74	40	−31	20	37	33	39	43	41	55
28	श्रीगगानगर	29	56	73	52	−34	32	45	44	48	24	51	05
29	सवाई माधोपुर	25	58	76	30	−24	00	38	37	40	51	43	06
30	सिरोही	24	53	72	54	−38	24	36	45	38	53	41	02
31	सीकर	27	36	75	15	−29	00	41	29	43	53	46	19
32	हनुमानगढ	29	35	74	21	−32	36	45	09	47	42	50	21

6. राजस्थान के जिला मुख्यालयो के लिए चरान्तर सारिणी

क्र	जिले	उत्तर अक्षाश		रेखाश		रेखातर		22		क्राति 23		24	
		अ	क	अ	क	मि	से	मि.	से	मि	से	मि	से
01	अजमेर	26	27	74	42	−31	12	46	23	48	46	51	11
02	अलवर	27	34	76	38	−23	28	48	42	51	13	53	45
03	उदयपुर	24	35	73	44	−35	04	42	36	44	48	47	01
04	करोली	26	30	77	04	−21	44	46	29	48	53	51	18
05	कॉकरोली (राजसमद)	25	02	73	54	−34	24	43	30	45	44	48	00
06	कोटा	25	10	75	52	−26	32	43	46	46	01	48	18
07	चित्तौडगढ	24	54	74	42	−31	12	43	14	45	28	47	42
08	चुरू	28	19	75	01	−29	56	50	17	52	53	55	31
09	जयपुर	26	55	75	52	−26	32	47	21	49	47	52	15
10	जालौर	25	22	72	58	−38	08	44	10	46	26	48	44
11	जैसलमेर	25	55	70	57	−46	12	45	17	47	37	49	58
12	जोधपुर	26	18	73	04	−37	44	46	04	48	26	50	50
13	झालावाड	24	36	74	09	−33	24	42	38	44	49	47	02
14	झुंझुनूं	28	06	75	25	−28	20	49	50	52	24	55	00
15	टोक	26	11	75	50	−26	40	45	50	48	11	50	35
16	डूँगरपुर	23	50	73	50	−34	40	41	07	43	14	45	22
17	दौसा	27	39	76	36	−23	26	48	53	51	24	53	57
18	धोलपुर	26	42	77	53	−18	28	46	53	49	18	51	45
19	नागोर	27	11	73	40	−35	20	47	54	50	22	52	52
20	पाली	25	46	73	25	−36	20	44	59	47	15	49	38
21	बाडमेर	25	45	71	25	−44	20	44	57	47	15	49	36
22	बारा	25	05	76	33	−23	48	43	36	45	51	48	07
23	बॉसवाडा	23	33	74	24	−32	24	40	34	42	39	44	45
24	बीकानेर	28	01	73	22	−36	32	49	39	52	13	54	49
25	बूंदी	25	27	75	41	−27	16	44	20	46	37	48	56
26	भरतपुर	27	15	77	30	−20	00	48	02	50	31	53	01
27	भीलवाडा	25	21	74	40	−31	20	44	08	46	25	48	43
28	श्रीगंगानगर	29	56	73	52	−34	32	53	48	56	36	59	25
29	सवाई माधोपुर	25	58	76	30	−24	00	45	23	47	43	50	05
30	सिरोही	24	53	72	54	−38	24	43	12	45	25	47	40
31	सीकर	27	36	75	15	−29	00	48	46	51	17	53	50
32	हनुमानगढ़	29	35	74	21	−32	36	53	02	55	47	58	34

सायन सूर्य मेष से कन्या तक हो तो क्राति–

उत्तर 21 मार्च से 23 सितम्बर

तुला मीन तक हो तो क्राति–

दक्षिण 23 सितम्बर से 21 मार्च

यहॉ सभी स्थल उत्तर अक्षांश के हैं इसलिए

यदि क्रांति उत्तर हो तो चर संस्कार धन (+)

यदि क्राति दक्षिण हो तो चर संस्कार ऋण (–)

1. 6 घं. 00 मि में चर संस्कार + या – करने पर दिनार्द्ध आता है।
2. 12 00 मे वेलान्तर + या – करने पर स्पष्ट मध्याहन् आता है।
3. स्पष्ट मध्याहन् + दिनार्द्ध = सूर्यास्त स्थानीय समय मे
   ± रेखान्तर = स्टे. टा. में सूर्योदय
4. स्पष्ट मध्याहन् + दिनार्द्ध = सूर्यास्त स्थानीय समय में
   ± रेखान्तर = स्टे. टा. में सूर्यास्त
5. स्पष्ट मध्याहन् + रेखान्तर = स्टे.टा. में स्पष्ट मध्याहन्
6. स्पष्ट सूर्योदय में वक्रीभवन संस्कार = 20 अक्षांश पर 2 मि. 12 से.
   (सूर्य बिम्ब मध्य दृश्य के लिए)

मि. से.

21 अक्षांश पर 2 14

22 अक्षांश पर 2 16

23 अक्षांश पर 2 18

24 अक्षांश पर 2 20

25 अक्षांश पर 2 22

26 अक्षांश पर 2 24

27 अक्षांश पर 2 26

28 अक्षांश पर 2 28

29 अक्षाश पर 2 30

30 अक्षाश पर 2 32

घटाने पर प्रत्यक्षः सूर्योदय और सूर्यास्त में जोडने पर प्रत्यक्ष सूर्यास्त आता है।

नोट – क्रांति एवं वेलान्तर पंचांग से ज्ञात करें या क्रांति और वेलान्तर सारिणियों में ज्ञात कर सकते हैं

7 भारतीय प्रदेशो की राजस्थानियो के लिए चरान्तर सारिणी

क्र	मुख्य शहर (राजधानी)	अक्षाश		रेखांश		रेखांतर IST		क्राति 1		क्राति 2		क्राति 3	
		अ	क	अ.	क	मि	से	मि	से	मि.	से.	मि	से.
1	अगरतला (त्रिपुरा)	23	50	91	25	+35	40	1	46	3	32	5	18
2	इटानगर (अरूणाचल)	27	08	93	40	+44	40	2	03	4	05	6	07
3	इम्फाल (मणिपुर)	24	44	93	58	+45	52	1	51	3	41	5	32
4	ऐजल (मिजोरम)	23	36	93	00	+42	00	1	45	3	30	5	15
5	कलकत्ता (प. बगाल)	22	34	88	24	+23	36	1	40	3	19	4	59
6	कवरती (लक्षद्वीप)	10	24	72	25	−40	20	0	44	1	28	2	12
7	कोहिमा (नागालैंड)	25	40	94	08	+46	32	1	56	3	51	5	46
8	गगटोक (सिक्किम)	27	20	88	40	+24	40	2	04	4	08	6	13
9	गॉधीनगर (गुजरात)	23	15	72	45	−39	00	1	43	3	26	5	10
10	चेन्नई (तमिलनाडु)	13	04	80	17	−8	52	0	56	1	51	2	47
11	चडीगढ (पजाब / हरियाणा)	30	42	76	54	−22	24	2	23	4	45	7	08
12	जम्मू (कश्मीर)	32	43	74	54	−30	24	2	35	5	09	7	43
13	त्रिवेन्द्रम (केरल)	8	29	76	59	−22	04	0	36	1	12	1	47
14	दमन (दमन द्वीप)	20	25	72	53	−38	28	1	30	2	59	4	28
15	दिल्ली	28	38	77	12	−21	12	2	11	4	22	6	33

7. भारतीय प्रदेशो की राजस्थानियों के लिए चरान्तर सारिणी

क्र.	मुख्य शहर (राजधानी)	अक्षांश		रेखांश		रेखांतर IST		क्रांति 1		2		3	
		अ	क	अं	क.	मि	से.	मि.	से	मि	से.	मि	से
16	दिसपुर (आसाम)	26	09	91	50	+37	20	1	58	3	56	5	54
17	पटना (बिहार)	25	37	85	13	+10	52	1	55	3	50	5	46
18	पणजी (गोवा)	15	30	73	55	−34	20	1	07	2	13	3	20
19	पांडिचेरी —	11	56	79	53	−10	28	0	51	1	41	2	32
20	पोर्ट ब्लेयर (अण्डमान निकोबार)	11	40	92	4	+41	04	0	50	1	39	2	29
21	बगलौर (कर्नाटक)	12	58	77	38	−19	28	0	55	1	51	2	46
22	भुवनेश्वर (उडिसा)	20	15	85	52	+13	28	1	29	2	57	4	26
23	भोपाल (मध्यप्रदेश)	23	16	77	36	−19	36	0	50	1	39	2	29
24	मुम्बई (महाराष्ट्र)	18	55	72	50	−38	40	1	22	2	44	4	07
25	लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	26	55	80	59	−6	04	2	02	4	04	6	06
26	शिमला (हिमाचल प्रदेश)	31	06	77	13	−21	08	2	25	4	50	7	15
27	शिलाग (मेघालय)	25	34	91	56	+37	44	1	55	3	49	5	43
28	श्रीनगर (कश्मीर)	34	06	74	51	−30	36	2	43	5	25	8	08
29	सिलवासा (दादरानगर हवेली)	20	12	73	00	−38	00	1	29	2	57	4	25
30	हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)	17	20	78	30	−16	00	1	15	2	30	3	45

7. भारतीय प्रदेशो की राजस्थानियो के लिए चरान्तर सारिणी

क्र	मुख्य शहर (राजधानी)	अक्षाश		रेखाश		रेखातर IST		4		क्राति 5		6	
		अ.	क	अं.	क.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि	से
1	अगरतला (त्रिपुरा)	23	50	91	25	+35	40	7	05	8	52	10	39
2	इटानगर (अरूणाचल)	27	08	93	40	+44	40	8	10	10	14	12	17
3	इम्फाल (मणिपुर)	24	44	93	58	+45	52	7	23	9	15	11	06
4	ऐजल (मिजोरम)	23	36	93	00	+42	00	7	00	8	46	10	32
5	कलकत्ता (प. बंगाल)	22	34	88	24	+23	36	6	40	8	20	10	01
6	कवरती (लक्षद्वीप)	10	24	72	25	−40	20	2	56	3	41	4	25
7	कोहिमा (नागालैड)	25	40	94	08	+46	32	7	42	9	38	11	35
8	गंगटोक (सिक्किम)	27	20	88	40	+24	40	8	17	10	22	12	27
9	गॉधीनगर (गुजरात)	23	15	72	45	−39	00	6	53	8	37	10	21
10	चेन्नई (तमिलनाडु)	13	04	80	17	−8	52	3	43	4	39	5	35
11	चडीगढ (पंजाब / हरियाणा)	30	42	76	54	−22	24	9	31	11	55	14	19
12	जम्मू (कश्मीर)	32	43	74	54	−30	24	10	18	12	53	15	29
13	त्रिवेन्द्रम (केरल)	8	29	76	59	−22	04	2	23	3	00	3	36
14	दमन (दमन द्वीप)	20	25	72	53	−38	28	5	58	7	28	8	58
15	दिल्ली	28	38	77	12	−21	12	8	45	10	57	13	10

7 भारतीय प्रदेशों की राजस्थानियों के लिए चरान्तर सारिणी

क्र	मुख्य शहर (राजधानी)	अक्षांश		रेखांश		रेखांतर IST		4		क्रांति 5		6	
		अ	क.	अ.	क	मि	से.	मि.	से	मि	से.	मि	से
16	दिसपुर (आसाम)	26	09	91	0	+37	20	7	52	9	51	11	50
17	पटना (बिहार)	25	37	85	13	+10	52	7	41	9	37	11	33
18	पणजी (गोवा)	15	30	73	55	−34	20	4	27	5	34	6	41
19	पाडिचेरी —	11	56	79	53	−10	28	3	23	4	14	5	05
20	पोर्ट ब्लेयर (अण्डमान निकोबार)	11	40	92	4	+41	04	3	19	4	08	4	58
21	बंगलौर (कर्नाटक)	12	58	77	38	−19	28	3	41	4	37	5	33
22	भुवनेश्वर (उडिसा)	20	15	85	52	+13	28	5	55	7	24	8	53
23	भोपाल (मध्यप्रदेश)	23	16	77	36	−19	36	3	19	4	09	4	59
24	मुम्बई (महाराष्ट्र)	18	55	72	50	−38	40	5	29	6	52	8	15
25	लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	26	55	80	59	−6	04	8	08	10	11	12	14
26	शिमला (हिमाचल प्रदेश)	31	06	77	13	−21	08	9	40	12	06	14	32
27	शिलाग (मेघालय)	25	34	91	56	+37	44	7	38	9	33	11	29
28	श्रीनगर (कश्मीर)	34	06	74	51	−30	36	10	51	13	35	16	19
29	सिलवासा (दादरानगर हवेली)	20	12	73	00	−38	00	5	54	7	23	8	52
30	हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)	17	20	78	30	−16	00	5	00	6	16	7	31

7 भारतीय प्रदेशो की राजस्थानियो के लिए चरान्तर सारिणी

क्र	मुख्य शहर (राजधानी)	अक्षाश		रेखाश		रेखातर IST		7		क्रांति 8		9	
		अ.	क.	अ	क	मि	से	मि	से	मि	से	मि.	से
1	अगरतला (त्रिपुरा)	23	50	91	25	+35	40	12	26	14	14	16	03
2	इटानगर (अरूणाचल)	27	08	93	40	+44	40	14	21	16	26	18	32
3	इम्फाल (मणिपुर)	24	44	93	58	+45	52	12	58	14	51	16	44
4	ऐजल (मिजोरम)	23	36	93	00	+42	00	12	18	14	05	15	52
5	कलकत्ता (प. बगाल)	22	34	88	24	+23	36	11	42	13	23	15	06
6	कवरती (लक्षद्वीप)	10	24	72	25	−40	20	5	10	5	55	6	40
7	कोहिमा (नागालैड)	25	40	94	08	+46	32	13	32	15	29	17	28
8	गगटोक (सिक्किम)	27	20	88	40	+24	40	14	33	16	40	18	47
9	गॉधीनगर (गुजरात)	23	15	72	45	−39	00	12	06	13	50	15	35
10	चेन्नई (तमिलनाडु)	13	04	80	17	−8	52	6	32	7	28	8	26
11	चंडीगढ़ (पजाब / हरियाणा)	30	42	76	54	−22	24	16	44	19	9	21	35
12	जम्मू (कश्मीर)	32	43	74	54	−30	24	18	06	20	43	23	22
13	त्रिवेन्द्रम (केरल)	8	29	76	59	−22	04	4	12	4	48	5	25
14	दमन (दमन द्वीप)	20	25	72	53	−38	28	10	29	11	59	13	31
15	दिल्ली	28	38	77	12	−21	12	15	23	17	36	19	51

7. भारतीय प्रदेशो की राजस्थानियों के लिए चरान्तर सारिणी

क्र.	मुख्य शहर (राजधानी)	अक्षाश		रेखाश		रेखातर IST		7		क्रांति 8		9	
		अ.	क	अं	क	मि	से	मि.	से	मि	से	मि	से
16	दिसपुर (आसाम)	26	09	91	0	+37	20	13	50	15	49	17	51
17	पटना (बिहार)	25	37	85	13	+10	52	13	30	15	27	17	25
18	पणजी (गोवा)	15	30	73	55	−34	20	7	48	8	56	10	04
19	पांडिचेरी —	11	56	79	53	−10	28	5	57	6	48	7	40
20	पोर्ट ब्लेयर (अण्डमान निकोबार)	11	40	92	4	+41	04	5	49	6	39	7	30
21	बगलौर (कर्नाटक)	12	58	77	38	−19	28	6	29	7	25	8	22
22	भुवनेश्वर (उडिसा)	20	15	85	52	+13	28	10	23	1	53	13	24
23	भोपाल (मध्यप्रदेश)	23	16	77	36	−19	36	5	49	6	39	7	30
24	मुम्बई (महाराष्ट्र)	18	55	72	50	−38	40	9	39	11	02	12	27
25	लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	26	55	80	59	−6	04	14	18	16	22	18	27
26	शिमला (हिमाचल प्रदेश)	31	06	77	13	−21	08	17	00	19	27	21	56
27	शिलाग (मेघालय)	25	34	91	56	+37	44	13	25	15	21	17	19
28	श्रीनगर (कश्मीर)	34	06	74	51	−30	36	19	05	21	50	24	38
29	सिलवासा (दादरानगर हवेली)	20	12	73	00	−38	00	10	21	11	51	13	22
30	हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)	17	20	78	30	−16	00	8	47	10	03	11	20

7 भारतीय प्रदेशों की राजस्थानियों के लिए चरान्तर सारिणी

क्रं.	मुख्य शहर (राजधानी)	अक्षाश		रेखाश		रेखातर IST		10		क्राति 11		12	
		अ.	क.	अं.	क.	मि.	से.	मि.	से.	मि	से.	मि.	से
1	अगरतला (त्रिपुरा)	23	50	91	25	+35	40	17	52	19	42	21	33
2	इटानगर (अरूणाचल)	27	08	93	40	+44	40	20	38	22	45	24	53
3	इम्फाल (मणिपुर)	24	44	93	58	+45	52	18	38	20	33	22	29
4	ऐजल (मिजोरम)	23	36	93	00	+42	00	17	40	19	29	21	19
5	कलकत्ता (प. बंगाल)	22	34	88	24	+23	36	16	48	18	32	20	17
6	कवरत्ती (लक्षद्वीप)	10	24	72	25	−40	20	7	25	8	11	8	57
7	कोहिमा (नागालैंड)	25	40	94	08	+46	32	19	27	21	27	23	27
8	गगटोक (सिक्किम)	27	20	88	40	+24	40	20	55	23	04	25	14
9	गॉधीनगर (गुजरात)	23	15	72	45	−39	00	17	22	19	10	20	58
10	चेन्नई (तमिलनाडु)	13	04	80	17	−8	52	9	23	10	21	11	19
11	चंडीगढ (पंजाब/हरियाणा)	30	42	76	54	−22	24	24	02	26	31	29	01
12	जम्मू (कश्मीर)	32	43	74	54	−30	24	26	01	28	42	31	24
13	त्रिवेन्द्रम (केरल)	8	29	76	59	−22	04	6	02	6	39	7	16
14	दमन (दमन द्वीप)	20	25	72	53	−38	28	15	03	16	36	18	09
15	दिल्ली	28	38	77	12	−21	12	22	06	24	22	26	40

7. भारतीय प्रदेशों की राजस्थानियों के लिए चरान्तर सारिणी

क्र.	मुख्य शहर (राजधानी)	अक्षाश		रेखाश		रेखातर IST		10		क्राति 11		12	
		अं	क	अ.	क	मि.	से.	मि	से	मि	से	मि.	से
16	दिसपुर (आसाम)	26	09	91	0	+37	20	19	52	21	55	23	58
17	पटना (बिहार)	25	37	85	13	+10	52	19	24	21	24	23	24
18	पणजी (गोवा)	15	30	73	55	−34	20	11	13	12	22	13	31
19	पांडिचेरी —	11	56	79	53	−10	28	8	32	9	25	10	18
20	पोर्ट ब्लेयर (अण्डमान निकोबार)	11	40	92	4	+41	04	8	21	9	12	10	04
21	बंगलौर (कर्नाटक)	12	58	77	38	−19	28	9	18	10	16	11	14
22	भुवनेश्वर (उडिसा)	20	15	85	52	+13	28	14	55	16	27	17	58
23	भोपाल (मध्यप्रदेश)	23	16	77	36	−19	36	8	21	09	13	10	04
24	मुम्बई (महाराष्ट्र)	18	55	72	50	−38	40	13	51	15	17	16	43
25	लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	26	55	80	59	−6	04	20	32	22	39	24	47
26	शिमला (हिमाचल प्रदेश)	31	06	77	13	−21	08	24	25	26	56	29	28
27	शिलांग (मेघालय)	25	34	91	56	+37	44	19	16	21	15	23	15
28	श्रीनगर (कश्मीर)	34	06	74	51	−30	36	27	25	30	15	33	06
29	सिलवासा (दादरानगर हवेली)	20	12	73	00	−38	00	14	53	16	24	17	57
30	हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)	17	20	78	30	−16	00	12	37	13	55	15	13

7. भारतीय प्रदेशों की राजस्थानियों के लिए चरान्तर सारिणी

क्रं.	मुख्य शहर (राजधानी)	अक्षाश		रेखांश		रेखांतर IST		क्राति 13		14		15	
		अं.	क.	अं.	क.	मि.	से.	मि	से.	मि	से.	मि	से.
1	अगरतला (त्रिपुरा)	23	50	91	25	+35	40	23	25	25	17	27	11
2	इटानगर (अरूणाचल)	27	08	93	40	+44	40	27	02	29	12	31	24
3	इम्फाल (मणिपुर)	24	44	93	58	+45	52	24	26	26	23	28	22
4	ऐजल (मिजोरम)	23	36	93	00	+42	00	23	10	25	01	26	53
5	कलकत्ता (प. बगाल)	22	34	88	24	+23	36	22	02	23	47	25	34
6	कवरती (लक्षद्वीप)	10	24	72	25	−40	20	9	43	10	29	11	16
7	कोहिमा (नागालैंड)	25	40	94	08	+46	32	25	29	27	32	29	35
8	गंगटोक (सिक्किम)	27	20	88	40	+24	40	27	25	29	37	31	50
9	गॉधीनगर (गुजरात)	23	15	72	45	−39	00	22	46	24	36	26	26
10	चेन्नई (तमिलनाडु)	13	04	80	17	−8	52	12	17	13	16	14	16
11	चंडीगढ (पजाब/हरियाणा)	30	42	76	54	−22	24	31	31	34	03	36	37
12	जम्मू (कश्मीर)	32	43	74	54	−30	24	34	07	36	52	39	38
13	त्रिवेन्द्रम (केरल)	8	29	76	59	−22	04	07	54	8	32	9	10
14	दमन (दमन द्वीप)	20	25	72	53	−38	28	19	43	21	18	22	53
15	दिल्ली	28	38	77	12	−21	12	28	58	31	18	33	39

7 भारतीय प्रदेशों की राजस्थानियो के लिए चरान्तर सारिणी

क्रं.	मुख्य शहर (राजधानी)	अक्षांश		रेखाश		रेखांतर IST		13		क्राति 14		15	
		अ	क.	अ.	क	मि	से.	मि.	से.	मि	से	मि	से.
16	दिसपुर (आसाम)	26	09	91	0	+37	20	26	02	28	07	30	14
17	पटना (बिहार)	25	37	85	13	+10	52	25	26	27	28	29	31
18	पणजी (गोवा)	15	30	73	55	−34	20	14	41	15	51	17	02
19	पांडिचेरी —	11	56	79	53	−10	28	11	11	12	05	12	59
20	पोर्ट ब्लेयर (अण्डमान निकोबार)	11	40	92	4	+41	04	10	56	11	48	12	41
21	बंगलौर (कर्नाटक)	12	58	77	38	−19	28	12	12	13	10	14	09
22	भुवनेश्वर (उडिसा)	20	15	85	52	+13	28	19	33	21	06	22	41
23	भोपाल (मध्यप्रदेश)	23	16	77	36	−19	36	10	57	11	51	12	42
24	मुम्बई (महाराष्ट्र)	18	55	72	50	−38	40	18	09	19	36	21	04
25	लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	26	55	80	59	−6	04	26	26	29	05	31	16
26	शिमला (हिमाचल प्रदेश)	31	06	77	13	−21	08	32	01	34	36	37	12
27	शिलाग (मेघालय)	25	34	91	56	+37	44	25	16	27	17	29	20
28	श्रीनगर (कश्मीर)	34	06	74	51	−30	36	35	59	38	52	41	48
29	सिलवासा (दादरानगर हवेली)	20	12	73	00	−38	00	19	30	21	03	22	38
30	हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)	17	20	78	30	−16	00	16	32	17	51	19	11

7. भारतीय प्रदेशों की राजस्थानियों के लिए चरान्तर सारिणी

क्रं.	मुख्य शहर (राजधानी)	अक्षांश		रेखाश		रेखांतर IST		16		क्रांति 17		18	
		अं.	क.	अं.	क.	मि.	से.	मि.	से.	मि	से.	मि.	से.
1	अगरतला (त्रिपुरा)	23	50	91	25	+35	40	29	06	31	02	33	00
2	इटानगर (अरूणाचल)	27	08	93	40	+44	40	33	37	35	52	38	08
3	इम्फाल (मणिपुर)	24	44	93	58	+45	52	30	22	32	23	34	26
4	ऐजल (मिजोरम)	23	36	93	00	+42	00	28	47	30	42	32	39
5	कलकत्ता (प. बंगाल)	22	34	88	24	+23	36	27	22	29	12	31	02
6	कवरती (लक्षद्वीप)	10	24	72	25	−40	20	12	04	12	52	13	40
7	कोहिमा (नागालैंड)	25	40	94	08	+46	32	31	41	33	48	35	56
8	गंगटोक (सिक्किम)	27	20	88	40	+24	40	34	05	36	22	38	40
9	गॉधीनगर (गुजरात)	23	15	72	45	−39	00	28	18	30	11	32	06
10	चेन्नई (तमिलनाडु)	13	04	80	17	−8	52	15	16	16	16	17	18
11	चंडीगढ़ (पंजाब / हरियाणा)	30	42	76	54	−22	24	39	12	41	50	44	30
12	जम्मू (कश्मीर)	32	43	74	54	−30	24	42	27	45	18	48	11
13	त्रिवेन्द्रम (केरल)	8	29	76	59	−22	04	9	48	10	27	11	07
14	दमन (दमन द्वीप)	20	25	72	53	−38	28	14	30	26	08	27	47
15	दिल्ली	28	38	77	12	−21	12	36	01	38	26	40	52

7. भारतीय प्रदेशों की राजस्थानियों के लिए चरान्तर सारिणी

क्रं.	मुख्य शहर (राजधानी)	अक्षांश		रेखाश		रेखांतर IST				क्राति			
								16		17		18	
		अं.	क.	अं.	क.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से	मि.	से
16	दिसपुर (आसाम)	26	09	91	0	+37	20	32	22	34	32	36	43
17	पटना (बिहार)	25	37	85	13	+10	52	31	36	33	42	35	51
18	पणजी (गोवा)	15	30	73	55	−34	20	18	14	19	27	20	41
19	पाडिचेरी —	11	56	79	53	−10	28	13	54	14	49	15	45
20	पोर्ट ब्लेयर (अण्डमान निकोबार)	11	40	92	4	+41	04	13	35	14	29	15	23
21	बंगलौर (कर्नाटक)	12	58	77	38	−19	28	15	09	16	09	17	10
22	भुवनेश्वर (उड़िसा)	20	15	85	52	+13	28	24	17	25	54	27	32
23	भोपाल (मध्यप्रदेश)	23	16	77	36	−19	36	13	35	14	29	15	24
24	मुम्बई (महाराष्ट्र)	18	55	72	50	−38	40	22	33	24	03	25	34
25	लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	26	55	80	59	−6	04	33	29	35	43	37	59
26	शिमला (हिमाचल प्रदेश)	31	06	77	13	−21	08	39	50	42	30	45	12
27	शिलांग (मेघालय)	25	34	91	56	+37	44	31	24	33	30	35	37
28	श्रीनगर (कश्मीर)	34	06	74	51	−30	36	44	46	47	47	50	50
29	सिलवासा (दादरानगर हवेली)	20	12	73	00	−38	00	24	13	25	50	27	27
30	हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)	17	20	78	30	−16	00	20	32	21	54	23	17

7. भारतीय प्रदेशों की राजस्थानियों के लिए चरान्तर सारिणी

क्रं.	मुख्य शहर (राजधानी)	अक्षांश		रेखांश		रेखांतर IST		क्राति 19		20		21	
		अं.	क.	अं.	क.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.
1	अगरतला (त्रिपुरा)	23	50	91	25	+35	40	34	59	57	01	39	03
2	इटानगर (अरूणाचल)	27	08	93	40	+44	40	40	26	42	47	45	09
3	इम्फाल (मणिपुर)	24	44	93	58	+45	52	36	30	38	37	40	45
4	ऐजल (मिजोरम)	23	36	93	00	+42	00	34	36	36	36	38	37
5	कलकत्ता (प. बंगाल)	22	34	88	24	+23	36	32	54	34	48	36	43
6	कवरती (लक्षद्वीप)	10	24	72	25	−40	20	19	29	15	19	16	10
7	कोहिमा (नागालैंड)	25	40	94	08	+46	32	38	06	40	18	42	32
8	गंगटोक (सिक्किम)	27	20	88	40	+24	40	41	00	43	23	45	47
9	गाँधीनगर (गुजरात)	23	15	72	45	−39	00	34	01	35	59	37	58
10	चेन्नई (तमिलनाडु)	13	04	80	17	−8	52	18	20	19	23	20	27
11	चंडीगढ़ (पंजाब / हरियाणा)	30	42	76	54	−22	24	47	11	49	56	52	42
12	जम्मू (कश्मीर)	32	43	74	54	−30	24	51	07	54	05	57	07
13	त्रिवेन्द्रम (केरल)	8	29	76	59	−22	04	11	47	12	27	13	08
14	दमन (दमन द्वीप)	20	25	72	53	−38	28	29	27	31	09	32	52
15	दिल्ली	28	38	77	12	−21	12	43	20	45	51	48	24

7. भारतीय प्रदेशों की राजस्थानियों के लिए चरान्तर सारिणी

क्र.	मुख्य शहर (राजधानी)	अक्षांश		रेखाश		रेखातर IST		क्राति 19		20		21	
		अं.	क.	अं.	क.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.
16	दिसपुर (आसाम)	26	09	91	0	+37	20	38	56	41	11	43	28
17	पटना (बिहार)	25	37	85	13	+10	52	38	01	40	12	42	26
18	पणजी (गोवा)	15	30	73	55	−34	20	21	55	23	10	24	27
19	पांडिचेरी —	11	56	79	53	−10	28	16	41	17	39	18	37
20	पोर्ट ब्लेयर (अण्डमान निकोबार)	11	40	92	4	+41	04	16	19	17	15	18	11
21	बंगलौर (कर्नाटक)	12	58	77	38	−19	28	18	11	19	14	20	17
22	भुवनेश्वर (उड़िसा)	20	15	85	52	+13	28	29	11	30	52	32	34
23	भोपाल (मध्यप्रदेश)	23	16	77	36	−19	36	16	19	17	16	18	12
24	मुम्बई (महाराष्ट्र)	18	55	72	50	−38	40	27	06	28	40	30	14
25	लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	26	55	80	59	−6	04	40	16	42	36	44	57
26	शिमला (हिमाचल प्रदेश)	31	06	77	13	−21	08	47	57	50	44	53	33
27	शिलाग (मेघालय)	25	34	91	56	+37	44	37	46	39	57	42	09
28	श्रीनगर (कश्मीर)	34	06	74	51	−30	36	53	55	57	04	60	16
29	सिलवासा (दादरानगर हवेली)	20	12	73	00	−38	00	29	07	30	47	32	29
30	हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)	17	20	78	30	−16	00	24	40	26	06	27	32

7. भारतीय प्रदेशो की राजस्थानियों के लिए चरान्तर सारिणी

क्रं	मुख्य शहर (राजधानी)	अक्षाश		रेखांश		रेखातर IST		22		क्राति 23		24	
		अ.	क.	अ	क.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.
1	अगरतला (त्रिपुरा)	23	50	91	25	+35	40	41	07	43	14	45	22
2	इटानगर (अरूणाचल)	27	08	93	40	+44	40	47	33	50	00	52	28
3	इम्फाल (मणिपुर)	24	44	93	58	+45	52	42	54	45	07	47	21
4	ऐजल (मिजोरम)	23	36	93	00	+42	00	40	40	42	45	44	52
5	कलकत्ता (प बंगाल)	22	34	88	24	+23	36	38	40	40	39	42	39
6	कवरत्ती (लक्षद्वीप)	10	24	72	25	−40	20	17	00	17	52	18	45
7	कोहिमा (नागालैंड)	25	40	94	08	+46	32	44	47	47	05	49	25
8	गंगटोक (सिक्किम)	27	20	88	40	+24	40	48	13	50	42	53	13
9	गॉधीनगर (गुजरात)	23	15	72	45	−39	00	39	59	42	02	44	06
10	चेन्नई (तमिलनाडु)	13	04	80	17	−8	52	21	31	22	37	23	43
11	चडीगढ़ (पजाब / हरियाणा)	30	42	76	54	−22	24	55	31	58	24	61	19
12	जम्मू (कश्मीर)	32	43	74	54	−30	24	60	10	63	18	66	28
13	त्रिवेन्द्रम (केरल)	8	29	76	59	−22	04	13	49	14	32	15	14
14	दमन (दमन द्वीप)	20	25	72	53	−38	28	34	36	36	22	38	09
15	दिल्ली	28	38	77	12	−21	12	50	58	53	36	56	16

7. भारतीय प्रदेशों की राजस्थानियों के लिए चरान्तर सारिणी

क्रं.	मुख्य शहर (राजधानी)	अक्षांश		रेखांश		रेखांतर IST		क्रांति 22		23		24	
		अं.	क.	अं.	क.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.
16	दिसपुर (आसाम)	26	09	91	0	+37	20	45	46	48	07	50	30
17	पटना (बिहार)	25	37	85	13	+10	52	44	41	46	59	49	18
18	पणजी (गोवा)	15	30	73	55	−34	20	25	44	27	02	28	22
19	पांडिचेरी —	11	56	79	53	−10	28	19	35	20	35	21	35
20	पोर्ट ब्लेयर (अण्डमान निकोबार)	11	40	92	4	+41	04	19	09	20	07	21	06
21	बंगलौर (कर्नाटक)	12	58	77	38	−19	28	21	21	22	26	23	32
22	भुवनेश्वर (उड़िसा)	20	15	85	52	+13	28	34	17	36	02	37	49
23	भोपाल (मध्यप्रदेश)	23	16	77	36	−19	36	19	10	20	08	21	07
24	मुम्बई (महाराष्ट्र)	18	55	72	50	−38	40	31	50	33	28	35	06
25	लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	26	55	80	59	−6	04	47	21	49	47	52	15
26	शिमला (हिमाचल प्रदेश)	31	06	77	13	−21	08	56	25	59	21	62	19
27	शिलांग (मेघालय)	25	34	91	56	+37	44	44	23	46	40	48	59
28	श्रीनगर (कश्मीर)	34	06	74	51	−30	36	63	30	66	49	70	11
29	सिलवासा (दादरानगर हवेली)	20	12	73	00	−38	00	34	11	35	56	37	42
30	हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)	17	20	78	30	−16	00	28	58	30	27	31	51

15. लग्न एवं दशम भाव सारिणी निर्माण संबंधी सारिणियाँ

1. स्थल अक्षांश की भौगोलिक एवं खगौलिक पलभा

अक्षांश	भौगोलिक पलभा			खगौलिक पलभा		
	अ.	व्यं.	प्र.	अ.	व्यं.	प्रव्यं
1	0	12	34	0	12	29
2	0	25	09	0	24	59
3	0	37	44	0	37	29
4	0	50	21	0	51	01
5	1	03	00	1	02	34
6	1	15	41	1	15	10
7	1	28	24	1	27	49
8	1	41	11	1	40	31
9	1	54	02	1	53	16
10	2	06	57	2	06	06
11	2	19	57	2	19	01
12	2	33	02	2	33	01
13	2	46	14	2	45	07
14	2	59	31	2	58	19
15	3	12	55	3	11	38
16	3	26	27	3	25	04
17	3	40	08	3	38	39
18	3	53	57	3	52	23
19	4	7	55	4	6	15
20	4	22	04	4	20	18
21	4	36	23	4	34	32
22	4	50	54	4	48	57
23	5	05	37	5	03	35
24	5	20	34	5	18	25
25	5	35	44	5	23	30
26	5	51	10	5	48	49
27	6	06	52	6	04	24
28	6	22	50	6	20	16

अक्षांश	भौगोलिक पलभा			खगौलिक पलभा		
	अ.	व्यं.	प्र.	अ.	व्यं.	प्रव्यं
29	6	39	06	6	36	26
30	6	55	42	6	52	55
31	7	12	37	7	09	43
32	7	29	54	7	26	54
33	7	47	34	7	44	27
34	8	05	39	8	02	24
35	8	24	09	8	20	47
36	8	43	07	8	39	37
37	9	02	34	8	58	56
38	9	22	32	9	18	45
39	9	43	03	9	39	09
40	10	04	09	10	00	06
41	10	25	53	10	21	42
42	10	48	17	10	43	57
43	11	11	25	11	06	55
44	11	35	18	11	30	39
45	12	00	00	11	55	11
46	12	25	35	12	20	36
47	12	52	06	12	46	56
48	13	19	38	13	14	17
49	13	48	16	13	42	43
50	14	18	04	14	12	19
51	14	49	08	14	43	10
52	15	21	33	15	15	23
53	15	55	28	15	49	04
54	16	31	00	16	24	21
55	17	08	16	17	01	23
56	17	47	27	17	40	18

15. लग्न एवं दशम भाव सारिणी निर्माण संबंधी सारिणियॉ

1. स्थल अक्षांश की भौगोलिक एवं खगौलिक पलभा

अक्षांश	भौगोलिक पलभा अ.व्य.प्र.	खगौलिक पलभा अ.व्यं.प्रव्य
57	18 28 42	18 21 17
58	19 12 14	19 04 31
59	19 58 17	19 50 15
60	20 47 05	20 38 44
61	21 38 55	21 30 13
62	22 34 07	22 25 04

अक्षाश	भौगोलिक पलभा अ.व्यं.प्र	खगौलिक पलभा अ.व्यं.प्रव्यं
63	23 33 05	23 23 37
64	24 36 13	24 26 20
65	25 44 03	25 33 42
66	26 57 09	26 46 19
67	28 16 13	28 04 51
68	29 42 04	29 30 09

2.पलभा पर से अक्षांश ज्ञात करना (प्राचीनमतानुसार)

सामान्य नियम यह कि–

1.पलभा में 5 का गुणा करने पर जो फल प्राप्त हो उसे अंश कला विकला मानकर अलग रख दीजिये।

2.अब पुनः पलभा में पलभा का गुणा करने पर अर्थात् पलभा का वर्ग करने पर प्राप्त अश कला विकला में 10 का भाग देने पर जो फल प्राप्त हो उसे पूर्व में (वं.1 में) अलग रखे अंश कला विकला में से घटा दीजिये। यही उस स्थल का अक्षांश होता है।

उदाहरण–

(अक्षाश 24 की) पलभा 5 अं. 20 व्यंगुल 34 प्र.व्य. दी है। इस पलभा पर से हमें अक्षांश ज्ञात करना है।

1.	अंगुल	व्यं.	प्रति व्यंगुल
	5	20	34
			X5
	26	42	50

अब उक्त फल 26 अंश 42 कला 50 विकला जो प्राप्त हुआ इसे अलग रख दिया।

34x5 = 170÷60

= 2 व्युंगल 50 प्रति व्युंगल

20 x 5 = 100+2 = 102

102 ÷ 60 = 1 अ. 42 व्यं.

5 x 5 = 25+1 = 26 अंश

2. अब पुनः पलभा में पलभा का गुणा किया। =

पलभा = 5 अंगुल 20 व्युंगल 34 प्र. व्युंगल के अंगुल बनाने के लिए प्रति व्युगल मे 60 का भाग दिया = $\frac{34}{60} = \frac{17}{30}$ ये व्युंगल हुए।

इन $\frac{17}{30}$ व्युंगल में 20 व्युंगल जोड दिए।

$= 20\frac{17}{30} = \frac{617}{30}$ व्युगल हुए। इनमें 60 का भाग देने पर

$= \frac{617}{30} \times \frac{1}{60} = \frac{617}{1800}$ अगुल

प्राप्त हुए इनमें 5 अंगुल जोड़ने पर

$= 5\frac{617}{1800} = \frac{9617}{1800}$ अंगुल हुए। इन अंगुलों में इन्हीं का पुनः गुणा किया।

$= \frac{9617}{1800} \times \frac{9617}{1800} = \frac{92486689}{3240000} = 28.54527438$

अंशादि प्राप्त हुए। इनमे 10 का भाग दिया। = 2.854527438 अश = 2 अंश 51 कला 16 विकला प्राप्त हुए। इन्हे पूर्व में प्राप्त

26 अंश 42 कला 50 विकला में से घटाया

− 2 अंश 51 कला 16 विकला

= 23 अंश 51 कला 34 विकला

प्राप्त हुए जो 24 अक्षांश के निकट है।

3. पलभा पर से अक्षांश ज्ञात करने की आधुनिक विधि –

पलभा के अगुल व्यंगुल प्रति व्युगल के पूर्वोक्त प्रकार से अगुल बनाकर उनमें 12 का भाग दीजिए। भाग देने पर जो फल प्राप्त होता है वह स्पर्शज्या का मान होता है। यह स्पर्शज्या के जिस अंश कला के कॉलम में मिले वही अक्षांश होता है। यह विधि पूर्वोक्त विधि से सरल और अधिक सूक्ष्म है।

पूर्व में दिए उदाहरण की पलभा से अक्षांश ज्ञात करते हैं।

पलभा 5 अंगुल 20 व्युगल 34 प्रति व्युंगल

इसके अंगुल पूर्वोक्त उदाहरण के अनुसार $= \frac{9617}{1800}$

आये इनमे 12 का भाग दिया $\frac{9617}{1800} \times \frac{1}{12} = \frac{9617}{1800 \times 12}$

9617 में 21600 का भाग दिया तो भागफल = 0.4452 प्राप्त हुआ।

स्पर्शज्या का मान दशमलव चार स्थानो तक पर्याप्त होता है।

इस मान को स्पर्शज्या के 24 अश के कॉलम में पाया। अतः यह पलभा 24 अक्षाश की हुई।

4. पलभा पर से चर खंड ज्ञात करना – (प्राचीनमतानुसार)

1	पलभा	X	10 =	प्रथम चरखंड
2.	पलभा	X	8 =	द्वितीय चरखंड
3.	पलभा	X	$\frac{10}{3}$ =	तृतीय चरखंड

नोट :– पलभा मे गुणा करने पर अंगुल का मान रहने देना चाहिए। व्युगल का उडा देना चाहिए।

5. चरखड पर से उदयमान (राशियो के)

लंकोदय मान अर्थात् शून्य अक्षाश की राशियो के उदयमान में अभीष्ट स्थल के तीनो प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय चरखंड क्रमश. मेष, वृषभ, मिथुन के उदयमान मे से घटाओं फिर उक्त चरखंड को उल्टे कम से अर्थात् तृतीय द्वितीय प्रथम को कर्क, सिंह, कन्या के उदयमान में जोडो तो वही उस स्थल के अक्षांश की राशियों के उदयमान होंगें।

6. उदयमान पर से लग्नःसारिणी तैयार करना – (प्राचीनमतानुसार)

शून्य राश्यादि 0रा. 0अ. 0क. 0वि. में से अयनांश घटाइए। शेष राश्यादि के कॉलम में 0 0 0 घटी पल विपल रख दिजिये। अब मेषादि राशियों के उदय के पलात्मक मान में 30 का भाग देकर पल विपल प्रति विपल प्राप्त करिये यही प्रत्येक राशि की पलात्मक गति होगी। इसे 0 घडी 0पल 0 विपल के पश्चात् 30 अश तक जोडते जाओ। इस प्रकार पूरी लग्न सारिणी तैयार होगी।

यह लग्न सारिणी घटी पल की है।

इसमें लग्न राशि की गति 30 अंश तक समान दी गई है। लेकिन नवीन पद्धति की लग्न सारिणी में प्रत्येक राशि की 10.10 अंश पर गति परिवर्तित होती है।

7. नवीन पद्धति से लग्न सारिणी के उदयमान (सेकण्ड मे)

प्रसिद्ध गणितज्ञ श्री दत्तात्रेय कृष्णराव सुले ने 'द्वादश भाव साधन पद्धति' में लग्न सारिणी तैयार करने की जो विधि बताई है वह निम्न प्रकार है –

सायन (शून्य अक्षांश) उदयमान (लंकोदय) सेकड में

राशि अंश	1 से 10 सेकण्ड	11 से 20 सेकण्ड	21 से 30 सेकण्ड
मेष / मीन	2205	2226	2267
वृषभ / कुभ	2323	2392	2463
मिथुन / मकर	2531	2582	2611
कर्क / धनु	2611	2582	2531
सिंह / वृश्चिक	2463	2392	2323
कन्या / तुला	2267	2226	2205

स्थल अक्षांश की पलभा के अंगुल व्यंगुल एवं प्रति व्यंगुल के अंगुल बनाकर 10,000 का गुणा करने पर पलभा सेकण्ड आते हैं।

1 अंगुल = 10,000 सेकण्ड । 1 व्यंगुल = 166.67 सेकण्ड

1 प्रति व्यंगुल = 2.78 सेकण्ड होते हैं।

8. चरखण्ड ज्ञात करना (नवीन पद्धति)

राशि	अंश 1–10 गुणक	अंश 11–20 गुणक	अंश 21–30 गुणक
मेष / मीन	79	78	75
वृषभ / कुंभ	71	64	54
मिथुन / मकर	43	25	9
कर्क / धनु	9	25	43
सिंह / वृश्चिक	54	64	71
कन्या / तुला	75	78	79

पलभा सेकण्ड में इन गुणकों का गुणा करके 10000 का भाग देने पर प्रत्येक राशियों के 1 से 10, 11 से 20, 21 से 30 अंश के चरखंड प्राप्त होते है। मेष से मिथुन राशि तक के चरखंड लकोदय के उदयमान में से घटाने और कर्क से कन्या तक के चरखंड जोड़ने पडते हैं।

जैसे अक्षांश 1 की खगौलिक पलभा अ.व्यं.प्र. = 2081 सेकण्ड

2081 X 79 = 164399 ÷ 10, 000 = 16.44 (=16) सेकण्ड मीन मेष के 1 से 10 अंश के
2081 X 78 = 162381 ÷ 10,000 = 16.23 (= 16) सेकण्ड 11 से 20 अंश
2081 X 75 = 156078 ÷ 10,000 = 15.60 (= 16) सेकण्ड 21 से 30 अंश

उक्त प्रकार से मिथुन तक के चरखंड प्राप्त कर शून्य अक्षांश के सबंधित अंशों (1 से 10, 11 से 20, 21 से 30) के उदयमान में से घटाने और कर्क से कन्या तक के उदयमान में जोडने पर स्थल अक्षाश की राशियों के उदयमान प्राप्त होते है।

उक्त प्रकार से प्राप्त मेष से मीन तक के उदयमान के सेकण्डों में 60 का भाग देने पर लब्धि मिनिट और शेष सेकण्ड आते है। इस प्रकार प्राप्त मिनिट सेकण्ड प्रत्येक 10 अंश की गति होती है। इस में 10 का भाग देने पर प्रत्येक अंश की गति आती है। मेष से कन्या तक की राशियों के उदयमान के प्रत्येक 10 अंश की गति के मिनट सेकण्ड को उलटे क्रम से रखने पर तुला से मीन तक की राशियों की गति आती है।

जैसे – 31^0 अक्षांश के सिंह कन्या के उदयमान की गति–

	1–10	11–20	21–30
सिंह	4 45 2	4 45 3	4 43 5
कन्या	4 40 8	4 38 8	4 37 5
तुला वृश्चिक की गति उल्टे क्रम से निम्न प्रकार होती है–			
तुला	4 37 5	4 38 8	4 40 8
वृश्चिक	4 43 5	4 45 3	4 45 2
उक्त प्रकार से धनु से मीन तक के उदयमानों की गति प्रति अंश प्राप्त होती है।			

9 सायन लग्न सारिणी निर्माण विधि–

मेष राशि के 0 अंश के कॉलम मे 18 घटे 0 मि. 0 सेकण्ड रखकर मेष के 1 से 10 अंश की प्रति अंश गति को जोड़ते जाने पर 10 अंश तक, 11 से 20 तक की प्रति अंश गति को जोडते जाने पर 20 अंश तक, 21 से 30 तक की प्रति अंश गति को जोड़ते जाने पर पूरी राशि के घंटे मिनट सेकण्ड प्राप्त होते है। 30वे अंश में आये घंटे मिनट को वृषभ के 0 अंश के कॉलम मे रखकर पूर्ववत् गति संस्कार करने पर 30 अंश तक वृषभ राशि के घंटे मिनट सेकण्ड आते है। इसी प्रकार मेष से मीन तक राशियों के घंटे मिनट सेकण्ड (सांपातिक काल के) प्राप्त होते हैं।

10 दशम भाव सारिणी निर्माण विधि–

दशम सारिणी तैयार करने में मेष के 0 अंश के कॉलम में 0 घंटे 0 मि. 0 सेकण्ड रखकर उक्त प्रकार से गति मिनिट सेकण्ड जोडते जाने पर मीन के 30 अंश तक की दशम भाव सारिणी तैयार होती है। इसका उपयोग विश्व के सभी अक्षांश के स्थलों के लिए किया जाता हे।

।। समाप्त ।।

1. नाम — **रमेशचन्द्र जी॰ पण्ड्या**
2. पिता का नाम — श्री जगन्नथ जी पण्ड्या
3. मूल निवास स्थान — भीलूडा, जिला डूँगरपुर
4. जन्म दिनांक — 10 जनवरी, 1936

शिक्षा

(A) हाई स्कूल तक– भीलूडा, परतापुर पोटला (भीलवाडा) एव सागवाडा

(B) बी ए (नवीन शास्त्री) एव बी एड (शिक्षा शास्त्री) (कामेश्वर सिह दरभगा सस्कृत विश्वविद्यालय, दरभगा)

(C) विभिन्न सस्थानो से प्राप्त शिक्षण–प्रशिक्षण–

(I) बी जे (पत्रकारिता) मुम्बई (ii) विद्याकलानिधि (हरिद्वार), (III) साहित्य रत्न, (I) (इलाहाबाद), (IV) सी एल एल (श्रमकानून) दिल्ली, (V) ए म एच एम डी एस (होम्यो) लहरिसराय–दरभगा एव (VI) कुडली विशेषज्ञ (नारगोल)

6. **अनुभव** –विगत 45 वर्षो से विभिन्न शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक, राजकीय एव प्राइवेट सस्थाओ मे सहायक एव प्रधान के रूप मे कार्यरत रहने पर भीज्योतिष शास्त्र मे सन् 1954 से अविछिन्न सबध बना रहा ।

7. **प्रकाशित रचना** – 'कुडली कल्पतरू' (गणित भाग)

8. **अप्रकाशित रचनाएं** – (i) 'कुडली कल्पतरू' (फलादेश भाग) (ii) सापातिक काल आधरित 0 से 60 अक्षाश तक सायन लग्न सारिणियॉ,(iii) भारतीय प्रातो के जिलो, कस्बो एव मुख्य गावो तथा विश्व के प्रमुख नगरो के अक्षाश, रेखाश रेखान्तर एव पलभा, (iv) अर्वाचीन एव प्राचीन पद्धति का वर कन्या मेलापक रेडी–रेकनर, (V) त्रिकोणमिति आधारित आधुनिक सुगम ग्रह– गणित (vi) ग्रह एव नक्षत्रो का सामान्य परिचय–उनके उदयास्त गणित के साथ, (vii)आज के सदर्भ मे मेरी दृष्टि मे शिक्षा का स्वरूप, (viii) एन इग्जोस्टीव गाइड टू जनरल इग्लिश, (ix) प्रतिवर्ष का सुगम एव स्थायी ईस्वी सन् 1 से 4000 तक का कलेडर, (X) 'मृणालिनी' स्वरचित कविताए एव गद्यगीत।

9. **जीवनोद्देश्य**– अपने जीवन की इस यात्रा मे जो कुछ प्राप्त हो उसमे का सर्वश्रेष्ठ बहुजन हिताय विनम्र भाव से समाज को अर्पित कर अपने जीवन को सार्थकता प्रदान करना ही एक मात्र मेरा उद्देश्य है ।

10. **वर्तमान सम्पर्क सूत्र** – ज्योतिष शोघ सकाय, एल 124 सेक्टर 9, उदयपुर – 313002